

1. किसान खेती का काम बंद कर देंगे और जंगली जानवर गांव और शहर पर हमला करना शुरू कर देंगे।
2. बदल जाएगी धरती की धुरी। इसके बाद कई भूकंप आएंगे।
3. आसमान में दो सूर्य निकलने का आभास होगा। यह आसमानी पिंड होगा, जो बंगाल की खाड़ी में गिरेगा और ओडिशा जलमग्न हो जाएगा।
4. समुद्र का जलस्तर बढ़ जाएगा और जगन्नाथ मंदिर की 22वीं सीढ़ी तक पानी आ जाएगा। तब भगवान के विग्रह को उनके भक्त छातियाबटा ले जाएंगे।
5. धरती पर हो रही प्राकृतिक आपदाओं के कारण धरती पर 7 दिनों तक अंधेरा रहेगा। कहा जा रहा है कि यह घटना 2022 से 2029 के बीच होगी।
6. एक ओर प्राकृतिक आपदाएं होंगी तो दूसरी ओर होगा महायुद्ध। तीसरे विश्वयुद्ध की शुरुआत शनि के कुंभ राशि में प्रवेश करने पर हो जाएगी।
7. तीसरा विश्वयुद्ध 6 साल 6 माह तक चलेगा। चीन 13 मुस्लिम देशों के साथ मिलकर भारत पर हमला कर देगा। आखिरी के 13 माह भारत युद्ध में शामिल होगा और यह भारत की लड़ाई होगी। भारत की इसमें विजय होगी। भारत सदा के लिए अपने दुश्मनों को न सिर्फ खत्म कर देगा बल्कि विश्व गुरु भी बन जाएगा।
8. भारत का आखिरी राजा एक शक्तिशाली हिन्दू राजा होगा, जो योगी पुरुष होगा और जिसकी कोई संतान नहीं होगी। उसमें विश्व का नेतृत्व करने की अद्भुत क्षमता होगी और वह धर्म के सहारे शांति स्थापित कर पाएगा।
9. उस वक्त ओडिशा का अंतिम राजा गजपति महाराज होगा। इसी दौरान भगवान कल्कि प्रकट होंगे, जो युद्ध में भारत का साथ देंगे।
10. अमेरिका का एक बड़ा हिस्सा जलमग्न हो जाएगा। चीन के कई टुकड़े हो जाएंगे। पाकिस्तान का नामोनिशान ही मिट जाएगा। पाकिस्तान के साथ मिलकर लड़ने वाली शक्ति कमजोर और दयनीय हो जाएगी। रूस एक हिन्दू देश बन जाएगा। योरप युद्ध लड़ने लायक नहीं रहेगा। वहां की जनसंख्या न के बराबर होगी।
11. योरप की लगभग सभी आबादी नष्ट हो जाएगी। अंत में रूस सफलता प्राप्त करेगा। विजयी रूस को आगामी अवतार वश में करेगा।
12. लोग कीट-पतंगों की तरह मरेंगे और विश्व की जनसंख्या 64 करोड़ ही रह जाएगी। चीन तबाह हो जाएगा। रूस हिन्दू राष्ट्र बन जाएगा।
13. भविष्य मालिका के अनुसार 2025 के बाद का समय एक विभिषिका के समान होगा। वहीं लोग बचेंगे तो सत्य और धर्म के मार्ग पर चलेंगे।
14. भारत के संदर्भ में कन्नड़ में लिखी भविष्याणी के अनुवाद में यह कहा जाता है कि 6 और 7 का जोड़ 13 होता है और इसी में 13 और मिलाने से 26 अंक आता है। इसी 26 अंक के माध्यम से अच्युतानंद दास ने भारत पर होने वाले हमले के बारे में भविष्याणी की है। शनि जब मीन राशि में प्रवेश करेंगे तब भारत पर संकट के बादल छाएंगे। साल 2024 में शनि कुंभ से निकलकर मीन राशि में जाने वाले हैं।
15. शनि के मीन में जाने से वह वहां ढाई वर्ष तक रहेगा। भविष्यवाणी के अनुसार एक संत के हाथों में होगी देश की बागडोर जो अविवाहित होगा।
16. जगन्नाथपुरी को जोड़ने वाले एक राष्ट्रीय मार्ग का निर्माण होगा। ओड़ीसा का अंतिम राजा एक बालक वृद्ध होगा। यानी बालबुद्धि होगा। भगवान जगन्नाथ के धाम पुरी मंदिर के उपर से पथर नीचे गिरेंगे और मंदिर का ध्वज कई बार गिरेगा। इस दौरान प्राकृतिक आपदा के चलते भारतवर्ष में नीलंचल (जगन्नाथपुरी) समुद्र के गर्भ में विलीन हो जाएगा।
17. बुजुर्गों और शिक्षकों को निरादर होगा वहीं पाखंडी लोग धर्मगुरु बनकर लोगों को छलेंगे। भविष्य में लोगों के मन में धर्म, संवेदनशीलता, प्रेम और संस्कार खत्म हो जाएंगे। नेक और धार्मिक भक्तों का मजाक उड़ाया जाएगा।
18. धीरे-धीरे आस्तिकों की संख्या घटेगी और यह दुनिया आस्तिकों और नास्तिकों के बीच विभाजित हो जाएगी। इंसान व्यभिचारी हो जाएंगे। पुरुष का पुरुष से और महिला का महिला से अप्राकृतिक संबंध बनेगा।
19. इंसान के घर पर जानवरों का हमला होगा। आए दिन इंसान और जानवरों में भिड़ंत होते हुए देखेंगे। शहरों में जंगली जानवर घूमते रहेंगे।
20. प्राकृतिक आपदाएं तबाही मचाएंगी, विचित्र महामारी और बीमारियां से जनता त्रस्त रहेगी। हवाएं लोगों को बहुत परेशान करेगी।...महंगाई इतनी बढ़ जाएगी कि जनता सड़पर आंदोलन करेंगे।
21. कलयुग के अंत के समय जीवन देने वाला सूर्य जीवन लेने वाला बन जाएगा। महागुप्त पद्म कल्प के अनुसार भगवान जगन्नाथ अपने हाथ में 12 हाथ की खड़ा लेंकर पूरी धरती पर भ्रमण करके समस्त मलेच्छ लोगों को संहार करेंगे। जब सभी का संहार हो जाएगा तभी कलियुग का अंत हो जाएगा। भगवान कल्कि संभल ग्राम में होगा। संभल ग्राम उत्तर प्रदेश में भी है और उड़ीसा में ही है। कल्कि भगवान का नाम चक्रमणी या चक्रधर होगा। उनके पिता के नाम विष्णुशर्मा होगा। #firstpost

22. महाभारत के युद्ध को लेकर भी उनकी भविष्याणी वायरल हो रही है। बताया जा रहा है कि महाभारत के युद्ध के समय कई लोग किसी कारणवश इस युद्ध में भाग नहीं ले पाए थे। वे सभी योद्धा युद्ध लड़ना चाहते हैं और अब उनकी यह इच्छा कलियुग के अंत में पूरी होगी जबकि कल्कि अवतार का जन्म होगा। भगवान बलराम भी युद्ध में भाग नहीं ले पाए थे। बलरामजी को ही जगन्नाथपुरी में बलबद्र के नाम से जाना जाता है। कलियुग के अंत में बलरामजी प्रकट होंगे। और कलियुग के अंत में महाभारत का अधुरा युद्ध फिर से लड़ा जाएगा।

23. इसके बाद 1,000 साल तक शांति का युग बना रहेगा।

जाइफुल मालिका

भाग-2

**

उडिशा रे युद्ध स्थान,
कटक रु चौद्वार टि जाण लो जाइफुल
तहिं बहिब रकत पुण।10।

जोबरा ठारु जटणी,
एहा मध्ये गोल हेबटि पुणि लो जाइफुल
सेहि भांगिबे दैत्य धरणी।11।

शत शत कोठा घर,
पोडि जलि हेब कि नारखार लो जाइफुल
तहिं शुणिबु बेनि कर्ण र।12।

कोणारक रे जे आउ,
सहिब के अबा युद्ध र दाउ लो जाइफुल
दुष्ट मारिदेबे चाहुं चाहुं।13।

बड देउल भितरे,
हाण गोल हेब सेहि बेलरे लो जाइफुल
तुहि देखिबु बेनी नेत्र रे।14।

अछुआं लोक जे पुणि,
देउल भितरे पसिबे जाणि लो जाइफुल
सेहि मोहन गांधी र वाणी।15।

शत शत यम दूत,
छागल पराए होइबे हत लो जाइफुल
तांक कर्म अटई असत्य।16।

भावार्थ:

यहां पर महापुरुष अच्युतानंद दास जी कहते हैं कि कलियुग के अंत में जो युद्ध होगा, उड़िसा में ही ज्यादातर होगा। उड़िसा का कटक से लेकर चौद्वार (पुरानी विराट राजा के नगर) तक युद्ध होगा। जिसमें खुन के नदी बहेगी।

और भी उड़िसा के जोब्रा (जिसको भक्तों का परीक्षा स्थान रूप से भविष्य मालिका में वर्णित है) से जटणी (खुर्दा रोड स्टेशन जहां स्थित है) तक युद्ध का मैदान बनेगा। वहां पर दैत्य लोगों का विनाश होगा, धरणी से उनका भार कम होगा।

शैकडो पक्का ईमारत जल जाएंगे, टूट जाएंगे, नष्ट हो जाएंगे।

कोणार्क (जहां पर विख्यात सूर्य मंदिर स्थित है) में भी इतना युद्ध होगा कि सैकड़ों दुष्ट लोगों का विनाश होगा, उस युद्ध को साधारण लोगों के लिए असहनीय हो जाएगा।

जगन्नाथ मंदिर में भी शत्रु प्रवेश करेंगे। वहां पर भी मारामारी मची हुई होगी।

जिन लोगों को मंदिर प्रवेश के लिए अछुत माना जाता है, उन लोगों का ज्यादातर प्रवेश होगा (महात्मा गांधी ने जो नियम बनाए, उस प्रकार)। सैकड़ों यमदूत/राक्षस/दुष्ट लोगों का बकरा जैसे कल्ल होगा, जिनके कर्म असत्य होगा।

यहां पर एक छोटा सा बात है की जब आज से 600 साल पहले मालिका लिखा गया तब महात्मा गांधी जी का जन्म भी नहीं हुआ था। लेकिन मालिका में वर्णित बातों का कितना सच्चाई है, की जो होना है उससे कई साल पहले मालिका लिखा है।

जय श्री माधव □

धनिआ ▲गिरी पर्वत में धन पहले से मौजूद है, मानधाता युधिष्ठिर ने वहाँ धन रखे हैं कलियुग लीला के लिए, बैंक खातों में घरों में जो धन (Cash) है उसे सरकार अपने कब्जे में कर लेगी, वाकी जो धन रहेगा वो जमीन के अंदर धस जाएगा मतलब धन को वासुकी हरण कर लेगा (स्विस बैंक में जमा पैसा भूकंप के जरिए जमीन के अंदर धस जाएगा) लोग कंगाल भिखारी हो जाएंगे इसके बाद कल्कि भगवान युधिष्ठिर के रखे हुए धन को विश्व कल्याण के लिए लगाएंगे ओर रास्ते पर पड़ा हुआ सोना चांदी हीरे जैसे कीमती धातु को उस वक्त कोई नहीं उठाएगा क्यों की उस समय सभी इंसान धर्म नाम के धन रोजगार करने के लिए इच्छुक होंगे - मालिका शास्त्र

दोहा :- जलबंदी पुणी होइव, बहु गाँ रहिव
कटक शहर जल रे, पुणी बुढ़िण जिव
बारम्बार पुणी पवन, अती तिब्र बहिव
कोठा वाड़ी सबु राम रे, सर्व भुसूड़ी जिव

ओड़िशा के कटक शहर पूरी तरह से जल मग्न होने जा रहा है और हवा बहुत तेज चलेगी की बिल्डिंग सब ध्वस्त हो जाएगा (वर्ष 1999 ओड़िशा में जो तूफान हुआ था उस तूफान का रफ़्तार/वेग 300 किलो मीटर प्रति घंटा था पर वर्ष 2023 में जो होने जा रहा वो उससे कई गुना ज़्यादा भयानक होगा, इतना भयानक होगा की पक्का मकान कुछ पल भर में मलवे में तब्दील हो जाएगा)

महापुरुष अच्युतानंद दास
मालिका - युगब्धि गीता

"मालिका" में महापुरुष अच्युतानन्द दास ने वर्णन किए हैं की पुरी रथयात्रा 6 वर्ष तक बंद रहेगा और 9 वर्ष तक धरती माता खामोश हो जाएगी।

फिर महापुरुष शिशु अनंत दास मालिका के "पटा मड़ाण" ग्रंथ में वर्णन किए हैं की भविष्य में आश्विन महीना में रथयात्रा होगा।(आमतौर पर रथयात्रा आषाढ़ महीना में आयोजित होता है परन्तु भविष्य में यह आषाढ़ महीना के बदले आश्विन महीना में रथयात्रा देखने को मिलेगा)

[रथयात्रा 12 यात्राओं में सर्व श्रेष्ठ है]

महापुरुष अच्युतानन्द दास जी ने "चौषठी पटल" में जिस बात का वर्णन किए थे वही बिषय पर बाद में महापुरुष शिशु अनंत दास जी ने "पटा मड़ाण" में वर्णन किए हैं....

"पांच ग्रहों का एक राशि में जिस दिन संयोग बनेगा"

□□

"स्वान अर्थात कुत्ते यजुर्वेद श्लोक गाएंगे
ओर बगुला पक्षी भगवत गीता पढ़ेंगे"

जब कुत्ते यजुर्वेद श्लोक गाएंगे ओर बगुला पक्षी भगवत गीता पढ़ेंगे तब समझ जाना की कलियुग का अंतिम क्षण चल रहा होगा...

#kaliyugaend

महापुरुष अच्युतानन्द दास ने अपने शिष्य रामदास को यह दोहा लिखकर समझा रहे हैं की...

"पांच ग्रहों का एक राशि में जिस दिन संयोग बनेगा तो समझ जाना उस दिन से भयंकर अकाल ओर भुकमरी पूरे विश्व को अपनी चपेट में ले लेगा" ।

श्रीलंका के बाद नेपाल, भारत ऐसे सभी देशों को अकाल ओर भुकमरी अपनी चपेट में ले लेगा 1

इस बात को गर्ग ऋषि अपनी गर्ग संहिता में भी वर्णन किए हैं श्लोक के माध्यम से "जैसे ही विश्व में युद्ध शुरू हो जाएगा तब पूरे विश्व में अकाल ओर भुकमरी से त्राहिमाम होगा ओर युद्ध से इस धरती में करोड़ों की संख्या में इंसानों की कीड़े-मकोड़े तरह मृत्यु होगा, इस धरती में खून ही खून बहेगा ।

मालिका का नाम :-चौषठी पटल, सप्तदश पटल, Page no.73

#ww3 #kaliyugaend

उत्कल अर्थात ओड़िशा के 17 महापुरुष जो भविष्यवाणी किए थे उन 17 महापुरुष में से 5 महापुरुष जिनके नाम है महापुरुष अच्युतानन्द दास, बलराम दास, शिशु अनंत दास, यशोवंत दास, जगन्नाथ दास भिन्न थे ओर वरिष्ठ थे ओर इसीलिए ये 5 महापुरुषों को पंचशखा कहा जाता है । इन महापुरुषों द्वारा किए गए भविष्यवाणी जिसको "मालिका" शास्त्र कहा जाता है इस पर पहले ज़्यादातर लोग विश्वास नहीं करते थे लेकिन अब करने लग गए हैं, अनुभव भी करने लग गए हैं, सिंधल द्वीप से कल्कि लीला शुरू होगा मतलब त्रेता युग में श्रीलंका को सिंधल द्वीप कहा जाता था इसीलिए मालिका में श्रीलंका शब्द का बर्णन नहीं है, ओर अन्न संकट सबसे पहले श्रीलंका से ही शुरू होगा जो मालिका में बर्णन था वो शुरू हो चुका है आप लोगों खबर मिल रहा होगा, महापुरुष

शिशु अनंत दास मालिका में ये नहीं बताएं हैं की सिर्फ श्रीलंका में अन्न संकट होगा, अन्न संकट तो देश और विदेश में होगा, आज श्रीलंका में हुआ है तो कुछ दिन बाद चीन, अमेरिका, यूरोप, भारत में होगा, यहाँ महापुरुष अपने दोहा में एक शब्द इस्तेमाल किए हैं ; वो शब्द है - " मरू महारोग" मतलब हर सामान का मूल्य बढ़ जाएगा, जल संकट से त्राहिमाम होगा, जय जगन्नाथ, जय पंचशखा मालिका शास्त्र

॥श्रीहरिः॥

श्रोता -- ज्ञानयोग , कर्मयोग और भक्तियोग *मेरी समझ में नहीं आता। ऐसा कोई उपाय बताएं, जिससे कल्याण हो जाए ।*

स्वामी जी -- *'हे नाथ! हे मेरे नाथ!' पुकारो।* ज्ञानयोग , कर्मयोग आदि समझने की जरूरत नहीं। *बालक* ज्ञानयोग , कर्मयोग आदि कुछ नहीं जानता , *केवल यही जानता है कि मेरी माँ है । मेरी माँ मेरे को गोद में क्यों नहीं लेती- ऐसी व्याकुलता होनी चाहिए।*

बिंदु में सिंधु पुस्तक से पृष्ठ 211

परम श्रद्धेय स्वामी जी श्री रामसुखदास जी महाराज के प्रवचनों का सार संग्रह

नारायण !नारायण !नारायण ! नारायण!

□ भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी के बाद विश्व युद्ध शुरू होगा जब चीन के साथ 13 मुस्लिम देश पाकिस्तान को अपना समर्थन देंगे।

□ पूरे विश्व को एक शासन के अधीन लाया जाएगा और विश्व का मुख्यालय (अभी का संयुक्त राष्ट्र संघ) भारत के ओड़िशा में होगा।

□ भारत के अंतिम पीएम योगी होंगे। वह एक ब्रह्मचारी (ब्रह्मचारी) की तरह रहेंगे, शाकाहारी होंगे, एक उत्साही हिंदू होंगे, योग को बढ़ावा देंगे और उनकी कोई संतान नहीं होगी।

□ आखिरी पीएम के शासन के दौरान विश्व युद्ध होगा। वह विश्व युद्ध में भारत को एक मजबूत स्थिति में ले जाएगा। अंत में भारत में सैन्य शासन होगा और उसे समय से पहले अपना पद छोड़ना होगा।

□ हिमखंडों के पिघलने से साइबेरिया से जमे हुए विषाणु फैलेंगे। दुनिया में एक के बाद एक 7 महामारियां बिखर जाएंगी। सांस की बीमारियां लोगों को सांस नहीं लेने देंगी। चेहरे कपड़ों से ढके रहेंगे। वैज्ञानिक इसका इलाज ढूँढ़ पाएंगे।

□ 2026-2029 के बीच 7 दिन और रात लगातार अंधेरा रहेगा इस दौरान जंगली जानवर शहरों में घुस आएंगे और कुत्ते बन जाएंगे

□ 2029 से पहले अधिकांश यूरोप पानी के नीचे होगा। बाढ़ या समुद्र के स्तर में वृद्धि से नहीं, बल्कि एक क्षुद्रग्रह द्वारा जो समुद्र में टकराएगा।

□ विश्व युद्ध में रूस, जापान और जर्मनी भारत के साथ होंगे। विश्व युद्ध के अंत तक फ्रांस भी भारत के साथ होगा। पाकिस्तान, चीन, तुर्की, ब्रिटेन, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और 13 मुस्लिम देश होंगे भारत के खिलाफ हो।

□ भारत पर एक से अधिक परमाणु बम गिराए जाएंगे और वे चमत्कारिक ढंग से विफल होंगे।

□ विश्व युद्ध में यूरोप बुरी तरह पीड़ित होगा और भारी तबाही मचाएगा।

□ कई गांवों में 3-4 लोग ही बचे हैं और उन्हें हवा खाकर गुजारा करना पड़ेगा 2 हफ्ते के अंतराल पर भी खाना मिलना मुश्किल हो जाएगा।

□ दुनिया भर में छोटे-छोटे लगातार भूकंप आएंगे और फिर एक बड़ा भूकंप आएगा जो पृथ्वी को तीन बार हिलाएगा, असहनीय ध्वनि और विनाशकारी क्षेत्रों का उत्पादन करेगा, जिसमें दिल्ली भारत से लेकर पाकिस्तान, चीन, बलूचिस्तान, अफगानिस्तान, इंडोनेशिया, थाईलैंड शामिल हैं। आदि। यह भूकंप कुल मिलाकर एक अरब लोगों को मार डालेगा! चीन पाकिस्तान इतनी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो जाएगा कि यह कल्पना करना भी मुश्किल होगा कि ऐसे देश मौजूद थे।

□ इस भूकम्प में बड़े-बड़े पहाड़ और गगनचुंबी इमारतें ऐसे लुप्त हो जाएंगी जैसे उनका अस्तित्व ही नहीं था और पृथ्वी के ध्रुव आपस में बदल जाएंगे। उत्तर दक्षिण हो जाएगा और दक्षिण उत्तर हो जाएगा।

□ बार-बार धूमकेतुओं की बारिश होगी और उल्कापिंड गिरेंगे जो बहुत सारे रिहायशी इलाकों को जला देंगे।

□ चीन, थाईलैंड, इंडोनेशिया, जापान, हांगकांग, अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, जर्मनी, बांग्लादेश, अरब देश आदि ग्लेशियर पिघलने के कारण समुद्र द्वारा बड़े पैमाने पर खाये जायेंगे।

□ लगभग 60-70% USA पानी में डूब जाएगा।

□ भारत में हिमालय से आने वाली ठंडी हवाएं 7 दिनों तक असाधारण रूप से चलेंगी और कई जानवरों और मनुष्यों की मौत का कारण बनेंगी।

□ इसके बाद चीन 13 मुस्लिम देशों के साथ मिलकर भारत पर हमला करेगा और युद्ध में बुरी तरह हारेगा। यह युद्ध मक्का मदीना के पास होगा। चीन के कई टुकड़े हो जायेंगे और चीन जैसा कोई देश नहीं बचेगा।

□ जब मक्का-मदीना में युद्ध चल रहा होगा तब भारत में बंगाल की खाड़ी के पास समुद्र उफान पर होगा समुद्र का स्तर इतना बढ़ जाएगा कि जगन्नाथ पुरी मंदिर की 22वीं सीढ़ी जितना पानी होगा।

भविष्य मलिका के वास्तविक वाक्यांश:

✓ ल होएबे नासो।

अर्थात् आने वाले समय में सभी लोग एक ऐसा समय भी देखें, जब लोगो के मुह से रक्त की उल्टियां होने लगेगी, उस दौरान बहोत स लोग जिन्होंने ने पाप किया है ऐसे पापी लोगों की मृत्यु होगी।

महापुरुष इस विषय में एक बार फिर से इस प्रकार लिखें...

□ आद्य वैद्य ठरे प्रकाश होइबो अरे अन्य हेबे नास बैद्य नास जेबे होइब ओ बारंगो अउके होइब धंसो।

भविष्य मालिका | Bhavishya Malika Research | कल्कि अवतार | Kalki Avatar | युग परिवर्तन | Yug Parivartan | संशोधन | Research:

अर्थात - उपचार करने वालों के ऊपर सर्वप्रथम इसके असर दिखाई देंगे, तत्पश्चात् धीरे-धीरे समस्त मनुष्य समाज में इसके लक्षण दिखने लगेंगे, व सभी पापियों का विनाश होगा। दरअसल सभी को धर्म मार्ग में आना चाहिए, जो धर्म मार्ग में नहीं होंगे उनका विनाश निश्चित है। समय रहते हमें इन गंभीर विषय को समझना चाहिए, क्यों कि भविष्य में इस अज्ञात बीमारी से असंख्य मृत्यु होगी, इसकी चपेट में केवल भारत ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व ही होगा, समस्त विश्व में यह एक महामारी के रूप में उभरेगा, मालिका के अनुसार 64 प्रकार के रोग विश्व को कंपित करेंगे जिसमें से यह भी एक रोग होगा। सनातन धर्म सभी भक्त व साधुजन इस गंभीर विषय पर विचार करें, अपने कर्म क्षेत्र व स्वयं के कार्यों में परिवर्तन लायें, सभी मिलकर सम्पूर्ण समाज में धर्म का विस्तार करें, इससे भविष्य में होनेवाले विनाश से बचा जा सकता है।

□तेरह टोपिया हेबे भेंट प्रथम गुलटी प्रकट।

अर्थात - जब पाकिस्तान व अन्य मुस्लिम देशों को मिलाकर विश्व के तेरह मुस्लिम देश एकजुट हो जाएंगे, उस समय से भारत व पाकिस्तान का युद्ध आरंभ हो जायेगा। वर्तमान परिस्थिति की बात की जाए तो मुस्लिम देशों के द्वारा कई मुद्दों पर लगातार भारत को घेरने की सुरुआत स्पष्ट दिखाई पड़ती है। इसके अलावा भारत के खिलाफ कई मुस्लिम देशों की एकजुटता भी देखी जा रही है। भारत को घेरने के लिए तुर्की व पाकिस्तान के द्वारा एक संगठन बनाने की बात भी सुनी जा रही है। भारत के विरुद्ध कई मुस्लिम देशों को साथ लाने को तुर्की और पाकिस्तान गुप्त रूप से कई बैठकें भी कर रहे हैं।

कई लोगों के मन में द्वंद है कि विश्वयुद्ध कैसे होगा ?

उत्तर - दरअसल जिस दिन भारत व पाकिस्तान के मध्य युद्ध की सुरुआत हो जाएगी, उसी दरमियान पाकिस्तान तेरह मुस्लिम देशों को साथ लेकर चीन के साथ मिल जाएगा, व अमेरिका रशिया कई शक्तिशाली देश अपने संगठन को गठित कर युद्ध में उतरेंगे तब विश्वयुद्ध की सुरुआत होगी। वर्तमान परिस्थिति की बात करें तो यूक्रेन और रशिया के बीच जो युद्ध कई महीनों से चल रहा है, जिसकी वजह से पूरा विश्व आज आर्थिक संकट से जूझ रहा है। इसके अलावा विश्व के सभी देश भविष्य में विश्वयुद्ध की आहट को देख कर अपनी सुरक्षा के लिए चिंतित है, व खतरनाक हथियारों की खरीद में व्यस्त है। यदि इस मुद्दे को सही से समझा जाये तो यह समझिए कि जब रशिया जैसा शक्तिशाली देश इतने नुकसान को झेलने के बाद और बाकी सभी देश अरबों खरबों के हथियार जुटाने के बाद शांति से तो नहीं बैठेंगे। वर्तमान वैश्विक परिस्थिति पर नजर डालें तो दिखेगा की प्रायः हर तरफ ख़ाद्य संकट व महंगाई से जनता त्रस्त है और राष्ट्राध्यक्ष अपनी कुर्सी बचाने की जुगत में युद्ध को एक विकल्प के तौर पर देख रहे हैं।

जब पाकिस्तान व बाकी मुस्लिम देशों के द्वारा भारत पर प्रथम आक्रमण किया जाएगा तब युद्ध की सुरुआत होगी, उस समय उड़ीसा के श्रीजगन्नाथ क्षेत्र से कई संकेत आएंगे...

□तुरुकी धाई आसीब भारतेर हाँड़, काट काइफूलो जाइफूलो, गुली गोला तुंही बरसिबो।

अर्थात - विश्वयुद्ध में तुर्की के द्वारा पाकिस्तान को पूर्ण समर्थन प्राप्त होगा। तुर्की और पाकिस्तान के साथ ग्यारह और मुस्लिम देश चीन के साथ मिलकर भारत पर आक्रमण करेंगे। और देखते ही देखते यह युद्ध महायुद्ध में परिवर्तित हो जाएगा। भारत के लिए यह एक कठिन समय साबित होगा परंतु इस कठिन समय में भारत अकेला नहीं होगा और इस युद्ध में रशिया, जर्मन, फ्रांस और जापान जैसे शक्तिशाली देश भारत का साथ देंगे। युद्ध में भारत के दुश्मन देशों की सेनाओं को बोहोत नुकसान का सामना करना पड़ेगा जिसकी भरपाई करना उनके लिए संभव नहीं हो पायेगा। इस प्रकार इस विध्वंसक युद्ध के पश्चात धर्मसंस्थापना का कार्य और आगे बढ़ेगा, व दुनिया एक नए युग की ओर अग्रसर होगी यह सभी बदलाव आनेवाले समय में हम देख पाएंगे।

□बाईसी पाबछे मीन खेलथुब सिंघासने वरुणो, मक्का मदीनारे घोर जुद्धो हेबो मरिबे बिधर्मीगण।

अर्थात - भारत पाकिस्तान के बीच युद्ध की सुरुआत होगी तब श्रीजगन्नाथ मंदिर में 22 पाबच्छ अर्थात बाइस सीढ़ियों को चढ़ कर भक्तजन भगवान जगन्नाथजी और उनके रत्न सिंघासन का दर्शन करते हैं, उसी रत्न सिंघासन तक समंदर अपनी सीमा को लांघकर आजायेगा। रत्न सिंघासन पर मछलियां खेलेंगी उस वक्त जगन्नाथजी अपने स्थान पर नहीं होंगे, जगन्नाथजी के रत्न सिंघासन पर वरुण देवता विराजमान होंगे, अर्थात उसी वक्त सम्पूर्ण जगन्नाथ मंदिर समुद्र के जल में डूब जाएगा। उसी युद्ध की सुरुआत के वक्त विश्व के एक और स्थान मक्का मदीना में भी घोर संग्राम हो रहा होगा। यह सभी घटनायें लगभग एक ही समय घटित होगी।

इसपर दोबारा महापुरुष अच्युतानंद जी इस प्रकार से लिखते हैं...

#ww3

□सेकाले भक्त माने मिलि सियालदह पीठ स्थली।

अर्थात - भारत पाकिस्तान के बीच युद्ध की सुरुआत के समय पश्चिम बंगाल राज्य के सियालदह में महायज्ञ होगा। उस महायज्ञ के अनुष्ठान में विश्व के सभी 16 मंडलों के भक्तगण सियालदह में एकत्रित होकर उस महायज्ञ में सम्मिलित होंगे, व यज्ञ अनुष्ठान को पूर्ण करेंगे।

□ख्यजिबे कथिबा जार घट वृद्ध अंगु जुबाहेबे कहे भीमबोहि तामर अज्ञानी एकाख्यर माने भज।

अर्थात - जाजपुर की वो पवित्र भूमि जहाँ आदि माता बिरजा मूर्ति रूप में प्रत्यक्ष विद्यमान है। उस पवित्र स्थान में जब भगवान कल्कि के नेतृत्व में "सुधर्मा सभा" बैठेगा, उस वक्त जगतपति, भक्तवत्सल, दीनबन्धु भगवान! कल्कि के आह्वान पर बैकुंठ से चंद्र समय के लिए छीरसागर का धरावतरण होगा। उस छीर सागर में महादेवियों के नेतृत्व में अर्थात जो पवित्र भक्त होंगे जिन्हें सुधर्मा सभा में भवभयहारी भगवान! मधुसूदन के साथ बैठने का अवसर मिलेगा उन सभी भक्तों को स्नान के लिए भेजा जाएगा। उस पवित्र जल में स्नान करने वाले सभी भक्त कलियुग के प्रभाव से जिनको बूढ़ावस्था ने घेर लिया है या जिनमें किसी भी प्रकार की कोई रोगव्याधि है, या जिनमें कोई शारीरिक अक्षमता है वो सभी पवित्र भक्त उस छीरसागर के दिव्य जल में डुबकी लगाकर नवयौवन को प्राप्त करेंगे। एवं वो सभी भक्त अर्थात वो सभी देवी देवता जो मानव शरीर में हैं उन सभी को इस कलियुग के प्रभाव से जिण-छिण शरीर से मुक्ति मिलेगी, और सभी दिव्य शरीर को प्राप्त करेंगे।

इसपर महापुरुष अच्युतानंद जी मालिका में इस प्रकार से लिखते हैं...

□तुलसी पतर गोटी-गोटी भासुथिब खीरनदी नामे एक नदी बहिब।

अर्थात - जिस छीरसागर का आह्वान प्रभुजी के द्वारा किया जाएगा उस पवित्र सागर के जल में माँ तुलसी के पत्र भी तिरते हुए भक्तजन देख पाएंगे, एवं उसी जल में भक्तजन स्नान करेंगे और दिव्य शरीर (किशोरावस्था) को प्राप्त करेंगे।

महापुरुष एकबार फिर लिखते हैं...

??भक्त कलानिधि जेबे कला देबे बांटी कलीरे कलमुस सेठु जिबे परा टूटी।

अर्थात - अनन्त कोटि ब्रह्मांड के नाथ महाविष्णु महाकल्कि उसी सभा में अपनी वैष्णव कला (वैष्णव शक्ति अंश) प्रदान करेंगे, उस कला की प्राप्ति के पश्चात भक्तजन कलियुग में बिताए सारे कष्ट और सारी यादों को भूल जायेंगे।

फिर सत्ययुग की शुरुआत होगी रामराज्य होगा सभी भगवान कल्कि के शासन में परमानंद में समय व्यतीत करेंगे, हर तरफ खुशियाँ होंगी ऐश्वर्य होगा, कहीं दूर-दूर तक दुःख व दरिद्रता नहीं होगी, बोहोत जल्द ऐसे अद्भुत समय की शुरुआत होगी, जो पवित्र भक्त होंगे वो सभी इस दिव्य परिवर्तन को स्वयं देख पाएंगे।

□एहि घोर कली लीला भली-भली प्राणी हेबे पथ बँणा।

अर्थात - कई चरणों में विभिन्न तरीके से माहाप्रभु की लीला होगी परंतु साधारण मनुष्य इसे अपने ज्ञान के आधार पर समझ नहीं पाएंगे। कलियुग का अंत हो चुका है, यह एक सच्चाई है, अगर नहीं, तो आज सम्पूर्ण विश्व की स्थिति इस तरह से बदतर क्यों हो रही है? जब धर्मसंस्थापना होता है, जब युग के अंत का समय होता है, उसी दौरान मनुष्य समाज में बोहोत से परिवर्तन होते हैं महामारी, रोग, हिंसा, हादसा, युद्ध, आपदा यह सब अचानक से अपना पैर पसारने लगते हैं। इस तरह की घटनाएं समस्त संसार को अधिग्रहण करने लगते हैं। भय व अवसाद का वातावरण बनने लगता है प्रायः हर तरफ अशान्ति होने लगती है। त्रेता में रावण की मृत्यु से पूर्व, और द्वापर में क्रूर कंस की मृत्यु से पूर्व मनुष्य समाज की जो परिस्थिति थी इसकी पुष्टि वाल्मीकि रामायण में वाल्मीकि जी के द्वारा भी की गई है, ठीक वैसी ही परिस्थिति मनुष्य समाज की आज वर्तमान समय में है। रावण और कंस की मृत्यु के पश्चात वातावरण स्वयं स्थिर होने लगा मंद मलय पवन बहने लगी सूर्य की रौशनी शीतल होने लगी, समुद्र का जल मीठा (पीने लायक) हो गया, रोग महामारी समाप्त हो गई, सब ने यौवनावस्था को प्राप्त किया, सुख शांति पुनः अपना पैर पसारने लगी। इसलिए आज विश्व में जो भी अस्थिरता है वह केवल कल्कि लीला अर्थात विनाश लीला का हिस्सा है, यह समय बीतने के साथ और भी उग्र होता जाएगा व 2029 से 2030 तक यह धर्मसंस्थापना का कार्य यँही चलता रहेगा, और मनुष्य समाज में जन्म होने के कारण हमें भी यह देखना पड़ेगा।

महापुरुष एक बार फिर मालिका में इस प्रकार से लिखते हैं...

□माया अन्धकारे गुड़ी रहीथीबे अखिथाई सीजेकणा।

अर्थात - मनुष्य लोग माया में डूबे रहेंगे, उन्हें प्रत्येक वर्ष विभिन्न तरीकों से चेतावनी मिलती रहेगी, पर मनुष्य समाज के गर्व, अहंकार, छमता, अर्थ, सुख, शांति व दम्भ के चक्रव्यूह में फँसे होने के कारण यह भगवदवाणी उनके कानों तक नहीं पहुंचेगी।

महापुरुष इस तरह से दोबारा कहते हैं...

देखने वाले तो देख सकते हैं, परंतु जो नेत्रों के रहते भी अंधे हैं वो देख नहीं पाएंगे। जो अर्थ, गौरव और अपनी क्षमता के वजह से अंधे हैं उनके नेत्र होते हुए भी वो इन बदलावों को देखकर भी समझ नहीं पाएंगे।

#kaliyugaend #anantyug

महापुरुष अच्युतानंद जी फिर से इस प्रकार से लिखते हैं...

□श्रीअच्युत वाणी पत्थर गार पर्वते फूटिब कई, पूर्ब सूर्जवा पश्चिम कुजिबे मवचन सत्य एहिं।

अर्थात - महापुरुष पूर्ण दृढ़ता के साथ प्रतिपादन कर यह लिख रहे हैं की मालिका के हर एक शब्द भगवान विष्णु निराकार की वाणी है, यह अटल सत्य है। पूर्व से उदय होने वाला सूर्य पश्चिम से उदय हो सकता है, पर मालिका में लिखे एक भी शब्द मिथ्या नहीं होंगे।

महापुरुष चक्रामड़ाड मालिका में इस प्रकार से पुनः लिखते हैं...

□मला-मला डाक सात थर हेब, थोके जिबे रेणु होई ज्ञानीजन माने, घबरा होईबे अज्ञानी थिबे ताकाहिं लीला उदय हेबो, भक्तंक लीला भारी होई लीला उदय हेबो।

अर्थात - मरा-मरा शब्द सुन-सुनकर लोग थक जाएंगे ज्ञानी लोग घबराएंगे, सम्पूर्ण विश्व में प्रतिवर्ष एक बार अर्थात सात वर्षों में कुल सात बार मरा-मरा शब्द गूँजेगा बोहोत से लोगों की मृत्यु होगी, जो झूठे साधु संत हैं जो धर्म का व्यवसाय करते हैं वो लोग भयभीत हो जाएंगे, उन्हें समझ नहीं आएगा यह क्या हो रहा है। केवल सच्चे भक्तों को इसका ज्ञात होगा कि विश्व में जो भी हो रहा है वो केवल प्रभु की लीला है, धर्मसंस्थापना का हिस्सा है।

□कली थाउ-थाउ सत्य केहुदिन हेबो केहीण जाणबीर, एणूकरी मोरो अंतना पाईबे नाथीबारु अधिकार।

अर्थात - कलियुग के अंत समय में कलियुग के मध्य धीरे-धीरे सत्ययुग का आगमन होगा। परंतु सभी इस दिव्य परिवर्तन को समझ नहीं पाएंगे। लोगों के द्वारा युग अंत के विषय में चर्चा करते-करते समय समाप्त हो जाएगा। मैं आ चुका हूँ, और मेरे आगमन (धरावतरण) का व मेरे द्वारा किस प्रकार से पृथ्वी पर धर्मसंस्थापना का कार्य सम्पन्न होगा, एवं मेरे भक्तों का उद्धार किस प्रकार से होगा, उन लोगों को इन गुप्त बातों का पता भी नहीं चल पाएगा। सभी अपने ज्ञान और तर्कों में उलझे रहेंगे मेरे अंत को कोई जान नहीं पायेगा, ज्यादातर लोग जो प्राचुर्य वैभव के लिए मनुष्य समाज में धर्म का व्यवसाय करते हैं। जो धर्म को ढाल बनाकर अपने व अपने परीवार के आनंद और उल्ल्हास के लिए धन एकत्रित करते हैं। ऐसे अधर्मी मनुष्यों को धर्म कार्य, धर्मसंस्थापना और मेरे धरावतरण के विषय में किसी भी प्रकार से जानकारी पाने का कोई अधिकार नहीं है।

इसपर पक्षीराज गरुड़ श्रीभगवान से इस प्रकार से प्रश्न करते हैं...

हे चराचर जगत के नाथ, दिनों के बंधु दीनानाथ प्रभो इस कलियुग का अंत कब होगा, एवं मृत्युलोक (पृथ्वी) पर आपका धरावतरण कब होगा और जब आप का धरावतरण होगा तब भक्तों का उद्धार कैसे होगा कृपाकर मुझे यह बतलाइये ?

इसपर स्वयं चक्रधर कमलनयन भगवान! महाविष्णु इस प्रकार से पक्षीराज गरुड़ के सभी प्रश्नों के उत्तर देते हैं...

देखो गरुड़, कलियुग के अंतिम समय में पाँच हजार वर्ष बीत जाने पर जब चंद्रमा से लगे तारे का उदय होगा अर्थात (वर्ष 2005 में मनुष्यों ने चंद्रमा के समीप एक तारे का लगभग दो महीनों तक अपने नेत्रों से दर्शन किया था) एवं श्रीजगन्नाथ खेत्र पूरी के चलन्ति प्रतिमा जिन्हें ठाकुर, "राजा दिव्य सिंह देब" के नाम से जाना जाता है उनके 47 अंक पूरे होंगे तब मैं भक्तों के उद्धार के लिए धरावतरण करूँगा, इस विषय में स्पष्ट सबदों में मालिक में भी वर्णित है। पक्षीराज गरुड़ एक बार पुनः श्रीभगवान से इस प्रकार से कहते हैं, कि हे जगत के तारणहार! प्रभु भक्तों को आपके अवतरण की जानकारी कैसे प्राप्त होगी कृपा कर मार्गदर्शन करें ?

तब एक बार पुनः दीनानाथ अपने गंभीर स्वर में गरुड़ जी से इस प्रकार से कहते हैं...

हे गरुड़, इस गुढ़ रहस्य को कलियुग की भीषण ज्वाला में जल रहे सभी मनुष्य समझ नहीं पाएंगे, एवं सुख, संभोग और उपार्जन में जो लोग लगे होंगे वो मेरा अंत नहीं पाएंगे, ऐसे लोग इन गुढ़ बातों को जानने के अधिकारी नहीं होंगे। ऐसे लोग मेरे बैकुंठ या गोलोक के निवासी नहीं होंगे। इसलिए पूर्व से जो बैकुंठ या गोलोक के निवासी होंगे, जो देवता, यक्ष या गंधर्वों में से होंगे, केवल उन्हीं भक्तों को मालिका के प्रचार के माध्यम से मेरे धरावतरण की सूचना प्राप्त होगी। और वही भक्तजन धर्मसंस्थापना के कार्य में मेरा सहयोग देंगे।

इस प्रकार से भगवान के द्वारा बताई व मालिका में वर्णित सभी निशानियां चंद्रमा से लगे तारे के तौर पर, या राजा दिव्य सिंह देव के 47 अंकों के तौर पर, वर्ष 2005 में पूर्ण हो चुकी है एवं वर्तमान में श्रीभगवान का धरावतरण भी हो चुका है।

पंच सखाओं में से एक महापुरुष शिशु अनन्त दास जी के द्वारा लिखी मालिका में प्रभु के धरावतरण की एक और निशानी इस प्रकार से वर्णित है।

#kaliyugaend

कर जोड़ी बोले बारंग भगत शेखर मुकुट मणि, बेलकला जाणी कलपतरुरे गरल फलिबे पुनि, एण पराएक होइबो बारंग रस मधुरो लागिबे, आदोरे भकईबे कलीजुगे नरे भकी भस्म होइजिबे।

अर्थात् - कलियुग अंत और प्रभु के धरावतरण के समय में एक संकेत इस प्रकार से पूर्ण होगा, की नीम के पेड़ से दूध के जैसा तरल प्रदार्थ बहेगा, उसका स्वाद मधु के समान मीठा होगा, और लोग चमत्कार समझ कर उसका पान करेंगे, एवं उस पेड़ की पूजा भी करेंगे, ऐसे लोगों को मृत्यु ग्रास करेगी, यह संकेत भी कई स्थानों पर देखी गई है।

इन संकेतों के बाद कलियुग के अंत में प्रभु के धरावतरण की बात मालिका और अन्य शास्त्रों में कही गई है। वर्तमान में ये सभी संकेत पूर्ण भी हो चुके हैं, एवं भगवान कल्कि का धरावतरण भी हो चुका है व धर्मसंस्थापना और विनाशलीला के कार्य भी अपने रास्ते पर चल रहे हैं, वर्तमान समय में इसके असर वैश्विक स्तर पर दिखने भी लगे हैं।

#kaliyugaend

चौबीस अंको रो भीतोरे मंगल वारो से दिनों रे चैत्र मास रो भीतोरे I से दिनों चीना शैव्य टी आसीबे उडीसा मध्य रे पोसीबे II — MALIKA BICHAR अर्थात् चौबीस अंक के अंदर मंगलवार के दिन चैत्र महीने के बीच में चीन की सेना आएगी और उसी दिन उडीसा के बीच में घुसेगी, अब कहा जाता है मालिका की बात कभी असत्य नहीं हुई बस कारण पहले पता नहीं चल पाता आखिर ऐसा होगा कैसे पर जब हो जाता है तो सभी को पता चलता है अरे हां ये तो हो गया फलाना जगह में वैशाख महीने में बाढ़ आ गई क्योंकि समुद्री तूफान आया था वर्ना लगता था भयंकर गर्मी के दिनों में भला बाढ़ कैसे आएगी पहले तो ऐसा नहीं होता था, लिखा था लड़कियां लड़कों की तरह कपड़े पहनेगी, जब पहन रही हैं तो पता चल रहा है क्या पहन रही हैं वर्ना लोग तो समझ ही नहीं पाए थे भला धोती क्यों पहनने लगेंगी I लिखा था सभी फिरंगी वेष धारण कर लेंगे अब लोग समझ ही नहीं पाए कि आखिर लोग फिरंगी वेष क्यों धारण कर लेंगे फिरंगियों को भगाने के लिए तो आजादी का आंदोलन किया जा रहा है फिर लोग अंग्रेजी वेषभूषा में क्यों रहेंगे, ऐसे ही घटना घट जाने पर कारण पता चलता है अब इस मालिका के दोहे में चौबीस अंक बताया गया है और सभी प्रकार के चौबीस अंक बीत चुके हैं सिर्फ दो ही चौबीस अंक बचे हैं एक कलियुग की आयु 5124 वर्ष के हिसाब से चौबीस अंक और 2024 के हिसाब से चौबीस अंक I 2024 हो या 2023 हो क्योंकि 5124 वर्ष 2023 को हो रहा है अब 2023 हो या 2024 हो इन दो सालों के अंदर ही ये घटना घटेगी अब कैसे किस प्रकार से घटेगी ये तो वक्त ही बता सकता है

#2024 #timeline #ww3

मनुष्य के पाप कर्म से दैत्य राक्षस शक्तिओं का बल बढ़ता है और देवताओं का बल कम हो जाता है, आज का समय पृथ्वी पर ऐसा ही है। पाप चरम पर है। देवता का बल चला गया है उनका आशीर्वाद भी मनुष्य को नहीं लग रहा इसलिए भक्त भी कष्ट में हैं, भजन में अनेक कष्ट आ रहे हैं, मन भी अधिक चंचल हो गया है।

चैतन्य महाप्रभु के प्रिय अद्वैत आचार्य के पुत्र एवम श्री सनातन गोस्वामी के शिष्य श्री अच्युत्यानंद जी के ग्रंथ भविष्य मालिक(भविष्य की माला) की भविष्यवाणी और कल्कि अवतार। सन 1560 से सन 2040 तक।

1560 - 1970 के आगे।

1999 : सूर्यग्रहण और मनुष्य का चाल चलन बिगड़ जाएगा। एक एक करके कली के वश में पूर्ण विष्य हो जाएगा। अंत में बच्चे भी बचपना छोड़ काम पाश में बंध जाएंगे। उसके बाद.....

2019 : जंगल में आग और करोड़ों पशु की जलने से मृत्यु।

2020 : सात द्वीप पर महामारी। 64 योगिनियों का काल नृत्य।

2021 : प्रकृति की चेतावनी।

2022 : दूसरी दुनिया से उल्कापिंड(गैस का छोटा गोला- बंगाल की खड़ी में) गिरना। युद्ध की नींव। जलवायु परिवर्तन। महगाई। आसमान में देव असुर का विमान दिखना और उनका युद्ध। रूस का अमरीका पर युद्ध परमडु हमला, रूस पर परमडु बम्ब गिरेगा सबेरिया में बर्फ पिघना और एक नई बेलाज़ महामारी जो मनुष्य का घमंड तोड़ देगा। हल्के भूकम्प।

2023 : माघ मास में भयानक भूकंप की आवाज(युद्ध का शंखनाद)। भगवान का प्राकट्य। भारत में पूजा पाठ एवम सवगत। विज्ञान का चरम और नई खोज/ अविष्कार। मुस्लिम को भारत देश से बाहर का रास्ता। और ग्रह युद्ध। भगवान का सुद्ध भक्तों का अपहरण(सुरक्षा हेतु)। बलराम देव का भक्तों को सुरक्षित स्थान पर गुप्त रूप से रखना और माता विरजा(सुभद्रा) का भक्त से वात्सल्य और अक्ष पात्र से भोजन एवम हरि कीर्तन।

2024 : महामारी का प्रकोप। भूखमरी। 13 यवन देश और चीन का भारत में प्रवेश। पूर्ण भारत में युद्ध। पश्चिम भारत में युद्ध को देखकर ओडीसा में भय। दक्षिण भारत में चीन का भयानक युद्ध होना।

2025 : बड़ा धूमकेतु गिरेगा। सुनामी/ महंगाई/ फसल नष्ट/ खाने की कमी/ गरीब लोग भूखे से तड़पेंगे कोई मदद नहीं करेगा। भूकंप - केंद्र होगा कैलाश पर्वत - मृत्यु होगी मिडिल ईस्ट , नेपाल , चीन , उत्तर भारत में कुल 80 करोड़ लोग रात में ही भूकंप से मृत्यु होगी।

2027 - 2028 : जल जहरीला होगा/ प्यास से लोग व्याकुल होंगे सब/ उड़ीसा में युद्ध।

2029 : एक भक्त वीरगति को प्राप्त होगा।

2030 : भनायक वायरस महामारी का प्रकोप। 30 करोड़ की मृत्यु।

2032 - 34 : माधव महाकल्कि अवतार में क्रोध करेंगे सफेद घोड़े पर विराजेंगे। मलेक्ष का सम्पूर्ण अंत। अपने पार्षद के साथ सात द्वीप पर मलेक्ष का विनाश लीला। कुल पृथ्वी पर 800 करोड़ में से 60 करोड़ मनुष्य ही बचेंगे।

2033 : सुनामी में कई देश का हमेशा के लिए जलमग्न होगा। वे बड़े देश केवल टापू बन रह जाएंगे। एक बार और भगवान बलराम देव का भक्तों को सुरक्षित स्थान पर गुप्त रूप से रखना और माता विरजा(सुभद्रा) का भक्त से वात्सल्य और अक्ष पात्र से भोजन एवम हरि कीर्तन।

2034 : Judgement day start. बचे जीव के पाप और पूण्य की भगवान के सामने चर्चा। ढोंगी पाखंडी को मृत्यु दंड। 2035 : बचे लोगों की मंत्र परिक्षा। उनको बिंदु सरोवर में पाप हरण लीला एवं तप मंत्र दीक्षा। और वृन्दावन में एक वृक्ष की खोज, जिसके पत्ते चबाने से हजारों वर्ष की आयु वृद्धि होगी। भगवान का तप मंत्र देना जिसे हनुमान ने लंका प्रवेश कर ध्यान किया था।

2035 : विश्वकर्मा द्वारा चार स्वर्ण नगरी को बनवाना/ दिल्ली(चंद्र वंशी राजा देवापि का राजा बनाना)-अयोध्या(सूर्य वंशी राजा मरु का राजा होना) - संभल(कल्कि) और एक इजिप्ट देश (कल्कि या भक्त) में। भगवान का संभल से इजिप्ट तक राज्याभिषेक। ब्रह्मा के सम्भल में वेद पाठ, पृथ्वी पर एक भाषा-संस्कृत, एक धर्म सनातन।

2036 : सत्ययुग एवं आनंद 10,000 वर्ष तक। भगवान का 1000 वर्ष तक पृथ्वी पर लीला करना।

#timeline #2023 #2024 #2025 #2026 #2027 #2028 #2029 #2030 #2031 #2032 #2033 #2034 #2035 #2036

मालिका विचार --:

दिया गया पांचो नित्य पंच सखा दूई सौ छप्पन आऊ ।
।

अच्युतानंद के बाद....256 मलिका बरनित भक्तों में ओलसुनी गुम्फा में रहने वाला महान योगी...अर्हित दास सब से श्रेष्ठ होगा

#पंचसखा

भविष्य मालिका | Bhavishya Malika Research | कल्कि अवतार | Kalki Avatar | युग परिवर्तन | Yug Parivartan | संशोधन | Research:
ओड़िआ स्लोक :

संबल नगरे विष्णु जशा घरे
प्रभु जहां जनमीबे
सुधर्मा सभाटी श्री जाजनगरे
प्रभु आप विस्तारीबे

अनुवाद:

संबल नगर में और एक पवित्र ब्राह्मण के घर जो भगवान विष्णु की महिमा गाते होंगे ।
प्रभु वहीं जन्म ग्रहण करेंगे

श्री जाजनग्र में सुधर्मा सभा का स्थापन करके ।
प्रभु स्वयं उसे विस्तार करेंगे

अर्थ:

महाप्रभु अच्युतानंद ने अपने तेरह जन्म सरण ग्रन्थ में यह प्रमाण किया की बिरजा क्षेत्र ही संभल ग्राम है। चूंकि भगवान कल्कि, संबल नगर और भगवान विष्णु की स्तुति करने वाले एक पवित्र ब्राह्मण के घर में जन्म ग्रहण करेंगे, प्रभु सुधर्मा संभा नाम से जाजनग्र अथवा जाजपुर से एक संगठन शुरू करेंगे। दुनिया में कई संगठन हैं, लेकिन उनमें से कोई भी संघठन जिसका नाम "सुधर्मा महा महा संघ" हो और जो, बिरजा क्षेत्र (जाजपुर) से शुरू किया गया हो ऐसा संघठन कोई भी नहीं है। तो इन पदों में हमें यह प्रमाण मिलता है कि जब भगवान कल्कि बिरजा क्षेत्र में जन्म लेंगे तो "सुधर्मा महा महा संघ" नाम से संगठन शुरू करेंगे। संपूर्ण विश्व में "सुधर्मा महा महा संघ" मालिका का प्रचार करेगा, धर्म सभा करेगा, धर्म की स्थापना के लिए सभी भक्तों का एकत्रीकरण करेगा और प्रभु के नेतृत्व में पूरे विश्व में सनातन धर्म की स्थापना भी की जाएगी।

#kalkiplace #kalki

ओड़िआ स्लोक :

जनम होइछन्ति प्रभु सत्यबतीपुरे
जगी बसिछन्ति सिद्ध पीठ र उपरे
जाजपुर हे । जगीछन्ति अक्रूर सेठारे हे ।
भविष्य मालिका , अच्युतानंद दास

अनुवाद:

भगवान ने सत्यबतीपुर में जन्म लिया है
पवित्र स्थान में बेसब्री से इंतजार
जाजपुर है । उस जगह पर बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं अक्रूर ।

अर्थ:

'सत्यवती' का अर्थ है जोगमाया या माँ बिरजा क्षेत्र जहां भगवान कल्कि का जन्म हुआ है। महापुरुष अच्युतानंद यहाँ लिखे हैं की प्रभु जनम हुए हैं 'सत्यबतीपुरे' यानि वह जगह जहाँ माँ बिरजा देवी बिद्यमान हैं और सिद्ध पीठ के रूप में उस जगह को सम्बोधित किया है। उसी जगह पर प्रभु जनम हुए हैं।
अक्रूर भगवान के अन्यतम भक्तों में से एक थे और उनका जन्म भी जाजपुर में हुआ होगा। द्वापर युग में, अक्रूर, प्रभु के सारथी बनकर उन्हें मथुरा लाये थे।

#kalkiplace #kalimahabharat

ओड़िआ स्लोका:

जाजनग्र ग्राम बिरजा स्थान
खेलिबे प्रभु देब भगवान
कुशस्थली जे द्वारिका भुवन
अमरावती जाजनग्र नाम (62)

(62) शिशु अनंत की मलिका

अनुवाद:

जाजनग्र ग्राम, माँ बिरजा जहाँ बिराजमान है वही स्थान पर
लीला करेंगे देवों के देव महाविष्णु भगवान
कुशस्थली द्वारिका भुवन
अमरावती जाजनग्र का ही नाम है।

अर्थ:

जाजपुर ग्राम, जो की सम्बल ग्राम के नाम से सम्बोधित अनेकों पदों में किया गया है। बिरजा स्थान, जहाँ माता बिरजा देवी पूजित है और बिराजमान है। उसी स्थान पर भगवान कल्कि लीला करेंगे। देव देव महादेव, महाविष्णु वही जगह पर अपना लीला प्रकट करेंगे। द्वारिका भुवन को कुशस्थली द्वारिका बोला जाता है। अमरावती जिस जगह को बोलते हैं, जहाँ मृत्यु लोक नहीं है, जहाँ देवताओं का निवास है, जहाँ स्वर्ग है, जहाँ अर्काशिला है, जहाँ अष्टगिरी है, जहाँ हटेश्वर हैं, जहाँ पाताल वैकुण्ठ है, वही स्थान को अमरावती के नाम से, अमर लोगों के निवास स्थान के हिसाब से शिशु अनंत ने वर्णन किया।

#kalkiplace

ओड़िआ स्लोक:

“ ओडिशा देश सेही नाम करि जारी

शून्ये उड़ाइबे ध्वजा प्रभु दर्शतारी (27)

(27) अच्युतानंद रचनाबली (सुन हे मनुआ तुहि - भजन)

सम्पादक डाक्टर रत्नाकर चइनी, पृष्ठा 93

अनुवाद:

“ओडिशा देश में वही नाम का आदेश जारी करके
शून्य में उड़ाएंगे ध्वजा महाप्रभु”

अर्थ:

ओडिशा के अंदर प्रभु अपना नाम (माधब नाम) अपने भक्तों के माध्यम से प्रकाश करेंगे। वह खुद अपनी बैकुंठ धाम आश्रम में बैठकर अपने भक्तों के माध्यम से मालिका का और अपने नाम का प्रचार प्रसार करेंगे। ओडिशा में पहले कुछ भक्त प्रभु कल्कि के बारे में जानेंगे। उसके बाद वही भक्त लोग के माध्यम से और मालिका के माध्यम से ओडिशा में, पुरे भारत देश में और फिर विश्व में प्रभु का नाम प्रचार होगा। 16 मंडल का गठन होगा। 16 मंडल गठन के साथ भगवान कल्कि के पास सभी भक्त आएंगे। महाप्रभु का ध्वजा पांच रंगी होगा। “स्वेत, पित, लोहित, हरित, तन मध्य नील बर्न”। महाप्रभु अपना पतित तपावन बाना (ध्वजा) अपने भक्तों के लिए शून्य में उड़ाएंगे और वही ध्वजा के तले सभी भक्त, धर्म संस्थापन के लिए काम करेंगे।

#kalkiplace

1. ओड़िआ स्लोक:

"आंबे नरदेह कलंकी होइबु उत्कल देश रे जाई

सेठारे महिमा प्रकाश करिबु मुनिगण मध्ये रही" (21)

(21) ब्रह्म सारस्वत पटल, अछुतानंद दास

अनुवाद: उत्कल (ओडिशा का प्राचीन नाम) की भूमि में, मैं एक मानव शरीर धारण करूंगा और कलंकी अवतार बनूंगा
वहाँ मैं ऋषियों के बीच रहकर अपनी महिमा प्रकट करूंगा।

#kalkiplace

2. ओड़िआ स्लोक:

"मु जात विष्णुजसा घरे। मर्त्यमंडल ओडिशा रे" (22)

(22) ब्रह्मकल्प संहिता, अच्युतानंद दास

अनुवाद: "मैं विष्णु यशा के घर में जन्म लूंगा। इस नश्वर संसार में, ओडिशा की भूमि पर"।

#kalkiplace

3. ओड़िआ स्लोक:

"होइब अनीति जेहुं सकाल आरत

कलंकी प्रकाश हेबे ओडिशा देसत" (23)

(23) भविष्यजातिपाताल गीता, अच्युतानंद दास

अनुवाद: जब दिन भर अन्याय होगा

तब कलंकी का अनावरण ओडिशा की धरती पर होगा।

अर्थ: कलयुग में मानव निरंतर, दिन रात, बिना किसी रोक टोक के पाप करता जायेगा। संसार में नारी हत्या, पितृ हत्या, मातृ हत्या, गौ हत्या जैसे अधर्म का बोझ बढ़ता जायेगा। आधी रात में अपने लोभ के चलते, मनुष्य पशुओं को मारके खाने में भी नहीं हिचकिचायेगा। जब चारों ओर ऐसा अधर्म प्रचलित होगा तब उस अधर्म को अंत करने के लिए भगवन कल्कि ओडिशा राज्य में प्रकट होंगे।

#kalkiplace

4. ओड़िआ स्लोक:

"तम्बंकु कहिबा मुनि सुण निरंतरे

प्रकाश होइबे प्रभु उत्कल देसरे" (24)

(24) बाल्मिकी कल्प, अच्युतानंद दस

अनुवाद: "कहेंगे हे ऋषि, बार-बार सुनो

भगवान ओड़िशा की भूमि में प्रकट होंगे"

#kalkiplace

5. ओड़िआ स्लोक:

"कल्कि अवतार ओड़िशा मंडल तुम्हे जनम होइब ।

दुष्ट जन नाशी भक्तंकु उसवासी धर्म कु तुम्हे स्थापिब " (25)

(25) चुम्बक मलिका, शिशु अनंत, अध्याय 1 , श्लोक 40

अनुवाद: "आपका जन्म कल्कि अवतार के रूप में उड़ीसा में होगा

दुष्टों का नाश करके और भक्तों की रक्षा करके आप धर्म की स्थापना करेंगे "

#kalkiplace

"संबलग्रामरे प्रभु रहीबे

भक्त मनकू अधिकार देबे " (15)

(15) चुम्बक मलिका, शिशु अनंत दास, अध्याय 5

अनुवाद:

"संबलग्राम में होंगे भगवान

भक्तों को देंगे अधिकार"

अर्थ: भगवान कल्कि का जन्म संबल गांव में होगा। वह अपने सभी भक्तों को अधिकार देंगे। कलियुग के दौरान भक्तों को बहुत कठिनाइयों और दुखों का सामना करना पड़ा है। भगवान कल्कि म्लेच्छों का संहार कर सनातन धर्म की स्थापना करेंगे। इसके बाद वह भक्तों को अधिकार देंगे।

#kalkiplace

"बारन बेलकु बिहन बाँटीबी चिनिह न पारिबे केई ।

लखे पंचसी ग्रंथ बुझाईबी संबल रे उदे होइ॥" (13)

(13) शिवकल्प, 9वां अंक, अच्युतानंद दास

अनुवाद:

बारन - अंत समय, बेलकु - दौरान, बिहन- बचाव का बीज और मालीका को संदर्भित करता है।

अंत समय में बचाव के लिए बीज बाँटूंगा, कोई मुझे नहीं पहचानेगा

संबल की भूमि में उदय होकर एक लाख पचासी हजार पुस्तकों को समझाऊंगा।

अर्थ:

भगवान कल्कि कलियुग का अंत करेंगे और बाढ़, भूकंप, युद्ध, दुर्घटना आदि जैसे विभिन्न माध्यमों से सभी दुष्ट म्लेच्छों को मार देंगे। हालांकि, इससे पहले भगवान विनाश से कैसे बचा जाए, इस बारे में ज्ञान साझा करेंगे। प्रभु अपने सहयोगियों के माध्यम से मालीका के ज्ञान को साझा करेंगे जो अमृत के समान होगा और लोगों को धर्म के मार्ग पर वापस आने के लिए मार्गदर्शन करेगा। उस दौरान धर्म का मार्ग ही एकमात्र सुरक्षा होगी। इस श्लोक में यह भी कहा गया है कि प्रभु सम्बल की भूमि में उदय होने के बाद मालीका 'ग्रंथ' की एक लाख पचासी हजार पुस्तकों को समझायेंगे। फिर भी, कोई भी उन्हें पहचान नहीं पाएगा।

#kalkiplace #kalki

भगवान व्यास ने श्रीमदमहाभारत में भगवान कल्कि के जन्म के विषय में इस प्रकार से लिखा है...

संबल ग्राम मुख्य

ब्राह्मणस्यो महात्मन,

भवने विष्णु यशस्य
कल्कि प्रादुर्भाविष्यति।

अर्थात् - भगवान कल्कि संभल ग्राम के मुख्य ब्राह्मण के घर में जन्म लेंगे, अर्थात् भगवान विष्णु का यशगान करने वाले अति पवित्र ब्राह्मण के घर पर भगवान कल्कि का जन्म होगा। वर्तमान में मनुष्यों के मन में एक द्वंद है कि भगवान कल्कि का जन्म विष्णुयश नामक ब्राह्मण के घर पर होगा परंतु ऐसा नहीं है दरअसल हम सभी को शास्त्र में लिखे तथ्यों को सही से समझने की आवश्यकता है, शास्त्रों को सही से समझने से निदान मिलेगा निदान से भक्ति पवित्रता और साथ ही साथ भगवान की प्राप्ति होगी।

कल्कि विष्णुयश नाम
द्विज काल प्रचोदीत ,
उत्पत्येसो महा बिरजो
महा बुद्धि पराक्रम।

संभल ग्राम के जिस ब्राह्मण के घर पर भगवान विष्णु का यशगान, कीर्तन, भजन, मनन (पूजा अर्चना) होती है उसी ब्राह्मण के घर पर श्रीभगवान जन्म लेंगे। भगवान कल्कि अस्त कलाओं से सम्पन्न महाबुद्धि व महापराक्रम के साथ धरावतरण करेंगे।

सम्भूत संभल ग्रामे
ब्रह्मणा बसती सुभे।

अर्थात् - उड़ीसा राज्य के सम्भूत संभल ग्राम (नाभि गया छेत्र) अर्थात् नये संभल जिसे स्थापित या जिसका निर्माण किया गया हो, उसी पवित्र स्थान पर ययाति केशरी ने दस हजार यज्ञ उपासक ब्राह्मणों को उत्तरप्रदेश के कन्नौज से लाकर बसाया था। उन ब्राह्मणों ने उस स्थान (सम्भूत संभल) पर सात बार अश्वमेध यज्ञ का अनुष्ठान किया था, उसी पवित्र स्थान पर भगवान ब्रह्मा ने भी आदियुग सृष्टि के समय यज्ञ अनुष्ठान किया था। उसी नूतन संभल ग्राम में भगवान श्रीहरि वहाँ के मुख्य ब्राह्मण के घर पर अपनी योगमाया से प्रकृति को अपने आधीन कर जन्म (अवतार) लेंगे। #kalkibirth

शास्त्रों के अनुसार कलियुग के अंतिम दौर में बारिश की कोई नीति या नियम नहीं रह जायेगी, आम तौर पर बारिश को अपने तय समय में कृषि खेती व अनाज, साग, सब्जियों के अच्छे पैदावार के लिए उचित मात्रा में बरसना चाहिये, परंतु ऐसा नहीं होगा। तय समय के विपरीत बेमौसम किसी भी समय में अनियमितता के साथ कहीं अत्यधिक, तो कहीं जरूरत से भी कम बारिश देखने को मिलेगी। बोहोत कठोर और भयंकर बारिश से मानव समाज का सामना होगा, जिसके कारण रोग, ब्याधि, अकाल, भुखमरी जैसी स्थिति मानव समाज को देखनी पड़ेगी।

अदिने वर्षा हेबो काल नदी बढिबो, अपालकों होई नासजिबे महि अज्ञानी होईबे जन।

इंद्र जे अन्याय करिबो जल जे कठोर होइबो, बहुत प्रमाद पड़ीबो केही काहू के ना मानिबे।

अर्थात् - बेमौसम भयंकर बारिश होने के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ जाएगा, नदियां उफान पर होंगी जिसके कारण बार-बार बाढ़ आएगा, खेत खलिहान नष्ट हो जाएंगे किसानों की दुर्दशा होगी, उन्हें नुकसान होगा उनकी मेहनत और धन दोनों बर्बाद होंगे। ऐसी स्थितियों को लोग अपनी आंखों से तो देखेंगे पर माया के पर्दे के कारण अज्ञानांधकार में डूबे रहेंगे और परिस्थितियों के सामान्य होने की राह तर्केंगे।

कलियुग के अंत समय में इंद्र देवता प्रभु के द्वारा निर्धारित नियम व नीति का बार-बार उलंघन करेंगे, सही से धरती का पालन नहीं करेंगे थोड़ा अन्याय करेंगे।

कृषि, खेती के बार-बार प्रत्येक वर्ष नष्ट होने के कारण महंगाई बढ़ती जाएगी, खाद्य सामग्री आम लोगों के पहुंच से दूर होती जाएगी, ऐसी परिस्थिति विश्व के लगभग सभी देशों में देखने को मिलेगी। महंगाई के कारण शासन व्यवस्था को जनाक्रोश का सामना करना पड़ेगा, हर तरफ हाहाकार होगा, कोई किसी की बात नहीं सुनेगा, शासन प्रशासन को कोई तवज्जो नहीं देंगे, लोग भूख के कारण कानून अपने हाथों में लेने लगेंगे। कई देशों में स्थितियां तनावपूर्ण होती जाएंगी, निकट भविष्य में भारत भी इन परिस्थितियों से अछूता नहीं रहेगा भारत को भी ऐसी दुर्भिक्ष का सामना करना ही पड़ेगा।

एक ऐसा समय था जब ऐसे लोग अर्थात् जिनके पास धन अर्थ बोहोत ज्यादा होती थी, जिनकी आर्थिक स्थिति बोहोत मजबूत थी, वे लोग सुखी होते थे, उनके लिए समय अच्छा (अनुकूल) होता था, पर अब समय बदल रहा है, अब धीरे-धीरे सब देखेंगे जिनके पास धर्म होगा जिनमें भक्ति भाव होगा वही लोग सुख से समय गुजारेंगे। जिन लोगों के पास प्राचुर्य धन वैभव होगा उनका धन वैभव किसी काम नहीं आएगा, क्योंकि जब सत्य का प्रकाश होता है तब धीरे-धीरे धर्म की शक्ति और धर्म का प्रभाव संसार में फैलने लगता है।

ऐसे समय में सभी को धर्म की धारा का अनुशरण करना चाहिए, सभी को धर्ममार्ग अपनाना चाहिए, सत्य सनातन धर्म के लिए कार्य करना चाहिए, व भक्ति भाव से श्रीभगवान के चरणों में स्वयं को पूर्ण रूप से समर्पित कर देना चाहिए।

#kaliyugaend

आप सभी इस बात से अवगत है कि द्वापर में महाभारत युद्ध होने का एक कारण भूमि विवाद था उसी प्रकार वर्तमान समय में भी कश्मीर की भूमि के कारण ही युद्ध होगा, कश्मीर मसले के कारण ही पाकिस्तान भारत से युद्ध करना चाहता है निकट भविष्य में जो कलीभारत युद्ध होगा अर्थात् अठारह दिनों के

महाभारत युद्ध में एक दिन की एक बेला का युद्ध किसी कारणवश पूर्ण नहीं हो पाया था वही युद्ध निकट भविष्य में विश्वयुद्ध के अंतिम चरण में उड़ीसा की भूमि में सम्पन्न होगा।

घटना प्रतिमा पुरुष लिंग: राजकपुर, घोरकली महासमर हेबा सेहीठावर।

अर्थात - उड़ीसा का वह स्थान जहाँ महादेव और माँ भवानी लिंगराज के रूप में विद्यमान है। उसी श्री भुवनेश्वर क्षेत्र में कली भारत का विध्वंशक युद्ध सम्पन्न होगा।

इसपर महापुरुष इस प्रकार से पुनः लिखते हैं...

पड़िब चहरसर देशमुलकरे, जुद्धघोर लागिजिब देशबिदेशरे, बिदेशरे जेहूँजन स्त्रीपिला मेले, धाईबे ग्रामकु सेजे जीवन बिकले।

अर्थात - जब सम्पूर्ण विश्व में विश्वयुद्ध की तैयारी हो जाएगी एवं युद्ध छिड़ जाएगा युद्ध की सुरुआत हो जाएगी तब विदेशों में रहने वाले भारतीय लोग अपने देश को लौटेंगे उन्हें लौटने का एक अवसर अवसर मिलेगा। दरअसल यह विश्वयुद्ध कलियुग का अंतिम और महा विनाशकारी युद्ध होगा, ऐसी परिस्थिति में सभी भारतीय अपने देश को लौटेंगे कोई भी विदेशों में रहना नहीं चाहेगा। जो आज कहते हैं की भारत में या गांव में रहना उन्हें पसंद नहीं है वो सभी अपने गांव को लौट आएं क्योंकि उन्हें दूसरा कोई विकल्प रास नहीं आएगा।

महापुरुष ने भारत के किन राज्यों में किस स्थान पर कितना विध्वंश होगा, किस सहर या गांव में दुश्मन देश के द्वारा सर्वप्रथम हमला होगा, कहाँ परमाणु गिराया जाएगा, कहाँ मिसाइल से हमला किया जाएगा, इन सभी बातों को मालिका में स्पष्ट शब्दों में लिखा है। परंतु देश की सुरक्षा के मद्देनजर सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यहाँ इन बातों का जिक्र हम नहीं करेंगे। भारत सरकार को मालिका का अनुशरण करने की आवश्यकता है, क्योंकि कोई भी खुफिया विभाग इन बातों को समझ पाने में असमर्थ होगा, समय रहते इन सब चीजों में ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि देखते ही देखते परिस्थितियाँ बद से बदतर होती जाएंगी।

इस विनाशकारी युद्ध के बाद सम्पूर्ण विश्व की जनसंख्या आठ सौ करोड़ से घट कर केवल चौसठ करोड़ ही रह जायेगी, एवं भारत की कुल आबादी भी तैंतीस करोड़ में सिमट जाएगी। इस प्रलयकारी युद्ध के परिणाम उम्मीद से कहीं ज्यादा विभत्स करने वाले होंगे।

युद्ध के बाद कि स्थिति और भारत की छती के विषय में महापुरुष अच्युतानंद जी इस प्रकार से मालिका में लिखते हैं...

भारतजे भगवान करजन्मस्थान, अनिस्ट होइलेपुनि नुआ हेबेजन्मो।

अर्थात - भारत भूमि भगवान चक्रपाणि का जन्मस्थान है, यहाँ जो युद्ध होगा उस वजह से बड़ा ही अनिष्ट होगा, इसलिए भारत के छती की पूर्ति के लिए प्रभु नूतन भारत (अखंड भारत) की रचना करेंगे। मनुष्यों (भक्तों) के लिए सुख शांति के समय (अनन्त युग) की सुरुआत होगी। #ww3

#kalimahabharat

महापुरुष अच्युतानंद दास जी के द्वारा लिखी पवित्र ग्रंथ भविष्य मालिका की दुर्लभ पंक्ति व तथ्य□

आज जब धरती पवित्र घड़ी की ओर अग्रसर हो रही है तब एक ओर से संघार लीला भी अपनी जोर पर है, साथ ही पाप भी अपने अंतिम पथ पर है, एक ओर भक्तों के एकत्रीकरण के साथ भक्तों का उद्धार कार्य अपने पथ पर है, दूसरी ओर पापियों का विनाश हो रहा है। वर्तमान में हम सभी अति दुर्लभ व मूल्यवान समय को पार कर रहे हैं, वर्तमान में केवल एक सबसे बड़ी शक्ति है वो है अध्यात्म, एवं समय की गंभीरता को भांपते हुए मालिका का अनुसरण, क्योंकि आज जो विनाश का तांडव सम्पूर्ण विश्व में चल रहा है उससे कई गुणा ज्यादा विनाशकारी तांडव मनुष्य समाज के सामने आने वाला है। मनुष्य समाज को स्वयं का परिवर्तन करने की आवश्यकता है, अन्यथा उनके परिवर्तन ना होने पर प्रभु के प्रभुत्व पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। धर्मसंस्थापना की घड़ी में प्रभु के समक्ष एकमात्र धर्म ही सर्वोपरि होता है, फिर चाहे कोई धर्म, कोई पंथ या कोई भी जाती, क्यों ना हो जिसके पास अधिक धर्म होगा केवल वही अगले युग का साक्षी होगा, अर्थात अगले युग का बीज बनेगा। पापकर्म करने वालों का, अन्याय करने वालों का, अधर्मियों का विनाश निश्चित है, फिर चाहे वो कितना ही मजबूत क्यों ना हो काल के कराल में उन्हें विलीन होने से कोई भी शक्ति उनकी रक्षा करने में असमर्थ ही सिद्ध होगी। मालिका के धारा के अनुसार जो धर्मसंस्थापना के नायक है, महाविष्णु भगवान के अंतिम अवतार है उन भवभयहारी भगवान! कल्कि के शरण में सभी को, अर्थात जो भक्त हैं जिनमें भक्ति है, उन सभी को आना ही पड़ेगा। जो भक्त नहीं है उनके लिए प्रभु तक पहुंच पाने का मार्ग नहीं है। केवल भक्तों के लिए ही भगवान प्रत्येक युग में साकार रूप में आते हैं, धरावतरण करते हैं, और भक्तों के उद्धार के पश्चात सम्पूर्ण विश्व में पुनः रामराज्य की स्थापना करते हैं। आज भारत की रक्षा का विषय सभी के समक्ष आता है, पर संकट में भारत की रक्षा तो स्वयं जगतपति भगवान करेंगे, भक्तों के तारणहार का जन्म इस देश में हुआ है। वर्तमान युग में सम्पूर्ण विश्व की सभी शक्ति या ताकत जो सनातन धर्म की अवहेलना करते हैं, या माखोल बनाते हैं उन सभी को उनका जवाब आनेवाला समय स्वयं देगा, तब उन्हें विश्वास भी हो जाएगा। कोई भी अपने धन, छमता, ज्ञान या शास्त्र मार्ग और अपने धर्म या पंथ के द्वारा भगवान के शरण में नहीं आपायेगा, भगवान के समक्ष इन मार्गों का कोई महत्व नहीं है। उन दयानिधान के समक्ष केवल पवित्रता का मोल है, सत्कर्मों का महत्व है, धरती पर उसने कैसे कर्म किये हैं उसीकी कीमत है, एवं उसकी भक्ति की गुणवत्ता कैसी है, जिनके पास ऐसे गुण होते हैं उन्ही का प्रभु उद्धार करते हैं। मालिका के अनुसार भगवान कल्कि का धरावतरण संख, चक्र, गदा, पद्म लेकर चतुर्भुज में नहीं होगा, वो तो साधारण मानव के समान जिस प्रकार भगवान श्रीराम या भगवान श्रीकृष्ण, भगवान परसुराम, भगवान बुद्ध, भगवान चैतन्य देव ने धरती पर धरावतरण किया था.. भगवान कल्कि उसी प्रकार सीधे- साधे मानव के रूप में जन्म लेंगे और धर्मसंस्थापना करेंगे। भगवान के हाथ में संख, चक्र, गदा, पद्म नहीं होगा क्यों की कलियुग में प्रभु गुप्त में निवास करते हैं। प्रभु का प्रकाश केवल सदाचारी भक्तों के लिए होगा केवल भक्त ही अनुभव, अनुभूतियों का आनंद उठावेंगे। ये सभी बातें महापुरुष अच्युतानंद जी ने अपनी मालिका में श्रीभगवान की इच्छा से स्पष्ट शब्दों में लिखा है।

छपना कोटि जीव जंतु कोटि तैंतीस देवो,
कहे अच्युत कृष्ण भकती जार बासना थिबो।

अर्थात - छपन्न कोटि जीव जंतु की संख्या अर्थात मनुष्य और अंडज स्वदज व उद्भिज सब मिलाकर छपन्न करोड़ प्रकार के जीव इस धरती पर मौजूद है। इसपर एक स्थान पर महापुरुष अच्युतानंद जी ने विशेष जोर दिया जो इस प्रकार है, कि सभी लोगों को भगवान की प्राप्ति नहीं होगी, धरती पर देवी-देवताओं का जन्म भी हुआ है, पर जिनके पास वासना है जिनमें पूर्व संस्कार है जो भगवान को ढूँढ़ता है जो गोलोक बैकुंठ से धरती पर आए हैं, केवल उन्हीं में श्रीभगवान की प्राप्ति की अभिलाषा या वासना होगी केवल वही भगवान के शरण में आएंगे। केवल वही पवित्र भक्तगण अनन्त युग को जाएंगे भगवान के शासन में आनंद लाभ लेंगे, अनन्त सुख का भोग करेंगे दूर-दूर तक दुःख का नामो निशान नहीं होगा। जो गोपी वंशी यदु वंशी ऋषि वंशी प्रभु के परिवार से हैं, विश्व के कोने-कोने और भारत में कहीं-कहीं है उनलोगों के लिए हर्षोल्लास की यही खबर है कि प्रभु का अवतरण हो चुका है। कोई ज्ञान बुद्धि या कथा के द्वारा भगवान तक नहीं पहुंच पायेगा यह शास्त्र में स्पष्ट वर्णित है, केवल निश्छल व निर्मल भक्ति के द्वारा भक्तों को अनुभव होगा, सिर्फ एक करोड़ में एक भक्त को ही प्रभु की अनुभूति प्राप्त होगी और पूर्ण विश्वास हो जाएगा कि प्रभु धरती पर आचुके हैं। जो मूल्यवान समय #kalki

्रीमद्भागवत व भविष्य मालिका में भगवान व्यास व संत अच्युतानंद दास जी के द्वारा लिखी कुछ दुर्लभ पंक्ति व तथ्य□

सत्य-सोच-दया-छमा,
टूटिब धर्म मार्ग सिमा।

अर्थात - श्रीमद्भागवत के अनुसार कलियुग अंत के समय धर्म के चारों पाद पूर्णरूप से समाप्त हो जाएंगे। फिर वो शासन तंत्र हो या सामाजिक तंत्र हर तरफ अधर्म का बोल बाला होगा, धर्म के लिए कहीं स्थान नहीं रह जायेगा। हर तरफ पाप और अधर्म अपनी चरम सीमा में होंगे, ऐसी स्थिति जब समाज में दिखने लगेगी तब कलियुग अंत का समय चल रहा होगा।

इसपर महापुरुष अच्युतानंद जी मालिका में इस प्रकार से लिखते हैं...

धर्मचारी पाद निश्चय कटीब हरि, आश्रा करनरं सुकर्म कुकर्म, विचारी पारिले पादपद्मे स्थान पाई।

अर्थात - कलियुग अंत के समय धर्म के चारों पादपद्म कट जाएंगे। मनुष्य समाज को अपने द्वारा किये हर एक पाप और कुकर्म के फल को भोगना ही पड़ेगा। जो समय रहते चेत जाएंगे, जो सच्चे भक्त होंगे जिन्हें पाप और पुण्य का ज्ञात होगा, जिनका लक्ष्य श्रीहरि की प्राप्ति होगी केवल उन्हीं भक्तों को हरि चरणों का आश्रय प्राप्त होगा।

वर्तमान में मनुष्य समाज में सचेतन का अभाव है, मनुष्य समाज स्वयं अपने विनाश को आमंत्रित कर रहा है। आज प्रकृति में तेजी से परिवर्तन हो रहा है, मेरु में वर्षा हो रही है, कुछ समय के पश्चात बर्फ पिघलेगी प्रकृति और तेजी से परिवर्तित होगी। ऐसे विनाशकारी परिणामों की चेतावनी को जानते हुए भी लोग अनजान बने रहना उचित समझ रहे हैं। सभी अस्थाई सुख की प्राप्ति की दौड़ में भाग रहे हैं, परंतु वो आनेवाले विनाश से अनभिज्ञ हैं। निकट भविष्य में समाज को भयंकर जल प्रलय का सामना करना पड़ेगा। वर्तमान में राजा व प्रजा के बीच का तालमेल भी समाप्त हो रहा है, शासन में रहने वालों के द्वारा प्रजा का शोषण हो रहा है, प्रजा भी पथ भ्रष्ट होने के कारण शोषणकारी राजा का चयन कर रही है। समाज में पैर पसार रहे पाप को रोकने के लिए, अधर्म को समाप्त करने के लिए, पुनः धर्मसंस्थापना की पुरजोर आवश्यकता है, और जिसकी सुरुआत भी हो चुकी है।

#kaliyugaend

भगवान व्यास ने महाभारत के वनपर्व पर कलियुग में भगवान के धरावतरण के विषय में इस प्रकार से लिखा था...

सम्भूत संभल ग्रामे
ब्राह्मण बसती सुभे।

चतुर्युगों में केवल सतयुग में श्रीभगवान ने अप्राकृतिक तरीके से दिव्य तन धारण किया था क्यों कि सतयुग में धर्म के चार पैर होते हैं। उसके बाद त्रेता व द्वापर में प्रभु ने प्राकृतिक नियम के तहत माँ के गर्भ से जन्म लिया था। कलियुग में भी स्वयं के द्वारा निर्मित प्रकृति के नियम को तीसरी बार स्वीकारते हुए जगतपति भगवान! श्रीहरि अपनी माता के गर्भ से जन्म लेंगे। उड़ीसा राज्य के सम्भूत संभल ग्राम (नाभि गया क्षेत्र) अर्थात नये संभल जिसे स्थापित या जिसका निर्माण किया गया हो, उसी पवित्र स्थान पर ययाति केशरी ने दस हजार यज्ञ उपासक ब्राह्मणों को उत्तरप्रदेश के कन्नौज से लाकर बसाया था। उन ब्राह्मणों ने उस स्थान (सम्भूत संभल) पर सात बार अश्वमेध यज्ञ का अनुष्ठान किया था, उसी पवित्र स्थान पर भगवान ब्रह्मा ने भी आदियुग सृष्टि के समय यज्ञ अनुष्ठान किया था। उसी नूतन संभल ग्राम में भगवान श्रीहरि वहाँ के मुख्य ब्राह्मण के घर पर अपनी योगमाया से प्रकृति को अपने आधीन कर अपनी माता के गर्भ से जन्म लेंगे(अवतरित होंगे)

#kalkiplace

जाइफुल मालिका

भाग-1

**

शुण आरे बाइमन,
कलियुग भविष्यत पुराण लो जाइफुल
कहुअछि हुअ सावधान ।1।

बेलु आश्रा कर नाम,
हृदे भजु सेहि छन्दा चरण लो जाइफुल
जेबे देखिबु पद्म नयन।2।

ऐकान्तिक भक्ति कर,
गुरु अंग सेवा कर तत्पर लो जाइफुल
तुहि न भुल माया संसार।3।

सद्गुरु नाम स्मर,
तेबे भबसिन्धु होइबु पार लो जाइफुल
बेगे लंगुलि साधन कर।4।

भगवान दृष्टि आगे,
खेलुछन्ति परा भक्त संगे लो जाइफुल
थरे देख ताहांकु लयांगे।5।

आसुअछि काल बेल,
सपत दिन जे हेब अन्धार लो जाइफुल
बेलु षड चक्र एक कर।6।

भइरबी देब डाक,
चमकि पडिब सारा मुलक लो जाइफुल
तहिं नष्ट हेब थोकाएक।7।

लागिब महासमर,
देश देश मध्यमे अति प्रबल लो जाइफुल
पृथ्वी होइजिब नारखार।8।

तुरुकि धाड़ आसिब,
भारत रे हाण काट करिब लो जाइफुल
गुलिगोला तहिं बरषिब।9।

+++++

भावार्थ: महापुरुष अच्युतानंद दास जी के द्वारा लिखे गए मालिका ग्रंथों में से एक है - "जाइफुल मालिका"। इस में समग्र विश्व को कलियुग का अंत कैसे होगा और उस समय सबके साथ क्या और कैसे बितेगा।

उस काल के कराल स्वरूप में से कैसे सब बचें इस विषय में वर्णित है।

महापुरुष अच्युतानंद दास जी कहते हैं कि - कलियुग का इस भविष्य पुराण को ("जाइफुल मालिका") को ध्यान से सुनें और समय से पहले सावधान हो जाएं।

अब से ही महाप्रभु के नाम पर आश्रित हो जाएं और नाम का निरंतर जप करें। हृदय से ही महाप्रभु के उस चरण में ध्यान रखें।

तब जाकर तो हम उस कमल लोचन के दर्शन कर सकेंगे।

ऐकान्तिक भक्ति में डूब जाइए। गुरु अंग सेवा निरंतर करें और कदाचित ये न भुलें की ये संसार माया मोह के ढेरा है।

सद्गुरु नाम भजन करें, स्मरण करें, अब से कठोर साधना करें ताकि भव सागर से पार हो पाएं।

साधना करके लय ध्यान से आप देखिए, भगवान को ध्यान रखें ताकि आपको महाप्रभु भक्तों के साथ जो लीला करते हैं, खेल रहे हैं, वह दिखेंगे।

वह समय आ चुका है, आगे इस युग में सात दिन अंधेरा होने वाला है। इससे पहले नाम जाप और साधना करके षडचक्र एक कर दिजिए तो उस घोर संकटों से आप उद्धार पा सकते हैं।

आगे समय आएगा भैरवी मां चिल्लाएगी, उस आवाज से सारी मुल्क चौंक जाएगा, कांप उठेगा। बहुत लोग इससे नष्ट हो जाएंगे। नाम जाप ही एकमात्र विकल्प है उससे बचने के लिए।

आगे देश देश में घोर युद्ध होगा। सारी विश्व इससे क्षतिग्रस्त हो जाएगा।

उस युद्ध के समय में तुर्की भारत के उपर युद्ध छेड़ देगा। भारत में तुर्की मारामारी मचाएगा, गोलियों और बारूद का ही वारिस चलेगा।

#kaliyugaend

जाइफुल मालिका

भाग-2

उडिशा रे युद्ध स्थान,
कटक रु चौद्वार टि जाण लो जाइफुल
तहिं बहिब रकत पुण।10।

जोबरा ठारु जटणी,
एहा मध्ये गोल हेबटि पुणि लो जाइफुल
सेहि भांगिबे दैत्य धरणी।11।

शत शत कोठा घर,
पोडि जलि हेब कि नारखार लो जाइफुल
तहिं शुणिबु बेनि कर्ण र।12।

कोणारक रे जे आउ,
सहिब के अबा युद्ध र दाउ लो जाइफुल
दुष्ट मारिदेबे चाहुं चाहुं।13।

बड देउल भितरे,
हाण गोल हेब सेहि बेलरे लो जाइफुल
तुहि देखिबु बेनी नेत्र रे।14।

अछुआं लोक जे पुणि,
देउल भितरे पसिबे जाणि लो जाइफुल
सेहि मोहन गांधी र वाणी।15।

शत शत यम दूत,
छागल पराए होइबे हत लो जाइफुल
तांक कर्म अटई असत्य।16।

-----***-----
भावार्थ:

यहां पर महापुरुष अच्युतानंद दास जी कहते हैं कि कलियुग के अंत में जो युद्ध होगा, उड़िसा में ही ज्यादातर होगा। उड़िसा का कटक से लेकर चौद्वार (पुरानी विराट राजा के नगर) तक युद्ध होगा। जिसमें खून के नदी बहेगी। और भी उड़िसा के जोब्रा (जिसको भक्तों का परीक्षा स्थान रूप से भविष्य मालिका में वर्णित है) से जटणी (खुर्दा रोड स्टेशन जहां स्थित है) तक युद्ध का मैदान बनेगा। वहां पर दैत्य लोगों का विनाश होगा, धरणी से उनका भार कम होगा। शैकडो पक्का ईमारत जल जाएंगे, टुट जाएंगे, नष्ट हो जाएंगे। कोणार्क (जहां पर विख्यात सूर्य मंदिर स्थित है) में भी इतना युद्ध होगा कि सैकड़ों दुष्ट लोगों का विनाश होगा, उस युद्ध को साधारण लोगों के लिए असहनीय हो जाएगा।

जगन्नाथ मंदिर में भी शत्रु प्रवेश करेंगे। वहां पर भी मारामारी मची हुई होगी।

जिन लोगों को मंदिर प्रवेश के लिए अछुत माना जाता है, उन लोगों का ज्यादातर प्रवेश होगा (महात्मा गांधी ने जो नियम बनाए, उस प्रकार)। सैकड़ों यमदूत/ राक्षस/ दुष्ट लोगों का बकरा जैसे कत्ल होगा, जिनके कर्म असत्य होगा।

यहां पर एक छोटा सा बात है की जब आज से 600 साल पहले मालिका लिखा गया तब महात्मा गांधी जी का जन्म भी नहीं हुआ था। लेकिन मालिका में वर्णित बातों का कितना सच्चाई है, की जो होना है उससे कई साल पहले मालिका लिखा है। #ww3 #kalimahabharat

जाइफुल मालिका

भाग-3

भक्ति पथरे जे थिब,
तांकु कि करिब दुष्ट दानब लो जाइफुल
जार बंधु अटे वासुदेव।17।

हेरा गोहिरी साहि रे,
रकत धार टि बहिब खरे लो जाइफुल
जाइ हेबटि सेहि बेलरे।18।

त्रिजटा र बंश मिलि,
दारुकु नेबेति रेल रे भरि लो जाइफुल

सबु बुद्धि जिबटि पाशोरि।19।

बइरि ऐसने जाण,
सेठारे इंजिन हेब टि चुर्ण लो जाइफुल
तहिं प्रभु हेबे अंतर्धान।20।

भक्त संगे भगवान,
दारु कु नेबे टि छतिआ ग्राम लो जाइफुल
तहिं भक्ते मेलि नारायण।21।

श्रीक्षेत्र जे सप्तदिन,
लीला आरंभिबे छतिआ धाम लो जाइफुल
ठाब भक्त मेल से स्थान।22।

तहुं श्रीक्षेत्र आसिबे,
दारुब्रम्ह पुणि पूजा पाइबे लो जाइफुल
एहा सत्याग्रही एक हेबे।23।

मोहन गांधी आयुष,
जवान न्क जोगुं होइब नाश लो जाइफुल
भाब ए मिथ्या न भाष।24।

टिकरा गोहिरी बालि,
युद्ध लागिथिब जे हालहुलि लो जाइफुल
देशे आसिबे विदेशी माडि।25।

कुट पोखरी उपरे,
महायुद्ध हेब सेठारे लो जाइफुल
महा शस्त्र अछि सेहिठारे।26।

अर्थात :

भक्ति के मार्ग में जो रहेंगे उनका क्या उखाड़ सकेंगे ये दुष्ट दानव, जिनका बंधु वही वासुदेव है। अचुतानंद एक जगह को माध्यम करके पूरे भारत को कहते हैं गोहिरा टिकरी नामक स्थान पर रक्त की धार बहेगी युद्ध होगा उस वक्त। त्रिजटा के वंशज मिल कर दारू ब्रह्म जगन्नाथ जी को रेल में भरकर ले जाएंगे तब सभी की बुद्धि काम नहीं करेगी। वहाँ वो रेल इंजन विस्फोट से टूट जाएगा और वहीं जगन्नाथ जी अदृश्य हो जाएंगे। दारू ब्रह्म को छतिया वट ले जाएंगे और वहीं भगवान जगन्नाथ और उनके भक्तों का जमघट लगेगा। छतिया वट श्री क्षेत्र बनेगा सात दिन तक पुरी के जैसा वहाँ भगवान की पूजा अर्चना होगी लीला शुरू करेंगे छतिया वट में और वहाँ भक्त भगवान का मिलाप होगा वहाँ से पुरी आएंगे दारू ब्रह्म और पूजे जाएंगे वो एक सत्याग्रही होगा। अर्थात मोहन गांधी की आयु एक युवक के कारण खत्म होगा ये वचन मिथ्या मत सोचना। कटक महानदी के किनारे गोहिरा टिकरी नामक जगह पर रेत में युद्ध होगा क्योंकि देश में बिदेशी सैनिक घुस जाएंगे। रूस की एक नदी जो साईबेरिया के इलाके में है उसे कूट नदी कहते हैं और वहाँ भी महा भयंकर युद्ध होगा वहाँ एक महा अस्त्र छिपा हुआ है।

अचुतानंद ने ब्रिटिश काल की घटना की बातों को वर्तमान काल की घटनाओं की बातों के बीच घुसेड़ दिया है ऐसे ही मुगल काल की बात के बीच वर्तमान काल की घटनाओं को घुसेड़ दिया है इन्हें क्रमबद्ध तरीके से समझने के लिए इतिहास और वर्तमान काल की सभी घटनाओं को जानना होगा। #kalki

जाइफुल मालिका

भाग-4

**

बिराट देश रे जाण,
पाण्डव न्क अस्त्र रहिछि पुण लो जाइफुल
देख शमि वृक्ष र प्रमाण।27।

अश्वत्थामा जर्मनी रे,
जनम लभिछि अति गुप्त रे लो जाइफुल
वीर समरे के ताकु पारे।28।

भुरिश्रवा चीन देशे,
जनम लभिछि भक्त वेशे लो जाइफुल
वीर पाग बांधिव बरषे।29।

अमेरिका ओ लंडने,
जन्मिछंति तहिं भक्त माने लो जाइफुल
बेले आसिबे दिने सेमाने।30।

अभिमन्यु बाल वीर,
बेलालसेन कु धरि संगर लो जाइफुल
दिने करिब महासमर।31।

एकलव्य घटोत्कच,
बब्रुबाहन ए मिलिण पांच लो जाइफुल
भांगिदेबे विदेशी न्क पांच।32।

भारत युद्ध रे एहि,
रणरंका होइ अछंति एहि लो जाइफुल
सेहि लंपटा कृष्ण र पाई।33।

तेणु एहि पांच वीर,
भारते करिबे महासमर लो जाइफुल
देखि अमरे होइबे भोल।34।

भिष्म, द्रोण, कर्ण, शल्य,
कपट समरे एहांक बल लो जाइफुल
भांगिछंति से नन्द दुलाल।35।

पुणि एहि वीरगण,
भारत समरे करिबे पूर्ण लो जाइफुल
किए बुझिब एहि समर।36।

-----***-----
भावार्थ:-महापुरुष अच्युतानंद दास जी अपनी मालिका ग्रंथ 'जाइफुल मालिका' में कहते हैं कि, उड़िसा में विराट राजा का देश था, (जो जगह चौद्वार नाम से जाना जाता है) और द्वापरयुग के जो शमि वृक्ष था, ये सब जगह पर पाण्डव के अस्त्र छिपा हुआ है। वही अस्त्र महाभारत युद्ध का जो एक वेला का युद्ध बाकी है (इस कलियुग में वही बचा हुआ युद्ध होगा) उस में काम आएगा। अश्वत्थामा जर्मनी में अति गुप्त में जन्म लिया है, जिसको कोई भी वीर समर में हराना मुश्किल है। भुरिश्रवा चीन देश में भक्त के रूप में जन्म लिया है। वह वीर भी इस युद्ध में जमकर लड़ाई करेगा।

अमेरिका और लंडन में भी बहुत भक्तों का जन्म हुआ है, वह लोग समय आने पर सामने आएंगे। महाभारत युद्ध में वर्णित वीर अभिमन्यु, बेलालसेन, एकलव्य, घटोत्कच, बब्रुबाहन आदी पांच वीर मिलकर शत्रुओं से लड़ेंगे। भारत युद्ध में ये बड़े बड़े वीर युद्ध कर नहीं पाए थे। अतः ये सब युद्ध के प्यासे हैं और आने वाले समय में घोर युद्ध करेंगे। भिष्म द्रोण कर्ण और शल्य आदि वीर जो महाभारत युद्ध में कपट समर कीए थे और कृष्ण जी के छल द्वारा जिनका शक्ति समाप्त हो गया था, वही लोग कलियुग में वर्णित कलिभारत युद्ध में शत्रु से घोर युद्ध कर के उनका मनोकामना पूरी करेंगे।

#kalimahabharat

"कते काशमीरी हन्ने काशतवारी। कुपे काशकारी बड़े छत्र-धारी। बाली बंगसी गोरबंदी गडरेजी। महा-मूर माजिंद्रा रानी मजीजी। (484) । हैनी रूस तूसी कृति चित्रा जोड़ी। हथे परसुय्याद सु के हूबन सक्रोधी....(485) ।" {पृष्ठ 603}।

कल्कि अवतार ने बीजापुर, गोलकुंडा, द्रविड़, तिलंगाना, वैदर्भ, बंगाल, उड़ीसा (सभी भारत में) तथा नेपाल में शत्रुओं का संहार किया:-

"हैनी बीयर बीजापुरी गोलकुंडी... . . (504) ।" {पृष्ठ 604}।

"दराही द्रवरहे तेज ता ते तिलंगी। हटे सूरती जंग भंगी फिरंगी। (505) । छपे चांद राजा चले चन्द बसी। बडे बीयर बैदर्भ संरोस रासी....(506) ।" {पेज 604}

"मागध महीप मांडे महान। दास चार चार विद्या निदान। बंगी कुलिंग अजीत। मोरंग अगर नायपाल अभीत। (508) ।" {पृष्ठ 605}

उसने चीन पर विजय प्राप्त की और फिर वह उत्तर की ओर गया:-

"छीन माछीं छिन जब लीना। उत्तर देश पय्याना कीना....(548) ।" {पृष्ठ 607}।

इस प्रकार श्री कल्कि अवतार ने संतों का उद्धार किया और संत-विरोधी का संहार किया:-

"संत उबार असंत खपाये। (550)।" {पृष्ठ 608}

अभी 'सतयुग' निकट आ ही रहा था। यह बात सब लोगों ने सुन ली। इससे संतों का मन प्रसन्न हो गया। उन्होंने भगवान की महिमा गाई:-

"सतजुग आयो। सब सुन पायो। मुन मन भायो। गुन गण गायो। (553)।" {पृष्ठ 608}

परन्तु दुर्भाग्य से संसार जीतकर कल्कि को अहंकार हो गया वह भगवान को भूल गया :-

"जग जीतेयो जब सरब। तब बांधियो एट गरब। दिया काल पुरख बीसार। एह भांत किन बिचार। (583)। बिन मोह दोसर ना और। अस मानेयो सब थरौर।

जग जीत के गुलाम। आपन जपायो नाम। (584)।" {पृष्ठ 610}।

कल्कि ने भगवान की पूजा छोड़ दी। फिर भगवान ने एक और आदमी बनाया, जिसने कल्कि अवतार को मार डाला:-

"न काल पुरख जापंत। नह देव जाप भनंत। तब काल देव रिसाय। इक और पुरख बनाए। (586)। रच 'मेहदी मीर' के रूप में।" {पेज 610}।

कुछ समय बाद मेहदी मीर भी 'गर्व' का शिकार हो गई:- "मेहदी भरेओ तब गरब।

अब भगवान ने एक छोटा सा कीड़ा बनाया, जो उसके कान में घुस गया और उसे मार डाला:-

"इक कीत दीन उपाये। तीस कान पैठो जाए। (10)। धस कीत कानन बीच। तीस जीतेयो जिम नीचे। बहू भंत दे दुख ताहे। एह भांत मारेयो ताहे। (11)।" { 'मेहदी', 'श्री दसम ग्रंथ' साहिब', पृष्ठ 610-611}।

#भविष्यवाणियां #भविष्यवाणियां

□ पच्चीसो अंको रू उड़ीसा देशो रू बिदेशीय जाति जेते ।

मुहूर्तको मध्ये बाहारो होईबे न रहिबे कदाचिते ।।

अर्थात 25 ank से उड़ीसा में जितने भी विदेशी लोग होंगे सब प्रलय का संकेत पाकर भाग जाएंगे कदाचित नहीं रहेंगे ।

□ शेषो रे यवनो जाति निशोधनो यही ठारे हेबो जाणो ।

स्वयं बडोदेवो होई आविर्भावो विनाशीबे मलेच्छो गणो।।

अर्थात अंत में मुस्लिमों को सनातन धर्म अपनाने के लिए चेतावनी दी जाएगी । स्वयं कल्कि आविर्भाव होकर मलेच्छो का विनाश करेंगे जो नहीं मानेंगे जिद्द करेंगे। #timeline #2025

<https://youtu.be/IIH2HJLeE5k>

08:19 वे ओडिया उद्धरण के साथ कहते हैं कि 2024-26 के दौरान कोलकाता काली मंदिर पर एक जहरीला बम गिराया जाएगा और तब माता का उदय होगा। कोलकाता जलकर राख हो जाएगा। कोलकाता पर बम बांग्लादेश द्वारा फेंका जाएगा। साथ ही एक और व्यक्ति पुष्टि करता है इंग बलदेव 108 वर्षों तक राजा रहेगा। रूस भारत के लिए सैकड़ों किलो सोना लाएगा और भारत को एक कृष्ण की मूर्ति भेंट करेगा। स्वर्ण युग में प्रवेश के बाद कोई खरीद-बिक्री नहीं होगी। सब कुछ आसान और मुफ्त होगा।

#ww3 #atombomb #2025 #2024 #2026 #समयरेखा #कोलकाता

भविष्य मालिका | Bhavishya Malika Research | कल्कि अवतार | Kalki Avatar | युग परिवर्तन | Yug Parivartan | संशोधन | Research:

जाइफुल मालिका

भाग -5

सर्वे होइ रणरंका,
भांगिदेबे विदेशीय न्क पखा लो जाइफुल
उडाइबेटि जय पताका।37।

तेणु एहि वीर गणे,
जनमि अछंति भारत धाम लो जाइफुल
दिने रखिबे मातृ सम्मान।38।

उलिए भारत युद्ध,
ओडिशा देश रे पुणि होइब लो जाइफुल
कहे जबन बहि आसिब।39।

सेहि बेल काल जाणि,
ओडिशा रे प्रभु जन्मिबे पुणि लो जाइफुल
केहि तांक मायाकु न चिन्हि।40।

पिता न्क नाम अर्जुन,
माता न्क नाम जे शुभद्रा पुण लो जाइफुल
तांक कोले होइथिबे जन्म।41।

गुपते खेल लागिछि,
घरे घरणिआं लुचि बुलुछि लो जाइफुल
सेहि भक्त न्कु खोजुअछि।42।
पंचु पांडव कु घेनि,
बडमाण्टु कु से भांगिबे टाणि लो जाइफुल
तांक संगे थिबे हलपाणि।43।

गडमाण्टु कु से बाट,
फिट्टाइन देबे पठाण चाट लो जाइफुल
केहि न जाणिबे देबकुट।44।

पठाण कुलरे जाण,
शल्यकार परा होइछि जन्म लो जाइफुल
सिद्ध अटे पल रे निपुण।45।

अर्जुन एक शररे,
गोरा सैन्य न्कु मारिबे तत्परे लो जाइफुल
केहि न जाणिबे से माया रे।46।

भावार्थ:- जाइफुल मालिका ग्रंथ में अच्युतानंद जी लिखते हैं कि - पहले से बताया गया सभी योद्धा द्वापर युग में अपने अपने मन के मुताबिक युद्ध नहीं कर पाए थे और सभी युद्ध के प्यासे हैं। उन्हें इस कलियुग में भगवान कल्कि फिर से जन्म दिए हैं कि अधुरा युद्ध इस युग में करेंगे। विदेशी योद्धाओं कि पंख तोड़ देंगे। भारत माता कि गौरव को अक्षुण्ण रखेंगे। महाभारत युद्ध का एक वेला युद्ध बाकी है और वही युद्ध इस युग के अंत में उड़िसा में होगा। उस युद्ध में यमन लोगों का विनाश होगा। उस समय में प्रभु कल्कि उड़िसा में जन्म लेंगे। उनके माया को कोई जान नहीं पाएगा। विभिन्न ग्रंथ में वर्णित गुप्त नाम के तरह इस ग्रंथ में भी लिखा है कि उनकी पिता माता का नाम अर्जुन और शुभद्रा होंगे। भगवान जन्म ले कर अपने भक्तों को ढुंड रहे होंगे। पंचु पांडव को लेकर प्रभु बहुत लीला करेंगे, जिस देव कुट को कोई समझ नहीं पाएंगे। पठाण जात में शल्य जन्म लिया है, इस युग में भी अपने विद्या में सिद्ध और निपुण है। अर्जुन भी इस युग में जन्म लिए हैं। वह युद्ध में भाग लेंगे और एक तीर से गोरा सैन्य लोगों को विनाश कर देंगे। #kalki #kalimahabharat #odisha #ww3

प्रभु कल्कि जी खंडगिरि में अपने भक्तों को विश्वरूप दिखाएंगे और बिंदु सागर में नहाएंगे। उसके बाद वह लोग पुरी आएंगे। पुरी के सिंहद्वार के पास एक लाख से ज्यादा भक्त होंगे वहां पर प्रभु फिर से अपना विश्वरूप दिखाएंगे। वहां जितने लोग उन्हें भगवान नहीं मानेंगे उनकी मृत्यु होगी। प्रभु के तेज से नीमल में भी एक लाख से ज्यादा लोगों का नाश होगा। जो भी प्रभु के रूप को देखेंगे, उनकी बात सुनकर भी उनका विश्वास नहीं करेंगे उनका नाश हो जाएगा। उनके जिंदा रहने का कोई फायदा नहीं है। प्रभु चाहते हैं कि उनके भक्त उनके लिए सत्कर्म करें। पृथ्वी में सत्य शांति दया क्षमा का पालन करें। जो लोग उसके विपरीत कार्य करेंगे, अन्याय करेंगे पाप करेंगे, तो भगवान उन्हें क्यों बचाएंगे! अभी इतना कुछ हो रहा है यह सब प्रभु की इच्छा से ही हो रहा है। अभी भी कुछ लोग इसको हल्के से ले रहे हैं और मलिका पर विश्वास नहीं कर रहे हैं। उनका नाश होगा। अगर कोई किसी को मार देता है, काट देता है तो लोग बोलते हैं कि यह भगवान थोड़ी किए हैं, यह तो फलाना आदमी ने किया है। लेकिन सभी कार्य प्रभु की इच्छा से हो रहा है यह सोच कर ही कर्म करना चाहिए नहीं तो आने वाले टाइम में वह जीवित नहीं बच पाएंगे। अक्टूबर 2022 से अप्रैल 20 23 के बीच वर्ल्ड वर शुरू हो जाएगा। युद्ध के लिए तैयारी सभी देश कर रहे हैं। भारत भी कर रहा है। युद्ध के समय प्राकृतिक आपदाएं और दुर्भिक्ष भी होगा एक साथ।

कुरान में कयामत के बारे में लिखा है तब तक ही इस्लाम रहेगा।

बाइबल के 70% भविष्यवाणियां पंच सखा मल्लिका के साथ मेल खाती हैं। उसमें लास्ट चैप्टर में बताया गया है कि जीसस क्राइस्ट के 100 बरसों के बाद एक और संत आए थे जिन का जॉन था। उनको बलराम जी ने खुद सब दिखाया था, उसको ही लास्ट चैप्टर में बताया गया है। उन्होंने लिखा था कि मुझे दिख रहा है एक महिला के सिर पर हीरे का मुकुट है। उनके पैर पाताल को स्पर्श कर रहे हैं और सिर स्वर्ग को स्पर्श कर रहा है। उसी समय आकाश से एक 7 सिर वाला सांप आया जिसके शरीर से होते हुए सारे सितारे गिर रहे हैं। उसके बाद वह नारी एक शिशु को जन्म देती है। वह सांप उस शिशु को खाने आया। उसके बाद वह महिला चली जाती है। यह प्रभु की शक्ति ग्रहण के बारे में दिखाता है। उसके बाद लिखा है कि भगवान सफेद कपड़े पहन के राजा बने हैं और उनके इर्द-गिर्द कुछ जन हैं जोकि हिंदू मान्यता के अनुसार हनुमानजी, गरुण जी, वृषभ जी हैं।

बाइबिल में भी 7 बार शून्य से चिल्लाने की आवाज सुनाई देगी ऐसा लिखा है और मलिका में अनेक बार भैरवी डाक होगा लिखा है। बिरजा मंदिर में सबसे पहले होगा जिसकी वजह से उसका पश्चिम द्वार जो कि बंद है वह खुल जाएगा। वहां बहुत सारी योगिनियां हैं। उसके बाद कटक पुर की मां मंगला फिर मां सरला और मां कालिका ऐसे करके 7 बार भैरवी डाक होगा। उसके बाद कल्कि जी कहां जन्म होंगे इसके बारे में लिखा है कि पूर्व दिशा में ऐसी जगह

उनका जन्म होगा जहां बहुत सारे नाले और नदियां होंगी जो गर्मियों में सूख जाएंगी और उस जगह के अंदर जहाज नहीं जा पाता होगा। यह सिर्फ उड़ीसा में ही है जहां 70 से भी ज्यादा नदियां हैं और बहुत सारे नाले हैं और ग्रीष्म ऋतु में ज्यादातर नदियां सूख जाती हैं। पूरी की तरह और उड़ीसा के अंदर जहाज नहीं चल सकता है।

#prophecies #propheciesworld #propheciesindia

: जो लोग आज के तारीख में अपशब्द का प्रयोग करते हैं उनका 3 पीढ़ी तक नष्ट हो जायेगा। 2023 में पुरी जलमग्न होगा। पानी श्री मंदिर के ऊपर तक आ जाएगा। लेकिन जगन्नाथ जी वरुण देव को उनका वचन दिला देंगे तो वो वापस पीछे हट जाएंगे। 5080 में कल्कि जी का उदय होगा और मुकुंद देव के 41 अंक में बहुत दुर्भिक्ष होगा। समुद्र अपने सीमा को लांघेगा। पूर्व दिशा और दक्षिण दिशा में समुद्र आएगा और राज करेगा। बड़ा देउला को समुद्र की लहर मार रहे होंगे और बड़ा देउला को धकेल रहा होगा तुम देखोगे अपनी आंखों से। नीलांचल धाम को युद्ध का प्रस्ताव आएगा तुम देखोगे दोनो आंखों से। नीलांचल धाम का ध्वजा समुद्र में गिरेगा और फिर कल्कि जी को चिंता होगा। ये कलि कल्प गीता की पंक्तियां हैं सबसे पहले चीन अरुणाचल प्रदेश, असम से आक्रमण करेगा। एक बार हमला होने से रथ यात्रा बंद हो जाएगा उत्तर पूर्व के साथ चीन बहुत दिशा से हमला करेगा। वो पाकिस्तान में भी अपने सैनिकों को रखा है, म्यांमार में भी रखा है। बांग्लादेश के रास्ते से को सैनिक पश्चिम बंगाल में घुसेंगे वो ओडिशा के लिए खतरा होंगे। राजस्थान से जो सैनिक घुसेंगे वो भी ओडिशा तक पहुंच जाएंगे। उस समय बहुत सारे आतंकवादी हमले होंगे रथ यात्रा को बंद करना ही पड़ेगा। 2023 से 28 तक बंद रहेगा। पुरी पर हमला होगा। तो रथ यात्रा बंद हो जाएगा। पुरी में इसी वजह से प्रभु रोए थे। तुलसी क्षेत्र यानी केंद्रपाड़ा में बलदेव जी का ब्रह्मतालध्वज रथ का चक्का जाम हो गया और 3 रस्सी भी टूट गया लेकिन रथ नहीं चला। बलदेव जी नहीं चाहते थे कि वो मौसी मां के गahr पीठा खाने जाएं। वो भक्तों के साथ रहना चाहते थे

: वो सोचे होंगे कि पीठा खाकर क्यों अपना पेट खराब करें, भक्तों के साथ रहूंगा तो अच्छा लगेगा इसलिए वो 3 दिन तक रुके रहे। इसके बाद भक्त भगवान से नहीं मिल पाएंगे और ना ही भगवान भक्त से। इसके बाद जो प्रलयकारी युद्ध होगा वो बहुत कष्ट देगा भक्तों को। प्रभु अपने भक्तों के भाव को पहचानते हैं। ये हमारा भाग्य है कि हम कलि शेष में जन्म हुए हैं और प्रभु की लीला देखेंगे। जिसको मजाक उड़ाना है उड़ाने दो, उसका विचार प्रभु करेंगे।

गुंडीचा मंदिर में जो लोग चूल्हा और बर्तन तोड़ दिए हैं, वो लोग भक्त नहीं होंगी हैं। वो लोग अपने आप को सेवायत बोलते हैं और घमंड करते हैं, उनका घमंड को प्रभु तोड़ देंगे। प्रभु सब कुछ सह सकते हैं लेकिन अपने भक्तों का घमंड को नहीं सह सकते हैं। बहुत सारे संकेत मिले हैं भक्तों को सुधरने के लिए, सबसे महत्वपूर्ण वो चील पक्षी के उड़ने वाला था कि बहुत संकट आने वाला है, अभी सावधान हो जाना चाहिए। लेकिन कोई मान नहीं रहा है।

#2023 #2028 #timeline

दुनिया भर के लोग / शास्त्र जिन्होंने युग परिवर्तन, क्लेश, रहस्योद्घाटन, कल्कि अवतार आदि के बारे में भविष्यवाणी की

1. सिल्विया ब्राउन
2. पोथुलुरी वीर ब्रह्मंद्र स्वामी
3. मावजी महाराज
4. संत रविदास
5. संत सूरदास
6. देवयत पंडित
7. कीरो (विलियम जॉन वार्नर)
8. एडगर कैस
9. नास्तेदमस
10. बाबा वंगा
11. होपी जनजाति
12. नवाजो जनजाति
13. बाइबिल के रहस्योद्घाटन, उत्साह आदि।
14. कुरान इमाम मेहदी आदि।
15. भविष्य पुराण
16. कल्कि पुराण
17. पंच सखा, भविष्य मलिका
18. गगनगिरी महाराज
19. महंत करसनदास
20. पंडित दादा लक्ष्मी चंद
21. बाबा जय गुरुदेव, मथुरा
22. ब्रह्माकुमारियां
23. गायत्री परिवार
24. हलसिद्धनाथ जी महाराज
25. ममई देव

26. स्वामी शिवानंद - उत्तरांचल
27. डॉ. श्री नारायण दत्त श्रीमाली
28. डॉ. जूलबर्न
29. गॉर्डन-माइकल स्कैलियन

#

भविष्य मालिका | Bhavishya Malika Research | कल्कि अवतार | Kalki Avatar | युग परिवर्तन | Yug Parivartan | संशोधन | Research:

भारत रे शेष राजा जोगी वर जान, ता परे हेब मिलिटरी शासन।
मिलिटरी शासन परे किछी दिन पाई, राजयोगी श्रेष्ठ आत्मा राजा हेबे ताहि।
एही समय हेब शांति यात्रा मान ओमकार ध्वनि
बे भाई कम्पिव मेदनी। #kaliyugaend

<https://youtu.be/rokEOmaTTuA>

□ सम्पूर्ण जे नेत्र दिग अंक टी प्रमाण, शासन न रही लोक हेबे रण भण। सरिब राजन भोग जाण से समये।
सतर्क जे बारे पुणि बहार राज्य रे। सानबड सम्मत सरी, सप्त दीपे राजा अनंत केसरी। (भाषान्तरण में भूल के लिए क्षमाप्रार्थी □)

अर्थ:

नेत्र = 2 , दिग = 4 | इस तरह यहाँ 24 अंक की बात कही गई है।

24 अंक में शासन नहीं रहेगा और युद्ध चल रहा होगा। राजाओ यानी की अभी के राजनेताओ के भोगविलास का समय चला जायेगा।
जो भी देश अनीति से शासन कर रहे है वोह सतर्क हो जाए। निर्धन लोको के सम्मान को भी इसके बाद धनियों जितना ही सम्मान मिलने लगेगा क्यों की,
सातो द्वीपों के राजा स्वयं प्रभु अनंत केसरी होंगे! #2024 #timeline #ww3

□ सेही 17 अंक रे गरुड़ एक शब्द होइबे, भूमि कैप बोले बिनितानंदन पृथ्वी रे होई पड़े।

ठाबे थेबे भागवत ती करिबे उच्चन होई प्राणि, भूमिकम्प वीर केबे हे नहिं कही देलु तथ्य पुनि।

थोबे थाबे हरि ध्वनि जे लगिव 17 (2023) अंक रे वीर, तेना केते जय पुनि ही सूचक दिसिब ओडिशा पुर।

जिन्कारी बोलीं एक वर्ण पाक आसिबे सुन्य उदीन, एहि सूचक रु जानिबू गरुड़ सेठी की असिव सैन्या*

अर्थ:

17 अंक (2023) में एक शब्द होगा, आवाज आएगी उसके बाद दुनिया में बड़े भुकम्प होने की अफवाह फैल जाएगी।

लेकिन और एक बड़ा सूचक 17 अंक में देखने को मिलेगा। टिड्डियों का आक्रमण फसल पर होगा और ओडिशा समान का राज्यो की फसलों को नुकसान पहुंचाएंगे। करने के लिए प्रवेश करेंगे।

□ 18 अंक रे बिनितानंदन बिचर रहीब नहीं, दुखी दरिद्रा का जातन करीब गरुड़ कहि थी चाहिब नहीं, अति निष्ठुर प्राणिमाने हेबे, दया पथ न राहिब, लोभी होइब बिनितानंदन रोग रे मरिबे।

अर्थ: 18 अंक में लोग निर्दायी और निश्चर हो जाएंगे। दुखी दरिद्र की कोई अंधेरा नहीं करेगा। ऐसे लोभी और निष्ठा आगे जाके और उसी अंक में व्याधि से मरेंगे।

□ 19 अनेके सुन हो गरुड़ धुमगोतिये पड़िब, पश्चिम दिग रु पंच गदी ता रे शून्य बेसिन* रहीबे।

अर्थ: 19 अंक में उल्टा होगा।

□ 20 अंक था रु ओडिशा देस रे होइब फसल हनी, दिन कु दिन होइब महरोग कस न भोगिव प्राण।

अर्थ: 20 अंक में फसल हनी होगी। महा रोग से काई लोग मरेंगे।

स्वामी अल्युतानंद की कलियुग मालिका से

स्रोत: <https://youtu.be/PUvwTFtQl3Q> #2024 #2025 #2026 #2027 #timeline #bhairavidaak #asteroid #odisha #pandemic

भविष्य मालिका | Bhavishya Malika Research | कल्कि अवतार | Kalki Avatar | युग परिवर्तन | Yug Parivartan | संशोधन | Research:

□..... #भविष्यमालिका ☒☒

मयंक सिंह

आरंभ करते हैं मालिका के इन पदों से जिससे पता चलेगा विश्व युद्ध में किस प्रकार समिकरण बदलेंगे ..□

जापानो रो मोने थिबो हिरोशिमा कथा I

पोकेई थिबो बोमा युद्धो रे जाणिथा II

अर्थात जापान को याद रहेगा हिरोशिमा की बात युद्ध में जो बम गिराया गया था I

सेही रागो लड़ी थिबो जापानो रो जाणो I

सेही कारणे जापानो आरंभिबो रणो II

अर्थात वही दुश्मनी जापान को याद रहेगा इसी कारण से वो भी फिर से युद्ध में कूद पड़ेगा I

जापानो रो रणो मध्य जर्मनी मिसीबो I

ब्रिटेनो अमेरिका संगे धाड़ी न जे देबो I

अर्थात जापान के युद्ध के बीच में जर्मनी भी कूदेगा ब्रिटेन अमरीका भी साथ में कूद पड़ेंगे I

सबू मियां देशो मिसी एको ठन हेबे I

कहीबे से भारतो कू उड़ाई ण देबे II

भारतो जे भगवानो करो स्थानो I

अनिष्ट घटीले प्रभु नुआ हेबे जन्मो II

अर्थात सभी मुस्लिम देश रूस चीन की अगुवाई में एक हो जाएंगे कहेंगे भारत को उड़ा देंगे I पर भारत भगवान का स्थान है अनिष्ट होने पर भगवान फिर से अवतार लेंगे

गड़ो युद्धों हेबे हिंदू मुसलमानो दिल्ली चांदनी चौको प्रमाणो I

वीरो हनुमानो देखी अमानवीय रूपो बाहारी करीबे दुष्टों संहारो II

अर्थात दंगे युद्ध होंगे हिंदू मुसलमान में दिल्ली का चांदनी चौक प्रमाण है , उसी समय वीर हनुमान बाहर निकल पड़ेंगे मनुष्य के अमानवीय रूप को देखकर और करेंगे दुष्टों का संहार I

अब कोई समझेगा क्या हनुमान जी हनुमान रूप में बाहर निकल कर संहार करेंगे तो नहीं ऐसा नहीं है हनुमान जी भगवान ही हैं वो अवतार लेंगे मनुष्य रूप में कहाँ लेंगे इसके बारे में अच्युतानंद लिखते हैं

बाईसी मौजा प्राण कृष्ण लेंका सुतो थिबो हनुमानो I

गुप्तो रूपो रे जन्मो होई थिबो लोके डाकू थिबे हनुमानो II

अर्थात बाईस मौजा उड़ीसा में प्राण कृष्ण लेंका का पुत्र हनुमान जी होंगे और गुप्त रूप में जन्म होगा लोग उसे बुलाएंगे हनुमान लोग विनोद वश बच्चों को बंदर हनुमान आदि बच्चों के द्वारा बदमाशी करने पर कहते हैं बच्चा चुप नहीं बैठता है तो कहते हैं चुपचाप बैठ न रे बंदर ऐसे ही विनोद वश उसे लोग हनुमान ही कहेंगे पर किसी को पता नहीं चलेगा ये सचमुच का हनुमान है पूरे भारत में दंगे शुरू होने पर वो अपना प्रभाव दिखाएगा I

गाड़ी छाडिबो तत्खणो सिंधु जे छाडिबो गर्जनो ।

अर्थात जगन्नाथ जी को लेकर रेल इंजन जब पुरी स्टेशन से रवाना होगी तब समुद्र घोर गर्जना करेगा ।

वसु सालो रेवो बीसो अंको जे प्रमाणो, सातो दिनो अंधकारो होईबो टी पुणो ।

अर्थात वसु 8 साल मे बारह महीने मतलब 12 रेवो अर्थात नक्षत्र 27 बीसो अर्थात 20 अर्थात गजपति दिव्य सिंह देव (चतुर्थ) के 67 अंक मे सात दिन अंधकार होगा।

श्रीक्षेत्र लीला समापनो । अंधकारो हेबो सातो दिनो ।।

देखीबा तौही कल्कि रूपो । दसो अवतारो टी शेषो ।।

अर्थात इसके बाद पुरी मे भगवान की लीला समाप्त अंधकार मय होगा सात दिन और तभी कल्कि रूप के दर्शन होंगे जो दशावतार मे शेष अवतार है ।

ऐ लीला देखीबा पाई, भक्तो जे चांही रहिछोंती ।

टलीबो नाही जे ऐकथा निश्चे देखीबू दिने ।

ताकी रहीछोंती भरोसा कोरी भक्तो माने ।।

अर्थात ये लीला देखने के लिए भक्त आंखें बिछाए खड़े है टलेगा नही ये लीला निश्चित ही देखोगे क्योंकि भक्त लोग भरोसा करके बाट जोह रहे हैं ।

आदयो मार्गशीर्ष नवमी तिथि रे खंडा बहारीबो ।

चामुंडा मानंको मेला लागी जिबो रक्तो धारो बहीबो ।।

अर्थात इसके बाद मार्गशीर्ष नवमी तिथि में नंद खडग नामक तलवार निकलेगा और पिशाच्ची, डाकिनी, शाकिनी, आदि चामुंडाओं का मेला लग जाएगा उत्सव होगा बहेगा रक्त धार ।

□□महापुरुषों के द्वारा लिखे गए ग्रंथों को समझने के लिए महापुरुष की बुद्धि की आवश्यकता पड़ती है साधारण मनुष्य इन बातों को समझ नहीं सकता क्योंकि वो त्रिगुणो के अधीन रहता है इसलिए तीन प्रकार से अर्थ करता है जैसे ब्रह्मा जी ने एक बार देवता असुरों और मानवो को कहा द बस द, कहकर ब्रह्मा जी चुप हो गए समाधि मे चले गए अब राक्षस देवता और मानवो को समझ मे नहीं आया कि आखिर द का मतलब क्या है

असुर शुक्राचार्य के पास गए शुक्राचार्य महापुरुष थे उन्होंने कहा द का मतलब दया है क्योंकि वो जानते थे असुर हिंसक होते हैं इसलिए असुरों से कहा ब्रह्मा जी ने तुमलोगों के लिए दया करना सीखने के लिए कहा है ।

देवता बृहस्पति के पास गए बृहस्पति ने कहा ब्रह्मा जी ने तुम लोगो को दम कहा है अर्थात इंद्रियों का दमन करो क्योंकि बृहस्पति जानते थे देवता स्वर्ग मे इंद्रियों के सुख मे मग्न रहते हैं

फिर मनुष्य भी वशिष्ठ के पास गए वशिष्ठ जानते थे मनुष्य भौतिक सुख के चक्कर मे संचय करते रहता है इसलिए वशिष्ठ ने कहा ब्रह्मा जी ने तुमलोगों को द कहा इसका मतलब उन्होंने दान करने का आदेश तुमलोगों को दिया

#ww3 #kalimahabharat #hanuman

तो इस प्रकार वेद का एक एक शब्द अलग अलग स्वभाव वाले के लिए अलग अलग प्रकार का आदेश बन जाता है पर वेद तो सभी जीवों को एक ही बात बार बार कह रहा है सिर्फ भक्ति करो भक्ति करो भक्ति करो

क्योंकि जीवन क्षण भंगुर है किसी के पास सर्टिफिकेट नहीं है दस साल जीऊंगा या पांच साल जिऊंगा, वेद में परोक्षवाद है शब्द कुछ ओर हैं अर्थ कुछ ओर हैं वेदों को छोडिये स्मृत ग्रंथों जैसे रामचरितमानस मालिका चैतन्यचैतन्यामृत आदि ग्रंथों को भी समझना मुश्किल है ,

मालिका मे लिखा था लड़कियां लड़को की तरह कपड़े पहनेगी इस साधारण सी लगने वाली बात भी सौ साल पहले के लोग सर पटक पटक के मर गए पर समझ नहीं सके

बुद्धि लगाते रहे धोती पहनेगी पर धोती क्यों पहनेगी, अब हम जानते हैं लडके लडकिया एक ही प्रकार के कपड़े पहन रही हैं

ऐसे ही मालिका मे लिखा है एक विशाल मछली समुद्र के गर्भ से बाहर आएगी और छतिया वट मे प्राण त्यागेगी फिर उसकी हड्डियों से विरोजा देवी सिद्ध पीठ मे एक फाटक का निर्माण होगा अब हम कैसे समझ सकते हैं आखिर मछली की हड्डी से दरवाजा क्यों बनाया जाएगा जबकि उससे मजबूत धातुएँ मौजूद हैं

जगन्नाथ जी को रूस रेल मे क्यो ले जाने की कोशिश करेगा जबकि हवाई जहाज मौजूद है और रूस जगन्नाथ जी को क्यो ले जाएगा क्या करेगा उसका पूजा तो करेगा नहीं क्योंकि वो कम्युनिस्ट देश है तो इसका कारण तिब्बत का वो ग्रंथ है

जो चीन के पास है और उसी ग्रंथ के कारण चीन रूस को आज नहीं पचास साल पहले से पता है भारत में अवतार होगा जो हमारा विनाश करेगा और तब से गुप्त तरीके से भारत में अरागट नामक स्थान की खोज हो रही है और कम्युनिस्ट देश का मतलब है ईश्वरीय सत्ता को न मानना और ईश्वर की महिमा है कि अवतार के आगमन की बात

भक्तों से पहले अवतार के विरोधी पार्टियों को होता है कृष्ण के आगमन की बात कंस को और राम के आगमन की बात रावण को सबसे पहले पता चलता है ये लीला का नियम है चाहे आकाशवाणी के माध्यम से पता चले या तिब्बती ग्रंथ के माध्यम से पता चले अब कम्युनिस्ट लोग भी ऐसी बातों से घबरा रहे हैं तो उस तिब्बती भाषा के ग्रंथ में कोई खास बात होगी और भगवान की भक्ति करने वालों को बाद में पता चलता है कि अरे कल्कि अवतार होने वाला है फिर चर्चा शुरू होती है

चीन रूस नजर बनाए हुए हैं अब चर्चा शुरू हो गई तो उन्हें उस तिब्बती ग्रंथ की बात का भय सताने लगा उड़ीसा में उनके जासूस लगे हुए हैं कि आखिर कल्कि अवतार अरागट का राजकुमार कहाँ है उड़ीसा के कुछ गद्दार भी उनके साथ मिले हुए हैं मालिका पर रिसर्च गुप्त तरीके से कर रहे हैं जगन्नाथ मंदिर के उपर भी रूस के ड्रोन को कई बार पुलिस ने पकड़ा है

ये घटनाएँ पाँच साल पहले से हो रही हैं जब पूरे भारत में मीन शनि में कल्कि अवतार की बात होने लगी तो चीन की घबराहट बढ़ गई इसलिए रूस जल्द से जल्द दबदबा कायम करना चाहता है तभी शक्ति प्रदर्शन कर रहा है ताकि विशाल सेना खड़ी की जा सके और कल्कि अवतार से मुकाबला किया जा सके क्योंकि वो जानते हैं

कल्कि अवतार एलियन टैकनोलॉजी से लैस होगा रूस के समर्थन में चीन पाकिस्तान ईरान आदि खड़े हो गए हैं ढाई साल के अंदर तेरह मुस्लिम देश भी चीन रूस के साथ खड़े दिखाई देंगे फिर भारत में हमला करेंगे और कल्कि अवतार को प्रकट करने के लिए जगन्नाथ मंदिर में हमला होगा □□

आज के समय में हम सभी मनुष्य अहंकार में जी रहा है , कुछ कार्य करते हैं तो वह बोलते हैं मैंने यह कार्य किया है जैसे मैंने ये कर दिया , मैंने वो कर दिया , लेकिन उनको पता नहीं है कि हम कितने बड़े भ्रम में जीते हैं , वो यह भूल जाते हैं कि हर कार्य प्रभु जी की इच्छा से होता है , हर मनुष्य का अपने कर्म के अनुसार ही फल प्रारब्ध के रूप में मिलता है , हम सभी मनुष्य को हर कार्य प्रभु जी को समर्पण करके करना चाहिए , तभी वो कार्य सिद्ध होता है , तभी अपना कर्म सिद्ध होता है। मैं मेरा , वो उसका , बोलना , सोचना छोड़ना पड़ेगा । हम सभी को सत्य , दया , क्षमा , प्रेम , शान्ति , सनातन धर्म के मार्ग अपनाकर जीवन जीना पड़ेगा , तभी हम प्रभु जी के द्वारा बताये हुये मार्ग पर चल पाएंगे ।

2023 में सूखा अकाल तथा उड़ीसा में भयानक बाढ़ आना जगन्नाथ जी का छतिया वट आना । चीन का हमला होना तथा तेरह मुस्लिम देशों के साथ भारत पर हमला करना । रूस के द्वारा जगन्नाथ जी को ले भागने की कोशिश करना। फिर से सुनामी होना और जगन्नाथ मंदिर डूबना कुछ साल जगन्नाथ जी का अदृश्य होना। छिपकलीयो का आकार बढ़ना । गाय बंदर आदि का इन्सान की तरह बोलना। पत्थर की मूर्तियों का बात करना। भूत प्रेतों का निकलना । देवी विरजा का गर्जना सुनाई पड़ना। सात दिन अंधेरा होना। भारी वर्षा वारी होना। चीन की सेना का संहार होना । कल्कि का दिल्ली सिंहासन पर बैठना। कल्कि का मक्का मदीना पर आक्रमण करना तथा मक्केश्वर महादेव पर सफेद तुलसी तथा गंगाजल चढ़ाना । मक्का में महादेव की गर्जना सुनाई देना । अमेरिका का बाढ़ में डूब जाना चीन में परमाणु धमाका होना। दक्षिणेश्वर काली मंदिर में आग लगना तथा कोलकाता में बमबारी होना। पंजाब हरियाणा में पाकिस्तान का हमला तथा युद्ध होना। गुजरात दिल्ली तथा हिमालय में भयंकर भूकंप आना वगैरह-वगैरह । सभी घटनाएँ सात साल के अंदर घटनी है ।

आठों आठों आठों त्रिगुणा रे भेटो चीन चतुर्बेदी तोड़े। अच्युत पुरन होई जीबो, सोरो मारिबे सकाले

अर्थात् 8 को 3 से गुना करेंगे तो 24 आता है। उस अंक में चीन के सैनिक भारत पर हमला करेंगे। अच्युतानंद दास का वाणी पूर्ण रूप से सत्य हो जाएगा और सभी सैनिक आपस में युद्ध करेंगे।

ये 2023 से 24 यानी कलयुग का 5124 है #2024 #timeline #ww3

□कलिकथा शहर जे श्मशान हेब, रूप-रंग-ढंग तार बदल जिब।
गंगा ठारु गोदावरी रक्त धार बहिब, उत्तर पश्चिमे बोमा बरसिब॥

□प्रभु आज्ञा पाई घरे-धरे डाकिबे, बिकटा रे मूर्ती धरी बुलुन थिब।
जोगनी सम्मुख रे जान जिये पड़िब, रूप देखि तार जीवन जिब॥

□शुद्धि क्रिया करिबाकु केहि रहिले नाही, सब सुख तक नेला छड़ई।
एह अच्युतंक बानी, सुन अबल करा। भाग्य थिले तुहि देखिब लीला॥

अर्थात्
कलिकथा अर्थात् घोर कलयुग में कलकता शहर श्मशान हो जाएगा और सब का रूप रंग बदल जाएगा।

गंगा से गोदावरी तक रक्त की धार बहेगी और उत्तर पश्चिम में बम बरसेंगे।

जोगनी चामुंडा प्रभु का आज्ञा पाकर घर-घर पुकारेंगे आवाज देंगे और विकट मूर्तियां ने विकराल रूप धारण करके बुलाएंगी और उन (जोगनी गण)के सामने जो पड़ेगा, उनका रूप देखकर ही उनकी जान निकल जाएगी।

लोगों की मृत्यु के बाद जो शुद्धि क्रिया होती है वह करने के लिए कोई बचेगा नहीं सब सुख-दुख भूल जाएंगे।

यह अच्युत की वाणी है अगर भाग्य रहेगा (मतलब जीवित रहेंगे तो यह सभी लीला को अपनी आंखों के सामने होते हुए देखेंगे।)

#kolkata #ww3

मीन शनि गुरुवार re पड़िबा एही अंके धुबा धुबा, मिथुन मासो re 13 दिनों पक्ष, काला धरनी ग्रासीबो।।

मीन शनि गुरुवार को होगा, इसी अंक में सत्य होगा। मिथुन महीने (मार्च अप्रैल) में 13 दिन का पक्ष होगा, पूरे पृथ्वी में काल ग्रास करेगा।

#meenshani

ओडिशा के 6 जिले जलमय होंगे। जाने ले लिए रास्ता नहीं मिलेगा किसी को भी। संभल ग्राम में हरि ही जानेंगे। अपना जन्म स्थान को वो सुरक्षित रखेंगे। हीराकुंड उस गांव का नाम होगा जहां पर वो डैम बना होगा। डैम के टूटने के बाद बाढ़ आने पर सब एक हो जाएगा। इसी समय गंगा में फिर बाढ़ आ जाएगी। बैतरणी और ब्रह्ममणि नदी में भी बाढ़ आ जाएगी। सात समंदर का पानी मिलकर जमीन के सीमा में आयेंगे। महानदी का एक टुकड़ा रहेगा (plateau) घोड़ाचापू से चिन्हित होके बालू सब होगा अर्थात घोड़ागाड़ी का इस्तेमाल होगा। रक्त से नदी लाल रंग का दिखेगा। योगिनी लोग का खन खन शब्द सुनाई देगा। वैज्ञानिक यंत्र सब अचल हो जायेगा। रशिया जर्मनी ब्रिटेन ये सब भक्त हैं ऐसा कहकर राज्य चलाएंगे। भारत जो भगवान का जन्म स्थान है, कुछ अनिष्ट होने से नया जन्म होगा। पाकिस्तान पूरा जर्जर हो जाएगा। दोस्त समझ कर आखिरी में अनुताप करेगा। माफी मांगने के लिए आएगा। #odisha

भारत में ऋषि मुनि का तपस्या स्थल हिमालय है और ओडिशा में तपस्या स्थल खंडागिरी है। अच्युतानन्द दास जी नीलमाधव गीता में लिखते हैं खंडागिरी थारे लीला उपजिबा, बिनसो दुइ पारे जानो। सेथारे अंभोरा भक्तो रहिबे, तेनु पादुका आश्रम। अर्थात खंडागिरी में लीला की शुरुआत होगी, 22 के बाद। वहां भक्त रहेंगे इसलिए उसका नाम पादुका आश्रम होगा। खंडागिरी में 752 गुफा है। महात्मा लोग वहां पर योग साधना कर रहे हैं। यहां पंचसखा का भी गुफा है और अरखित दास जी का भी। यहां लाखों भक्त इकट्ठा होंगे। यहां 7 तरह का रास लीला होगा। यहां 9 तरह के भक्त आकर नवधा भक्ति करेंगे। वहां एक सूर्य भट्ट है। परशुराम जी यहां 9 साल तक तपस्या किए थे और फिर वो सरला मंदिर, जगतसिंहपुर गए। यहां एक ललाट केशरी आश्रम भी है। जहां ओमकार यज्ञ होगा। यहां मां बिरजा का 16 चक्र भी है जो कलयुग के अंत में भगवान कल्कि के आयात में होगा। अभी इससे 3 चक्र निकले हैं, रशिया यूक्रेन युद्ध में, अभी 13 चक्र निकलना बाकी है और ये 16 चक्र पूरे विश्व में घूमेगा। यहां पंचसखा आयेंगे, जिनमे से वही बचेगा जो सही होंगे। जो गलत होंगे उन्हें मां बरबुजा मार देंगी।

यहां गुप्त गंगा भी है। कलयुग के अंत में यहां अनंत केशरी और ललाट केशरी आकर तपस्या करेंगे और यहां का शासन संभालेंगे दोनो छोर पर। भक्त, नागा साधु, योगांत, सिद्धार्थ, ऋषि, मुनि आयेंगे। और जैन, बुद्ध भी आयेंगे। जब यहां यज्ञ होगा, तो वो लोग हैरान हो जाएंगे। जब यज्ञ होगा तो बाकी जगह 3 दिन तक बारिश होगा। ये एक संकेत होगा कि यज्ञ हो रहा है। या तो ये कहो कि कल्कि जी आ चुके हैं और अभी गुप्त में हैं यहां। फिर ये हीरा पारा एक होगा उसके बारे में भी कहे हैं। खंडागिरी में पानी सिर्फ 2 घंटे के लिए आएगा, और मां बरबुजा का मूर्ति में कीड़ा हो जाएगा। उसको एक हरिदास नाम का भक्त साफ करेगा। #odisha #khandagiri #yagya

देश में बहुत ज्यादा बिजली चमकेगी और बादल गरजेगा। नर और पशु लोग मरेंगे। ग्रीष्म बहुत बढ़ जाएगा (तापमान बढ़ जाएगा) जिसके कारण पेड़ जल जाएगा। फाल्गुनी में अग्नि वृष्टि हो रहा है। ये बहुत कठीन समय काटने के लिए भक्त सत्य का प्रचार करेंगे।

लेकिन कोई भी उस रास्ते को अपनाएगा नहीं और अव्यवस्था मचाएंगे। स्त्री लोग ऊंचे स्थान पर बैठेंगी न्याय सत्य को हृदय में रख कर।

<https://youtu.be/qRezxbRYSTc>

16 पुओ मा पहाड़ (16 बेता और मा पहाड़) जाजपुर ब्लॉक के बड़ाचना खंड में आता है। इस पहाड़ के बारे में मालिका के 13 ग्रंथों में प्रमाण मिलता है। ये बिरूपा नदी के पास है। इस पहाड़ के चारों ओर 16 गांव हैं जहां सबर जाति के लोग रहते हैं मालिका में लिखा है कि जब हीरा और पर एकत्र होंगे, तब उन 16 गांव के भक्तों की मां रक्षा करेंगी। इस पहाड़ में 16 बड़े बड़े गुफा हैं जहां उन गांव के लोग रहेंगे। यहां मां प्रत्यक्ष रूप में विद्यमान है। इस पहाड़ के गुफा के पास कान लगाने से मां के चूड़ी के छन छन का आवाज़ साफ साफ सुनाई देता है। और मां बोलने से जवाब भी आता है।

#malikaplace

विश्व युद्ध में तुर्की की बड़ी भूमिका होगी। तुर्की के सैनिक जलमार्ग से भारत में प्रवेश करेंगे। यह पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और मलेशिया के साथ 13 मुस्लिम देशों में से एक होगा। लेकिन अंत में पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, नेपाल, भूटान, म्यांमार सभी को अखंड भारतवर्ष में शामिल किया जाएगा। 2022-24 युद्ध का बहुत महत्वपूर्ण चरण होगा। पहले तो भारत विरोध करेगा लेकिन अंत में 2024 में, विदेशी देश के सैनिक पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश के माध्यम से भारत में प्रवेश करेंगे। चीनी सेना और वायु सेना सिक्किम में बॉटल नेक काटने की कोशिश करेगी और सफल भी होगी। और भारत सात बहनों और सिक्किम पर से नियंत्रण खो देगा। परमाणु युद्ध पहले नहीं होगा। यह अंत में होगा, जब कोई अन्य विकल्प नहीं होगा। अमरीका एक कायर देश है, रूस और यूक्रेन के बीच की स्थिति अमरीका के कारण ही खराब हो गई है। यह फ्रंट फुट में यूक्रेन का समर्थन नहीं कर रहा है। अमेरिका एक लालची देश है, यह नहीं बचेगा। लेकिन यह सैन्य कलाकृतियां देकर भारत की मदद करेगा। इंग्लैंड के सैनिक हमारी मदद के लिए भारत

आएंगे। ऐसी स्थिति होगी जब रूस भारत के खिलाफ होगा, इसलिए वह भारत की मदद नहीं करेगा। यदि विश्व युद्ध शुरू होता है, तो सौदे के अनुसार भारत को \$400 नहीं मिल सकता है। रूस पैसे के बदले में चीन को कच्चा तेल बेचकर अपनी अर्थव्यवस्था को बनाए रखने के लिए चीन का समर्थन करने के लिए बाध्य होगा। चीन और उत्तर कोरिया द्वारा अमेरिका पर गंभीर हमला किया जाएगा। चीन ताइवान और भारत और अमेरिका के साथ जापान पर भी हमला करेगा। इस तरह चीन को भी भारी नुकसान होगा। इजराइल के पास एक अच्छी मशीनरी आर्टिफैक्ट प्रणाली है लेकिन मानव शक्ति की कमी है। तो यह भी जीवित नहीं रह सकता। मुस्लिम देश इजरायल को तबाह कर देंगे। फ्रांस मुसलमानों द्वारा नष्ट कर दिया जाएगा। फ्रांस और अन्य नाटो देश रूस पर प्रतिबंध लगा रहे हैं, लेकिन रूस के पास भी धन का भंडार है, इसलिए उसकी अर्थव्यवस्था के लिए कुछ भी बुरा नहीं हो रहा है। ओडिशा में कोई परमाणु बम फायरिंग नहीं होगी। भारत में, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, परमाणु बमों से प्रभावित होंगे। परमाणु बम से दक्षिण भारत भी सुरक्षित रहेगा। ओडिशा पर कब्जा कर लिया जाएगा लेकिन ओडिशा में परमाणु ऊर्जा का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। उड़ीसा में परमाणु बम के इस्तेमाल के लिए ज्यादा कुछ नहीं है। मुस्लिम देश और चीन जानते हैं कि भगवान ने ओडिशा में जन्म लिया है इसलिए वे ओडिशा पर कब्जा कर लेंगे। मुसलमान चाहते हैं कि लोगों को मुसलमान बना दिया जाए वरना मर जाएंगे। अगले 8-10 साल बिल्कुल भी अच्छे नहीं हैं। केवल भगवान की भक्ति ही हमें बचा सकती है। हम योग, नाम भक्ति, प्रार्थना और साधना कर सकते हैं। तभी हम जीवित रह सकते हैं। लेकिन अधिकांश लोग इसे स्वीकार नहीं करेंगे और इसलिए वे मर जाएंगे। 2024 के बाद अस्तित्व हमारे लिए एक बहुत बड़ा प्रश्नचिह्न होगा। मलिका को लोगों को डराने के लिए नहीं लिखा गया है, यह लोगों को जागरूक करने के लिए लिखा गया है कि भविष्य में क्या होने वाला है और हम इस स्थिति में कैसे जीवित रह सकते हैं। अब कई अंश कल्कि अवतार भी होंगे। वे असली कल्कि महावतार को गुप्त खंडगिरी ले जाएंगे। वहां कल्कि जी की मुलाकात काली मां से होगी और उसके बाद काली मां का रोल शुरू होगा। वह दुष्ट लोगों का खून पीएंगी और कल्कि महावतार म्लेच्छों को मार डालेंगी। अभी तो योगिनी ही अपना काम कर रही हैं। युद्ध समाप्त होने के बाद पृथ्वी पर प्रलय काल होगा। इसका संचालन मां काली करेंगी। इस संघ लीला में मां काली मुख्य भूमिका निभाएंगी। #kaliyugaend #2027 #2029 #ww3 #asteroid

ओडिशा में युद्ध के बाद, विदेशी सैनिक पंचसखा के साथ-साथ नास्तेदमस द्वारा लिखित गंगा नदी के तट पर वाराणसी (काशी विश्वनाथ जी) की ओर चलेंगे। 3 विश्व युद्ध का अंतिम युद्ध होगा। युद्ध के बाद अधिकांश विदेशी भारत छोड़ देंगे। लेकिन भारत में रहेंगे क्योंकि वे जानते हैं कि भारत किसी भी अन्य की तुलना में अधिक शांतिपूर्ण देश है। भारत की जनसंख्या लगभग 36 करोड़ रहेगी जो अब 136 करोड़ से अधिक है। 7 नगर या गाँव एक गाँव में ढह जाएंगे और वहाँ बहुत कम लोग बचे रहेंगे। फिर कोई यह नहीं पूछेगा कि कोई व्यक्ति हिंदू है, मुसलमान है या ईसाई। 2027-29 के आसपास, एक दिव्य भविष्यवाणी (आकाशवाणी) होगी कि आप सभी को एक ही धर्म, यानी सनातन धर्म का पालन करना होगा। जो नहीं मानेगा वह अंतिम विनाश (प्रलय) में मारा जाएगा। यह गणना 1999 से प्रो-, मिड-, एंड-टाइम विनाश अवधि के लिए 9 तीन बार जोड़कर की जाती है। जो कि 2026 में आता है। उसके बाद 2027 अंतिम विनाश का समय होगा। कुछ लोग 1999 की जगह 2001 को मानते हैं तो पुलिन जी ने 2027-29 को वह दौर माना है। लेकिन ऐसा निश्चित रूप से होगा। इसके बाद, 3 साल महत्वपूर्ण होंगे क्योंकि पानी, आग और सौर तूफान के कारण विनाश होगा। यह पंचसखा, नास्तेदमस द्वारा लिखा गया है और 2008 में वैज्ञानिकों की एक बैठक हुई थी, जिसमें यह निष्कर्ष निकाला गया था कि 2028-2032 तक पृथ्वी पर उल्कापिंड गिरेगा। उस समय बहुत से लोग मरेंगे और मां काली उनका खून पीएंगी। बुरे लोग ही मरेंगे। और चमत्कारिक रूप से सच्चे भक्त भगवान की कृपा से बच जाएंगे। विनाश काल के अंत के समय 7 दिन और 7 रात का अंधेरा होगा। उसके बाद, सूर्य, चंद्रमा और सितारों का नया सेट दिखाई देगा। और सूर्य पश्चिम दिशा में उदय होकर पूर्व दिशा में अस्त होगा। अंत में, केवल सनातन धर्म रहेगा और सभी शांति और सद्भाव से चले जाएंगे। #kaliyugaend #2027 #2029 #ww3 #asteroid

रशिया जानना चाहता है कि ब्रह्म पदार्थ में क्या रहस्य है, इसलिए वो लेने आएगा। वो पारा दीप से घुसेगा और पूरी जाएगा, वहां वो एक लाख सोने का मुद्रा गिराएगा जिससे पंडा लोग आपस में लड़ने लगेंगे कि सोना कौन लेगा और रशिया जगन्नाथ जी को ले जाएगा उस पागल ट्रेन में जो सियालदाह में है, वहां एक यज्ञ के बाद, फिर बैरी स्टेशन जोकि जादेश्वर महादेव मंदिर के पास है, वहां पर हनुमान जी engine □ □ और □ □ ट्रेन को अलग कर देंगे जबकि हर जगह ये लिखा है कि अर्जुन जी इंजन तोड़ेंगे। फिर जो जगन्नाथ जी का मूर्ति है उसको पंचसखा के 5 दल और अर्खित दास जी के दल वाले भक्त छतिया लेंगे पहले एक दिन झाड़ेश्वर महादेव मंदिर में रहेंगे फिर जायेंगे छतिया। #ww3 #russia #chhatia #puri

□ कटक कटीरू रकता धारा मदीजे चलीबा, सेते बेले रशिया राजा जे पुनि मादी आसिबा।
लख्ये मादो शून्य धरीना आसी पूजा करीबा, रैतो गाड़ी रे प्रभु कु घेनिनो जिबो, बैरी स्टेशन अर्जुना जे जगीना थीबा।
□ अर्जुना गोटे सोरा रे इंजन कू भंगिबा। बैरी स्टेशन रे इंजन चुना होइबा।
भक्त माने आसी प्रभु कु घेनिना जिबे छातीया बटा रे नेई पूजा जे करीबा।।

अर्थात् कटक शहर में जब रक्त का धारा बहेगा, तब रशिया लाखों बम लेकर आएगा शून्य से और पूजा करेगा। रेल गाड़ी में वो प्रभु को बैठाएगा। बैरी स्टेशन में अर्जुन इंतजार कर रहे होंगे। अर्जुन एक तीर से □ □ इंजन को तोड़ देंगे। भक्त लोग आकर प्रभु को ले जाएंगे, छतिया बटा में लेके प्रभु का पूजा करेंगे।

□ नाभी कुंड भूमि मध्यरे जे समारा होइबा। लिंगराज क्षेत्र मध्य रे घोरा समारा हेबो।
बहारा हेबे बिरजा करे खरपारा धरि। बरना बेलाकु भक्तोंकु बची रखिबे हरी।
□ सतयुग आद्या होईबा, सुभा युगा प्रवेशा। सिद्धा साधु माने बासी सभा करीबे।
सेशे समस्तांकु रखिबे आबरी। हरी शब्दे मतीबे हरी भक्त माने।

अर्थात् नाभी कुंड भूमि के मध्य में युद्ध होगा, लिंगराज क्षेत्र (भुवनेश्वर) के मध्य घोर युद्ध होगा। उस समय मां बिरजा अपना खपर लेकर बाहर निकल जायेंगी। इस महाविपदा के समय में भक्तों को अलग करके रखेंगे श्री हरी। सतयुग आरंभ होगा शुभ समय में। सिद्ध साधु लोग सभा करेंगे उस समय शेष नाग सभी भक्तों को साथ रखेंगे। प्रभु श्री हरी के शब्द से सभी भक्त झूम उठेंगे।

- लिंगराजपुर त्रयोदश दिनों अजगर जगी थिबा। बिंदुसरोबरा बीसा होजिबो, जिए चुड़नबा नाशो जीबो।
- थाबे भूमिकांपा हेबो भूसुदीबा कोथा बड़ी। चोरा डाको माने आसी उभा हेबे लगाइबे लंबा धरी।

लिंगराज क्षेत्र भुवनेश्वर में 13 दिन तक अजगर रहेगा वहां के बिंदुसरोवर में जिसके वजह से वो दुषित हो जाएगा। जगह जगह पर भूकंप होगा, मकान बंगला सब गिर जाएंगे। चोर और डाकू लोग सब इस समय में ज्यादा दिखेंगे।

#odisha #ww3 #chhatia

- पांचों, तीनों, तेरो एकत्र होइबा, लांजा नक्षत्र चिंदिबा,
जानिबु सेई दिनु काली छडी जिबा सत्य उदय होइबा

अर्थात 5, 3, 13, एकसाथ होंगे तो लंजा नक्षत्र (धूमकेतु) टुकड़ा होके गिरेगा, उसी दिन से कलयुग छूट जाएगा, सत्य उदय होगा।

#asteroid #2028 #timeline

- मीनो कृष्णा चतुर्दशी शुक्रबाशारा, अंधकारो घटी जिबो मार्त्य मंडले

अर्थात मीन महीने में कृष्ण पक्ष का चतुर्दशी शुक्रवार होगा, उस दिन से अंधकार होगा पृथ्वी में

#bhairavidaak

- खंडागिरी थारे लीला उपुजिबा, बिनसो दुई पारे जानो।
सेथारे अंभोरा भक्तों रहिबे, तेनु पादुका आश्रम।

अर्थात खंडागिरी में लीला शुरू होगा, 22 के बाद। वहां भगवान के भक्त रहेंगे, इसलिए उसका नाम पादुका आश्रम होगा।

- यवन आतंक प्रबल हेबो, जहां देखूं तहीं लुट होइबा,
जाना जाना 26 कोटी, जगैबु बाला पड़ीबा हुरी।

अर्थात यवनों का आतंक प्रबल होगा। जहां देखोगे वहां लूटपाट होगा। एक एक करके 26 करोड़ सैनिक युद्ध करेंगे। संसार में हाहाकार मचेगा।

- डेलुआ कु गोंटाघारा करीबा यवन, श्री पुरुषोंकरा जातरा करीबा खंडाना।
नबा दिनों जतरा यवन नाशिबा, पूरी तीर्थो मानो यवन सजीबा।

अर्थात बड़ा देउला को युद्ध का क्षेत्र बना देंगे यवन। श्री जगन्नाथ रथ यात्रा को यवन बंद करवा देंगे। 9 दिन का यात्रा का नाश करेंगे यवन। पूरी में यवन लोग आ जायेंगे

#ww3 #kalki #khandagiri #puri

चौबीस अंको रो भीतोरे मंगल वारो से दिनों रे चैत्र मास रो भीतोरे I से दिनों चीना शैव्य टी आसीबे उडीसा मध्य रे पोसीबे II

#ww3 #2024 #timeline

कलियुग के 5124 वर्ष होने पर लिंगराज मंदिर से गर्जना मथुरा तक सुनाई देगी, जिससे सारे देवी देवता ग्राम देवता फिर से जाग्रत हो जाएंगे फिर से देवी देवता विश्व भ्रमण और ग्राम देवता ग्राम भ्रमण करने लगेंगे, पर असभ्य आचरण असभ्य व्यावहार और सड़को रास्तो पर गंदगी के कारण रक्त मुखा होंगे और लाश ढोते ढोते कंधा दुखने लगेगा लोगों का.....

फिर 5125 वर्ष होने पर कई देश भूखमरी के कगार पर होंगे.. भारत में भी कई जगह अन्न संकट होगा

फिर कलियुग के 5126 वर्ष होने पर विश्व युद्ध शुरू हो जाएगा.. चीन भारत पर हमला कर देगा...

फिर कलियुग के 5127 वर्ष बीतने पर किसी कारणवश धरती के आधे हिस्से में लगातार सात दिन अंधकार छा जाएगा

फिर कलियुग के 5128 वर्ष बीतने पर लगातार धरती पर उल्का पात होगा ऐसा लगेगा जैसे आग बरस रही हो और एक बड़ा सा उल्कापिंड हिन्द महासागर में गिरेगा.. विशाल काय सूनामी उठेगी जिसमें जगन्नाथ पुरी में डेरा जमाए चीनी सेना का विनाश हो जाएगा...

फिर 5129 वर्ष होने पर कल्कि अवतार और उसकी सेना का आतंक होगा.. मालिका के अनुसार जो बचे हुए लोग होंगे उनमें जो घांस, फूस, कूड़ा, करकट आदि हैं उनको कल्कि साफ करेंगे

फिर कलयुग के 5130 वर्ष होने पर लिखा है "ओणोत्रीसो ठारूं आनन्दे रहीबे भारतो रो जनों गोष्ठी" अर्थात् कलयुग के 5130 वर्ष होने पर आनन्द में रहेगी भारत की जनता.... जय जगन्नाथ राधे राधे

#timeline #2023 #2024 #2025 #2026 #2027 #2028 #2029 #2030

आपको सतयुग की एक छोटी सी झलक दिखा देता हूँ!

सन 2042

चारों ओर से समुद्र से घिरा द्वीप, जो भारत से 3 गुना बड़ा है!

जिससे अंटार्कटिका उतनी ही दूर है, जितना भारत से चीन!

पूरी तरह से वनस्पति, कोनों पर बर्फिले पहाड़ों और हरियाली से भरा हुआ!

उसका नाम पूर्व में सुमेरु था,

आज "....." है!

पृथ्वी के हर हिस्से पर हिमयुग है!

सिर्फ सुमेरु पर हरियाली और अनुकूल वातावरण!

सांप, बिच्छू, विषैले जीव भूमिगत हो चुके हैं!

मच्चर, मक्खी खत्म हो चुके हैं!

जीवाणु, बुरे कीटाणु हिम में जब्ज हो चुके हैं!

अंटार्कटिका फिर से जमने लगा है जो सुदूर पहाड़ों पर से धुंध के साथ देखा जा सकता है!

आसमान में उड़ते हुए यूएफओ,

सतरंगी इंद्रधनुष, तितलियाँ और कच्ची मिट्टी के घर, तन पर सिर्फ एक कपड़ा!

किसी का कोई धर्म नहीं, कोई भेद नहीं!

सिर्फ मानवता!

ना कोई खरीददारी, ना कोई बेचना, जिसकी आवश्यकता, वो मिल जाए!

खानपान सब प्राकृतिक, कुछ पकाया, भुना, मिर्च मसाला नहीं!

कोई मादक पदार्थ नहीं, कोई धुआं नहीं!

पूरी मानवता की एक ही भाषा, एक ही खानपान, एक ही जीवन शैली!

सबके पाठ्यक्रम में शामिल 'ब्रह्म ध्यान' .

सबके अध्यापक

कल्कि। !!

जब विश्वयुद्ध शुरू हो जाएगा तब धरती विनाश के कगार पर पहुँच चुकी होगी और उसी वक्त विनाश से बचाने के लिए अश्वस्थामा जर्मनी से रूस के एक नदी में जाएगा जहाँ ब्रह्म शिर अस्त्र को उसने छिपा रखा है उसे बाहर निकालेगा और विश्व युद्ध शुरू करने वालों को कुचल देगा फिर राजस्थान से पांडव जो कलयुग में फिर से जन्म ले चुके हैं उड़ीसा में वो राजस्थान जाएंगे और उनके हथियार जो उन्होंने महाभारत काल में छिपा कर रखे थे उन्हें बाहर निकालेंगे वो भी युद्ध करेंगे अब लोग ऐसी बातें सुनकर विश्वास नहीं करेंगे पर ये सच है मैंने डिस्कवरी चैनल पर पंद्रह साल पहले देखा था द्वितीय विश्वयुद्ध के वक्त धरती पर एक विशाल उल्का गिर रहा था तब रूस के एक नदी से एक चक्रनुमा गोल आकार का चीज निकला था और उस उल्का के टुकड़े कर दिए थे वो वही ब्रह्म शिर हथियार ही था आज भी उसी इलाके में खोज जारी है कि आखिर वो क्या था जिसने उल्का पिंड के टुकड़े कर दिए थे वो अश्वस्थामा का हथियार ही था ये दिव्यास्त्र चेतन हथियार होते हैं सुदर्शन चक्र की तरह जो खुद निर्णय लेने में सक्षम हैं ये वर्तमान समय के परमाणु बम की तरह जड़ नहीं हैं चेतन हैं जो हृदय में धारण किये जाते हैं महाभारत के बाद अर्जुन के पास गांडीव उठाने या धारण करने की शक्ति नहीं बची थी अर्जुन ने किसी तरह गांडीव और पिनाक को सर पर ढोकर छिपा दिया था यही हाल श्राप के कारण अश्वस्थामा का भी हुआ उसने रूस में अस्त्र को छिपा दिया उन अस्त्रों को धारण करने के लिए फिर से महाभारत काल के योद्धा नये शरीर के साथ जन्म लिए हैं जब शनि मीन राशि में आ जाएगा तभी सभी देखेंगे मालिका की अकाट्य वचनों को बस ढाई साल की देरी है समय बहुत कम है

बिरेन सिंह ☒☒☒

जय श्री राधे☒

मालिका विचार ----:

☐मीनो वृष्टि हेबे मिथुन मासो रे महि हेबो जोरा ग्रस्तो ।

बींसो बेनी अंको समीरो संयोगो वासुकि जे अस्तो वयस्तो।।

अर्थात् मछलीयों की बारिश होगी आषाढ महीने में तब पृथ्वी वृद्धावस्था की तरह जरा ग्रस्त होगी अर्थात् फसल हानि बृक्षों में फल न आना आदि होगा । बीस में दो अंक जोड़कर समीर को संयोग करने पर जो समय निकलेगा तब वासुकि अस्त व्यस्त होगा अर्थात् भूकंप आदि होगा।

□स्वर्णिखा ठारूं जे ऋषिकुल्या जाऐ संबलपुरो ठारूं जे पारादीप जाऐ।
मीनो वृष्टि करीबे से सीमा कू आबोरी प्रजा समस्त पाई धर्म कू आबोरी।

अर्थात् स्वर्णिखा नदी से लेकर ऋषिकुल्या नदी के किनारे और संबलपुर से लेकर पारादीप तक मछलीयों की बारिश होगी तब प्रजा डर के मारे धर्म की शरण लेगी। मान्यता है कि मछलीयों की बारिश शुभ संकेत नहीं होती अमेरिका महाराष्ट्र आदि में मछलीयों की बारिश हुई थी आज कोरोना से इन जगह पर आफत आई हुई है।

□स्वर्ण कलश सर्व पीढा रे बसीबो । जय ध्वनि सबू मंचो मंडले सुभीबो।।

अर्थात् इस तरह की परिस्थिति से भयभीत हो कर जनता कलश स्थापित करके पूजा पाठ करेंगे हर मंच हर जगह से जयकारा सुनाई देगी ।

#timeline #2022 #2023 #2024 #fishrain

रेक्टर स्केल पर 16.5 की विश्व में बड़े पैमाने पर भूकंप तथा दुनिया पर इसका असर

=====

Today 09/11/22 at 2 am delhi got 6.3 earthquake on recter scale with epicenter was 90 km south east of pithoragarh urrarakhanda and depth of quake was about 10 km deep inside

आज के समय में मनुष्य के अत्यधिक पापों के कारण, और अधर्म के मार्ग पर चलने वाले अधिकांश लोगों द्वारा पृथ्वी ११ इसका भार धारण करने में असमर्थ है। परिणाम स्वरूप दुनिया के लिए बहुत घातक होगा। जो पंचभूत प्रलय लाएगा जो खंड प्रलय होगा 1 महान अच्युतानंद दास जी भाविश मलिका में कहते हैं कि हिमालय में पहले 1 बड़ा भूकंप आएंगे इससे पहले एशिया के चारों ओर छोटे भूकंप बहुत बार आएंगे लेकिन फिर एक बड़ा भूकंप आएगा जो 16.5 रेक्टर पैमाने पर पर होगा और केंद्र बिंदु हिमालय होगा और धरती माता में घोर गर्जन होगा और पृथ्वी 3 बार बुरी तरह हिलेगी और पूरी दुनिया इससे बुरी तरह प्रभावित होगी बहुत भयंकर तबाही होगी बड़ी-बड़ी इमारतें और ऊँचे-ऊँचे पहाड़ खत्म हो जाएंगे 1

भारत के कुछ शहर, नेपाल, पाकिस्तान अफगानिस्तान, चीन और हांगकांग से लेकर इंडोनेशिया तक बुरी तरह प्रभावित होंगे कुछ देश पूरी तरह से नष्ट हो जाएंगे और बड़े भूकंप के कारण उनका भौगोलिक क्षेत्र बदल जाएगा चीन पाकिस्तान टर्की और अन्य देश में बहुत बड़ा विनाश होगा जाएगा बड़े पैमाने पर भूकंप के कारण 70 से 90 फीसदी इलाका ढह जाएगा भाविश मलिका में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि कितने मरेंगे और कौन सा नगर तबाह हो जाएगा लेकिन हर बात कहना सही नहीं है क्योंकि इससे लोगों में अनिश्चितता फैल जाएगी

अब मन में बड़ा सवाल आता है कि हम इस खंड प्रलय से कैसे बचे रहेंगे?

आप कितने शक्तिशाली हैं, आपके पास कौन से हथियार हैं जहां आप रहते हैं और आप किस पद पर हैं, फिर भी सचेत बदलाव से दूर होने का ये मानदंड नहीं है जो लोग धर्म के पथ पर हैं और भगवान कल्कि भगवान हरि नाम का भजन कर रहे हैं, वे बच जाएंगे भक्तों की रक्षा करेंगे भगवान कल्कि और पूरी दुनिया देखेगी कि भारत इस मुश्किल घड़ी से कैसे बाहर निकलता है तो बड़े पैमाने पर भूकंप के कारण पूरी दुनिया में भौगोलिक परिवर्तन होंगे जिसका अर्थ है कि उत्तरी ध्रुव दक्षिणी ध्रुव में बदल जाएगा परिणामस्वरूप बड़ी तबाही आएगी

#earthquake #himalaya

मालिका विचार --

□ सारोड़ा करीबे कूटो लो बोऊलो कोटोके लागीबो गड़ो। कलिआ बोदा रे बारह हाथो खंडा बाहारी बो सेही बेड़ो।।

अर्थात् "सारला" देवी मां तांडव करेगी कटक शहर में मारकाट मचेगा। तभी कलिआ बोदा नामक स्थान जो महानदी के किनारे है उस जगह बारह फीट का तलवार निकलेगा।

□ कटको जोबरा आनीकटो तोड़ो महानदी बाली कूदो। सिद्धो पुरूषो तहीं प्रवेशीनो आरंभिबे मुक्ति युद्धो।।

मुक्ति युद्धो हेबो कलिआ बोदा। बाहारी होईबो द्वादशो खंडा।।

अर्थात् कटक महानदी के जोबरा घाट में सिद्ध पुरूष युद्ध शुरू करेंगे तभी काडिया बोदा नामक स्थान पर बारह फीट तलवार निकलेगा जो तलवार कल्कि धारण करेंगे।

□ मारू घाटी स्थानो अटोई। सेही मेछो अज्ञानी जे धोरा टी होई।।

अर्थात् जो ये वही स्थान है जहां मलेच्छ अज्ञानी स्वघोषित कल्कि पाखंडी भक्त पाखंडी साधु सन्यासी वगैरह पकड़े जाएंगे।

□ गरीष्टो टाणूआ भक्तो से ठारे केहि नो पाईबे रक्षा ।

अर्थात् कुतर्क करने वाले अपने आप को भक्त सिद्ध करने वाले कोई उस समय बच नहीं सकेंगे।

□ अंको कटी जीबो सालो ही केवलो मसीहा गटी रहीबो।

तोरोको तेरूआ जेते भक्तो जोबोरा घाटो रे सेबेडे नाशो।।

अर्थात् कुतर्क करने वाले सभी पाखंडी भक्त उस वक्त जोबरा घाट पर विनाश को प्राप्त होंगे ।

कुतर्क नहीं करना चाहिए पर तर्क कर सकते हैं सनातन धर्म में तर्क पूर्ण बातें ही मान्य हैं अंधविश्वास पर सनातन धर्म नहीं चलता ।

#odisha #kalimahabharat

शिशु अनन्त अपने शिष्य बारंग से कह रहे हैं भगवान जब अवतार लेकर आते हैं तो अपने भक्तों को भी साथ लेकर आते हैं

□ सत्य युगो रे से होई थिले तपी, त्रेता युगो हेले कपि ।
द्वापर युगो रे श्री कृष्ण संगो रे होईले गोपाल गोपी ॥

अर्थात् सतयुग में वो तपस्वी बने थे त्रेतायुग में कपि और द्वापर युग में श्री कृष्ण के संग हुए वो गोपाल गोपी ।

□ ऐ कलीयुगो रे कल्कि अवतार हेबे बिम्बबा धरो ।
चौसठो भक्तों कठो दलो घेनी करीबे दुष्टो संहारो ॥

अर्थात् इस कलयुग में कल्कि अवतार होंगे बिम्बबा धर (जगन्नाथ) । और 64 भक्तों को साथ लेकर कोठो दल के साथ मिलकर करेंगे दुष्टों का संहार ।

#kalki #bhakt

□ छाया सुतो कुंभो मीनो कू जेते बेड़े आगमो।
शून्य रू निर्घातो उठीबो पूर्व पश्चिमे ध्यानो॥

अर्थात् छाया पुत्र शनि जब कुंभ राशि में जाएंगे तब आकाश में हलचल तेज हो जाएगा तब पूर्व और पश्चिम में शून्य से निर्घात होगा यानी तेज़ हवाएं उठेंगी ।

□ नक्षत्रो वृष्टि रात्रों दिनो हेबो। महत्व पूर्णो जे केही न थिबो॥
उल्का पातो हेबो हूडोहूडी। स्वानो सूगाडो छाडीबे मो बाडी॥

जनवरी 2023 के अंत से शनि के कुम्भ राशि में आते ही पृथ्वी पे उल्कापात होना शुरू हो जायेगा और 2025 से 2027 के बीच में शनि के मीन में प्रवेश होने के बाद एक बहुत बड़ा उल्कापिंड 3 टुकड़े होकर समुद्र में गिरेगा जिससे बंगाल की खाड़ी में बहुत बड़ी सुनामी आएगी और कुछ पश्चिमी देशों में भी पानी कहर बन के टूट पड़ेगा । #2023 #2024 #2025 #2026 #timeline #asteroid

आसू छी खंडिया भूतो हो आसू छी खंडिया भूतो उड़िए रहिछी महाभारतो.

गाय प्लास्टिक खा गई जान बचाने के लिए खाद्य पदार्थ की कमी होने लगी, दूध में मिलावट हुआ राख का मालिका वचन सत्य हुआ लगने लगा भय, डिब्बा बंद दही मिलने लगा सात दिन अंधकार होने वाला है, आ रहा है काला भयंकर भूत महाभारत के बाकी बचा युद्ध पूरा करने के लिए, हे जगन्नाथ भक्त की रक्षा करो अपने सुदर्शन चक्र से

1. A Mata pita achyutaya nand Ji 13 janm k Mata pita k bare me he,
Unka Mata pita nahin the.

Bohut tathya kisi ko v pata nahi par jinko Jan na chahiye un sabko pata hai. Koi bhi 10 avatar utha ke dekh lo bhagawan ka sabme mata pita jinda the.

2. हो सकता है दोनों अलग हो या एक ही। मैंने भी कई जगह बलराम का वर्णन देखा है।

3. जिस तरह कल्कि अवतार का नाम अलग-अलग लिखा है वैसे ही माता-पिता का नाम भी अलग अलग लिखा हुआ है।

4. प्रमोद जी को respect करता हूँ। □ खुद प्रमोद जी के मुह से अनंत मिश्र का वर्णन <https://youtu.be/kCg2jn6eY4E?t=879>
> Time 14:39

Is mein clearly yeh bhi kaha hai ki Kalki ke bare mein Mahapurush ne bahut confusion rakha hai intentionally. Warna kisi bhi aire gaire ko unke bare mein pata chal jata

5. भगवान विष्णु को तो बहुत सारे वस्तु नहीं चढ़ाये जाते हैं। सभी भगवान के अपने प्रिय वस्तु होती हैं जैसे भोलेनाथ का बेलपत्र, विष्णु जी का तुलसी इत्यादि।

साधक को लहसुन, प्याज से दूर इसलिये रहने को कहा क्योंकि ये सब उतेजना पैदा करते हैं। और साधना में विघ्न डालते हैं। जो माया के रचयिता हैं उन्हें लहसुन प्याज से परहेज की क्या जरूरत।

मालिका विचार — :

शिशु अनन्त अपने शिष्य बारंग से कह रहे हैं भगवान जब अवतार लेकर आते हैं तो अपने भक्तों को भी साथ लेकर आते हैं
 सत्य युगो रे से होई थिले तपी, त्रेता युगो हेले कपि ।
 द्वापर युगो रे श्री कृष्ण संगो रे होईले गोपाल गोपी ॥
 अर्थात् सतयुग मे वो तपस्वी बने थे त्रेतायुग मे कपि और द्वापर युग मे श्री कृष्ण के संग हुए वो गोपाल गोपी ।
 ऐ कलीयुगो रे कल्कि अवतार हेबे बिम्बबा धरो ।
 चौसठो भक्तों कठो दलो घेनी करीबे दुष्टो संहारो ॥
 अर्थात् इस कलयुग मे कल्कि अवतार होंगे बिम्बबा धर (जगन्नाथ)
 और 64 भक्तों को साथ लेकर कोठो दल के साथ मिलकर करेंगे दुष्टों का संहार । जय जगन्नाथ राधे राधे

ओड़िआ स्लोक:

“ ओडिशा देश सेही नाम करि जारी
 शून्ये उड़ाइबे ध्वजा प्रभु दर्शितारी (27)
 (27) अच्युतानंद रचनाबली (सुन हे मनुआ तुहि - भजन)
 सम्पादक डाक्टर रत्नाकर चइनी , पृष्ठा 93

अनुवाद:

“ओडिशा देश में वही नाम का आदेश जारी करके
 शून्य में उड़ाएंगे ध्वजा महाप्रभु “

मालिका विचार —:

बुधो ग्रहो रू लोको आसीबे ।
 रूस यवनोको सोंगे धाड़ी देबे ॥
 बिलायतो रू चुम्बको जे आणीबो रूसीया ।
 बड़ो देऊड़ो रू नीलचक्र नेई जीबो रूसीया ॥
 अर्थात् बुध ग्रह से परग्रही आएंगे, रूस और तेरह मुस्लिम देशों (यवनो) के साथ मिल जाएंगे फिर जगन्नाथ मंदिर पर हमला करके विशाल चुम्बक ब्रिटेन से लाएंगे और नीलचक्र को उससे उखाड़ कर ले भागेंगे । <https://youtu.be/jwnuN0wfFr0>

-source biren singh

मालिका विचार —: SHIVKALPA NIRGHANT

गड़ो युद्धों हेबे हिंदू मुसलमानो दिल्ली चांदनी चौको प्रमाणो ।
 वीरो हनुमानो देखी अमानवीय रूपो बाहारी करीबे दुष्टों संहारो ॥
 अर्थात् दंगे युद्ध होंगे हिंदू मुसलमान मे दिल्ली का चांदनी चौक प्रमाण है । उसी समय वीर हनुमान बाहर निकल पड़ेंगे मनुष्य के अमानवीय रूप को देखकर और करेंगे दुष्टों का संहार ।

पच्चीसो अंको रू उडीसा देशो रू बिदेशीय जाति जेते ।
 मुहूर्तको मध्ये बाहारो होईबे न रहिबे कदाचिते ॥

अर्थ- 25 अंक (या मसीहा) में उडीसा में जितने भी विदेशी होंगे, किसी कारणवश एक मुहूर्त(48mins) के भीतर ही देश छोड़ देंगे।
 हो सकता है यह युद्ध के कारण हो क्योंकि जब युद्ध होता है तो बाहर देश वाले अपने Citizens को evacuate करवा लेते हैं।

विश्व युद्ध में तुर्की की बड़ी भूमिका होगी। तुर्की के सैनिक जलमार्ग से भारत में प्रवेश करेंगे। यह पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और मलेशिया के साथ 13 मुस्लिम देशों में से एक होगा। लेकिन अंत में पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, नेपाल, भूटान, म्यांमार सभी को अखंड भारतवर्ष में शामिल किया जाएगा। 2022-24 युद्ध का बहुत महत्वपूर्ण चरण होगा। पहले तो भारत विरोध करेगा लेकिन अंत में 2024 में, विदेशी देश के सैनिक पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश के माध्यम से भारत में प्रवेश करेंगे। चीनी सेना और वायु सेना सिक्किम में बॉटल नेक काटने की कोशिश करेगी और सफल भी होगी। और भारत सात बहनों और सिक्किम पर से नियंत्रण खो देगा।

अठाईसो अंके बछा बछी होबो जातो हेबो नूआ सृष्टि ।
 अणतीरीसो ठारूं आनन्दे रहीबे भारत रो जनो गोष्टि ॥

अर्थात् 28 अंक मे नयी सृष्टि का सृजन होगा. फिर 29 अंक से भारत के लोग आनन्द से रहेंगे ।

विश्व युद्ध में तुर्की की बड़ी भूमिका होगी। तुर्की के सैनिक जलमार्ग से भारत में प्रवेश करेंगे। यह पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और मलेशिया के साथ 13 मुस्लिम देशों में से एक होगा। लेकिन अंत में पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, नेपाल, भूटान, म्यांमार सभी को अखंड भारतवर्ष में शामिल किया जाएगा। 2022-24 युद्ध का बहुत महत्वपूर्ण चरण होगा। पहले तो भारत विरोध करेगा लेकिन अंत में 2024 में, विदेशी देश के सैनिक

पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश के माध्यम से भारत में प्रवेश करेंगे। चीनी सेना और वायु सेना सिक्किम में बॉटल नेक काटने की कोशिश करेगी और सफल भी होगी। और भारत सात बहनों और सिक्किम पर से नियंत्रण खो देगा।

2023 में पुरी जलमग्न होगा। पानी श्री मंदिर के ऊपर तक आ जाएगा। लेकिन जगन्नाथ जी वरुण देव को उनका वचन दिला देंगे तो वो वापस पीछे हट जाएंगे। समुद्र अपने सीमा को लांघेगा। पूर्व दिशा और दक्षिण दिशा में समुद्र आएगा और राज करेगा। बड़ा देउला को समुद्र की लहर मार रहे होंगे और बड़ा देउला को धकेल रहा होगा तुम देखोगे अपनी आंखों से। सबसे पहले चीन अरुणाचल प्रदेश, असम से आक्रमण करेगा। एक बार हमला होने से रथ यात्रा बंद हो जाएगा। उत्तर पूर्व के साथ चीन बहुत दिशा से हमला करेगा। वो पाकिस्तान में भी अपने सैनिकों को रखा है, म्यांमार में भी रखा है। बांग्लादेश के रास्ते से को सैनिक पश्चिम बंगाल में घुसेंगे वो ओडिशा के लिए खतरा होंगे। राजस्थान से जो सैनिक घुसेंगे वो भी ओडिशा तक पहुंच जाएंगे। उस समय बहुत सारे आतंकवादी हमले होंगे रथ यात्रा को बंद करना ही पड़ेगा। 2023 से 28 तक बंद रहेगा। पुरी पर हमला होगा। तो रथ यात्रा बंद हो जाएगा।

पुरुषोत्तम देव राजा ठारू, उन्नविंश राजा हेब सेठारू।

-इंद्र कल्प मालिका

श्री दिव्य सिंह नामे राय, युग प्रांते से उदय।

-स्वामी अच्युतानंद दास जी

अर्थात् युग के अंत के राजा देव सिंह देव होंगे उनके बाद कोई राजा नहीं होगा।

प्रचारिलु तुहि समय सुन राम रतन,
दिव्य सिंह देव राजन कोड़े कन्या रतन।

अर्थ- हे रामचंद्र अंतिम राजा दिव्य सिंह देव होंगे जिनको कन्याए होंगी।

अठाईसो अंके बछा बछी होबो जातो हेबो नूआ सृष्टि ।
अणतीरीसो ठारू आनन्दे रहीबे भारत रो जनो गोष्टि ॥

अर्थात् 28 अंक मे नयी सृष्टि का सृजन होगा. फिर 29 अंक से भारत के लोग आनन्द से रहेंगे ।

- Hadidas ji

बाईसे भारतू दिपो निभी जिबो पृथ्वी हेबो गोड़ो गुंडा ।
हाथो धोरी खंडा मदनो भुसुंडा माती जिबे गंडा गंडा ॥

अर्थात् 2022 में भारत का दीप बुझ जाएगा। पृथ्वी पर युद्ध होगा, हाथों में हथियार लेकर पागल युवक दंगे फसाद करेंगे

मालिका मे एक दोहा है पृथ्वी होई बो हाड़ो हूड़ी । इस हाड़ो हूड़ी का अर्थ ये ज्यादातर लोग नही समझ सके । लोग बता रहे है 2024 को उल्का पात होगा और पृथ्वी हाड़ो हूड़ी होगा , इन्होंने हाड़ो हूड़ी का अर्थ किया मनुष्य पागल हो जाएगा उसकी बुद्धि काम नहीं करेगी पर हाड़ो हूड़ी का ये अर्थ नहीं है दरअसल पूर्वी उड़ीसा में और पश्चिम उड़ीसा मे उड़िया भाषा थोड़ा बदल जाता है पश्चिम उड़ीसा आदिवासी बहुल क्षेत्र है और संत अच्युतानंद दास ने मालिका नामक ग्रंथ मे शुद्ध उड़िया भाषा में राढ़ उड़िया भाषा को भी जोड़ दिया है अर्थात् उप उड़िया भाषा । जिसके कारण पूर्व उड़ीसा के लोग मालिका के कुछ शब्दों को समझने मे नाकाम हो रहें हैं जैसे मालिका मे लिखा था ढिकी बाजा बंद होईबो अर्थात् ढिकी बाजा बंद होगा, पर ये ढिकी बाजा क्या है लोग समझ नहीं सके, मालिका गवेषणा करने वाले प्रमोद कुमार पुष्टि ने टीवी चैनल पर दस साल पहले कहा ये ढिकी बाजा लाऊडस्पीकर डीजे वगैरह है जो आगे आठ दस साल के अंदर बंद हो जाएगा, पर कहाँ इनका प्रकोप तो बढ़ता जा रहा है ये तो विनाश के बाद ही रूकेगा इससे पता चलता है ये ढिकी बाजा लाऊडस्पीकर डीजे नहीं है ये गाँव मे धान कूटने वाला ढेंकी है जो पच्चीस तीस साल पहले हर गाँव मे धान कूटने के लिए इस्तेमाल किया जाता था शुबह होते ही हर गाँव में ये ढेंकी बजता था जो आज वर्तमान समय में मशीन के आने से बंद हो गया ढेंकी की आवाज ढें चूँ ढें चूँ नहीं सुनाई पडती और पश्चिम उड़ीसा के लोग आदिवासी इसे ढेंकी नहीं ढिकी कहते हैं, अच्युतानंद ने ढेंकी को ढिकी कहा है इसलिए पूर्वी उड़ीसा के लोग ढिकी का अर्थ समझ नहीं पाए ऐसे ही ये हाड़ो हूड़ी का अर्थ भी इन्होंने नहीं समझा, हमारे क्षेत्र में और पश्चिम उड़ीसा मे लोग जब कोई घर गिरता है या कुछ भी धरासायी हो जाता है तो कहते हैं हाड़ हूड़ करके गिरा और इसी हाड़ हूड़ शब्द को अच्युतानंद ने हाड़ो हूड़ी कहा है अर्थात् उल्का पात होगा जगह जगह बम गिर रहें होंगे तो पश्चिम उड़ीसा के लोग ऐसे ही कहेंगे हाड़ हूड़ करूछी अर्थात् पृथ्वी दहल रहा है हाड़ हूड़ हो रहा है ।

आर्य भाषा परिवार, द्रविड़ भाषा परिवार के अलावा अनेक उप भाषा परिवार और राढ़ भाषाएं भी हैं हमारे देश के संत सभी भाषाओं को शामिल करते हैं और लिखते हैं जैसे रामचरितमानस को हिंदी भाषी भी समझ नहीं पाते क्योंकि वो हिंदी है ही नही वो अवधि है जो क्षेत्रीय भाषा है उप भाषा भी नही है राढ़ भाषा है ऐसे ही कबीर दास के दोहे भी हैं

Nov 2024 से नई महामारी आरंभ होगी जो की 2025 में रुद्र रूप धारण करंगी, सबसे ज्यादा मांसाहारी लोगो को होगी और इलाज के लिये कोई डॉक्टर भी उपलब्ध नही होंगे॥

2023 में क्या हो सकता है। यह मैंने different मालिका रिसर्चर से collect करि है।

यह मेरी रिसर्च नहीं है।

1. कलियुग के 5124 वर्ष होने पर लिंगराज मंदिर से गर्जना मथुरा तक सुनाई देगी जिससे सारे देवी देवता ग्राम देवता फिर से जाग्रत हो जाएंगे फिर से देवी देवता विश्व भ्रमण और ग्राम देवता ग्राम भ्रमण करने लगेंगे पर असभ्य आचरण असभ्य व्यावहार और सड़को रास्तों पर गंदगी के कारण रक्त मुखा होंगे और लाश ढोते ढोते कंथा दुखने लगेगा लोगों का ।

2. छाया सुतो कुंभो कू जेते बेड़े आगमो ।
शून्य रू निर्घातो उठीबो पूर्व पश्चिमो ध्यानो ॥

। मालिका ।

अर्थात् छाया पुत्र शनि कुंभ में प्रवेश करेगा तभी पूर्व और पश्चिम के देशों में ध्यान दो उधर आकाश से उल्का पड़ गिरेंगे अजीब चीजें दिखाई देगी आकाश से आवाज आएगी

Clear indication 2023 me aliens aayenge... Jab sani Kumbh me hoga... Sunya se Inka hi awaj sunai dega □

3. Sehi 17 ank re garud ek shabad hoibe, bhumi kamp bole binitanandan pruthvi re hoi pade.

Thabe thabe bhagwat ti karibe uchhan hoi be prani, bhumikamp vir kebe he nahiv kahi delu tathya puni.

Thabe thabe hari dhvani je lagiv 17 (2023) ank re vir, tena kete jai puni hi suchak disib odisa pur.

Jinkari bolin ek varn pak aasibe sunya udin, ehi suchak ru jaanibu garud sethi ki asive sainya*

Meaning:

17 ank (2023) mein ek shabd hoga, awaz aayega uske baad duniya mein bade bhukamp hone ki afwah fail jayegi. Log dar ke jagah jagah Bhagwat Path aur prachar karne lagege aur bhagwan ko pukarege ki hamein bacha lo. Lekin aisa bhukamp nahi hoga.

Lekin aur ek bada suchak 17 ank mein dekhne ko milega. Tiddiyon ka akraman fasal pe hoga aur Odisha samet kai rajyo ki fasal ko hani pahuchayenge. Yeh ek suchak hai ki jitni sankhya mein tiddiyo ka akraman hua hai usi sankhya mein videshi sainya bharat mein yuddh karne ke liye pravesh karenge.

4. दोहा :- जलबंदी पुणी होइव, बहु गाँ रहिव
कटक शहर जल रे, पुणी बुद्धिण जिव
बारम्बार पुणी पवन, अती तिब्र बहिव
कोठा वाड़ी सबु राम रे, सर्व भुसूड़ी जिव

ओड़िशा के कटक शहर पूरी तरह से जल मग्न होने जा रहा है और हवा बहुत तेज चलेगी की बिल्डिंग सब ध्वस्त हो जाएगा (वर्ष 1999 ओड़िशा में जो तूफान हुआ था उस तूफान का रफ़्तार/वेग 300 किलो मीटर प्रति घंटा था पर वर्ष 2023 में जो होने जा रहा वो उससे कई गुना ज़्यादा भयानक होगा, इतना भयानक होगा की पक्का मकान कुछ पल भर में मलवे में तब्दील हो जाएगा)

महापुरुष अच्युतानंद दास
मालिका - युगब्धि गीता

5. तेईस अंको रे उडीसा देशो से होईबो जोड़ो गोहोड़ो ।
चौबीस अंको रे गुप्त मारूड़ी सुणो विनोता रो बाड़ो ॥
अर्थात् 23 अंक में उडीसा प्रदेश में होगा जल प्रलय, 24 अंक में गुप्त मृत्यु सुनो विनोता नंदन ।

तेईस अंको रे उडीसा देशो से होईबो जोड़ो गोहोड़ो ।
चौबीस अंको रे गुप्त मारूड़ी सुणो विनोता रो बाड़ो ॥
अर्थात् 23 अंक में उडीसा प्रदेश में होगा जल प्रलय, 24 अंक में गुप्त मृत्यु सुनो विनोता नंदन ।

घटना प्रतिमा पुरुष लिंगराजन्क पुर।
घोर कलि महासमर हेब सेही ठाबर॥

लीला मयंकर लीला प्रकाशिव सत्य जे एकाम्र वन।
अनंत माधव खेल खेलुथीबे, खंडगीरी ठारे पुन।।

जे दिन सजनी उत्तर दिग रे, पड़ि थिला देवध्वजा ।
से दिनु श्रीहरि जन्म होइन, गुप्ते पाउच्छन्ति पुजा॥
ए सार मरम केहु न जानिबे, केहि न पारिबे बुझी।
चेता भक्त माने ठाब करिथिबे, लोके न परिबे खोजी॥

अर्थ- जिस दिन उत्तर दिशा में देवध्वजा दिखाई देगा उसी दिन प्रभु हरी जन्म लेंगे और भक्तों द्वारा पूजे जायेंगे
परम भक्त उनके तक पहुंच भी जायेंगे, लेकिन बाकि लोग खोज भी नहीं पायेंगे।

निकट रे गोड़ चहड़, बैज्ञानिक यंत्र अचल।
अनंत जुग टी होइब, अच्युत कामना पुरिब॥

जल्द ही युद्ध लगेगा, वैज्ञानिक यंत्र आंचल हो जाएंगे और अनंत युग का स्वामी अच्युतानंद दास जी का सपना पूरा होगा

Usse pahle scientific devices fail ho jayenge..

बलदेउ रे पानी पसिन जे जिब, नीलचक्र परे पानी डेंउ जे पड़िब। केते केते भक्त माने होइबेटी मेल, वैज्ञानिक यन्त्र सबु होइबे अचल॥

बलदेव में पानी घुस जाएगा निलचक्र के ऊपर से पानी चला जाएगा, उसी समय बहुत सारे न जाने कितने भगत एकत्रित होंगे और वैज्ञानिक यंत्र सभी अचल हो जाएंगे

चेतुआ भगत चेतारे रहिबे, सेहा हेबे भावग्रही।

अर्थ- चेतुआ भक्त जानते रहेंगे वो(प्रभु) केवल भावग्राही (भाव को लेने वाला) होगा।

बाइबिल में भी 7 बार शून्य से चिल्लाने की आवाज सुनाई देगी ऐसा लिखा है और मलिका में अनेक बार भैरवी डाक होगा लिखा है। बिरजा मंदिर में सबसे पहले होगा जिसकी वजह से उसका पश्चिम द्वार जो किबंद है वह खुल जाएगा। वहां बहुत सारी योगिनियां हैं। उसके बाद कटक पुर की मां मंगला फिर मां सरला और मां कालिका ऐसे करके 7 बार भैरवी डाक होगा।

युद्ध में इंग्लैंड को हराएंगे प्रभु कल्किराम

=====

भगवान कल्कि भक्तिशिरोमणि गरुड़ जी पर बैठेंगे और भारत का सम्मान लाने के लिए इंग्लैंड जाएंगे। कीमती धन और मान सम्मान जो सफेद तुलसी, मयूर सिंहासन, कोहिनूर हीरा (कौस्तुभ मणि) जो इंग्लैंड ने भारत से चुराई ब्रिटेन और कल्किराम के बीच बड़ा युद्ध होगा और भगवान कल्कि सभी हथियारों, हवाई जहाज, बमों, पनडुब्बियों, तोपखाने को नष्ट कर देंगे इस युद्ध में इंग्लैंड के लाखों सैनिक मरेंगे इंग्लैंड की सेना को होगा बड़ा नुकसान और मलेच लोगो का विनाश होगा, उस युद्ध में इंग्लैंड को भारी हार का सामना करना पड़ेगा और परमेश्वर कल्कि इंग्लैंड को छोटे छोटे देशों में अलग कर देंगे जिस पर भगवान कल्कि की शुद्ध आत्माओं और सनातन धर्म के अनुयायियों का शासन होगा भगवान कल्कि उन सभी कीमती चीजों को भारत में लाएंगे और दुनिया में एक देश 1 धर्म, 1 झंडा पतित पवन बना और राजा अनंत केसरी के रूप में राज करेंगे। भगवान कल्कि देव सभी भक्तों को सुख देंगे और दुनिया में 1 लाख राजा बनायगे और शांति और धर्म की स्थापना होगी और 2030 तक दुनिया में 64 करोड़ लोगो के साथ अनंत युग शुरू होगा और 1009 साल तक चलेगा फिर सतयुग शुरू होगा 1

अच्युतानंद दास जी द्वारा लिखित भविष्य मालिका की कुछ दुर्लभ पंक्तियाँ और तथ्य...

मानव शरीर में श्री भगवान के आगमन की जानकारी सभी को नहीं मिलेगी, अर्थात् कलियुग के अंत में, जो भविष्य मालिका की वाणी में पूर्ण निष्ठा और विश्वास रखते हैं तथा भविष्य मालिका का पालन करने वाले ही भगवान के भक्त होंगे।

आगे अच्युतानंद जी फिर अपनी मालिका में लिखते हैं...

“कृष्ण भाबरस नोहे वेदाभ्यास पूर्व जार भाग्य थिबा।”

अर्थात् –

भगवान को पाने के लिए या भगवान से मिलने के लिए या भगवान के साथ धर्म स्थापना के कार्य में संलग्न होने के लिए। श्रीभगवान् के नेत्रों द्वारा दर्शन प्राप्त करना, शास्त्रों के विद्वान या पीठाधीश और महंत या किसी बड़े ऋषि के लिए भी मानव रूप में भगवान के अवतरण के बाद पद्मपद की शरण में जाना संभव या आसान नहीं है।

आगे अच्युतानंद जी अपनी मालिका में लिखते हैं...

जो सभी शास्त्रों या अष्टदश पुराणों में एक महान विद्वान है, या जो खुद को एक महान विद्वान के रूप में प्रस्तुत करता है, भले ही उसने लाखों की संख्या में अपने शिष्य बनाए हों, लेकिन वह भी भगवान को प्राप्त नहीं कर पाएगा। इसकी पुष्टि महान पुरुष अच्युतानंद दास जी ने अपने द्वारा स्पष्ट शब्दों में लिखी

भविष्य मालिका में की है। जो भक्त अपने पूर्व जन्मों के संस्कार करेंगे या जो पिछले जन्मों से प्रभु की भक्ति में लंबे समय से लगे हुए हैं, वे ही श्री भगवान से मिल सकेंगे या उनके साथ हो सकेंगे।

सतयुग में ऋषिवंशी, त्रेतायुग में कपिवंशी, द्वापरयुग में यदुवंशी या गोपीवंशी, और वर्तमान कलियुग में भक्त, इन चार युगों के भक्त वास्तव में एक ही हैं। इन चार युगों के भक्तों को वर्तमान में शास्त्रों का ज्ञान है या नहीं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि केवल वे गोपियां, वानर और तापी भक्त ही भगवान की शरण में आएंगे।

“तारो ताको माया झाकी यह माया, तारो ताको काया झाकी यह माया, निश्चय वासना वसीब।”

अर्थात् –

जो पूर्व में गोपियां, कपियां और तापी थे, उन्हें ही मालिका की सुगंध मिलेगी, अर्थात् भक्ति और ईश्वर के पूर्ण समर्पण का संदेश प्राप्त होगा। वही लोग भगवान कल्किदेव की शरण में आएंगे। भारत में बड़े – बड़े साधु संत होंगे पर वो लोग भगवान कल्कि से मिल नहीं पायेंगे। वो अपने घमंड, गर्ब, अपने लाखों लाख भक्तों के अहंकार के कारण उन्हें भगवान की प्राप्ति नहीं हो पायेगी। लेकिन जो गरीब ही क्यों ना हो जिनका मन निर्मल है, जिनमें निश्चल भक्ति है जिनमें अहंकार नहीं है, जो कपट नहीं जानते हैं वही भगवान के भक्त होंगे उन्हें ही श्रीभगवान की प्राप्ति होगी। जिन लोगों तक मालिका की वाणी पहुंचेगी वो सभी भाग्यवान होंगे फिर चाहे वो किसी भी माध्यम से ही क्यों ना पहुंचे और सभी 4 युगों से 8000 शुद्ध भक्त मिलेंगे और प्रभुजी कल्किराम की सेवा में होंगे।

जय श्री सत्य अनंत माधव कल्किराम महाप्रभु जी □□

ओडिशा रे सर्व जन हेबे गरीब, दरिद्र रे गुहारि केहि न सुनिब।
चोर खंट माने निर्भय होइबे, दिवस बेला रे सेहु चोरी करिबे॥

अर्थ- ओडिशा राज्य गरीब हो जायेगा, गरीबों की कोई गुहार नहीं सुनेगा, चोर, ठग लोग निर्भय हो जायेंगे और दिन में भी चोरी को अंजाम देंगे।

मालिका के अनुसार सूर्य की रश्मि प्रखर होगी, इतनी प्रखर की जमीन पर घास के तिनके भी जल जाएंगे और गाय, पशु के खाने के लिए घास भी नहीं बचेगा, ये अंत समय का संकेत होगा, इसके बाद महाविनाश में बस कुछ ही समय शेष होगा

कल्कि पुराण और भविष्य पुराण के अनुसार इस बार कलियुग में केवल भगवान विष्णु का कल्कि अवतार होगा, इस बार बलराम जी नहीं होंगे

मधुमासो शुक्ल दशमी जे गुरूवारो I

से दिनो भक्तों कू भेटो हेबे दामोदरो II MALIKA II

अर्थात् 18 अप्रैल 2024 को दामोदर (कल्कि अवतार) से भगवान के भक्तों की मुलाकात होगी

सिंहे मंगोलो ग्रह दृष्टि,

किछी मेदीनी जिबो फाटी- अर्थात् जब सिंह राशि पर मंगल आएंगे तभी कुछ पर्वत और धरती फट पड़ेगे I ये संयोग 1 जुलाई 2023 से हो रहा है

"नीलचक्र वक्र हेब जान सुजन, सभा रे बसि करीब मिथ्या भाषण।"

मालिका में लिखा है कि नीलचक्र वक्र होने के बाद कई मिथ्यावादी अपनी शाखाएं फैला देंगे और सबके बीच में बैठकर मिथ्या भाषण करेंगे □ उनकी बातों में आना न आना नियति का खेल है।

"बलदेव राजा हेबे, सहे आठ वर्ष भोग करिबे"।

–मालिका

अर्थ- बलदेव राजा होंगे और 108 वर्ष राज करेंगे।

उत्तोरू साजीबो दक्षिणे गाजीबो, पूर्व नो रहीबे केही I

झाड़ो जंगलो रे जेतो को रहिबे कूड़ो कू बिहोनो सेही II □

अर्थात् उत्तर में तैयार होंगे दक्षिण में बरसेंगे पूर्व में कोई नहीं बचेगा, झाड़ जंगलों में जितने रहेंगे कुल के दीपक वही I

नाहीं बेसी बेड़ो आऊ लो बोऊलो, निकोटे होईबो देखा I

पंच सखा माने कोही जाईछंती पुराणो रे ओछि लेखा II □

अर्थात् अधिक समय नहीं बचा है निकट भविष्य में होगा, पंच सखाओं ने वही कहा है जो पुराणों में है लिखा I

जय जगन्नाथ पतित पावन उडीसा बोड़ो ठाकुरो I

कल्प वट वासी जय ब्रह्म राशि कलि कलुष निरस्तारो II □ □

अर्थात् जय जगन्नाथ पतित पावन उडीसा के बड़े ठाकुर, हे कल्प वट वासी जय ब्रह्म राशि कलियुग की विभीषिका से मनुष्य समाज का उद्धार करो

I □ □ □ □ □ □ □ □ □ □

जाइफुल मालिका

सेमानन्कु सेहि राज्य,
समर्पि आसिबे नंद आत्मज लो जाइफुल
तुहि हिंसा असत्य कु तेज।57।

लक्षे माढ स्वर्ण धरि,
ऋषिआ आसिब दर्शन करि लो जाइफुल
भक्त देखिबे कुंज बिहारी।58।

बलदेव राजा हेबे,
सहे आठ वर्ष भोग करिबे लो जाइफुल
सेहि सत्य रे पृथ्वी पालिबे।59।

अग्नि र दहिका शक्ति,
टाणि आणिबे से कमला पति लो जाइफुल
तहिं विदेशीए जिबे हटि।60।

जर्मानी, ऋषिआ आदि,
इटाली, जापान, तुरस्क गादि लो जाइफुल
सेहि सरबे होइबे रदि।61।

सेनापति जे मोहन,
प्रथम युद्ध रे होइब जाण लो जाइफुल
तप सिद्ध फलरे निपुण।62।

अनंत किशोर देव,
भ्रमि चक्रवर्ती निश्चे होइब लो जाइफुल
एहि कथा अटइ टि धृब।63।

प्रकृत जे सत्याग्रही,
सेमानन्कु गुलि काटिब नाही लो जाइफुल
एहि कथाकु थाअ तु ध्यायी।64।

निश्चे स्वराज्य होइब,
जबन भारत छाडिण जिब लो जाइफुल
राज्ये घोर कलि उपुजिब।65।

-----***-----

भावार्थ:- अच्युतानंद जी अपनी ग्रंथ जाइफुल मालिका में कहते हैं कि कलियुग के अंत में महाप्रभु कल्कि विदेश में युद्ध करके म्लेच्छों को संहार करके राज्य पर विजय प्राप्त कर के, उस राज्य का भार जो लोग धर्म और भक्ति में होगा उस के हाथ में सौंप कर उसे राजा बनाएंगे। इसलिए सभी हिंसा असत्य को त्याग दें। एक दिन ऋषिया एक लाख माढ (सोना नापने की एक पुरानी माध्यम) सोना ले कर महाप्रभु जगन्नाथ जी को अपने देश में ले जाने के लिए आएगा। तब सबको महाप्रभु कुंज बिहारी का लीला देखने को मिलेगा। बलदेव राजा बनेंगे, 108 साल सत्य धर्म के साथ पृथ्वी का पालन करेंगे। विश्व युद्ध के समय में जब भारत के उपर परमाणु हथियार का प्रयोग किया जाएगा तब महाप्रभु कल्कि परमाणु बंब को जलाने वाले ऊर्जा को खिंचकर ले जाएंगे। बंब नहीं फटेगा। विदेशी म्लेच्छ लोग तब डर से भाग जाएंगे। जर्मनी, ऋषिया, जापान, इटली आदि अनेक देशों का अस्तित्व मिट जाएंगे। प्रभु अनंत किशोर देव ही अंत में चक्रवर्ती बनेंगे। युद्ध में जिसके पास सच्चाई होगा, उस को गोली भी काट नहीं सकता। एक दिन स्वराज्य जरूर होगा और भारत में यवन लोगों का अंत होगा। ये सब आखिर में होने वाले एक बहुत बड़ा युद्ध में होगा।

As per some documents after research by lifestyles group..

1. Next महामारी 2025 को प्लॅन(मालिका अनुसार नोव्हेंबर 2024 से आरंभ, जो बड़ी 2025 को होगी)
2. इंटरनेट 2025 को पूर्ण बंद होगा।।
3. संपूर्ण ब्लॉकआउट 2025 को ही प्लॅन है।।

मालिका हर जगह सत्य हो रही है।।

मेरे एक मित्र की भविष्यवाणी।।
और उसके उपाय सहित हे।।

My Future Predictions

आज की Predictions date - 18th Dec 2022

2023 से विकेट गिरना शुरू हो जाएगा (समझ जाए इसका अर्थ) ये ग्लोबल लेवल पर होगा। जिन लोगो का ध्यान नहीं जाता था उनका भी ध्यान इस ओर जाने लगेगा और वे सोचेंगे "अरे हा, सच में ऐसे कैसे विकेट गिर रहे हैं, कहि ये सच में पनीर टिक्का का जादू तो नहीं, शायद जो लोग जागरूक करना चाह रहे थे वे सही थे।"

और जब समझ आने लगेगी कहानी, तब तक बहुत देर हो चुकी होगी।

2024 July के बाद से इंडिया के बाहर नहीं जाना चाहिए

एक बार फिर लोगो को पुराना barter system याद आएगा।

उपाय

1. खुद के घर पर जो जो सब्जी इत्यादि उगा सकते हैं शुरू करें, बीज संग्रह करे। तुरन्त।
2. ऐसी आयुर्वेदिक, होमेओपेथी दवाइयों को जाने और लाए जिनकी एक्सपायरी नहीं होती या 5-6 साल की होती हैं। 5 साल वाली कई मिल जाएगी आपको। उन्हें कब, किस चीज के लिए, कैसे use करना है जानकारी रखे। उदाहरण - महासुदर्शन काढ़ा - बुखार इत्यादि के लिए
3. बिना दवाई ट्रीटमेंट कैसे करें ऐसे चीजे सिख कर रखे। क्योंकि आने वाले समय में दवाएं भी मुश्किल होती चली जाएगी।
4. पैसे से ज्यादा लोगो का एक दूसरे से संपर्क काम आएगा। पूर्व तैयारी काम आएगी।
5. बिजली के पर्याय द्रव्य के रखना फायदेमंद साबित होगा।
6. इंटरनेट और सब कुछ ऑनलाइन - ये उनके बुने हुए मकड़जाल है, जानकारियो को इसमे से अलग निकाल कर रखें। एक झटके में सब कुछ गायब या लिमिट/अंकुश लगाया जा सकता है उस पर।
7. अनाज संग्रह करने की पद्धति को जाने।

मुझे यह भी पता है कि

उपरोक्त बताए गए उपाय आपको मुश्किल से लगेगे करना। इसलिए आपको एकजुट होकर ही ये कार्य करना पड़ेगा। सही लोगो से जुड़े। *कम से कम इतना समझने की कोशिश करें कि ये सब बातें या प्रेडिक्शन्स फालतू भी हो तो भी जो उपाय बताए गए है उससे कोई नुकसान तो होने वाला नहीं है आपका। फायदा ही होगा ना। तो फायदे का सोच कर ही कर लो कम से कम।*

ये पाप संसार जेबे तरी जीबा

भज हरे कृष्ण नाम।

लीला हाड़ीदास लेखी लाए पद

सुमरी प्रभु क नाम।।

मालिका विचार - : SHIVKALPA NIRGHANT

गड़ो युद्धों हेबे हिंदू मुसलमानो दिल्ली चांदनी चौको प्रमाणो I

वीरो हनुमानो देखी अमानवीय रूपो बाहारी करीबे दुष्टों संहारो II

अर्थात दंगे युद्ध होंगे हिन्दू मुसलमान मे दिल्ली का चांदनी चौक प्रमाण है I उसी समय वीर हनुमान बाहर निकल पड़ेंगे मनुष्य के अमानवीय रूप को देखकर और करेंगे दुष्टों का संहार I अब कोई समझेगा क्या हनुमान जी हनुमान रूप मे बाहर निकल कर संहार करेंगे तो नहीं ऐसा नहीं है हनुमान जी भगवान ही हैं वो अवतार लेंगे मनुष्य रूप मे कहाँ लेंगे इसके बारे मे अच्युतानंद लिखते हैं

बाईसी मौजा प्राण कृष्ण लेंका सुतो थिबो हनुमानो I

गुप्तो रूपो रे जन्मो होई थिबो लोके डाकू थिबे हनुमानो II

अर्थात बाईस मौजा उडीसा मे प्राण कृष्ण लेंका का पुत्र हनुमान जी होंगे और गुप्त रूप मे जन्म होगा लोग उसे बुलाएंगे हनुमान लोग विनोद वश बच्चों को बंदर हनुमान आदि बच्चों के द्वारा बदमाशी करने पर कहते हैं बच्चा चुप नहीं बैठता है तो कहते हैं चुपचाप बैठ न रे बंदर ऐसे ही विनोद वश उसे लोग हनुमान ही कहेंगे पर किसी को पता नहीं चलेगा ये सचमुच का हनुमान है पूरे भारत मे दंगे शुरू होने पर वो अपना प्रभाव दिखाएगा I

गाड़ी छाडिबो तत्खणो सिंधु जे छाडिबो गर्जनो I अर्थात जगन्नाथ जी को लेकर रेल इंजन जब पुरी स्टेशन से रवाना होगी तब समुद्र घोर गर्जना करेगा I

वसु सालो रेवो बीसो अंको जे प्रमाणो, सातो दिनो अंधकारो होईबो टी पुणो । अर्थात वसु 8 साल मे बारह महीने मतलब 12 रेवो अर्थात नक्षत्र 27 बीसो अर्थात 20 अर्थात गजपति दिव्य सिंह देव (चतुर्थ) के 67 अंक मे सात दिन अंधकार होगा।
 श्रीक्षेत्र लीला समापनो । अंधकारो हेबो सातो दिनो ।।
 देखीबा तोंही कल्कि रूपो । दसो अवतारो टी शेषो ।।
 अर्थात इसके बाद पुरी मे भगवान की लीला समाप्त अंधकार मय होगा सात दिन और तभी कल्कि रूप के दर्शन होंगे जो दशावतार मे शेष अवतार है ।
 ऐ लीला देखीबा पाई, भक्तो जे चांही रहिछोंती ।
 टलीबो नाही जे ऐकथा निश्च देखीबू दिने ।
 ताकी रहीछोंती भरोसा कोरी भक्तो माने ।।
 अर्थात ये लीला देखने के लिए भक्त आंखें बिछाए खड़े है टलेगा नही ये लीला निश्चित ही देखोगे क्योंकि भक्त लोग भरोसा करके बाट जोह रहे हैं ।
 आदयो मार्गशीर्ष नवमी तिथि रे खंडा बहारीबो ।
 चामुंडा मानको मेला लागी जिबो रक्तो धारो बहीबो ।।
 अर्थात इसके बाद मार्गशीर्ष नवमी तिथि में नंद खडग नामक तलवार निकलेगा और पिशाची, डाकिनी, शांकिनी, आदि चामुंडाओं का मेला लग जाएगा उत्सव होगा बहेगा रक्त धार । जय जगन्नाथ राधे राधे हरि ॐ

□ योरप की लगभग सभी आबादी नष्ट हो जाएगी। कुछ समय के बाद अमेरिका पानी में डूब जाएगा। अंत में रूस सफलता प्राप्त करेगा। विजयी रूस को आगामी अवतार वश में करेगा।...लोग कीट-पतंगों की तरह मरेंगे और विश्व की जनसंख्या 64 करोड़ ही रह जाएगी। चीन तबाह हो जाएगा। रूस हिन्दू राष्ट्र बन जाएगा। भारत का अंतिम राजा ऐसा होगा जिसकी कोई संतान नहीं होगी। वह एक योगी पुरुष होगा। भविष्य मालिका के अनुसार 2025 के बाद का समय एक विभिषिका के समान होगा। वहीं लोग बचेंगे तो सत्य और धर्म के मार्ग पर चलेंगे।

□ भारत के संदर्भ में कन्नड़ में लिखी भविष्याणी के अनुवाद में यह कहा जाता है कि 6 और 7 का जोड़ 13 होता है और इसी में 13 और मिलाने से 26 अंक आता है। इसी 26 अंक के माध्यम से अच्युतानंद दास ने भारत पर होने वाले हमले के बारे में भविष्याणी की है। इस्लामिक देश हमला करेंगे और तबाही होगी। शनि जब मीन राशि में प्रवेश करेंगे तब भारत पर संकट के बादल छाएंगे। साल 2024 में शनि कुंभ से निकलकर मीन राशि में जाने वाले हैं।

ठावे-ठावे अनर्थ जे होई बढि वीर,
 दिवस आँधार दिशु, थिच अन्धकार॥1॥
 महा घोर अनर्थ जे होई व संसार,
 तेतिकि वेल कुलक्ष रखि थिवु वीर॥2॥
 केहि जे काहारि होई न रहिवे मही,
 अरजीला धन पर नेउ थिवे वो ही॥3॥
 धरे-धरे तातटि बाट पड़िव संसार,
 दुर्वाद गाउ थिवे जे सुजन संगर॥4॥
 असुरान्त माने बड़बड़ बोलाइबे,
 खट जे खचु आमने संसारे फेरिवे॥5॥
 श्री हरि महीमा जे अटइ दिव्य रस,
 निगम बेलकु एका रहिवे मो दास॥6॥
 पश्चिम दिगरु अनुकूल हेव जे वे,
 निश्चय जणिव निकटटि हेवे तेवे॥7॥

बलराम जी गरुड़ जी को कलियुग का भविष्य बतलाते हैं कि- 'हे वीर जब कलियुग के अन्त होने का समय होगा, तब जगह-जगह लड़ाई होगी और दिन में अंधेरा दिखलाई पड़ेगा।1।
 उतने ही समय में संसार में बड़ा भारी अनर्थ होगा, उसी समय को ध्यान में रखो।2।
 उस समय संसार में कोई किसी का न होगा, लोग दूसरे का धन लूटने को हमेशा तैयार रहेंगे।3।
 हर एक घर में किवाड़ (टट्टी) लग जावेगा। हर जगह भाग्य को कोसना और खराब बातें सुनाई पड़ेंगी।4।
 असुर प्रकृति वाले व्यक्ति बड़े आदमी (अमीर) बनकर पूज्य बन जायेंगे और लुटेरे संसार में स्वच्छंद होकर फिरेंगे।5।
 श्री हरि का चरित्र अमृत है। उसके प्रभाव से अन्त समय में भक्त लोग ही बचेंगे।6।
 यह लूट-मार जब पश्चिम में शुरू होगी तब समझ लेना कि समय नजदीक आ गया है।7।

प्रलय-वीणा के तार-तार अब झंकृत कर ऐ महाकाल, ले उठा हाथ में डमरू अब बज उठे भयानक रुद्रताल।

मच जाय, विश्व में उथल-पुथल अविनि गगन जल-थल संकुल, हो फिर ताण्डव प्रलयंकर सर्वत्र प्रज्वलित हाथ अनल॥

टूटे पहाड़ हों छार-छार छलकें अम्बुधि ले महानाश, चण्डी ले खप्पर करे नाच फैला कृतान्त का मृत्युपाश।

हो त्रस्त-व्यस्त भयभीत ध्वस्त, पददलित प्रताड़ित महाक्रान्त, कर पदाघात से भूप्रकम्प ब्रह्माण्ड काण्ड होवे अशान्त।

टूटे नक्षत्र, ग्रह स्थान भ्रष्ट हो धूमकेत, से व्योम व्याप्त, ये सूर्य चन्द्र हो, चूर्ण-चूर्ण शिशुभार वृत्त भी समाप्त॥

जल उठें दिशाएं धाँय-धाँय दिग्पाल छोड़ दिशि भाग जायं। कूरम फणीश सब छलभलाँय बाराह दन्त-द्वय टूट जायं॥

डगमग हो विश्व होवे विदीर्ण पावे नव जीवन त्याग जीर्ण, मिट जाय प्रताड़न दैन्य अनद हो सत्यं, प्रेम फिर से विस्तीर्ण॥

भातृत्व स्नेह की मन्दाकिनी फिर बहे विश्व में शान्त दान्त, साम्राज्यवाद सम्पत्तिवाद, शोषक समाज का हो महान्त।

जल उठें कोठियाँ धवल-नवल बन जायं झोपड़े नवल महल, हों प्रबल-सबल अतिशय निरबल अब सुप्त हाड़ हो जायं सबल।

फिर हो सतयुग का नवप्रभात अतएव नाश है व्याल माल। इस प्रलय वीणा के तार-तार अब झंकृत कर हे महाकाल॥

बाइबिल की भविष्यवाणियों की व्याख्या करने वालों ने 'सात समय' का अर्थ सात वर्ष बताया है। पर जब भी कहा है कि भविष्यवाणी का एक दिन एक वर्ष के बराबर माना जाता है। इस हिसाब से जिस समय भविष्य वाणी की गयी थी उससे $365 \times 7 = 2555$ वर्ष इन घटनाओं के होने की संभावना है। यहूदियों का दण्ड ईसा से 58 वर्ष पहले आरम्भ हुआ था और इस हिसाब से सन् 1966 में 'सात समय' की अवधि पूरी हो जायेगी।

बाइबिल की भविष्यवाणियों में 'सात ट्रम्पेट्स' का वर्णन भी विशेष रूप से महत्व का है। उसके मतानुसार जब पृथ्वी के निवासी घोर पाप करने लगेंगे तो ईश्वर की तरफ से उनको जो दण्ड दिया जायगा उसी का वर्णन इन 'सात ट्रम्पेट्स' में किया गया है। इनका वर्णन प्राकृतिक दुर्घटनाओं के रूप में किया गया है, पर कितने ही ईसाई धर्म विद्वानों ने यह भी कहा है कि उनका मतलब राजनैतिक हलचल और नाशकारी घटनाओं से है। जो कुछ भी हो पाठक बाइबिल के मूल शब्दों को देखें-

“जब पहला फरिश्ता अपना ट्रम्पेट (बिगुल) बजायेगा तो पृथ्वी पर बरफ का तूफान आयेगा, और आग और खून की बारिश होगी। इससे पेड़ों का एक तिहाई भाग जल जायगा और तमाम हरी घास जल जायगी।”

‘जब दूसरा फरिश्ता ‘ट्रम्पेट’ बजायेगा तो एक बहुत बड़ा जलता हुआ पहाड़ समुद्र में गिरेगा और इससे समुद्र का एक तिहाई हिस्सा खून हो जायगा। समुद्र में रहने वाले जीवित प्राणियों में से एक तिहाई मर जायेंगे और एक तिहाई जहाज नष्ट हो जायेंगे।’

“जब तीसरा फरिश्ता ‘ट्रम्पेट’ बजायेगा तो एक बहुत बड़ा तारा गिरेगा, जो दीपक की तरह प्रकाशित होगा। यह नदियों और पानी के स्रोतों के एक तिहाई भाग पर पड़ेगा। इस तारे का नाम ‘वार्मबुड’ होगा। इससे जल स्रोतों का एक तिहाई भाग ‘वार्मबुड’ हो जायेगा। यह पानी जहरीला होगा, जिसके पीने से बहुसंख्यक आदमी मर जायेंगे।”

इसी प्रकार अगले ‘ट्रम्पेट्स’ के बजने पर दुनिया में रहने वालों को दूसरी तरह की तकलीफें सहनी पड़ेंगी।

चौथे ट्रम्पेट से सूर्य और चन्द्रमा का प्रकाश घट जायगा।

पाँचवें से मनुष्यों को कष्ट पहुँचाने वाले टिड्डियों के आकार के जानवर पृथ्वी के भीतर से निकलेंगे और

छठे से आग और धुआँ से मारने वाले सवार उत्पन्न होंगे।

जैसा हम ऊपर लिख चुके हैं इन भविष्यवाणियों में अलंकारिक भाषा का प्रयोग किया गया है, जैसा कि प्राचीन काल में प्रायः नियम था। उदाहरण के लिए टिड्डियों के आकार के जानवरों से हवाई जहाजों और आग तथा धुआँ से मारने वाले सवारों से तोपों और मशीनगनों का अर्थ समझ सकते हैं। इसी प्रकार समुद्र और पृथ्वी पर पहाड़ तथा तारा गिरने का अर्थ स्पष्ट ही एटम बम और हाइड्रोजन बम के फेंके जाने से माना जा सकता है जो सचमुच ही पानी तथा खाने पीने की सभी चीजों को जहरीली अथवा मारने वाला बना देते हैं।

बाइबिल में अकाल का वर्णन करते हुए लिखा है-

‘जब तीसरी मुहर खोली जायगी तो उससे एक काले रंग का घोड़ा निकलेगा और उस पर जो सवार होगा उसके हाथ में एक तराजू होगी। वह घोषणा करेगा कि एक पैमाना गेहूँ का एक सिक्का और तीन पैमाना जौ का एक सिक्का होगा।” फिर आगे चलकर लिखा है- “लोगों के चेहरे कोयले की तरह काले हो जायेंगे। वे गलियों में मारे-मारे फिरेगे। उनकी खाल हड्डियों से अलग होकर लटक पड़ेगी और शरीर सूख कर लकड़ी की तरह हो जायेगा। जो लोग तलवार से मारे जाते हैं वे उन भूख से मरने वालों की बनिस्बत सुख में रहेंगे।”

बाइबिल के ईसायाह, विभाग में लिखा है- “देखो ईश्वर ने पृथ्वी को उजाड़ बना दिया और वह सुनसान पड़ी है। इस भयंकर अकाल के बाद जो हाल किसानों का होगा वही जमींदार का होगा जो कर्जदार का होगा वही साहूकार का होगा, जो हाल भिखारी का होगा वही हाल दाता का होगा। तमाम खेत सूख जायेंगे और बर्बाद हो जायेंगे। पृथ्वी पर से चैन और आराम उठ जायगा और चारों तरफ रंज ही रंज दिखलाई पड़ेगा। अनगिनत मनुष्य इस भयंकर काल में मरेंगे और पृथ्वी पर थोड़े ही आदमी बचेंगे। बड़े-बड़े शहर उजाड़ हो जायेंगे और घरों में ताले पड़े होंगे। सड़कों पर कोई आदमी फिरता न दिखाई देगा, क्योंकि ईश्वर ने ऐसी आज्ञा दी है।”

इन भयंकर घटनाओं के जमाने में दूसरी बहुत सी आपत्तियों के साथ एक महाभयंकर भूकम्प के आने की बात भी बाइबिल में लिखी है।

जब वह छठी मुहर को खोलेगा तो एक महाभयंकर भूकम्प आयेगा। सूरज बालों से बने कम्बल की तरह दिखाई देने लगेगा। आकाश के तारे टूट कर जमीन पर गिरने लगेंगे। आकाश कागज के गोल पुलिन्दे की तरह फटकर दो हिस्सों में अलग-अलग हो जायेगा। तमाम पहाड़ व टापू अपनी जगह से हट जायेंगे। दुनिया के बादशाह, बड़े आदमी, अमीर लोग, बड़े-बड़े सरदार और अधिकारी लोग सब कोई खोहों और पहाड़ की गुफाओं में छिपने लगेंगे। वे उन पहाड़ों और चट्टानों से कहेंगे कि हमारे ऊपर गिर पड़ो और हमको उस न्यायकर्ता परमेश्वर के रोष से बचाओ।

जब चौथा फरिश्ता अपना 'वायल' सूर्य पर डालेगा तो उसकी गर्मी इतनी बढ़ जायेगी कि वह मनुष्यों को भून डाले। भयंकर गर्मी से व्याकुल होकर लोग परमेश्वर को गालियाँ देने लगेंगे कि उसने कैसे व्याधियाँ उत्पन्न की है।

भावी महायुद्ध का नीचे लिखा वर्णन भी बड़ा रोमांचकारी है। भविष्यवाणी के कर्ता को ध्यान की अवस्था में निम्नलिखित दृश्य दिखलाई पड़ा-

“मुझे दिखाई पड़ा कि एक फरिश्ता सूर्य के प्रकाश में खड़ा है और कह रहा है कि आसमान में उड़ने वाले पक्षियों इकट्ठे होकर आओ और ईश्वर के दिये हुए भोज में शामिल हो। इसमें तुमको बड़े-बड़े बादशाहों, राजाओं, कप्तानों, ताकतवर मनुष्यों, घोड़ों और उन पर बैठने वालों और सब प्रकार के बड़े और ऊँचे दर्जे के मनुष्यों का माँस खाने को मिलेगा। मैंने एक फरिश्ते को आसमान से आते देखा। उसके शैतान को बाँध कर अथाह गड़ढ़े में फेंक दिया और उसे बन्द कर दिया। इसके बाद एक हजार वर्ष तक पृथ्वी पर सतयुग (मिलेनियम) रहेगा।

इसके बाद जब पृथ्वी की शासन-व्यवस्था धार्मिक और नैतिक विचारों संत पुरुष करने लगेंगे तो लोगों की सब तकलीफें मिट जायेंगी। उस समय लोग ईश्वरीय नियमों के अनुसार रहने लगेंगे और पाप तथा स्वार्थ के भावों को छोड़ देंगे। तब फौजी और जहाजी बेड़ों का नाम भी न रहेगा और लोग तलवारों को तोड़कर हल का फार बना लेंगे। एक देश के निवासी दूसरे देश वालों से झगड़ा न करेंगे और युद्ध सदा के लिये बन्द हो जायगा। जंगल के खूँखार जानवर भी शान्त बन जायेंगे। कोई मनुष्य छोटी उम्र में न मरेगा। इस युग में हुकूमत केवल उन्हीं लोगों के हाथ में रहेंगी जिनका चरित्र शुद्ध तथा पवित्र होगा, जो नम्र, विनयशील और गरीबों को पसन्द करने वाले होंगे।

मुसलमान विद्वानों ने होनहार घटनाओं के बारे में भविष्यवाणियाँ लिखी हैं जिनकी मुसलमान जनता में प्रायः चर्चा हुआ करती है। इनसे मालूम होता है कि “चौदहवीं सदी के अन्त में एक बड़ा जालिम शासक पैदा होगा जिसका नाम 'दज्जाल' होगा। वह बहुत शक्तिशाली होगा और अपने को ईश्वर बतलायेगा। उसका आतंक सारी दुनिया पर छा जायगा। अन्त में कयामत का समय आयेगा और हजरत मेंहदी प्रकट होकर उसे मारेंगे।”

2022 में मुसलमानों की 1444 वी साल चल रही है। मुसलमानों में आमतौर पर विश्वास है कि चौदहवीं सदी के समाप्त होने के आस पास दुनिया की हालत बड़ी ही हलचल पूर्ण हो जायेगी, बहुत भयंकर लड़ाइयाँ होंगी और मुसलमान धर्म का अन्त होकर कोई नया पैगम्बर पैदा होगा जिससे दुनिया में नये युग की शुरुआत होगी।

योरोप और अमरीका में हाल के समय में जितने ज्योतिषी हुये हैं उनमें शैरो साहिब का नाम सबसे ज्यादा प्रसिद्ध है। उन्होंने सन् 1925 में भविष्यवाणी की एक बहुत बड़ी पुस्तक लिखी थी जिसमें संसार भर में होने वाले युद्धों, दैवी घटनाओं और नये-नये परिवर्तनों का जिक्र किया गया है। उनके भविष्य कथन का आधार वह सिद्धान्त है कि पृथ्वी की कक्षा या धुरी अपनी जगह से धीरे-धीरे इधर-उधर हटती रहती है। इसके सबब से सूर्य भी हमको अपने स्थान से हटता नजर आता है। यह पृथ्वी का हटना ऐसा होता है कि सूर्य एक-एक करके बारहों राशियों में हो आता है।

पृथ्वी की कक्षा के बदलने का असर दुनिया की आवहवा पर बहुत अधिक पड़ता है। ध्रुव के स्थान बदल जाने से बड़े-बड़े भूकम्प आते हैं। समुद्रों की गहराई में फर्क पड़ जाता है, जल की जगह थल और थल की जगह जल हो जाता है। इस बार भी पचास वर्ष के भीतर स्वीडन, नार्वे, डेनमार्क तथा इंग्लैण्ड, फ्राँस, जर्मनी, रूस के उत्तरी भाग ऐसे ठंडे हो जायेंगे कि वहाँ रहना कठिन हो जायगा। इसके बदले में चीन, भारत, मिश्र, पैलेस्टाइन आदि जो अभी तक गर्म समझे जाते हैं, मातदिल आवहवा वाले बन जायेंगे। इससे इन देशों की बड़ी तरक्की होगी और संसार में उनका महत्व बहुत अधिक बढ़ जायगा। अटलांटिक महासागर के बीच एक नया टापू निकल आने से अफ्रीका का सहारा (रेगिस्तान) फिर से समुद्र बन जायगा, जिससे उस देश की काया पलट जायगी और वह भावी सभ्यता का एक बड़ा केन्द्र बन जायगा।

पंद्रहवीं और सोलहवीं शताब्दी के लगभग फ्राँस में 'नोस्टरडम' नामक एक ज्योतिष शास्त्र ज्ञाता हुआ है, उसने संसार के भविष्य के विषय में एक बहुत बड़ा ग्रंथ लिखा है। यह ग्रंथ कविता में है, इसलिये अनेक लोग इसकी व्याख्या तरह-तरह के करते हैं। तो भी उसमें स्वेज को खोदा जाना, वैज्ञानिक आविष्कारों की वृद्धि, विश्वव्यापी संग्राम आदि का वर्णन यही अच्छी तरह किया है। यह अपने ग्रंथ में लिख गया है कि “तीसरा महायुद्ध वैज्ञानिकों की प्रयोगशालाओं में से फट पड़ेगा। यह युद्ध मुख्य रूप से गरुड़ और रीछ के मध्य में होगा। इस युद्ध में कोई जीत नहीं सकेगा, वरन् दोनों की शक्ति का नाश कर देंगे। इस युद्ध के बाद दोनों में से एक को भी महान शक्तियों में नहीं गिना जायगा।” (अमरीका का राष्ट्रीय चिन्ह 'ईगल' अथवा गरुड़ है और रूस को राजनीतिक क्षेत्र में 'रशियन बीयर' (रूसी भालू) कहा जाता है।)

आने वाले वर्षों में सम्पूर्ण विश्व में केवल 8%-10% ही प्रभु के भक्त बचेंगे और वही सतयुग में प्रवेश करेंगे। भारत में 140 करोड़ में से कुल 33 करोड़ और विदेशों में के कुल 31 करोड़ लोग बचेंगे, यानी पुरे विश्व की आबादी में से सिर्फ 64 करोड़ लोग बचेंगे।

प्रभु श्री जगन्नाथ, बैकुंठ छोड़कर भगवान कल्कि के रूप में जन्म ले लिया है। उनका जन्म शम्भल, ओड़िशा की पावन धरती पर भगवान विष्णु के भक्त ब्राम्हण परिवार में हुआ है।

भगवान कल्किदेव की आयु अभी 14 वर्ष की है, वे 17 वर्ष की आयु यानि 2024 में 2999 भक्तों को लेकर धर्म संस्थापना की शुरुआत करेंगे।

भविष्य मालिका में कुल 10 अशुभ संकेत दिए गए थे जो कोरोना महामारी समेत ओडिशा के श्री जगन्नाथ मंदिर से सम्बंधित थे। दिए गए संकेतों में अब तक सभी संकेत मिल चुके हैं।

वैदिक ज्योतिष के मुताबिक, शनिदेव 29 अप्रैल 2022 को कुम्भ राशि में प्रवेश करेंगे फिर वो 12 जुलाई 2022 को मकर राशि में दुबारा से प्रवेश कर जायेंगे यानी दुनियां में इन ढाई महीने में तीसरे विश्वयुद्ध की नींव पड़ जाएगी। शनि इसके बाद 17 जनवरी 2023 को एक बार फिर कुम्भ राशि में चले जायेंगे और 29 मार्च 2025 तक वहां बने रहेंगे, यानि अप्रैल 2022 से लेकर मार्च 2025 तक धरती पर महाविनाश का पहला चरण तीसरे विश्व युद्ध के रूप में शुरू हो जायेगा।

इसके बाद शनि 29 मार्च 2025 से 23 फरवरी 2028 तक मीन राशि में रहेंगे। इस काल खंड में महाविनाश अपने चरम पर रहेगा।

अभी भी मनुष्यों के पास समय है कि वे मांसाहार, शराब, तम्बाकू छोड़ दें और शुद्ध शाकाहारी बने इसके साथ झूठ बोलना, बुराई करना, बेईमानी करना, किसी को सताना, जीव-जंतुओं कि हत्या छोड़ें और सनातन धर्म के मूल तत्व यानी सत्य, अहिंसा, प्रेम, दया, क्षमा, दान, जप, तप, यम, नियम आदि का पालन करते हुए जय श्री माधव... कल्किराम प्रभु जी का जाप करें।

आइये हम अनंत कोटि विश्व ब्रह्मांड के स्वामी परमब्रह्म नारायण महाविष्णु भगवान् कल्कीराम श्री श्री सत्य अनंत माधव महाप्रभु जी को प्रणाम करें!

□ लीला प्रकाशिब, लीलामयन्कर सत्य जे एकाम्र बन, लीला करूथिबे अनंत माधव सर्वे आनंद होइण।

प्रभुजी अनंत माधव नाम को धारण करके एकाम्र बन भुवनेश्वर में रहकर धर्म संस्थापना के कार्य को आगे बढ़ाएंगे।

□ शेष कली लीला भाव बुझाई कहिबि तो आगे सर्व राम चन्द्ररे कल्कि रूप होइबे माधव राम चन्द्र रे।

महापुरुष अच्युतानंद जी अपने शिष्य रामदास से कह रहे हैं कि कलियुग के अंत में प्रभु कल्कि जब नर शरीर धारण करके धरावतरण करेंगे तब उनका नाम माधव रहेगा। जो पूरे अखिल ब्रह्मांड के स्वामी हैं जिनका हर भेद ब्रह्मा भी पाने में असमर्थ है उनके बारे में जानना इतना आसान नहीं है। सिर्फ जिन्हें उनकी कृपा प्राप्त होगी वही उनका पता लगा पाएंगे।

□ टाण पण करि रहिथिबे जेउण जन, टलमल सेहु होइबे कलंकी निकटेण।

जो लोग गर्व, अहंकार या कोई व्यक्तिगत रंजिश के कारण प्रभुजी के अस्तित्व पर सवाल उठा रहे हैं और भक्तों की निंदा कर रहे हैं। उन्हें प्रभुजी के सामने आगे इसके लिए उत्तरदाई रहना पड़ेगा। प्रभुजी के सामने उपस्थित किये जाएंगे। उन लोगों का कोई भी जोर नहीं रहेगा। उनका विचार प्रभुजी करेंगे।

□ चोर प्राय आम्हे अबनि भ्रमिबु चेता कराईबा पाई, चाहीं जक-जक निंदुथिबे लोक एहि परा प्रभु सेहि।

मैं संसार में आकर चोर के तरह ही सारे पृथ्वी पर भ्रमण करूंगा जैसे मैंने द्वापर में किया था। लेकिन कलियुग के पापी मनुष्य मुझे देखकर भी शक करेंगे और पहचान नहीं पाएंगे, निंदा भी करेंगे, और कहेंगे क्या यह वही प्रभु है ?

#kalki #sudharma

□ मर मर कही सर बीमरिबे अच्युतारह किस गला।
चेतुआ पुरुषा चेतारे विहारे विहंता पुरुषा मला ।।

कलयुग के अंतिम समय में मनुष्य समाज में मनुष्यों का दम्भ, गर्व व अहंकार चरम शिखर पर रहेगा। ऐसी मानसिकता के रहते वो धर्म, पवित्रता, सतर्कता एवं मालिका को नजर अंदाज करेंगे। मालिका के गूढ़ रहस्यों को समझ पायेंगे, ऐसे पवित्र भक्तों की संख्या सीमित ही होगी। जो भविष्य मालिका की चेतावनी को समझकर चेत जायेंगे और भविष्य मालिका में बताई गई चेतावनी का अनुशरण करेंगे तथा जो अनन्त युग के लिए कार्य करेंगे वही आगामी आने वाले युग के बीज बनेंगे, अर्थात् अगले युग में जाने के हकदार होंगे।

□ घोर कलीकाल थोयो ना रहिबो ज्ञानी हेबे जान बाट बडां,
मंगो मंगुवालो बोलो ना मनिबे ज्ञान कही अकलणा।

ज्ञानी लोग ही ज्यादा भ्रमित होंगे, वो ज्ञान को ही सर्वोच्च समझेंगे व ज्ञान को ही श्रीभगवान की प्राप्ति का मुख्य मार्ग समझेंगे, परंतु वो ये नहीं समझ पाएंगे की प्रभु की प्राप्ति का केवल एक ही सरल मार्ग है श्रद्धा, भक्ति व अटूट विश्वास।

□ अर्थरु अर्थे मरिबे भारतवर्षे सब राज्य शून्य हेब जुद्ध गल परे।

तृतीय विश्व युद्ध के पश्चात भारत की वर्तमान कुल जनसंख्या चौथाई जनसंख्या ही बचेगी, अर्थात भारत की कुल 140 करोड़ लोगों की जनसंख्या में से घट कर केवल 33 करोड़ लोगों की जनसंख्या ही बच पायेगी।

□ गांव के रहिबे तीनी चारी जण पवन आहार करी। अर्न मिलिब अर्न नमिलिब जल मुखेलुथु हरि।।

प्रत्येक गांव में केवल तीन से चार व्यक्ति ही जीवित बचेंगे बाकी सबकी मृत्यु हो जायेगी। जो तीन-चार लोग एक गांव में बचेंगे उन्हें भी खाने को भोजन नसीब नहीं होगा। वो भगवान कल्कि के नाम को आधार बनाकर अर्थात वे अपने मुह से केवल हरि का नाम लेंगे।

64 करोड़ भक्तों में से एक लाख भक्तों को चुन कर प्रभु कल्कि राजा बनाएंगे। तत्पश्चात उड़ीसा राज्य के बिरजा क्षेत्र पर भगवान कल्कि के द्वारा राजसूय यज्ञ का विशाल अनुष्ठान किया जायेगा। इस प्रकार भगवान कल्कि के द्वारा धरती पर एक बार फिर राज तंत्र की स्थापना होगी और प्रभु स्वयं चक्रवर्ती सम्राट के रूप में राजा बनकर सम्पूर्ण विश्व पर शासन करेंगे एवं 1009 वर्षों तक पृथ्वी पर अपने प्रिय भक्तों के साथ शासन करके अपनी लीला को समेट कर पुनः स्वधाम (बैकुंठ) गमन करेंगे।

□ संसार मध्यरे केमन्त जानिबी नरअंगे देहबही। गता गत जे जुगरे मिलन समस्तंक जणको नाही।।
अनुभवे ज्ञान प्रकाश होइबो अनुभव करमह। भविष्य विचार तेणकी कहिबी ज्ञाने नहीं तरपर।।

केवल भक्ति के द्वारा ही भक्तों को अनुभव होगा। सभी भक्त जान पायेंगे कि माधव महाप्रभु ही भगवान मधुसूदन हैं। सभी लोगों को भगवान की प्राप्ति नहीं होगी। जो हर युग में भगवान के धरावतरण से पहले धरती पर जन्म लेते हैं, वही भक्तजन निःस्वार्थ भाव से श्री भगवान की शरण में आयेंगे।

□ कोटि के गोटिये जाहन्ति सेरस तिरिसे सहस्त्र गणासही। महिमा प्रकाश निश्चय रामदास आनेमो कोहन्ति नाही।।

एक करोड़ लोगों में केवल एक भक्त ऐसा होगा जिसे श्री भगवान की अनुभूति होगी और उनके हृदय में इस बात का विश्वास होगा कि हमारे तारणहार भगवान श्री हरि ने धरावतरण कर लिया है हमें प्रभु की शरण में हर हाल में जाना है ऐसी दृढ़ता होगी।

□ बलदेब हेबे राजा कान्हु परिचार, बसिब सुधर्मा सभा जाजनग्र ठार, वीणा बाहीन नारद मिलिबे छामुरे, वेद पढुथुबे ब्रह्मा अच्युत आगुरे।

जब सुधर्मा सभा बैठेगा तब उस सभा में स्वयं महामुनि नारद वीणा गायन करेंगे व भगवान ब्रह्मा जी भी वहां वेद गायन करेंगे एवं सभी देवी देवताओं के साथ वहां देवराज इंद्र भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। उस अद्भुत सभा में जगतपति भगवान ! बलरामके रूप में राजा व सभा व विश्व के परिचालक के रूप में स्वयं को प्रस्तुत करेंगे। बहुत बड़ा ही अद्भुत दृश्य होगा।

□ उत्तररू सन्यासी जे माडीन आसिबे, जाजनग्र घेरिजिबे सर्वे देखुथिबे।

सम्पूर्ण विश्व और हिमालय के सभी तपस्यारत साधु संत भगवान की खोज करते (ढूढ़ते) हुए जाजनग्र आएंगे और चारों ओर से घिर जाएंगे। आने वाले समय में प्रभु की यह विचित्र लीला भी सभी भक्त अपनी खुली आँखों से देख पाएंगे।

□ आउ केते ग्रंथ अछई गुप्त ग्रंथ छि प्रभु पास, पद्मकल्पटिका समस्त भक्त महिमा केति प्रकासो, खेला उदय हेब भक्तंक लीला भारी होइब लीला उदय हेब।

तैंतीस कोटि देवता दिगपाल ब्रह्मा शंकरभा वीणा अखय अवय ग्रंथ रखिछन्ति बिरजा खेत्रे गोपन।

भगवान श्रीकृष्ण ने अपने और माँ लक्ष्मी के अंग के आभूषणों को इस दिव्य अक्षय ग्रंथ पद्मकल्पटिका के साथ गुप्त रूप से रखा था। जब निकट भविष्य में जाजपुर के पवित्र भूमि पर सुधर्मा सभा बैठेगा तब भक्तों के नाम, वर्ण, पहचान, गांव, जन्म स्थान, कौन किस युग में क्या थे, माता पिता का नाम प्रकाश किया जाएगा। पांच नदियों के संगम स्थल बैतरणी नदी के तट पर सुधर्मा सभा बैठेगा। उस सभा में कैलाशपति महादेव स्वयं माँ पार्वती को लेकर उपस्थित होंगे। उस सभा में ब्रह्मा जी भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

□ लख्मी नरसिंह मिलन खंडगिरि ठारे होइबो पूर्ण रामचंद्ररे, जहूँ आसिबे चतुरानन रामचंद्ररे महादेब जेआसिबे तांडव नृत्यरे मग्न होइबो रामचंद्ररे, अस्त दुर्गा संग तरेथिबे रामचंद्ररे एखेल गुप्त हेब भक्तबिना अन्य केनाजनिब रामचंद्ररे, अउ एखेल गुप्ते हेब रामचंद्ररे।

भगवान कल्कि का विवाह उत्सव माँ महालक्ष्मी के साथ उड़ीसा के खंडगिरि पहाड़ के नीचे अपने आश्रम पर ब्रह्माजी के द्वारा सम्पन्न होगा। उस विवाह में स्वयं महादेव अपने साथ माँ पार्वती को लेकर आश्रम पर पधारेंगे। महादेव विवाह के इस मंगलमय घड़ी में अति आनंदित व मग्न होकर तांडव नृत्य प्रस्तुत करेंगे। महादेव के साथ अस्तदुर्गा और माँ योगमाया भी सुभ विवाह में उपस्थित होंगी। प्रभु के कुछ अच्छे भक्त भी उस विवाह में उपस्थित होंगे अच्छे भक्त का तात्पर्य वो गरीब हो सकते हैं पर पवित्र होंगे उनकी भक्ति दृढ़ एवं निश्चल होगी। ब्रह्ममूर्हत में यह दिव्य विवाह गुप्त रूप से संपन्न होगा।

विवाह के पश्चात ही उड़ीसा के जाजपुर की पवित्र भूमि पर सुधर्मा सभा बैठेगा। जिसका नेतृत्व स्वयं भगवान कल्कि करेंगे। यह पृथ्वी के इतिहास में एक दुर्लभ घटना होगी जब स्वयं भगवान कल्कि एक राजा के रूप में शासन की सुरुआत करेंगे व सम्पूर्ण विश्व में उन्ही का शासन होगा। भगवान कल्कि अपने जन्मस्थान जाजपुर से ही सम्पूर्ण विश्व का नेतृत्व करेंगे एवं सम्पूर्ण विश्व में एक पताका की छांव में सुख व शांति की सुरुआत होगी।

□ लख्मी नारायण श्रीअंग भूषण ग्रहण ग्रंथ सहिते, बिरजा खेत्रे स्थापन गुप्त तुम्हे देखिबे सख्याते।

माँ महालक्ष्मी व भगवान श्रीहरि के वही दिव्य वस्त्र और आभूषण जिसे द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने सुरक्षित रखवाया था। जिसे प्रत्येक युग जैसे सत्य, द्वापर, त्रेता और कलियुग में माता व श्री भगवान के द्वारा विशेष समय में धारण किया जाता है। उन्हीं वस्त्र व आभूषणों को जब जाजनग्र में स्थित माता बिरजा के पवित्र भूमि पर 'सुधर्मा सभा बैठेगा' तब उस सभा में भगवान के द्वारा धारण किया जाएगा। जो भक्तगण उस सभा में मौजूद होंगे उन सभी को उस दिव्य वस्त्राभूषण में सुसज्जित माता और भगवान के अलौकिक दर्शन प्राप्त होंगे।

□ खयजिबे कष्टिबा जार घट वृद्ध अंगु जुबाहेबे कहे भीमबोहि तामर अज्ञानी एकाखर माने भज।

जाजपुर में "सुधर्मा सभा" भगवान कल्कि के नेतृत्व में बैठेगी। जो पवित्र भक्त होंगे, उन्हें सुधर्मा सभा में भगवान मधुसूदन के साथ बैठने का अवसर मिलेगा। उस समय भगवान जगतपति, भक्तवत्सल, दीनबंधु! कल्कि के आह्वान पर कुछ समय के लिए छीरसागर बैकुंठ से उतरेंगे। उस छीरसागर में महादेवी के नेतृत्व में उन सभी भक्तों को छीरसागर में स्नान करने के लिए भेजा जाएगा। वे सभी भक्त जो उस पवित्र जल में स्नान करते हैं, जो वृद्धावस्था से घिरे हुए हैं या जिन्हें किसी प्रकार की बीमारी है या जिन्हें कोई शारीरिक अक्षमता है, वे सभी पवित्र भक्त उस छीरसागर के दिव्य जल में डुबकी लगाने से युवावस्था प्राप्त करेंगे। वे सभी भक्त अर्थात् वे सभी देवता जो मानव शरीर में हैं, उनमें से इस कलियुग के प्रभाव से क्षीण शरीर से मुक्ति मिलेगी और सभी को दिव्य शरीर की प्राप्ति होगी।

□ तुलसी पतर गोटी-गोटी भासुथिब खीरनदी नामे एक नदी बहिब।

भक्त उस छीरसागर के जल में तैरते हुए माता तुलसी के पत्रों को भी देख सकेंगे, जिनका आह्वान भगवान करेंगे। भक्त उसी जल में स्नान कर दिव्य शरीर (किशोरावस्था) को प्राप्त करेंगे।

□ भक्त कलानिधि जेबे कला देबे बांटी कलीरे कलमुस सेठु जिबे परा टूटी।

महाविष्णु उसी सभा में अपनी वैष्णव कला (वैष्णव शक्ति अंश) प्रदान करेंगे, उस कला की प्राप्ति के पश्चात भक्तजन कलियुग में बिताए सारे कष्ट और सारी यादों को भूल जायेंगे। फिर सत्ययुग की शुरुआत होगी रामराज्य होगा सभी भगवान कल्कि के शासन में परमानंद में समय व्यतीत करेंगे, हर तरफ खुशियाँ होंगी ऐश्वर्य होगा, कहीं दूर-दूर तक दुःख व दरिद्रता नहीं होगी, बहुत जल्द ऐसे अद्भुत समय की शुरुआत होगी, जो पवित्र भक्त होंगे वो सभी इस दिव्य परिवर्तन को स्वयं देख पाएंगे।

□ कहु अछिहेतु करी सुण सुज जने, कलीरे कलंकी रूप हेबे भगवान, कपटरे करूछन्ति लीला एसँसारे कपटरे।

भगवान कल्कि तो अवतार अवस्य लेंगे पर अवतरण के बाद प्रभु के द्वारा गुप्त में लीला होगी। इस कारण सभी भक्तों को प्रभु के दर्शन प्राप्त नहीं होंगे। सम्पूर्ण ब्रह्मांड की सभी आत्माओं के लिए प्रभो के साकार रूप के दर्शन संभव नहीं होंगे।

□ गुप्त अंगे खेलुच्छन्ति गुरुअंग धरि, गुरुअंग धरि सेत संसाहर को आसी, गुप्तरास जे गोपी संगे खेली ना प्रकाश गुप्तरासोजे।

जिनकी भक्ती दृढ़ होगी, जिन्हें पूर्ण विश्वास होगा, उन्हीं भक्तों के लिए प्रभु के दर्शन आसान होंगे। जिनके मन में द्वंद होगा, जिनके मन में प्रश्न होंगे, जिनके विश्वास में कमी होगी, जो प्रभु की परीक्षा लेने की सोचेंगे, जिन्हें किसी चमत्कार का इंतजार होगा, उनके लिए प्रभु के दर्शन संभव नहीं हो पाएंगे। गुप्त अंगे खेलुच्छन्ति गुरुअंग धरि, गुरुअंग धरि सेत संसाहर को आसी, गुप्तरास जे गोपी संगे खेली ना प्रकाश गुप्तरासोजे।

□ खिराधिनाथ कलंकी रूपहेले जेलू, खितिरे कलंकी लीला प्रकासुछि तेणू भ्रमे सुनेहे।

भगवान कल्कि 64 कलाओं के साथ मानव शरीर में धरावतरण करेंगे। प्रभु बैकुंठ व छीरसागर को छोड़ कर तथा भगवान अनन्त (शेषजी) को अपने शरीर में धारण करके भूमि पर धरावतरण करेंगे। अर्थात् समस्त भक्तजन इस युग में कल्कि के रूप में जगतपति भगवान! महाविष्णु का ही दर्शन प्राप्त करेंगे।

□ थोके मूढोजने भक्त जनमे बैष्णव धर्म करिबे महिमा बुझिबे मंत्रजे सिखिबे सर्व विषय जाणीबे।

मेरे वही भक्तगण कलियुग के अंत समय में जब मैं कल्कि अवतार धारण करूंगा तब उनका भी जन्म होगा। वो सभी भक्त लोग उस समय मेरी महिमा का प्रचार कर रहे होंगे। मेरे सभी भक्त स्नान और पवित्रता के साथ नाम का भजन भी करेंगे और सभी नियम का पालन भी करेंगे। लेकिन इसके साथ ही साथ वो लोग पाप भी करेंगे और गलत कार्य भी करेंगे। इस कारण उनके संहार का कार्य मैं आपको सौंपूंगा।

□ थूके मद भक्ष्य करिण से मुख्य नागान्तो पथरे थिबे छटको नाटको करिण उच्चाटो अकर्म करी करिबे सुद्ध सोणित माँसोटे ताहांकर कारणों लोभिबे नाही तुम्हे माहामाई आसा रखीथिब तेतिकी बेलू कुचाहिं।

जो बैष्णव भक्त धर्म में रहकर नीति धारा का अवलंबन करेंगे। इसके साथ ही माँस का भक्षण भी करेंगे वो सभी भक्त कलियुग के अंत में तुम्हारे लिए शुद्ध और पवित्र माँस होंगे। वो सत्ययुग को भी नहीं जाएंगे। उन्हीं लोगों का तुम संहार करोगी और इस तरह द्वापर युग की तुम्हारी इच्छा पूर्ण होगी।

□ मंत्र-जंत्र बुझी नवधा भक्ती है जिसे करुण थिबे माछ माँसो सुखुआ पखाल खाई द्वादस चिता काटिबे।

मालिका की यह सभी पंक्तियां वैष्णव धर्म के सभी भक्तों के लिए नहीं है। बल्कि केवल उन भक्तों के लिए है जो वैष्णव धर्म में रहते हुए मंत्र-यंत्र, पूजा विधि व नवधा भक्तों में भी रहेंगे तथा चंदन तिलक लगाएंगे और साथ ही साथ मछली व माँस और अंडे का सेवन करेंगे। हर तरह के अभक्ष्य खाएंगे और भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति भी करेंगे।

□ उड़ीसा राज्यरे खंडगिरि ठारे अनेक युद्ध होइबो। चक्रधरी प्रभु अनंतकिशोर म्लेच्छ संहार करिबे।।

उड़ीसा राज्य में भुवनेश्वर के खंडगिरि में महासमर (महाभारत युद्ध का बचा हुआ एक बेला का युद्ध) होगा। यवन (मुस्लिम देश) की चौदह लाख सेना युद्ध की मंशा से वहाँ तक आयेगी। उसी दौरान प्रभु कलियुग में सर्वप्रथम सुदर्शन धारण करेंगे और केवल एक ही प्रहार से 14 लाख यवनों का संहार करेंगे।

□ निराकार कर्म धर्म करिष्ट, इस्लाम, बौद्ध, जैन सरबे पड़िबे भाजी दम्भ गर्ब तांको जिबटी हजिलो जाइफलरो सुन्यबादी सुन्य हेबेगांजी।

कलियुग अंत के समय एक ऐसा समय आएगा जब विश्व के सभी धर्मों के पवित्र लोग जो सत्यमार्गी और धर्मी होंगे वो सभी लोग अपने धर्मों को त्याग कर सत्य सनातन धर्म को अपनाएंगे। उस समय तक उन सभी का गर्ब व अहंकार सब चूर हो जाएगा। इन्हीं अन्य धर्मों के जो पापी लोग होंगे उन सभी का धर्मसंस्थापना के तहत हो रहे विनाश में पंचभूत प्रलय के कारण अंत हो जाएगा। दूसरे धर्मों के वो लोग जो पवित्र हैं वो सभी सत्ययुग में जाएंगे।

□ केवल ए सनातन धर्मकु स्थापिबे सेनारायण अउ अन्य धर्म हेबो चूर्णों।

जगतपति नारायण विश्व में केवल सत्य सनातन धर्म की स्थापना करेंगे। बाकी सभी धर्मों का पूर्णरूप से अंत हो जाएगा।

□ स्वेत, पित, लोहित, हरित तन्मध्ये निल बर्ध तन्मध्ये एकाक्षर।

सत्य सनातन धर्म के पताका में पाँच रंग होंगे (स्वेत, पित, लोहित, निल, हरित) और इन सब के बिच में एकाक्षर ॐ

□ गरुड़ पृष्ठ रे बसी बिलात को जिबे से ब्रह्मराशी लो जाइफूल सेही आणिबे स्वेततुलसी।

मयूर जे सिंघासन, कौस्तुभ मणि करि धारण ले जाईफुल, प्रभु आसिबे से नारायण।

अर्थ – भगवान कल्कि भक्तिशिरोमणि गरुड़ जी पर बैठेंगे और भारत का सम्मान लाने के लिए इंग्लैंड जाएंगे। कीमती धन और मान सम्मान जो सफेद तुलसी, मयूर सिंहासन, कोहिनूर हीरा (कौस्तुभ मणि) जो इंग्लैंड ने भारत से चुराई ब्रिटेन और कल्किराम के बीच बड़ा युद्ध होगा और भगवान कल्कि सभी हथियारों, हवाई जहाज, बमों, पनडुब्बियों, तोपखाने को नष्ट कर देंगे इस युद्ध में इंग्लैंड के लाखों सैनिक मरेंगे इंग्लैंड की सेना को होगा बड़ा नुकसान और मलेच लोगो का विनाश होगा, उस युद्ध में इंग्लैंड को भारी हार का सामना करना पड़ेगा और परमेश्वर कल्कि इंग्लैंड को छोटे छोटे देशों में अलग कर देंगे जिस पर भगवान कल्कि की शुद्ध आत्माओं और सनातन धर्म के अनुयायियों का शासन होगा भगवान कल्कि उन सभी कीमती चीजों को भारत में लाएंगे और दुनिया में एक देश 1 धर्म, 1 झंडा पतित पवन बलना और राजा अनंत केसरी के रूप में राज करेंगे। भगवान कल्कि देव सभी भक्तों को सुख देंगे और दुनिया में 1 लाख राजा बनायेंगे और शांति और धर्म की स्थापना होगी और 2030 तक दुनिया में 64 करोड़ लोगो के साथ अनंत युग शुरू होगा और 1009 साल तक चलेगा फिर सत्ययुग शुरू होगा 1

#garud #england #kalki

□ पूर्व पश्चिम रंग बर्न हेब गिरी मालाचम कीव लोहा, कहना मानो भारोते भूलिब रूसिया शासन हेबो।

विश्व के पूर्व और पश्चिम के सभी देशों में घोर संग्राम होगा। विश्व में हर तरफ दीपावली की आतिशबाजी के समान रौशनी दिखेगी। युद्ध के कारण पूर्व और पश्चिम के आकाश का रंग लालिमा (लाल रंग) में बदल जायेगा। उसी दौरान भारत में भी पाकिस्तान और चीन के साथ भीषण युद्ध होगा। एक समय ऐसा भी आएगा जब कुछ समय के लिए भारत पर रशिया का शासन हो जाएगा।

□ सियालदहरे पाती रेल पिन्धीन लोहार सरंखल रहिची सही बंदी घरे मुक्ति लागिबे जग्य स्थले।

भारत के साथ तेरह मुस्लिम देशों के युद्ध के शुरुआति दौर में पश्चिम बंगाल राज्य के सियालदह में जब महायज्ञ का आयोजन होगा। उस समय महायज्ञ में प्रभु कल्कि के सोलह मंडलों के सभी आठ हजार भक्त सम्मिलित होंगे व यज्ञ को पूर्ण करेंगे। उसी दौरान एक अद्भुत घटना घटेगी अर्थात् सियालदह में अंग्रेजों के शासन के समय निर्मित एक पीतल के रेल इंजन को वहाँ एक संग्रहालय में लोहे के संखल (लोहे की जंजीर) से बाँध कर सुरक्षित रखा गया है। वो इंजन उस संखल को तोड़ कर बिना किसी ड्राइवर के जगन्नाथ जी को लाने जगन्नाथ पूरी के लिए प्रभु कल्कि की इच्छा से स्वयं चल पड़ेगी।

□ भक्तंकर कुरिबे कातर स्मरिबे कल्कि मनन्तर तेनुकर सेही समय समस्त भक्त।

उस समय सियालदह के यज्ञस्थल पर समस्त सोलह मंडल के आठ हजार भक्तजन भगवान कल्कि के नाम का भजन कीर्तन कर रहे होंगे, पूर्ण भक्ति भाव से स्वयं को भगवान को समर्पण कर रहे होंगे।

□ बहिव तहि रक्त धारा। खेत्रे कंपिबे चक्रधर। संधार करता सदाशिव श्रीखेत्रे मिलिथिब आगो, सेस्थाने तुम्हे गुप्तेथिब मोहि तेहि हेबि अविर्भाब, एहि समय पाती रेल श्रीखेत्रे मिलिबे चंचल।

सियालदह के महायज्ञ के पश्चात विदेशी सेनाओं के द्वारा श्रीखेत्र (जगन्नाथ मंदिर) पर प्रहार किया जाएगा। श्रीखेत्र पर भयंकर रक्तपात होगा। अनगिनत लोगों की मृत्यु होगी। जगन्नाथजी का श्रीखेत्र युद्ध के आहट से कांप उठेगा। उसी समय भगवान शिव और माँ भवानी को जगन्नाथ पुरी मंदिर पर शत्रुओं के द्वारा आक्रमण का ज्ञात होगा व ध्यान में बैठे उमापति महादेव के मन में यह बात आएगी की श्रीजगन्नाथ खेत्र में विपत्ति आई है। इस वजह से भगवान भोलेनाथ कैलाश छोड़कर जगन्नाथ पुरी पहुंचेंगे।

□ मंदिर पसिबे झसाई पंडानकु हाणी देबे सेई।

जब असंख्य मुस्लिम सेना जगन्नाथ मंदिर में प्रवेश की चेस्टा कर रहे होंगे। तब जगन्नाथ जी के सेवायतों के साथ उनका युद्ध होगा बहुत से लोग मारे जाएंगे। सात दिनों तक मुस्लिम देश की सेना वहाँ रहेगी और सात दिनों के बाद भारतीय सेना मंदिर को यवनों के कब्जे से छुड़ा लेगी।

□ देउले नीति बंद हेबो बिमला आखि तराटीब।

जब पीतल का इंजन जगन्नाथ पुरी पहुंच जाएगा तब भगवान जगन्नाथ की नीति पूजा अर्चना बंद हो जाएगी। तब पुरी में जो माँ बिमला (दुर्गा) देवी है जो जगन्नाथ मंदिर के भीतर अधिस्थात्री देवी है। उनकी पूजा भी जगन्नाथजी के साथ एक समान रूप से होती है वो माँ बिमला सारी घटनाओं को स्वयं चुपचाप देख रही होगी और उन्हें यह समझ आ जायेगा की यह सब प्रभु के धर्म संस्थापना के तहत हो रहा है। यह समय जगतपति के धर्म संस्थापना का है व प्रभु श्रीखेत्र को छोड़ कर छतिया वट जाने वाले हैं।

□ गरुड़ आदि बिराजेते चाहिँना थिबे आज्ञामात्रे, दखिण द्वारे हनुवीर मोडुमथिब भुजतार, बोधिबे तार चक्रधर मर्त्यबैकुंठ हुए सार।

उसी दौरान भक्त गरुड़ व सभी वीर गण बैठकर प्रभु की आज्ञा की प्रतीक्षा करेंगे और सोच रहे होंगे कि प्रभु की आज्ञा पाते ही वो कैसे एक पल में समस्त यवन सेना का किस प्रकार से विनाश करेंगे। उनमें सामर्थ्य तो होगा पर बिना प्रभु की आज्ञा के वो यह नहीं कर पा रहे होंगे और तभी हनुमानजी (बेड़ी हनुमान) जो मंदिर के दक्षिण द्वार पर विद्यमान है। दक्षिण द्वार से प्रकट होकर कराल रूप धारणकर भीषण गर्जना करेंगे।

□ मला-मला डाक सात थर हेब, थोके जिबे रेणु होई ज्ञानीजन माने, घबरा होईबे अज्ञानी थिबे ताकाहिँ लीला उदय हेबो, भक्तंक लीला भारी होई लीला उदय हेबो।

मरा-मरा शब्द सुन-सुनकर लोग थक जाएंगे। ज्ञानी लोग भी घबराएंगे। सम्पूर्ण विश्व में प्रतिवर्ष एक बार अर्थात् सात वर्षों में कुल सात बार मरा-मरा शब्द गूँजेगा। बहुत से लोगों की मृत्यु होगी। जो झूठे साधु संत हैं जो धर्म का व्यवसाय करते हैं वो लोग भयभीत हो जाएंगे। उन्हें समझ नहीं आएगा यह क्या हो रहा है। केवल सच्चे भक्तों को इसका ज्ञात होगा कि विश्व में जो भी हो रहा है वो केवल प्रभु की लीला है। ये सब कुछ धर्मसंस्थापना का हिस्सा है।

□ तर्कितिबु तेरकु
चाऊदह-पन्द्र लागिब हुन्दर
सता कुजीबु सतर।

जब भगवान कल्कि के तेरह वर्ष होंगे उस दौरान समस्त विश्व चमक उठेगा। सब के मन में एक ही प्रश्न आएगा आखिर यह क्या हो रहा है। जिसका कोई निदान नहीं है। सब भयभीत हो जाएंगे हर तरफ भय का माहौल होगा। जो वर्ष 2020 में हम सभी ने अपनी इन्हीं आंखों से देखा था। उसके पश्चात प्रत्येक वर्ष कोई ना कोई अप्रिय घटनाओं की शुरुआत हुई और आगे भी लगातार एक के बाद एक अनसुनी अजीब घटनायें यूँ ही होती रहेगी।

जब तक भक्तों को इकट्ठा करने का कार्य पूरा नहीं हो जाता, तब तक खण्ड प्रलय धीरे-धीरे जारी रहेगा। 2023 तक एकत्रीकरण का काम पूरा होने के बाद जब सभी पवित्र भक्तों को भगवान कल्कि से जोड़ा जाएगा। इसके बाद 2024-25 में भगवान कल्कि की विनाश लीला और विश्व युद्ध की भीषण आपदाएं और पंचभूत प्रलय के भीषण दृश्य मनुष्य अपनी आंखों से देखेंगे।

□ एमोनतो व्याधि ए कहुंतो आसिबो नर अंगरे प्रकासो, मुखोरुतो रक्तो उदगारो होइबो सकल होईबे नासो।

आने वाले समय में सभी मनुष्य एक ऐसा समय भी देखेंगे, जब लोगों के मुह से रक्त की उल्टियां होने लगेगी, उस दौरान बहुत से लोग जिन्होंने पाप किया है ऐसे पापी लोगों की मृत्यु होगी।

□ आद्य वैद्य ठारे प्रकाश होइबो अरे अन्य हेबे नास बैद्य नास जेबे होइबो बारंगो अउके होइब धँसो।

उपचार करने वालों के ऊपर सर्वप्रथम इसके असर दिखाई देंगे। तत्पश्चात धीरे-धीरे समस्त मनुष्य समाज में इसके लक्षण दिखने लगेंगे व सभी पापियों का विनाश होगा। जो धर्म मार्ग में नहीं होंगे उनका विनाश निश्चित है। इस अज्ञात बीमारी से असंख्य मृत्यु होगी, इसकी चपेट में केवल भारत ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व ही होगा। समस्त विश्व मे यह एक महामारी के रूप में उभरेगा। भविष्य मालिका के अनुसार 64 प्रकार के रोग विश्व को कंपित करेंगे जिसमे से यह भी एक रोग होगा।

मालिका विचार — : SHIVKALPA NIRGHANT

□ गड़ो युद्धों हेबे हिंदू मुसलमानो दिल्ली चांदनी चौको प्रमाणो I
वीरो हनुमानो देखी अमानवीय रूपो बाहारी करीबे दुष्टों संहारो II

अर्थात दंगे युद्ध होंगे हिन्दू मुसलमान मे दिल्ली का चांदनी चौक प्रमाण है । उसी समय वीर हनुमान बाहर निकल पड़ेंगे मनुष्य के अमानवीय रूप को देखकर और करेंगे दुष्टों का संहार । अब कोई समझेगा क्या हनुमान जी हनुमान रूप मे बाहर निकल कर संहार करेंगे तो नहीं ऐसा नहीं है हनुमान जी भगवान ही हैं वो अवतार लेंगे मनुष्य रूप मे कहाँ लेंगे इसके बारे मे अचुतानंद लिखते हैं

□ बाईसी मौजा प्राण कृष्ण लेंका सुतो थिबो हनुमानो ।
गुप्तो रूपो रे जन्मो होई थिबो लोके डाकू थिबे हनुमानो ।।

अर्थात बाईस मौजा उडीसा मे प्राण कृष्ण लेंका का पुत्र हनुमान जी होंगे और गुप्त रूप मे जन्म होगा लोग उसे बुलाएंगे हनुमान लोग विनोद वश बच्चों को बंदर हनुमान आदि बच्चों के द्वारा बदमाशी करने पर कहते हैं बच्चा चुप नहीं बैठता है तो कहते हैं चुपचाप बैठ न रे बंदर ऐसे ही विनोद वश उसे लोग हनुमान ही कहेंगे पर किसी को पता नहीं चलेगा ये सचमुच का हनुमान है पूरे भारत मे दंगे शुरू होने पर वो अपना प्रभाव दिखाएगा ।
गाड़ी छाड़िबो तत्खणो सिंधु जे छाड़िबो गर्जनो । अर्थात जगन्नाथ जी को लेकर रेल इंजन जब पुरी स्टेशन से रवाना होगी तब समुद्र घोर गर्जना करेगा ।

□ वसु सालो रेवो बीसो अंको जे प्रमाणो, सातो दिनो अंधकारो होईबो टी पुणो ।

अर्थात वसु 8 साल मे बारह महीने मतलब 12 रेवो अर्थात नक्षत्र 27 बीसो अर्थात 20 अर्थात गजपति दिव्य सिंह देव (चतुर्थ) के 67 अंक मे सात दिन अंधकार होगा।

□ श्रीक्षेत्र लीला समापनो । अंधकारो हेबो सातो दिनो ।।
देखीबा तोंही कल्कि रूपो । दसो अवतारो टी शेषो ।।

अर्थात इसके बाद पुरी मे भगवान की लीला समाप्त अंधकार मय होगा सात दिन और तभी कल्कि रूप के दर्शन होंगे जो दशावतार मे शेष अवतार है ।

□ ऐ लीला देखीबा पाई, भक्तो जे चांही रहिछोंती ।
टलीबो नाही जे ऐकथा निश्चे देखीबू दिने ।
ताकी रहीछोंती भरोसा कोरी भक्तो माने ।।

अर्थात ये लीला देखने के लिए भक्त आंखें बिछाए खड़े है टलेगा नहीं ये लीला निश्चित ही देखोगे क्योंकि भक्त लोग भरोसा करके बाट जोह रहे हैं ।

□ आदयो मार्गशीर्ष नवमी तिथि रे खंडा बहारीबो ।
चामुंडा मानंको मेला लागी जिबो रक्तो धारो बहीबो ।।

अर्थात इसके बाद मार्गशीर्ष नवमी तिथि में नंद खडग नामक तलवार निकलेगा और पिशाचनी, डाकिनी, शांकिनी, आदि चामुंडाओं का मेला लग जाएगा उत्सव होगा बहेगा रक्त धार ।

कल्कि रूप को धरी लो बाऊड़ा, काला धड़ा घोड़ा चढ़ी।
कृष्ण, बलराम मलेक्ष शंहारीने करिबे शून्य रे रणी।।

अर्थ: भगवान कल्कि रूप धारण करेंगे, और कृष्ण, बलराम काले और सफेद घोड़े पर बैठकर शून्य में युद्ध करेंगे और मलेक्ष का संहार करेंगे ।

मालिका में 12 राशि के हिसाब से 12 महीने बताएं गए है, जो पहले राशि मेष मतलब पहले महीने चैत्र से शुरू होता है और आखिरी राशि मीन मतलब आखिरी महीने फाल्गुन तक जाता है, इसलिए मीन आखिरी महीना मतलब फाल्गुन आखिरी हिंदी महीना होगा

2023 में अप्रैल, जुलाई, दिसंबर इस महीनों में उत्पात होगा

2024 में 23 जून से 5 जुलाई के बीच 13 दिन का पक्ष है, इसमें कोई शंका नहीं की इस जुलाई 2024 में कुछ बहुत बड़ा होगा, जिसमे बहुत जन हानि होगी, क्यूकी एक तो 13 दिन का पक्ष है, फिर मालिका में कई बार श्रावण मास के बारे में भी आया है, "प्रबल खरा हेबे श्रावण मास रे", और इसी जुलाई में 22 जुलाई से श्रावण मास भी शुरू है, इसलिए ये समय (जुलाई 2024) सब प्रमाण से बहुत खराब होने वाला है

भविष्य मालिक । भविष्य मालिका रिसर्च । कल्कि अवतार । कल्कि अवतार ।
व्योम वार्ता 1 [20 दिसंबर 2022]

23 जून 2024 - 05 जुलाई 2024 कलयुग के नाम से जाना जाने वाला 13 दिन का पक्ष... मानव जाति के लिए बेहद अराजक काल होगा

2023 से भारत की समस्या बढ़ने लगेगी खाने के कुरकुरे खुद ब खुद खुलने लगेंगे।

ज्योतिष के अनुसार गुरु राहु से ग्रहण। अक्टूबर में सूर्य अपनी नीच राशि तुला में केतु के साथ बहुत पीड़ित रहेगा। शुक्र जो लग्जरी का कारक है उस पर शनि की पूर्ण दृष्टि परफेक्ट कॉम्बिनेशन है सरकार की स्थिति खराब एच वन का और प्रजा के सुख समृद्धि के साधन समाप्त होने का।

2023 खत्म होते होते उन नीच का भेद नहीं रहेगा।

परिस्थितियों में मन को शांत रखना आवश्यक हो जाएगा खुद को सुरक्षित रखने के लिए। उसके लिए हारोज़ नाम जाप करें। नियम से करें। नियम न चुके। नियम से ही दिमाग नियंत्रित हो सकता है। दिमाग के अधीन न रहे दिमाग को अपने पालन करे वरना आने वाले टाइम को सर्वाइव नहीं कर पाओगे।

व्योम वार्ता 2 [21 दिसंबर 2022]

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब शनि मीन राशि की ओर बढ़ रहा होगा, तब दुनिया इस डर से घिर जाएगी कि कोई क्षुद्रग्रह पृथ्वी की ओर आ रहा है। जैसे ही शनि मीन राशि में प्रवेश करेगा, एक तरफ तीसरा विश्व युद्ध हो रहा होगा और दूसरी तरफ क्षुद्रग्रह टकराएगा।

29 मार्च 2025 है जब मीन शनि में प्रवेश करेगा। सबसे तार्किक रूप से फरवरी-मार्च के दौरान क्षुद्रग्रह का डर फैल जाएगा। जून तक शनि में रहेंगे फिर वही से वक्री हो जाएंगे और फिर वहा से एक अलग लीला शुरू होगी।

एक लाइन में 30 मार्च - 30 जून 2025 है जब ऐस्टरॉइड का गिरना तय है। नासा का 26 बिलियन डॉलर मिशन, चीन का ऐस्टरॉइड डिस्ट्रक्शन मिशन इन सबकी तैयारी मात्र है। यह ऐस्टेरॉयड 350-550 मीटर चौड़ा होगा। अगर ऐसा ऐस्टरॉइड टकराता है पृथ्वी, सर्वनाश को किसी और चीज की आवश्यकता नहीं होगी। लेकिन सौभाग्य से, क्षुद्रग्रह तीन टुकड़ों में बंट जाएगा और तीन समुद्रों में गिर जाएगा।

भविष्य मालिका | Bhavishya Malika Research | कल्कि अवतार | Kalki Avatar | युग परिवर्तन | Yug Parivartan | संशोधन | Research:

कली ठाऊ ठाऊ सत्य केऊ दिन हेब,
केही न जानिबे जन।

ऐनु करी मोर अंत न पायिबे, नाथीबा रू अधिकार।।

अर्थ: सत्य किस दिन आएगा, ये बात कोई भी जान नहीं पाएगा। जिसका भी इस परिवर्तन में अधिकार नहीं है, मतलब भाग या हिस्सा नहीं है, वो कोई भी मुझे जान नहीं पाएंगे।

1) 25 ank se 29 ank tak bahut utpaat rahega. 29 ank ke baad se sansaar me sab theek rahega.

2) अण्तीरीसो ठारू आनन्दे रहीबे भारत रो जनो गोष्टि. 29 ank se Bharat ki janta aanand me rahegi.

29 Ank= 2028-29

मालिका ग्रंथ के अनुसार 2023 से 2028 के भीतर तीन बार धरती पर अंधकार होगा पहली बार का अंधेरा तीन दिनों के लिए होगा जो किसी धुंध छाने के कारण होगा और इसी वक्त जगन्नाथ जी मंदिर छोड़ कर छतिया वट जाएंगे पुरी जगन्नाथ मंदिर में जगन्नाथ जी का विग्रह नहीं होगा, दूसरी बार पांच दिनों के लिए होगा जो परमाणु विस्फोट के कारण होगा इसके कारण कहीं कहीं एसिड की बारिश भी होगी इसके बाद 2028 के बारे में लिखा है

अठाइसो अंके बोछा बोछी होबो जातो हेबो नुआ सृष्टि I

अणोत्रीसो ठारू आनन्दे रहिबे भारतो रो जोनो गोष्टी II

अर्थात् 2028 में चुनाव होगा अर्थात् कौन बचेगा कौन नहीं, फिर नयी श्रृष्टि की शुरुआत होगी और 2029 से भारत की जनता आनन्द पूर्वक रह रही होगी I

म्लेच्छ-निवह-निधने कलयसि करवालम्

धूमकेतुम् इव किम् अपि करालम्

केशव धृत-कल्कि-शरीर जय जगदीश हरे

2028 में एक बड़ा सा धूमकेतू टकराएगा हिंद महासागर में टकराएगा, टक्कर इतनी जोरदार होगी एक झटके से पृथ्वी के अपने अक्ष पर ही घुमने की दिशा बदल जाएगी जमीन सौ मीटर तक उत्तर की ओर सरक जाएगी, सात दिन तक सूर्य देवता के दर्शन नहीं होंगे पृथ्वी के एक तरफ आग लग जाएगी एक तरफ बर्फ से ढंक जाएगी फिर धीरे धीरे पृथ्वी पहले जैसा घुमने लगेगी सात दिन के बाद सूर्य के दर्शन होंगे पर सूर्य पश्चिम दिशा से उदय हो रहा होगा और वो सतयुग का सूर्य होगा I- pulin panda

सत्य अनन्त नाम टि सार

सत्य धर्म कु कल प्रचार

सत्य अनन्त नाम मोर, सत्य करई कारवार.
सत्य कु धरिथिब जेही, ताकुं तारिबि निश्चि मुहि.

में सत्य अनंत माधव नाम धारण करूंगा और सत्य एवं धर्म का प्रचार करूंगा
सत्य अनंत नाम से मैं सत्य का कारोबार करूंगा। जो सत्य को धारण करेंगे उनको निश्चय ही मैं स्वयं तारुंगा (महाविपत्ति में सुरक्षा और मोक्ष प्रदान करूंगा)

<https://youtu.be/-xt2x8-HxjY>

ओडिशा में जन्म होके कल्कि भगवान दुष्टों का नाश और साधुओं का उद्धार करके धर्म संस्थापना करेंगे। भक्तों ने प्रभु की लीला देखने के लिए सखा और सखी के रूप में जन्म लिया है।

भक्तों की बिनती सुनके प्रभु ने अष्ट देवियों को अपने पास बुला के अपने श्रीमुख से उन्हें आज्ञा दी - अष्टदेवियो आप मेरी सेविकाएं हो आप निश्चित मेरी आज्ञा का पालन करो।

महादेवियो मेरे कोठदल भक्तों को आप सब अच्छी तरह रखना। कही उनको कष्ट न हो। जब मेरा धर्म संस्थापना कार्य पूर्ण हो तब मुझे मेरे भक्तों वापस करना।

मेरे भक्त कही भ्रमित न हो इस तरह उन्हें प्रेम से संभाल के अपने पास रखना और धर्म संस्थापन की पूर्ति के समय मुझे वापस करना।

महाप्रभु की यह वाणी सुन कर अष्टदेवियों ने प्रभु को कहा प्रभु आज्ञा दीजिए किसको कितनी जिम्मेदारी देना है।

महाप्रभु कहते हैं की हे बिमला देवी, मेरे 8000 भक्तों की जिम्मेदारी तुम्हें दी। इन्हे गिनती करके ले लो और सही समय पे मुझे वापस करना।

जगन्नाथ के रहे हैं हे मां बिरजा तुम्हें मैंने 10000 और मां सरला देवी को 7000 भक्तों की जिम्मेदारी दे रहा हूं। आप दोनों को मेरे भक्तों की रक्षा और उनका ध्यान रखना है।

माता गोपालनी को 7000 और माता शमलाई को 10000 भक्त की जिम्मेदारी दी।

माता कोसमंगला को 5000 भक्त की जिम्मेदारी दी और कहा धर्म संस्थापना के अंत में एक एक भक्त गिन के तुम वापस करना मुझे।

श्री प्राची कुल काकटपुर के माता मंगला को भगवान ने 5000 भक्त की जिम्मेदारी दी और कहा आप मेरी दासी हो अष्ट देवियों आप प्रेम से मेरे भक्तों का ख्याल रखना और मेरी आज्ञा पे आप सब मुझे गिनती करके उन्हें वापस करना।

गरुड़जी और माता बिरजा को प्रभु ने आदेश देके पद्म दल के सब भक्तों की जिम्मेदारी की। गरुड़ जी को प्रभु ने कहा जब कांतानी गण दुष्टों का संहार करेंगे उस समय तुम अपने पंख से ढक कर मेरे भक्तों की रक्षा करना।

प्रभु कहते हैं जिस समय में कल्कि अवतार धारण करूंगा इस समय मेरा महा भयंकर विश्वरूप प्रकाश होगा। अग्नि से भयंकर इस विश्वरूप से दुष्टों का नाश करके मैं भक्तों का उद्धार और आदर करूंगा।

https://youtu.be/MWzQcKPv_So

कली की महान आपदा के दौरान किस नाम को, किस अक्षर को स्मरण करके कली के प्रभाव से बच के पार हो पाएंगे ? महापुरुष किस अक्षर को स्मरण करने के लिए बार बार कहते हैं?

ठाकुर (भगवान कल्कि) का अवतार हो चुका है। जितने भी भक्त हैं, जो बहुत से अलग अलग अक्षर के पीछे दोड़ेंगे वो प्रभुके दर्शन नहीं पाएंगे। कलियुग के निदान के लिए महाप्रभु ने एक स्वतंत्र अक्षर का वर्ण किया है। उस अक्षर को धारण कर पाएंगे उसको ही प्रभु के दर्शन मिल पाएंगे। सिर्फ हरी हरी या प्रभु प्रभु कहने के दिन चले गए। यह समय में एक बहुत स्पेसिफिक अक्षर को जो साध लेंगे वही प्रभु तक पहुंच पाएंगे।

महापुरुष अच्युतानंद वाल्मीकि कल्प में कहते हैं एकाम्र वन में एक सरोवर है उस जगह जुगन्धु (जहां जुग जुग से ज्योति विराजमान है) नाम मंदिर है। वहां पे जो 'म' अक्षर का भेद पा लेंगे वो दर्शन पाएंगे। म अक्षर ही कली का निदान है। जैसे ओमकार में एकाक्षर भाव होता है वैसे ही म कार ही कली का एकाक्षर है।

यही कथा को लेके महापुरुष भीमा भोई ने अपने स्तुति चिंतामणि में प्रमाण रखा है - म अक्षर को हृदय में धारण करके जो महिमंडल यानी पृथ्वी पे रहो। जो भी म अक्षर से गुरु के आश्रय बिना रहेंगे वो युग के अंत में परास्त होके रहेंगे। और संसार को तर नहीं पाएंगे।

❑ बारह हाथ दीर्घ बर्फ पड़ीबे, पृथ्वी ना दिशिब काही।
चतुर्दश दिन द्वार न खोलिबे, हेतु रख बार केही।।

अर्थ: 12 हाथ तक बर्फ गिरेगा, पृथ्वी बर्फ से ढक जाएगी, लोग 14 दिन तक द्वार नहीं खोल पाएंगे।

असुरो का प्लेन जो team lifestyle ने expose किया है उसमें उन्होंने बोला की 2025, इंटरनेट और बिजली गुल होगी with biggest महामारी।।

मालिका अनुसार बड़ी वाली महामारी 2025 को आयेगी(जो नोव्हेंबर 2024 को आरंभ होगी)

2023-24 में जितना कर सको अन्न इकट्ठा कर के रखना, 6 अरब लोग भुखमरी से मरने वाले हैं। बाजरे जवार जैसे अन्न का आटा रखना कम से कम पानी में मिलाकर जिंदा रह सकोगे। 2020 के पहले कोरोना जैसी बीमारी...उसमें 1.5 करोड़ लोगों की मृत्यु, और मोदीजी के प्रधानमंत्री बने की भविष्यवाणी कर चुके गुजरात के महंत करसनदास बापू की आनेवाले समय के लिए भविष्यवाणी। एक अंगत बातचीत के दौरान उन्होंने कही यह बात को किसी अनुयायी ने केमरे में कैद कर लिया था।

आज के समय में सभी धार्मिक संस्थाएं, मठ और संत कह रहे हैं कि कलयुग में 432000 का भोग है जो पूरी तरह गलत है। प्राचीन ग्रंथ जैसे नारद पुराण, सूर्य ग्रंथ, बाहिया पुराण और भाविश मलिका के अनुसार सभी 4 युग 12000 वर्षों के 1 चक्र में समाप्त होते हैं।

सत्य युग में धर्म के 4 पीढ़ हैं

त्रेता युग में धर्म के 3 पीढ़ हैं

द्वापर युग में धर्म के 2 पीढ़ हैं

कलियुग में धर्म का एक ही पीढ़ है

धर्म अधिक होगा तो युग की आयु कम होगी

धर्म जैसे कम होगा युग की उम्र वैसे बढ़ेगी

उसके अनुसार

सत्ययुग 4 पाव धर्म == 1200 वर्ष 1200

त्रेता युग 3 पाव धर्म == 2400 वर्ष 2400

द्वापर युग 2 पाव धर्म == 3600 वर्ष 3600

कलियुग 1 पाव धर्म == 4800 वर्ष 4800

अभी हम कलियुग के 5126 वर्ष में हैं 5126

प्रत्येक युग के बाद संधि काल प्रत्येक युग के पहले और बाद में आता है

तो हम 4800 साल पार कर चुके हैं कलियुग के और हम संधि काल के भी अंत में हैं। यानी हम कलियुग के अंधकार और सत्ययुग की रोशनी के बीच तैर रहे हैं

इस प्रकार बेहतर समझने के लिए हम सूर्य ज्ञान सिद्धांत पर चलते हैं

युग विचार-क्यों चतुर्युग को 12000 वर्ष का भोग होता है?

चारों युगों की परमायु तदनुसार सत्ययुग = 1728000, त्रेता = 1296000, द्वापर = 864000, कलियुग = 432000 साल मानी गई है। किंतु सूर्य देव अपने महाकेंद्र (ब्रह्मा जी) के चक्कर लगाते हैं। इनके एक चक्कर में 24000 वर्ष लगते हैं। इसमें 12000 वर्ष (चार युग की अवधि) एक आरोही अर्धचक्र तथा 12000 वर्ष (चार युग की अवधि) एक अवरोही अर्धचक्र होता है।

एक चतुर्युग के अंत समय में जब सूर्य देव, ब्रह्मा जी से सबसे दूरस्त स्थान तक पहुंचते हैं तब धर्म का हास होते होते धर्म के चारों पग का भी अंत हो जाता है। इस प्रकार एक चतुर्युग का अंत तथा दूसरे चतुर्युग की शुरूवात के मध्य का समय संधि काल अथवा युग संध्या कहलाता है।

इन 12000 वर्षों की अवधि को चार अवस्थाओं में विभाजित किया जाता है,

सत्ययुग- 1200 वर्ष, जब सूर्य देव अपने परिक्रमा पथ के 1/20 हिस्से में भ्रमण करते हैं, तब सूर्य देव महाकेंद्र (ब्रह्मा जी) के सबसे करीब होते हैं, इस युग में सूर्य देव के ब्रह्मा जी के करीब रहने से इंसान ब्रह्म ज्ञानी और ऊर्जावान रहते हैं, और सत्य, शौच, दया, पवित्रता, तप आदि वैदिक नियम का पालन करते हैं। तब धर्म अपने चारों पग पर स्थिर रहता है। इस 1200 वर्ष के काल को सत्ययुग कहते हैं।

त्रेता युग- 2400 वर्ष, जब सूर्य देव अपने परिक्रमा पथ के 2/20 हिस्से में भ्रमण करते हैं, तब सूर्य देव, ब्रह्मा जी से थोड़ी दूरी पर चले जाते हैं। महाकेंद्र से दोगुना दूर जाने के कारण परिक्रमा पथ की दूरी बढ़ जाती है, और परिक्रमा अवधि दोगुनी हो जाती है। ब्रह्मा जी से दूरी होने के कारण इंसानी बुद्धि में विकार उत्पन्न होने लगते हैं तथा धर्म की हानि होने लगती है और धर्म का एक पग नष्ट हो जाता है। यह 2400 वर्ष का कालखंड त्रेता युग कहलाता है।

द्वापर युग- 3600 वर्ष, जब सूर्य देव अपने परिक्रमा पथ के 3/20 हिस्से में भ्रमण करते हैं, तब सूर्य देव ब्रह्मा जी से तीन गुना दूरी पर होते हैं इसलिए परिक्रमा में तीन गुना अधिक समय लगता है। ब्रह्मा जी से 3 गुना अधिक दूरी होने के कारण धर्म की और अधिक हानि होती है और इस युग में धर्म मात्र 2 पग शेष रह जाता है।

कलियुग- 4800 वर्ष, जब सूर्य देव अपने परिक्रमा पथ के 4/20 हिस्से में भ्रमण करते हैं, तब सूर्य देव, ब्रह्मा जी से सर्वाधिक दूरी पर होते हैं। परिक्रमा पथ की दूरी चार गुना अधिक होने के कारण सत्ययुग की अपेक्षा कलियुग में सूर्य देव को ब्रह्मा जी की परिक्रमा करने में चार गुना अधिक समय लगता है। ब्रह्मा जी से सर्वाधिक दूर रहने के कारण मनुष्य ब्रह्म ज्ञान से शून्य होने लगता है और धर्म के तीन पग नष्ट होकर मात्र एक पग शेष रह जाता है। युग संध्या काल में धर्म के अंतिम पग का भी हास हो जाता है। इस प्रकार 4800 वर्ष कलियुग की आयु भोग अवधि होती है।

भगवान परब्रह्म नारायण महाविष्णु ही संपूर्ण सृष्टि के रचियता, नियंता और संहार कर्ता हैं। काल चक्र का निर्माण और नियंत्रण भी उन्हीं के द्वारा संचालित किया जाता है। जिस प्रकार दिन रात (12+12 घंटे), पक्ष (15 दिन), महीना (30 दिन), साल (12 महीने) सब ग्रहों की घूर्णन गति से निश्चित है। उसी प्रकार युग चक्र भी सूर्य देव की घूर्णन गति से 12000 वर्ष निश्चित है।

भगवान परब्रह्म नारायण महाविष्णु हर युग में जब जब भी धर्म की हानि होती है, अनेकों रूपों में अवतार ग्रहण करते हैं, और धर्म संस्थापना कर पुनः सनातन धर्म की प्रतिष्ठा करते हैं। क्योंकि ये उनकी खुद के द्वारा निर्मित और संचालित अपनी सृष्टि है। प्रभुजी कल्कि राम के नेतृत्व में धर्म संस्थापन के तुरंत बाद शुरू होगा अनंत युग जो 1009 साल तक चलेगा, अनंत केसरी पूरी दुनिया पर राज करेंगे और भारत में रहेंगे भगतों को सुख देगे

1) 25 ank se 29 ank tak bahut utpaat rahega. 29 ank ke baad se sansaar me sab theek rahega.

2) अणतीरीसो ठारू आनन्दे रहीबे भारत रो जनो गोष्टि. 29 ank se Bharat ki janta aanand me rahegi.

29 Ank= 2028-29

दुर्भिक्ष पड़ीब मरी जिबे बहू लोके
चौषठ रोग भ्रमथिब फेरी फेरी

अर्थ: सूखा, अकाल पड़ेगा, जिसमे बहुत से लोग मृत्यु को प्राप्त होंगे। 64 प्रकार के रोग बार बार आयेंगे

□□□□□□□□

□ झारखंडो गिरी गुफा रे प्रभुंकरो जे ठाबो, झलो मलो ज्योति आकाशे लीला उदय होईबो । झारखंडो पारूसोरो जे लीला उदय होईबो, अनाहतो ध्वनि शब्दे तीनी पुरो कंपीबो ।

अर्थात झारखंड के एक पर्वत के गुफा में कल्कि का पता चलेगा झिलमिल ज्योति आकाश में फैल जाएगी लीला शुरू हो जाएगी, झारखंड से ही भगवान की लीला शुरू होगी अनाहत ध्वनि से तीनों लोक कांप जाएंगे । झारखंड के गुमला में परशुराम जी का फरसा रखा है जो बहुत भारी है उसे कोई नहीं उठा सकता और हजारीबाग के जंगलों के बीच दस फुट का धनुष है जो 2002 में मिला जंगल के अंदर मिला था जो एक चौकोने पतथर पर रखा हुआ था और उस धनुष पर संस्कृत में टंकण किया हुआ था जिसे समझने के लिए झारखंड सरकार ने काशी के विद्वानों को बुलाया था काशी के विद्वानों ने पढ़ कर कहा ये परशुराम जी का धनुष है उस धनुष की प्रत्यंचा किस चीज से बना है किसी को पता नहीं है पर धनुष अष्ट धातु का है और उसमें जंक भी नहीं लगा था उस धनुष को जब कल्कि तोड़ देंगे और फरसा उठा लेंगे तब आकाश में बिना बादल के बिजली कड़क उठेगी भूकंप से पृथ्वी हिल उठेगी तब पता चलेगा कल्कि कौन है

□ चारी दिगो लोको से ठारे आसी करीबे भेटो, चरणो सेवा रे काटीबे लीला हेबो प्रकोटो ।
अर्थात चारों दिशाओं से लोग उस जगह इकट्ठे होंगे और भगवान की सेवा करेंगे लीला प्रकट होगा ।

□ दुर्गा माधवंको खेलो देखी आरंभ हेला णी बेड़ो
अर्थात दुर्गा और कृष्ण का खेल देख कर समय शुरू हो गया है

□□□□□□□□

□तेरह दिनों राजा आसीबे पुणी तेरह दलिया ।
तेरह मासो राजा आसीबो पुणी तेरह टोपीया ।।

तेरह दिन का प्रधानमंत्री आएगा फिर तेरह दल वाला । तेरह महीने वाला प्रधानमंत्री आएगा फिर तेरह टोपी वाला आएगा ।

□मटो मटो करी चांहीबे मशाणी कू अनाई ।
चंडी चामुंडा मातीबे मशाणी कू जे छाड़ि ।।

अर्थात शमशान कब्रिस्तान की बातें भी राजनीति में चलेगी शमशान कब्रिस्तान को सजाया जाएगा लाइट लगाई जाएगी घर बनेंगे फिर चंडी चामुंडा भूत प्रेत शमशान छोड़ कर आतंक मचाएंगे ।

□तेरह टोपीया राजूती होबो पुणी दसो वर्षे चीना आसीबे ।
झाई झाई पवन बहीबो तेरह मासो अंते पुणी अनन्त आसीबे ।।

अर्थात तेरह टोपी वाले का राज चलेगा फिर दस वर्ष में चीन आएगा । झाई झाई पवन अर्थात आंधी तूफान चलेगा फिर तेरह महीने बाद अनन्त केशरी आएंगे अर्थात कल्कि आएंगे ।

□कली छाड़ि जीबो सत्य प्रकाशिबो पतला होईबे जनो ।
शकुंतला आसी बंदा पना करी सेवीबे प्रभु पोयोरो ।।

अर्थात कलि छोड़ देगा सत्य प्रकाशित होगा जनसंख्या बहुत कम होगी, पतला होईबे जनो का मतलब मनुष्यों की संख्या कम होगी और शकुन्तला आएगी आरती उतारेगी प्रभु कल्कि के चरणों की सेवा करेगी अब ये शकुन्तला कौन है ये मुझे नहीं पता ।

□ अनन्त केशरी हेबे राजा सृष्टि होबो पुष्टि ।
आनन्दे रहिबे तोहीं भारतो रो जनो गोष्ठी ।।

अर्थात अनन्त केशरी राजा बनेंगे सृष्टि हरा भरा होगा आनन्द से रहेंगे भारत के जन गोष्ठी अर्थात भारत की जनता ।

□ संपूर्ण जे नेत्र दिगो अंको टी प्रमाणो ।
शासनो न रही लोके हेबे रणो भोणो ।।

अर्थात नेत्र 2 और दिशाएं 4 अंक है अर्थात 2024 है प्रमाण तब शासन नहीं रहेगा और लोग आपस में मारपीट छीना छपटी कर रहे होंगे।

□सरीबो राजनो भोगो जाणो से समयो रे ।
सतर्क जे पूणी बाहरो राज्य रे ।।

अर्थात उसी समय समस्त भोग विलास खत्म हो जाएंगे उड़ीसा के बाहर सभी राज्यों के लिए सतर्क वाणी है।

□रूसीया से काडे दारूकं निमंते पोसीबो बडो देऊड़े ।
दारू न पाईबो पथो बणा हेबो मरीबो मारकंडो ठारे।।

अर्थात उसी समय रूस की सेना जगन्नाथ मंदिर में घुस जाएगी पर जगन्नाथ दारू मूर्ति नहीं मिलेगा और सभी मरेंगे मार्कंडेय शिव मंदिर के निकट। सप्त दिनो हेबो श्रीक्षेत्र सेबेडे छतिया माटी।

□विजयो करीबे निर्धार्य बड़ी कालिया हाथी।।

अर्थात जब जगन्नाथ मंदिर में जगन्नाथ नहीं रहेंगे तब सात दिन छतिया वट श्री क्षेत्र (जगन्नाथ धाम) बनेगा। और वहां विराजमान होंगे बलशाली काला हाथी ।

□तैंतूडी हाटो रे सियालदह ठारे इंजन होई छी थूआ।
ता अंते ब्रिटिश उजाड़ी आसीबे पंडा हेबे कूआ भूआ।।

अर्थात सियालदह के तैंतूडी हाट के नजदीक लोहे के जंजीरो में बंधा एक ब्रिटिश काल का रेल इंजन रखा हुआ है जो जगन्नाथ मंदिर पर हमले के पहले ही जंजीर तोड़ कर अपने आप पटरी पर दौड़ने लगेगी और पूरी स्टेशन पर रुकेगी ये देख कर पंडों के बीच हाहाकार मच जाएगा।

□रेलो रे भरीणो दारू कू नेबो लोखे माडो स्वर्ण देई।
वैरागी स्टेशने इंजनी भांगीबो शून्य हेबे भाव ग्राही।।

अर्थात जगन्नाथ मंदिर में रूस को जब जगन्नाथ नहीं मिलेंगे और मंदिर में घुसने वाले सैनिक भी बाहर नहीं आएंगे तब पंडों को एक लाख तोला सोना देकर फुसलाकर रूस पता कर लेगा कि एक रेल इंजन में जगन्नाथ भाग रहा है फिर चीन के फाइटर प्लेन रेल इंजन का पीछा करेंगे । वैरागी स्टेशन पर इंजन खड़ी होगी तभी रेल इंजन पर चीन के विमान बमबारी करेंगे इंजन टूट कर चूर हो जाएगा और जगन्नाथ अदृश्य हो कर झाड़ेश्वर महादेव मंदिर में प्रकट होंगे हर हरि का मिलन होगा नमक वाला प्रसाद पहली बार जगन्नाथ जी को भोग लगाया जाएगा इसके बाद जगन्नाथ छतिया वट की ओर प्रस्थान करेंगे।

□सानो बडो समसोरी ।सप्त दीपो रे राजा अनन्त केशरी ।
अर्थात इन झमेलो के बाद छोटे बड़े सभी समान होंगे और अनन्त केशरी सात दीपो के राजा होंगे अर्थात विश्व पर शासन करेंगे

□अठाईसो ठारूं उणोत्रीसो जाऐ प्रमादो ओछी अपारो।
उणोत्रीसो अंको रेतू हे गरूडो महाकल्कि अवतारो।।

अर्थात 28 से लेकर 29 तक बहुत प्रमाद है 29 अंक में हे गरूड महाकल्कि अवतार आत्म प्रकाशित होंगे।

□महाभयंकरो उत्पातो हेबो ऐ जम्बू दीपो रे जाणो।
कल्कि रूपो रे मेछो संहारेणो भारा उस्वासीबे पूणो।।

अर्थात महाभयंकर उत्पात होगा इस जम्बू दीप में। कल्कि रूप धर कर प्रभु मलेच्छ संहार करेंगे और धरती का भार घटाएंगे।

□अल्पो दिनो रे ऐ कथा होईबो नाही बेसी आऊ बेड़ो।
धुमकेतु दृश्यो गगनो मंडोले पृथ्वी हेबो टोड़ो मोड़ो।।

अर्थात् अल्प दिन मे ये बात होगी नहीं है बाकी अधिक दिन। धुमकेतु आकाश मंडल मे दिखेगा पृथ्वी डगमगाने लगेगा।

□भंडो लोको जेते साधु बोलाईबे काटी चिता चैतन्यो। नारी भोगो करी सूर पानो करी सुणाईबे शास्त्रो ज्ञानो ।

अर्थात् पाखंडी लोग सभी साधु कहलाएंगे साधु के वस्त्र पहन कर तिलक लगाकर । नारी भोग कर शराब पीकर सुनाएंगे शास्त्र ज्ञान ।

मालिका ग्रंथ के अनुसार 2023 से 2028 के भीतर तीन बार धरती पर अंधकार होगा

□पहली बार का अंधेरा तीन दिनों के लिए होगा जो किसी धुंध छाने के कारण होगा और इसी वक्त जगन्नाथ जी मंदिर छोड़ कर छतिया वट जाएंगे पुरी जगन्नाथ मंदिर मे जगन्नाथ जी का विग्रह नहीं होगा,

□दूसरी बार पांच दिनों के लिए होगा जो परमाणु विस्फोट के कारण होगा इसके कारण कहीं कहीं एसिड की बारिश भी होगी इसके बाद लिखा है

□तीसरी बार 28 में एक बड़ा सा धुमकेतू हिंद महासागर मे टकराएगा, टक्कर इतनी जोरदार होगी एक झटके से पृथ्वी के अपने अक्ष पर ही घुमने की दिशा बदल जाएगी जमीन सौ मिटर तक उत्तर की ओर सरक जाएगी, सात दिन तक सूर्य देवता के दर्शन नहीं होंगे पृथ्वी के एक तरफ आग लग जाएगी एक तरफ बर्फ से ढंक जाएगी फिर धीरे धीरे पृथ्वी पहले जैसा घुमने लगेगी सात दिन के बाद सूर्य के दर्शन होंगे पर सूर्य पश्चिम दिशा से उदय हो रहा होगा और वो सतयुग का सूर्य होगा ।

□ अठाइसो अंके बोछा बोछी होबो जातो हेबो नुआ सृष्टि ।

अणोत्रीसो ठारूं आनन्दे रहिबे भारतो रो जोनो गोष्टी ।।

अर्थात् 28 अंक मे चुनाव होगा अर्थात् कौन बचेगा कौन नहीं, फिर नयी श्रृष्टि की शुरुआत होगी और 29 से भारत की जनता आनन्द पूर्वक रह रही होगी ।

1943 से लोग बातें कर रहे हैं कि आखिर मालिका की घटनाएँ कब घटेगी कब कल्कि अवतार के दर्शन होंगे पर अचुतानंद ने कहा है दिव्य सिंह देव(चतुर्थ) के जगन्नाथ पुरी में राजा बनने के काल में घटेगी ।

अब 1970 में गजपति दिव्य सिंह देव ही बने और चतुर्थ दिव्य सिंह देव ही बने । फिर 1970 से लोग ताक रहे हैं अब होगा अब होगा अब होगा पर कब होगा फिर 1990 मे जगन्नाथ मंदिर से एक बड़ा सा पत्थर गिरा, लोगों का माथा थोड़ा ठनका फिर 1999 मे उड़ीसा में इतिहास का सबसे बड़ा महातूफान आया पुरी मे दिन मे ही अंधेरा छा गया तब इंटरनेट का जमाना नहीं था । एक साईकिल चोर जो जगतसिंहपुर का था उसने कहा इतना भयंकर तूफान हमने कभी नहीं देखा था लाखों लोग बेघर हो गए अपनों से बिछड़ गए कितने लोग पागल हो गए और उड़ीसा में सभी लोग मालिका की बातें करने लगे सभी को पता चल गया ये मालिका क्या बला है फिर सभी लोग मालिका की चर्चा करने लगे लेकिन कुछ साल बाद फिर से चर्चा बंद हो गई । फिर 2013 मे जगन्नाथ मंदिर से संकेत मिलने शुरू हुए और फैलीन तूफान एवं केदारनाथ त्रासदी को देख कर लोग सहम उठे इसके बाद फिर से चर्चा बंद हो गई कोरोना के बाद अब फिर से चर्चा शुरू हो गई है, दिव्य सिंह देव बुढ़े हो चुकें है और मीन शनि भी है, मालिका के अनुसार दिव्य सिंह देव और मीन शनि मे ही सारी घटना घटनी है दिव्य सिंह देव के काल में पहले भी मीन शनि का संयोग हो चुका है इस बार भी होगा पर ये यकीन मानिए दिव्य सिंह देव जी की उम्र के हिसाब से इसी मीन शनि मे सभी घटनाएँ घटित हो जाएगी इन पांच सालों के दौरान भी कौन सी घटना कब कितने समय पर घटित होंगी ये नहीं जाना जा सकता पर घटनाएँ वही घटित होंगी जो मालिका ग्रंथ में लिखा है भक्ति की साधना करते हुए भगवान के लिए यदि आंखों से आंसू बहते हैं रोमांच पैदा होता है तभी अनुभव के द्वारा पता चलेगा आफत किस वक्त आएगी और इसके लिए पुराणों का कम से कम भागवत महापुराण रामायण और महाभारत की घटनाओं को और उनके किरदारों के वाक्य पूरी तरह याद रहना चाहिए, कौन से वाक्य बोलने के बाद कौन सी घटना घटित हुई ये स्मरण रहना चाहिए, इतनी यादाश्त शक्ति भगवान के लिए आंसू बहाते हुए भगवान का चिंतन करने से बढ़ती है क्योंकि इससे अंतःकरण शुद्ध होता है अर्थात् मन की गंदगी संसारी चिंतन का मैल धुल जाता है और तभी वर्तमान समय की परिस्थितियों आचरणों वाक्यों को देखकर अनुभव किया जा सकता है मालिका की फलाना घटना फलाने समय में घटित होने वाली है ।

□हिन्दू मुसलमानों क्रिश्चियनो सबू बुझीले एको ।

सर्वे धर्मावलंबि सेमाने सर्वे ईश्वरात्मिको ।।

अर्थात् हिन्दू मुस्लिम ईसाई सब समझदारों के लिए एक है सभी धर्मावलंबि हैं सभी ईश्वर की ही अराधना करते हैं

भविष्य मालिका मे कब क्या घटना घटेगी अचुतानंद दास ने अंको के माध्यम से बताया है उसका उल्लेख करूंगा। क्योंकि कई लोग चर्चा करते हैं इतने लोग प्राकृतिक आपदाओ से दुर्घटनाओ से कोरोना जैसी महामारी से मर रहे हैं पर जनसंख्या तो कम नहीं हो रहा उल्टे बढ़ रहा है आखिर कब से जनसंख्या कम होना प्रारंभ होगा । तो इसके बारे मे अचुतानंद उल्लेख करते हैं:

□सतावनो सोहड़ो पचासो जेते बेड़े होईबो ।

उन्मादो उल्कोटो लागीबो प्राणी हीनो होईबो ।।

अर्थात 57, 16, 50 जब होगा तब धरती प्राणी हीन होना शुरू होगी अर्थात जनसंख्या कम होने लगेंगी। ऐसा कब होगा आईए अंको का हिसाब करते हैं 57, 16, 50 को जोड़ने पर 123 होता है तो मानव वर्ष के हिसाब से कलयुग की आयु 2020 में 5121 वर्ष हुआ। पांच हजार को छोड़ दे तो 121 होता है अब पांच हजार को क्यों छोड़ दें क्योंकि अच्युतानंद ने कहा है सालो मसीहा सब गुप्त हेबो केवलो अंको भोगो हेबो। अर्थात साल मसीहा के हिसाब से घटना नहीं घटेगी अंको के अनुसार घटेगी इसलिए पांच को हटा देंगे सिर्फ 121 को पकड़ेंगे। इस प्रकार 57; 16, 50 को जोड़ने पर 123 होता है 2020 को 121 हुआ तो 123 2022 को होता है अर्थात 2022 से जनसंख्या कम होनी शुरू हो जाएगी। अब इस वक्त से किस प्रकार की घटना घटेगी आगे बताते हैं

□महाजोडो बतासो जे प्रबलो होईबो ।
उत्तरो दिगो रू महामायी जे फेरीबो ॥

अर्थात महातूफान आदि प्रबल रूप से होंगी भारत के उत्तर दिशा से महामायी काल रूप से घुम रही होंगी प्राणीयो का नाश कर रही होंगी।
ये समय ठारू होऊ थिबो शून्यो रे शब्दो ।

□गुप्तो मारूणो रोगो सबू ब्रह्मांडो पूरीबो ॥

अर्थात इसी समय से आकाश से शब्द घोर ध्वनी सुनाई देने लगेगा गुप्त मारूणो अर्थात कौन क्यो किससे मरा पता नहीं चलेगा अनजान बिमारीयां पूरी पृथ्वी पर फैल जाएगा ।

□मीनो शनि भोगो ठारू महाभयो हेबो ।
दिल्ली सम्राट कू आसी विपदो पडीबो ॥

अर्थात शनि जब मीन राशि में प्रवेश करेगा दिल्ली में प्रधानमंत्री भी विपदाओं से घिर जाएगा । कैसे होगा ये और तब प्रधानमंत्री क्या करेगा आगे बताते हैं।

□गांधारो सेना जे बहू द्वंद्वो आरंभिबो ॥
छाड़ी पड़ाईबो केड़े बुद्धि न दिसीबो ॥

अर्थात गांधार सेना (पाकिस्तान चीन और तेरह मुस्लिम देशों की सेना) बहुत उत्पात मचाएगी जिससे प्रधानमंत्री की बुद्धि काम नहीं करेगी और सबकुछ छोड़कर प्रधानमंत्री भाग जाएगा ।

□उडीसा राज्य रू बहु धनो नेबो हरि ।
उत्कलो रो किर्ती मानो सबू जिबो सरी ॥

अर्थात उडीसा राज्य से बिदेशी सेना बहुत धन दौलत लूट लेगी उत्कल प्रदेश की किर्ती मठ मंदिर आदि सब नष्ट कर दिए जाएंगे उत्कल की शान मिट्टी में मिल जाएगी ।

□शनि मीनो कू जेते बेडे जीबो ।
सम्पूर्ण कला प्रकाशो होईबो ॥

अर्थात शनि जब मीन राशि में जाएगी तब भक्तों की कला का प्रकाश होगा कल्कि का कुछ कुछ पता चलेगा अर्थात कल्कि अवतार प्रकाशित होंगे लीला होगी।

□मधु मासो त्रयोदशो दिनो रे ।
लखे लखे नाशो होईबे नरे ॥
अर्थात चैत्र मास के तेरहवें दिन से लाखों लोग मरने लगेंगे।

□अठावनो सोड़ह पचास अंको चारी रे तूलो ।
यही समयो रे संग्रामो उत्कलो पुरो ॥

अर्थात 58, 16, 50, 4 को जोड़ो यही समय में उत्कल से संग्राम भगवान शुरू करेंगे जो युद्ध महाभारत काल से बाकी है ऐसा 2027 से शुरू होगा।

#odisha #meenshani #timeline #2020 #2021 #2022 #2023 #2024 #2025 #2026 #2027

□□□
ये वही कटक जिला गिरधारी कोर्ट है इस पत्थर के चबूतरे के अंदर 154 चाबीयां हैं जिससे कटक चंडी मंदिर के तहखाने से लेकर अनेक गुफाओं का रास्ता खुलेगा जो तंत्र के द्वारा बंद किया हुआ है और कुछ दस्तावेज हैं जिससे पुराण काल की टेक्नोलॉजी की जानकारी लिखी हुई है कुछ वर्ष बाद एक व्यक्ति इसे खोलेगा जो जगन्नाथ दास का वर्तमान जन्म होगा इस चबूतरे के उपर जो राधा रानी की मूर्ति है ये राधा रानी इन चाबीयों की रक्षा कर रहे हैं एक व्यक्ति ने इन चाबीयों को निकालने की कोशिश की वो इस चबूतरे पर ही चिपक गया भाग नहीं सका ऐसी अनेक घटनाएँ घट चुकी हैं इसलिए आजकल कोई छेड़छाड़ नहीं करता । जब चीन की सेना, परग्रही, तेरह मुस्लिम देशों की सेना और पीछे पीछे कूटनीतिक तरीके से रूस की सेना भारत में डेरा जमा लेगी और

जगन्नाथ मंदिर पर हमला करेंगी तब अनन्त केशरी (कल्कि) इस चबूतरे को खोलने के लिए कहेंगे जिससे उन गुफाओं तहखानों में रखे पुराण काल के यंत्र तथा पुराण काल की जानकारी को दुनिया के समक्ष प्रकट करवा देंगे इस चबूतरे पर चाबी है और भगवान गिरधारी की मूर्ति के पीछे एक नक्शा है जिस नक्शे से उन स्थानों की खोज करके उन्हें खोला जायेगा जिससे भारत की रक्षा होगी पंडित जी कह रहे हैं और भी कुछ तथ्य हैं जिसे कैमरे के आगे नहीं बताया जा सकता बस चार पांच साल के बाद सभी जानेंगे देखेंगे समय करीब होता जा रहा है पर पहले बताया नहीं जा सकता

□□□पांच सौ सालों से भी पुराना मालिका वर्णित गिरधारी कोर्ट जहाँ नौ ग्रहों की ध्वनि सुनाई देती है जहाँ पाखंडीयों और भक्तों की परीक्षा लेंगे कल्कि अवतार और उसी गिरधारी कोर्ट में पांच दिन पहले चोरों ने हाथ साफ कर दिया, अति प्राचीन भगवान गिरधारी की मूर्ति और बहुमूल्य अवशेषों को चोरों ने कलियुग के प्रभाव से चुरा लिया अब भक्तों के मन में शंका पैदा हो गई जहाँ भगवान की शक्ति है जहाँ सभी के पाप पुण्य का हिसाब किताब होगा वही पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया इसका मतलब भगवान की शक्ति कुछ भी नहीं है। पर ऐसा नहीं है ये भगवान की ही लीला है जब जगन्नाथ मंदिर से नीलचक्र को ही उखाड़ कर रूस ले भागेगा तब शंका और पैदा हो जाएगी और लोग सोचेंगे भगवान है भी या नहीं कहाँ है कल्कि अवतार पर ये लीला नास्तिकों को भगवान से दूर करने के लिए होगी अब नास्तिक दो प्रकार के हैं एक संसार और भगवान दोनों का चिंतन करता है और एक संसार का ही चिंतन कर रहे हैं दोनों नास्तिक हैं और ऐसे नास्तिक लोगों को भगवान से दूर करने के लिए ये लीला है क्योंकि भयंकर परिस्थिति देख कर नास्तिक के मन भी भगवान ही आखिरी आसरा बचेगा ।

मालिका के अनुसार जो कोहिनूर पंजाब के राजा के पास था वो नादिर शाह आदि मुस्लिम शासकों के पास आ गया फिर ब्रिटेन चला गया उस हीरे को रणजीत सिंह जगन्नाथ को समर्पित करने वाला था ऐन वक्त पर गड़बड़ हो गया वो हीरा मयूर सिंहासन पर लगा था उस हीरे को ब्रिटेन से और मयूर सिंहासन को रूस से कल्कि लाएंगे और सफेद तुलसी भी लाएंगे और इनको लाने से पहले ही पिनाक धनुष कोदंड गांडीव आदि भी और कर्ण का कवच भी जो छत्तीसगढ़ में है उन सबको पहले ढूंढा जाएगा भारत के अंदर ही गुप्त स्थान पर छुपा हुआ है और नक्शा गिरधारी कोर्ट में है

□□□देखिए मैंने कहा था रूस यूक्रेन का युद्ध सात महीने चलेगा उसके बाद परमाणु हथियार चला कर यूक्रेन को नष्ट कर देगा ये मैंने मालिका के अनुसार ही बताया था, सभी लोग कहते थे दो चार दिन में रूस खेल खत्म कर देगा पर ऐसा हुआ नहीं नौ महीने से अधिक हो गए युद्ध जारी है, हाँ परमाणु बम का प्रयोग नहीं हुआ है पर ऐसा नहीं है कि नहीं होगा जरूर होगा मैंने अक्टूबर से अप्रैल तक का समय बताया था परमाणु बम का प्रयोग शनि के कुंभ में रहते ही होना है शनि के कुंभ में रहते ही सात महीने के अंदर ऐसा होना लिखा है पर हो सकता है शनि की वक्री चाल से परमाणु हमला की घटना अभी तक नहीं हुई है पर फिर से 23 जनवरी से शनि कुंभ में जा रहा है इसी दौरान 5 – 6 महीने के अंदर होगा, इसके बाद विश्व युद्ध शुरू हो जाएगा ये विश्व युद्ध भी सात महीने तक चलेगा फिर अचानक 2024 में ही रूक जाएगा क्योंकि तब एलियन धरती पर बुध और मंगल ग्रह से हजारों की संख्या में उतरेंगे और चीन रूस के साथ मिलकर लाखों लोगों को मारेंगे, मालिका के अनुसार एलियन धरती पर आ चुके हैं पर शनि के मीन में जाने पर जब चीन के साथ मिलकर हमला करेंगे तब सभी को पता चल जाएगा और फिर से विश्वयुद्ध शुरू हो जाएगा इसलिए मैं दावे के साथ कहता हूँ 2023 या 2024 की शुरुआत में ही एलियन हमला हो जाएगा और उसी वक्त सोलर सुनामी भी आएगी । इधर चीन तो 2023 के शुरुआती दिनों में ही भारत पर हमला करेगा जिसकी शुरुआत हो चुकी है दो साल तक भारतीय सेना चीन को रोक के रखेगी पर जैसे ही शनि मीन राशि में चला जाएगा फिर चीन की सेना भारत के अंदर घुस चुकी होगी और प्राकृतिक आपदाओं को आप 2022 की तुलना में अब 2023, 24 में हर साल डबल मात्रा में मानकर चलें ।

□□□ गौतम बुद्ध के बारह तपस्या स्थली में से प्रमुख उडीसा में है बुद्ध के प्रधान दो शिष्य भल्लिक और तपसु उडीसा के ही दो व्यापारी थे ये बात हूएन सांग ने अपने भारत भ्रमण में उल्लेख किया है और बौद्ध धर्म में उडीसा से ही तंत्र वाद आया था जिससे बौद्ध धर्म दो भागों में बंट गया बज्रयान और महायान । गुजरात के पद्म संभव ने उडीसा से ही तंत्र वाद को तिब्बत में ले जा कर प्रचार प्रसार किया था । उडीया इतिहास को देखें तो पता चलता है कल्कि अवतार का जन्म स्थान संभल उडीसा में ही है और पद्मसंभव ने तिब्बत में संस्कृत में एक ग्रंथ की रचना की थी जिस ग्रंथ को तिब्बत में लोग मौत के बाद नाम से जानते हैं और ये किताब कम्युनिस्ट पार्टी का गठन करने वाले माओ के हाथ लग गया था और इस वजह से चीन ने आक्रमण कर दिया था पर जब उसे उन पाहाड़ीयों में कुछ नहीं मिला तब चीन की सेना ने अचानक युद्ध विराम की घोषणा करके पीछे हट गए थे और तब से कम्युनिस्ट पार्टी को ये विश्वास है सांगली ला घाटी अरूणाचल में है और उसे अरूणाचल में भी कुछ नहीं मिलेगा तब वो उडीसा में हमला करेगा क्योंकि उडीसा में चीन के गुप्तचर मौजूद हैं जिससे उन्हें पता चल जाएगा या लगता है पता चल चुका है मौत के बाद किताब में जिस अरागट देश का जिक्र है वो उडीसा ही है इसलिए चीन शनि के मीन राशि में आने के पहले ही उडीसा में हमला करेगा और जगन्नाथ पुरी में वायरस से अटक करेगा जिससे सभी पंडों की मौत हो जाएगी और रूस की सेना के साथ ब्रह्म पदार्थ को ले भागने की कोशिश करेंगे ।

□छाया सुतो कुंभो कू जेते बेड़े आगमो ।
सून्यो रू निर्घातो उठीबो पूर्व पश्चिमे ध्यानो ।।।

अर्थात् शनि जब कुंभ में होगा तब आकाश से जाजपुर में एक शब्द सुनाई देगा उसके बाद भारत में युद्ध का वातावरण बनने लगेगा । #ww3 #jaipur

एक साल में 2022 और 2023 को चार ग्रहण पड़ेंगे तब जान लेना समय निकट हो गया है बोऊला मगरमच्छ जो तीस फीट का होगा और चीतल मछली जो एक जहाज़ के बराबर होगा दोनों समुद्र से निकल कर विरोजा देवी का दर्शन करेंगे और वहीं पर प्राण त्याग देंगे और उनकी हड्डियों से विरोजा देवी का टूटा हुआ कपाट फिर से बनेगा और छतिया वट का कपाट महामहिम कल्कि बोऊला मगरमच्छ की हड्डी से बनवाएंगे ।

क्या ईसाईयों को पता है ईशा मसीह भगवान् जगन्नाथ जी के दर्शन करने आए थे । क्या बौद्धों को पता है छठवें दलाई लामा जगन्नाथपुरी आए थे जगन्नाथ के दर्शन करने । क्या सिखों को पता है जगन्नाथ जी के दर्शन करने गुरु नानक देव जी पुरी आए थे । चैतन्य महाप्रभु ने भी जगन्नाथ जी के दर्शन किए । नाथ संप्रदाय के गुरु गोरखनाथ जी भी पुरी आए थे । तुलसीदास जी भी जगन्नाथपुरी आए और जगन्नाथ जी में श्री राम के दर्शन किए । अद्वैती जानते हैं कि आदि शंकराचार्य ने ही जगन्नाथ जी के विग्रह को जमीन के अंदर से निकाल कर फिर से रत्न वेदी पर रखा था । सनातन परंपरा को समझो और सनातन धर्म का विरोध करना दुष्प्रचार करना छोड़ो वर्ना कहीं के नहीं रहोगे थोबी का कुत्ता घर का न घाट का ।

□ सातो दिनो अंधोकारो हेबो जे मही रे । स्वामी कंरो गला काटी देबे से रात्रि रे ।।
स्त्री सबू योत्री रूपो धारणो करीबे । पुरुषो मानोकंरो रक्तो शोषी नेबे ।।

अर्थात जब सात दिन अंधकार होगा पृथ्वी में तब पुरुषों का गला काट के उनकी ही पत्नीयां खून पीएंगी क्योंकि तब सभी स्त्रीयां प्रकृति योगमाया के प्रभाव से डायन जैसा चुड़ैल जैसा रूप में तबदील हो जाएंगी ।

□ वसु सालो रेवो बीसो अंको जे प्रमाणो, सातो दिनो अंधकारो होईबो टी पुणो ।

अर्थात वसु 8 साल में बारह महीने मतलब 12 रेवो अर्थात नक्षत्र 27 बीसो अर्थात 20 अर्थात गजपति दिव्य सिंह देव (चतुर्थ) के 67 अंक में सात दिन अंधकार होगा।

□ वीरो हनुमानो देखी अमानवीय रूपो बाहारी करीबे दुष्टों संहारो ।।

अर्थात दंगे युद्ध होंगे हिन्दू मुसलमान में दिल्ली का चांदनी चौक प्रमाण है । उसी समय वीर हनुमान बाहर निकल पड़ेंगे मनुष्य के अमानवीय रूप को देखकर और करेंगे दुष्टों का संहार । अब कोई समझेगा क्या हनुमान जी हनुमान रूप में बाहर निकल कर संहार करेंगे तो नहीं ऐसा नहीं है हनुमान जी भगवान ही हैं वो अवतार लेंगे मनुष्य रूप में कहाँ लेंगे इसके बारे में अचुतानंद लिखते हैं

□ बाईसी मौजा प्राण कृष्ण लेंका सुतो थिबो हनुमानो । गुप्तो रूपो रे जन्मो होई थिबो लोके डाकू थिबे हनुमानो ।।

अर्थात बाईस मौजा उड़ीसा में प्राण कृष्ण लेंका का पुत्र हनुमान जी होंगे और गुप्त रूप में जन्म होगा लोग उसे बुलाएंगे हनुमान लोग विनोद वश बच्चों को बंदर हनुमान आदि बच्चों के द्वारा बदमाशी करने पर कहते हैं बच्चा चुप नहीं बैठता है तो कहते हैं चुपचाप बैठ न रे बंदर ऐसे ही विनोद वश उसे लोग हनुमान ही कहेंगे पर किसी को पता नहीं चलेगा ये सचमुच का हनुमान है पूरे भारत में दंगे शुरू होने पर वो अपना प्रभाव दिखाएगा ।

□ गाड़ी छाडिबो तत्पखणो सिंधु जे छाडिबो गर्जनो ।

अर्थात जगन्नाथ जी को लेकर रेल इंजन जब पुरी स्टेशन से रवाना होगी तब समुद्र घोर गर्जना करेगा ।

□ वसु सालो रेवो बीसो अंको जे प्रमाणो, सातो दिनो अंधकारो होईबो टी पुणो ।

अर्थात वसु 8 साल में बारह महीने मतलब 12 रेवो अर्थात नक्षत्र 27 बीसो अर्थात 20 अर्थात गजपति दिव्य सिंह देव (चतुर्थ) के 67 अंक में सात दिन अंधकार होगा।

□ श्रीक्षेत्र लीला समापनो । अंधकारो हेबो सातो दिनो ।। देखीबा तोंही कल्कि रूपो । दसो अवतारो टी शेषो ।।

अर्थात इसके बाद पुरी में भगवान की लीला समाप्त अंधकार मय होगा सात दिन और तभी कल्कि रूप के दर्शन होंगे जो दशावतार में शेष अवतार है ।

□ ऐ लीला देखीबा पाई, भक्तो जे चांही रहिछोंती । टलीबो नाही जे ऐकथा निश्चे देखीबू दिने । ताकी रहीछंती भरोसा कोरी भक्तो माने ।।

अर्थात ये लीला देखने के लिए भक्त आंखें बिछाए खड़े हैं टलेगा नहीं ये लीला निश्चित ही देखोगे क्योंकि भक्त लोग भरोसा करके बाट जोह रहे हैं ।

□ आदयो मार्गशीर्ष नवमी तिथि रे खंडा बहारीबो । चामुंडा मानंको मेला लागी जिबो रक्तो धारो बहीबो ।।

अर्थात इसके बाद मार्गशीर्ष नवमी तिथि में नंद खडग नामक तलवार निकलेगा और पिशाचनी, डाकिनी, शांकिनी, आदि चामुंडाओं का मेला लग जाएगा उत्सव होगा बहेगा रक्त धार ।

कल्कि बिष्णुयशा नामद्विज काल प्रचोदितः।
उत्पत्स्यते महाबिर्यो महाबुद्धि पराक्रमः॥

सम्भुत सम्बल ग्रामे ब्राह्मणाबसथे शुभे।
मनसा तस्य सर्वाणि बाहनान्यायुधानि च॥

उपस्थास्यन्ति योधाश्च शस्त्राणि कबचानि च।
स धर्म बिजयी राजा चक्रवर्ती भविष्यति॥

स चेमं संकुलं लोकं प्रसाद मुपनेष्यति।
उत्थितो ब्राह्मणो दीप्तः क्षयान्तकृत् उदारधीः॥

संक्षेप कोहि सर्वस्य युगस्य परिवर्तकः।
स सर्वत्रगतान क्षुद्रान ब्राह्मणैः परिवारितः॥

उत्सादयिष्यति तदा सर्वम्लेच्छ गणान द्विज।
ततोश्चैरक्षयं कृत्वा द्विजेभ्यः पृथिवीमिमाम॥

वाजिमेधे महायज्ञं विधिवत् कल्पयिष्यति।
स्तापयित्वा च मर्यादा स्वयंभू बिहिता शुभाः॥

बनं पुण्ययशः कर्मा रमणीयं प्रवेक्ष्यति।
तच्छिखलमनु-वरत्तस्यंते मनुष्या लोकबासिनः॥

बिप्रश्चोरक्षये चैव कृते क्षेमः भविष्यति।
कृष्णाजिनानि शक्तिश्चः त्रिशुलान्यायुधानि च॥

स्थापयन् द्विजोशार्दूलो देशेषु विजितेषु च।
कलिकिश्चरिष्यति महीं सदा दस्युबधे रतः॥

(महाभारत बनपर्व अ.161)

भावार्थ:- समय के कालचक्र में सर्व शक्तिमान श्रेष्ठ प्रज्ञाशाली और दुःसाहसिक अबतार कल्कि ब्राह्मणों का निवास स्थान "संबल" नाम की एक प्राचीन गांव में एक नैष्ठिक बिष्णु यश गान करने वाले ब्राह्मण के पुत्र के रूप में आविर्भाव होंगे। वह महा पराक्रमी, धर्म बिजयी चक्रवर्ती सम्राट होंगे और उनके इच्छा से बाहन, शस्त्र, कबच, खड्ग और सैन्य सहज रूप से आएंगे। वह खत्म होने वाले कलियुग के धारा को परिवर्तित कर के पृथ्वी में शांति का स्थापना करेंगे। वह अत्यंत दूरदर्शी होंगे और ब्रह्मज्ञानीओं को साथ लेकर सर्वत्र घुमेंगे। समाज के ध्वंसकारी और अपकारी उपादान को बिनाश और क्षुद्र मनोभाव पूर्ण, अधर्मी लोगों को बिनाश करेंगे। दुष्टों को बिनाश करके आडंबर के साथ ब्राह्मणों को दायित्व सौंप कर भारत की अक्षय कीर्ति रख जाएंगे। ऐश्वरिक लक्ष सिद्धि के बाद और प्रेम का प्रसार करके एक आनंद दायक वन में निर्जन जीवन यापन करेंगे। समग्र मानव समाज उनका पदानुसरण करेंगे और मानव समाज में निर्भयता और उन्नति राज करेंगे। ब्राह्मणों में श्रेष्ठ कल्कि अवतार कृष्ण मृग चर्म, त्रीशुल और अन्यान्य अस्त्रों और शस्त्र से विभूषित हो कर बिजयता पूर्वक सत्य और धर्म का स्थापना करेंगे। ब्राह्मणों के द्वारा प्रशंसित हो कर नास्तिक लोगों को बिनाश करके संसार में चमक लाएंगे।

□म्लेच्छ संहार करीबे प्रभू पितवास,
एहि बेले कलियुग होईब जे शेष।

□द्वापरे ऋषिया मागिथिला एहि बर,
छेरा पंरा देबई ए कलि युग र।

□कलिये दारू होइण थिबी मुहीं जाण,
नील गिरि उपरे थिबी मुंही पुण।

□तुहि आसी मोते पुण घेनी करि जिबु,
सात दिन छतिया रे नेई रखाईबू।

□सेथीपाइ रामचंद्र नेब जे ऋषिया,
केही नजाणिबे तांक कुटनीति माया।

□(परे) छेरा पंरा करिबटि ऋषिया टि जाण,
सात दिन सात राति श्रीक्षेत्र (पूरी) प्रमाण।

□सेहिठारे ऋषिया जे मोक्ष होइजिब,
जगन्नाथ चरणे शरण पसिब।

□केते केते भक्त माने होइबेटि मेल,
वैज्ञानिक यंत्र मान होइब अचल।

□कहिलि बुझाइ राम हेतु तुहि कर,
पद्मकल्पे कहे आरक्षित जे पामर।

आरक्षित दास जी रामचन्द्र जी को अपने पद्मकल्प किताब में कहते हैं कि, आगे ऐसा समय आएगा, जब प्रभु पितबास म्लेच्छ संहार कर रहे होंगे, तब कलियुग का अंत हो रहा होगा। ऋषिया द्वापर युग में बरदान मांगा था कि इस कलियुग के अंत में समय में ऋषिया महाप्रभु जी का सेवा करेगा। महाप्रभु जी बोले कि कलियुग में हम दारुब्रम्ह रूप में नीलगिरी (श्रीक्षेत्र) में होंगे, तब तुम आ कर हमें ले जाना, और छतिया में ले कर सात दिन रख कर सेवा करना। वही सात दिन के लिए छतिया श्री क्षेत्र बन जाएगा। उसी सात दिन सात रात में ही प्रभु जी के बरदान के मुताबिक मोक्ष प्राप्त हो जाएगा और महाप्रभु जगन्नाथ जी के चरणों में शरण जाएगा। उस समय बहुत भक्तों का मिलन होगा और वैज्ञानिक यंत्र सभी अचल हो जाएगा।

महापुरुष अच्युतानंद दास जी के द्वारा लिखे ग्रन्थ में कलियुग अंत और सतयुग आरम्भ एवम् सतयुग धर्म संस्थापना भविष्य मलिका अनुसार भूतकाल की घटनाएँ :

- ❑ क्रिकेट आना।
- ❑ लडक्यों का लडको की तरह कपड़े पहनना।
- ❑ बेतार यंत्र से अश्लील दृश्य देखना। लेखायंत्र (कम्प्यूटर) आना।
- ❑ 1999 में उड़ीसा में महातुफान आना। गुजरात में भूकंप आना।
- ❑ 2004 में सुनामी आना।
- ❑ बेमौसम बारिश आसमानी बिजली का तेज हो जाना।
- ❑ मंदिरों में चोरी होना।
- ❑ माता-पिता का वृद्धा आश्रम में रहना तथा पुत्र के दूआरा प्रताड़ित होना।
- ❑ अधिकांश लोगों का घर जमाई बनना।
- ❑ बे मौसम आम के फल मिलना।
- ❑ फल के अंदर फल होना।
- ❑ जगन्नाथ मंदिर से बार-बार धर्म ध्वजा गिरना तथा पत्थर गिरना।
- ❑ नीलचक्र में गिद्ध बैठना।
- ❑ बेमौसम कोयल का कूक सुनाई देना।
- ❑ गर्मी के दिनों बाढ़ आना।
- ❑ मंदिर के मूर्तियों के आंसू बहना।
- ❑ गौ हत्या भ्रूण हत्या बलात्कार आदि बढ़ना।
- ❑ उड़ीसा के 6 जिले बाढ़ में डूबना।
- ❑ फेलिन हुदहुद फिर फनी तूफान से जगन्नाथ मंदिर का कल्प वृक्ष टूटना।
- ❑ तूफान से नीलचक्र का वक्री होना।
- ❑ जगन्नाथ मंदिर का शंख टूटना।
- ❑ पंडों के बीच झगड़े से रत्न वेदी पर रक्त गिरना।
- ❑ जगन्नाथपुरी में दंगे आगजनी होना।
- ❑ देश की सीमाओं पर तनाव बढ़ना।
- ❑ तारे कम दिखाई देना।
- ❑ धुंध का बढ़ना।
- ❑ केदारनाथ में प्रलय आना।
- ❑ जापान में सुनामी आना।
- ❑ जंगलों में आग लगना, बार-बार भूकंप आना।
- ❑ अनजान बीमारी आना।
- ❑ 2022 में दंगे फसाद।
- ❑ वगैरह-वगैरह।

वर्तमान तथा भविष्य में घटने वाली घटनाएँ :

- ❑ 2023 में सूखा अकाल तथा उड़ीसा में भयानक बाढ़ आना जगन्नाथ जी का छतिया वट आना।
- ❑ चीन का हमला होना तथा तेरह मुस्लिम देशों के साथ भारत पर हमला करना।
- ❑ रूस के द्वारा जगन्नाथ जी को ले भागने की कोशिश करना। फिर से सुनामी होना और जगन्नाथ मंदिर डूबना कुछ साल जगन्नाथ जी का अदृश्य होना।
- ❑ छिपकलीयों का आकार बढ़ना।
- ❑ गाय बंदर आदि का इन्सान की तरह बोलना।
- ❑ पत्थर की मूर्तियों का बात करना। भूत प्रेतों का निकलना।
- ❑ देवी विरजा का गर्जना सुनाई पडना।
- ❑ सात दिन अंधेरा होना।
- ❑ भारी वर्षा वारी होना।
- ❑ चीन की सेना का संहार होना।
- ❑ कल्कि का दिल्ली सिंहासन पर बैठना।
- ❑ कल्कि का मक्का मदीना पर आक्रमण करना तथा मक्केश्वर महादेव पर सफेद तुलसी तथा गंगाजल चढ़ाना।
- ❑ मक्का में महादेव की गर्जना सुनाई देना।

- अमेरिका का बाढ़ में डूब जाना चीन में परमाणु धमाका होना।
 - दक्षिणेश्वर काली मंदिर में आग लगना तथा कोलकाता में बमबारी होना।
 - पंजाब हरियाणा में पाकिस्तान का हमला तथा युद्ध होना।
 - गुजरात दिल्ली तथा हिमालय में भयंकर भूकंप आना वगैरह-वगैरह।
- सभी घटनाएँ सात साल के अंदर घटनी हैं।

- जुग सेष कु अच्छी खेल,
आदि गो जतने संभाल।
- खेल होइब ढेंकानाल,
अनंत महिमा मंडल।
- असीबे तीनी पुर लोक,
सुर असुर नाग लोक।
- बेधहिबे अबनी मंडल,
खेल करीब भक्त मेल।
- प्रवेश अष्ट जे चंडिका,
देखिबे धर्म र परिख्या।
- मेल्ल अथम दुराचार,
पड़ीबे केतु र खपर।
- साधु निर्दित प्राणी,
बिराजा भाखीबेटी पुनी।
- मातृ हरण लोक जेते,
कालिख भखी अनुमिते।
- भक्त बिर्ज्य र जेते प्राणी,
हिंगुला ताणी नेबे पुनी।
- बाल गर्भिणी सिसु बद्ध,
सराडा करीब ए बद्ध।
- भेक न मानी मूढ़ पण,
मंगला भाखीबे जताने।
- गुप्ता देखिबुति रही,
मो भक्त गण थिबे रही।
- से पूरे प्रभाष होइबू,
अनंत रहास देखिबू।
- जे जानिए आदि मध्य अंत,
एक रहिबे सही भक्त।

भावार्थ:- संत कवि भीम भोई के द्वारा मलिका में वर्णित- आदि माता को अनादि भगवान ने कहा है कि युग के अंत में एक बहुत ही भयानक खेल होगा और सभी को ध्यान और संभाल के रहना होगा। ढेंकानाल के अनंत महिमा मंडल में बहुत खेल होगा। सूर असुर नाग लोक से आकर घेर लेंगे। भक्त लोग लीला करेंगे। उस समय अष्ट चंडी के द्वारा सभी के परीक्षा ली जाएगी। म्लेच्छ अथम दुराचार लोग केतु के खपर में पड़ेंगे। जो लोग संतों का अपमान करते हैं वे बिरजा के मुख में पड़ जाएंगे। मातृ हत्यारे को मां काली खा जाएगी। भक्ति के अंश में जन्म लेने वाले पापी को हिंगुला माता द्वारा चुना और खाया जाएगा। अवज्ञा करने वाला हर कोई बिमला के जाल में पड़ जाएगा। जो भी दान की गई वस्तु को जब्त करेगा उसे मां माहेश्वरी खाएगी। मां शारदा गभवती और बच्चे के हत्यारे को खाएगी। जो कोई भी अपनी बेस भूषा और मर्यादा में नहीं रहेगा वह मंगला के जाल में फंस जाएगा। लेकिन मेरे भक्त जहां कहीं भी होंगे, मैं प्रवेश करूंगा और अनंत रास देखूंगा। आद्य, मध्य, अंत के सभी नियमों का पालन करने वाले भक्त ही जीवित रहेंगे।

- चण्डी मानंक नाम कहिबि हे राम,
भय तु नकर राम शुण देइ मन।
- हर चण्डी, नर चण्डी, दक्षिण चण्डी जाण,
उग्र चण्डी, कटक चण्डी एहि जे प्रमाण।
- एमाने बहुत दिनु छन्ति उपबास,
खाइबे बोलि कलिये एहु नरमांस।
- नरमांस देबे बोलि तांकु नारायण,
द्वापर युग रु रखिअछइ प्रमाण।
- चारिआडे हाहाकार शुभुण जे थिब,
मला मला डाक खालि पृथ्वी रे शुभिब।
- ओडिशा रे बड बंध तिआरि जे थिब,
सेइबेले शत्रु द्वारा भांगिण जे जिब।

- हीराकुद बोलि बंध र जे नाम थिब,
बंध बाड भांगि सबु एक जे होइब।
- बैज्ञानिक यन्त्र मान अचल होइब,
हरिन्कर चक्र खालि घुरुण जे थिब।
- ऋषिआ, जर्मनी, ब्रिटिश सबु राज्य,
भक्त बोलि रक्षा पाइ चलाइबे राज्य।
- भारत जे भगवान नकर जन्मस्थान,
अनिष्ट घटिले पुणि नुआ हेबे जन्म।
- पाकिस्तान राज्य गोटा छारखार हेब,
पछ बेलकु पुणि बुद्धि जे स्फुरिब।

भावार्थ: भक्त नंबर वन- आरक्षित दास जी रामचन्द्र जी को कह रहे हैं कि चण्डिओं का नाम बोल रहा हूँ ध्यान से सुनो। हर चण्डी, नर चण्डी, दक्षिण चण्डी, उग्र चण्डी और कटक चण्डी ऐसे पांच चण्डी प्रभु के धर्म संस्थापना में लगे हैं। ये चण्डियां बहुत दिनों से उपवास में हैं कि इनको जब नर मांस मिलेगा ये लोग अपनी उदर भरेंगे। नारायण इन लोगों को नर मांस देने का वादा किया था द्वापर युग से। चारों तरफ हाहाकार मचा होगा, मरगया मरगया बोलके आवाज विश्व में चारों तरफ गुंजेगा। ओडिशा में एक बड़ा बांध हीराकुद नाम से बना होगा, जो कि शत्रु द्वारा अंतिम समय में टूटेगा। ये हीराकुद बांध जब टूटेगा, तब चारो तरफ जलमग्न हो कर एकाकार दिखेगा। बैज्ञानिक यन्त्र सभी काम नहीं करेगा, अचल हो जाएगा। केवल शुन्य में हरि का शुदर्सन चक्र ही घुमता रहेगा। ऋषिआ जर्मनी ब्रिटिश सभी राष्ट्र में भक्तों को छोड़कर बाकी सभी मरेंगे। वही भक्त देश चलाएंगे। लेकिन भारत जो कि भगवान का जन्म स्थान है, यहां जो भी नुकसान होता है, फिर से जन्म लेते हैं और भरपाई हो जाता है। पाकिस्तान राज्य पुरा मिट्टी में मिल जाएगा, जब उनको बुद्धि आएगा तब तक कुछ भी बचा नहीं होगा।

- सारला आज्ञा रे मंगला मंडोले निवासो करू थिबो जाई ।
मोहोरी आज्ञा रे ज्ञानो बांटू थिबो कोहू थिबो भावो ग्राही ।।

अर्थात् सारला देवी की आज्ञा से मंगला देवी के क्षेत्र में निवास कर रहा होगा और मेरी (अच्युतानंद की) आज्ञा से ज्ञान बांट रहा होगा बोल रहे होंगे भाव ग्राही मतलब ईश्वर ।

- ब्रह्मा कं अंगो रू जातो होई से तो अंगिरा नामो बोही ।
रूद्र कमंडले मध्ये रही थिबा मृत्यु संजीवनी पी ।।

अर्थात् जिसके विषय में कहा जा रहा है वो ब्रह्मा जी के अंश से पैदा हुआ है जिसका नाम अंगिरा है उसने रूद्र कमंडल के मध्य में स्थित मृत संजीवनी को पीया है ।

- सत्ययुगे अंगिरा ऋषि त्रेता रे अष्ट वक्र ।
द्वापर युगो रे संदिपनी मुनि कृष्ण कू देबे से चक्र ।

अर्थात् सत्ययुग में वही अंगिरा ऋषि थे। त्रेता में अष्टावक्र । द्वापर में वही संदिपनी मुनि कृष्ण को देगा चक्र ।

अब कोई कहेगा चक्र परशुरामजी ने कृष्ण को दिया था पर ये जान लेना चाहिए कि हर द्वापर में युगावतार कृष्ण आते रहते हैं पुराणों में एक ही अवतार के बारे में भिन्न-भिन्न बातें सुनने को मिलती हैं और पुराणों से ये पता करना कौन सी बात किस समय के अवतार की है ये समझना साधारण इन्सान के वश की बात नहीं है जैसे जीव अनन्त जन्म में अनन्त कर्म कर चुका है और वर्तमान में अनन्त कर्मों में से कौन कौन से कर्म को चुन कर ईश्वर ने हमें वर्तमान समय में फल दिया है ये जानना ईश्वर के सिवा किसी के वश की बात नहीं है ऐसे ही अठारह पुराण ब्रह्मा जी के एक दिन (कल्प) के घटनाओं का लेखा-जोखा है इसलिए किस द्वापर के किस कृष्ण को संदिपनी ने चक्र दिया था और किस द्वापर के किस कृष्ण को परशुरामजी ने चक्र दिया था ये महापुरुष ही जान सकता है ।

- कड़ी अंते से तो त्रेता रो रूपो नेई । लीला करू थिबो ये मही मंडले जाणी न पारीबे केही।

अर्थात् कलयुग के अंत में भी वही ऋषि त्रेतायुग के जैसा रूप लेकर रहेगा मतलब अष्टावक्र की तरह विकलांग (दिव्यांग) होगा ।

- प्राची नदी तीरे उलटो पुरू रे बांको दासो जे ब्राह्मणो ।
जा नामो सुणीले संजीवनी पुरे भयो करू थाऐ यमो।।

अर्थात् प्राची नदी के किनारे उलट पुर नामक गाँव में बांको दास नाम से जो ब्राह्मण होगा वही वो सत्ययुग का अंगिरा ऋषि है उडिया में बांको लोग विकलांग व्यक्ति को कहते हैं।

वो बांको दास ब्राह्मण और कोई नहीं यही सुरेश महापात्र है जिसने 25 देशों का भ्रमण भी किया है शादी नहीं की है इसने । इनका कहना है मालिका के अनुसार भले ही मैं वही व्यक्ति हूँ पर मैं ये स्वीकार नहीं कर सकता कि मैं वही हूँ और कैमरे के आगे गुप्त बात भी नहीं बता सकता बस इतना बता सकता हूँ कि जो 2030 के अंदर उस संजीवनी कलश को ढूँढ़ कर निकाल देगा वही वो ऋषि होगा । वो कलश उड़ीसा के ही एक गुप्त नदी के किनारे है जहाँ जनक की सभा में शास्त्रार्थ में हारने पर लोगों को जल समाधि लेना पड़ता था। सुरेश महापात्र ने कहा मैं निर्धारित समय नहीं बता सकता पर 2030 के अंदर ही ऐसा होगा।

मालिका मे कुछ ऐसी जानकारी है जो भविष्य पुराण मे नहीं है ।
 जैसे चाणक्य का क्या हुआ उनका वंश का क्या हुआ वगैरह-वगैरह ।
 और वर्तमान समय की घटनाओ को भी विस्तार से लिखा गया है ।
 पर घटनाओ को थोडा आगे पीछे किया गया है ।
 ऐसा इसलिए किया गया ताकि लोग अनुभव भी कर सकें।
 कुछ घटनाओ को ब्रिटिश काल मे जोड दिया गया है जो ब्रिटिश काल मे घटित नहीं हुई ।
 कुछ वर्तमान की घटनाओ को ब्रिटिश काल मे जोड दिया गया है।
 इसे समझने के लिए नजर बनाए रखना पडता है कौन सी घटना घटी कौन सी बाकि है।
 अचुतानंद दास ने भी कई बार जन्म लेकर मालिका का और अधिक विस्तार किया है ।
 इसलिए लोग कहते है कि मालिका कई लोगो ने लिखा है पर ये अचुतानंद ने ही कई बार जन्म लेकर भिन्न-भिन्न नामो से मालिका लिखी है ।
 अचुतानंद का तेरह जन्म हो चुका है चौदहवें जन्म मे कल्कि अवतार के साथ साथ होंगे ।
 और लीला करेंगे।

1990 से साधारण जनता के लिए मालिका को पेश किया गया ।
 क्योंकि तब जगन्नाथ मंदिर से एक पत्थर गिरा जो मालिका मे लिखा था ।
 इस घटना के पहले यदि मालिका का प्रचार-प्रसार किया जाता तो लोग इसे गंभीरता से लेने के बजाय मजाक उडाते ।
 और संत और उनकी वाणी का मजाक उडाने के कारण लोगो का पुन्य नष्ट होता ।
 इसलिए संतो के पास ही ये गुप्त रूप से था।
 मालिका एक रहस्यमय ग्रंथ है इसमे कलयुग का अंत जितना नजदीक होता चला जाएगा उतना ही घटने वाली घटनाओ का समय भी पता लगने लगेगा।
 और एक दिन ऐसा आएगा जब मनुष्य को किसी भी घटना का पता एक दिन पहले चलेगा ।
 इसका कारण यही है कि दुष्ट लोग इसका फायदा न उठा सकें ।
 अन्यथा कृष मूवी तो सब ने देखा है एक दुष्ट को भविष्य पता चलने पर वो क्या कर सकता है।
 भविष्य पुराण मे भी उन्ही राजाओ का उल्लेख है जो धर्म के रास्ते पर चलते थे ।
 कई राजाओ का उल्लेख नहीं है ।
 क्योंकि कलयुग मे सभी को पता है राजतंत्र मे भी प्रजा पर बहुत अत्याचार होता था।
 और भविष्य पुराण के कुछ राजा तो वर्तमान कलयुग मे हुए ही थे ।
 क्योंकि भविष्य पुराण एक हजार कलयुग के घटनाओ का लेखा जोखा है ।
 और भागवत के अनुसार तो वेदो के पहले ब्रह्मा जी को पुराणो का स्मरण कराया गया।
 भागवत धर्म जो कैतव रहित है धर्म अर्थ काम मोक्ष से परे है ऐसे धर्म पर चलने वालो के लिए भागवत , रामचरित मानस , और मालिका ग्रंथ है ।
 ऐसे लोगो के लिए नहीं है जो वेदो का हवाला देकर स्मृत वाणी पुराण आदि का मजाक उडाते हैं।
 मालिका वर्तमान समय के लोगो के लिए मृत संजीवनी है।
 पर विडंबना ये है कि मालिका ग्रंथ उड़िया भाषा मे ही है । हिंदी मे नहीं है ।
 क्योंकि अचुतानंद बहुत चतुर थे ।
 वो जानते थे दिल्ली के नेता मालिका का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे ।
 जैसे नास्तेदमस की भविष्यवाणीयों का सहारा लेकर एक नेता को महापुरुष बनाने की कोशिश की जाती है ।
 ताकि ईश्वर भक्ति करने वाले भी भावनाओ मे बह कर उसे वोट दे दें ।
 ये बात अचुतानंद को पता थी ।
 इसलिए उन्होने इसे उड़िया भाषा मे ही लिखा और छिपाकर रखने के लिए कहा ।
 और समय पर प्रकट करने लिए निर्देश दिया था।
 वर्तमान समय के नेता सभी चोर है पाखंडी हैं ।
 मालिका मे सिर्फ तीन ही नेताओ का उल्लेख है जो देश लिए कुछ करना चाहते थे ।
 बीजू पटनायक इंदिरा गांधी और श्री अटल बिहारी वाजपेयी ।
 बाकि सब देश का बंटाधार करेंगे ।
 या शायद कर भी चुके हैं ।
 जो अब कल्कि अवतार के सिवा कोई इस विषम परिस्थिति से देश को बाहर नहीं निकाल सकता ।
 अब स्थिति गंभीर होती चली जाएगी ।

जय श्री जगन्नाथ □□
 जय श्री माधव □□
 राधे राधे राधे राधे □□□

□नुआ पातना र ध्वजा उड़ीबती जान,
 निकट बेलकू हेजी रखी था मन।(7)

अर्थात:
 नुआ पाटना (भुवनेश्वर का पुरातन नाम) में जब प्रभु
 ध्वजा उड़ाएंगे, कली युग का अंत निकट होगा।(7)

□कल्कि अवतार हेई तिबे जे गुप्त रे,
चेतुआ भक्त लुची करी थीबे,
बलदेव खंडगिरि थारे रडी देबे। (11)

अर्थात:

कल्कि अवतार गुप्त में होगा, भक्त भी गुप्त में रहेंगे,
प्रभु बलदेव खंडगिरि पर युद्ध का ऐलान करेंगे। (99)

□कलंकी सेन कु सम्हरी हरी,
बिकिय हैबे प्रभु खंडगिरि। (9)

अर्थात:

कली असुर को प्रभु खंडगिरि पर संहार करेंगे। (9)

- कली कल्प गीता (7, 11, 9), महापुरुष अच्युता नन्द
दास

□हेतु दिया पांचो नित्य पंच सखा दूई सौ छप्पन आऊ ।
अड़ासूडी ठारे अखित दासो सर्व परे श्रेष्ठ होऊ ॥

अर्थात अच्युतानंद दास कह रहे हैं पंच सखा और 256 भक्तों के अलाव मालिका मे वर्णित घटनाएँ कब घटेगी ये कोई नहीं जानता।

□ खंडगिरि र गुप्त स्थान, जे जाने पादुका आश्रम।
रत्न पादुका अच्छी तही, उधव नेब पद ध्याई।(4)

अर्थात खंडगिरि के गुप्त स्थान पर प्रभु जी के आश्रम होगा। वहां पे प्रभु जी का चरण पादुका होगा, उस लेने उद्धव आयेंगे।

□पवित्र कुला र जन्म होइबी नाम हेब निराकार,
ए काले भक्त नकू कल्प बांटी देवी खंडगिरि रे बिस्तर।

□पादुका आश्रम सप्त दिन ब्यापी होइब नित्य राहास,
जड़ प्रतिमा जे बचन भासिबे अच्युत बचन घोष।(7)

अर्थात प्रभु निराकार पवित्र कूल में जन्म होंगे,
खंडगिरि में प्रभु कला/शक्ति बांटेंगे।

प्रभु जी के खंडगिरि आश्रम में सात दिन नित्य रास
होगा, प्रभु भक्तों को धर्म का मार्ग बताएंगे।

- शिव कल्प निर्घट(4, 7), , महापुरुष अच्युता नन्द
दास

□मेष कु बृष संगते मिलाइबु मिथुन रे प्रकाशिण।
सप्तर्षि मण्डल दक्षिण रे लेख न कह मोहर गुण॥
मीन शनि गुरु बार रे पडिथिब एहि अंक जाण धृब।
मिथुन मास रे तेर दिन पक्षे काल धरणी ग्रासिब॥

भाबार्थ: मेष=1, बृष=2, मिथुन=3

1+2+3=6

दक्षिण में सप्तर्षि मण्डल मतलब 7

संख्या हुआ=67

दिब्यसिंह देव और बाल मुकुंद जी का अंक चलेगा, साल मसीहा गुप्त होगा। 67 अंक दिव्य सिंह देव जी का अंक सूचित कर रहा है।

67 अंक = 2025 में जब मीन शनि गुरु बार होगा, आषाढ़ महिने में 13दिन वाले पक्ष में धरती पर बहुत बड़ा काल/आपदा आने वाला है।

□मीनो वृष्टि हेबे मिथुन मासो रे महि हेबो जोरा ग्रस्तो । बींसो बेनी अंको समीरो संयोगो वासुकि जे अस्तो वयस्तो॥

अर्थात मछलीयों की बारिश होगी आषाढ महीने में तब पृथ्वी वृद्धावस्था की तरह जरा ग्रस्त होगी अर्थात फसल हानि बृक्षों में फल न आना आदि होगा। बीस में दो अंक जोड़कर समीर को संयोग करने पर जो समय निकलेगा तब वासुकि अस्त व्यस्त होगा अर्थात भूकंप आदि होंगे।

□स्वर्णरेखा ठारूं जे ऋषिकुल्या जाए संबलपुरो ठारूं जे पारादीप जाए। मीनो वृष्टि करीबे से सीमा कू आबोरी प्रजा समस्त पाई धर्म कू आबोरी।

अर्थात स्वर्णरेखा नदी से लेकर ऋषिकुल्या नदी के किनारे और संबलपुर से लेकर पारादीप तक मछलीयों की बारिश होगी तब प्रजा डर के मारे धर्म की शरण लेगी। मान्यता है कि मछलीयों की बारिश शुभ संकेत नहीं होती अमेरिका महाराष्ट्र आदि में मछलीयों की बारिश हुई थी आज कोरोना से इन जगह पर आफत आई हुई है।

□स्वर्ण कलश सर्व पींढा रे बसीबो ।
जय ध्वनि सबू मंचो मंडले सुभीबो।।

अर्थात इस तरह की परिस्थिति से भयभीत हो कर जनता कलश स्थापित करके पूजा पाठ करेंगे हर मंच हर जगह से जयकारा सुनाई देगी ।

□वैशाखे कुहड़ी माड़ी आसीबो माड़ी ।
जेष्ठो रे मानवो घरो जे छाड़ी ।।

अर्थात वैशाख महीने में कुहासे से ढंकी रहेगी धरती जेष्ठ महीने में मनुष्य घर छोड़ेंगे ।

□आषाढो रे घरो पोढ़ी होईबो ।
श्रावणो रे जोड़ो नि अंतो भावो।।

अर्थात आषाढ महीने में घरों में आग लगेगी वर्षा नहीं होगी श्रावण में भी जल नहीं बरसेगा ।

□दिल्ली कू जीबे जेबे चासी कूड़ो ।।
निश्चये जाणीबू आसीला बेड़ो ।।

अर्थात किसान जब दिल्ली की ओर जाएंगे समझ लेना ऐसा दिन आना नजदीक है।

□बीसो अंको ठारूं उड़ीसा देशो रे होईबो फसल हानि ।
दिनो कू दिनो होईबो मोहरोगो कषोणो भोगीबे प्राणी ।।

2020 से उड़ीसा देश में जलवायु परिवर्तन के कारण फसल हानि होगी मंहगाई बढ़ेगी जनता त्रस्त होगी।

□इक्कीसो अंको रे जहा घटीबो सुणो विनोता नंदनो।
पश्चिमो देशो रे शिशिरो मासो रे भूमीकंपो हेबो जाणो।।

अर्थात 2021 के अंत समय में पश्चिम के देशों में भूकंप होगा।

□हेबो अतिशय घोर व्याधि भयो के काहारो घरो न जिबे।
श्मशान मानो घरो जे होईबो पड़ी थिबो ठाबे ठाबे ।।

अर्थात अनजान बिमारी के भय से लोग एक दूसरे के घर नहीं जाएंगे लाशें श्मशान में भर जाएंगी ऐसा 2020 में थोड़ा-बहुत देखने को मिला।

□दिबोसो रे तारा दिसीबो आसीबो मीनो शनि भोगो।
बाडी रोगो रे अनेक मरीबे कहई दीनो अचुतो।।

अर्थात शनि मीन में आने पर दिन में तारे दिखाई देंगे और विचित्र रोगों से लोग मरेंगे ।

□खीर धारा बही जाउची स्थान अमरावती,
खंडगिरि स्थान गुपते सिद्ध साधु अचंटी।

अर्थात अमरावती(जाजपुर) में खीर नदी(बैतरणी नदी) बहे रहा है। खंडगिरि पर गुप्त में सिद्ध साधु रहेंगे।

□गुंफा रे भजना लगीची दीबा रात्र निकर,
गुप्ता खेला है खेलीबे प्रभु सेही ठाबर।

अर्थात गुफा के अंदर गुप्त में दिन रात भजन चलता है, वहीं स्थान में प्रभु गुप्त खेल खेलेंगे।

□ घटना प्रतिमा पुरुष लिंगराज नका पूरा,
सेशा कली महाभारत हब सेही ठाबर।

अर्थात् घटना प्रतिमा पुरुष (महाप्रभु कल्कि जो कि सारे घटनाओं के केंद्र है) लिंगराज के क्षेत्र (भुवनेश्वर में लिंगराज मंदिर है) में रहेंगे। बाकी का कली महाभारत उसी जगह पर होगा।

□ झारखंड गिरी गुंफ रे प्रभु न्कर से ठाब,
झलामाला ज्योति बाह रे लीला चाहत हेब।

अर्थात् झारखंड गिरी (खंडगिरि का अन्य नाम) पर प्रभु भक्तों को मिलेंगे, उसके बाद भक्तों के साथ प्रभु के लीला प्रकाश की तरह फैलेगा।

□ नारायण स्वयं अतांती नर देह र गोप्प,
लीला बेलकु से होंइबे निन्न धबल रूप।

अर्थात् स्वयं नारायण नर देह धारण करके गुप्त में रहेंगे, जब लीला प्रकाश होगा नीला और सफेद रंग हो जाएंगे। कल्कि अब्दार के शरीर पर कृष्ण और बलराम दोनों रहेंगे, इसीलिए नीला और सफेद रंग कहा गया है।)

– आगत भविष्य मालिका(1), महापुरुष हाड़ी दस (अच्युतानंद जी के 12वा जन्म) #kalki

□ सप्तो वर्षे सप्तो देशो जाई फूलो लो। भ्रमणो करीबे से पीतोवासो जाई फूलो लो ।। दुष्टो नाशी संतो पाली सनातन धर्म प्रचार करी जाई फूलो लो। शेषे अंतरध्यानो हेबे हरि जाई फूलो लो ।।

अर्थात् सात वर्ष में सात देशों का भ्रमण करेंगे कल्कि। दुष्टों का विनाश कर संतों की रक्षा कर सनातन धर्म का प्रचार करेंगे और अंत में अंतर्ध्यान हो जाएंगे हरि।

□ केवलो सनातन धर्म कू स्थापिबे से नारायणो जाई फूलो लो। आऊ सबू धर्म हेबो लीनो जाई फूलो लो ।।

अर्थात् केवल सनातन धर्म की स्थापना करके बाकी सभी धर्मों को सनातन धर्म में लीन कर देंगे श्री हरि।

मालिका के अनुसार खंडगिरि में महाप्रभु कल्कि राम की लीला

पवित्र भविष्य मालिका के अनुसार, महाप्रभु कल्किराम श्री श्री सत्य अनंत माधव गुप्त खंडगिरि में बास करेंगे और वहीं से अपना सारा लीला खेला का परीप्रकाश करेंगे।

मालिका में महापुरुष अच्युतानंद ने गुप्त खंडगिरि का स्थान कई तरीके से निरूपण किए हैं, जिसको पढ़ के भक्तों के मन से सारे संदेह दूर होगा। मालिका में खंडगिरि को विभिन्न नाम से नामित किया गया है तथा: सिद्ध गिरी, सुबर्न कूट गिरी, स्वर्ण गिरी, बारा भुजा देवी स्थान, झड़खंड गिरी, झाड़खंड इत्यादि।

और भुबंनेस्वर को भी एकाम्र बन, एकाम्र कानन, लिंगराज खेत्र, चक्र तीर्थ, नुआ ग्राम, नुआ पाटना आदि नाम से नामित किया गया है।

भक्तों के द्वंद को मिटाने के लिए महापुरुष अच्युतानंद जी ने आपने भविष्य मालिका में खंडगिरि, भुवनेश्वर के आस पास का कुछ स्थान चिन्ह / सीमा चिन्ह निरूपण किए हैं जैसे कि बारा भुजा दुर्गा मंदिर, लिंगराज मंदिर, केदार गौरी मंदिर, उदय गिरी, अनंत गुफा, अरखीत दास के तप स्थली, बिंदु सागर।

इन सब का मालिका बर्णन और कुछ आगत भविष्य लीलाओं का वर्णन इसमें अनुवाद के सहित उपस्तपना किया गया है।

□ कला धला अस्वा उपरे प्रभु हेबे बाहर, भुवनेश्वर रे रहिबे प्रभु रंगा अधर। खंडगिरि सिद्ध स्थान रे जेते अचंती ऋषि, शाकाल बाहर होइबे प्रभु नाम कु घोषी।

– आगत भविष्य मालिका(1), महापुरुष अच्युतानंद दास

अर्थात् काला और सफेद घोड़े पे प्रभु निकलेंगे, भुवनेश्वर में प्रभु रंगा अधर रहेंगे। खंडगिरि जैसे सिद्ध स्थान (खंडगिरि का अन्य नाम सिद्ध गिरी भी है) पर ऋषि मुनियों का वास है, सब ऋषियां प्रभु के नाम गाएंगे।

□ शुण हे बारंग कहिबा से रंग प्रभु अबतार स्थान।

श्री बिरजा क्षेत्रे जनम लभिबे अनन्त मिश्र गृहेण।

अर्थात् अनन्त दास जी अपने शिष्य बारंग को कल्कि अवतार का स्थान बताते हुए कहते हैं कि महाप्रभु बिरजा क्षेत्र जाजपुर में अनन्त मिश्र जी के घर में जन्म लेंगे।

□जनम लभिबे गृह कु तेजिबे तपस्या करिबे जाइ।
खण्डगिरि स्थान सिद्ध न्क सदन रहिबे से भाबग्राही।

अर्थात् बाद में गृह को छोड़कर, खण्डगिरि, जो कि एक सिद्ध स्थान है, वहां पर जाकर तपस्या करेंगे।

□आकाशो रे सुदर्शनो चक्र ही बूलीबो ।
संसारो मध्य रे पड़ी दुष्टो कू नाशीबो ।।

अर्थात् आकाश में सुदर्शन चक्र ऐसे ही घुम रहा होगा जैसे महाभारत युद्ध में सुदर्शन चक्र अदृश्य हो कर घुम रहा था । संसार के मध्य में रहकर सुदर्शन दुष्टों का विनाश करेगा।

□श्री चरणो थूई बारे सत्य ऐबे करो ।
केबे न कहीबो मूर्खो जनो रो पाखोरो।।

अर्थात् श्री चरणों को छू कर शपथ करो मूर्खों के आगे ये बात मत कहना क्योंकि

□ कड़ी युगो लोको बडो आंटूआ। कहीबे ऐ सबू गंजई खिया।।

अर्थात् कलयुग के लोग बड़े जिद्दी हैं कहेंगे ये सब गांजा पीकर लिखे हैं।

□ मधुमासो शुक्रदशमी गुरुवारो । से दिनो भक्तोंकरो भेटो हेबे दामोदरो।।

अर्थात् मधुमास (चैत्र मास) शुक्ल पक्ष दशमी तिथि गुरुवार को दामोदर (कल्कि) के साथ भक्तों की मुलाकात होगी।

□कड़ा धोड़ा घोड़ा उपरे चढी जगन्नाथो । भ्रमण काले भक्तो भेटीबे अच्युतो ।।

अर्थात् काले सफेद घोड़े पर बैठकर कृष्ण बलराम संसार भ्रमण करने के लिए निकलेंगे तभी अच्युतानंद दास जिन्होंने वर्तमान समय में भी जन्म लिया है उनसे भक्तों की मुलाकात होगी।

□ सोडह अच्युतो उत्पत्ति होईबो कारे तूही न भूलीबू । पांचो गटी चिन्हा देऊ छी तोते रे ताकू चिन्ही थिबू ।।

अर्थात् उस वक्त सोलह लोग अपने आप को अच्युतानंद कह कर भ्रमण कर रहे होंगे पर पांच चिन्ह की पहचान तूझे दे रहा हूं उन चिन्हों को जानकर पहचान करना। अच्युतानंद जो होगा उसके माथे पर सात तिल के निशान होंगे उसके घर से नौ भुजा वाली दुर्गा की मूर्ति जमीन के अंदर से मिलेगी वगैरह-वगैरह ।

□ भव भय परे हरि भक्तो हेबे ठूड़ो । सारा जगतो से बेडे दिसीबो उज्जलो।।

अर्थात् भव भय से परे होकर भक्त इकट्ठे होंगे तब सारा संसार प्रदुषण मुक्त होकर उज्ज्वल साफ सुथरा दिखाई देगा ।

□एको दिनो तेरह तिथी होईबो जे ठूड़ो । महागड़ो हेबो जाणो महोदधी कूड़ो ।।

अर्थात् जिस दिन भक्त लोग इकट्ठे होंगे भगवान् के साथ उनकी मुलाकात होगी उसी वक्त महोदधी(पुरी समुद्र तट) में महासंग्राम चल रहा होगा क्योंकि चीन की सेना उड़ीसा में घुस चुकी होगी तभी कल्कि भक्तों के साथ चीन की सेना पर धावा बोल देंगे । #kalki #kalkibalram

ब्रजरस मालिका में अच्युतानंद उल्लेख करते हैं --:

□जेबे ध्वजा उडीवो हो नूआ पाटणा रो । जाणिबो निश्चयो बेड़ो होईला निकोरो।।

अर्थात् जब नया पटना में ध्वज फहराया जाएगा तब जानना चाहिए सतयुग का समय निकट है।

□जाणि थिबा भक्ते देखी होईबे तृप्ति । जाणी थाओ ठीके ठीके कहई अच्युती।।

अर्थात् जो भक्त सचेत रहेंगे वो तृप्त होंगे और इस घटना को देख सकेंगे ऐसा अच्युतानंद कहते हैं।

□राजहंसो पुरे क्षिति मंडलो रे ग्रामो रे नूआ पाटणा । केतन उड़ीले सकोलो भक्तो परा होई जिबे बोणा।।

अर्थात् राजहंस पुर गांव ही पृथ्वी पर नया पटना है और वहां जब विजय ध्वज (हनुमान झंडा) फहराया जाएगा तब भक्त उलझन में पड़ जाएंगे भक्तों से तात्पर्य मालिका को जानने वाले भक्त ।

□ वातो सुतोकं रो हेबो महाधामो भार्गवी कूड़ो रे जोहीं । तोहीं तीनी शास्त्रो उद्धारो होईबो मोरो भक्तो कू तोंही॥

अर्थात् वात सुत पवन पुत्र हनुमानजी का धाम बनेगा और वहीं मालिका के तीन गुप्त ग्रंथ भक्तों को मिलेगा ।

□ आठो वेनी चारी मिसाई गुणीबो कोठो धनो मोरो चिह्नना। नूआ पाटणा रे से काड़े बारोंगो उड़िले विजय बाना॥

अर्थात् आठ दो चार और तीन 2017 को ऐसा होगा और गुप्त ग्रंथ मिलेंगे और हनुमान झंडा लहराएगा।

□ नूआ पाटणा उडीबो केतनो । जाणीबू कड़ी होतो मानो॥

अर्थात् नया पटना में झंडा लहराने पर कलयुग का अंत होगा ।

□ गंजामो शहरो आऊ न रहीबो। पर्वतो परा उडी जिबो ध्रुवो॥

अर्थात् गंजाम शहर नष्ट हो जाएगा पर्वत तूफान में उड़ जाएंगे।

□ हिमोगिरी रो उत्तरो पारूसो । पर्वतो फाटी हेबो ध्वंसो॥

अर्थात् हिमालय के उत्तर भाग के पर्वत फट कर ध्वस्त हो जाएंगे अर्थात् भूस्खलन होगा।

□ फंदा पतीतो होईबो जे काड़ो । फाटी जिबो हटकेश्वरो चूड़ो॥

अर्थात् चार सौ बीस लोगो को काल नजर आएगा । हटकेश्वर महादेव मंदिर का कलश फट जाएगा ।

□ रत्न वटो रे निआ लागी जाई । मणिवटो केड़े जिबो उभाई॥

अर्थात् रत्न वट पर आग लग जाएगा और मणि वट अदृश्य हो जाएगा।

□ सिंधु सुरो पुरो नूआ पाटणा रे जोहीं विर सिंह गादी । अलेख बाईको लीला प्रकाशीबो ऐ वाणी अटे प्रसिद्धि॥

अर्थात् सिंधु सुर पुर में जो वीर सिंह की गद्दी है वहां अलेख बाई अर्थात् अलख निरंजन वाले कुछ साधु हैं जो उड़ीसा के हैं बहुत कठिन जीवन व्यतीत करते हैं उनको लोग जानेंगे कुछ समय पहले उड़ीसा के न्यूज चैनल पर इनकी ही चर्चा थी।

मालिका के अनुसार नया पटना नामक एक जगह है जहां विजय ध्वज फहराया जाएगा और ये इस बात का संकेत होगा कि कलयुग का अंत बहुत नजदीक है। उस वक्त क्या-क्या घटनाएँ संसार में घटेगी उल्लेख किया गया है । वैसे नया पटना नामक कोई जगह ही नहीं है पर मालिका में कहा गया है संकेतो में कि वो नया पटना कौन सी जगह है । कुछ लोग भुवनेश्वर को नया पटना कहते हैं क्योंकि ये शहर नया है पहले ये जगह एकाम्र वन था भुवनेश्वर को उड़ीसा का काशी भी कहा जाता है और यहां तिरंगा झंडा फहराया गया राजधानी बनने के बाद इसलिए लोग नया पटना इसी शहर को मानते हैं पर ऐसा नहीं है नया पटना कटक से पैंतीस किलोमीटर दूर राजहंस पुर गांव है जहां नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर है और यहां हनुमानजी की का मंदिर बनने और हनुमान झंडा फहराने की बात अचुतानंद मालिका में बताते हैं।

आज मालिका के अनुसार महाभारत काल के भीम अर्जुन कहां जन्म लिए हैं उल्लेख करता हूं।

□ तीनी युगो रो योद्धा एको युगो रे जे महासमरो लागीबो।
कोहई अच्युतो भक्तो हेबे मुक्तो मनोस्कामना पूरीबो॥

अर्थात् तीन युगों के योद्धा एक युग में इक्कठे होंगे और महा युद्ध होगा । अचुतानंद कहते हैं भक्त मुक्त होंगे और भक्तों की मनोकामना पूरी होगी।

□ भीमो सेनो तोहीं होईबो बाहारो हंसोनाथो पाखोरे। बहु उत्पातो गड़ो जे चहडो आखूआ बोदा ग्रामो रे॥

भीम हंसनाथ धाम में बाहर आएंगे तब बहुत उत्पात होगा आखूआ बोदा गांव में।

□ कटक रे बडो यज्ञो हेबो । धर्मयुधिष्ठिरो आहुति देबो।

अर्थात् कटक में बड़ा यज्ञ होगा युधिष्ठिर आहुति देगा।

❑छद्मो वेषो धरी बुलू अछंती । गंजामो शहरे नकुलो स्थिति।।

अर्थात् गंजाम शहर मे नकुल है और छद्म वेश मे रहता है ।

❑बलि पर्वते अछंती अर्जुनो । बोलन गिरी रे भीमो रो स्थानो।।

अर्थात् बलि पर्वत पर अर्जुन है और बोलन गिरी पर्वत पर भीम है।

❑सहदेव अछंती कटक सीमा । इटावा देशे द्रुपदो कन्या ।।

अर्थात् सहदेव कटक सीमा पर है और द्रौपदी इटावा देश मे है।

❑गरूडो जन्मो हेबे गंजा ब्रह्मपुर । ब्राह्मणो घरे जन्मो अटई ताहारे।।

अर्थात् गरूड जन्म लेंगे गंजाम ब्रह्मपुर मे एक ब्राह्मण परिवार मे।

❑सहदेवो पूणी चौद्वारे जन्मो । युधिष्ठिरो आदि जन्मो हेबे भिन्न-भिन्न।।

अर्थात् सहदेव कटक के चौद्वार मे जन्म लेंगे और युधिष्ठिर आदि पांचो भाई इस बार भिन्न भिन्न जगह पर जन्म लिए हैं।

❑युधिष्ठिर जन्मो होईबे कटको शहरे। अर्जुन जन्मीबे पाईको घरे।।

अर्थात् युधिष्ठिर भी कटक मे जन्म लेंगे और अर्जुन पाईक घर मे जन्म लेंगे । ये पाईक लोग उड़ीसा मे युद्ध प्रेमी होते हैं इतिहास मे पाईक विद्रोह हुआ था ।

❑कर्णो जे जन्मो होईबे कपिलेश्वरो रे। भीमो जन्मो होई थिबे हंसोनाथो ठारे।।

अर्थात् कर्ण पुरी के कपिलेश्वर मे जन्म लेंगे और भीम हंसनाथ धाम मे जन्म लिए होंगे।

❑लक्ष्मी जन्मो होईबे आम्हो नीलांचले । घरे घरे मोरो नामो हेबो सेतेबेडे।।

अर्थात् लक्ष्मी जी का अवतार पुरी मे होगा तब मेरा (अचुतानंद) नाम घर घर लिया जाएगा ।

जगन्नाथ मंदिर मे घटित होने वाले संकेतो के अनुसार इन सबका जन्म हो चुका है ।

बोईले आहे ब्रम्हांड गोसाईं
कहिल कलि सम्पूर्ण भोग हेव नाहीं।
पांच हजार वर्ष रे युग हेब सेष
संदेह होइला मोते कह पीतबास।
जेउं युग जेते बर्ष ताहा हुए भोग
आउ केऊं बाटे कमिजीब कलिजुग।
शुणि बोल्लति श्रीहरि शुण बीरमणि
कहिबी से तत्व तो आ थाओ जाणी।
मिछ ठारु बलि पाप नहीं ए संसारे
मिछ कहिले श्री च्यूत हुअई विधि रे।
मिच्छ रे संसार जेतेबेले पूर्ण हेब
पांच सहस्र बरष कलि रु कमिब।

अर्थ:

अर्जुन प्रभु से पूछ रहे हैं कि- हे भगवान आप बोलरहे है कि कलियुग सम्पूर्ण भोग नहीं होगा, 5000 साल में ही युग का अंत हो जाएगा। जिस युग जितना भोग होना है उसको उतना होना चाहिए, फिर कलियुग कैसे इतने कम दिनों में खत्म होगा? श्रीकृष्ण कहते है- हे बीर अर्जुन उस तथ्य को तुम्हे समझा रहा हूं सुनो। झूट बोलना ही पाप है और इससे श्री हानी होता है। इसलिए जब झूट से संसार भर जायेगा, कलियुग से पांच हजार वर्ष कम हो जाएंगे।

उलग्न होई गंगा रे करिबारे स्नान
दश सहस्र बरस कटिजीब जाण।
चंडालुनी संगत रे द्विजकरि रति
तिरिस सहस्र कटाईबे थाअ चेति।

मित्र संगे अविश्वास करिबारू जाण
सड सहस्र बरषे कटिब अर्जुन।
विष्णु प्रतिमा अपूजा रहिले संसारे
सतर सहस्र वर्ष तुटिब बिधिरे।
तुलसी लगाई जेबे सेबा न करिब
पांच सहस्र बरष क्षय होइजीब।
क्षुधार्थ होई अतिथि प्रवेश होइले
सड सहस्र तुटई अन्न न याचिले।
निज सोदर निरासे चालीस हजार
कलि युग रु क्षय हुअई बिरबर।
अभक्ष्य भक्षिले आठ सहस्र बरष
शेष हुए मने रखिथाअ पण्डु शिष्य।
परधन हरण रे आहे धनन्जय
दश हजार बरसे होइयाए क्षय।
गोहत्या रु बलि पाप ब्रम्हान्डरे नहीं
से दोष रे एक लक्ष्य बरष कटई।

अर्थ:

उलग्र गंगा स्नान करने से 10 हजार वर्ष
चंडालुनी संगत द्विज के रति 30 हजार वर्ष
मित्र के संग बिस्वासघात करने से 6 हजार वर्ष
विष्णु के प्रतिमा अपुजा रहने से 17 हजार वर्ष
तुलसी रोपण करके सेबा न करने से 5 हजार वर्ष
भूखा अतिथि आने पर भी अन्न न देने से 6 हजार वर्ष
अपना भाई को निराश करने से 40 हजार वर्ष
अभक्ष्य भक्षण करने से 8 हजार वर्ष
पराया धन हरण करने से 10 हजार वर्ष
गो हत्या करने से 1 लाख वर्ष
क्षय होगा कलियुग कि आयु से।

दाता जेऊं समय रे दान डेउथाए
दिअ नाहीं बोलि जणे दिए जेबे कहि।
चौद शह बरष कटइ तहिं रे
अर्जुन शुणीण रख हृदय रे।
विधवा स्त्री हरंते द्वाबिस हजार
तुटिजीब ए युग रु जाण बीरबर।
जीव बद्धे एगार हजार कटिजाए
द्वादश सहस्र निच पिरतिरे क्षये।
बाल हत्या दोषे सात सहस्र कटिब
स्तिरी हत्या रे बतिस हजार तुटीब।
गोदंडा चासरे जाए चलिश हजार
मातृ हरण रे पांच सहस्र निकर।
विश्वास घातक दोषे सहस्र चालिश
युगाब्ध रु कटिजीब शुण पाण्डु शिष्य।
एही परि कलियुग पापे क्षय हेब
पांच हजार बरष केबल रहिब।
से पांच हजार वर्ष पूर्ण जेउं दिन
कल्कि रूप मोर तेबे देखिबू अर्जुन।

अर्थ:

दाता अगर दान करें और उसे कोई बोले कि मत दो, 14 हजार वर्ष
विधवा स्त्री हरण से 22 हजार वर्ष
जीव हत्या से 11 हजार वर्ष
नीच पिरती से 12 हजार वर्ष
बालहत्या से 7 हजार वर्ष

स्त्री हत्या से 32 हजार वर्ष
गो चारण भूमि और शमशान घाट को खेति करने से 40 हजार वर्ष
मातृ हरण से 5 हजार वर्ष
विश्वास घात करने से 40 हजार वर्ष
इस कलियुग से क्षय होगा और सिर्फ 5 हजार वर्ष बचेगा।
जब इस पांच हजार वर्ष पूर्ण होंगे हे अर्जुन, तब हमारे कल्कि अवतार तुम देख सकोगे।

केवल सम्पूर्ण विश्व में 8%-10% प्रभु के भक्त ही बचेंगे, वही सतयुग मे जायेंगे, भारत में 33 करोड़ लोग बचेंगे और विदेश में 31 करोड़ लोग बचेंगे पुरे विश्व मे 64 करोड़ लोग बचेंगे ।

प्रभु श्री जगन्नाथ जी ने भगवान कल्कि अवतार के रूप मे जन्म ले लिया है, बैकुंठ छोड़कर धरती पर आ गए है ओड़िशा की पावन धरती पर भगवान विष्णु भक्त ब्राम्हण परिवार में ।

भगवान कल्किदेव की आयु अभी 14 वर्ष की है, 17 वर्ष की आयु मे यानि 2024 में 2999 भक्तों को लेकर धर्म संस्थापना की शुरुआत करेंगे, 1009 साल के सतयुग मे प्रवेश करेंगे ।

प्रभु कल्किदेव नाभी गया क्षेत्र जाजपुर जिले ओड़िशा में अवतरित हुए हैं पुराणो के अनुसार संभल जाजपुर ही है जहां प्राचीन काल मे गजपति जजाती केशरी ने दस हजार ब्राह्मणो को उत्तर प्रदेश से लाकर एक विशाल यज्ञ करवाया था। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के संभल से भी ब्राह्मण आये थे। पुराणो मे ये भी बताया गया है कि संभल गुप्त गंगा के किनारे होगा ये गुप्त गंगा उड़ीसा का वैतरणी नदी ही है जो गंगा से भी सौ वर्ष पहले अवतरित हुई थी। जो ब्राह्मण उत्तर प्रदेश से आए थे वो यही बस गए । इन्ही ब्राह्मणो का जो प्रमुख होगा उसी ब्राह्मण के घर कल्कि का अवतार हुआ है। जिस ब्राह्मण के घर कल्कि का अवतार हुआ है उस ब्राह्मण के घर गोप लोगो का आना-जाना रहेगा गोप जिन्हे उडिया मे गौड़ कहते हैं गोपाल भी कहते हैं। जाजपुर जिले को नाभि गया क्षेत्र इसलिए कहते हैं क्योंकि यहां सती का नाभि गिरा था जिसके कारण यहां देवी विरजा का सिद्ध पीठ है देवी विरजा की मूर्ति के मस्तक पर एक मणि है जिसे पुजारी चंदन से ढंक कर रखते हैं ताकि किसी को उसके प्रकाश का पता न चले।

□क्षतिया वटो रे गुजरी रासो नयने देखीबू तूही।
भक्तो परीक्षा से ठारे होईबो तोते मू देली बूझाई॥

अर्थात क्षतिया वट (कटक) मे रास लीला होगी दोनो आंखो से सभी देखेंगे ।
भक्तो की परीक्षा होगी ये समझ लेना।

□क्षतिया वटो रे भक्तो मेड़ो हेबे धनिया गिरी ठाबो रे ।
गुप्तो रे तोही भक्तो पाई जे धनो रखी छी अपारे।

अर्थात छतिया वट के नजदीक धनिया पर्वत पर भक्तो का मिलन होगा और उसी पर्वत पर गुप्त रूप से भक्तो के लिए अपार धन रखा है जो धरती के अंदर छुपा हुआ है ।

□रहिरो डाहाणे बराह अंको देले लीला आरंभो होईबो।
यही अंको कू उलोटो पालोटो कले लीला शेष होईबो॥

अर्थात -- रहिरो मतलब मछली बराह मतलब बराह । तो मछली को बाएं तरफ और बराह को दाएं तरफ रखने से भगवान् की लीला शुरू होगी और इन्ही अंको को उलट देने पर लीला का समापन होगा ।

भगवान् का प्रथम अवतार मछली है और तृतीय अवतार बराह है इसलिए 13 अंक बनेगा अर्थात 2013 से लीला शुरू हो चुकी है और इस अंक को उलट देने पर 31 होगा मतलब 2031 मे कल्कि लीला शेष करेंगे तब तक वो राज कर रहे होंगे। #timeline #2013 #2031 #kaliyugaend

□सत्र अंक ठारु ईन्द्र न पालीब सढ़ बर्ष परीजतें,
दुर्जन मरिबे भक्त तरीबे पापी न बरतीबे मर्यें।

अर्थात महापुरुष अच्युतानंद अपने "पट्टा मड़ान" ग्रंथ में लिखते हैं कि की जब 17 अंक होगा तब से 6 साल तक इंद्र पृथ्वी का पालन नहीं करेंगे यानी बारिश नहीं होगा। अनेकों अनहोनी घटेंगे। इस बजह से इस पृथ्वी पर पापियों का नाश होगा लेकिन भक्त इस से उबर जाएंगे।

□चा उ ल शेर शोल आना होइब फेडि न पाईबे ताहा,
धर्म रे परान आसू जाऊ थिब मूहिं होई थिबी साहा।

अर्थात महापुरुष लिखते हैं कि उस समय खाने का सामानों की भारी किल्लत होगा और महंगाई अपने चरम पर होगा। लेकिन जो प्राणी सत्य और धर्म के मार्ग पर डटे रहेंगे प्रभु उनको सहाय होंगे।

□ग्राम के रहिबे दुइ चारी जन पवन आहार करी,
न मिलीं ब अन्न न मिलीब जल मुखे बोलू थीबे हरी।

अर्थात् महापुरुष लिखते हैं कि जब प्रभु जी का धर्म संस्थापन कार्य अपने चरम पर होगा उस समय हर गांव में सिर्फ दो से चार जन ही बचेंगे। उन्हें खाना या पानी नसीब नहीं होगा मगर उनके मुख से हरदम हरिनाम का ही गान होता रहेगा। वही सत्य युग के बिहन के लाएंगे।

□सारोड़ा करीबे कूटो लो बोऊलो कोटोके लागीबो गड़ो। कलिआ बोदा रे बारह हाथो खंडा बाहारी बो सेही बेड़ो।।

अर्थात् "सारला" देवी मां तांडव करेगी कटक शहर में मारकाट मचेगा। तभी कलिआ बोदा नामक स्थान जो महानदी के किनारे है उस जगह बारह फीट का तलवार निकलेगा।

□कटको जोबरा आनीकटो तोड़ो महानदी बाली कूदो। सिद्धो पुरुषो तहीं प्रवेशीनो आरंभिबे मुक्ति युद्धो।। मुक्ति युद्धो हेबो कलिआ बोदा। बाहारो होईबो द्वादशो खंडा।।

अर्थात् कटक महानदी के जोबरा घाट में सिद्ध पुरुष युद्ध शुरू करेंगे तभी काडिया बोदा नामक स्थान पर बारह फीट तलवार निकलेगा जो तलवार कल्कि धारण करेंगे।

□मारू घाटी स्थानो अटोई। सेही मेछो अज्ञानी जे धोरा टी होई।।

अर्थात् जो ये वही स्थान है जहां मलेच्छ अज्ञानी स्वघोषित कल्कि पाखंडी भक्त पाखंडी साधु सन्यासी वगैरह पकड़े जाएंगे।

□गरीष्टो टाणूआ भक्तो से ठारे केहि नो पाईबे रक्षा ।

अर्थात् कुतर्क करने वाले अपने आप को भक्त सिद्ध करने वाले कोई उस समय बच नहीं सकेंगे।

□अंको कटी जीबो सालो ही केवलो मसीहा गटी रहीबो। तोरोको तेरूआ जेते भक्तो जोबोरा घाटो रे सेबेडे नाशो।।

अर्थात् कुतर्क करने वाले सभी पाखंडी भक्त उस वक्त जोबरा घाट पर विनाश को प्राप्त होंगे।

□कोटिकरे एक गोटी रहीबे जे जन । तदंतरे सत्ययुग बोलाईब नाम।।

अर्थात् भविष्य पुराण ग्रंथ में वर्णन किया गया है कि करोड़ों में एक एक लोग ही रहेंगे। उसके बाद सत्य युग आयेगा।

□ग्राम रे दुई तिनी जे बिहन, दुस्त म्लेच्छ आदि हेवे निधन"

अर्थात् पंचासखाओं में अन्यतम महापुरुष शिशु अनंत अपने मालिका ग्रंथ में लिखते हैं "हर गांव में दो से तीन लोग ही बचेंगे जो आगे जाके सत्य युग के लिए बिहन होंगे। दुष्ट और म्लेच्छ विनाश को प्राप्त होंगे।

□कली शेष बेले पुरुष संख्या हेब विशेष, नारी हिन हेबे निजर जाती करीबे ध्वंस ।

अर्थात् महापुरुष अच्युतानंद अपने ' कलि बयालीस ' ग्रंथ के उत्तर खंड में लिखते हैं " कलयुग के अंत के समय संसार में नारियों के तुलना में पुरुषों की संख्या में वृद्धि घटेगी। और नारी हिन गति को प्राप्त होंगे और अपने नीच कर्मों की बदौलत अपनी ही जाति का विनाश का कारण बनेंगे।"

□तरक तारेक तेरठारे पुण रहीथिले प्राणी गण, सतर प्रवेश हेलेटी निश्चय लभिबे सिना कारण।

{महाप्रभु कृष्ण अर्जुन के आगे अपनी कल्कि अवतार के बारे में बता रहे हैं। महाप्रभु के रहे हैं कि जब 13 अंक होगा तब धर्म संस्थापन कार्य की सुरुवात होगी। 17 अंक के आखिर तक सिर्फ भक्त ही बचेंगे }

□ चोद पंदर बीनाश र बेल जानी थाओ हेतु करी, स्थाबर जंगम कीट पतंग। दी गोटी गोटी थाअ धरी।

{ 14 और 15 अंक विनाश का समय है यह अच्छी तरह से जान लो। स्थाबर, जंगम, कीट, पतंग आदि सब में परिवर्तन आयेगा। }

□झिंकारी बोलीण एक बर्न पोक उत्तर दिगु आसीबे, घास पत्र शस्य जाहा थीब किछि सबू चरी देई जीबे।

{ झिंकारी नामक एक कीड़ा उत्तर की दिशा से आयेंगे और घास, पत्र, शस्य आदि सब खा जाएंगे। }

□एमंते महापाप पूर्ण होइब अन तिरिश पर्ज्यंत, जाज नगररे जन्म होई मुं गृहू हेबी बिताडित।

{ ऐसे 29 अंक तक सभी पाप पूर्ण हो जाएंगे। में जाजपुर में जन्म होकर घर से बाहर रहूंगा। }

□पद्मावती गरभू जन्म होई खंडगिरी रे ध्यान करीबू, मकर मास पूर्णमी दिन रे बेनी भाई भेंट हेबू।

{में पद्मावती मां की गर्भ से जन्म होकर ' खंडगिरी ' में तप साधना में लीन रहूंगा।मकर मा की पूर्णिमा के दिन हम दोनो भाई आपस में मिलेंगे}

□विश्वामित्र ऋषि गुंफा मध्ये बसी तप साधुथीब पार्थ, सेही थारे आमे साक्षात करिबू मेल होई बेनी भ्रात।

{हे पार्थ, उधर विश्वामित्र ऋषि गुंफा में तप साधना कर रहे होंगे, उधर हम दोनों भाई मिलकर उनसे भेंट करेंगे}

□सबु शास्त्र शस्त्र जंत्र बिद्या उपदेश देबे सेही, सात दिने सबु सिखीबू तो आगे कहिबू फेई।

{वो हमें सभी शास्त्र, शस्त्र, यंत्र आदि विद्या शिखाएंगे जिसको हम सात दिन में ही सबकुछ सीख जाएंगे}

□सुदर्शन धरी चालीबी मूं पादे ठोके भक्त थिबे संगे, बिंदु सागर ठारे जाई मिलीबे प्रका शिली तोर आगे।

{में सुदर्शन हाथ में पकड़ कर चलूंगा और मेरे साथ कुछ भक्त रहेंगे।हम बिंदु सागर पर मिलेंगे।}

□मोर परिकर जेते सबु बीर सर्वे सेठारे मीलीबे, मोहर कल्कि अवतार देखी चमत्कार हेबे ।

{ मेरे शरणापन्न जितने भी वीर हैं वो सब मुझसे वहीं मिलेंगे और मेरे कल्कि अवतार को देखकर बहुत ही आनंद से हैरान हो जाएंगे।}

□जने जने होई मो पाद पदमरे करी आगे नमस्कार, निज निजर आयुध धरी नेबे नाम खड़गा।ड़ी अपार।

{वो सभी एक एक करके मेरे पैरों में नमस्कार करेंगे और अपने अपने हथियार चुन कर लेंगे और धर्म युद्ध में भाग लेंगे}

ऐसे ही सभी वीरों का महाप्रभु कल्कि जी के साथ मिलन होगा और धर्म संस्थापन के लिए घोर युद्ध का सुरुवात होगा।

मालिका द्वारा विश्व के सभी भक्तों का मिलन होगा।

ये कहां होगा, कैसे होगा ?

ये मिलन लिंगराज क्षेत्र भुवनेस्वर में होगा। खंडगिरि पर्वत जहां 64000 ऋषि सत्य युग से तपस्या में हैं, उसी पर्वत में ये मिलन होगा।

महापुरुष ने लिखा है कि-

□घटणा प्रतिमा पुरुष लिंगराजंक पुर, घोर कली महा समर हेब सेहि ठाबर

यानि कली भारत का को युद्ध बाकी है वह इस जगह पर होगा।

इसके बारे में महापुरुष ने लिखा है

□कोटी के गोटिए जानंती से रस, तिनी सश्रे गणा सेही, महिमा प्रकाश निश्रे राम दास, आने मुं कुहंती नाहिं

इसका मतलब जो भक्त कल्किदेव के साथ धर्म संस्थापना करेंगे उनकी संख्या सिर्फ 3 सहस्र है। ऐसे तो 140000000 भक्त प्रभु के रहेंगे, लेकिन को प्रभु का काम करेंगे, धर्म संस्थापना करेंगे, उनका संख्या सिर्फ 3000 है।

' पटामडाण ' ग्रन्थ में महापुरुष ने लिखा है कि-

खंडगिरि में भक्त आयेंगे अनन्त केशरी प्रभु के दर्शन करेंगे, अपने अपने अंदर उनका परिचय होगा और धर्म संस्थापना का कार्य करेंगे। हिमालय से भी तपस्या कर रहे भक्त आयेंगे और प्रभु के साथ काम करेंगे।

अच्युतानंद जी ने लिखा है कि

□द्वितीय अयोध्या पुरी प्रकासिब रघुनाथ बिहार, सेदिन ए पुर उत्कल नगर रास स्थली होई जीब

यानी दूसरा अयोध्या कहाँ होगा? जो शक्ति क्षेत्र में ब्रम्हा ने यज्ञ किया था। जहाँ ययाति केसरी ने ब्राम्हणों को लेकर 12 बार यज्ञ किया था। जहाँ ब्रम्हा ने बिरजा देवी की स्थापना की थी। वही जगह पर प्रभु लीला करेंगे। वहीं पर अयोध्या होगा। प्रभु के साथ वहाँ द्वादश गोपाल, जो वृन्दावन में लीला में प्रभु के साथ थे वहीं यहाँ भी रहेंगे। ओड राष्ट्र जिसको उत्कल कहा जाता है, जिसको बिरजा क्षेत्र कहा जाता है, जहाँ नभिंगया है वहीं प्रभु बिहार करेंगे और स्वर्ग से द्वादश गोपाल को बुलाकर लीला करेंगे। भारत के जो लोग सनातन धर्म को विश्वास करते हैं, उन लोगों के लिए ये महत्वपूर्ण है। मालिका में लिखा था कि प्रभु कल्कि देव का अवतार ओडिशा में होगा, भक्तों को बुलाएंगे। धर्म संस्थापना करेंगे और सनातन धर्म का प्रतिष्ठा करेंगे। पूरा पृथ्वी का शासन अपने हाथ में लेकर धर्म की रक्षा करेंगे।

भारत के आखिर प्रधान मंत्री कौन

कलियुग का अंत हो चुका है। अभी धर्म संस्थापना का समय चल रहा है। जगन्नाथ क्षेत्र की जो आखिरी गजपति महाराज रहेंगे मालिका में लिखा था और ये भी लिखा था कि आज भारत में सत्य युग आने से पहले आखिर प्रधान मंत्री कौन होंगे और उनके लक्षण क्या होगा और वह किस तरह काम करेंगे।

- 1) वह एक योगी कि तरह होंगे।
- 2) उनकी संतान नहीं होंगे।
- 3) वह ब्रम्हचारी की तरह रहेंगे।
- 4) सुद्ध शाकाहारी रहेंगे।
- 5) देश में बहुत कुछ बदलाव लाएंगे।

आप अनुमान लगा सकते हैं कि वह कौन है। किस प्रधानमंत्री का लक्षण इससे मिलता जुलता है। जो आखिरी प्रधानमंत्री रहेंगे उनके सामने कोई टिक नहीं पाएंगे।

उनके समय में ही आपतकाल परिस्थिति (इमरजेंसी) लगेगी जो कि 18 महीने की होंगी। उनके समय में ही भारत का पाकिस्तान/चीन के साथ निर्णायक युद्ध होगा और विश्वयुद्ध भी होगा। इमरजेंसी के बाद जब विश्वयुद्ध निर्णायक स्थिति में होगा तो कल्कि देव भारत के लिए युद्ध लड़ेंगे, म्लेच्छ और यमनों का विनास करेंगे। उसके बाद दुनिया में केवल 64 करोड़ लोगों के साथ धर्म संस्थापना करेंगे और भारत में सनातन धर्म की स्थापना करेंगे।

- तरकी रहित 13 कू।
- 14-15 लागिब हुन्दर।
- 16 कु रखिबू गुप्त।
- सत उपजिबा 17 कु।
- 18-19 सरू सरू थोकाए बचिबे मरू मरू।
- 20 रे असी घर करू।

अर्थात्:

- 13 अंक में पूरा विश्व चमक उठेगा (2020)
- 14-15 में लोग समझ नहीं पायेंगे की क्या हो रहा है (2021-22)
- 16 को में गुप्त रखा गया है (2023)
- 17 में सत्य का प्रकाश होगा (2024) यानी सतयुग का आरंभ अथवा कल्कि के प्रकाश होने की बात की गई है।
- 18-19 खत्म होते होते बहुत कम लोग बचे होंगे (2025-26)
- 20 में में घर ग्रहण करूंगा, यानी कदाचित प्रभु के ब्याह का संकेत है ये (2027)

□दिनू दिनो प्रजा माने दुखी हेबे साहा केही न रहिबे । देवता प्रतिमा काष्टो जे पाषाणो केही पूजा न करीबे ।।

अर्थात् दिन प्रतिदिन प्रजा दुखी होंगे कोई मददगार नहीं होगा, देवताओं की लकड़ी पत्थरों से बनी मूर्तियों को कोई नहीं पूजा करेगा ।

□कलौ दशसहस्राणि हरिस्त्यजति मेदिनीम् । तदर्ध जाह्नवीतोयं तदर्ध ग्रामदेवताः ॥

कलयुग के दस हजार वर्ष बीतने पर विष्णु धरती का त्याग कर देते हैं उसका आधा अर्थात् पांच हजार वर्ष बीतने पर गंगा लुप्त हो जाती है और ढाई हजार वर्ष बीतने पर ग्राम देवता पृथ्वी त्याग देते हैं इस श्लोक के अनुसार 122 वर्ष पहले ही गंगा पृथ्वी का त्याग कर चुकी है अब सिर्फ गंगा में जल है गंगा मैया नहीं है इसलिए गंगा में डुबकी लगाने से अब कोई फल नहीं मिलता और ग्राम देवी देवता तो ढाई हजार वर्ष पहले ही पृथ्वी त्याग चुके हैं वैसे पुराणों में कलयुग के बारे में अनेक बातें लिखी है जो एक हजार कलयुगों के बारे में लिखा है इसलिए कुछ बातें मेल नहीं खाती पर मालिका ग्रंथ के कारण हमें पता चल रहा है कलयुग के दो चार वर्ष ही शेष रह गए हैं

□जातोस्मोरो भक्तोंकू जोणा बोणा तो न हेबे किछी ।
विद्या विसारोदो सर्वो सातो भेदो जाणी न कोहीबे किछी ।।

अर्थात् पूर्व जन्म के प्रारब्ध के अनुसार सभी भक्तों को पता होगा वो इधर उधर नहीं भटकेंगे । विद्या विसारद सप्त चक्रों को भेदने में समर्थ होते हुए भी चुप रहेंगे किसी को कुछ नहीं कहेंगे पर जैसे ही 48 अंक शुरू होगा सभी सक्रिय होने लगेंगे क्योंकि युगपरिवर्तन का समय नजदीक होगा ।

<https://youtu.be/t-E1n80yJ9U>

□ शिशु अनंत 7 3 14 अंक रे निश्चय जाण ओडिशा रे।
शिवगण मान बहार हेब सकल दिगे छनका पसिब।

अर्थात् 7 3 14 अंक (7+3+14 = 24) में यह निश्चित है की ओडिशा से शिव के गण बहार निकलेंगे म्लेच्छो का संहार करने। यहाँ 24 अंक छतिया केलेंडर के मुताबिक 2024-25 में आएगा।

□ घरे घरे पसीजे देबी गण, की करीब म्लेच्छ जे रण भण।
मृत्यु सब मान गृहे रहिबे, गृहे श्वान श्रुगाल टी भक्षी बे।

अर्थात् घर घर में प्रवेश करेंगे देवी गण, भय से काँप उठेंगे म्लेच्छो के दल। घर घर पड़े होंगे लोगो के मृत शरीर, जिनको खाने आयेंगे जंगली जानवर।

ऐसे में केवल वही बचेंगे जिनको ब्रह्म एकाक्षर का रहस्य पता होगा जिनको शिवजी का मूल मन्त्र पता होगा।

Time line of destruction(2023 to 2030) iska sath 2023 ka swagat he □□□

शनि के मीन राशि में जाने से महाविनाश होगा।

शनि ने जब 24 जनवरी 2020 में मकर राशि में प्रवेश किया था, तब दुनिया में कोरोना महामारी का प्रकोप फैल गया था।

फिर शनि ने जब 29 अप्रैल 2022 को कुंभ में प्रवेश किया तब महामारी का दौर खत्म हुआ और दुनियाभर में युद्ध, अराजकता, महंगाई, प्रदर्शन और सत्ता परिवर्तन का नया दौर प्रारंभ हुआ।

फिर जब शनि वक्री होकर 12 जुलाई 2022 को पुनः मकर राशि में प्रवेश किया इस दौरान महायुद्ध की नींव पड़ गई है।

उसके बाद जब 17 जनवरी 2023 को शनि पुनः कुंभ में आएंगे और 29 मार्च 2025 तक यहीं रहेंगे। इस दौरान तीसरे विश्वयुद्ध से महाविनाश का पहला चरण प्रारंभ होगा।

उसके बाद 29 मार्च 2025 से 23 फरवरी 2028 तक शनि मार्गी और वक्री होकर मीन राशि में रहेंगे। तब जनता त्राहि-त्राहि करने लगेगी।

फिर 23 फरवरी 2028 से 17 अप्रैल 2030 तक शनि मेष राशि में रहेंगे। इसी दौरान महाविनाश का दौर खत्म हो जाएगा और एक नए युग का प्रारंभ होगा।

"भगवान का तो छींकने, गिरने और फिसलने के समय विवश होकर एक बार नाम लेने से भी मनुष्य सहसा कर्म बंधन को काट देता है, जब की मुमुक्षुलोग इस कर्मबंधन को योगसाधन आदि अन्य अनेकों उपायोंका आश्रय लेनेपर बड़े कष्ट से कहीं काट पाते है" 112011

— भागवत महापुराण, पंचम स्कंध, चतुर्विंशोऽध्याय में भगवान के परम पावन नाम की महता का वर्णन।

"ये पाप संसार जेबे तरी जीबा
भज हरे कृष्ण नाम।
लीला हाड़ीदास लेखी लाए पद
सुमरी प्रभु क नाम॥"

— हाड़ीदास मालिका

जो अति पतित है, जो सर्वथा अयोग्य और दुराचारी है, जिनके पाप अनंत है, जो कुछ नहीं कर सकते या केवल दिव्यांग होने के कारण कुछ करने में असमर्थ है वह भी केवल प्रभु के नाम का आश्रय ले ले तो उनका कल्याण होना निश्चित है। परम कृपालु प्रभु ने अपने अधम भक्तों के लिए भागवत महापुराण में अपनी ही वाणी के द्वारा यह आसान से आसान मार्ग बताया है स्वयं का कल्याण करने के लिए जिसमें रतीभर भी श्रम की आवश्यकता नहीं।

किंतु प्रश्न यह है क्या हम इतना भी कर सकते हैं?

यह परम भागवत ज्ञान उन सब के साथ सांझा करे जो किसी न किसी कारण माया में फसकर इतना नीचे गिर गए हैं की भगवान का नाम तक नहीं ले पा रहे। शायद किसी एक का कल्याण हो जाए।

जय श्री माधव □ जय श्री माधव □ जय श्री माधव □

<https://www.youtube.com/watch?v=5HdVHqd0yDA>

महापुरुष अचुतानंद दास ने मालिका मे एक बात का जिक्र किया है नूआ पाटना रे ध्वजा उडीबो देखिबू तू नयन रे अर्थात एक गुप्त जगह का नाम नया पटना होगा वहाँ एक भक्त पर्वत की चोटी पर एक बृक्ष मे एक सफेद झंडा लगाएगा फिर वहाँ पर प्राचीन काल के कुछ अवशेष मिलने लगेंगे ये तुम अपनी आंखों से देखोगे । अब नया पटना बहुत से लोग भुवनेश्वर को मानते हैं क्योंकि भुवनेश्वर नया शहर है और वहाँ तिरंगा झंडा भी लहराया गया इसलिए लोग समझते हैं शायद यही नया पटना है पर ऐसा नहीं है ये नया पटना एक गुप्त स्थान है जहाँ से छतिया वट, मणिनाग गुफा आदि दिखाई देते होंगे और उसी गुप्त स्थान पर जब ध्वज लहराएगा तब समझना संहार लीला शुरू होने वाली है अब ऐसी खबरें मिडिया मे नहीं आती मिडिया मे उडिया न्यूज़ चैनल पर सिर्फ बहस होती है मालिका सत्य है या नहीं है

<https://youtu.be/EBFbUGEGQtQ>

□वातो कपो पितो एकत्र होईबो, बीसो चारी गुणो पांचो ।
भाद्रोबो शुक्लो जे अष्टमी दिनो रू, आरंम्भो नाशो प्रपंचो ।।

अर्थात वात कफ पीत एकत्र होंगे, बीस चार गुणा पांच, भाद्र शुक्ल अष्टमी दिन से शुरू होगा नाश प्रपंच ।

वत कफ पीत एकत्र होने से लोगों की सांसे अटकने लगी आक्सीजन सेलेंडर की मांग बढ़ने लगी ऐसा कब से होने लगा बीस चार गुणा पांच से होने लगा अर्थात 2020 से होने लगा । और उसी साल से भाद्र शुक्ल अष्टमी से लोग विनाश की चर्चा करने लगे ।

□स्थाने स्थाने भूमिकंपो होईबा रू कंपी जिबो हिमोगिरी ।
गृहो बृक्षो केते स्थाने भांगि गोले होई जिबो होतो श्री ।।

अर्थात जगह जगह भूकंप के कारण हिमालय कांप उठेगा । घर पेड़ कितने टूट जाने से देश लक्ष्मी छोड़ा होगा अर्थात कंगाल होने लगेंगे ।

□नवो नवो तीनी कंपीबो मेदिनी वारो बेनी मिसाईबो ।
ऐ काड़ो रे पृथ्वी संहारो होईबो दसो ग्रामे जोणे थिबो ।।

अर्थात तीन नौ अंक जब आएगा धरती कांपेगी, और दो बारह मिला देना तब फिर से धरती कांपेगी और इसी समय से संहार शुरू होगा दस गाँवों में सिर्फ एक दो व्यक्ति बचेंगे । 1999 मे भूकंप हुआ उड़ीसा जगतसिंहपुर मे पाहाड़ हिल गए और महातूफान आया और इसी 1999 मे दो बारह अर्थात 24 मिला देना तब फिर से ऐसा होगा अर्थात 2023 और इस बार हिमालय मे भूकंप होगा और इसी साल से संहार लीला शुरू होगा ।

□सातो खंडो ग्रामो गोटीए होईबो जाणो ।
ग्रामे ग्रामे देवी माने सबू करीबे क्षेदोनो ।।

सातो खंडो अर्थात उडिया मे बीस को एक खंडो कहते हैं अर्थात 140 गाँव मिलाकर एक गाँव होगा क्योंकि गाँव गाँव मे देवी देवता मृत्यु का तांडव करेंगे संहार करेंगे देवी प्रकोप बढ़ेगा ।

तो याद रखे अधिक लिखना संभव नहीं है 2023 से हिमालय मे भूकंप होगा एलियन उतरेंगे छिट पुट हमले करेंगे युद्ध प्राकृतिक आपदा बढ़ेगी संहार शुरू होगा गाँव गाँव मे देवी प्रकोप होगा और इसी साल फिर से भैरवी गर्जना होगी पहले भी दो बार हुई पर उड़ीसा मे ही सुनाई दिया

इस बार आधे भारत के लोग जून महीने के आस पास भैरवी गर्जना सुनेंगे और इसी दिन से रात मे ग्रामीण इलाकों मे फिर से देवी देवता दिखाई देंगे पर रक्तमुखा होने के कारण उन्हें देखते ही उनके तेज को लोग सह नहीं सकेंगे और मरने लगेंगे और 2023 मे ही जगन्नाथ मंदिर की सीढीयों तक हिमालय मे ग्लेशियर फटने पिघलने के कारण समुद्र का जल आ जाएगा ।

□महाभयं करो उत्पातो हेबो ये जंबू दीपो रे जाणो । कल्कि रूपो रे मेलेच्छो संहारोणो भारा उस्वासीबे पुणो ।।

अर्थात महाभयंकर उत्पात होगा इस जम्बू दीप मे जानो, कल्कि रूप से मेलेच्छ संहार होगा धरती का भार घटेगा पुनः ।

भगवान राम ने बाली को मधुकदम्ब पेड़ के पीछे छिप कर मारा, बाली ने गुस्से में राम जी को श्राप दे दिया जिस मधुकदम्ब बृक्ष ने आपको छिपाया वो मधुकदम्ब का बृक्ष कड़वा हो जाए और आप ने जिन हाथों से मुझ पर तीर चलाया वो आपके शरीर में न रहे । भगवान ने मुस्कुरा कर श्राप को शिरोधार्य कर लिया और मधुकदम्ब का बृक्ष नीम के बृक्ष मे तब्दील हो गया, भगवान ने मधुकदम्ब बृक्ष से कहा तुम चिंता मत करो कलयुग मे मैं तुम्हारे अंदर निवास करूंगा जिससे तुम्हारे महत्व मे कोई कमी नहीं आएगी पर जैसा बाली ने श्राप दिया है मेरे हाथ पैर नहीं होंगे और कलयुग में भगवान दारू ब्रह्म श्री जगन्नाथ जी के रूप में तब्दील हो गए अब वक्त आ गया है जगन्नाथ जी भी हाथ पैरों के साथ कल्कि अवतार रूप में भक्तों को दर्शन देंगे

<https://youtu.be/Xqtq2QB72AY>

2028 सबसे बड़ा जल प्रलय, लकड़ी का बड़ा जहाज, पूर्ण पृथ्वी पाणी से ढकी है, 7 दिन 7 रात अंधेरा, और नुवा नुवा करके आवाज सुनाई दी थी।।

और इस लेख के नुवा प्रमाण से ये पता चला, की भगवान कल्की अभी तक किसीको दर्शन नहीं दिये है, वह सावले है, है और अत्यंत गरिबी में सामान्य जीवन व्यतीत कर रहे हैं।।

<https://youtu.be/v7RJAK9Qdow>

- 2023 में बाईस सीढ़ियों में मछलियाँ खेलेंगी अर्थात् समुद्र का जल मंदिर तक पहुंचेगा जगन्नाथ मंदिर में भगवान नहीं होंगे जगन्नाथ जी छतिया वट (कटक) हाडिया लोहार की समाधि में आएंगे
- फिर 2026 में रत्न सिंहासन डूब जाएगा
- फिर 2028 में हिंद महासागर में धुमकेतू टकराएगा विशाल सुनामी आएगी, जगन्नाथ मंदिर पूरी तरह डूब जाएगा, पृथ्वी इस टक्कर से पलट जाएगी, सात दिन सूर्य नहीं उगेंगे अंधकार छाया रहेगा, सात दिन बाद सूर्य पश्चिम से उगेगा नये तारामंडल दिखाई देंगे, उड़ीसा के तेरह जिले जलमग्न हो जाएंगे रूस छतिया वट में बमबारी करेगा उत्तर में राजस्थान का एक राजपूत बचे खुचे हथियारों के साथ दुष्मन देश की सेना पर हमला करेगा, दक्षिण में कल्कि अवतार महेंद्र गिरी पर्वत से जंगल में निवास करते वाले लोगों की फौज बना कर दुष्मन देश की सेना पर हमला करेंगे अंत में दोनों ओर से शत्रु को समाप्त कर दिया जाएगा फिर वो राजपूत कल्कि अवतार की शरण लेंगे और
- 2029 में एक लाख भक्तों को जगह जगह राजा बनाया जाएगा नवनिर्वाण का कार्य शुरू हो जाएगा 240 देश में सिर्फ 111 देशों में ही लोग बचे रहेंगे वो भी जनसंख्या बहुत कम होगी जगन्नाथ छतिया वट कैसे आएंगे दिव्य हथियार कैसे प्रकट होंगे ये मैंने पहले ही गिरधारी कोर्ट वाली प्रसंग में उल्लेख कर दिया है

<https://youtube.com/clip/UgkxVWUT6qwPtzVBkJMJTcfWHa06Et9LXPa6>

- 31 करोड़ भक्त जो भारतीय नहीं और हिंदी भी शायद नहीं जानते वोह तो न त्रिसंध्या समझते हैं और न ही मालिका जानते हैं, उनका उद्धार कैसे होगा?

अभी अंग्रेजी में मालिका का प्रचार इसी लिए नहीं हो रहा है क्योंकि अभी परमिशन नहीं है। एक ऐसा समय आएगा जब विश्व की जन संख्या आधी हो जाएगी। उस समय मालिका का प्रचार होगा और जो लोग बचे हैं उन लोगों के लिए प्रभु अंग्रेजी में भी मालिका का प्रचार कराएंगे। उस वक़्त जो बदलेंगे वोह रह जायेंगे और जो नहीं बदलेंगे उनका विचार प्रभु करेंगे।

अच्युतानंद दास जी मालिका में कहते हैं कि हिमालय में पहले 1 बड़ा भूकंप आएंगे इससे पहले एशिया के चारों ओर छोटे भूकंप बहुत बार आएंगे लेकिन फिर एक बड़ा भूकंप आएगा जो 16.5 रेक्टर पैमाने पर पर होगा और केंद्र बिंदु हिमालय होगा और धरती माता में घोर गर्जन होगा और पृथ्वी 3 बार बुरी तरह हिलेगी और पूरी दुनिया इससे बुरी तरह प्रभावित होगी बहुत भयंकर तबाही होगी बड़ी-बड़ी इमारतें और ऊँचे-ऊँचे पहाड़ खत्म हो जाएंगे 1 भारत के कुछ शहर, नेपाल, पाकिस्तान अफगानिस्तान, चीन और हांगकांग से लेकर इंडोनेशिया तक बुरी तरह प्रभावित होंगे कुछ देश पूरी तरह से नष्ट हो जाएंगे और बड़े भूकंप के कारण उनका भौगोलिक क्षेत्र बदल जाएगा चीन पाकिस्तान टर्की और अन्य देश में बहुत बड़ा विनाश होगा जाएगा बड़े पैमाने पर भूकंप के कारण 70 से 90 फीसदी इलाका ढह जाएगा भाविश मालिका में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि यह किस समय होगा 1

□ फिर्गी भाषा कू जोतोने रोखी, प्रांतों बेनी अक्षरो रखीबू साक्षी ।

अर्थात् अंग्रेजी भाषा English लिखना और English के अंतिम दो अक्षरों पर ध्यान देना

S मतलब 19 वा अल्फाबेट और H मतलब 8 वा अल्फाबेट। $19 + 8 = 27$ यानी की 2027

इस दोहा में अच्युतानंद कलयुग का अंत और सतयुग के शुरुआत का संकेत दे रहे हैं अब ये महापुरुष भी अजीब लोग होते हैं भला साधारण आदमी इन संकेतों को कैसे समझ सकेंगे नहीं बताना था तो अच्युतानंद को नहीं बताना चाहिए था ऐसे उटपटांग संकेत दे कर लोगों को उलझाने की क्या आवश्यकता थी तो अच्युतानंद कहते हैं ऐसा करने से पापी सतर्क हो जाएंगे और मालिका सिर्फ भक्तों को सतर्क करने के लिए है और भक्त भगवान और महापुरुष की भाषा समझ जाते हैं क्योंकि वो भाव के साथ जुड़े हुए होते हैं दरअसल मनुष्य का मन जिस व्यक्ति या वस्तु का चिंतन अधिक करेगा उसका मन वैसा ही हो जाएगा, किसी क्रोधी व्यक्ति की संगति में उसका चिंतन करने से शांत स्वभाव मनुष्य में भी क्रोध के लक्षण प्रकट होने लगते हैं क्योंकि जीव सत चित आनन्द है, सत का स्वभाव चिंतन है चित का स्वभाव ज्ञान है और आनन्द का स्वभाव प्रेम है, जीव जिस व्यक्ति या वस्तु का चिंतन करेगा उसे उसी का ज्ञान प्राप्त होगा, क्या ज्ञान प्राप्त होगा यही कि फलाने व्यक्ति या वस्तु में आनन्द सुख चैन हैपीनेस है फिर उस व्यक्ति या वस्तु से प्रेम हो जाएगा अर्थात् लगाव हो जाएगा । इस सिद्धांत के अनुसार अच्युतानंद कहते हैं मैंने संकेत जैसा भी दिया हो भगवान और महापुरुषों का चिंतन करने वाला समझ जाएगा ।

<https://www.youtube.com/watch?v=KDh377huFgQ>

<https://youtube.com/clip/UgkxVWUT6qwPtzVBkJMJTcfWHa06Et9LXPa6>

□ 31 करोड़ भक्त जो भारतीय नहीं और हिंदी भी शायद नहीं जानते वोह तो न त्रिसंध्या समझते है और न ही मालिका जानते है, उनका उद्धार कैसे होगा?

अभी अंग्रेजी में मालिका का प्रचार इसी लिए नहीं हो रहा है क्यों की अभी परमिशन नहीं है। एक ऐसा समय आएगा जब विश्व की जन संख्या आधी हो जाएगी। उस समय मालिका का प्रचार होगा और जो लोग बचे है उन लोगो के लिए प्रभु अंग्रेजी में भी मालिका का प्रचार कराएंगे। उस वक्त जो बदलेंगे वोह रह जायेंगे और जो नहीं बदलेंगे उनका विचार प्रभु करेंगे।

<https://youtu.be/ONGHuD2KxN0>

□ 2023 में पृथ्वी पर आएगा ऐसा सौर तूफान जिसे सौर सुनामी कहा जाएगा। इस सौर तूफान से कई जगह पे इन्टरनेट, राडार, रेडियो और सेटेलाइट्स काम करना बंध कर देंगे और पृथ्वी के मेट्रिक फिल्ड में भी क्षति पहुचेंगी।

□ एक बड़ा देश जैविक और मानव हथियारों का परिक्षण शुरू कर देगा। डॉक्टर और वैज्ञानिक इंजेक्शन देके वाइरस का परिक्षण करेंगे। जब तक दुनिया को पता चलेगा तब तक कई मौते हो चुकी होगी।

□ दुनिया के एक हिस्से में परमाणु हादसे से ज़हरीले बादल फैल जायेंगे। जिससे दुनिया में कई स्वास्थ्य समस्याएं होगी। किसी बिजली संयंत्र में गड़बड़ी के कारण यह दुर्घटना होगी।

□ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और जेनेटिक इंजीनियरिंग इतनी तरक्की कर लेगा की लेब में बच्चे बन सकेंगे। माता पिता बच्चो के गुण तय कर पाएंगे।

बिरेन सिंह के अनुसार --

बरगद की छाल, भूमि नीम (चिरयता), और इस माखन चोर का स्मरण ध्यान समान रूप से मिला कर अर्थात बरगद की छाल और भूमि नीम को पीसते वक्त और सेवन के वक्त श्री कृष्ण का ध्यान अवश्य रहना चाहिए तभी चौबीस घंटे तक एक चम्मच बरगद की छाल और भूमि नीम के मिश्रण से ही भूख नहीं लगेगी और शरीर को ऊर्जा मिलती रहेगी।

जब सात दिन अंधकार होगा अर्थात 2028 मे तब इस छलिये का दास अचुतानंद ने क्या कहा है पता है, इस दास ने कहा है भक्त एक ऐसे बृक्ष को जानते होंगे जिसका मंजन आंखों पर लगाने से भक्त को उस सात दिन अंधकार मे भी दिन की तरह उजाला दिखेगा। जब मालिका भक्तों से पूछा जाता है कौन सा बृक्ष है तब वो कहते हैं नहीं नहीं अभी इसके बारे में हम नहीं बता सकते पर वो बृक्ष भी वही छलिया है दारू बृक्ष अर्थात दारू ब्रह्म जगन्नाथ अर्थात श्री कृष्ण की भक्ति के कारण भक्त लोगों को घनघोर अंधकार में भी दिखाई पड़ेगा।

□ 2024 को हरि नाम निरंतर स्मरण करने वाले भक्तों का कला प्रकाशित होगा उन्हें पता चलेगा मै कौन मेरा कौन और मुझे करना क्या है। अब तक सत्या भांजा ने जितने भक्तो को सामने लाया है उससे भी 50 गुना 2023-24 में आमने आयेंगे।

□ 2024 के अंत मे इंद्र खून की बारिश कराएगा जिससे कुत्ते बिल्ली खून पीने लगेंगे इसके बाद हिंसक हो जाएंगे और लोगों के घरों में घुस कर इंसानों पर हमला करेंगे

□ कला के प्रकाश हो जाने के बाद भक्त लोग अपना परिचय विश्व को देंगे और तब कुछ दुर्जन उनपे हास्य करेंगे। ऐसे लोग निश्चित ही मरेंगे।

□ जब परमाणु युद्ध शुरू हो जाएगा तब रेडियोकिरणों से छिपकली गिरगिट आदि जीवों का आकार बढ़कर खरगोश जितना बड़ा हो जाएगा जिससे वो घरों से निकल कर जंगलों में भाग जाएंगे, मीन राशि पर शनि के आने पर ऐसी ऐसी घटनाएं घटेगी बड़े बड़े बैज्ञानिक ज्ञानी कुछ समझ नहीं सकेंगे ये क्या हो रहा है

□ पत्थर की मूर्तियां बोलने लगेगी एक दिन मे 6 ऋतु का भोग होगा

□ सवर्गे बृहस्पति मरत्ये सारदेई, यांको बिना अन्यो न जाणंती केही। जाणी छंती जेई पंच सखा सेई, तांको ठारो गारो बूझीबा कू केही।।

अर्थात सवर्ग मे बृहस्पति पृथ्वी पर सरस्वती इनके अलावा कोई अन्य नहीं जानता, और यदि कोई जानते हैं तो वो पंच सखा हैं उनके इशारे लेखनी को समझने वाला कोई नहीं है।

□ सोड़ो वर्षो नंदी घोषो रथ न होईबो, कहू कहू नव यौवनो तुक्षो होईबो। एमंतो लक्ष्णो रामो देखिबू तू जेबे, कल्कि राम निश्चये उदयो होईबे।।

अर्थात छे साल साल रथयात्रा नहीं होगा, कहते कहते नव यौवन तुक्ष होगा। ऐसे लक्षण जब देखोगे शिष्य रामचंद्र तब समझना कल्कि अवतार निश्चित ही प्रत्यक्ष होने वाले हैं।

□ न रहिबो कांग्रेसो जे पड़ाईबो छाड़ी, निश्चये बीजेपी जिबो भारतो गादी माड़ी। नृपति पद्मो पुष्पो रामो बाणो टाणो, लेखिले अच्युतानंदो ऐ कथा प्रमाणो।।

अर्थात कांग्रेस नहीं रहेगी छोड़ कर चली जाएगी, निश्चित ही बीजेपी भारत के सिंहासन पर बैठ जाएगी। कमल का फूल राज करेगा राम नाम का जिद्द करेगा ये प्रमाण अचुतानंद लिख कर गए हैं।

□कड़ी रजा होई थिबो मंत्री मिथ्या सेनापति जे अहंकारो १, पुत्रो मेछो पापीष्टो दूत वाद छेदो सैन्यो मारो धोरो ११

अर्थात् कलि राजा होगा मंत्री होगा मिथ्या, सेनापति अहंकार रहेगा, पुत्र मलेच्छ पापी होंगे, दूत (अंडभक्त) वाद विवाद करेंगे, और सैनिक होंगे मारो पकड़ो वाले १ समझ मे न आए तो कमेंट करना १

□माता पुत्र रात्रे दिवा युद्ध जे लागीबो १, पद्म फूलो राजा होई भारतो पालीबो ११

अर्थात् माता पुत्र मे रात दिन युद्ध चलेगा, कमल फूल राजा बनकर भारत को पालेगा, माता पुत्र का अर्थ है भारत पाकिस्तान, रूस यूक्रेन, चीन ताईवान वगैरह वगैरह १

□फणी पति श्री धर जे दिनो राजा होईबो १फिटिबो प्रजांक कष्टो, स्वर्ण वृष्टि हेईबो ११

अर्थात् फणी पति (फनो वाले नागो के स्वामी) श्री धर (बलराम) जब राजा बनेंगे प्रजा के कष्ट दूर होंगे आकाश से स्वर्ण वृष्टि होगी १

□मालिका मे लिखा हुआ है साधु सन्यासी तांत्रिक मांत्रिक सभी प्रकार के तंत्र मंत्र यंत्र वालों की कल्कि अवतार अष्ट देवीयां विरोजा, कटक चंडी, संभलेश्वरी, विमला, सारला आदि देवीयां को परीक्षा लेने के लिए कहेंगे अब ये देवीयां कूटनीति का प्रयोग करेंगी जैसे एक दोहा है सारला करीबो कूटो लो बौऊलो कटके लागीबो गोड़ो अर्थात् सारला देवी की कूटनीति से कटक मे युद्ध आरंभ होगा और हिंदी भाषी समझ नहीं पा रहे होंगे ये देवी सारला, विमल कौन सी देवीयां है तो ये वही हैं जैसे सारला देवी सरस्वती है बिमला लक्ष्मी है, संभलेश्वरी अन्न पूत्रा है वगैरह वगैरह १

□ये देवीयां अब कूटनीति से साधु सन्यासियो तांत्रिक मांत्रिक आदि की परीक्षा लेंगी और जो परीक्षा में पास नहीं होगा उसका सर धड़ से अलग कर दिया जाएगा और जो सचमुच तंत्र मंत्र की शक्ति रखता है उसकी परीक्षा स्वयं भगवान कल्कि कटक जोबरा घाट (काड़िया बोदा) में लेंगे उन सभी को देवी शक्तियां अपनी शक्ति से भारत के कोने कोने से खींच कर उस स्थान पर ले जाएंगी और कल्कि परीक्षा लेंगे अर्थात् कटक शहर में 96000 हजार चीनी और मुस्लिम सेनाएं मौजूद होंगे उसने युद्ध करने के लिए कहेंगे यही कल्कि परीक्षा होगी पर जो पांखडी हैं उनकी परीक्षा अष्ट देवीयां लेंगी फेल होने पर सर धड़ से अलग कर दी जाएगी

मोहन बोली जाकू कोही १ महत्व आत्मा अटे सेही ११

□ मालिका मे कब अंग्रेज भारत छोड़ देंगे ये लिखा था १
ब्रह्म भक्ति वेदो वारो, से दिनों पडाईबो गूरा सरकारो.

अर्थात् ब्रह्म १, भक्ति ९, वेद ४, वार ७ को गोरा सरकार भारत से चली जाएगी

□ मांसो खाईबो गाई लो बौऊड़ो, कूकूरो खाईबो सागो १
मणीषो पी बो मणीषो रक्तो, बंचिबो खाली भक्तो ११

अर्थात् ऐसे ही भयंकर दृश्य देखने को मिलेंगे गाय मांस खाएंगी, कुत्ते साग खाएंगे, मनुष्य मनुष्य रक्त पीएगा बचेगें सिर्फ भक्त १

64 कोटि कात्यायनी मनुष्य के अंदर घुस कर ऐसा करवाएंगी औरतें भी अपने पति के गले में काट कर खून पी जाएंगी पुरुष लोग भी रक्त पीने की इच्छा से बच नहीं पाएंगे जैसे शराबी बिना शराब के रह नहीं सकता ऐसे ही बिना खून पीए लोग रह नहीं पाएंगे, कात्यायनीयां सूक्ष्म रूप से मनुष्य के शरीर में प्रवेश कर रही हैं सूक्ष्म जगत मे ऐसा हो रहा है जैसे ही शनि फिर से कुंभ मे प्रवेश करेगा ऐसी घटनाएँ दिखनी शुरू हो जाएंगी पर पहले तो पता नहीं चलेगा कि कोई खून पीने के लिए मर्डर किया है ।

मालिका वर्णित भक्त गोविन्द चक्रवर्ती जो बिना अन्न जल के भी जीवित रहने मे सक्षम हैं ये गुप्त रूप से रहते हैं ये वृंदावन से भगवान जगन्नाथ जी के आदेश से आए हैं जब जगन्नाथ मंदिर मे हमला होगा तब ये और इनके दो साथियों के साथ अचुतानंद दास को सियाल्दा (बंगाल) लेकर जाएंगे और एक यज्ञ करवाएंगे जिसके कारण ब्रिटिश काल का रेल इंजन अपने आप पटरी पर दौड़ती हुई सियाल्दा से पुरी आएगी और उन डिब्बों को खींच कर छतिया वट लाएंगी जिन डिब्बों मे जगन्नाथ जी के विग्रहो को छिपा दिया गया होगा १

□लक्ष्मी छाड़ी जाई थिबे धरित्री रू, अलक्ष्मी बाबू थिबे होई महागुरू, पांच हजार एक सौ चौबीस अंको अटई, एई अंको रे भैरवी डाको होईबो टी, अष्ट चंडी अष्टो दिगूं बाहारो होईबे, महानदी तटे सबू हुलोहूली देबे ,

अर्थात् लक्ष्मी छोड़ के जा चुकी होगी और चरित्र हीन औरतों को लोग महागुरू मान कर चलेंगे अर्थात् कामीनी नारी के वशीभूत होंगे, कलयुग के 5124 वर्ष होने पर भैरवी की गर्जना लिंग राज मंदिर पर सुनाई देगी अष्ट चंडी अष्ट दिशाओं से बाहर निकलेगी और हूलहूली देंगी १

□चेता सून्य होई जीबे टोलीण पडिबे, डाको सुणीबा व्यक्ति सबू मरीबे, भास्कर महातेजो रूपो धारणो करीबो, स्थाने स्थाने बाबू अग्नि कांडो हेबो,

अर्थात् भैरवी गर्जना सुन कर लोग गिर जाएंगे जिसे भी ये गर्जना सुनाई देगी वो मर जाएगा, सूर्य प्रचंड गर्मी देगी जगह जगह अग्नि कांड होगा १

#bhairavidaak #2024 #timeline

□दूई हजार चौबीस मशीहा अंको आठो, ऐ अंको रो शनि ग्रह छाया पुत्रो, ऐ अंको चलन हौऊ थिबा समय रे, मीनो शनि भोगो होऊ थिबो पृथ्वी रे, अनेको वित्पातो मानो पृथ्वी रे होईबो, ब्रह्मांडो कपी उठीबो धारीत्री थरीबो ।

अर्थात 2024 को जोडने पर आठ अंक होगा ये आठ अंक शनि ग्रह छाया पुत्र का होता है इस अंक का चलन जब होगा तब मीन राशि मे शनि का भोग होगा , पृथ्वी पर अनेक उत्पात मचेगा ब्रह्माण्ड कांप उठेगा धरती थर्रा उठेगी

□भाई भाई बंधु बंधु होणा होणी होईबे, दिवा हाणो लागीबो काहाकू न छाड़िबे, धरीत्री रक्त रंजितो होऊ थिबो, चतुर्दिगे भय भय भय दिसी जिबो , लोको माने पागलो होऊ थिबे, प्रसाशनो होतोवाको होई देखिबे ।

अर्थात भाई भाई बंधु बंधु मे मारकाट होगी, दिन दहाड़े काटेंगे किसी को नहीं छोड़ेंगे, धरती रक्त रंजित होगी चारों ओर भय का वातावरण बनेगा, लोग पागल हो रहे होंगे प्रसाशन मुक दर्शक बना रहेगा ।

□केहि किछी उपायो कोरी न पारिबे, बुद्धि ज्ञानो हजी जीबो निरूपायो हेबे, कड़ी गोड़ो उपजिबो मीनो शनि थिबो, गुप्ते रहीबो बाबू केही न जाणिबो ।

अर्थात कोई कुछ उपाय नहीं कर पायेगा, बुद्धि ज्ञान सब खो जाएंगे सभी निरूपाय होंगे, मार काट मचेगी शनि मीन में गुप्त रूप से रहेंगे कोई जान नहीं पाएगा ।

□चौबीस रू लेखा यंत्र उलटी पड़ीबो, कम्प्यूटरो मोबाइलो कामो न जे देबो, कोलो कारोखाना सबू भांगी ण जे जीबो, स्कूलो कोलेजो कोषागारो बंदो होई जीबो ।

अर्थात 2024 से कम्प्यूटर मोबाइल काम नहीं करेंगे, कल कारखाने सब नष्ट हो जाएंगे, स्कूल कालेज बैंक बंद हो जाएंगे ।

बेणुधर पागल बाबा का रात के बारह बजे से सत्य भंज की टीम पीछा कर रही थी वेणुधर अचानक खंडगिरि गुफा की ओर जाने लगा, इतने मे वेणुधर को पता चल गया कोई पीछा कर रहा है अचानक वेणुधर अदृश्य हो गया । सत्य भंज को कई दिनों तक वेणुधर नहीं मिला फिर अचानक एक दिन भुवनेश्वर मे सत्य भंज को बेणुधर मिल गया, सत्य भंज ने पूछा आप का एक दिन हमलोग रात मे पीछा कर रहे थे आप गायब कैसे हो जाते हैं वेणुधर ने कहा मै नहीं जानता भगवान ही मुझे कभी कभी अदृश्य कर देते हैं इसलिए लोग मेरा ठिकाना नहीं पाते हैं और फिर इधर उधर भटकता भी तो रहता हूँ अभी पंद्रह दिन पहले की बात है दो रूसी नागरिक जो हमारे उडीसा मे आए हुए थे उन्होंने एक उडिया भाषी व्यक्ति के साथ मिलकर मुझे बुलाया फिर तीनों ने एक झाड़ी के पीछे ले जाकर मुझे बांधकर एक कार मे बैठा दिया फिर मैंने रूसी नागरिकों के साथ जो उडीया आदमी था उससे पूछा भाई ये क्या कर रहे हो मेरे पास पैसे वगैरह नहीं है उस व्यक्ति ने अश्लील भाषा मे गाली देते हुए कहा तुम्हारे पिछवाड़े कील ठोकने के लिए ले जा रहे हैं इसलिए अच्छा होगा बता दो कल्कि अवतार कहाँ है और जगन्नाथ मंदिर के ब्रह्म पदार्थ को कौन सी धातु मे भरकर ले जाया जा सकता है क्या लकड़ी के बक्से मे वो पदार्थ ले जाया जा सकता है मैंने कहा भाई मुझे ये सब नहीं पता मुझे छोड़ दो फिर उस व्यक्ति के साथ रूसी व्यक्तियों ने भी मुझे पीटना शुरू कर दिया मैंने जगन्नाथ से कहा हे जगन्नाथ मेरी रक्षा करो ये लोग मुझे कहीं मार न दें फिर मै बेहोश हो गया जब होश आया तो अपने आप को एक पेड़ के नीचे पाया ऐसे ही मुझे जगन्नाथ अदृश्य कर देते हैं वो आदमी मुझे फिर से मिल जाँए सालों को पत्थर मारूंगा हमारे जगन्नाथ जी के गुप्त रहस्य का पता लगाना चाहते हैं , सत्य भंज ने फिर पूछा बाबा जी इतनी बड़ी घटना हो गई और आप पुलिस के पास नहीं गए, वेणुधर ने कहा क्या आप भी सत्य बाबू मे ठहरा पागल इधर उधर भटकता रहता हूँ भीख मांग कर खाता हूँ और मेरी बात का लोग या पुलिस वाले भला क्यों विश्वास करेंगे । 2024 आने दिजिए सत्य बाबू सभी लोग सबकुछ जान जाएंगे सब अपनी आंखों से देखेंगे पर तब कोई कुछ कर नहीं पाएंगे उन्हें चारों तरफ सिर्फ मौत ही मौत नजर आएगी कही भी बचने की जगह नहीं मिलेगी जो हरि नाम लेने का अभ्यास नहीं करते हैं उन्हें विश्वास होगा ही कि भगवान हमें बचा लेंगे

हजारों साल पहले जब जगन्नाथ जी, सुभद्रा जी और बलराम जी के विग्रह को रंगने की बारी आई थी तब लोग समझ नहीं पा रहे थे किन रंगों से विग्रह को रंगा जाए तब ब्रिटेन , घाना और रूस से लौटे संतों ने इसका निवारण किया था इसलिए जगन्नाथ पुरी और जगन्नाथ मंदिर के साथ ब्रिटेन , अफ्रीका का घाना और रूस का घनिष्ठ संबंध है और मालिका ग्रंथ के अनुसार अब फिर से इन देशों के साथ भारत पूरे विश्व पर छाप छोड़ने वाला है, पहले तो रूस चीन का साथ देगा पर ब्रिटेन जब भारत की मदद करेगा तब रूस जगन्नाथ जी के समक्ष झुक जाएगा ।

□भविष्य मालिका में भुकंप, सूनामी, युद्ध भूखमरी महामारी परमाणु धमाका और अंत मे धुमकेतू का टकराना भी लिखा है ऐसे मे लोग सोचते हैं आखिर लोग बचेंगे कैसे?

पर मालिका कहती है बचेंगे दैवी कृपा से बचेंगे, प्रभु उन लोगों को बचाएंगे जो भक्ति की साधना मे रत होंगे।

□पर कैसे बचाएंगे, ये समझने के लिए इतिहास मे जाना होगा जब आर्य और अनार्य का भेदभाव चरम पर था और आर्य उत्कल प्रदेश मे जगन्नाथ की खोज कर रहे थे जगन्नाथ जी एक गुफा में थे जो सबर जनजातियों के इलाके मे था और विश्वाबसु सबर जगन्नाथ जी की सेवा कर रहे थे तब राजा इंद्रधुम्न ने सबर जनजातियों से प्रार्थना किया जगन्नाथ जी जो नीलमाधव के रूप में उनके पास है वो उन्हें सौंप दें ताकि आर्य अनार्य का भेद मिटे और भारत एक हो कर रहे । राजा इंद्रधुम्न ने मंदिर निर्माण करवाया और जगन्नाथ जी की वेद विधान से पूजा शुरू करवाया वहाँ सभी लोग बिना भेदभाव के भगवान के दर्शन करने लगे ।

हजार साल बीत गए इतिहास के पन्नों मे ये बात दर्ज हो कर रह गई फिर 1200 वर्ष पहले मे चड़ोगंग देव ने फिर से मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया फिर से मंदिर मे चहलकदमी बढ़ी पर फिर से जात पात छुँआ छूत भेदभाव अपना चरम रूप ले चुकी थी बहुत संतों ने इसका विरोध भी किया पर लोग नहीं माने तब आक्रांताओं का हमला जगन्नाथ मंदिर मे शुरू हुआ लगभग बाईस बार जगन्नाथ मंदिर मे हमला हुआ उनमें कालबाहू मुगल अंग्रेज आदि थे, धीरे धीरे पाप

चरम पर पहुँच गया इसलिए संतों ने भविष्यवाणी कर दी कलयुग खत्म हो जाएगा पर लोग बचेंगे कैसे तो उन्हें भगवान बचाएंगे, मुगलों के आक्रमण के पहले ग्रामीण इलाकों जंगलों के अंदर कुछ अजीब प्रकार की सभ्यताएँ भी थी जो देवी शक्तियों से ऐसी ऐसी चीजें निर्माण करते थे जिसके बारे में आधुनिक विज्ञान भी नहीं जानता वो कौन सा कला या विज्ञान है जैसे जगन्नाथ मंदिर, कोणार्क मंदिर, खिचिंग मंदिर कुछ मंदिर तो ग्रनाईट चट्टान जैसे सख्त चट्टानों से बना है और पूर्वज कहते हैं एक रात में ये सब बन जाता था, जब राजा लोग निजी स्वार्थ से ये सब बनवाने लगे तो वो विद्या लुप्त होने लगी और वो लोग विलुप्ति के कगार पर जा पहुँचे और जहाँ से जिन गुफाओं से ऐसी शक्ति उन्हें मिलती थी उन गुफाओं का दरबाजे बंद हो गए।

मालिका के अनुसार तीन बार उडीसा जैसे तटवर्ती राज्यों को समुद्र डुबो देगी तब बलराम जी उन गुफाओं में भगवान के भक्तों को छिपा देंगे और खंड प्रलय से बचा लेंगे तीसरी बार का खंड प्रलय धुमकेतू टकराने से होगा हिंद महासागर में टकराने के कारण विशाल सुनामी उठेगी इसलिए तब भगवान भक्तों को झारखंड छत्तीसगढ़ के जंगलों के अंदर जो गुफाएँ हैं वहाँ ले आएँगे और जब खंड प्रलय शांत हो जाएगा तब उन्हें गुफाओं से बाहर निकाल देंगे लेकिन तब उन मनुष्यों में अदभुत क्षमता आ चुकी होगी उन गुफाओं के अंदर देवी शक्तियों से उनका संपर्क फिर से कायम हो जाएगा देवी देवताओं की चहलकदमी धरती पर फिर से बढ़ जाएगी ऐसा लगेगा जैसे धरती पुराण काल में चली गई है मैंने संक्षेप से बताया इतिहास में और भी बहुत सारी बातें हैं खंड खंड है।

कलयुग का इतिहास कतारबद्ध तरीके से नहीं है इधर का उधर और उधर का इधर है कलयुग में ब्रिक्रमादित्य, नागार्जुन आदि की सभ्यताएँ भी चली थी जो नष्ट हो गई पर जब कलि महाभारत की रचना होगी तब कलयुग का इतिहास सभी को वास्तविक रूप से पता चलेगा और नफरत भेदभाव संसार से मिट चुका होगा लोग सत्य व्यावहार सत्य आचरण कर रहे होंगे पुनर्निर्माण के कार्य जोर शोर से योगमाया के द्वारा चल रहा होगा कल्कि अवतार का राज चलेगा लोग स्वर्ण काल में जी रहे होंगे। अनेक प्रकार की बातें होती हैं क्योंकि ये संसार ही कूड़ा कबाड़ा है इसलिए शंकाये तो बनी रहेंगी।

जब छतिया वट वृक्ष से दूध बहने लगेगा अर्थात् जैसे कुछ महीने पहले नीम के वृक्षों से दूध जैसा पदार्थ निकलने लगा था ऐसे ही छतिया वट वृक्ष से दूध निकलने लगेगा तो समझना चाहिए जगन्नाथ जी मंदिर छोड़ देंगे और जगन्नाथ मंदिर पर चीन का हमला होने वाला है, और ऐसा 2024 को होने की संभावना जताई जा रही है।

अचुतानंद – रामचंद्र जब अरूण स्तंभ में गिद्ध बैठे तो समझ लेना कलयुग का अंतिम समय आ गया।

रामचंद्र – गुरुदेव ये क्या बात हुई भला एक पक्षी के बैठने से कलयुग कैसे खत्म हो जाएगा।

अचुतानंद – जगन्नाथ मंदिर से बारम्बार पत्थर गिरेगा।

रामचंद्र – गुरुदेव मंदिर पुराना हो जाए तो पत्थर तो गिरेंगे ही।

अचुतानंद – नीलचक्र टेढ़ा हो जाएगा रत्न छावनी में आग लग जाएगा।

रामचंद्र – गुरुदेव बड़ा तूफान आए तो नीलचक्र टेढ़ा होगा ही और मंदिर में दीए वगैरह जलते ही रहते हैं इससे कभी गलती से रत्न छावनी में आग लग सकती है इससे तो कलयुग खत्म नहीं होगा न।

अचुतानंद – तुम जो शंका कर रहे हो ये कलयुग के मनुष्यों की शंकाएँ हैं जो तुम्हारे जरिये भगवान प्रकट कर रहे हैं पर ध्यान से सुनो जगन्नाथ जी मंदिर छोड़ देंगे कल्प वृक्ष में आग लग जाएगा भयंकर युद्ध होगा जगन्नाथ जी मानव रूप धारण करेंगे सात दिन धरती पर सूर्य दिखाई नहीं देगा हिंद महासागर में विशाल धुमकेतू गिरेगा जिसकी टक्कर से सौ मीटर तक जमीन उत्तर की ओर सरक जाएगी।

रामचंद्र – तब तो गुरुदेव सचमुच कलयुग का अंत हो जाएगा सभी मलेच्छ विनाश को प्राप्त होंगे और बचेंगे वही जो भक्ति करेंगे और जो भक्ति करेंगे भगवान की महिमा से बचेंगे जो नये युग की शुरुआत करेंगे।

□ जगन्नाथ मंदिर, द्वारकाधीश मंदिर और रामेश्वरम समुद्र में विलीन हो जाएगा, बद्रीनाथ धाम में नर नारायण पर्वत धंस जाएँगे बद्रीनारायण पाताल में चले जाएँगे जो अवशेष बचे हुए होंगे वो ग्लेशियर फटने से होने वाली तबाही से नष्ट हो जाएँगे फिर नये तीर्थों का उदय होगा नये धर्म सनातन धर्म की स्थापना होगी।

□ मालिका के अनुसार जगन्नाथ मंदिर से पत्थर गिर रहे हैं ये विश्व में भयंकर भूकंप आने का संकेत है जगन्नाथ मंदिर की सीढ़ी में पानी भर गया ये अधिकांश देशों का जलमग्न होने का संकेत है, जगन्नाथ मंदिर की रसोई में आग लग गई ये भूखमरी का संकेत है जगन्नाथ मंदिर का ध्वज बार बार टूट कर गिर रहा है ये धर्म की हानि का संकेत है अर्थात् मनुष्य बेईमान हो गए हैं पूजा पाठ तो पहले से अधिक हो रहा है पर सभी बेईमान हो गए हैं बचे खुचे भी बेईमान हो रहे हैं मंहगाई बाढ़ बेरोजगारी आदि के कारण और जो पहले से बेईमान हैं वो तो करोड़पति बने हुए हैं इस प्रकार से धर्म की हानि हो रही है और जगन्नाथ मंदिर के उपर जो गिद्ध चील पक्षी आदि मंडरा रहे हैं ये लडाकू विमानों के मंडराने का संकेत है जगन्नाथ मंदिर में जो होगा वो पूरे विश्व में होगा, जगन्नाथ मंदिर के अंदर शौचालय बन गया और वहाँ हागना भी शुरू हो गया वो भी कुईली बैकुंठ में, कुईली बैकुंठ का मतलब तो निकुंज होता है जो गोलोक में है पर जगन्नाथ मंदिर के अंदर जगन्नाथ जी के विग्रह की जहाँ समाधि दी जाती है उसे कुईली बैकुंठ कहते हैं और ये पूरे विश्व में दुर्गंध बदबू फैलाने का संकेत है। आगे कुछ दिनों बाद ही जगन्नाथ मंदिर के पंडों के गिरोह के बीच अर्थात् पंडों के बीच ही भयंकर मारकाट होने वाली है ये खबर पक्की है और ये चारों ओर पूरे विश्व में युद्ध रक्तपात का संकेत होगा।

?? मालिका में लिखा है जब चीन भारत पर हमला करेगा तब परग्रही भी रूस और चीन का साथ देंगे इधर उडीसा जोलुका पहाड़ पर अदभुत नाग रात होते ही निकल रहे हैं पराशर मुनि के गुफा से वो नाग निकल रहे हैं जिनके माथे पर चमकदार मणियाँ हैं वो कदम्ब के पेड़ में चढ़ जाते हैं और उन नागों के पंख

निकल आते हैं और वो आसमान की ओर उड़ जाते हैं ऐसी घटना रात होते ही घट रही है गाँव वालों का कहना है वो नाग रोज रात को उड़ कर आसमान में कहाँ जाते हैं ये तो गाँव वालों को पता नहीं पर मालिका के अनुसार ये संकेत दिया गया है जब जोलूका पहाड़ पर ऐसी घटना घटित हो तो समझना चाहिए कल्कि अवतार के आविर्भाव का समय बहुत करीब होता जा रहा है

□गाँव वालों का कहना है 2024 तक कल्कि इस पाहाड़ पर आएंगे और तब इस गुफा से हजारों साल पहले के ऋषि मुनि निकलेंगे जिनकी आयु हजार साल तक है और गाँव वाले कह रहे हैं कल्कि अवतार जहाँ हैं निश्चित ही ये नाग उड़कर वहीं जा रहे हैं अब कहाँ कल्कि अवतार हैं और रात को कहाँ ये नाग उड़कर जा रहे हैं ये तो किसी को नहीं पता पर गाँववालों के अनुसार मालिका में लिखा है मालिका के अनुसार ये नाग पाताल लोक से आ रहे हैं और कल्कि अवतार के पास ही जा रहे हैं

□विरोजा शासने महावीरो हनुमानो, डेगी उठीबे से देई गोर्जनो, हनु जन्मी थिबे काशीपुरो रे, मुणा तांती को गृह मध्य रे ।

अर्थात् विरोजा मंडल में महावीर हनुमान घोर गर्जना करते हुए कूदेगा, हनुमान जी के अंशावतार सालेईपुर के काशीपुर में मुना तांती के घर जन्म ले चुका है

□मालिका के इन दोहों में यही लिखा है वैशाख मास शुक्ल पक्ष में कल्कि अवतार होगा लग्न कर्क होगा शुक्र पंचम में रहेगा गुरु और शनि चतुर्थ घर में रहेंगे और रवि चंद्र और मंगल उच्च स्थान पर रहेंगे बाकी ग्रह शुभ स्थान पर रहेंगे ।

जब पत्थर की मूर्ति आंख खोल कर क्रोध प्रकट कर सकता है तो असमय में शनि क्यों नहीं मीन में जा सकता है ये कलयुग है विपरीत मौसम विपरीत आचरण के साथ विपरीत ग्रहों का चलन भी होगा

<https://youtu.be/2K4imCuhIWw>

□शनिश्चरो जाणो कुंभो रे थिबो न हले मीनो रे वक्रि होईबो ।
भयंकर युद्धों से बेड़े होबो नीलाचलो रे चीना पोसीबो ।।

इस दोहे के अनुसार शनि कुंभ में रहेंगे या मीन में वक्री होंगे और शनि कुंभ में बीस जनवरी के आसपास फिर से प्रवेश कर रहा है और नियम अनुसार 2025 के मार्च महीने के आसपास शनि मीन में प्रवेश करेगा । अब अचुतानंद कह रहे हैं

□चौबीस अंको भीतोरे मंगल वारो से दिनो से चैत्र मासो रो मध्य रे, भारत देशो भीतोरे नीलाचलो रे चीना पोसीबो बड़ो देऊड़ो रे

अर्थात् 24 अंक 2024 में मंगलवार चैत्र अर्थात् अप्रैल के महीने में चीन जगन्नाथ मंदिर पर हमला करेगा ।

इससे पता चलता है जो कभी नहीं हुआ वो इस बार होगा शनि समय से पहले मीन में प्रवेश करेगा क्योंकि 2024 को जगन्नाथ मंदिर पर हमला होगा मालिका के अनुसार शनि मीन में हमला होना है पर यदि 2025 में हमला होता है तो चौबीस अंक गलत सिद्ध हो जाएगा पर अचुतानंद की उल्टी बानी बरसे कमल भीगे पानी । समय के पहले शनि मीन में जाएगा इसलिए दोनों बातें सत्य साबित होगी शनि मीन में ही रहेगा और चौबीस अंक भी रहेगा ।

हिमालय क्षेत्र से लगातार 7 दिनों तक एक बेहद ठंडी हवा चलेगी और इससे भारत में कई जानवरों की मौत हो जाएगी, इस तबाही के तुरंत बाद 13 मुस्लिम देश एक दूसरे की मदद के लिए एकजुट मोर्चा बनाएंगे। मक्का मदीना में भी बड़ा युद्ध होगा।

मालिका विचार

□□□□□□□□□□

□चंद्र बाणो वसु राजा नरेन्द्र जाणो ।
थोकाए नष्ट हेबो मरीबे रणो भणो ।।

अर्थात् चंद्र 1 ,
बाण 5, (कामदेव के ये पाँच पुष्प बाण-कमल, अशोक, आम, नवमल्लिका और नीलोत्पल)

बसु 8 , (आठ वसु ये हैं—घर, ध्रुव, सोम, विष्णु, अनिल, अनल, प्रत्यूष और प्रभास)

इन तीनों को जोड़ने पर योग होगा 14

अर्थात् 2014 में नरेन्द्र राजा होगा जान लो ।

और लोग नष्ट भ्रष्ट होंगे , मरेंगे , मंहगाई बढ़ेगी ,
ये भी जान लो ।

□दया पद बाबू हेबो निश्टुरो ।
अति दुर्भिक्ष पड़ीबो संसारो ।।

अर्थात् जिन पदों पर रहते हुए दया रखना चाहिए ।
वही लोग निष्ठुर हो जाएंगे । इसलिए अकाल महामारी संसार में व्याप्त होगा ।

□ बाणो बसु घन ऋतु मिसाई ।
ऐ काड़ी रे खेलो आरंभो होई ॥

अर्थात् बाण 5, (कामदेव के ये पाँच पुष्प बाण-कमल, अशोक, आम, नवमल्लिका और नीलोत्पल)

वसु 8, (आठ वसु ये हैं—घर, ध्रुव, सोम, विष्णु, अनिल, अनल, प्रत्यूष और प्रभास)

घन 4, (चार घन होते हैं , घन मतलब मेघ । आवर्तक, संवर्तक, द्रोण , पुष्कर,)

ऋतु 6 (वर्षा, ग्रीष्म, शरद, हेमंत, शिशिर, वसंत)

इन सबका योग 23 ,
अर्थात् 2023 से खेल शुरू होगा ।

□ अकाड़े बर्षा अकाड़े घोड़ो घोड़ी ।
बिहोनो होजाई चासी करोबो रोड़ी ॥

अर्थात् असमय बारिश । असमय मेघ गर्जना से किसान बीज के लिए तरस जाएंगे ।

□ आषाढ़ श्रावणो न बोढिबो नोई ।
अकाडे बढीबो नोई कूड़ो बूड़ाई ॥

अर्थात् आषाढ़ श्रावण में नदी में जल नहीं होगा ।
और असमय में नदियों में उफान आएगा ।
जो कुल को बहा ले जाएगा ।

□ रक्तोचापो, मधु, पीलीया हेबो ।
घोरे घोरे वायु रोगो बढीबो ॥

अर्थात् रक्तचाप, मधुमेह, पीलीया और गैस्ट्रिक की बीमारी घर घर में व्यापेगी ।

□ कांतारो तीनी बर्षो पड़ीबो ।
चिंता रोगो रे पुनी मरोणो हेबो ॥

अर्थात् मंहगाई के बाद तीन साल तक भूखमरी आएगी और चिंता नामक रोग से मनुष्य मरने लगेंगे ।

□ पूर्व भानु अबा पश्चिम में जिव
अच्युत बचन आन नोहिब ।

पर्वत शिखरे फुटिब कई
अच्युत बचन मिथ्या नुंहइ ।

ठुल सुन्यकु मु करिण आस
ठिके भणिले श्री अच्युत दास ।

व्याख्या :-

महापुरुष अच्युतानंद जी मलिका की पवित्रता और सच्चाई की घोषणा बज्र कंठ से करते हैं। भक्तों के मन में भक्ति और विश्वास को पुनः जागृत करते हुए कहते हैं कि सूरज पश्चिम दिशा में उदित हो सकता है, पर्वत के शिखर पर कमलपुष्प खिल सकता है किन्तु उनके द्वारा लिखी हुई वाणी असत्य नहीं होगी।

- शिव जी की मूर्ति से आग और पानी प्रकट होंगे। नन्दीश्वर की आँख से अश्रु बहेंगे, वोह अपनी पूँछ हिलाएंगे और जोर से गर्जना करेंगे।
- गरुड़ ध्वज मंदिर पे एक मूर्ति बैठेगी और अलग अलग भाषाओ में कुछ बात करेगी ।
- भगवान् भैरव लगातार मन्त्र बोलेंगे। पृथ्वी में से चित्र विचित्र आवाज़े आएगी।
- एक मगरमच्छ श्रीसैलम के ब्रह्मरम्भा मंदिर में आके आठ दिन रहेगा बकरी के जैसे रुदन करेगा और गायब हो जायेगा।
- कांची कामाक्षी कि मूर्ति अपनी जगह पे गोल गोल घूमेगी ।
- बेंगलोर में कामाक्षी के मुह से खून बहेगा। दैवी मुर्तिया लोगो से बात करेगी ।
- गण्डकी नदी में शालिग्राम पत्थर नाचेंगे और लोगो से बाते करेंगे ।

स्त्रोत: <https://panchamahakalagnanamulu.org/>

- पत्थर मूर्ति जे पुन, जीवंत होइबे कलि शेष रे जाईफुल, एहा सत्य वचन प्रमाण।

अर्थ- कलयुग के अंत में कई पत्थर की मूर्तियाँ जीवित हो जाएँगी, ये बात सच है॥

600 साल पहले भविष्य मालिका में कहे गए युग परिवर्तन के असंभव से लगने वाले संकेत जो आज आलरेडी सत्य हो चुके हैं ।

1. गाय का मांस भक्षण करना □ <https://www.youtube.com/watch?v=bTLjiuN91VU>
2. निम् के पेड़ से दूध जैसा सफ़ेद और मीठा तरल निकलना □ <https://www.youtube.com/watch?v=VR682zZdTio>
3. फल के अन्दर फल का उगना □ https://www.reddit.com/r/mildlyinteresting/comments/9ary67/a_papaya_growing_inside_another_papaya
4. परबत के शिखर पे कमल का खिलना □ <https://www.youtube.com/shorts/PI6sBsCuRfY>
5. गाय का भेड़ बकरियों जितनी छोटी और कम दूध देने वाली हो जाना □ <https://youtu.be/2k4wCq3oij0>
6. भुवनेश्वर के प्राचीन पूजा स्थल पे आरती के समय जीवित शंख का आना फिर चले जाना □ https://www.youtube.com/watch?v=7NV6WeZ_hdQ
7. आरती के समय घुटने टेक के प्रभु भक्ति में मग्न बकरी □ <https://www.youtube.com/watch?v=lmvx6jclNsk>
8. सूअर का हाथी जैसे दिखने वाले बच्चे को जन्म देना □ https://www.youtube.com/watch?v=D_y7BDu4URA
9. तुलसी के पौधे पे गुडहल का फुल खिलना □ <https://bit.ly/3ZkaKMI>
10. प्राणमय होती मुर्तिया □ <https://youtube.com/shorts/uaceZ6kTlD4> | <https://www.youtube.com/watch?v=NyJoNdDvS4Y> | <https://bit.ly/3QkwW5d> (कुछ ही साल में मीन राशी में शनि के गोचर के बाद कई जगह मूर्तियाँ बाते भी करेगी)
11. बांस के पौधों पे चावल का उगना □ https://www.youtube.com/watch?v=Vwi6_3VMvzI
12. गाय के बछड़े द्वारा कुत्तो का दूध पीना □ <https://youtube.com/watch?v=Y9sEYdi6dhQ>
13. छिपकलियों का आकार बड़ा होना □ <https://youtu.be/Z3z1EjyGdOQ>
14. नवजात शिशुओं के गर्भ में भ्रूण निकलना

15. 10 महीने के बच्चे के पेट में पाए गए 3 भ्रूण! <https://www.indiatodayne.in/assam/story/assam-foetus-found-abdomen-10-month-old-boy-dibrugarh-rare-case-501053-2023-01-21>

16. 21 दिन के बच्चे के पेट में पाए गए 8 भ्रूण!
<https://economictimes.indiatimes.com/news/new-updates/eight-fetuses-found-in-21-day-old-baby-in-ranchi/articleshow/95297500.cms>

17. नर बिल्ले ने दिया बच्चे को जन्म
<https://www.eastmojo.com/tripura/2023/04/10/tripura-male-cat-reportedly-gives-birth-to-female-kitten/>

18. आम के पेड़ पे नींबू उगना
<https://youtu.be/HvW3w-bnUts>

इसके अलावा भविष्य मालिका एवं अन्य भविष्य ग्रंथों की बहुत सारी घटनाये है जो हमारे आसपास इतनी बार हो रही है की हमें सामान्य लगने लगी है, हाला की ऐसा कुछेक सो साल पहले नहीं हुआ करता था जैसे की:

- ☐ बार बार बिजली का इंसानों और पशुओं पे गिरना और उससे जान हानि
- ☐ बार बार भूकंप और सुनामी आना
- ☐ समाज व्यवस्था छिन्न भिन्न होना, दिन दहाड़े लुट, हत्या और बलात्कार
- ☐ धन के आधार पे न्याय मिलना, धन से चरित्र का निर्धारण होना
- ☐ प्रजा पालक राजाओं का प्रजा द्रोही और पिडाकारी बन जाना
- ☐ बिन मोसम ठंडी, गर्मी, कोहरा और बरसात हो जाना
- ☐ भाई का बहन के साथ दुर्व्यवहार, पिता का बेटी के साथ दुराचार
- ☐ वृद्ध और अशक्त माता पिता को संतानों का त्याग देना
- ☐ बिन ब्याहे बच्चे होना और ऐसे बच्चों को कही भी मरने के लिए उसकी ही माँ के द्वारा फेंक देना
- ☐ तीर्थ स्थानों पे अश्लील हरकते और पापाचार
- ☐ वेदों, पुराणों और धर्मगुरुओं का भ्रष्ट हो जाना और प्रजा को कुमार्ग पे प्रेरित करना
- ☐ सांस पे बहुओं का, पति पे पत्नी का और पिता पे पुत्र का हुक्म चलाना
- ☐ गौ मांस भक्षण और ज़्यादातर लोगो का माँसाहारी होना
- ☐ पानी और भोजन जैसी जीवन ज़रूरी वस्तुओं का अप्राप्य होना और बेचे जाना

शास्त्रों के यह आज "सामान्य लगने वाले" प्रमाणों के अलावा ऊपर दिए गए अकल्पनीय प्रमाणों को देखने के बाद भी यदि कोई मान रहा है की कलियुग 4,32,000 साल का है और भविष्य मालिका पे विश्वास नहीं कर रहा फिर तो इसे भगवान् की माया ही समजना चाहिए। खैर, राम कृपा बिनु सुलभ न सोई। लेकिन यदि आप जानना चाहते है की सत्य क्या है, आनेवाले समय में और क्या क्या होगा और इससे बचने का क्या उपाय है तो यह लिंक पे क्लिक करके <https://www.kalkiavatara.com/contacts> आपको और आप के परिवार, समाज को भविष्य की दुसह स्थिति से बचने के लिए निस्वार्थ सत्य मार्गदर्शन किया जायेगा। #kaliyugaendsigns #kaliyugaend #kaliyugaendproof #fulfilled #malikaproof

आज से लगभग 82 साल पहले हरियाणा के सूर्य कवि पंडित दादा लख्मी चंद का लिखा एक भजन जिसमे कहा गया है

☐ बीसवी सदी के अंत तक ऐसा समय आएगा, चारो तरफ जंग छिड़ जाएगी हर तरफ आफत ही आफत होगी। रशिया, चीन और अमेरिका में आपस में तकरार छिड़ेगी। बन्दुक और टॉप छोड़ कर बॉम्ब की वर्षा होगी। सारा जगत गुठो में बाँट जाएगा और धुंधांधार युद्ध होगा।

☐ सब से पहले रशिया, चीन और अमेरिका हारेंगे। उनकी ऐसी हालत बिगड़ेगी की सब कुछ मिटटी में मिल जायेगा।

☐ सात से दल साल के भीतर ही ऐसा भयंकर युद्ध होगा की देश की आबादी घटकर बहुत थोड़े लोग बचे रह जायेंगे।

☐ कई कोस (1 कोस = लगभग 2 माइल) जगह में कुछ कुछ मनुष्य मिलेंगे इतनी कम संख्या होगी। हर तरफ बस जंगल रहेगा। कुछ भी वस्तु तक साबुत नज़र नहीं आएगी ऐसी तबाही होगी। माँ, बच्चे सब छोड़ छोड़ के नर और नारी अपनी जान बचने भागेंगे। अपने माल मिलकियत सब छोड़के लोग जान बचा के भागने पे मजबूर होंगे।

☐ ज़हरीली गेस की वजह से लोग घुट घुट कर मरेंगे।

☐ न तो कोई लाशो को दफ़नाने वाला होगा न जलाने वाला। लाशें पड़ी पड़ी साद जायेगी और उसे गीदड़ और कुत्ते खायेंगे।

☐ जब यह परिस्थितिया उत्पन्न होगी तो देशो के नक्शे तक बदल जायेंगे। जो खुद को बहुत बलवान समझ रहे है वोह ज़मीं पे पड़े मिलेंगे।

आज से लगभग 82 साल पहले हरियाणा के सूर्य कवि पंडित दादा लख्मी चंद की लिखी कुछ और पंक्तिया

20 वीं जाए पाछे इस्सा ज़माना आवेगा,
इतनी खलाफत बढ़ ज्यागी माणस ने माणस खावेगा..

दुनिया के हालात बिगड़ क इतने खश्ते हो ज्यांगे,
कट क लोग मरेंगे घर घर ये तय फौजी दस्ते हो ज्यांगे...

जी टी रोड प ऊपर निचे दो दो रस्ते हो ज्यांगे,
पशु पखेरू महंगे होक ये माणस सस्ते हो ज्यांगे...

अर मुर्दा माणस बिक्या करेगा ना कोई चिता जलावेगा
ये रूल पुराने हो ज्यांगे

गली गली म खुले कचेहड़ी चौकी थाणे हो ज्यांगे,
दूध, दही, घी सपना होके मोती दांणे हो ज्यांगे...

ये गाम बसेंगे पाणी म परलोक ठिकाणे हो ज्यांगे,
घास फूस की सब्जी खाके यो माणस गुजारा चलावेगा।

- वानर बात करेंगे
- बिल्ली वेद पढ़ेगी
- सवान यजुर्वेद के छंद गायेंगे
- हंस गीत गायेंगे।
- पक्षी के गर्भ से पशु जन्म होगा
- गौमाता के गर्भ से मनुष्य जन्म होगा
- बिल्ली के मुख से तिन दिन अग्नि निकलेगा
- नर गर्भ धारण करेंगे और नारियां नर में परिवर्तित होगी

ये जब होता देखो तो समझना कल्कि आ रहे है।

भविष्य मालिका | Bhavishya Malika Research | कल्कि अवतार | Kalki Avatar | युग परिवर्तन | Yug
Parivartan | संशोधन | Research:
प्रचारिलु तुहि समय सुन राम रतन,
दिव्य सिंह देव राजन कोड़े कन्या रतन।

अर्थ- हे रामचंद्र अंतिम राजा दिव्य सिंह देव होंगे जिनको कन्याए होंगी।

दिव्य केशरी राजा होइब,
तेबे कलियुग सरिब।
चतुर्थ दिव्य सिंह थिब,
से काले कलियुग थिब।

महापुरुष अच्युतानंद

पुरुषोत्तम देव राजान्क ठारु,
उनबीन्स राजा हेबे सेठारु,
उनबीन्स राजा परे राजा नाहि आउ,
अकुली होइबे कुलकु बोहु।

– महापुरुष जगन्नाथ दास

Matlab ki Purushottam Deb pehle raja honge, wahan se lekar total 19 raja honge. 19th raja ke baad koi raja nhi hoga, aur 19th raja ka koi putr nahi hoga.

धनिआ □गिरी पर्वत में धन पहले से मौजूद है, मानधाता युधिष्ठिर ने वहाँ धन रखें है कलियुग लीला के लिए, बैंक खातों में घरों में जो धन (Cash) है उसे सरकार अपने कब्जे में कर लेगी, वाकी जो धन रहेगा वो जमीन के अंदर धस जाएगा मतलब धन को वासुकी हरण कर लेगा (स्विस बैंक में जमा पैसा भूकंप के जरिए जमीन के अंदर धस जाएगा) लोग कंगाल भिखारी हो जाएंगे इसके बाद कल्कि भगवान युधिष्ठिर के रखे हुए धन को विश्व कल्याण के लिए लगाएंगे ओर रास्ते पर पड़ा हुआ सोना चांदी हीरे जैसे कीमती धातु को उस वक्त कोई नहीं उठाएगा क्यों की उस समय सभी इंसान धर्म नाम के धन रोजगार करने के लिए इच्छुक होंगे - मालिका शास्त्र □

□बाणो वसु धन ऋतु रे बाबु त्रिदेव कू खोजीबू I
एही अंको रे जान्हवी गंगा सूखी जीबो जाणीबू II

अर्थात बाण, वसु, धन, ऋतु मे त्रिदेव को जोड़ना और इसी अंक मे गंगा सूख जाएगी ये स्मरण रखना I

बाण=5

वसु=8

धन=4

ऋतु=3

त्रिदेव=3

$5+8+4+3+3 = 23$ अंक

वर्तमान समय के अनुलक्ष में पूज्य गगनगिरि महाराज की कुछ और आगमवाणी

□श्री शैल और कनक दुर्गा जलमग्न हो जायेंगे (यही बात शब्दशः विष्णु अंश अवतार वीरब्रह्ममंद्र स्वामी ने भी 500 साल पहले कही थी)1 कई शहर बाढ़ में ढह जायेंगे।

□ अति उष्णता के कारण पर्वत पिघल जायेंगे और पानी बह के निचे आएगा। इस वजह से असंख्य जान हानि होगी।

□विन्ध्य हिमाचल आदि जगह गडगडाहट के साथ इतना पानी बरसेगा की अनेक नगर जलमग्न हो जायेंगे।

□नदियों के सारे बाँध टूट जायेंगे संसार में भारी जल प्रलय सब अपनी आँखों से देखेंगे।

□युद्ध की वजह से पृथ्वी पे विषैली वायु फैल जाएगी। असंख्य जिव इस विष वायु की वजह से प्राण गवाएंगे।

□युद्ध की वजह से पृथ्वी पे प्रदुषण फैल जाएगा। मनुष्य पे यह त्रासदी उनके कई दशको के कर्मों की वजह से आएगी।

□अल्पविकसित और रोगी संताने होगी। पृथ्वी पे सब प्रकार का लेनदेन ठप्प पद जायेगा।

□दुनिया के सब सज्जन गिरी और कंदराओ में छुप जायेंगे। इस वजह से कही कही ही मानव दिखाई पड़ेंगे।

□चारो वर्ण ध्वस्त हो जायेंगे। जात पात का भेद नहीं रहेगा और प्रभु नया समाज रचेंगे।

□लोकतंत्र सब नष्ट हो जायेगा और पृथ्वी पे फिर से राजाओ का शासन आएगा।

2023:- नेसर्गिक आपदा रहेंगी, ब्लास्ट, महंगाई बढेगी, विदेशो मे अन्न की कमी होणा आरंभ होगा, विश्वयुद्ध मूर्त रूप से आरंभ होगा, सभी तरफ गृह युद्ध होंगे।।

2024 के अंत तक पश्चिमी राष्ट्र और युरोप 80 प्रतिशत ध्वस्त होंगे, भारत मे गृहयुद्ध आरंभ होगा, 2024 अंत नई महामारी आयेगी।।

2025 नई महामारी चरम पर रहेगी, अन्न की कमी, गृह युद्ध, चीन व 13 इस्लामिक सेन्य भारत मे घुसेंगे(2025 जून के बाद)

2026 भगवान कल्की युग का अंतिम धर्मयुद्ध आरंभ करेंगे।।

2028 बहोत बडा जल प्रलय, पुरी पृथ्वी को धो देंगे।।

2029 से 2034 सत्य युग स्थापना

2035 भक्त को 1000 साल सुख मिलेगा।।

□ बंग, कश्मीर, कलिंग, गौड़, सौराष्ट्र देशों से अशुभ प्रदर्शित - वशिष्ठ संहिता में महर्षि वशिष्ठ ने शनि का कुप्रभाव किन किन जगह पे पड़ेगा यह अपनी रचना में बतलाया है।

17 Jan 2023 से जब शनि कुम्भ में प्रवेश करेंगे तब से बंगाल, कश्मीर, कलिंग, गौड़ और सौराष्ट्र में बहुत अशुभ होना शुरू होगा।

यानी पश्चिम बंगाल, कश्मीर, ओडिशा, दक्षिण के सभी राज्य, उत्तरप्रदेश, उत्तर पूर्व के सब राज्य, महाराष्ट्र और गुजरात पे सब से ज्यादा संकट आता है जब शनि कुम्भ राशि में होते हैं।

पिछली बार 1993 में जब शनि कुम्भ में था तब महाराष्ट्र के लातूर में बहुत बड़ा भूकंप आया था जिसमें 10,000 लोगों की मृत्यु हुई थी और मुंबई में 13 स्थानों पर आतंकी हमला भी हुआ था जिसमें कई मृत्यु हुई थी।

□ चेताई कहई अच्युत चारी गुण ऋतू अंक रे चेत। चेता अवश्य बुड़ी जीवत।

अर्थात् 4 गुना रुतु अंक यानी 4×6 अंक से चेत के रहना यह में तुम्हे चेताता हूँ। यह जान लो तब बुद्धि काम नहीं करेगी।

□ ठिकणा अच्युती काले, ठकी जिबे मिन शनि भले सूजने।

अर्थात् मिन एवं शनि धोका देगे ।।

जब अंक होगा 24 और साथ ही साथ मीन राशि में शनि होंगे तब आएगा भयंकर प्रलय जिसको देख मनुष्य की बुद्धि शून्य हो जाएगी। यह 24 अंक ओडिशा के छतिया धाम का अंक है जो अंग्रेजी साल 2024 में आता है।

गुजरात के देवायत पंडित की आज से 400 साल पहले लिखी यह आगमवाणी में कहा गया है की

- कई लोग शस्त्रों से मरेंगे और कई बीमारियों से
- जोर जोर से पवन चलेंगी और नदियों में पानी नहीं होगा
- उतर से कल्कि आयेंगे और हनुमानजी उनके आगे होंगे
- धरती पे सिर्फ युद्ध के वाहन चल रहे होंगे उसके सिवा गली कुचे सुने दिखेंगे
- दिन दहाड़े लोगों की सम्पत्ति की लूट होगी और बचाने वाला कोई नहीं मिलेगा
- जिन्हें लोग धर्मगुरु मानते हैं वोह काजी और पंडित लोगों को केवल मुख बना रहे होंगे
- विधवा स्त्रियाँ गर्व से दूसरी शादी करेंगी और ऐसा करने में कोई शर्म नहीं होगी
- अहमदाबाद में कांकरिया तालाब है उसके किनारे 100-100 गाँव जितने बड़े एरिया में सेना के तम्बू बंधे होंगे।
- उस समय युद्ध में प्रभु के साथ भीम और अर्जुन भी होंगे।
- साबरमती के किनारे महिलाएं और साधू तक लड़ाई में शामिल होंगे। यह सब निष्कलंक के साथ मिलके कलिनासुर का नाश करेंगे।
- यह घटना से कलियुग हटके सतयुग की स्थापना होगी और यह समग्र विश्व को उस समय पता चलेगा

□ फाटीबो हिमगिरि भांगी जिबो घोरो उत्तरे धुमकेतू दिसिबो ।
मिथुन मासो रे तेरह दिनो पक्षो काड़ो धोरोणी ग्रासीबो ।।

अर्थात् हिमालय फट पड़ेगा, घर टूट जाएंगे, (शायद यह जोशीमठ कर्णप्रयाग और आसपास हिमालय के आसपास में हो रही घटनाओं का संकेत है)। इसके बाद उत्तर में धुमकेतू दिखेगा (2023 के फरवरी महीने में ये घटना हो चुकी है जब आसमान में उत्तर दिशा में C/2022 E3 नामक नीला धूमकेतु दिखा था) इसके बाद मिथुन मास यानी की अषाढ़ महीने (जून-जुलाई) में तेरह दिन का पक्ष होगा इसके बाद काल धरती को ग्रास लेगा। वो तेरह दिन का पक्ष 23 जून से 5 जुलाई 2024 का है।

□ उज्ज्वल दिसाबो चंद्रमा आकाश कू ओना ।
धुमकेतू दिसिबो उत्तरे युद्धों रो प्रस्तावना ।।

आसमान में चंद्र उज्ज्वल दिखेगा। उसी समय उत्तर में धूमकेतु दिखेगा जो की आनेवाले युद्ध का संकेत होगा

□ सातो दिनो अंधोकारो हेबो जे मही रे ।
स्वामी कंरो गला काटी देबे से रात्रि रे ।।

□ सत्री सबू योग्री रूपो धारणो करीबे ।
पुरुषो मानोकंरो रक्तो शोषी नेबे ।।

अर्थात् जब सात दिन अंधकार होगा पृथ्वी में तब पुरूषों का गला काट के उनकी ही पत्नीयां खून पीएंगी क्योंकि तब सभी स्त्रीयां प्रकृति योगमाया के प्रभाव से डायन जैसा चुड़ैल जैसा रूप में तबदील हो जाएंगी ।

□बसु सालो रेवो बीसो अंको जे प्रमाणो ।
सप्तो दिनो अंधकारो होई बो जे जाणो ।

अर्थात् बसु 8 रेवो (नक्षत्र) 27 और बीसों 20 अंक है प्रमाण मतलब 55 अंक प्रमाण है जब सात दिन अंधेरा छा जाएगा धरती पर ।

ऐसा 26 जुलाई 2026 को होगा ।

हांलाकि भक्ति भाव में रहने वाली स्त्रियों के साथ योगमाया ऐसा नहीं करेगी जिन स्त्रियों का चरित्र खराब है जो परपुरूष का चिंतन करती है ऐसी नारीयां उस रात डायन में तबदील हो जाएंगी और अपने ही पति का खून पीएंगी । अब आगे भविष्य ही बताएगा मालिका की ये बात कितना सत्यासत्य है । जय जगन्नाथ ।

जेते जेते बंध, सब भांगी जीबा।
हीराकुद बंध माने उछुड़ी पड़ीबा।।

----- मालिका

स्थाने-स्थाने भूमिकम्प जे होइब, भुसुड़िब कोठा बाड़ी।
चोर खंट पुनि डकईत आसि, लगइबे लम्बा धाड़ी।।
अर्थ जगह जगह पर भूकंप आएगा और उसका फायदा उठा कर चोर डकैत लोग लंबी लाइन लगाकर लूटमार करेंगे।

भारत बरस प्रमिला राज्य हेब, ब्राह्मण जने दिल्ली गादी रे बसिब।
अर्थ- पाकिस्तान(प्रमिला राज्य) भी भारत हो जायेगा और दिल्ली गद्दी में ब्राह्मण(मरू देवापी) राज्य करेंगे। लेकिन ये सब धर्म स्थापना के बाद होना चाहिए।

□अठाईसो अंके बोछा बोछी हेबो जातो हेबो नूआ सृष्टि । अणोत्रीसो ठारू आनन्दे रहीबे भारतो रो जोनो गोष्टी ।

अर्थात् 2028 में मनुष्यों को चुना जाएगा और नई सृष्टि का निर्माण होगा 2029 से भारत की जनता आनन्द से रह रही होगी ।

इस एक दोहे से पता चलता है कलयुग कब खत्म होगा इस दिन क्या होगा । 2028 में धुमकेतू हिंद महासागर में गिरेगा पृथ्वी सौ मीटर तक उत्तर की ओर सरक जाएगी टक्कर इतनी जोरदार होगी कहीं जमीन समुद्र में चली जाएगी कहीं समुद्र के अंदर नये दीप निकल आएंगे इसलिए कहा गया है नई सृष्टि का निर्माण होगा और इसी दिन टक्कर से कारण पुराणों की बची खुची सभी भविष्य वाणीयां सच हो जाएगी गंगा स्वर्ग चली जाएगी बद्रीनाथ धंस जाएगा पुरी समुद्र के अंदर चला जाएगा कलयुग का एक भी तीर्थ नहीं बचेगा इसके लक्षण अभी से दिखाई दे रहा है ।

फिर 2029 से भारत की जनता आनन्द पूर्वक रह रही होगी

http://literature.awgp.org/book/yug_parivartan_kab_aur_kaise/v1.1

□नीलोचक्र अदृश्य जे हेबो जेते बेड़े ।
हिमगिरि बूढ़ो पक्षी बोसीबो देऊड़े ।।

अर्थात् नील चक्र जब अदृश्य होगा अर्थात् दिखाई नहीं देगा उसके बाद हिमालय गिद्ध जगन्नाथ मंदिर में बैठेगा ।

□जाणीबू व्याधि पुणि घटीबो से बेड़े ।
धुमकेतू उदय हेबो गगन मंडले ।।

अर्थात् फिर से महामारी फैलेगी और धुमकेतू दृश्यमान होगा आकाश मंडल में ।

आज नीलोचक्र कोहरे से अदृश्य हो गया अब देखते हैं कब तक हिमालय का गिद्ध मंदिर में बैठता है वैसे कानपुर में ऐसा गिद्ध अभी हाल ही में देखा गया है ।

□धुमकेतू जेते बेड़े दिसीबो उत्तरे ।
जाणीबू से बेड़े व्याधि घटीबो संसारे ।।

अर्थात् धुमकेतू जब उत्तर दिशा में दिखाई देगा तब फिर से महामारी का प्रकोप संसार में बढ़ेगा ।

□मीनो शनि मेड़ो गो हो हेबो जेते बेड़े ।
समरो लागीबो बाबू भारोतो मंडले ।।

अर्थात् मीन शनि का जब संयोग होगा भारत के अंदर भयंकर युद्ध होगा ।

□अनाहोतो ध्वनि शब्दो सुभिबो तीनी पुरो कंपी जीबो – मालिका

अर्थात् सूर्य से अनाहत ध्वनि सुनाई देगी तीनों लोक कांप जाएंगे

(सूर्य से लगातार ॐ की ध्वनि निकल रही है – नासा)

इस वीडियो में बता रहे हैं की, मालिका में एक योग लिखा है, की जब शनि कुंभ में होगा और गुरु का राशि परिवर्तन हो रहा होगा और ऐसा बैसाख मास के अंतिम में जब हो रहा होगा, तो बहुत बड़ी त्रासदी, या भूकंप होगा, जिसमे अपार जनहानि होगी, ये योग 22 अप्रैल को हो रहा है। वीडियो के अनुसार त्रासदी 22 अप्रैल से होगी ।

23 अंक में क्या होगा?

□तेइसी अंक जेब चलिब राम रे, आर्थिक अवस्था अचल हेबे देश मानकर रे।

रेल दुर्घटना मान पृथ्वी रे हुवई, वायुयान दुर्घटना मान घटुथई।।

अर्थ- 23 अंक जब चलेगा, विभिन्न देशों की आर्थिक व्यवस्था रुक जाएगी, रेल, वायु दुर्घटना घटेंगी।

□सेतिपाई माने अनेक लोके क्षय हुवई, सुर्ज प्रखर रश्मि धरती रे पड़ई, अंशुघात रे प्राणी मरूथांती जे पड़ई।

अर्थ- इसी प्रकार उनके लोग क्षय होंगे, सूर्य का तेज प्रकाश पृथ्वी पे पड़गा, बिजली गिरने से भी हानि होगी।

हालैण्ड के भविष्यवक्ता गैलार्ड क्राइसे ने कहा है कि मैं देख रहा हूँ कि पूर्व के अति प्राचीन देश भारत जहां साधु व सर्पों की पूजा होती है, वहां के लोग मांस नहीं खाते। ईश्वर भक्त और श्रद्धालु होते हैं, उनकी स्त्रियां पतिव्रता एवं कभी भी तलाक न देने वाली होती हैं। वहां के लोग सीधे-सच्चे और ईमानदार होते हैं। उससे एक प्रकाश उठता आ रहा है। वहां किसी ऐसे महापुरुष का जन्म हुआ है जो सारे विश्व के कल्याण की योजनायें बनायेगा। इसी बीच संसार में भारी उथल-पुथल होगी, भयंकर युद्ध होंगे जिसमें कुछ देशों का तो अस्तित्व ही समाप्त हो जायेगा। वायु दुर्घटनायें इतनी अधिक होंगी कि लोग हवाई जहाजों पर बहुत सीमित संख्या में चला करेंगे। उस व्यक्ति के पीछे सैकड़ों लोग जिसमें स्त्रियां बहुत अधिक संख्या में होंगी चल रहे होंगे। वह सब लोग एक स्थान के न होकर सारे देश से इकट्ठे होंगे। तमाम संसार के लोग उधर देखेंगे और उनकी बातें मानेंगे। सब राजनैतिक नेता एक मंच पर इकट्ठे होने में विवश होंगे। और फिर सारा संसार एक सूत्र में बंधता चला जायेगा। उसमें सर्वत्र अमन चैन होगी। कोई हिंसा न होगी। दमन, झूठ, फरेब के लिए कोई स्थान न रहेगा। दुष्ट, दुराचारियों और नारियों पर कुदृष्टि डालने वालों को सबसे अधिक दण्ड मिलेगा। लोग दूध अधिक पीया करेंगे, फूल-पौधों की संख्या बढ़ेगी, बड़ा सुन्दर लगने लगेगा।

□बाणो वसु घन ऋतु मिसाईबो , यही अंको खेलो आरंभो होईबो ।

अर्थात् बाण 5, वसु 8, घन 4, ऋतु 6 मिलना (2023) इसी अंक से खेल शुरू होगा ।

□नारो खारो हेबे प्रजा जोणो , माड़ि आसीबे मांगोलो पोठाणो ।

अर्थात् नष्ट भ्रष्ट होंगे प्रजा जन क्योंकि मांगोल (चीन) और पोठाणो (मुस्लिम देश) भीतर घुस रहे होंगे ।

□उत्तरूं माड़ि आसीबे मूढो, दक्षिण रे होईबे ठूड़ो ।

अर्थात् उत्तर दिशा से आएंगे मूर्ख और दक्षिण मे डेरा डालेंगे यहाँ उन्हें मूढ़ अर्थात् मूर्ख कहा गया है क्योंकि वो मरने के लिए भारत में घुस आएंगे इसलिए उन्हें महापुरुष अचुतानंद ने मूर्ख कहा है क्योंकि यहाँ कल्कि अवतार गुप्त रूप से पहले से ही उनको फंसाने और मारने के लिए शतरंज की बिसात बिछा चुकें होंगे ।

अब 2023 मे प्राकृतिक आपदा का भी संकेत दे रहे हैं महापुरुष अचुतानंद,,

□पूर्वो रूं दक्षिणो समुद्र बढीबो, दक्षिणे करीबो गादी ।

होईबो लहड़ी पड़ थिबो माड़ि, बड़ो देऊडो कू कांदी ।।

अर्थात् पूर्व और दक्षिण दिशा मे समुद्र का जल बढ़ेगा लहरें विकराल रूप धारण करेंगी जिससे जगन्नाथ मंदिर पर संकट गहराएगा ।

□बड़ो देऊडो कू धोक्का मारूं थिबो, देखीबू तू नयनो रे ।

उतरांचल कू युद्ध रो प्रस्तावना, हेतू रोखी बू तू मोनो रे ।।

अर्थात् जगन्नाथ मंदिर में समुद्र की लहरे टकरा रही होंगी अपनी आंखों से देखना और उसी समय देश के उत्तरी सीमावर्ती राज्यों में युद्ध चल रहा होगा ।

□नीलोचक्रो ठारू पताका छिड़िणो पड़ीबो समुद्र कूड़े ।
कल्कि रूपो कू चिंता पुणी हेबो नहिबे खीराब्धो मूड़े ।।

अर्थात् नीलचक्र से धर्म ध्वजा टूट कर समुद्र के किनारे गिरेगा और फिर से कल्कि अवतार की आशा लोग करेंगे, यहाँ महापुरुष ने फिर से कल्कि, ऐसा क्यों कहा क्योंकि पहले भी धर्म ध्वजा टूट कर गिरा है और कल्कि रूप की चिंता अर्थात् आशा लोगों को हुई थी जब फैलीन, फनी तूफान में धर्म ध्वजा टूट कर गिरा था पर माया बलवती है हालात सामान्य होने पर फिर से भूल गए, इसलिए महापुरुष ने लिखा है ध्वजा फिर से गिरेगा और फिर से कल्कि रूप की चिंता लोग करेंगे और इस बार समस्या इतनी गंभीर हो चुकी होगी जिससे फिर से नहीं भूलेंगे क्योंकि तब कहीं ओर से कोई आश ही नहीं बचेगी आंखों के आगे अंधेरा छाया रहेगा ।

□दूई सून्य दूई तीन जे ठाबो, एमंते समये बाबू भोगो जे होईबो ।

इस दोहे से पक्का संकेत मिल रहा है ऐसा 2023 से ही शुरू होगा क्योंकि इस दोहे में कह रहे हैं दो शून्य दो तीन अर्थात् 2023 को याद रखना और इसी साल से मनुष्य अपने पाप का फल भोगेंगे ।

प्रसिद्ध दक्षिण भारतीय सिद्ध सन्त और तपस्वी पोतुलूरी वीर ब्रह्मोदर स्वामी ने ही काल गणनम नामक ग्रन्थ रचा था इसी स्थान इसी गुफा इस मंदिर में बैठकर जिसमें उन्होंने भविष्य में होने वाली सब घटनाओं का वर्णन किया था उन्होंने कुछ संकेतों का भी वर्णन किया था जो विनाश और युग के अंत से कुछ समय पहले दिखाई देंगी

कलियुग के अंत के समय ऊंची जाति के लोग अपना मान सम्मान खो देंगे एवं शूद्र ऊंचे स्थानों पर बैठेंगे ब्राह्मणों का अपमान होगा ब्राह्मण अपना कर्म छोड़कर दूसरी जातियों के लिए कार्य करेंगे जो आज सच हो रहा है

□अगली भविष्यवाणी में वीर ब्रह्मेन्द्र स्वामीजी ने कहा है भाग्यनगर यानी हैदराबाद नगर का पानी सूख जाएगा और ये समस्या बढ़ जाएगी और ये बात भी आज सच हो चुकी है

□अगली भविष्यवाणी में कहा गया है पूरे संसार के सारे समुद्र दूषित हो जाएंगे सब समुद्री जीव मरकर लुप्त हो जाएंगे जो आज सच हो रहा है और कई जीव विलुप्त हो गए हैं

□कलियुग के अंत के समय भारत के 21 नगर 1 वर्ष के भीतर विनाश हो जाएंगे

□यदि तीसरा विश्व युद्ध शुरू हो जाता है तो शायद ये भविष्यवाणी सच हो जाएगी ।

□आगे वे लिखते हैं कलियुग के अंतिम समय काशी में स्थित गंगा नदी अपनी दिशा बदल देगी

□आगे वे कहते हैं कलियुग के अंत से पहले काशी में एक भयंकर धर्म युद्ध और विनाश होगा जो आएदिन हमें विधर्म म्लेच्छों के कारण होता दिखाई दे रहा है जो सच हो सकती है ।

□अंतिम भविष्यवाणी में वे कहते हैं कश्मीर के लिए भयंकर युद्ध लड़ा जाएगा जो भारत पाकिस्तान के बीच होगा

□चारों धाम सभी सिद्धपीठ से कलियुग के अंत के संकेत मिलेंगे मन्दिरों में सिद्धपीठों में मर्यादा और नियम नष्ट हो जाएंगे अलग अलग अपशकुन दिखाई देने लगेंगे जो अंतिम काल खंड और विनाश के सूचक होंगे ये आजकल हो ही रहा है ब्राह्मणों का तिरस्कार कर करके भीमटो को मन्दिरों में ले जाकर वहां पर अधिकार देना पूजन करवाना मन्दिरों में गिरती आकाशीय बिजली से मन्दिरों के खंभे टूटना या फिर मन्दिरों में होने वाले झगड़े आदि सब इसी और संकेत कर रहे हैं ।

हिमालय क्षेत्र में आए बड़े भूकंप 16.5 और पूरी दुनिया पर इसका असर

===== आज के समय में मनुष्य के अत्यधिक पापों के कारण, और अधर्म के मार्ग पर चलने वाले अधिकांश लोगों द्वारा पृथ्वी □इसका भार धारण करने में असमर्थ है। परिणाम स्वरूप दुनिया के लिए बहुत घातक होगा। जो पंचभूत प्रलय लाएगा जो खंड प्रलय होगा ।महान अच्युतानंद दास जी भाविश मलिका में कहते हैं कि हिमालय में पहले 1 बड़ा भूकंप आएंगे इससे पहले एशिया के चारों ओर छोटे भूकंप बहुत बार आएंगे लेकिन फिर एक बड़ा भूकंप आएगा जो 16.5 रेक्टर पैमाने पर होगा और केंद्र बिंदु हिमालय होगा और धरती माता में घोर गर्जन होगा और पृथ्वी 3 बार बुरी तरह हिलेगी और पूरी दुनिया इससे बुरी तरह प्रभावित होगी बहुत भयंकर तबाही होगी बड़ी-बड़ी इमारतें और ऊँचे-ऊँचे पहाड़ खत्म हो जाएंगे ।

भारत के कुछ शहर, नेपाल, पाकिस्तान अफगानिस्तान, चीन और हांगकांग से लेकर इंडोनेशिया तक बुरी तरह प्रभावित होंगे कुछ देश पूरी तरह से नष्ट हो जाएंगे और बड़े भूकंप के कारण उनका भौगोलिक क्षेत्र बदल जाएगा चीन पाकिस्तान टर्की और अन्य देश में बहुत बड़ा विनाश होगा जाएगा बड़े पैमाने पर भूकंप के कारण 70 से 90 फीसदी इलाका ढह जाएगा भाविश मलिका में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है अब मन में बड़ा सवाल आता है कि हम इस खंड प्रलय से कैसे बचे रहेंगे?

आप कितने शक्तिशाली हैं, आपके पास कौन से हथियार हैं जहां आप रहते हैं और आप किस पद पर हैं, फिर भी सचेत बदलाव से दूर होने का ये मानदंड नहीं है जो लोग धर्म के पथ पर हैं और भगवान कल्कि भगवान हरि नाम का भजन कर रहे हैं, वे भक्त बच जाएंगे और भक्तों की रक्षा प्रभुजी कल्किराम करेंगे और पूरी दुनिया देखेगी कि भारत इस मुश्किल घड़ी से कैसे बाहर निकलता है तो बड़े पैमाने पर भूकंप के कारण पूरी दुनिया में भौगोलिक परिवर्तन होंगे जिसका अर्थ है कि उत्तरी ध्रुव दक्षिणी ध्रुव में बदल जाएगा परिणामस्वरूप बड़ी तबाही आएगी और सूर्य और चंद्रमा की दिशा बदल जाएगी 1

जय श्री माधव कल्किराम महाप्रभु जी ??☒☐☐

2023 and Lord Kalki | Parth's Astrology Channel

<https://youtu.be/HvV-0ZfY1Sc?t=132>

प्राकृतिक आपदा सालभर रहेगी। 6 के ऊपर के भूकंप के झटके बहुत आयेंगे। भारत में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, कश्मीर और उत्तर तरफ़ी राज्यों में, नार्थ ईस्ट में असम, अरुणाचल प्रदेश आदि इलाकों में बहुत भूकंप आयेंगे, सुनामी जैसे परिस्थिति बन सकती है। पानी के रिलेटेड बहुत आपदाएं आएंगी जैसे सुनामी, बाढ़ आदि। जुलाई से लेके ट्रेवलिंग में सावधानी बरते, हो सके तो टालें।

इस साल भूकंप के बाद ज्वालामुखी के भी बहुत चांस हैं। भूकंप से लेंड स्लाइड भी काफी होंगे। हालांकि यह सब 2022 से काफी ज्यादा होगा। अननसेसरी स्ट्रेस रहेगा और पेट की बीमारी ज्यादा रहेगी। दिमाग को शांत रखने की कोशिश करें, भ्रम होने की संभावना है।

अचानक वज़न बढ़ना, घटना भी हो सकता है। खान पान पे ध्यान दीजिये हो सके तो बहार का खाना अवॉयड करें। 2023 खत्म होते होते कोई नया पान्डेमिक होने की संभावना है।

ओवरऑल आप का होरोस्कोप कैसा भी हो लेकिन वैश्विक कालखंड की वजह से आप की व्यक्तिगत परिस्थिति थोड़ी बुरी रहेगी ही।

कल्कि के बारे में -- जब भगवान राम या कृष्ण आये थे तो किसी को पता नहीं चला था ठीक उसी तरह कल्कि भी आयेंगे तो सब को पता नहीं चलेगा। वोह अभी गुप्त में रह रहे हैं और अपने गुरु से शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

2023 का अंक है बेज़िकली 7 इस लिए केतु का बहुत असर रहेगा। केतु मतलब आध्यात्मिकता, एकांत आदि। इस लिए 2023 में आध्यात्मिक लोग होंगे उनका आध्यात्मिक उत्थान होने वाला है। लोगों में थोड़ी आध्यात्मिक जाग्रति आएगी और गुप्त ज्ञान प्राप्त करेंगे।

अभी के समय में नकली कल्कि, वैष्णोदेवी सब बहार आयेंगे धीरे धीरे। इन सब में नहीं फसना है। समय आएगा तो खुद पता चलेगा आप बस ध्यान कीजिये उसी के ज़रिये भगवान आप को गाइड कर देंगे। धर्म की वजह से काफी दंगे वगैरह भी होंगे तो इसमें सावधान रहें।

- ☐ एमीती घोर तम देखी हरी
कलंकी रुपे हेबे अवतरी
- ☐ बैकुंठ तेजीण श्री जगन्नाथ
सम्बल ग्रामे होइबे उदित
- ☐ विष्णुजसा बिप्र गंगातीर रे
तार नारी जसोबंती गर्भ रे
- ☐ द्वादस मासरे गर्भू जन्मीण
जात कर्म सारी से कीछी दिन ” (4)

(4) शून्य संहिता, चवालीस अध्याय, अच्युतानंद दास

अर्थ:

- ☐ कलियुग के घोर अंधकार (क्रूरता, झगड़ा, कपट आदि में कई गुना वृद्धि और पृथ्वी में भ्रष्ट आबादी की बहुत मात्रा में वृद्धि) को देखकर, भगवान हरी पृथ्वी पर उतरने और कल्कि अवतार के रूप में अवतार लेने का फैसला करेंगे। श्री जगन्नाथ अपना निवास "बैकुंठ" छोड़कर संबल नामक गांव में प्रकट होंगे।
- ☐ वह एक ब्राह्मण के घर में जन्म लेंगे जो भगवान विष्णु की महिमा का गान कर रहे होंगे। उनका निवास गुप्त गंगा नदी के तट के पास होगा (बैतरनी गंगा नदी को ओडिशा की गुप्त गंगा के रूप में जाना जाता है)।
- ☐ ब्राह्मण की पत्नी का नाम जसोबंती होगा और प्रभु उनके ही गर्भ से जन्म लेंगे।
- ☐ हालांकि सामान्य गर्भधारण की अवधि 9 महीने है, सर्वोच्च प्रभु गर्भवस्था के 12 वें महीने में जन्म लेंगे। I #kalki

भविष्य मालिका में लिखा गया कुछ अमृत वाणी*

- ☐ रावण त्रेता युग रे बहु पाप कला।

छप्पन गंडा युग कु बर से पाइला।।
 □पाप रे जे तिनि भाग होइगला नाश।
 एक भाग भोग कला बिस्रवा र शिष्य।।
 □सुरा पान कला से जे क्षत्री न्कु बधिला।
 गौहत्या ब्रह्म हत्या जे पाप मान कला।।
 □तेणु करि तिनि भाग होइला विनाश।
 एक भाग भोग कला बिस्रवा र शिष्य।।
 □सेहिपरि कलियुग विनाश होइब।
 पांच सस्र भोग हेब अन्य पापे जिब।।

(अच्युतानंद दास, मोहकल्प, पृ- 28)

अर्थात:-

□त्रेता युग में बहुत तपस्या करने के बाद, रावण को छप्पन गंड युग (56 X 4 X 12 वर्ष) जीने का वरदान मिला।
 □लेकिन सुरा/मद्यपान, गोहत्या, ब्रह्महत्या और क्षत्रिय हत्या जैसे विभिन्न पाप करने के कारण, उन्होंने अपने पूरे जीवन के तीन भागों को खो दिया और केवल एक भाग यानी (14 X 4 X 12 वर्ष) का आनंद लिया।
 □इसी प्रकार मनुष्य द्वारा किए गए विभिन्न पापों के कारण कलियुग की आयु घटकर केवल 5000 वर्ष रह जाएगी।
 □आम्हे पंचसखा गहण रे थिबु, गोपी गोपालंक मिली।
 कलंक की महामंत्र प्रचार करिबु, बसि कल्पवट मुड़ी।।

अर्थात :-

मालिका में लिखा है जब छतिया वट पुरी होगा (बाढ़ के कारण) उसी समय पंच सखा जो अभी जन्म ले चुके हैं वट वृक्ष के नीचे बैठकर कल्की महामंत्र का प्रचार करेंगे।

मालिका में ओडिसा में जल प्रलय के कई संकेत दिए हैं, जिसमें से सबसे स्पष्ट संकेत है की जब ओडिसा में 33 जिला हो जाएंगे, तब ऐसा होगा, अभी ओडिसा में 30 जिला है, आगे जब भी ये 33 होंगे तब ऐसा होगा

□पूर्वो रू दक्षिणो समुद्र बढीबो, दक्षिणे करीबो गादी ।
 होईबो लहड़ी पड़ थिबो माड़ि, बड़ो देऊडो कू कांदी ।।

अर्थ: पूर्व और दक्षिण दिशा में समुद्र का जल बढ़ेगा लहरें विकराल रूप धारण करेंगी जिससे जगन्नाथ मंदिर पर संकट गहराएगा ।

□बड़ो देऊडो कू धोक्का मारू थिबो, देखीबू तु नयनो रे ।
 उतरांचल कु युद्ध रो प्रस्तावना, हेतू रोखी बू तू मन रे ।।

अर्थ: जगन्नाथ मंदिर गुम्बद से समुद्र की लहरे टकरा रहीं होंगी अपनी आंखों से देखना और उसी समय देश के उत्तरी सीमावर्ती राज्यों में युद्ध की शुरुआत होगी ।

बड़ो देऊडो कू धोक्का मारू थिबो, देखीबू तु नयनो रे ।
 उतरांचल कु युद्ध रो प्रस्तावना, हेतू रोखी बू तू मन रे ।।

अर्थ: जगन्नाथ मंदिर गुम्बद से समुद्र की लहरे टकरा रहीं होंगी अपनी आंखों से देखना और उसी समय देश के उत्तरी सीमावर्ती राज्यों में युद्ध की शुरुआत होगी ।

□चौबीस अंको भीतोरे मंगल वारो से दिनो से चैत्र मासो रो मध्य रे, भारत देशो भीतोरे नीलाचलो रे चीना पोसीबो बड़ो देऊडो रे

अर्थात 24 अंक 2024 में मंगलवार चैत्र अर्थात अप्रैल के महीने में चीन जगन्नाथ मंदिर पर हमला करेगा ।

“अर्धरु अर्ध मरिबे भारतवर्षे सब राज्य शून्य हेब जुद्ध गल परे।”

अर्थात –

तृतीय विश्व युद्ध के पश्चात भारत की वर्तमान कुल जनसंख्या चौथाई जनसंख्या ही बचेगी, अर्थात भारत की कुल 140 करोड़ लोगों की जनसंख्या में से घट कर केवल 33 करोड़ लोगों की जनसंख्या ही बच पायेगी। इस पर अच्युतानंद जी भविष्य मालिका में पुनः लिखते हैं धर्म संस्थापना के पश्चात भारत के सभी राज्य सूने हो जायेंगे...

दूई हजार चौबीस मशीहा अंको आठो, ऐ अंको रो शनि ग्रह छाया पुत्रो, ऐ अंको चलन हौऊ थिबा समय रे, मीनो शनि भोगो होऊ थिबो पृथ्वी रे, अनेको वित्पातो मानो पृथ्वी रे होईबो, ब्रह्मांडो कंपी उठीबो धारीत्री थरीबो ।

अर्थात 2024 को जोडने पर आठ अंक होगा ये आठ अंक शनि ग्रह छाया पुत्र का होता है इस अंक का चलन जब होगा तब मीन राशि मे शनि का भोग होगा , पृथ्वी पर अनेक उत्पात मचेगा ब्रह्माण्ड कांप उठेगा धरती थर्रा उठेगी

□"चौबीस रू लेखा यंत्र उलटी पड़ीबो,
कम्प्यूटरो मोबाइलो कामो न जे देबो,

कोलो कारोखाना सबू भांगी ण जे जीबो,
स्कूलो कोलेजो कोषागारो बंदो होई जीबो."

अर्थात:-

24 अंक से कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सब बंध पड़ जायेंगे। मोबाइल कुछ काम नहीं आएगा।

वाहन, कारखाने सब टूट पड़ेंगे यानी काम नहीं कर पाएंगे। स्कूल, कॉलेज, बैंक सब बंध हो जायेंगे।

मालिका *में* *लिखी गई *भविष्य वाणी*

□नारीए होइबे प्रबल। सती र धर्म हेब दुर ॥
पुरुष बसिथिबे घरे । नारी बुलिबे बार द्वारे ॥
गृहस्त कथा न सुणिबे । पुरुषे मुंड पोतिथिबे ॥
करिबे आत्महत्या जन। न सहि नारी कु-बचन॥।

छयालिश पटल.....(अच्युतानन्द दास)... पृष्ठ- 185

भावार्थ :-

कलियुग में स्त्रियाँ बुरे कर्मों में लिप्त रहने के साथ ही , अधर्म और अत्याचार करेगी , जिससे उनका सतीत्व नष्ट हो जाएगा। पुरुष घर में रहेंगे जबकि स्त्रियाँ घर के बाहर विचरण करेगी , घर की स्त्रियाँ पुरुषों की बात नहीं मानेंगी वो बुरा व्यवहार करेगी और उनको अपशब्द बोलेंगी , जिसके कारण पुरुष लज्जा और अपमान वश सिर झुकाकर रखेंगे। इसके कारण बहुत से लोग आत्महत्या करके मरेंगे , क्योंकि वो स्त्रियों के दुर्वचनों को सहन नहीं कर पाएंगे ।

भारत मे 2024 से युद्ध लगने के कुछ सबूत

□मधुमासो शुक्ल दशमी जे गुरूवारो ।
से दिनो भक्तों कूं भेटो हेबे दामोदरो । ।

अर्थात 18 अप्रैल 2024 को दामोदर (कल्कि अवतार) से भगवान के भक्तों की मुलाकात होगी।

(ऐसा सियालदाह यज्ञ में ही सम्भव है, जहाँ स्वयं प्रभु भी रहेंगे। और यज्ञ के बाद क्या होगा आप सभी को पता होगा।)

और एक बात महापुरुष ने साफ लिखा है कि अप्रैल 2024 में चीन जगन्नाथ मंदिर में हमला करेगा। 【 यह आप नीचे की पंक्ति में देख सकते है】 । यानी ठीक सियालदाह यज्ञ होने के बाद। इतना बड़ा अटैक वह भी चीन के द्वारा सियालदाह यज्ञ के बाद ही सम्भव है। क्योंकि यज्ञ बाद ही पागल इंजन पूरी की ओर जायेगा और प्रभु जगन्नाथ छतिया बट्ट को जाएंगे।

□चौबीस अंको भीतोरे मंगल वारो से दिनो से चैत्र मासो रो मध्य रे, भारत देशो भीतोरे नीलाचलो रे चीना पोसीबो बड़ो देऊड़ो रे

अर्थात 24 अंक 2024 मे मंगलवार चैत्र अर्थात अप्रैल के महीने मे चीन जगन्नाथ मंदिर पर हमला करेगा ।

इससे यह पता चलता है जो कभी नहीं हुआ वो इस बार होगा शनि समय से पहले मीन मे प्रवेश करेगा क्योंकि 2024 को जगन्नाथ मंदिर पर हमला होगा मालिका के अनुसार शनि मीन मे हमला होना है पर यदि 2025 में हमला होता है तो चौबीस अंक गलत सिद्ध हो जाएगा पर अचुतानंद की उल्टी बानी बरसे कमल भीगे पानी । समय के पहले शनि मीन में जाएगा इसलिए दोनों बातें सत्य साबित होगी शनि मीन में ही रहेगा और चौबीस अंक भी रहेगा ।

2024 में ही चीन हमला करेगा उसका और एक सबूत नीचे की पंक्ति से मिलती है। इसमें महापुरुष ने सब क्लियर कहा है कि 24 अंक में चीन हमला करेगा भारत में।

□ आठों आठों आठों त्रिगुणा रे भेटो चीन चतुर्बेदी तोड़े। अच्युत पुरन होई जीबो, सोरो मारिबे सकाले

अर्थात 8 को 3 से गुना करेंगे तो 24 आता है। उस अंक में चीन के सैनिक भारत पर हमला करेंगे। अच्युतानंद दास का वाणी पूर्ण रूप से सत्य हो जाएगा और सभी सैनिक आपस में युद्ध करेंगे।

□ जार जात सुत पांडवंक नाथ, ताबामे कंकरा रख।
तृतीय समर से दिन आरंभ, रुसिया हेब विमुख।।

अर्थात जीनके जन्मे पुत्र पांडवो के नाथ है उसके आगे कंकरा यानी केंकड़ा रखो । उसी अंक से विश्वयुद्ध शुरू होगा और रशिया विमुख होगा ।

श्री कृष्ण वसुदेव के पुत्र थे । मालिका में कई जगह वसु अंक का उल्लेख है । वसु 8 होते है इस लिए पहला अंक है 8 । कंकरा मतलब केंकड़ा । केंकड़े के 10 पाँव होते है इस लिए दूसरा अंक है 10 ।

10 को 8 से मिलाने पे आता है 18 । यानी 18 अंक में विश्वयुद्ध होगा और रशिया विमुख होगा । अगर भविष्य मालिका में दी गई विश्वयुद्ध की अन्य भविष्यवाणियों को जोड़ के देखा जाए तो 18 अंक यहाँ कल्कि अंक होता है जो की 2024--25 होना चाहिए । यह एक और संकेत है की विश्वयुद्ध 2024 से 25 के बिच ही होना है ।

□ दूई हजार चौबीस मशीहा अंको आठो, ऐ अंको रो शनि ग्रह छाया पुत्रो, ऐ अंको चलन हौऊ थिबा समय रे, मीनो शनि भोगो हौऊ थिबो पृथ्वी रे, अनेको वित्पातो मानो पृथ्वी रे होईबो, ब्रह्मांडो कंपी उठीबो धारीत्री थरीबो ।

अर्थात 2024 को जोड़ने पर आठ अंक होगा ये आठ अंक शनि ग्रह छाया पुत्र का होता है इस अंक का चलन जब होगा तब मीन राशि मे शनि का भोग होगा। पृथ्वी पर अनेक उत्पात मचेंगे। ब्रह्माण्ड कांप उठेगा। धरती थर्रा उठेगी।

□ और एक बात महापुरुष ने साफ साफ कहा है कि मीन शनि में वक्रत से पहले आ जायेगा। ठिकणा अच्युती काले, ठकी जिबे मिन शनि भले सूजने। । astrologically यह 29 मार्च 2025 को हो रहा है, लेकिन महापुरुष के अनुसार यह पहले आ जायेगा जो कि 2024 होगा यह बात ऊपर की बातों से भी सटीक बैठता है।

कली ठाऊ ठाऊ सत्य केऊ दिन हेब,
केही न जानिबे जन।
ऐनु करी मोर अंत न पायिबे, नथीबा रू अधिकार।।

अर्थ: सत्य किस दिन आएगा, ये बात कोई भी जान नहीं पाएगा। जिसका भी इस परिवर्तन में अधिकार नहीं है, मतलब भाग या हिस्सा नहीं है, वो कोई भी मुझे जान नहीं पाएंगे।

□ बेतुनी खाइबू रोगों कु त्यजिबू

अर्थात:
बे- बेलपत्र, तू - तुलसी, नि-निम्
ये 3 पत्र जो हररोज़ खायेगे उसे कोई रोग नहीं होगा।

□ मीन शनि में क्या-क्या होगा!

□ मीनो शनि मेड़ो गो हो हेबो जेते बेड़े ।
समरो लागीबो बाबू भारोतो मंडले ।।

अर्थात मीन शनि का जब संयोग होगा भारत के अंदर भयंकर युद्ध होगा ।

□ मीनो शनि भोगो ठारू महाभयो हेबो ।
दिल्ली सम्राट कू आसी विपदो पडीबो ।।

अर्थात शनि जब मीन राशि मे प्रवेश करेगा दिल्ली मे प्रधानमंत्री भी विपदाओ से घिर जाएगा । कैसे होगा ये और तब प्रधानमंत्री क्या करेगा आगे बताते हैं।

□ गांधारो सेना जे बहू द्रंद्रो आरंभिबो ।।
छाड़ी पड़ाईबो केड़े बुद्धि न दिसीबो ।।

अर्थात गांधार सेना (पाकिस्तान चीन और तेरह मुस्लिम देशों की सेना) बहुत उत्पात मचाएगी जिससे प्रधानमंत्री की बुद्धि काम नहीं करेगी और सबकुछ छोड़कर प्रधानमंत्री भाग जाएगा ।

□आठो आठो त्रिगुणो रे भेटो चीना चतुर्वेदी तोड़े ।
अच्युतो पुराणो च्यूतो होई जिबो सोरो मारीबे खप्पड़े ।।

अर्थात आठ को तीन से गुणा करने पर चौबीस होगा और इस चौबीस अंक में अर्थात 2024 में चीन भारत के आधे हिस्से में कब्जा कर चुका होगा और जगन्नाथ मंदिर पर हमला करेगा तभी अचुतानंद का पुराण अर्थात मालिका सत्य साबित होगा और तीरों से चीन के सैनिकों की खोपड़ी उड़ा दी जाएगी ।

अब कौन तीरों से चीनी सैनिकों पर हमला करेंगे तो इस संबंध में एक दोहा है

□सबरो हस्तो रे सोरो देई थिबे सोरो मारीबे अपारे ।

अर्थात जनजातियों के हाथों में तीर धनुष होगा और वो लाखों की संख्या में तीर बरसाएंगे और उनके साथ महाभारत काल का अर्जुन भी होगा जो फिर से जन्म ले चुका है और तब वो उनके साथ होगा ।

2024 अप्रैल मंगलवार के दिन उत्तर भारत में चीन की सेना भयंकर नरसंहार करेगी । हमला तो इसी साल होगा पर भारतीय सेना चीन की सेना को रोके रखेगी पर 2024 में चीन की सेना के साथ तेरह मुस्लिम देशों की सेना भी मिल जाने के कारण भारतीय सेना उन्हें अधिक दिन तक रोकने में सक्षम नहीं होगी और 2024 अप्रैल में चीन की सेना अंदर घुस आएगी । और इसी दिन से अर्जुन सबरों के साथ चीनी सेना पर छिट पुट हमले शुरू कर देगा अब अर्जुन के पास अपने दिव्यास्त्र न होने के कारण साधारण तीर धनुष से युद्ध कर रहा होगा फिर 2026 में चीन हीराकुद डैम पर बम विस्फोट करेगा जिससे उड़ीसा में भयंकर बाढ़ आएगी लाखों लोग मारे जाएंगे इसके बाद 2027 में कल्कि अवतार अचुतानंद के साथ अर्जुन को दिव्यास्त्र धारण करने की शक्ति फिर से प्रदान करेंगे जो उन्होंने कृष्ण अवतार में जरा सबर का बाण लगने से शरीर त्याग करते वक्त अर्जुन से छीन लिया था । फिर तेरह महीने कल्कि अवतार युद्ध करेंगे क्योंकि बुध ग्रह के प्राणी भी चीन रूस की सेना का साथ देंगे ।

इस बीच उत्तर भारत में हिमालय में बहुत बड़ा भूकंप आएगा ग्लेशियर फटने से गंगा में भयंकर बाढ़ आएगी काशी तबाह हो जाएगी जगन्नाथ मंदिर डुब जाएगा ये सब प्राकृतिक आपदाएँ भी होती रहेंगी और अंत में कल्कि अवतार एक धुमकेतू को हिंद महासागर में गिरा देंगे और टक्कर इतनी जोरदार होगी जमीन सौ मीटर तक उत्तर की ओर सरक जाएगी बद्रीनाथ केदारनाथ पाताल में धंस जाएगा नर नारायण पर्वत धंस कर आपस में मिल जाएंगे और भविष्य बद्री का उदय होगा ।

अब इतनी उथल पुथल में भगवान अपने भक्तों की रक्षा कैसे करेंगे जब धुमकेतू टकराएगा , तो इसी के बारे में प्रमोद पुष्टि जी बता रहे हैं झारखंड छत्तीसगढ़ पश्चिम बंगाल उड़ीसा और आंध्र प्रदेश के जनजातिय इलाकों में अष्ट चंडी मंगला, सारला, संभलेश्वरी, कटक चंडी, बिमला आदि देवीयों के ये देवी वही हैं जो हिंदी भाषी भी जानते हैं बिमला भैरवी सारला सरस्वती कटक चंडी काली मंगला लक्ष्मी आदि देवीयां ही हैं उडिया में उन्हें अलग नाम दे दिया गया है । इन देवीयों की शाखाएँ अनेक स्थानों पर भिन्न भिन्न नामों से मौजूद हैं जैसे इस विडियो में सोलह पुत्र माँ को दिखाया गया है ऐसे ही मेरे गाँव में हैं ठाकुराणी माता दूर के गाँव में आकर्षिणी माता, मयूरभंज में तारणी माता वगैरह वगैरह अनेक स्थानों पर पर्वत की चोटीयों झरनों के बीच हैं जहाँ तिलिस्म जैसा कुछ है जो कहीं कहीं पर तीन सौ वर्ष पांच सौ वर्ष पहले सक्रिय थे ।

जैसे गाँव के बुजुर्ग लोग जानते हैं और वो बताते भी हैं ये देवीयां शादी व्याह के वक्त उत्सव के वक्त गाँव वालों को भोजन कपड़े बर्तन आदि देते थे और उत्सव खत्म होने पर बर्तनों को उन्हीं गुफाओं में छोड़ देने पर वो बर्तन गायब हो जाते थे इस प्रकार की अलौकिक शक्तियाँ मौजूद थीं जो फिर से भैरवी की गर्जना के बाद सक्रिय हो जाएंगी और भुखमरी युद्ध धुमकेतू के टकराने के वक्त गुफाओं का तिलिस्म खोल कर भगवान के भक्तों को उसमें समा कर रक्षा करेंगी और खंड प्रलय शांत होने पर उन भक्तों को कल्कि अवतार को सौंप देंगी क्योंकि इन देवीयों ने कृष्ण अवतार में वचन दिया था भक्तों की रक्षा भीषण कलयुग से करेंगी ।

सारला सोलह हजार भक्तों को, मंगला अठारह हजार भक्तों को संभलेश्वरी एक लाख भक्तों को वगैरह वगैरह को कल्कि अवतार को सौंपेंगी और अपनी जिम्मेदारी से मुक्त होंगी ऐसे ही इन देवीयों की शाखाएँ भी भक्तों की रक्षा करेंगी जब ये सक्रिय होंगी तो पहले तो रक्त मुखा होंगी भयंकर संहार करेंगी क्योंकि मलेच्छ आपस में ही छीना झपटी कर लड़ मर रहे होंगे और इसमें भक्तों को भी खतरा है और इसी खतरे से भक्तों को बचाने के लिए ग्राम देवताओं के साथ ये देवीयां भी भयंकर रूप से संहार करेंगी ये संहार खून की उल्टी, चेचक, हैजा के रूप में तथा रात्रि काल में साक्षात् रूप से संहार करेंगी ।

मालिका को और जगन्नाथ संस्कृति को पूरी तरह बिना समझें वर्तमान समय की लीला को कोई नहीं जान सकता और उत्तर भारत के लोग तो बिलकुल नहीं जान सकते क्योंकि जगन्नाथ संस्कृति जनजातियों और ब्राह्मणों अर्थात आर्य और अनार्य के मिलन से बना है हमारे इलाकों में जनजातियों के धार्मिक स्थल पर जनजातियों के हाथों से ब्राह्मण प्रसाद ग्रहण करते हैं हमारे गाँव में भी करते हैं और ब्राह्मणों के मंदिरों में जनजाति लोग भी ब्राह्मणों के हाथों से प्रसाद खाते हैं इसलिए जगन्नाथ मंदिर में ब्राह्मण और सबर जनजाति के लोग मिल कर पूजा करते हैं पर उत्तर भारत के लोगों की भेदभाव जात पात छूँआ छूत जगन्नाथ संस्कृति पर प्रवेश कर जाता है इसलिए जगन्नाथ मंदिर पर इक्कीस बार हमला हुआ था और वर्तमान समय में बाईसवाँ हमला होगा और मलेच्छो का विनाश के बाद पुनर्निर्माण का कार्य चलेगा और सतयुग की स्थापना होगी जो 2043 तक चलेगा ।

कलयुग में महाभारत की रचना की गई वेद व्यास ने तो जय संहिता लिखी थी जिसे कलयुग में द्वापरयुग की पूरी पृथ्वी की घटनाओं को जोड़ कर लिखा गया वर्ना जय संहिता महाभारत युद्ध के पहले ही व्यास जी ने लिख दिया था पर वो मालिका की तरह था संकेतों से खास खास लोग ही जय संहिता को समझ सकते थे पर महाभारत की रचना के बाद सभी ने घटनाओं को कतारबद्ध तरीके से समझा ऐसे ही विश्व युद्ध के बाद जब सतयुग आएगा इसी मालिका को सभी लोग

पूरी तरह समझ चुके होंगे और उस वक्त मालिका कलि महाभारत के रूप में जानी जाएगी । हर युग की कोई भी निशानी दूसरे युग में नहीं होती अयोध्या की खोज विक्रमादित्य ने की थी वृंदावन की खोज चैतन्य महाप्रभु ने की थी जगन्नाथ जी की भी खोज करनी पड़ी और ऐसे ही कलयुग की भी कोई निशानी सतयुग में नहीं जाएगी सभी तीर्थ स्थल नष्ट हो जाएंगे ।

गूगल मीट में सवाल जवाब <https://youtu.be/hLuNoLILjuU>

=====+

1) परमाणु हमला भारत में क्या होगा

मलिका में लिखा है 600 साल, यह लिखा है कि चीन और पाकिस्तान भारत को परमाणु खतरा देंगे लेकिन भक्तों को कुछ नहीं होगा और वे निष्काम भक्ति, त्रिसंध्या-सुधर्मा-महा-महा-संघ, भगवत पठान और निरंतर प्रयासों के साथ कुछ नहीं करेंगे कुछ वर्षों में भक्ति उस भक्ति को विकसित करती है और यह 1 दिन या 1 महीने की साधना नहीं है क्योंकि समय युद्ध के बहुत करीब है क्योंकि प्रभुजी ने युद्ध को रोक दिया था क्योंकि उन्होंने इसे 16 मंडलों के एकीकरण और भक्तों के एकजुट होने तक रोक दिया था

2) 2026 में प्रलय होगा

खंड प्रलय की शुरुआत म्लेच्छ प्रकृति से हुई है जो लोग मांस खाते पीते हैं वे संघार में मरने लगेंगे क्योंकि प्रभुजी भगत दुनिया में कहीं भी जीवित रहेंगे बल्कि जल, अग्नि या आकाश भगतों को सुरक्षा मिलेगी क्योंकि वे धर्मबल की ढाल विकसित करेंगे

3) भगत अपनी तपस्या और प्रारब्ध के अनुसार प्रभुजी की खोज करेंगे और सुधर्मा और धर्म की धारा के साथ भगत प्रभुजी को जानेंगे

4) उत्तराखंड में टिहरी बांध जब टूटेगा तो टिहरी ऋषिकेश से दिल्ली तक 200 मीटर पानी आएगा और बड़ा संघर होगा लेकिन भगत बचेंगे जिनके पास धर्मबल का वजन होगा। तो मलिका का पालन करना जरूरी है, त्रिसंध्य- सुधर्मा-महा- महा-संघ और भागवत

5) रमेश्वर मंडल में काम शुरू हो गया है क्योंकि अच्छे भक्त वहां शामिल होने लगे हैं और 2020 से धर्म संस्थापन शुरू हो गया है

6) काली भक्तों और जो धर्म में हैं उनके लिए समस्याएँ पैदा कर रही हैं लेकिन उन्हें चिंता करने की ज़रूरत नहीं है बस धरम और प्रभुजी पर ध्यान केंद्रित करें, सब कुछ होगा

7) अनंत युग जल्द ही संगम युग के रूप में शुरू होगा क्योंकि भगत और बागान मिलेंगे और 1009 वर्षों तक भगतों को आनंद और खुशी देंगे क्योंकि प्रभुजी उसके लिए शासन करेंगे और भक्तों को खुशी देंगे

8) प्रभुजी ने काली माँ को संगहर की जिम्मेदारी दी है और माँ भक्तों को सुख देंगी।

9) समय बहुत निकट है समय का सदुपयोग करना महत्वपूर्ण है और अन्य चीजों में समय बर्बाद न करें, धर्म बल बढ़ाने के लिए साधना जितनी अच्छी हो उतनी ही करें

10) हमें प्रचार या शिष्य की आवश्यकता नहीं है क्योंकि हमें किसी की आवश्यकता नहीं है, हमें केवल भक्तों का शुद्ध भाव चाहिए और कुछ नहीं और मीन/शनि योग में विश्व युद्ध होगा लेकिन प्रभुजी घोषणा करेंगे और तय करेंगे कि कब 8000 भक्त इकट्ठा होंगे और 2999 भक्तों से युद्ध की घोषणा करेंगे प्रभुजी, प्रभुजी की इच्छा महत्वपूर्ण और 16 मंडल के संपूर्ण गाठ के साथ फिर शुरू होगा युद्ध

11) शनि कुंभ में प्रवेश करते हैं लेकिन सभी सितारे प्रभुजी के अधीन हैं और प्रभुजी के अनुसार काम करते हैं भक्तों को अब और अधिक इकट्ठा होने की जरूरत है और मलिका के बारे में जानने की जरूरत है

अदर्निये पंडित काशीनाथ मिश्रा जी द्वारा Google मीटिंग प्रश्न और उत्तर ☐ ☒ ☐

भविष्य मालिका | Bhavishya Malika Research | कल्कि अवतार | Kalki Avatar | युग परिवर्तन | Yug Parivartan | संशोधन | Research:
भारत में 2024 से युद्ध लगने के कुछ सबूत

☐ संपूर्ण जे नेत्र दिगो अंको टी प्रमाणो ।

शासनो न रही लोके हेबे रणो भोणो ।।

सरीबो राजनो भोगो जाणो से समयो रे ।

सतर्क जे पूणी बाहारो राज्य रे ।।

रूसीया से काडे दारूकं निमंते पोसीबो बडो देऊड़े ।

दारू न पाईबो पथो बणा हेबो मरीबो मारकंडो ठारे ।।

अर्थात् नेत्र 2 और दिशाएं 4 अंक है अर्थात् 2024 है प्रमाण तब शासन नहीं रहेगा। (ऐसा युद्ध के कारण ही हो सकता है) और लोग आपस में मारपीट छीना छपटी कर रहे होंगे।

उसी समय समस्त भोग विलास खत्म हो जाएंगे उड़ीसा के बाहर सभी राज्यों के लिए सतर्क वाणी है।

फिर उसी समय रूस की सेना जगन्नाथ मंदिर में घुस जाएगी।

(ये सब 24 अंक यानी 2024 में तभी सम्भव है जब भारत में युद्ध लगेगा)।

□ तेरह टोपीया राजूती होबो पुणी दसो वर्ष चीना आसीबे I
झाई झाई पवन बहीबो तेरह मासो अंते पुणी अनन्त आसीबे II

अर्थात् तेरह टोपी वाले का राज चलेगा फिर दस वर्ष में चीन आएगा। (यानी मोदी जी के राज्य में 13 मुस्लिम देश मिलके आक्रमण करेंगे।) May 26, 2014 को मोदी जी ने प्रधानमंत्री पद का सपथ लिया था उसके 10 वर्ष में चीन भारत में आक्रमण करेगा, जो कि 2024 ही होता है। इससे साफ-साफ पता चलता है कि 2024 में ही भारत पर हमला होगा।

□ मधुमासो शुक्ल दशमी जे गुरुवारो I
से दिनो भक्तों कूं भेटो हेबे दामोदरो I I

अर्थात् 18 अप्रैल 2024 को दामोदर (कल्कि अवतार) से भगवान के भक्तों की मुलाकात होगी।
(ऐसा सियालदाह यज्ञ में ही सम्भव है, जहाँ स्वयं प्रभु भी रहेंगे। और यज्ञ के बाद क्या होगा आप सभी को पता होगा।)

और एक बात महापुरुष ने साफ लिखा है कि अप्रैल 2024 में चीन जगन्नाथ मंदिर में हमला करेगा। 【यह आप नीचे की पंक्ति में देख सकते हैं】। यानी ठीक सियालदाह यज्ञ होने के बाद। इतना बड़ा अटक वह भी चीन के द्वारा सियालदाह यज्ञ के बाद ही सम्भव है। क्योंकि यज्ञ बाद ही पागल इंजन पूरी की ओर जायेगा और प्रभु जगन्नाथ छतिया बट्ट को जाएंगे।

□ चौबीस अंको भीतोरे मंगल वारो से दिनो से चैत्र मासो रो मध्य रे, भारत देशो भीतोरे नीलाचलो रे चीना पोसीबो बड़ो देऊड़ो रे

अर्थात् 24 अंक 2024 में मंगलवार चैत्र अर्थात् अप्रैल के महीने में चीन जगन्नाथ मंदिर पर हमला करेगा I

इससे यह पता चलता है जो कभी नहीं हुआ वो इस बार होगा शनि समय से पहले मीन में प्रवेश करेगा क्योंकि 2024 को जगन्नाथ मंदिर पर हमला होगा मालिका के अनुसार शनि मीन में हमला होना है पर यदि 2025 में हमला होता है तो चौबीस अंक गलत सिद्ध हो जाएगा पर अच्युतानंद की उल्टी बानी बरसे कमल भीगे पानी I समय के पहले शनि मीन में जाएगा इसलिए दोनों बातें सत्य साबित होगी शनि मीन में ही रहेगा और चौबीस अंक भी रहेगा I

2024 में ही चीन हमला करेगा उसका और एक सबूत नीचे की पंक्ति से मिलती है। इसमें महापुरुष ने सब क्लियर कहा है कि 24 अंक में चीन हमला करेगा भारत में।

□ आठों आठों आठों त्रिगुणा रे भेटो चीन चतुर्बेदी तोड़े। अच्युत पुरन होई जीबो, सोरो मारिबे सकाले

अर्थात् 8 को 3 से गुना करेंगे तो 24 आता है। उस अंक में चीन के सैनिक भारत पर हमला करेंगे। अच्युतानंद दास का वाणी पूर्ण रूप से सत्य हो जाएगा और सभी सैनिक आपस में युद्ध करेंगे।

■ और एक बात महापुरुष ने साफ साफ कहा है कि मीन शनि में वक्रत से पहले आ जायेगा। ठिकणा अच्युती काले, ठकी जिबे मिन शनि भले सूजने। I astrologically यह 29 मार्च 2025 को हो रहा है, लेकिन महापुरुष के अनुसार यह पहले आ जायेगा जो कि 2024 होगा यह बात ऊपर की बातों से भी सटीक बैठता है।

मीन शनि गुरुवारो रे पड़िबा एही अंके धुबा धुबा, मिथुन मासो रे 13 दिनों पक्ष, काला धरनी ग्रासीबो

मीन शनि गुरुवार को होगा, इसी अंक में सत्य होगा। 13 din का पक्ष: 23 June-5 July 2024 में 13 दिन का पक्ष होगा, पूरे पृथ्वी में काल ग्रास करेगा। और भी मालिका की पंक्ति देखने से यही समय आस पास युद्ध होगा।

□ बीसो त्रीसे प्रभु खेल आरम्भिबे, तोहीं चौवनो भावो I
दिव्य सिंह नृप राजूती करीबे आऊ शासनो न थिवो II

अर्थात :-

बीस तीस में कल्कि अवतार का खेल शुरू होगा तब दिव्य सिंह देव (चतुर्थ) का 54 अंक होगा और तभी कुछ सालों के लिए पुरी के राजा गजपति दिव्य सिंह देव उड़ीसा का शासन भार संभालेंगे ।

अब गजपति दिव्य सिंह देव का 1970 मे राज तिलक हुआ था इस हिसाब से 2024 से 2025 के बीच जब लोकतंत्र ध्वस्त हो चुका होगा तभी दिव्य सिंह देव शासन भार संभालेंगे अब आपको क्या लगता है गजपति चुनाव लड़ेंगे? नहीं तब तक अर्थव्यवस्था कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी होगी । क्योंकि तब तक चीन की सेना भारत के अंदर तक घुस चुकी होगी और भारत के सभी राज्य तब अपनी अपनी बुद्धि के अनुसार क्या करेंगे क्या न करेंगे की स्थिति में होंगे और इसी को मालिका मे कहा गया है

□ सबू बुद्धि होजी जिबो लो जाई फूलो, ज्ञानी बाटो बोणा हेबे लो जाई फूलो

अर्थात :-

सब प्रकार की बुद्धि काम नहीं करेगी ज्ञानी रास्ते से भटक जाएंगे अर्थात छीना झपटी लूट पाट करने लगेंगे ।

सभी लोग देखें इसका टेलर पडोसी देश मे दिखाई दे रहा है और ऐसी स्थिति मे महामहिम जगन्नाथ जी के प्रथम सेवक गजपति दिव्य सिंह देव जी उड़ीसा का शासन भार कुछ दिनों के लिए जनता के अनुरोध पर शासन भार संभालेंगे और कहेंगे तुम लोग आपस में लडना बंद करो लूट पाट दंगे फसाद बंद करो वर्ना चीन और तेरह मुस्लिम देशों की सेना हमें जिंदा नहीं छोड़ेंगे इसलिए सभी एक हो जाओ संघर्ष करो चीन का सामना करो पर इतने में ही गजपति दिव्य सिंह देव को जंगलों में भागना पड़ेगा क्योंकि खतरा उनके नजदीक पहुँच चुका होगा और उनके पास कोई सेना भी तो नहीं होगी इसलिए वो फरार हो जाएंगे और वेष बदल कर छुपते फिर रहे होंगे इसी बीच जगन्नाथ जी तो रहेंगे और उनकी सेवा के लिए एक गजपति का होना आवश्यक है इसलिए एक बच्चे को गजपति बना कर काम निकाल रहे होंगे जिसका नाम होगा गजपति मुकुंद देव । फिर 6 साल के बाद गजपति दिव्य सिंह देव कल्कि अवतार से मुलाकात करेंगे और कल्कि अवतार उन्हें उड़ीसा का राजा घोषित करेंगे ।

इसलिए मालिका मे कहा गया है कलयुग का आखिरी और सतयुग का पहला राजा गजपति दिव्य सिंह देव ही हैं।

जिसे पूरी विडियो देखना है तो लिंक भी दे रहा हूँ विडियो में मालिका वर्णित भक्त अभिराम देवदास बता रहे हैं

https://youtu.be/_vB7k4a57D4

□ निराकारो, धर्म कर्म, क्रिस्चियनो, इस्लामो, बौद्ध, जैनो जे, अछी आवोरो अलेखो धर्मो सूजोने जे

अर्थात निराकार वाले हिन्दू इसाई इस्लाम बौद्ध जैन आदि धर्मों को एक जगह समेट कर रखा गया है अलेख महिमा धर्म मे और अंत में सनातन धर्म अर्थात यही अलेख महिमा धर्म रहेगा ।

मालिका के अनुसार आज से तीन सौ वर्ष पहले प्रथम कल्कि अवतार अलेख महिमा स्वामी ने इन सभी धर्मों के सिद्धांत को मिलाकर एक नए धर्म की शुरुआत की जिसका नाम रखा गया अलेख महिमा धर्म ।

Source: <https://bit.ly/3j5N9yX>

<https://youtu.be/Xd8TIXa5XfQ>

कलयुग के 5124 वर्ष पूरे होने पर चैत्र महीने मे पुर्णिमा के दिन गुरुवार को लिंगराज मंदिर मे अर्धरात्रि मे एक भयंकर गर्जना सुनाई देगी जिसे मालिका मे भैरवी डाक कहते हैं ।

ग्रामीण इलाकों में हमलोग अपने पूर्वजों से सुनते आ रहे हैं आधी रात को ग्राम देवी गाँव भ्रमण करती थी घोड़े की टाप सुनाई पडती थी एक तेज प्रकाश दिखाई पडती थी जो पूरे गाँव का भ्रमण करती थी जो 1999 के महा तूफान के जगन्नाथ मंदिर पर टकराने और कल्प बृक्ष को क्षति पहुँचने के कारण बंद हो गई ।

पर जैसे ही भैरवी डाक होगी ये देवी देवता फिर से सक्रिय हो जाएंगी और रक्त मुखा हो कर संहार करेंगी ये देवी देवता फिर से भ्रमण करने लगेंगी और जो उनका साक्षात्कार कर लेगा वो जिंदा नहीं बचेगा क्योंकि उनके तेज को साधारण मनुष्य सहन नहीं कर सकता । मलेच्छ संहार के बाद यही देवी देवता बचे हुए लोगों को अन्न जल वस्त्र जरूरत की सभी चीजे देंगी और मानव सभ्यता की रक्षा होगी वर्ना यदि ऐसा नहीं होता तो 2028 तक इतनी उथल पुथल मचेगी एक भी मनुष्य का बचना असंभव है और यदि बच भी गए तो हजार साल पीछे मानव सभ्यता चली जाएगी ।

पर ये देवी देवता कल्कि अवतार जगन्नाथ जी की आज्ञा से मनुष्यों की रक्षा करेंगी क्योंकि कल्कि अवतार चीन रूस और तेरह मुस्लिम देशों की सेना का संहार करेंगे इसलिए रक्षा करने की जिम्मेदारी देवी देवताओं की है इसलिए सतर्क रहें और समय का इंतजार करें और मालिका की सत्यासत्य को देखें और भगवान की शरण लें जय जगन्नाथ जय पंच सखा

प्रभु राम के समय के जो अवशेष मिले हैं वोह त्रेतायुग के होने के बावजूद करीबन 7100 साल पुराने ही हैं। भगवान श्री कृष्ण ने भी अपना मनुष्य देहत्याग करीबन 5200 साल पहले ही किया था और कलियुग का अभी 5124 वॉ साल चल रहा है। भागवत पुराण में भी लिखा है की आज से करीब 2500 साल पहले जब नारद धरा पर आये थे तब पृथ्वी पे कलियुग अपनी चरम सीमा पे था। उसी समय सूत जी ने भागवत कथा का पुनः निरूपण किया था।

जो लोग बोल रहे हैं की कलियुग 432000 साल का है वो अपने ज्ञान को ज़रा समय रहते शोधन कर ले और ज़रा शास्त्रों को सच में अध्ययन कर ले। नारद पुराण, सूर्य सिद्धांत, युग चक्र गणना और कई शास्त्रों और पुराणों में कहा गया है की वोह मनुष्य कृत पापों के चलते कलियुग की आयु जो 432000 साल की थी वोह कट के केवल 5000 साल रह जायेगी। सिर्फ कलियुग ही नहीं सतयुग, त्रेतायुग और द्वापरयुग की आयु भी ऐसे ही कम हुई थी। इसी लिए कलियुग के करीब 4800 बाद आएगा संधि युग जिसमें हम अभी जी रहे हैं और जो बस 2-3 साल शेष बचा है। इसी लिए मयान कैलेंडर 2012 में ख़त्म हुआ और नोस्ट्रदामस ने 2001 से लेके 27 साल का समय विश्व में अशांति और अराजकता का रहेगा।

अगर आप भी समजते हैं की कलियुग के अभी और 4 लाख साल बाकी हैं तो आप का दोष नहीं। समग्र समाज को पाखंडी शास्त्रियों और मुनियों ने 4 लाख साल का ही पाठ पढ़ाया है। ज़रा सी भी कोमन सेन्स अगर यूज़ करले तो पता चल जाएगा की पृथ्वी की अभी की परिस्थिति और असंतुलन को देख के कुछ 50-100 साल भी निकालना मुश्किल होगा लाखों साल तो दूर की बात रही।

सत्य आप के सामने है स्व। स्वीकारना न स्वीकारना आप के नसीब की बात है क्यूँ की न स्वीकार करो तो भी अगले कुछ ही साल में ऐसा होने वाला है की नास्तिकों को भी भगवान याद आ जायेंगे। मेरा कर्तव्य है की अपनी क्षमता के अनुसार इस महा परिवर्तन के लिए अपने लेखन कौशल से जितने हो सके उतने लोगों को जागृत करना जो मैं कोशिश कर रहा हूँ। जिन्हें यह सब पोस्ट्स देखना नहीं पसंद वह unfriend कर सकते हैं।

जिन्हें बात समझ में आ रही है वोह लोग चाहे तो भविष्य मालिका का अनुसरण करके भक्ति मार्ग से कम से कम अपना बचाव सुनिश्चित कर सकते हैं। यह बचाव कैसे होगा और कब ये सब सुनिश्चित है, जरूरत है बस आध्यात्मिक स्तर पे जागृत होने की।

भाइयों और माँओं को एक बिना मांगी सलाह दे रहा हूँ क्षमा करना। □

"माधव" नाम लेते रहना। "माँ" माने राधा / जोगमाया और "धव" का अर्थ है पति, स्वामी। माँ राधा प्रभु कृष्ण को "माधव" नाम से बुलाती थी और जब द्वापरयुग में उन्होंने कृष्ण से पूछा की आप खुद को माधव क्यूँ नहीं कहलाते जब की यह मेरा प्रिय नाम है तब प्रभु ने कहा था की माधव नाम मेरे लिए भी ख़ास है और इसी लिए घोर कलियुग से भक्तों का उद्धार करने के लिए यह नाम मैंने रखा है। मालिका में भी "म" अक्षर को कई बार उद्धार का रास्ता बताया गया है। माधव नाम ऐसे कंठस्थ कर लीजिये की चोट भी लगे तो मुह से अनायास "माधव" शब्द निकल आये। क्यूँ की संधि समय को अब थोड़ा समय ही है और एक बार 2024 के सियालदाह यज्ञ हो गया फिर शायद केवल नाम से उद्धार नहीं हो पायेगा। नाम मात्र से उद्धार सिर्फ कलियुग का प्रभाव है तब तक ही हो पायेगा इस लिए जब तक संधि समय है तब तक "माधव" नाम को सिद्ध कर लीजिये कम से कम।

"माधव" नाम तो युगों से है और माधव केवल विष्णु भगवान को ही कहा गया है। जैसे आप और नाम से जगन्नाथ महाविष्णु को पूजते हैं वैसे ही सब नाम छोड़ के माधव नाम से पूजने लीजिए। हर युग में एक नाम होता है प्रभु का जिसका प्रभाव विशेष रहता है। संधि युग के लिए वोह नाम माधव है। "माधव" नाम लेने से कुछ नुकसान तो नहीं ही है। जगत के नाथ का एक नाम ही है after all। कुछ न हो सके तो जिनपे भी आप को श्रद्धा है वही शिव, विष्णु, दुर्गा, गणेश या कोई भी सनातन भगवान से भक्ति सामीप्य प्राप्त कर ले। कोई एजेंडा या किसी के भी प्रचार के हेतु के बिना केवल सभी सज्जन भक्तों के कल्याण के लिए मेरा यह एक अनुरोध है।

भविष्य मालिका से ओड़िआ स्लोक

- 'म' खपर भेदिले पाइबू दर्शन।
- 'म' खर अटइटी कलंकी निदान
- भोक लड़ू शोश लड़ू 'म' खर जाण।
- 'म' कू धाइले से देखिबू दिव्य स्थान
- महिमा अटइ से जे महिमा अपार।
- 'म' टी से ब्रह्मज्ञान 'म' टी सकल
- 'म' टी से महीधर महिमा बोलाई।
- 'म' टी से मनिनाग सुण मुनि कही

बाल्मीकि कल्प, अच्युतानंद

अनुवाद:

'म' अक्षर की गहराई को समझेंगे तो प्रभु के दर्शन होंगे।
भगवान कल्कि की महिमा को समझने के लिए 'म' अक्षर ही है।
'म' अक्षर में है आध्यात्मिक भूख और प्यास की मिठास।
यदि आप 'म' का ध्यान करते हैं, तो आपको दिव्य स्थान का दर्शन होगा
उनकी महिमा अपार और कीर्ति असीम है।
'म' ब्रह्म का ज्ञान है, 'म' ही सब कुछ है

'म' में 'महिधर' (धरती माता को धारण करने वाले) की महिमा है।
'म' 'मणिनाग' है सुनो, ऐसा ऋषि कहते हैं

ओड़िआ स्लोक

□ 'म' खयर नाम हुदे लय कर महिमंडले रहीब ।
बीना आश्रितारे न बरतीब केही जुग भागे पडिजीब

स्तुति चिंतामणि, भीम भोई

अनुवाद:

पृथ्वी पर जीवित रहने के लिए हृदय में लगातार 'म' अक्षर पर ध्यान लगाओ ।
यदि आप उनकी शरण नहीं लेते हैं, तो आप युग के विभाजन में पड़ जाओगे

ओड़िआ स्लोक

□ 'म' खयर कू ध्याइ भक्तमाने थिबे अनंत लीला देखीबे ।
'म' टी अटइ महा महोषधि: 'म' टी सकल देबे

चंद्रकल्प टीका, शिशु अनंत

अनुवाद:

ऐसे भक्त होंगे जो 'म' अक्षर के प्रति समर्पित रहेंगे वे देखेंगे अनंत की लीला ।
'म' अक्षर महा महोषधि है 'म' अक्षर सब कुछ दे देगी ।।

अर्थ:

यह पूछे जाने पर कि वह सर्वोच्च अवतार कौन होगा जिसके पास पूरी दुनिया को परिवर्तन करने की शक्ति होगी, गुरु अच्युतानंद अपने शिष्य रामचंद्र को संकेत देते हैं कि वह दिव्य व्यक्ति होंगे जिनका नाम 'म' अक्षर से शुरू होता होगा। इसलिए उनका ध्यान करने की निर्देश देते हैं। सौराष्ट्र संहिता में, अच्युतानंद दास ने लिखा है कि श्री बासुदेव, जो भगवान कल्कि के रूप में प्रकट होंगे और गुप्त रूप से निवास करेंगे, उन्हें 'माधब' कहा जाएगा।

कलि नाश जिबे, सत्य भेद हेबे।

भाबी त भाई माने।

विभूति विकास म्लेच्छ हेबे नाश,
देखिबे अल्प दिने।।

अर्थ- कलयुग का नाश होगा सत्य का अनुसंधान होगा और बहोत से महान विभूति (सनातन के समर्थक) सामने आएंगे। देख लेना यह सब बहुत ही कम समय में होने लगेगा।

□ घोर कलीकाल थोयो ना रहिबो ज्ञानी हेबे जान बाट बड़ां,
मंगो मंगुवालो बोलो ना मनिबे ज्ञान कही अकलणा।

अर्थात :

ज्ञानी लोग ही सबसे अधिक भ्रमित होंगे, वो ज्ञान को ही सर्वोच्च समझेंगे व ज्ञान को ही श्रीभगवान की प्राप्ति का मुख्य मार्ग समझेंगे, परंतु वो ये नहीं समझ पायेंगे कि प्रभु की प्राप्ति का केवल एक ही सरल मार्ग है, वो है श्रद्धा, भक्ति प्रेम एवं ईश्वर पर अटूट विश्वास।

अधर्म रे जिये रहिब तहार, सेते बढ्थिबे धन।

चोर डाकायत गादी रे बसिबे, पाइबे प्रतिष्ठा मान।।

अर्थ- कलयुग में जो अधर्मी होगा उसका धन बढ़ेगा, चोर डकैत लोग ऊंचे पदों में पदस्थ होंगे और मान सम्मान पाएंगे, जो कि हम सब देख ही रहे हैं।

कल्कि महामंत्र -

ॐ हरे राम कृष्ण श्याम परा रमा काम दाम नन्द कंद दिन धर्म साधु मधु नाम ब्रह्म □□

इस 16नाम 32अक्षर को चैतन्य महाप्रभु ने इस से केबल 3 अक्षर को ही कलियुग के लिए प्रचार करे थे, वो तीन नाम है हरे, राम, कृष्ण

भारत के भीतर भयंकर युद्ध कब होगा बता रहे हैं मालिका भक्त अभिराम देवदास — :

ये बता रहे हैं आप लोग कैलेंडर से मिलान करो और पता लगाओ कलयुग के 5125 वर्ष कब हो रहे हैं और चैत्र महीने में दशमी तिथि में गुरुवार कब हो रहा है जब ऐसा संयोग हो तो निश्चित ही युद्ध होगा ।

मालिका के अनुसार युद्ध रूस ही शुरू करेगा और उसने कर दिया है पर युद्ध खत्म इसी भारत में होगा और उड़ीसा राज्य में ही होगा । अब देखते देखते कलयुग का 5125 वर्ष हो जाएंगे इसलिए सभी सावधान हो जाओ और हरि चिंतन करो ।

https://www.youtube.com/watch?v=ixY6EuG_qH4

भारत में 2024 से युद्ध लगने के कुछ सबूत

□ संपूर्ण जे नेत्र दिगो अंको टी प्रमाणो ।
शासनो न रही लोके हेबे रणो भोणो ।।
सरीबो राजनो भोगो जाणो से समयो रे ।
सतर्क जे पूणी बाहारो राज्य रे ।।
रूसीया से काडे दारूकं निमंते पोसीबो बडो देऊड़े ।
दारू न पाईबो पथो बणा हेबो मरीबो मारकंडो ठारे।।

अर्थात् नेत्र 2 और दिशाएं 4 अंक है अर्थात् 2024 है प्रमाण तब शासन नहीं रहेगा। (ऐसा युद्ध के कारण ही हो सकता है) और लोग आपस में मारपीट छीना छपटी कर रहे होंगे।

उसी समय समस्त भोग विलास खत्म हो जाएंगे उड़ीसा के बाहर सभी राज्यों के लिए सतर्क वाणी है।

फिर उसी समय रूस की सेना जगन्नाथ मंदिर में घुस जाएगी ।

(ये सब 24 अंक यानी 2024 में तभी सम्भव है जब भारत में युद्ध लगेगा)।

?? तेरह टोपीया राजूती होबो पुणी दसो वर्षे चीना आसीबे ।
झाई झाई पवन बहीबो तेरह मासो अंते पुणी अनन्त आसीबे ।।

अर्थात् तेरह टोपी वाले का राज चलेगा फिर दस वर्ष में चीन आएगा। (यानी मोदी जी के राज्य में 13 मुस्लिम देश मिलके आक्रमण करेंगे।) May 26, 2014 को मोदी जी ने प्रधानमंत्री पद का सपथ लिया था उसके 10 वर्ष में चीन भारत में आक्रमण करेगा, जो कि 2024 ही होता है। इससे साफ-साफ पता चलता है कि 2024 में ही भारत पर हमला होगा।

□ मधुमासो शुक्ल दशमी जे गुरुवारो ।
से दिनो भक्तों कूं भेटो हेबे दामोदरो । ।

अर्थात् 18 अप्रैल 2024 को दामोदर (कल्कि अवतार) से भगवान के भक्तों की मुलाकात होगी।
(ऐसा सियालदाह यज्ञ में ही सम्भव है, जहाँ स्वयं प्रभु भी रहेंगे। और यज्ञ के बाद क्या होगा आप सभी को पता होगा।)

और एक बात महापुरुष ने साफ लिखा है कि अप्रैल 2024 में चीन जगन्नाथ मंदिर में हमला करेगा। 【 यह आप नीचे की पंक्ति में देख सकते हैं】 । यानी ठीक सियालदाह यज्ञ होने के बाद। इतना बड़ा अटैक वह भी चीन के द्वारा सियालदाह यज्ञ के बाद ही सम्भव है। क्योंकि यज्ञ बाद ही पागल इंजन पूरी की ओर जायेगा और प्रभु जगन्नाथ छतिया बट्ट को जाएंगे।

□ चौबीस अंको भीतोरे मंगल वारो से दिनो से चैत्र मासो रो मध्य रे, भारत देशो भीतोरे नीलाचलो रे चीना पोसीबो बडो देऊड़ो रे

अर्थात् 24 अंक 2024 में मंगलवार चैत्र अर्थात् अप्रैल के महीने में चीन जगन्नाथ मंदिर पर हमला करेगा ।

इससे यह पता चलता है जो कभी नहीं हुआ वो इस बार होगा शनि समय से पहले मीन में प्रवेश करेगा क्योंकि 2024 को जगन्नाथ मंदिर पर हमला होगा मालिका के अनुसार शनि मीन में हमला होना है पर यदि 2025 में हमला होता है तो चौबीस अंक गलत सिद्ध हो जाएगा पर अचुतानंद की उल्टी बानी बरसे कमल भीगे पानी । समय के पहले शनि मीन में जाएगा इसलिए दोनों बातें सत्य साबित होगी शनि मीन में ही रहेगा और चौबीस अंक भी रहेगा ।

2024 में ही चीन हमला करेगा उसका और एक सबूत नीचे की पंक्ति से मिलती है। इसमें महापुरुष ने सब क्लियर कहा है कि 24 अंक में चीन हमला करेगा भारत में।

□ आठों आठों आठों त्रिगुणा रे भेटो चीन चतुर्बेदी तोड़े। अच्युत पुरन होई जीबो, सोरो मारिबे सकाले

अर्थात् 8 को 3 से गुना करेंगे तो 24 आता है। उस अंक में चीन के सैनिक भारत पर हमला करेंगे। अच्युतानंद दास का वाणी पूर्ण रूप से सत्य हो जाएगा और सभी सैनिक आपस में युद्ध करेंगे।

■ और एक बात महापुरुष ने साफ साफ कहा है कि मीन शनि में वक्र से पहले आ जायेगा। ठिकणा अच्युती काले, ठकी जिबे मिन शनि भले सूजने। । astrologically यह 29 मार्च 2025 को हो रहा है, लेकिन महापुरुष के अनुसार यह पहले आ जायेगा जो कि 2024 होगा यह बात ऊपर की बातों से भी सटीक बैठता है।

□ पता लगाओ कलयुग के 5125 वर्ष कब हो रहे हैं और चैत्र महीने में दशमी तिथि में गुरुवार कब हो रहा है जब ऐसा संयोग हो तो निश्चित ही युद्ध होगा ।

मालिका के अनुसार युद्ध रूस ही शुरू करेगा और उसने कर दिया है पर युद्ध खत्म इसी भारत में होगा और उड़ीसा राज्य में ही होगा । अब देखते देखते कलयुग का 5125 वर्ष हो जाएँगे इसलिए सभी सावधान हो जाओ और हरि चिंतन करो ।

https://www.youtube.com/watch?v=ixY6EuG_qH4

□ शनिश्चरो जाणो कुंभो रे थिबो, नहिले मीनो रे वक्र होईबे । चैत्र मासो जे घोरो सोमोरो, तीनी पद्म सैन्य घोटी तत्व रो ।।
अर्थात् शनि कुंभ में रहेगा अन्यथा मीन में वक्री होगा चैत्र महीने में घोर युद्ध तीनों सेना जल थल नभ में युद्ध होगा ।

-गुप्त कल्प मालिका

□ दीबसे उदित होइब तारा ।
प्रचंड होईब रबिर खरा ।।
□ पवन बहिब निर्घात करि ।
बसिला ठारे द्रव्य जीब सरी ।।
□ एक बस्तक रे बंचिबे दिन ।
रजक घरे नदेबे बसन ।।
□ माई भाणजा माये पोये संग ।
भाई भऊणी रे बिनोद रंग ।।
□ गुरुकु शिष्य नमानी मिछुआ ।
कहिला कथा कहू कहू माया ।।
□ गुरुकु भंडिबे नदेब धन ।
देखिले लूचिबे नथिब मान ।।

यशोबन्त मालिका

अर्थात् :-

दिन के समय आकाश में तारे दिखाई देंगे और सूर्य की किरणें बहुत ज्यादा तेज और कठोर होंगी। तूफान दिन-ब-दिन बहुत तेज होगा और अपने बैठे हुए स्थान से भी सामान की चोरी होगी। लोग एक ही वस्त्र में दिन व्यतीत करेंगे और रजक (धोबी) को साफ करने के लिए वस्त्र भी नहीं देंगे। मामी, भान्जा, मां, बेटे और भाई-बहन के बीच गलत संबंध रहेंगे, पवित्र रिश्ता नहीं रहेगा। कोई किसी की इज्जत नहीं करेगा। शिष्य गुरु की बात नहीं मानेंगे और गुरु का अनादर करेंगे और गुरु को देखते ही गुरु का सम्मान किए बिना घर के अंदर छिप जाएंगे।

□ अठाईसो अंके बछा बोछी हेबो, जातो हेबो नुआ सृष्टि ।
अणत्रीसो ठारू आनंदे रहिबे भारतो रो जोनो गोष्ठी ।।

अर्थात् :-

28 अंक में ईश्वर लोगों को चुनेंगे और नयी सृष्टि का निर्माण होगा, 29 अंक से भारत की जनता आनन्द पूर्वक रहेगी ।

सुनो साधु जनो घोर गर्जना, कांप उठेगी ये धरती,
विशाल धुमकेतू समुद्र में गिरेगा, डोल उठेगी ये धरती,
जीभ निकाले ये समुद्र राजा, धरती को निगल लेगी,
सौ मीटर ये जमीन सरकेगी, पर्वतों को निगल लेगी,

ढाई किलोमीटर लंबा और डेढ़ किलोमीटर चौड़ा एक विशाल धुमकेतू हिंद महासागर में टकराएगी जिससे विशाल पर्वत की तरह समुद्री लहर भीषण तबाही मचाएगी, टक्कर इतनी जोरदार होगी जिससे जमीन सौ मीटर तक उत्तर की ओर सरक जाएगी ।

मालिका के अनुसार ये घटना 2027 या 2028 को होगी क्योंकि ये 28 अंक दो प्रकार का हो रहा है युगाब्ध(कलयुग के 5128 वर्ष) के अनुसार 2027 और क्रिस्ताब्ध (ईसाई कैलेंडर) के अनुसार 2028 होगा इन दो अंको को छोड़कर सताब्ध अंक (विरोजा कैलेंडर), स्वाधीनताब्ध अंक (आजादी के वर्ष) या

गजपति राजा का अंक या मारकंड्य का अंक किसी अंक में भी 28 अंक नहीं बन रहा है इसलिए ये घटना 2027 या 2028 को पक्का घटित होने वाला है और भयंकर विनाश होने वाला है

महापुरुष श्री अच्युतानंद दास जी के द्वारा लिखी मालिका की कुछ दुर्लभ पंक्तियाँ व तथ्य-
त्रिभुवनपति भगवान कल्कि के द्वारा धर्म संस्थापना के समय तृतीय विश्व युद्ध के बाद भारत की जनसंख्या व परिस्थितियों के विषय में उड़ीसा के गुप्त ग्रंथ भविष्य मालिका में उल्लेख है...

□ अर्धरु अर्ध मरिबे भारतवर्षर सब राज्य शून्य हेब जुद्ध गल परे।

अर्थात :-

तृतीय विश्व युद्ध के पश्चात भारत की वर्तमान कुल जनसंख्या की चौथाई जनसंख्या ही बचेगी, अर्थात भारत की कुल 140 करोड़ लोगों की जनसंख्या में से घट कर केवल 33 करोड़ जनसंख्या ही बच पायेगी।

अच्युतानंद जी भविष्य मालिका में पुनः लिखते हैं कि धर्म संस्थापना के पश्चात भारत के सभी राज्य सूने हो जायेंगे...

□ गांव के रहिबे तीनी चारी जण पवन आहार करी।

अर्न मिलिब अर्न नमिलिब जल मुखेवलुथु हरि।।

□ जय जगन्नाथ।। जय जगन्नाथ।। जय जगन्नाथ पतितपावन उड़ीसा बड़ ठाकुर।

कल्पवट वासी प्रभु ब्रह्मराषि कली कलुष निस्तारण।।

अर्थात :-

सभी ओर शवों का ढेर लगा होगा भारत के सभी राज्य सूने हो जायेंगे। प्रत्येक गाँव में केवल तीन से चार व्यक्ति ही जीवित बचेंगे बाकी सबकी मृत्यु हो जायेगी। जो तीन-चार लोग एक गाँव में बचेंगे उन्हें भी खाने को भोजन नहीं मिलेगा। वो भगवान कल्कि के नाम को आधार बनाकर अर्थात वे अपने मुँह से केवल माधव हरि का नाम लेंगे। उन्हें पंद्रह दिनों में भी भोजन उपलब्ध नहीं होगा। धर्म स्थापना के बाद विश्व युद्ध के अंत में तीन से चार महीनों की अवधि बड़ी ही कष्टकारी होगी उस समय केवल माधव नाम पर ही आश्रित होंगे। भक्तों को बहुत कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

भारत में केवल 33 करोड़ लोग बचेंगे और भारत के अतिरिक्त दूसरे देशों की जनसंख्या सिमट कर 31 करोड़ रह जायेगी। विश्व की कुल जनसंख्या 800 करोड़ से सिमट कर केवल 64 करोड़ ही रह जायेगी।

जगन्नाथ पूरी पर जब विदेशी आक्रमण होगा, तब बेड़ी हनुमान जी गर्जना करते बाहर आएंगे, और मलेक्षो का संहार करना चाहेंगे पर उसी समय स्वयं जगन्नाथ जी वहा प्रकट होकर हनुमान जी को रोक देंगे, और कहेंगे की ये स्थान युद्ध करने का नहीं है, मैंने "जाजपुर में कल्कि" अवतार ले लिया है, और समय आने पर मलेक्षों का संहार करूंगा, उनके ऐसा कहने पर हनुमान जी और भगवान जगन्नाथ वहा से अंतर्धान हो जाएंगे।

अपार जन हानि होगी, सभी त्राहि त्राहि, करते हुए भगवान को पुकार करेंगे, लोगो का दुख देख दोनो भाई घोड़े पर सवार हो दो दिशा से मलेक्षो का संहार करेंगे।

जय जगन्नाथ □

जब उड़ीसा में चीन रूस और तेरह मुस्लिम देशों की सेना हमला करेंगे तब जगन्नाथ पुरी के बड़ा पथ (बोड़ी डांडो) में हजारों किसान अपने बैलगाड़ीयों को जाम कर देंगे जिससे चीनी सेना जगन्नाथ मंदिर के अंदर घुस नहीं सकेगी। कुछ भक्त मंदिर का फाटक भीतर से बंद करके रखेंगे पर तीन दिन के बाद अंधाधुंध बमबारी से सारे भक्त मारे जाएंगे उन्हें भगवान अपना नित्य धाम प्रदान करेंगे। इसके बाद जगन्नाथ मंदिर के अंदर चीनी सेना घुस जाएगी पर तब तक पीछे के रास्ते से जगन्नाथ विग्रह को छुपके से रेल में भर कर छतिया वट की ओर भेज दिया जाएगा। इधर रूस की सेना कोणार्क मंदिर के चुंबक को ला कर उस चुंबक से नीलचक्र को उखाड़ कर समुद्र के रास्ते ले भागेंगे कुछ सैनिक मुस्लिम सैनिकों के साथ मिलकर जगन्नाथ मंदिर के सिंह द्वार के जगन्नाथ विग्रह को जला देंगे और कल्प बृक्ष को काट देंगे और एक हरकत जगन्नाथ जी विग्रह के साथ करेंगे उसका उल्लेख कमेंट बॉक्स में किया जा सकता है। फिर वो सैनिक वहाँ मारे जाएंगे क्योंकि ठीक इसी वक्त सुनामी आएगी। उधर 96 हजार सैनिक कटक शहर में डेरा जमा कर रहेंगे फिर जब पता चलेगा जगन्नाथ जी छतिया वट में हैं फिर छतिया वट में भी हमला करेंगे और भीषण युद्ध होगा उधर उत्तर भारत में मुस्लिम देशों की सेना चीन की सेना के साथ मिलकर भयंकर नरसंहार कर रही होगी।

'भविष्य मालिका' के ग्रंथों में कलियुग के अंत में कल्कि अवतार से संबद्ध घटनाओं के साथ ही उनके उन मुख्य भक्तों की भी सटीक चर्चा है जो उस काल में जन्म लेकर भगवान कल्कि द्वारा धर्म-संस्थापना के कार्य में अहम योगदान करेंगे। इसी सिलसिले में संत अच्युतानंद दासजी वर्तमान समय में भविष्य मालिका के प्रचार और भक्तों के मार्गदर्शन हेतु समर्पित पं. काशीनाथ मिश्रजी के बारे में लिखते हैं कि वे भक्तों को जरूरी सूचनाएं देने के साथ ही उन्हें उचित आदेश भी दिया करेंगे।

□ घोर कलीकाल थोयो ना रहिबो ज्ञानी हेबे जान बाट बडां,
मंगो मंगुवालो बोलो ना मनिबे ज्ञान कही अकलणा।

अर्थात -

ज्ञानी लोग ही सबसे अधिक भ्रमित होंगे, वो ज्ञान को ही सर्वोच्च समझेंगे व ज्ञान को ही श्रीभगवान की प्राप्ति का मुख्य मार्ग समझेंगे, परंतु वो ये नहीं समझ पायेंगे कि प्रभु की प्राप्ति का केवल एक ही सरल मार्ग है, वो है श्रद्धा, भक्ति प्रेम एवं ईश्वर पर अटूट विश्वास।

□ कृष्ण भाबरस नोहे वेदाभ्यास पूर्व जार भाग्य थिबा।

□ तारो ताको माया झाकी यह माया, तारो ताको काया झाकी यह माया, निश्चय वासना वसीब।

मानव शरीर में श्रीभगवान के दर्शन उन्हें ही प्राप्त होंगे जो पूर्व में भगवान के भक्त होंगे एवं उनके हृदय कृष्ण रस से भरे हुए होंगे, वेदाभ्यास करने वाले, महंत, पीठाधीश और सन्यासियों को भी भगवान के दर्शन सुलभ नहीं होंगे।

जो पूर्व में तपी-यति, कपि (वानर रीछ) और गोपी थे, उन्हें ही मालिका की वाणी की सत्यता विषय में ज्ञात होगा अर्थात् भक्ति और ईश्वर के पूर्ण समर्पण का संदेश प्राप्त होगा। वही लोग भगवान कल्किदेव की शरण में आयेंगे। भारत में बड़े-बड़े साधु संत होंगे पर वो लोग भगवान कल्कि से नहीं मिल पायेंगे। अपने अभिमान में अपने लाखों भक्तों होने के अहंकार के कारण उन्हें भगवान की प्राप्ति नहीं हो पायेगी। लेकिन जो गरीब ही क्यों ना हो जिनका मन निर्मल है, जिनमें निश्चल भक्ति है जिनमें अहंकार नहीं है, जो कपट नहीं जानते हैं वही भगवान के भक्त होंगे उन्हें ही श्रीभगवान की प्राप्ति होगी। जिन लोगों तक मालिका की वाणी पहुँचेगी वो सभी भाग्यवान होंगे फिर चाहे वो किसी भी माध्यम से ही क्यों ना पहुँचे।

मालिका के अनुसार 2023 फाल्गुन महीने में पूर्णिमा के दिन बरगढ़ उल्टा वट वृक्ष में मालिका वर्णित द्वादश गोपाल इकट्ठे हो कर एक यज्ञ करने वाले हैं जिनकी इच्छा है उन द्वादश गोपालों को दर्शन करने की वो वहाँ इस दिन जा सकते हैं पर उन द्वादश गोपालों में दो गोपालों के दर्शन में करा चुका हूँ एक हैं कान्हू बाबा और दूसरे गोबर नाथा बाबा जो अन्न जल ग्रहण नहीं करते सिर्फ गोबर खा कर जिंदा हैं ऐसे सिद्ध पुरुषों के दर्शन वहाँ हो सकते हैं। अभी हाल ही में अनन्त वट वृक्ष के नीचे गुप्त रूप से मलेच्छ संहार के लिए एक यज्ञ किया गया है जिसका असर तीन महीने बाद दिखाई देने लगेगा और मलेच्छ संहार तेजी से शुरू हो जाएगा।

जब उड़ीसा में चीन रूस और तेरह मुस्लिम देशों की सेना हमला करेंगे तब जगन्नाथ पुरी के बड़ा पथ (बोड़ो डांडो) में हजारों किसान अपने बैलगाड़ीयों से रास्ते को जाम कर देंगे जिससे चीनी सेना जगन्नाथ मंदिर के अंदर घुस नहीं सकेगी। कुछ भक्त मंदिर का फाटक भीतर से बंद करके रखेंगे पर तीन दिन के बाद अंधाधुंध बमबारी से सारे भक्त मारे जाएँगे उन्हें भगवान अपना नित्य धाम प्रदान करेंगे। इसके बाद जगन्नाथ मंदिर के अंदर चीनी सेना घुस जाएगी पर तब तक पीछे के रास्ते से जगन्नाथ विग्रह को छुपके से रेल में भर कर छतिया वट की ओर भेज दिया जाएगा। इधर रूस की सेना कोणार्क मंदिर के चुंबक को ला कर उस चुंबक से नीलचक्र को उखाड़ कर समुद्र के रास्ते ले भागेंगे कुछ सैनिक मुस्लिम सैनिकों के साथ मिलकर जगन्नाथ मंदिर के सिंह द्वार के जगन्नाथ विग्रह को जला देंगे और कल्प वृक्ष को काट देंगे और एक हरकत जगन्नाथ जी विग्रह के साथ करेंगे। चीनी और मुस्लिम सैनिक गौ मांस का भोग लगाएँगे जगन्नाथ जी को। फिर वो सैनिक वहाँ मारे जाएँगे क्योंकि ठीक इसी वक्त सुनामी आएगी। उधर 96 हजार सैनिक कटक शहर में डेरा जमा कर रहेंगे फिर जब पता चलेगा जगन्नाथ जी छतिया वट में हैं फिर छतिया वट में भी हमला करेंगे और भीषण युद्ध होगा उधर उत्तर भारत में मुस्लिम देशों की सेना चीन की सेना के साथ मिलकर भयंकर नरसंहार कर रही होगी।

मालिका के अनुसार पचास हजार तालिबानी आंतकी 2023 में पाकिस्तान और भारत में घुसेंगे और जगह जगह तीर्थ स्थलों पर खुद को उड़ाकर बम धमाके करेंगे जिसके कारण इसी साल से रथयात्रा नहीं होगी अब 6 साल तक रथयात्रा जगन्नाथ पुरी में नहीं हो सकेगी — पुलिन पंडा (मालिका भक्त)

मालिका के अनुसार सभी भक्तों की परीक्षा ली जाएगी और वो परीक्षा एकाक्षर मंत्र के द्वारा ली जाएगी।

मालिका की इस बात को लेकर काफी गहमागहमी है पर इसका रहस्य समझने के लिए कल्कि पुराण की थोड़ी बहुत जानकारी की आवश्यकता है, उड़िया भाषा में एक कल्कि पुराण है जिसे महापुरुष जगन्नाथ दास ने लिखा है जिसमें बताया गया है सनातन धर्म के तमाम देवी देवताओं और ईश्वर के तमाम अवतारों की पूजा करने भक्ति करने वाले लोगों की कल्कि अवतार परीक्षा लेंगे और जो परीक्षा में पास नहीं होगा अर्थात् पाखंडी होगा कल्कि अवतार उसका सर कटवा देंगे। अब अचुतानंद दास कह रहे हैं कटक शहर में सभी भक्तों की परीक्षा ली जाएगी जो फेल होगा वो मारा जाएगा कैसे मारे जाएँगे इसे समझने के लिए मालिका के एक दोहा को समझना होगा

□ सारोला करीबे कूटो लो बोऊलो कटके लागीबो गोड़ो।

काड़िया बोदा रे बारह हाथ खंडा बाहारिबो सेही बेड़ो।

अर्थात् देवी सारला (सरस्वती) कूटनीति का प्रयोग करेगी जिससे कटक शहर में दंगे फसाद शुरू हो जाएँगे और उसी वक्त काड़िया बोदा में बारह हाथ तलवार निकलेगा। इसे समझने के लिए पहले ये समझना होगा देवी सरस्वती किसे कह रहे हैं और कटक, काड़िया बोदा, बारह हाथ खंडा (तलवार) किसे कह रहे हैं।

महापुरुष अचुतानंद देवी सरस्वती सनातन धर्म के तमाम ग्रंथों को कह रहे हैं जो विरोधाभासों से भरा है इसलिए आप देख रहे हैं रामचरितमानस पर बहस छिड़ा है तो देवी सरस्वती ग्रंथों की लिपियों को कह रहे हैं और कटक तमाम तीर्थों और राजधानियों को कह रहे हैं जैसे मालिका में लिखा है हस्तिना कटक अर्थात् दिल्ली, अमरावती कटक अर्थात् छतिया वट (कटक शहर) मथुरा कटक, पुरूषोत्तम कटक (पुरी) अयोध्या कटक, पटना कटक अर्थात् बिहार की राजधानी वगैरह वगैरह। ऐसे ही काड़िया बोदा, काड़िया का अर्थ है काला और बोदा का अर्थ है बकरा अर्थात् काली कमाई वाले और अश्लील हरकत वाले और बाहर हाथ का तलवार का मतलब है सभी के हाथों में हथियार।

अर्थात् ग्रंथों की लिपियों की कूटनीति अर्थात् विरोधाभास के कारण अनेक शहरों तीर्थों में दंगे फसाद शुरू हो जाएंगे और ठीक उसी वक्त काले धन वालों और अश्लील हरकत वालों के हाथों में हथियार दिखाई देने लगेंगे अर्थात् दंगे फसाद शुरू हो जाएंगे ऐसे ही ये जो भक्तों की एकाक्षर मंत्र के द्वारा परीक्षा ली जाने की बात कही जा रही है दरअसल भयंकर प्राकृतिक आपदा और युद्ध के कारण जो भयंकर परिस्थिति बनेगी उससे जीवित बचने के लिए दैवी सहायता की आवश्यकता पड़ेगी और ये दैवी सहायता तमाम देवी स्थलों जैसे सोलह पुत्र माता का पर्वत ऐसे ही वैष्णो देवी, कामख्या, 51 सिद्ध पीठों से लेकर तमाम छोटे बड़े सिद्ध पीठों से मिलेगी भारत के इन तमाम सिद्ध पीठों पर तिलिस्म हैं जिनमें वो तमाम आवश्यक चीजें हैं जो मनुष्य को जीवित रहने के लिए चाहिए ।

पर इन देवी स्थलों से आपातकाल के समय जरूरी चीजें प्राप्त करने के लिए उन देवी देवताओं के बीज मंत्र को सिद्ध करने वाले व्यक्तियों की आवश्यकता पड़ेगी जो बीज मंत्र की सिद्धि के द्वारा उन देवी स्थलों के तिलिस्म को खोल सकेगा पर उस खोलने वाले भक्त को देवी का आदेश होगा सहायता सिर्फ उसी को करना है जो व्यक्ति सिद्धि न सही कम से कम जिस देवी के प्रति आस्था है उस देवी का बीज मंत्र जानता हो, अब भारत के तमाम सिद्ध पीठों देवी देवताओं के स्थानों पर करोड़ों लोग जाते हैं करोड़ों लोग पूजा पाठ करते हैं पर शायद ही कोई उन देवी देवताओं का बीज मंत्र जानता होगा क्योंकि सभी तो माया को अर्थात् धन दौलत नौकरी बीबी बच्चे के चक्कर में तीर्थ पूजा पाठ करते हैं अध्यात्म साधना से किसे मतलब है । एकाक्षर मंत्र का मतलब क्या है एक अक्षर वाला मंत्र जैसे ॐ, ऐसे ही देवी सरस्वती का बीज मंत्र है ह्रीं, लक्ष्मी का श्रीं, काली का क्लीं आदि है ऐसे ही तमाम देवी देवताओं का है ।

ऐसे ही मालिका का एक दोहा है

□ पातालू कालीका आसी लो बौऊलो मर्तीय रे करीबो खेलो

अर्थात् पाताल से काली आ कर धरती पर खेला करेंगी और इस दोहा का मतलब भी शायद ही कोई समझ सका है पर इसका मतलब है पाताल से काली अर्थात् कोयला निकलेगा और धरती पर बिजली बनेगी जिससे अनेक प्रकार के खेल दिखाई देंगे मशीनों के । CONTINUE...

CONTINUED...

तो महापुरुष अचुतानंद ने सांकेतिक भाषा में वर्तमान समय की घटनाओं का उल्लेख आज से पांच सौ साल पहले ही कर दी थी उन्होंने तीन प्रकार से सभी घटनाओं का उल्लेख किया है चाहे वो कल्कि अवतार हो प्राकृतिक आपदा हो या राजनैतिक उथल पुथल हो सभी बातों का तीन प्रकार से उल्लेख किया है कुछ घटनाओं का सांकेतिक भाषा में उल्लेख किया है कुछ रहस्यमयी बातों से उल्लेख किया है कुछ को सीधे सीधे लिख दिया है जो साधारण से साधारण आदमी भी समझ सकता है इसलिए एकाक्षर मंत्र के चक्कर में राम नाम कृष्ण नाम की महिमा का अपमान न करें भगवान के भक्तों की कोई परीक्षा नहीं ली जाएगी परीक्षा तो मंदिर मस्जिद तंत्र मंत्र तथा तीर्थ करने वालों की ली जाएगी जो भगवान का भक्त है और भगवान को गुरु कृपा से तत्व से जानता है उसे कहीं जाने और घबराने की आवश्यकता नहीं है वो जानता है भगवान सर्वव्यापी और सर्वज्ञ और सर्वशक्तिमान है वो कहीं भी किसी भी परिस्थितियों से भक्त की रक्षा कर सकते हैं ।

□ संकटो मोचनो भक्तों जे पुणी हेबे अमरो, जिणीबे मृत्यु कू सेही जे सत्य वचनो मोहोरो ।

अर्थात् संकट मोचन (हनुमान) के भक्त फिर से अमर हो जाएंगे, वही मृत्यु को जीतेंगे यही सत्य वचन है मेरा । अचुतानंद दास कह रहे हैं जो हनुमान जी की भक्ति करेंगे वो अमर हो जाएंगे और मृत्यु को जीत लेंगे ये मेरा सत्य वचन है ।

□ दुखो कष्टों दूरो करूँ थिबो जोऊं भक्तो, चारी युगों सेही कपि अमरो कहे ध्याने अचुतो ।

अर्थात् दुख कष्ट जो भक्त दूर करता है वही चारों युगों में अमर हनुमान जी (कपि) हैं अचुतानंद ध्यान लगा कर कह रहे हैं । अचुतानंद दास ध्यान में कह रहे हैं जो भक्त दुख कष्ट दूर करता है वो वही चारों युगों में अमर राम भक्त हनुमान जी हैं ।

□ हिंसा भावो बोहीणो जेते साधना कोले, किछी फलो न मिलई सत्य अचुतो बोले ।

अर्थात् हिंसा भाव रखकर जितनी साधना कर लो कुछ भी फल नहीं मिलने वाला अचुतानंद सत्य बोल रहा है ।

□ परस्परों रामो जूझीबे पुणी धर्मो कू नेई, नाना विवादो रे मरीबे दिनो अचुतो कोही ।

अर्थात् दीन अचुतानंद दास अपने शिष्य रामदास से कह रहे हैं परस्पर धर्म को लेकर आपस में भिड़ेंगे और नाना प्रकार के विवादों में फंस कर मरेंगे ।

भगवान श्री कृष्ण अपने बचपन के सखाओं के साथ वृंदावन में गाय चरा रहे थे तभी योगमाया देवी काली का रूप धारण करके उन ग्वाल वालों को खाने के लिए दौड़ी । भगवान श्री कृष्ण ने योगमाया को रोका और कहा देवी आप इन्हें नहीं खा सकती इस पर काली ने कहा ठीक है मैं नहीं आऊंगी पर इसके बदले कलयुग के अंत में मुझे करोड़ों मनुष्यों का शुद्ध रक्त मांस चाहिए क्योंकि मैं उनका भक्षण करके तृप्त होना चाहती हूँ । भगवान श्री कृष्ण ने कहा ठीक है मैं वचन देता हूँ कलयुग के अंत में आप मनुष्यों के शुद्ध रक्त को पी कर तृप्त होंगी और अचुतानंद दास के अनुसार कलयुग के अंत समय में वर्तमान समय के शुद्ध रक्त मांस वाले वही मनुष्य हैं जो शुद्ध शाकाहारी हैं और पूजा पाठ आदि भी करते हैं और ऐसे मनुष्यों के रक्त वर्तमान समय में देवी पिएंगी और तृप्त होगी अर्थात् ऐसे लोग मारे जाएंगे । मालिका के इस बात को पढ़कर जानकर मनुष्य विरोधाभास में फंसा □

जब भैरवी गर्जना के बाद अष्ट चंडी जाग्रत हो जाएंगे सभी साधु सन्यासी तांत्रिक मांत्रिक अघोरीयों को काड़िया बोदा के साथ चार स्थानों में देवी योगमाया (विरोजा) खींच कर ले आएंगी और उनकी परीक्षा लेंगी और तब किताबी बातों से वो पार नहीं पाएंगे उन्हें चमत्कार दिखाना ही पड़ेगा अन्यथा सभी के सरों को अष्ट चंडी की शक्ति काट देंगी लेकिन जो भक्ति मार्ग पर चलने वाले लोग हैं उनकी कोई परीक्षा नहीं ली जाएगी स्वयं कल्कि अवतार उनकी रक्षा करेंगे ।

नाटो के तीस सदस्य देशों में तुर्की फिनलैंड और स्वीडन को नाटो में शामिल करने को लेकर नाराज है और अपने वीटो पावर के इस्तेमाल की भी धमकी दे डाली, तुर्की की इस हरकत से यूरोप के देशों में कुरान को जगह जगह जलाने की घटनाएँ सामने आ रही है

अब मालिका के अनुसार रूस भारत से गद्दारी करेगा और तुर्की रूस चीन के साथ जा मिलेगा तथा चीन के साथ तेरह मुस्लिम देशों में तुर्की भी भारत पर हमला करेगा, अमेरिका भारत की मदद नहीं कर पाएगा क्योंकि ठीक इसी बीच उत्तर कोरिया अमेरिका पर परमाणु हमला कर देगा और इसी बीच रूस जगन्नाथ मंदिर के नीलचक्र को उखाड़ कर समुद्र के रास्ते ले भागेगा ।

चीन के हमले के पहले ही जगन्नाथ दारू विग्रहों को रेल में भरकर पहले ही छतिया वट सिफ्ट कर दिया जाएगा और वो रेल इंजन सियालदह स्टेशन से जगन्नाथ जी को लेने आएगी जो बिना ड्राइवर के ही अपने आप पटरी पर दौड़ेगी उधर रूस को जब जगन्नाथ जी नहीं मिलेंगे तो वो नीलचक्र को उखाड़ कर ले जाएगा ठीक इसी वक्त सुभाषचंद्र बोस ब्रिटेन के राजा को अपना परिचय देंगे और उन्हें उडीसा में उनके बचपन की एक निशानी देंगे जिसे देख कर ब्रिटेन के राजा सुभाषचंद्र बोस को पहचान लेंगे और अपनी ब्रिटिश सेना को सुभाषचंद्र बोस के साथ भारत की मदद के लिए भेजेंगे उधर राजस्थान का एक राजपूत फिर से बचे हुए भारतीय सैनिकों को इकट्ठा करेंगे और पश्चिम दिशा से बिदेशी सैनिकों पर हमला करते हुए उडीसा तक आएंगे ।

उधर कल्कि अवतार अपनी तीन हजार सेना के साथ दक्षिण दिशा से आएंगे और कटक शहर पर मुस्लिम देशों की सेना पर धावा बोलेंगे । अनेक प्रकार की लीला होगी पर धुमकेतू टकराने के बाद खेल खत्म हो जाएगा

- इति श्री कलि महाभारत कथा

मालिका मे बता दिया गया है युगपरिवर्तन हो रहा है

सफेद कौवा दिखेंगे मुर्गे
मुर्गीयों के मुकुट जो लाल होते हैं वो भी सफेद हो जाएंगे
बांस के पेड़ से धान गेहूँ की फसल कुछ लोग उपजाने लगेंगे
अंडे की खेती भी कुछ लोग करने लगेंगे

वगैरह वगैरह अजीब चीजें होंगी और हो रही है ये विनाश का संकेत है वैसे अधिक दिन नहीं है एक साल मौज कर लो अगले साल से मरने और भूखे रहने के लिए तैयार हो जाओ एक साल का ही समय है साधना करने वाले कर लो मौज उड़ाने वाले मौज कर लो और भी बहुत सारी चमत्कारी बातें लिखी है जैसे

कुत्ते बिल्ली बोलने लगेंगे
बगुले गीता के श्लोक बोलने लगेंगे
पत्थर की मूर्ति बोलने लगेंगी
बिल्ली वेद मंत्रों का उच्चारण करने लगेंगे
नाना प्रकार की अलौकिक बातें होंगी

पर वो सब देखने का नसीब नहीं है तुम लोगो के लिए क्योंकि 2023, 2024, 2025 को पार करने के बाद ही ऐसी अलौकिक घटनाएँ देखने को मिलेंगी और इन तीन सालों में खटिया खड़ी हो जाएगी ये तो सत्य है सभी देखेंगे और अनुभव करेंगे अरे मालिका मे जैसा लिखा था ऐसा ही इन तीन सालों के दौरान हुआ इसका मतलब आगे जो कुत्ते बिल्ली पशु पक्षी मनुष्य की बोली बोलने लगेंगे पत्थर की मूर्ति बोलने लगेंगी वो भी सच साबित होंगी पर उन लोगों के पास समय नहीं होगा वो ऐसा पछताते हुए मर रहे होंगे ।

जनवरी 2023 में शनिदेव कुम्भ में चले जाएंगे -

कुम्भ का शनि आसमानी कहर बनकर टूटेगा - कुम्भ वायु राशि हैं-- वायु में दुर्घटनाये - आँधी -तूफान बढ़ जाएंगे।

विश्व सत्ता वाले भी नेक्स्ट climate change की ही बात कर रहे हैं --

बृहस्पति भी कुम्भ में जा रहे हैं नवंबर में--

राहत की बात सिर्फ इतनी सी है कि शनिदेव के कुम्भ में आने के पहले ही ' 'बृहस्पति' ' अपनी स्वराशि ' 'मीन' ' में जा चुके होंगे -- जो इन्सानियत के बचने का आधार बन सकते हैं

उसके बाद मार्च 2025 में शनिदेव जाएंगे ' 'मीन' ' राशि में तो शनि के उद्धण्ड स्वभाव पर रोक लगेंगी -

बृहस्पति होंगे उच्चगामी और मई 2026 को कर्क में चले जाएंगे

मानव सभ्यता के बचने के आसार बनेंगे और अर्जेंडा 2030 फेल होगा - विश्व में विद्रोह होगा - कुछ शासक काल के गाल में जायेंगे

जनवरी 2023 के बाद सरकारी संपत्ति बिकने पर रोक लगेंगी -- कुछ ऐसा होगा राजनीति में कि अम्बानी अडानी जैसे लोग सरकारी संपत्ति नहीं खरीद सकेंगे

यानि इस अंधाधुन्ध ' 'निजीकरण' ' पर रोक लगेंगी।

लेखक - #सिद्धांतसहगल 23.08.2021

☐बोढीला झिओ जे घोरे बोसी थिबो बापो होऊथिबो बाहा ।

स्वामी तेज्यो करी पोरो पुरुषों रो संगे पोड़ाईबो मां ।।

अर्थात घर में बैठी बेटी की उम्र बढ़ रही होगी पर बाप शादी कर रहा होगा । अपने पति का त्याग कर पर पुरूष के साथ स्त्री भाग जाएगी ।

□ब्राह्मण छाड़िबे वेदो कर्मो कांडो खाईबे माऊंसो मोदो ।
चंडालो करीबे पूजा अराधना न रहीबो भेदा भेदो ।।

अर्थात ब्राह्मण वेद कर्म कांड भूल कर मांस शराब का सेवन करेंगे, चंडाल पूजा पाठ करेंगे, चंडाल और ब्राह्मण में कोई भेद अंतर नहीं रह जाएगा ।

□कोड़ी लोगाईबो ऐ मिति का माया माता पुत्र कामे अंधो ।
भाई बोहू मिसी डेडोसूरो संगे खोजीबो प्रीति आनन्दो ।।

अर्थात कलयुग ऐसी माया फैलाएगा वासना में माता पुत्र अंधे हो जाएंगे, भाई की वीवी के साथ जेठ काम वासना का आनन्द दूढेंगे

□कामो रे अंधो हेई भोऊणी संगो रे भाई होऊ थिबो बाहा ।
बूढा रो मोनो रे कामो उदय हेबो युवती रचीबे माया ।।

अर्थात काम वासना में अंधे हो कर भाई बहन से शादी कर रहे होंगे, बुढ़े के मन में वासना का उदय होगा युवतीयां माया रचेंगी ।

□पेटो विकोलो छुआ कू माँ जे बिकू थिबो पुणी ।
केते जे बही जाऊ थिबो आंखी रो नुणिया पाणी ।

अर्थात भूख से व्याकुल हो कर माताएँ बच्चे को बेच रही होंगी, आंखों से न जाने कितना नमकीन पानी बहता रहेगा ।

मालिका के अनुसार ये सभी कलयुग के अंत के संकेत हैं

जब चीन रूस और तेरह मुस्लिम देशों के सैनिक भारत में घुस चुके होंगे तब महाभारत काल का अर्जुन जिसने फिर से अवतार लिया है वो आदिवासियों की फौज बना कर दुश्मन देशों की सेनाओं पर तीरों से हमला करेंगे तब भयंकर भुखमरी छा चुकी होगी लेकिन उसी वक्त कल्कि अवतार अर्जुन और आदिवासियों की फौज के साथ इस स्थान पर आएंगे जहाँ एक विशाल तालाब के अंदर से लाखों टन अनाज चावल राजा मुचुकुन्द ने कल्कि अवतार के लिए सतयुग से छिपा कर रखा है ये अनाज खराब नहीं होते हैं इस जमीन के अंदर लाखों टन अनाज दबा हुआ है इन अनाजों को कल्कि अवतार अर्जुन जी के अवतार और अर्जुन के साथ मिलकर निकालेंगे और उन आदिवासियों से कहेंगे जरूरतमंद लोगों को भारत के कोने कोने तक ये अनाज पहुंचा दिया जाए । मैंने मालिका के अनुसार ये बातें कही अब आगे भविष्य ही बताएगा मालिका के इन बातों में कितना सत्यासत्य है जय जगन्नाथ ।

ओडिशा Cuttack sarang जिले में यहां असीमित चावल का भंडार मौजूद है। जितना खोदेंगे मिट्टी उतना लाखों टन से भी ज्यादा चावल का भंडार मिलेगा। कभी समाप्त नहीं होता है यहां चावल का असीमित भंडार, जरूर दिव्य शक्ति है। पर महालक्ष्मी यहाँ की रक्षक है छेड़छाड़ करने पर मौत मिलेगी ब्रिटिश अफसर यहाँ पहले छेड़छाड़ करते वक्त मारे गए थे यहाँ आपातकाल के लिए चावल मौजूद है पहले कल्कि सेना इस चावल का उपयोग करेंगे युद्ध के वक्त फिर बाद में दुनिया वाले खा कर जीवित बचेंगे।

□बाछी बाछी कोरी भक्त कू रखीबे अंतर्यामी भगवानो जे ।
ब्रह्म अनले जोडिबे बारोणो बेड़ो कू भक्तो रखीणो आदि माता चेताई बे जे ।।

अर्थात चुन चुन कर अंतर्यामी भगवान भक्तों को रखेंगे जब न्याय का वक्त आएगा तब ब्रह्म अग्नि में सभी जलेंगे और आदिशक्ति भक्तों की रक्षा करते हुए संसार को चेतावनी देगी ।

□शनिश्चरो साताईस नक्षत्र उदय हेबे से काड़ो जे ।
सबर रो हस्तो रे सोरो देई थिबे सैन्यो बधिबे अपारो जे ।।

अर्थात शनि और 27 नक्षत्र उस काल में उदय होंगे । देवी शक्तियाँ जनजातियों (सबर) को तीर धनुष प्रदान करेंगी और वे जनजातियाँ असंख्य विदेशी सैनिकों का वध करेंगी ।

□सोरो पीड़ा रे अर्जुन गोटी एको मेछो न देबो कहि ली सत्य वचनो जे ।

अर्थात महाभारत काल का अर्जुन फिर से अवतार लेकर उन्हीं जनजातियों के बीच रहेगा और अर्जुन की सहायता से वो सबर अपने तीरों से एक भी चीनी और मुस्लिम देशों के सैनिकों को नहीं छोड़ेंगे सभी विदेशी सैनिकों को मार डालेंगे ।

ये मानव रूप से जो कल्कि अवतार रहेंगे उनकी लीला है उधर दारू ब्रह्म जगन्नाथ जो कल्कि अवतार लेंगे वो अलग लीला है मैंने पहले ही कहा है जिसकी जैसी भक्ति है उसे उसी प्रकार दिखाई देगा । लीला शुरू हो चुका है और आठ प्रकार के भगवान के विग्रह होते हैं सोना, पीतल, तांबा, मिट्टी, पत्थर, गोबर, लकड़ी और मनोमयी । जो सोने की मूर्ति में आस्था रखते हैं उन्हें जमीन के अंदर से सोने की मूर्ति मिल चुकी है अर्थात जमीन के नीचे भगवान के सोने की मूर्ति मिल चुकी है और ऐसे लोगों की मृत्यु होनी बाकी है ऐसे ही पीतल तांबा आदि से बना भगवान की मूर्तिया भी मिल चुकी है भक्तों को,

मैंने पोस्ट भी किया है मेरे पुराने मित्र जानते होंगे कई जगह भारत से लेकर उड़ीसा तक में लोगों को स्वपनादेश हुआ और जमीन खोदने पर पीतल तांबे की भगवान तथा देवी देवताओं की मूर्ति मिली और पूजा पाठ भी शुरू हुआ । ऐसे भक्तों को भी उनकी आस्था के अनुसार भगवान मिले अब इनकी भी मृत्यु होना बाकी है । गोबर और मिट्टी से भगवान की मूर्ति बना कर भक्ति करने वालों को भी अपनी आस्था के अनुसार भगवान मिले, आप गौर किजिए तीस पैंतीस साल हो गए जहाँ कभी पूजा नहीं होती थी वहाँ भी गोबर मिट्टी से भगवान देवी देवताओं की मूर्ति बना कर पंडाल बना कर भगवान को प्रकट किया गया और ऐसे भक्तों की भी मनोकामना पूर्ण हुई ये भी मरने वाले हैं अब पत्थरों की मूर्ति में आस्था रखने वाले तो राजा महाराजाओं के काल से थे और उनके लिए भी भगवान प्रकट हुए फिर वो भी मारे गए और वर्तमान समय में कई जगह पत्थर की मूर्ति के रूप में प्रकट हो रहे हैं और कुछ जगह होने वाले हैं जैसे अयोध्या आदि में ये भी मरने वाले हैं । और ऐसे भक्त आने वाले सतयुग में भी रहेंगे और भविष्य बद्री में भगवान के दर्शन करेंगे पर ये लोग वर्तमान समय के लोग नहीं होंगे वो सतयुग के लोग होंगे ।

अब बचे लकड़ी वाले दारू ब्रह्म वाले भक्त और इनको भी दारू ब्रह्म के रूप में जगन्नाथ पुरी में दर्शन दे रहे हैं पर कुछ लोग दारू ब्रह्म जगन्नाथ जी को कल्कि अवतार के रूप में देखना चाहते हैं जो कटक छतिया वट होगा । दारू ब्रह्म वाले भक्त तो जगन्नाथ पुरी में मारे जाएंगे सारे पंडे भी मारे जाएंगे पर जगन्नाथ जी को कल्कि अवतार के रूप में जो देखना चाहते हैं वो छतिया वट में देखेंगे और मरेंगे क्योंकि वहाँ भी चीनी लडाकू विमान बम बरसाएंगे फिर जगन्नाथ कल्कि रूप से उदय वट की ओर प्रस्थान करेंगे और उदय वट में भी हमला होगा ये दारू मूर्ति वालों के लिए लीला होगी लोग लीला देखेंगे और मरेंगे अब बचे आखिरी मनोमयी मूर्ति बना कर भक्ति करने वाले और ऐसी भक्ति करने वाले लोग मानव रूप में कल्कि अवतार को देखेंगे वो जंगलों में छिप कर युद्ध करेंगे फिर चीन रूस और मुस्लिम देशों की सेना का विनाश करने के बाद राजा बनेंगे राज करेंगे और मालिका में ये भी कहा गया है एक लाख भक्तों को राजा बनाएंगे और पूरे विश्व में सनातन धर्म की स्थापना करेंगे ।

ये लीला शुरू हो चुकी है जो 2043 तक चलेगा संहार लीला 2028 तक चलेगा । ध्यान से पढ़ कर समझ कर कोई शंका बचती है तो सवाल कर सकते हैं क्योंकि मालिका के हजारों ग्रंथ हैं मालिका इतनी आसानी से समझ में नहीं आएगा, चालीस साल से हो रहे मानव चरित्र प्राकृतिक बदलाव पर नजर रखना होगा राजनीति नेताओं में हो रहे बदलाव पर नजर रखना होगा भूगर्भीय हलचल, आमावश्या संक्रांति में हो रहे बदलाव सूर्य चंद्र ग्रहण, ग्रह नक्षत्रों की चाल पर नजर रखना होगा, मान्यताओं इतिहास की जानकारी रखनी होगी तथा विश्व के देशों और भारतीय संस्कृति परंपराओं की थोड़ी बहुत जानकारी रखनी होगी वेद उपनिषदों के अनुसार आत्मा परमात्मा के विषय में किसी ब्रह्म निष्ठ महापुरुष से जानकारी लेनी होगी पुराणों के विरोधाभासों को महापुरुष से समझना होगा विज्ञान की जानकारी भी थोड़ी बहुत रखनी होगी देश दुनिया की खबरों को देखना होगा और भगवान को निरंतर चिंतन करने का अभ्यास भी करना होगा तभी कल्कि लीला को समझा जा सकता है भगवान की मनोमयी मूर्ति बना कर चिंतन करना होगा तभी वो बुद्धि को शुद्ध करेंगे और समझ में आएगा ये ऐसे ही दो चार किताबें पढ़ लेने से समझ में नहीं आएगा, सबसे पहले भगवान की भक्ति करनी होगी और जिज्ञासा तीव्र रखनी होगी तब जाकर भगवान कल्कि लीला को समझाएंगे अनुभव कराएंगे । पूरी विडियो लिंक में है □

<https://youtu.be/TZLeBpnUs3U>

हिमालय क्षेत्र में आए बड़े भूकंप 16.7 और पूरी दुनिया पर इसका असर

आज के समय में मनुष्य के अत्यधिक पापों के कारण, और अधर्म के मार्ग पर चलने वाले अधिकांश लोगों द्वारा पृथ्वी □ इसका भार धारण करने में असमर्थ है। परिणाम स्वरूप दुनिया के लिए बहुत घातक होगा। जो पंचभूत प्रलय लाएगा जो खंड प्रलय होगा । महान अच्युतानंद दास जी भाविश मालिका में कहते हैं कि हिमालय में पहले 1 बड़ा भूकंप आएंगे इससे पहले एशिया के चारों ओर छोटे भूकंप बहुत बार आएंगे लेकिन फिर एक बड़ा भूकंप आएगा जो 16.7 रेक्टर पैमाने पर पर होगा और केंद्र बिंदु हिमालय होगा और धरती माता में घोर गर्जन होगा और पृथ्वी 3 बार बुरी तरह हिलेगी और पूरी दुनिया इससे बुरी तरह प्रभावित होगी बहुत भयंकर तबाही होगी बड़ी-बड़ी इमारतें और ऊँचे-ऊँचे पहाड़ खत्म हो जाएंगे ।

भारत के कुछ शहर, नेपाल, पाकिस्तान अफगानिस्तान, चीन और हांगकांग से लेकर इंडोनेशिया तक बुरी तरह प्रभावित होंगे कुछ देश पूरी तरह से नष्ट हो जाएंगे और बड़े भूकंप के कारण उनका भौगोलिक क्षेत्र बदल जाएगा चीन पाकिस्तान टर्की और अन्य देश में बहुत बड़ा विनाश होगा जाएगा बड़े पैमाने पर भूकंप के कारण 70 से 90 फीसदी इलाका ढह जाएगा भाविश मालिका में स्पष्ट बोला है दुनिया की 20 प्रतिशत आबादी इस 16.7 भूकंप में इस धरती को छोड़ देंगे ।

अब मन में बड़ा सवाल आता है कि हम इस खंड प्रलय से कैसे बचे रहेंगे?

आप कितने शक्तिशाली हैं, आपके पास कौन से हथियार हैं जहां आप रहते हैं और आप किस पद पर हैं, फिर भी सचेत बदलाव से दूर होने का ये मानदंड नहीं है जो लोग धर्म के पथ पर हैं और भगवान कल्कि भगवान हरि नाम का भजन कर रहे हैं, वे बच जाएंगे भक्तों की रक्षा करेंगे भगवान कल्कि और पूरी दुनिया देखेगी कि भारत इस मुश्किल घड़ी से कैसे बाहर निकलता है तो बड़े पैमाने पर भूकंप के कारण पूरी दुनिया में भौगोलिक परिवर्तन होंगे जिसका अर्थ है कि उत्तरी ध्रुव दक्षिणी ध्रुव में बदल जाएगा परिणामस्वरूप बड़ी तबाही आएगी

जय श्री माधव कल्किराम महाप्रभु जी

कलियुग अंत में विभीषिका मालिका के अनुसार :

बचे हुए लोगों को खाने के लिए आहार नहीं मिल पाएगा।

देह पर पहनने के लिए कपड़े नहीं होंगे।

कई प्रकार के दुख से आंखों से आशु बहता होगा।

भूखे शिशु को दूध नहीं मिल पाएगा।

अन्ना के बिना चारों ओर हाहाकार होगा।

सभी पेट के भूख से आकुल होंगे।

सभी केवल अपने आपको बचाने का प्रयास करेंगे।

अन्ना के भूख से ज्ञान, बुद्धि लुप्त हो जाएगी।

धनी, गरीब सभी समान हो जाएंगे।

पंडित काशीनाथ मिश्र जी ने नवम्बर 2020 में ही तुर्की में इतने बड़े भूकंप की भविष्यवाणी कर दी थी जिससे तुर्की का घमंड चूर चूर हो जायेगा । और इसका आधार न ही ज्योतिष शास्त्र है और न ही कोई जादुई शक्ति । इसका आधार है केवल विशुद्ध भविष्य मौलिका का ज्ञान । पंडित काशीनाथजी का यह विडिओ भविष्य मालिका की सटीकता का एक और उदाहरण है । । इसके अलावा भी बहुत कुछ कहा है उन्होंने इस विडियो में समय निकालके जरूर देखिये ।

Full video <https://youtu.be/ZS1INJo9dB4>

एक बार रविदास ज्ञानी,
कहन लगे सुनो अटल कहानी।
कलयुग बात साँच अस होई,
बीते सहस्र पाँच दस होई।

भरमावे सब स्वार्थ के काजा,
बेटी बेंच तजे कुल लाजा।
नशा दिखावे घर में पूरा,
माता-बहन का पकड़ें जूड़ा।

अण्डा मांस मछलियाँ खावें,
भिक्षा कर अति पाप कमावें।
जबरी करिहैं भोग बिलासा,
सज्जन मन अति होय निराशा।

पर नारी को गले लगइहैं,
नारी भी अति आतंक मचइहैं।
अपने पति को मार भगइहैं,
पर प्यारे को गले लगइहैं।

कर्म देख पृथ्वी फट जहइहैं,
अम्बर भी दरारें खइहैं।
अति भीषण क्रांति की ज्वाला,
तामैं कूद पड़े मत्तवाला।

जब देश आजाद होइ जइहैं,
वो शक्ति जाकर छुप जइहैं।
धरे वेश साधु का न्यारा,
गुरु नाम का करै प्रचारा।

बल्कल का वस्त्र पहिनइहैं,
साधन भजन सबसे करवइहैं।
ऐसा मन्दिर एक बनवइहैं,
जो भूमण्डल पर कहीं न दिखइहैं।

पंचम कलश अनोखी मूरत,

झण्डा श्वेत सुरीली सूरत।
गुरु नाम से सब जग जाने,
उनको परम पूज्य अति मानै।

सत्य पंथ का करि प्रचारा,
देश धर्म का करि विस्तारा।
करैं संगठन बनि ब्रह्मचारी,
उन समान कोई न उपकारी।
अस कहि मौन भए रविदासा,
विनयपूर्ण मुनि प्रेम प्रकाशा।

.....

भारत में अवतारी होगा
जो अति विस्मयकारी होगा
ज्ञानी और विज्ञानी होगा
वो अदभुत सेनानी होगा

जीते जी कई बार मरेगा
छदम वेश में जो विचरेगा
देश बचाने के लिए होगा आह्वान
युग परिवर्तन के लिए चले प्रबल तूफ़ान

तीनों ओर से होगा हमला
देश के अंदर द्रोही घपला
सभी तरफ़ कोहराम मचेगा
कैसे हिंदुस्तान बचेगा

नेता मंत्री और अधिकारी
जान बचाना होगा भारी
छोड़ मैदान सब भागेंगे
सब अपने अपने घर दुबकेंगे

जिन जिन भारत मात सताई
जिसने उसकी करी लुटाई
ढूँढ़-ढूँढ़ कर बदला लेगा
सब हिसाब चुकता कर देगा

चीन अरब की धुरी बनेगी
विध्वंसक ताकत उभरेगी
घाटे में होंगे ईसाई
इटली में कोहराम मचेगा
लंदन सागर में डूबेगा

युद्ध तीसरा प्रलयंकारी
जो होगा भारी संहारी
भारत होगा विश्व का नेता
दुनिया का कार्यालय होगा
भारत में न्यायालय होगा

तब सतयुग दर्शन आएगा
संत राज सुख बरसाएगा
सहस्र वर्ष तक सतयुग लागे
विश्व गुरु भारत बन जागे। '

संत गुरु रविदास की पोथी से

वानर बात करेंगे, बिल्ली वेड पढेगी, कुत्ते यजुर्वेद के छंद गायेंगे सब जानवर माँ सीता के शाप से मुक्त हो जायेंगे । नर प्रसव करेगा, नारिया नर के सब क्षेत्र में अग्रेसर होगी । आकाश मार्ग से उल्कापिंड गिरेगा वह देख के लोग चकित हो जायेंगे । पक्षी के गर्भ से पशु जन्म लेंगे, गौमाता के गर्भ से मनुष्य ।

बिल्ली के मुख से तिन दिन तक अग्नि निकलेगा | पवन ऐसा उठेगा की समंदर उठ कर अनेक लोगो का धन और जीवन हर लेगा | चारो और लाशें पड़ी होगी | पट्टामडाण 78 पृष्ठ

□चारण चरण बारण होइब बरण न करी जन।
प्रेरण जंत्र रे मन रखी थिबे दुष्ट भाव निरेखीन।

उनके अनुसार कलियुग के लोग अच्छी बात करने वाले लोगों को पसंद नहीं करेंगे व अपने से बड़ों का सम्मान नहीं करेंगे। हमेशा उनका मन एक यंत्र में ही लगा रहेगा और प्रायः लोग उस यंत्र का दुरुपयोग ही करेंगे। संत अच्युतानंद दास जी उसे प्रेरण जंत्र (आज का मोबाईल)लिख रहे हैं।

मालिका - शिव कल्प

महापुरुष अच्युतानंद दास

चारों दिशाओं में अंधेरा छा जाएगा, हिमालय से बर्फ पिघलेगी। सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग में 7 दिन अंधेरा हुआ है और कलियुग में भी 7 दिन अंधेरा होगा। धरती का टुकड़ों में प्रलय होगा लेकिन महाप्रलय नहीं होगा। पंच महाभुत अब प्रदूषित हो चुका है, पंच महाभुत मतलब - आकाश तत्व (Space), वायु तत्व (Quark), अग्नि तत्व (Energy), जल तत्व (Force) तथा पृथ्वी तत्व (Matter) - ये पंचमहाभूत माने गए हैं जिनसे सृष्टि का प्रत्येक पदार्थ बना है। वो पंच महाभुत आज पूरी तरह से प्रदूषित हो चुका है। उस समय 12 हाथ जितना लम्बाई के हिसाब से बर्फ जम जाएगा और लोगों के घर का दरवाजा खुलेगा नहीं। - मालिका विचार

दोहा :- जलबंदी पुणी होइव, बहु गाँ रहिव

कटक शहर जल रे, पुणी बुढ़िण जिव

बारम्बार पुणी पवन, अती तिब्र बहिव

कोठा वाड़ी सबु राम रे, सर्व भुसूड़ी जिव

ओड़िशा के कटक शहर पूरी तरह से जल मग्न होने जा रहा है और हवा बहुत तेज चलेगी की बिल्डिंग सब ध्वस्त हो जाएगा (वर्ष 1999 ओड़िशा में जो तूफान हुआ था उस तूफान का रफ्तार/वेग 300 किलो मीटर प्रति घंटा था पर वर्ष 2023 में जो होने जा रहा वो उससे कई गुना ज्यादा भयानक होगा, इतना भयानक होगा की पक्का मकान कुछ पल भर में मलवे में तब्दील हो जाएगा)

महापुरुष अच्युतानंद दास

मालिका - युगब्धि गीता

सत्य, त्रेता और द्वापर युग में सात (7) दिन अंधेरा हुआ है अतः कलियुग में भी सात (7) दिन अंधेरा होगा, सूर्य का प्रकाश धरती पर दिखाई नहीं देगा । भविष्य "मालिका" शास्त्र में महापुरुष अच्युतानंद दास वर्ष, महीना और तारीख भी उल्लेख किए हैं की कब 7 दिन धरती पर अंधेरा छाएगा (सूर्य दिखाई नहीं देंगे)

Timeline (समय) □□ 26-May-2026 से 02-June-2026 अंधेरा हो जाएगा धरती (सूर्य की प्रकाश नहीं दिखेगा, विज्ञान भी हैरान होगा, एक शब्द बोलूँ तो विज्ञान का घमंड टुटेगा)

"मालिका" में महापुरुष अच्युतानंद दास ने वर्णन किए हैं की पुरी रथयात्रा 6 वर्ष तक बंद रहेगा और 9 वर्ष तक धरती माता खामोश हो जाएगी।

फिर महापुरुष शिशु अनंत दास मालिका के "पटा मड़ाण" ग्रंथ में वर्णन किए हैं की भविष्य में आश्विन महीना में रथयात्रा होगा।(आमतौर पर रथयात्रा आषाढ़ महीना में आयोजित होता है परन्तु भविष्य में यह आषाढ़ महीना के वदले आश्विन महीना में रथयात्रा देखने को मिलेगा)

[रथयात्रा 12 यात्राओं में सर्व श्रेष्ठ है]

महापुरुष अच्युतानंद दास जी ने "चौषठी पटल" में जिस बात का वर्णन किए थे वही बिषय पर वाद में महापुरुष शिशु अनंत दास जी ने "पटा मड़ाण" में वर्णन किए हैं....

"पांच ग्रहों का एक राशि में जिस दिन संयोग बनेगा"

□□

"स्वान अर्थात कुत्ते यजुर्वेद श्लोक गाएंगे

ओर बगुला पक्षी भगवत गीता पढ़ेंगे"

जब कुत्ते यजुर्वेद श्लोक गाएंगे ओर बगुला पक्षी भगवत गीता पढ़ेंगे तब समझ जाना की कलियुग का अंतिम क्षण चल रहा होगा...

क्या ये भविष्यवाणी भगवत गीता में लिखा हुआ है ? नहीं ये सिर्फ "मालिका" में लिखा हुआ है ।

जय जगन्नाथ □□

जय पंचसखा□□

महापुरुष अच्युतानंद दास ने अपने शिष्य रामदास को यह दोहा लिखकर समझा रहे हैं की...

"पांच ग्रहों का एक राशि में जिस दिन संयोग बनेगा तो समझ जाना उस दिन से भयंकर अकाल ओर भुकमरी पूरे विश्व को अपनी चपेट में ले लेगा" ।

मालिका प्रचारक - प्रमोद कुमार जी बोल रहे हैं "क्या आज श्रीलंका में भुकमरी नहीं आया है ? श्रीलंका के वाद नेपाल, भारत ऐसे सभी देशों को अकाल ओर भुकमरी अपनी चपेट में ले लेगा ।

इस बात को गर्ग ऋषि अपनी गर्ग संहिता में भी वर्णन किए हैं श्लोक के माध्यम से "जैसे ही विश्व में युद्ध शुरू हो जाएगा तब पूरे विश्व में अकाल ओर भुकमरी से त्राहिमांम होगा ओर युद्ध से इस धरती में करोड़ों की संख्या में इंसानों की कीड़े-मकोड़े तरह मृत्यु होगा, इस धरती में खून ही खून बहेगा ।

मालिका का नाम :-चौषठी पटल, सप्तदश पटल, Page no.73 (किसी को संदेह हो तो ओड़िशा राज्य में आकार पता लगा सकते हैं जिसका प्रमाण दे दिया गया है दिव्य ग्रंथ "मालिका" से निकाल कर)

पूरब दिशा से समुद्र का लहर आएगा मतलब बंगाल की खाड़ी से सुनामी आएगा , समुद्र का पानी भगवान जगन्नाथ मंदिर के 22 सीढ़ी ओर रत्न सिंघासन को डूबा देगा जहाँ मछली तहरता हुआ नजर आएगा. जब यह घटना घटित होगा तब रत्न सिंघासन पर बरुण देव बिराजमान होंगे (बरुण देव मतलब समुद्र) और प्रभु जगन्नाथ श्री मंदिर छोड़ देंगे जो की मालिका शास्त्र में बर्णन है...

1) सत्ययुग - 3 Step Land

(तीन पग जमीन भगवान बली राजा से भिक्षा मांगे थे)

2) त्रेतायुग - 3 Line (लक्ष्मण रेखा)

3) द्वापरयुग - 3 Small Sticks (अक्षक्रीड़ा/जुआ)

4) कलियुग - 3 Stumps (Cricket Game)

अतः कलियुग का अंत Cricket Game के कारण होगा

भविष्य_मालिका (समंदर के पास जितने भी शहर है सभी शहर डूबने वाले हैं, North Magnetic Pole भी shift हो रहा है, Earth's Lithosphere के Tectonics Plates जितने हैं वो सभी Vibrate होने शुरू हो चुके हैं, अब 2024 से 2030 के विच में कभी भी सुनामी आ सकता है 100%

कलियुग अंत में विभीषिका मालिका के अनुसार :

बचे हुए लोगों को खाने के लिए आहार नहीं मिल पाएगा।

देह पर पहनने के लिए कपड़े नहीं होंगे।

कई प्रकार के दुख से आंखों से आशु बहता होगा।

भूखे शिशु को दूध नहीं मिल पाएगा।

अन्ना के बिना चारों ओर हाहाकार होगा।

सभी पेट के भूख से आकुल होंगे।

सभी केवल अपने आपको बचाने का प्रयास करेंगे।

अन्ना के भूख से ज्ञान, बुद्धि लुप्त हो जाएगी।

धनी, गरीब सभी समान हो जाएंगे।

विष्णु के अंश अवतार और महापुरुष अच्युतानंद दास के लगभग समकालीन दक्षिण भारतीय संत स्वामी वीरब्रह्मेन्द्र की "कालज्ञान" से कुछ भविष्यवाणीयां जो भविष्य मालिका से मिलती जुलती है!

□ कालज्ञान के अनुसार 2022-23 में उतर में 33 दिन तक एक धूमकेतु दिखेगा जिसकी वजह से पृथ्वी काँपने लगेगी और उस वजह से लोगो को लगेगा सूरज काँप रहा है । मालिका के अनुसार भी अंत समय में एक बड़ा धूमकेतु तत्करीबन पुरे महीने दिखेगा और इसके बाद कुछ समय में पृथ्वी के ध्रुव अलट-पलट हो जायेंगे । यह घटना फेब्रुअरी 2023 में हो रही है और शायद इसी वजह से तुर्की का बड़ा भूकंप और भूकंप की संख्या बढ़ी है । 50000 साल बाद आसमान में एक नीला-हरा धूमकेतु (C/2022 E3) दिखा है जो लगभग पुरे महीने उतर में दिखेगा । अमेरिका के प्राचीन सभ्यता होपी संस्कृति में भी कहा गया है की अंत समय में उतर में एक भूरा धूमकेतु दिखेगा जो परम शक्ति के उदय होने का प्रमाण होगा ।

□ भगवान् कल्कि / वीरभोग्य वसंतराया दुष्टों के अंत की शुरुआत 09-09-2009 से कर चुके है । जब की भविष्य मालिका के अनुसार भी कल्कि का जन्म लगभग 2005 के आसपास होगा और वोह 4 साल की उम्र से लीला करना शुरू करेंगे यानी 2009 से शुरुआत हो चुकी है ।

□ कालज्ञान में भी कहा गया है की अंत समय में शिव, विष्णु और दुर्गा सहित देवी देवताओं की मूर्तियां लोगो से बात करेगी और भविष्य मालिका में भी कहा गया है की मूर्तियां जीवित होगी ।

□ दोनों के अनुसार अंत समय में बहुत सारे जूठे बन-बैठे कल्कि होंगे जिसका नाश कल्कि स्वयं कर देंगे ।

□ काल ज्ञानम् के अनुसार वर्ष क्रोधी (2024-25) में भारत में भीषण आंतरिक संग्राम और बाहरी युद्ध होगा और मालिका के अनुसार भी मीन राशि में शनि के प्रवेश के साथ (2024 के अंत और 2025 की शुरुआत) में भारत में चीन की सेना तेरह मुस्लिम देशों के साथ आक्रमण करेगी ।

□ दोनों ग्रंथों के अनुसार सभी बाँध अंत में टूट जायेंगे और शहरों के शहर बहा ले जायेंगे ।

- दोनों ग्रंथों के अनुसार ज्योतिषियों और पंडितों की भविष्य वाणियाँ अंत समय में निष्फल होने लगेंगी ।
- दोनों ग्रंथों के अनुसार अंतिम समय में 6-7 महामारियाँ विश्व में हाहाकार मचाएंगी ।
- दोनों ग्रंथों के अनुसार बांग्लादेश, बंगाल आदि पूर्व भारतीय शहरों में साइक्लोन के प्रकोप से लाखों लोगों की मृत्यु होगी ।
- कालज्ञान के अनुसार मीन-शनि संयोग में म्लेच्छों का विनाश शुरू हो जाएगा और मालिका के अनुसार भी मीन में शनि के प्रवेश से ही विश्व में लाखों के ढेर बिछ जायेंगे ।
- कालज्ञान के अनुसार भी वीर ब्रह्मेन्द्र स्वामी और उनके सखाओं ने लिखे हुए ग्रन्थ एक पेड़ के निचे छुपाये गए हैं जिसे अंत समय में कल्कि बहार लायेंगे । मालिका के अनुसार भी पंचसखाओं ने लिखे हुए ग्रन्थ भी एक कल्पवट के निचे हैं जिन्हें कल्कि उद्धार करके प्रस्तुत करेंगे ।
- दोनों ग्रंथों के अनुसार अंत समय में गंगा नदी और कई मुख्य नदियाँ सुख जायेंगी ।
- कालज्ञान के अनुसार अमेरिका का एक मुख्य शहर भूकंप से तबाह हो जायेगा, केवल 5 फ़ैमिली बचेंगे और अमेरिका सबसे गरीब देश हो जायेगा । भविष्य मालिका के अनुसार भी अमेरिका का सब से मुख्य शहर न्यूयॉर्क स्मशान बन जायेगा और अमेरिका और यूरोप पूरी तरह से आर्थिक तौर पे बरबाद हो जायेगा ।
- कालज्ञान में भी प्रभु का एक मुख्य लीला स्थल उदयगिरी बताया गया है जब की भविष्य मालिका में उदयगिरी-खंडगिरी को प्रभु की लीला का मुख्य स्थल बताया गया है । हाला की कालज्ञान में उदयगिरी आंध्र प्रदेश में कहा गया है और भविष्य मालिका में ओडिशा में । ठीक इसी तरह अलग अलग प्रदेश के संतो और भविष्य वेताओं ने अपने अपने प्रदेशों में कल्कि के लीला स्थल भी बताये हैं हाला की ।
- दोनों ग्रंथों के अनुसार दिल्ली और कलकाता-बंगाल में भारत की शायद सब से भीषण तबाही होगी ।
- दोनों ग्रंथों के अनुसार सतयुग की स्थापना के बाद तक्ररीबन 1008 साल तक प्रभु पृथ्वी पे शासन करेंगे । यहाँ उल्लेखनीय है की बाइबल में भी rapture या tribulation के बाद का शान्ति का समय करीब 1000 साल बताया है ।
- दोनों ग्रंथों के अनुसार अंत समय में जंगली जानवर अपनी सीमा छोड़कर गाँव और शहर में घुस जायेंगे और आतंक मचाएंगे ।
- कालज्ञान के अनुसार धर्म संस्थापना की शुरुआत पार्थिव संवत्सर के उगाड़ी यानी की अप्रैल 2005 से होगी । मालिका के अनुसार भी 2005 के आसपास का समय ही कल्कि के जन्म का समय साबित हो रहा है ।
- कालज्ञान के अनुसार ब्रिटिश साम्राज्य के साथ युद्ध के दौरान भारत के वीर योद्धा श्री अल्लूरी सीता राम राजू अभी भी जिंदा हैं और गुप्त रूप से जी रहे हैं । मालिका के अनुसार भी आज़ादी की लड़त में रहस्यमयी ढंग से मृत्यु को प्राप्त हुए सुभाषचंद्र बोस जीवित हैं और धर्म संस्थापना में अहम् भूमिका अदा करेंगे ।
- इन सब भविष्यवाणियों के अलावा भी कई समानताएँ कालज्ञान और भविष्य मालिका में हैं जैसे की सांसबहु में मनभेद, पुत्र पिता में लड़ाई, शराब और मांसाहार का आम हो जाना, व्यभिचार, लुट, हत्या इत्यादि का आम हो जाना, शिक्षा का बेचे जाना, गरीब आमिर में बहुत भेद हो जाना वगैरह । यही सब चीज़ें दुनियाभर के भविष्य वेताओं द्वारा अलग अलग कालखंड में लिखी गई हैं जो की एक अदृश्य परमशक्ति की सत्ता को सिद्ध करती हैं ।

खंडागिरी थारे लीला उपजिबा, बिनसो दुई पारे जानो।

सेधारे अभोरा भक्तों रहिबे, तेनु पादुका आश्रम

अर्थात् खंडागिरी में लीला शुरू होगा, 22 के बाद ।

वहां भगवान के भक्त रहेंगे, इसलिए उसका नाम पादुका आश्रम होगा।

यवन आतंक प्रबल हेबो, जहां देखूं तहीं लुटु होइबा, जाना जाना 26 कोटी,
जगैबु बाला पड़ीबा हुरी

अर्थात् यवनों का आतंक प्रबल होगा।

जहां देखोगे वहां लूटपाट होगा। एक एक करके 26 करोड़ सैनिक युद्ध करेंगे। संसार में हाहाकार मचेगा।

डेलुआ कु गोंटाघारा करीबा यवन, श्री पुरुषोंकरा जातरा करीबा खंडाना।

नबा दिनों जतरा यवन नाशिबा, पूरी तीर्थो मानो यवन सजीबा

अर्थात् बड़ा देउला को युद्ध का क्षेत्र बना देंगे यवन। श्री जगन्नाथ रथ यात्रा को यवन बंद करवा देंगे।

9 दिन का यात्रा का नाश करेंगे यवन। पूरी में यवन लोग आ जायेंगे

महापुरुष अचुतानंद कहते हैं –

□ एकाक्षरो भजो एकाक्षरे मोजो एकाक्षरो करो सारो । एकाक्षर बिना गति मुक्ति नाही कहे अचुतो पामोरो ।।

अर्थात्:

एकाक्षर भजो एकाक्षर मे मग्न हो जाओ एकाक्षर को सार बनाओ क्योंकि एकाक्षर के बिना गति मुक्ति नहीं है ये दीन हीन अचुतानंद कह रहा है।

□ अष्टादशाक्षरो ब्रह्म एकाक्षरो न कहीबू रामो तूही । लयांगो भक्तो जाणी छंती सूत्र अन्य कू गोचोरो नाही ।।

अर्थात्:

अचुतानंद अपने शिष्य रामदास से कह रहे हैं अठारह अक्षरों में एकाक्षर (एक अक्षर) को किसी को मत बताना पर जो एकाक्षर मे मग्न हैं दिवाने हो गए हैं वो इस एकाक्षर के रहस्य (सूत्र)को जानते हैं ।

□ श्वेत पितो रक्तो कूकूम जे नीलो राधा कृष्ण ज्योति ब्रह्म एकाक्षर रे । एहाकू जाणती सुज्ञानी पंडितों रे

अर्थात्:

श्वेत पीला लाल नीला राधा कृष्ण ज्योति ब्रह्म ही एकाक्षर है इस बात को ज्ञानी और पंडित लोग जानते हैं ।

□ र अक्षरूं राधांको जन्मों म अक्षरूं कृष्ण उत्पन्नो । अर्थात् र अक्षर से राधा नाम प्रकट हुआ और म अक्षर से कृष्ण उत्पन्न हुआ

अर्थात्:

राधा कृष्ण नाम ही एकाक्षर मंत्र है और इनका भजन कीर्तन स्मरण चिंतन किए बिना कोई भी कलियुग से बच नहीं सकता

मालिका के अनुसार वर्तमान समय में बच्चों को युवाओं को और बुजुर्गों को कल्कि अवतार का स्वप्नादेश होगा जिसकी शुरुआत हो चुकी है जिन्हें स्वप्नादेश होगा वो घर से भाग जाएंगे

माया का बंधन अपने आप टूट जाएगा और घर से भाग खड़े होंगे उनके घर से भागने और उनके द्वारा रहस्यमय बातें कहना ही उनके सत्यता का प्रमाण है ऐसे ही बौद्ध जिला का कक्षा नौ मे पढ़ने वाला तेरह वर्षीय स्वाधीन राणा घर से भाग गया और निर्जन स्थान पर कुटिया बना कर रहने लगा बहुत दूढ़ने पर उसके माता पिता को मिला भी पर वो घर वापस लौटने को तैयार नहीं है और ऐसे ही बहुत सारे बच्चे अब घर से भाग जाएंगे ।

मालिका के अनुसार अब उड़ीसा के नदी तालाब सूखने लगेंगे और उन जगहों से प्राचीन काल के मंदिर निकलने लगेंगे जैसा कि मैंने पहले बताया है मूर्ति पूजा पर आस्था रखने वालों के लिए जमीन के अंदर से भगवान मूर्ति के रूप में प्रकट होंगे मालिका के अनुसार कुछ मूर्तियां बोलने भी लगेंगी । और ऐसे ही हीराकुद बांध से एक मंदिर बाहर निकलेगा और उस मंदिर में हिरि का शिवलिंग होगा

मेरा दावा है पांच साल के अंदर कल्कि अवतार तीन बार तीन जगहों में विश्व रूप दिखाएंगे पर कोई भी उन्हें भगवान नहीं मानेगा कोई भी नहीं, जैसे ये संत अष्टावक्र मुनि के अवतार हैं जो कल्कि के भक्तों का चीन के हाथों मारे जाने पर उन भक्तों को फिर से चित्रतपला नदी के अंदर से अमृत कलश निकाल कर जीवित करेंगे, ये संत अचुतानंद जी के धाम पद्म वन नेमाड़ ग्राम में आया हुआ है इस ब्राह्मण को देखकर कोई भी इन्हें अष्टावक्र मुनि नहीं मानेगा ठीक ऐसे ही कल्कि अवतार के भयंकर रूप को देख कर भी उन्हें कोई भगवान नहीं मानेगा क्योंकि ऐसा गीता में भी कहा गया है ।

चतुर्युग गणना के संबंध में विचार

ब्रह्माण्ड तत्व के अनुसार संसार में क्रमशः चार युग का भोग होता है। उन चार युगों के नाम हैं- सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग। सतयुग में धर्म के चार पग होते हैं एवं उसकी आयु 17,68,000 वर्ष है। इस युग में धर्म के चार पग जो कहे गए हैं, वे हैं- सत्य, स्वच्छता, दया और क्षमा। धर्म के इन चार पगों के कारण, सतयुग में सभी मनुष्य आनंदित जीवन जीते थे एवं मानव समाज में सुख, शांति, समृद्धि, स्थायित्व परिलक्षित होता था। सतयुग के बाद त्रेता युग का आगमन होता है। इस युग की आयु 12,96,000 वर्ष है। इस युग में धर्म तीन पगों के साथ विराजमान होता है, वे हैं – सत्य, दया और क्षमा। इस युग में धर्म के एक पग का क्षय हो जाता है, जिसका नाम है स्वच्छता(भीतर और बाहर की पवित्रता)। त्रेता युग के बाद युग चक्र के अनुसार से द्वापर युग का आगमन होता है। इस युग की आयु 8,64,000 वर्ष है। इस युग में धर्म के मात्र दो पग ही रह जाते हैं, वे हैं -सत्य और क्षमा।

इन सब युगों के उपरांत, चौथा और अंतिम युग जो आता है वह कलियुग है। इस युग की आयु 4,32,000 वर्ष है। इस युग में धर्म के तीन पगों का नाश हो जाता है, एवं एक ही पग धर्म का शेष रह जाता है, और वह है – सत्य। कलियुग के अंत में एक पग जो धर्म का बचा था, वह भी क्षय हो जाता है। वैवस्वत मनु जी की मनुस्मृति में प्रमाणित है कि कलियुग के अंत समय में धर्म केवल दान के माध्यम से अपनी अंतिम अवस्था में टिका रहता है। लेकिन महापुरुष पंचसखा ने, भविष्य मालिका में कलियुग की आयु, और मनुस्मृति में लिखे गये समय और स्थिति के वर्णन में संशोधन करके, प्रभु जी की आज्ञा से, इस युग व्यवस्था का विस्तृत भाव से वर्णन किया है।

“धर्म चारिपाद निश्चय कटिब हरि आश्रा कर नर,

सुकर्म कुकर्म बिचारी पारिले पाद पद्मे स्थान पाई”

अर्थात्-

भविष्य मालिका में महापुरुष अच्युतानंद जी लिखते हैं कि कलियुग पूर्ण होने के समय, चार पग धर्म समाप्त हो जाने के साथ साथ, बड़ी बड़ी आपदाएं, अकाल पृथ्वी पर आयेंगे। महापुरुष उक्त समय को 'संगम युग' या 'युग संध्या' के नाम से विवेचना करते हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि हरि के नाम एवं गुणों का भजन करके, मालिका ग्रंथ का अनुसरण करके, वैदिक धारा में चलने वाले मनुष्य सतयुग में प्रवेश करेंगे

“चतुर्जयाहु सहस्राणि वर्षाणां तत्कृतम् युगम्,
तस्य ताबच्छती संध्या संध्यांश्च तथाबिधः”

मनुस्मृति-

मनुस्मृति से उद्धृत (लिया) उपरोक्त श्लोक का भावार्थ है – चार हजार वर्ष के पश्चात सतयुग आता है। उस चार हजार वर्ष के परमायु तथा उसके संध्या और संध्या काल की कुल परमायु का एक दशमांश वर्ष होता है।

कलियुग की आयु= 4000 साल

कलियुग आरंभ और द्वापर युग अंत में दो संध्या= $400 \times 2 = 800$ वर्ष

कुल योग 4,800 वर्ष कलियुग का भोग समय बताया गया है।

निर्णय सिंधु-

“चतुर्जयाबदः सहस्राणि चत्वार्षादं शतानिचम्,
कलेर्ज्यदा गमिष्यन्ति तदापूर्वम् युगाश्रितम्।”

निर्णय सिंधु से लिए गए उपरोक्त श्लोक में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि 4,000 सालों के बाद संध्या समय 400 वर्ष, फिर उसके बाद के युग प्रारंभ का संध्या समय के 400 वर्ष को मिला कर, कलियुग को कुल 4800 वर्ष भोग होगा।

गर्ग संहिता-

“अदाश्वत्तः सहस्राणि कलै चतुः शतानिचम्,
गते गिरि बरेहि श्री नाथ प्रादुर्भविष्यति।”

गर्ग संहिता से उद्धृत (लिए) इस श्लोक का भावार्थ है कि कलियुग के 4000 वर्ष भोग होने के बाद, इसके संध्या समय के 400 वर्ष बाद, भगवान महाविष्णु (श्रीनाथ) धरती पर अवतार लेंगे और पाप के भार का अंत करेंगे

अधोरी नागा साधु एवं मालिका भक्त भवदुत दास बच्चा बाबा ने पहले से ही बोल दिए हैं की 3 सिर जाएगा, में ज्यादा खुलकर नहीं लिखूंगा 1 सिर खतम हो चुका है कौन खतम हुआ है वो में नहीं लिखूंगा क्यों की Social Media है यहाँ सभी के पोस्ट पर नजर रखा जा रहा है बाकि 2 सिर जाएगा...

□स्थानो सातो ठारू पांचो तीनी पुरो दुल्की उठीबो मही ।

सकलो धर्मी एकत्र होईबे छतिया वटो रे जाई ।।

अर्थात् स्थान (4 धाम) और 7 अंक से 53 अंक के बीच पृथ्वी भूकंप से दहल उठेगी इसके बाद अर्थात् वक्त करीब है छतिया वट मे सभी धर्म संप्रदाय के लोग इकट्ठे होंगे ।

अर्थात् गजपति दिव्य सिंह देव (चतुर्थ) के 47 अंक (2017 – 2018) से 53 अंक (2023 – 2024) तक पृथ्वी भूकंप से दहल उठेगी इसके बाद जाजपुर के प्राचीन जगन्नाथ मंदिर के जगन्नाथ जी सात दिन के लिए छतिया वट जाएंगे अब क्यों जाएंगे किस कारण जाएंगे शायद भूकंप या बाढ़ के कारण जाजपुर में आफत आएगी जिसके चलते जगन्नाथ जी को छतिया वट मे रखा जाएगा और रथयात्रा वही होगा जिसके कारण छतिया वट में सभी धर्म संप्रदाय के लोग इकट्ठे होंगे । और ये रथयात्रा आषाढ के महीने में ही होगी ऐसा नहीं है विपरीत परिस्थितियों के कारण ये असमय में होगा ।

मालिका के इस बात से पता चलता है भारत में भी तुर्की की तरह कोई बड़ा भूकंप होने वाला है 2023 – 2024 के अंदर अर्थात् डेढ़ साल के अंदर डेढ़ साल इसलिए क्योंकि गजपति का गणित अंक 52 चल रहा है तीन चार महीने के अंदर 53 अंक होगा और एक साल तक 53 अंक ही चलेगा अर्थात् 2024 के मार्च तक और इसी बीच उत्तर भारत में तुर्की से भी बड़ा भूकंप होगा और दक्षिण भारत और उड़ीसा के पूर्वी भाग में बहुत बड़ी बाढ़ आएगी जिसमें 6 जिले चपेट में आएंगे और इसमें जाजपुर भी होगा इसलिए जाजपुर के जगन्नाथ को छतिया वट स्थांतरित किया जाएगा और सात दिन रथयात्रा वहाँ होगा ।

ये जो मैंने बताया ये तो 2024 मार्च के पहले ही कभी भी हो सकता है पर इतने में ही मुसीबत खत्म नहीं होगी 2024 अप्रैल में जगन्नाथ पुरी में चीन का हमला शुरू हो जाएगा फिर पुरी के जगन्नाथ जी को भी छतिया वट स्थांतरित करने के लिए लोग बाध्य हो जाएंगे । अब आप को क्या लगता है इस डेढ़ साल के अंदर ये सब होगा ये तो वक्त ही बता सकता है

मालिका के अनुसार मैं आपको बता चुका हूँ तीन प्रकार के कल्कि अवतार होंगे एक कल्कि अवतार निराकार रूप से संहार करेगा पंच तत्व के माध्यम से , जिसकी शुरुआत 1999 से हो चुकी है और 2027 के अंत में धूमकेतू हिंद महासागर में गिरेगा जो निराकार शून्य ब्रह्म के उपासकों के लिए बारह हाथ खंडा होगा खंडा का मतलब तलवार है । दूसरा कल्कि अवतार दारू ब्रह्म जगन्नाथ जी हैं जो छतिया वट नामक स्थान पर कल्कि रूप में दर्शन देंगे और वहाँ भयंकर मारकाट होगी बारह हाथों में अर्थात् सभी के हाथों में हथियार होगा लोग आपस में लड़ मरेंगे ये भी एक प्रकार का बारह हाथ खंडा है जो सबकी गर्दनो तक पहुँच चुका है जाने कब दंगे भड़क जाएँ और बारह हाथ खंडा चल जाए गर्दन कट जाए । और तीसरा कल्कि अवतार मानव रूप में होगा जो बारह फीट का तलवार धारण करेंगे और सफेद घोड़े पर बैठ कर मलेच्छ संहार करेंगे । वो सफेद घोड़ा राजस्थान में है जो संगमरमर के पत्थर से बना है जिसमें इंद्र के घोड़े की जीवात्मा घुस जाएगी और वो पत्थर का घोड़ा जीवित हो उठेगा और विशाल रूप धारण करके उड़ीसा आएगा जिस पर कल्कि अवतार पद्म केशरी सवारी करेंगे और इस विडियो में दिखाए जा रहे स्वयंभू तलवार नंद खड़ग को धारण करेंगे और ये भी एक प्रकार का बारह हाथ खंडा है इस विशाल नंद खड़ग के दर्शन किजिए जो स्वयंभू है और जमीन चीर का जमीन के अंदर से प्रकट हुआ है लम्बाई अधिक होने के कारण छत में धंस गया है । इस बारे में मैंने 2021 में ही पोस्ट किया था जिसमें बताया था अचुतानंद ने गुप्त रूप से एक यज्ञ किया है और एक गुप्त स्थान पर वो तलवार प्रकट हुआ है पर मित्रों ने उस पोस्ट पर ध्यान नहीं दिया कुछ मित्रों ने हंसी भी उड़ाई । खैर जो भी हो उस दिव्य नंद खड़ग के दर्शन किजिए जो पांच साल के अंदर कल्कि अवतार धारण करेंगे और मलेच्छ संहार करेंगे । इस गुप्त स्थान के बारे में इसका अता पता गुप्त रखता हूँ जय जगन्नाथ जय कल्कि जय जगतपते पद्मापति जय रमापते ।

नोस्त्रदामस की प्रोफेसिस से कुछ घटना जो भविष्य मालिका से सुसंगत है । नोस्त्रदामस ने अपनी प्रोफेसिस में लिखा है की

□"For before war ends the century and in its final stages it will hold the century under its sway. Some countries will be in the grip of revolution (7) for several years, and others ruined for a still longer period."

"युद्ध की तबाही से सदी का अंत होने से पहले युद्ध पूरी सदी के अंतिम भाग को अपने प्रभाव से रंजित कर देगा । कुछ कुछ देश 7 साल तक क्रान्ति की असर में होंगे जब की कुछ और भी ज्यादा सालों के लिए ।"

7 साल का पीरियड विश्व की सभी मुख्य भविष्य वाणियों में बताया गया है जैसे की भविष्य मालिका और बाइबल भी । पंडित काशीनाथ मिश्र के मुताबिक भी 2022 से लेके 2029 तक का 7 साल का समय बहुत विनाशकारी होगा जिसके पश्चात् भारत में सम्पूर्ण सतयुग की स्थापना होगी ।

इसके आगे नोस्त्रदामस कहते हैं

□"And now that we are in a republican era, with Almighty God's aid, and before completing its full cycle, the monarchy will return, then the Golden Age (8). For according to the celestial signs, the Golden Age shall return"

"जब यह लिखा जा रहा है तब लोकशाही है लेकिन प्रभु की इच्छा से यह युग के अंत के सम्पूर्ण विनाश के पहले फिर से राजाशाही का आगमन होगा और उसके बाद सुवर्ण युग । क्यूँ की आसमानी संकेतों के हिसाब से सुवर्ण युग आनेवाला है ।"

अपनी प्रोफेसिस की सेंचुरी 5 के अंत और सेंचुरी 6 की शुरुआत में नोस्त्रदामस लिखते हैं की आज से यानी की 1555 से करीब 450 साल बाद 2005-6 में तिन समुद्रे से घिरे देश में यानी की भारत में एक महान शक्ति के उद्भव की बात कही है जो आगे जाके समग्र विश्व में सम्मान और भय से देखा जाएगा और विश्व का शासन करेगा ! भविष्य मालिका में दिए गए संकेतों के हिसाब से भी 2005-6 में ही कल्कि का जन्म हुआ होना चाहिए । इसके अलावा नोस्त्रदामस ने 21 मी सदी की शुरुआत यानी 2001 से लेके 27 साल तक का turmoil का पीरियड कहा है जिसके बाद शांति का युग आएगा । भविष्य मालिका के ज़्यादातर जानकारों के हिसाब से भी 2029 तक विश्व में सतयुग की स्थापना होनी चाहिए ।

इस भ्रम से दूर रहें कि महाभारत की तरह दोनों ओर से योद्धा खड़े होंगे और पता चलेगा कौन पांडवों के पक्ष में हैं और कौन कौरवों के पक्ष में हैं ऐसा बिल्कुल नहीं होगा क्योंकि मालिका में भी ऐसे युद्ध का वर्णन नहीं है वर्तमान समय में युद्ध भी होंगे प्राकृतिक आपदा भी होगी मारकाट सब होगा पर पता ही नहीं चलेगा कौन धर्म का पक्षधर है कौन अधर्म का 2028 के बाद जितने लोग बचे रहेंगे उनको देख कर पता चलेगा यही लोग धर्म योद्धा या धर्म के मार्ग पर चलने वाले लोग हैं ये बताने पर एक मित्र ने कहा क्या कल्कि अवतार युद्ध नहीं करेंगे मैंने कहा करेंगे पर वो छद्म युद्ध होगा कुरूक्षेत्र में जैसे दोनों ओर के योद्धा आर पार लड़े थे ऐसा युद्ध नहीं होगा ये छद्म युद्ध होगा और अंत में पता चलेगा छद्म युद्ध लड़ने वाला योद्धा कल्कि अवतार और उनके साथी धर्म योद्धा थे ।

□हर चंडी नर चंडी दक्षिण चंडी जाणो ।
उग्र चंडी कटक चंडी अष्ट चंडी जे प्रमाणो ।।

अर्थात् अष्ट चंडी प्रमाण हैं एक वचन का, कौन से वचन का आगे अचुतानंद उल्लेख करते हैं ।

□एमाने बहुतो दिनो छंति उपोवासो I
खाईबे बोली कलि रे शुद्धो नोरो मांसो II

अर्थात ये अष्ट चंडीयां बहुत दिनों से उपवास में हैं और इस आशा से द्वापर युग से प्रतीक्षा कर रही हैं कि कलयुग में इन्हें शुद्ध मानव मांस खाने को मिलेगा I

□नोरो मांसो देबे बोली तांकू नारायणो I
द्वापर युगो रू साखी रखी छंति प्रमाणो II

अर्थात शुद्ध नर मांस अष्ट चंडीयों को देने के लिए नारायण ने द्वापर युग से इन चंडीयों को धरती पर संहार करने के लिए स्थापित करके रखा है I

ये चंडी क्या हैं — ये महामाया की शक्तियां हैं महामाया की शक्ति योगमाया, योगमाया की शक्ति त्रिशक्ति अर्थात लक्ष्मी सरस्वती काली हैं, त्रिशक्ति की शक्ति अष्ट चंडी हैं और इन चंडीयों की शक्ति चामुण्डा हैं चामुण्डा की शक्ति 64 योगीयां हैं योगनीयों की शक्ति भैरवी हैं भैरवी की शक्ति पिशाचनीयां हैं और पिशाचनीयों की शक्तियां प्रेत हैं ये सभी एक दूसरे के अंडर में काम करती हैं ये सभी अब नाना प्रकार से संहार करेंगी इसलिए मंदिरों में अशुभ संकेत दिखाई दे रहे हैं जैसे गया में दुर्गा मंदिर में माता की मूर्ति ने गुस्से में आंखें बड़ी कर ली और आंखों से आंसू गिरने लगे मंदिर की घंटियाँ अपने आप बजनी शुरू हो गई ये चमत्कार देखने के लिए लोग इकट्ठे हो गए पर लोग मालिका से अनजान रहने के कारण नाना प्रकार के संकेतों को समझ नहीं पा रहे हैं वो नहीं समझ पा रहे हैं सर पर मौत मंडरा रही है शुद्ध नर मांस का मतलब है सात्विक आहार करने वाले पूजा पाठ करने वाले लोगों का रक्त पीएंगी अष्ट चंडी अर्थात ऐसे लोगों का संहार होगा I

<https://youtube.com/shorts/9V8MBO0tknI?feature=share>

□चंद्र मंडलो रे लोके पोसी जीबे बढ़ीबो विज्ञानो भाऊ I
येहा देखि प्रकृति तांडव रचिबो लोके हेबे हाऊ हाऊ II

अर्थात अच्युतानंद जी ने 1510 ई में ही मालिका में उल्लेख कर दिया था मनुष्य एक दिन चांद पर कदम रखेगा और विज्ञान के कारण मनुष्य का अहंकार बढ़ेगा फिर चंद्रमा पर घर बना कर मनुष्य वहाँ रहने के लिए सपना देखेगा और तभी प्रकृति रौद्र रूप धारण करेगी जिसके कारण मनुष्य समाज में त्राहिमाम मच जाएगा चारों ओर हाहाकार मचेगा I

भयंकर युद्ध होगा जिसे मालिका में चौथा भारत युद्ध कहा जाता है सूर्य में विस्फोट होगा सौर सुनामी का प्रचंड प्रहार धरती को झेलना पड़ेगा बैज्ञानिक यंत्र काम करना बंद कर देंगे चारों ओर हरि का सुदर्शन चक्र घूम रहा होगा और अंत में धूमकेतू हिंद महासागर में टकराएगा जिसकी टक्कर से जमीन सौ मीटर तक उत्तर की ओर सरक जाएगी बर्द्रीनाथ धाम पाताल में धंस जाएगा जगन्नाथ पुरी समुद्र के भीतर समा जाएगी कलयुग के सभी तीर्थ नष्ट हो जाएंगे कहीं कहीं समुद्र के बीच में नये दीप निकल आएंगे सात दिन के लिए पृथ्वी के घुमने की रफ्तार कम हो जाएगी भारत में सात दिन के लिए सूर्य नहीं दिखाई देगा धरती पर अंधकार छा जाएगा पृथ्वी के अलग अलग हिस्से में कहीं तीन दिन कहीं चार दिन कहीं कहीं सात दिन अंधकार छाया रहेगा कहीं कहीं सूर्य चौबीस घंटे दिखाई देता रहेगा वहाँ जमीन में आग लग जाएगी फिर पृथ्वी अपने अक्ष पर उल्टा घुमना शुरू कर देगी सात दिन बाद सूर्य पश्चिम दिशा से भारत में उगता हुआ दिखाई देगा वो सतयुग का सूर्योदय होगा इसके बाद कल्कि अवतार सेटलमेंट का काम शुरू कर देंगे नये नये तीर्थों का उदय होगा देवता और मनुष्य एक साथ बैठकर बातें करेंगे स्वर्ण काल शुरू हो जाएगा और इस दौरान पृथ्वी पर 25% जनसंख्या बची रहेगी और ये सभी लोग आनंद पूर्वक पृथ्वी पर निवास करेंगे I

कल्कि अवतार के प्रकट होने के बाद खगोलीय राशिचक्र में एक अशुभ योग घटित होगा, जिसके नतीजे में पूरा विश्व युद्धों व संघर्षों का एक विनाशकारी दौर देखेगा। उस समय महाप्रभु भक्तों की रक्षा करेंगे, जबकि मां दुर्गा दुष्टों का संहार करेंगी। जो भक्त सत्य की शरण गहेंगे, केवल वे ही सत्ययुग में जा पाएंगे।

उत्तरांचल के प्रसिद्ध संत शिवानन्दजी के अनुसार-

आज विश्व में जो भी घटनाएं घटित हो रही हैं वह शास्त्रानुसार पहले से ही सुनिश्चित हैं। भविष्य पुराण में भगवान वेद व्यास जी ने स्वयं भविष्यवाणी की है कि 4,900 शताब्दि कलियुग बीतने के पश्चात् भारत में बौद्धों का राज्य होगा, तदन्तर आद्य शंकराचार्य जी का प्रादुर्भाव के साथ ही वैदिक धर्म का प्रचार-प्रसार होगा और मनुस्मृति के आधार पर राजा राज्य करेंगे। पुनः 300 वर्षों तक भवनों तथा 200 वर्ष तक ईसाईयों का राज्य रहेगा। उसके बाद मौन (मत पत्रों) का राज्य रहेगा, जो 11 टोपी (राष्ट्रपति) तक चलेगा।

यह क्रम लगभग 50 वर्ष तक चलेगा। इसके बाद से किसी भी पार्टी को बहुमत प्राप्त नहीं हो सकेगा। मंहगाई-भ्रष्टाचार बढ़ेंगे। माता-पिता, साधु-सन्त, ब्राह्मण-विद्वान अपमानित होंगे, तब भयानक युद्ध होगा। भारत पुनः अपने अस्तित्व में आकर विश्व गुरु पद पर स्थापित होगा। भारत में शास्त्रानुसार पुनः राज्य परम्परा की स्थापना होगी।- (राष्ट्रीय सहारा समाचार पत्र, वाराणसी, 8 सितम्बर, 1998)

शिवानन्दजी के अनुसार भारत को सही रास्ता दिखाने वाले नेता का जन्म हो चुका है। भारत की प्रतिष्ठा विश्व में निरंतर बढ़ती रहेगी।

जब मीन राशि में शनि प्रवेश करेंगे तब भारत भूमि पर समर होगा मतलब युद्ध होगा। मालिका प्रचारक प्रमोद कुमार जी बोल रहे हैं यह बात लिख कर रखलो, यह घटना अवश्य घटित होगा क्यों की महापुरुष अच्युतानंद दास जी ने 600 वर्ष पहले ही लिख दिए थे।

(मालिका दोहा - "चौउदीग रे चहल पड़ीब, चीना संगे आद्य समर हेब, चाकीरिया माने फेरस्त हेबे, चोर माने देशे प्रबल हेबे") - अर्थात उस समय भारत और चीन के बीच युद्ध होगा। "नौकरी करने वाले वापस लौट जाएंगे", जब युद्ध शुरू होगा तब शहर में काम करने वाले सभी मजदूर वापस गांवों लौट जाएंगे जैसा कि देश में कोरोना महामारी के दौरान तालाबंदी के कारण देखा गया था। देश में चोरी बढ़ेगी जिससे देश में चोर बहुत बढ़ जाएंगे।

(मालिका दोहा - "शोभा न थिब से देशे जे, चरण चुतिआ भूरीश्रबा सेत जनम असुर देशे जे") - अर्थात जिस देश में चरण चुतिआ भूरीश्रबा जन्म ग्रहण किया होगा वो देश का शोभा नहीं होगा क्यों की वो असुर देश होगा, जो मालिका देखते होंगे उनको पता होगा की भूरीश्रबा जो बहलिका राज्य के राजकुमार उनके पिता का नाम सोमदत्त और दादा जी का नाम बाहलिका है जो महाभारत युद्ध में कौरवों के पक्ष से और पांडवों के बिपक्ष में युद्ध किए थे वो चीन में जन्म लिया होगा और चीन असुर देश है यहाँ महापुरुष उल्लेख किए हैं, तो जब युद्ध होगा तब पूर्व पश्चिम उत्तर दक्षिण चारों दिशाओं में त्राहिमाम होगा हाहाकार मचेगा क्यों कि पहली बार भारत जो किसी भी देश पर आक्रमण न करने वाला देश युद्ध के मैदान में कदम रखेगा और फिर विश्व को अपना रूप दिखाएगा यह सब भगवान विष्णु के कल्कि अवतार का कल्कि लीला होगा।

2023 में घटने वाली प्रमुख घटनाएँ – : □□□□□

भारत के पश्चिमी देशों में भूकंप, चैत्र महीने में भारत में भूकंप से तबाही, गर्मी के दिनों में ठंड लगेगी, अंधाधुंध कहीं भी टोरनेडो से भारत में तबाही मच सकती है, गर्मी के दिनों में भारत के कई राज्यों में कोहरा छा जाएगा ठंड लगेगा फिर आषाढ महीने में उत्तर पूर्व के राज्यों में तबाही हो सकती है, गर्मी के दिनों में कुछ राज्यों में बाढ़ भी आ सकती है छिट पुट दंगे भी भारत में होंगे, भूत प्रेत चुड़ैल आदि का प्रकोप ग्रामीण इलाकों में देखने को मिलेगा, देवी देवताओं अलौकिक घटनाओं में वृद्धि होगी, बारिश के दिनों में तालाब नदियों में जल नहीं रहेगा कभी कभी इतनी भीषण गर्मी पड़ेगी बोटल में भरा हुआ पानी गायब हो जाएगा, दक्षिण भारत में कहीं जल संकट कहीं बाढ़ से छिट पुट तबाही मचेगी भारत में कृषि हानि होगी फसल चौपट होंगे, साल के आखिरी दिनों में छिट पुट भूखमरी भी पैदा होगी, मनुष्य चलते चलते बैठे बैठे मरने लगेंगे क्योंकि मालिका में कहा गया है घुमा रोग आएगा और चीन पूर्वोत्तर में हमला करेगा-biren singh

महापुरुष अच्युतानंद दास जी के द्वारा वैष्णव धर्मी भक्तों के लिए भविष्य मालिका में लिखी कुछ दुर्लभ पंक्ति व तथ्य-

“चोराईण नाबेले श्रीवृन्दावनरे प्रभुंक संगरे दलु , दाम सुदाम सुबल श्रीभछ पंचसखा संगेतिलु।”

अर्थात-

महापुरुष अच्युतानंद जी कहते हैं द्वापरयुग में भगवान श्रीकृष्ण के साथ हम सभी पंचसखा (दाम, सुदाम, सुबल, सुबाहु, सुभछ) गैया चराने वृन्दावन को गये थे।

महापुरुष अच्युतानंद जी द्वापरयुग में वृन्दावन में घटित एक घटना के विषय में इस प्रकार से कहते हैं...

“दिवस अवस हुअन्ते प्रबेस उत्तरा बाहुड़ा बेले गोपी गोपाल गोबच्छा सहिते सदने आसिबा बेले।”

“ताहदेखिक आदिपूर्ण शशी सकती प्रकासी लह-लह जीवा कले, गोपाल पुअंकु देखी जोग माया भखीवा मोने कल्पिले।”

अर्थात-

सूर्यास्त का समय था हम पंचसखा और भगवान श्रीकृष्ण व गोप, गोपाल, गौमाता सभी घर को लौट रहे थे। उसी दौरान माँ काली (योगमाया) ने वहां जब गोप-गोपालों को देखा तो उनके सुंदर व पवित्र शरीर को देखकर माँ के मुह में पानी आ गया। माँ ने उन्हें खाने के लिए अपनी इच्छा प्रकट की तथा उनका भक्षण करने की इच्छा कर अपनी जिह्वा का विस्तार किया। तब भगवान श्रीकृष्ण ने माँ काली से कहा तुम्हे क्या चाहिए मुझे बताओ माँ ?

तब माँ महाकाली ने प्रभु से इस प्रकार से कहा...

“बिसुद्धो सोरीर ओटे हंकर मोमन लोभ होईला, रक्त मांस सुद्ध अटे अहंकु भखीबा मोने कल्पिबा।”

अर्थात –

प्रभु यह जो आपके गोप-गोपाल सखा है ये सभी बिल्कुल सुध व पवित्र है, इस वजह से इन्हें खाने के लिए मेरे मन में लोभ उत्पन्न हुआ, मैं क्या करूँ? मुझे इन्हें खाने की तीव्र इच्छा हुई।

ये सुनकर भगवान श्रीकृष्ण माँ काली को इस प्रकार से उत्तर देते हैं...

“भवानी रगिर सुणि चक्रधर श्रीमुखरु आज्ञा देले सुध सोणित रक्तमांस भखीबा कहिदेवा वाभोले मोर भक्त मोहर सेचित्त मोर अंग अटन्ति ताकू तुम्हेवा जदिचभकिब अम्भे काहेमु वसंती।”

अर्थात –

भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं देखो माता ये सभी मेरे संगी साथी और मेरे सखा है ये मेरे अभिन्न अंग है। केवल इन्ही के लिए तो मैंने धरा पर अवतरण किया है। यही सोलह सहस्र गोप-गोपाल, गोपियों के साथ ही मुझे वृंदावन की भूमि पर बहुत सी लीलाएं करनी है। इसलिए तुम्हारी यह इच्छा मैं इस जन्म में तो पूर्ण नहीं करूंगा।

माँ काली फिर इस प्रकार से प्रभु के सामने अपनी इच्छा प्रकट करती है...

“कपट ना करी प्रभु नरहरि पेड़ीक इवच्छामूरे केहुँसे जुगरे केहुँसमयरे आगहो कुहोपथरे।”

अर्थात् –

माँ काली प्रभु से कहती है कि प्रभु किस युग के किस समय मेरी इच्छा पूर्ण होगी। कब मुझे पवित्र माँस खाने मिलेगा कृपया कर मुझे बतायें।

तब जगतपति, कमलनयन भगवान इस तरह से माँ महाकाली से कहते हैं...

“धन्य कलीजुगे अबतारो लेबी नदिया नवद्वीपरे सखा संगी तुम्हे समस्ते जन्मिबे भक्ति हेबजे प्रकासो।”

अर्थात् –

प्रभु कहते हैं देखो माँ-कलियुग के अंत में अर्थात् घोर कलियुग के समय में मैं जब नदिया नवद्वीप पर अवतार लूंगा। उस समय मुझे चैतन्य के नाम से जाना जाएगा। उसी समय मेरे वो भक्त जिन्हें तुम खाना चाहती हो वो भी मेरे साथ वहाँ जन्म लेंगे और फिर मेरे सभी देश विदेश के भक्त धर्मप्रचार के द्वारा वैष्णव धर्म से जुड़ जाएंगे।

प्रभु फिर इस प्रकार से कहते हैं...

“आम्हे वेनिभाई भक्तंकु घेयनी देश-विदेश घमिबु
भक्तंकु भेंट करी जेउचाट पासंड जनमोड़ीबू।”

अर्थात् –

प्रभु कहते हैं कि मैं तो नदिया नवद्वीप में प्रेम व धर्म का प्रचार करूंगा तथा विश्व के सभी भक्त मुझसे जुड़ते जाएंगे। कुछ समय के पश्चात-मेरे देहत्याग के बाद कलियुग के अंत में मैं पुनः कल्कि अवतार धारण करके देश-विदेश अर्थात् सम्पूर्ण विश्व का भ्रमण करूंगा। उस समय पर मेरे जो भक्त होंगे वो मेरे साथ होंगे। लेकिन जो लोग पापी होंगे, असुर होंगे या भ्रष्टाचारी होंगे उन सभी लोगों का मैं सत्य व धर्म की प्रतिस्था के लिए और सत्ययुग के आगमन के लिए उनका संहार करूंगा।

कमलनयन भगवान के द्वारा द्वापरयुग में माँ भद्रकाली को इस प्रकार से जवाब के तौर पर उनकी पवित्र माँस खाने की इच्छा की पूर्ति के लिए आस्वासन दिया गया...

“थोके मूढोजने भक्त जनमे बैष्णव धर्म करिबे महिमा बुझिबे मंत्रजे सिखिबे सर्व विषय जाणीबे।”

अर्थात् –

माँ द्वापर में तुम्हारी जो मेरे भक्तों का भक्षण करने की इच्छा थी। मेरे वही भक्तगण कलियुग के अंत समय में जब मैं कल्कि अवतार धारण करूंगा तब उनका भी जन्म होगा। वो सभी भक्त लोग उस समय मेरी महिमा का प्रचार कर रहे होंगे। मेरे सभी भक्त स्नान और पवित्रता के साथ नाम का भजन भी करेंगे और सभी नियम का पालन भी करेंगे। लेकिन इसके साथ ही साथ वो लोग पाप भी करेंगे और गलत कार्य भी करेंगे। इस कारण उनके संहार का कार्य मैं आपको सौंपूंगा।

“थूके मद भक्ष्य करिण से मुख्य नागान्तो पथरे थिबे छटको नाटको करिण उच्चाटो अकर्म करी करिबे सुद्ध सोणित माँसोटे ताहांकर कारणों लोभिबे नाही तुम्हे माहामाई आसा रखीथिब तेतिकी बेलू कुचाहिँ।”

अर्थात् –

प्रभु जी माँ से कहते हैं जो बैष्णव भक्त धर्म में रहकर नीति धारा का अवलंबन करेंगे। इसके साथ ही माँस का भक्षण भी करेंगे वो सभी भक्त कलियुग के अंत में तुम्हारे लिए शुद्ध और पवित्र माँस होंगे। वो सत्ययुग को भी नहीं जाएंगे। उन्ही लोगों का तुम संहार करोगी और इस तरह द्वापर युग की तुम्हारी इच्छा पूर्ण होगी।

“मंत्र-जंत्र बुझी नवधा भकती है जिसे करुण थिबे माछ माँसो सुखुआ पखाल खाई द्वादस चिता काटिबे।”

अर्थात् –

मालिका की यह सभी पंक्तियां वैष्णव धर्म के सभी भक्तों के लिए नहीं है। बल्कि केवल उन भक्तों के लिए है जो वैष्णव धर्म में रहते हुए मंत्र-यंत्र, पूजा विधि व नवधा भक्तों में भी रहेंगे तथा चंदन तिलक लगाएंगे और साथ ही साथ मछली व माँस और अंडे का सेवन करेंगे। हर तरह के अभक्ष्य खाएंगे और भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति भी करेंगे।

जय श्री माधव

“संसार सहमय अति मायामय सहमय कुपूजा, करह कर्मवामो हेले संज्ञाहीन हेबु नरहिब, थलकुल भारण वेहलकु बिहन बाँटिबी चिन्ही, नपारिबे केहिबी लख्य पंचासी ग्रंथ बुझाईबी संभलरे उदय होईबी।”

अर्थात् –

यह संसार मायामय है। भक्तों को माया के कारण यदि मति भ्रम हुआ तो वह अंत समय में भी भगवान की प्राप्ति के स्थान पर मृत्यु के चक्रव्यूह में पड़ जाएंगे। इसलिए विश्व के सभी भक्तों को समय की गंभीरता को समझ कर अपने एक-एक पल को भगवान की भक्ति में लगाना चाहिये। जब ऐसा समय चल रहा होगा तब भक्तों के पास अचंभे की तरह मालिका की वाणी किसी भी तरह से पहुंचेगी और उनके मन में मालिका सुन कर आवेग उत्पन्न होगा। जो इस मालिका पर विश्वास करेंगे वो भगवान की शरण में पहुंचेंगे। सत्ययुग को देख पाएंगे।

मालिका विचार – : □□□□□□□□

वर्तमान समय में देश विदेश के बैज्ञानिको को ये चिंता सता रही है सूर्य से जो हिस्सा अलग हुआ उसका क्या प्रभाव पृथ्वी पर पड़ेगा अब मालिका इस विषय में क्या कहती है मालिका के अनुसार इसी प्रकार सूर्य से सात बार हिस्सा टूट कर अलग होगा और वो हिस्से सूर्य के चारों ओर घुमते रहेंगे अर्थात् सात विशाल टोरनेडो सूर्य की सतह पर दिखाई देंगे वो टोरनेडो सूर्य की सतह में घुमते रहेंगे उसके असर से पृथ्वी पर भी टोरनेडों की संख्या में लगातार वृद्धि होती चली जाएगी तूफानों की संख्या बढ़ने लगेगी इतनी बढ़ने लगेगी जिसकी मानव समाज ने कल्पना ही न की होगी । और अंत में सूर्य की सतह पर बने टोरनेडो सौर मंडल में बिखर जाएंगे और विशाल सौर सूनामी का रूप ले लेंगे जिसके असर से पृथ्वी पर तमाम बैज्ञानिक यंत्र नष्ट हो जाएंगे बेकार हो जाएंगे- biren singh

<https://youtu.be/NWmhq0RqZqY>

<https://youtu.be/gw4OZSLFU34>

पंडित श्री काशीनाथ जी ने इस वीडियो में भविष्य मालिका में वर्णित महात्मा गांधी जी के जीवन का वर्णन किया है, मालिका के अनुसार सत्य को धारण करके एक व्यक्ति भारत में जन्म लेगा, जिसका का जन्म गुजरात में होगा, जो सत्य और धर्म के मार्ग पर चलकर भारत की स्वाधीनता के लिए काम करेगा और जब उस व्यक्ति का शरीर समाप्त होगा तब भारत में कलयुग का प्रभाव और बढ़ जायेगा, तथा मालिका में आगे वर्णित है, उस व्यक्ति का नाम मोहन होगा और वो राम नाम तथा सत्य एवं अहिंसा के बल पर संग्राम करेंगे, यह मालिका ग्रन्थ लगभग 500 वर्ष पूर्व लिखा गया है, जिसे महापुरुष अच्युतानंद जी ने भविष्य मालिका में अपनी दिव्य दृष्टि से देखकर वर्णित किया था। मालिका में आगे वर्णित है, कि महात्मा गांधी जी स्वयं राज्य नहीं करेंगे, तथा नाथूराम गोडसे नाम का व्यक्ति उनको गोली मारकर उनकी हत्या कर देगा, और कुछ लोग महात्मा गांधी जी के सत्य, अहिंसा, धर्म और बलिदान को न समझकर उनकी आलोचना भी करेंगे, परन्तु महात्मा गांधी जी के बाद भारत में अधर्म बढ़ जायेगा तथा असुर लोग राज्य करेंगे, लेकिन सतयुग आने से पहले एक योगी भारत पर राज्य करेगा जो सभी देवालयों का विनिर्माण कराएगा तथा हमारे देश की पवित्र नदियों को उनके पुराने स्वरूप में लाने का प्रयास करेगा।

□श्री धामरु एक बड़ पाषाण खसिब,
दिबसरे उल्लूक तार उपरे बसिब।

□मो भुबने उल्कापात हेब घन घन,
जेउ सबु अटे बाबू अमंगल चिन्ह।”

अर्थात् -

महापुरुष ने कहा कि श्री जगन्नाथजी के मुख्य मंदिर से एक विशाल पत्थर गिरेगा और दिन के समय में पत्थर पर एक उल्लू बैठेगा और ये दोनों संकेत मंदिर में घटित हो चुके हैं तथा श्रीजगन्नाथ क्षेत्र में, आने वाले निकट भविष्य में बार-बार उल्कापिंड गिरेगा, इसका प्रमाण हमें महापुरुष के द्वारा लिखे गए अनेक ग्रंथों से मिलता है। #puri #srikshetra #asteroid

“लीला प्रकाशिब, लीलामयन्कर सत्य जे एकाम्र बन, लीला करूथिबे अनंत माधव सर्वे आनंद होइण।”

अर्थात् -

प्रभुजी अनंत माधव नाम को धारण करके एकाम्र बन भुवनेश्वर में रहकर धर्म संस्थापना के कार्य को आगे बढ़ाएंगे।

विश्व युद्ध के वक्त जब धुमकेतू हिंद महासागर में टकराएगा तब पृथ्वी पर जबरदस्त उथल पुथल होगी और गया सुर के उपर ब्रह्मा जी ने जो यज्ञ कुंड स्थापित करके गया सुर को जमीन पर दबा कर रखा है वो कुंड वहाँ से खिसक जाएगा जिससे भयंकर गर्जना करते हुए गया सुर उठेगा और विशाल शरीर धारण करेगा गया सुर को देखते ही ब्रह्मा जी चिंतित हो जाएंगे क्योंकि गया सुर के रहते सृष्टि आगे नहीं बढ़ेगी इसलिए कल्कि अवतार गया सुर का वध करने के लिए इस विशाल तलवार को पकड़ कर गया सुर से युद्ध करेंगे और उसका वध कर देंगे उधर धुमकेतू के टक्कर से मयंक राक्षस भी गुफा के छत से नीचे गिर जाएगा और अपने वास्तविक रूप में आ जाएगा फिर मनुष्यों को खाने लगेगा जिसे देखकर कल्कि अवतार उसका भी वध कर देंगे, बंदी विशाल के पाताल में समाने के बाद पाताल लोक के जिस द्वार को शिवलिंग ने बंद कर रखा है वो खुल जाएगा जिससे पाताल के राक्षस भी धरती पर फिर से आने लगेगे और

कल्कि अवतार से युद्ध करेंगे कलयुग खत्म होते ही सतयुग शुरू हो जाएगा जो बड़ा भयंकर युग होगा विचित्र प्राणी दिखाई देने लगेंगे दैत्य फिर से पृथ्वी पर उत्पात शुरू कर देंगे इसलिए काकभुशुण्डि जी ने कहा है सतयुग बहुत कठोर युग है जिसमें साधारण मनुष्य ठहर नहीं सकता ।

विज्ञान का घमंड टूटने का समय नजदीक आ रहा है, Internet स्वाहा होने जा रहा है, सब कुछ ठप् होने वाला है, इस माया संसार में बहुत कुछ बदलाव होने वाला है, कल्कि लीला वही देखेंगे जो भाग्यशाली लोग होंगे प्रत्यक्ष रूप से बोले तो परमात्मा का कृपा पात्र होंगे। होगा जरूर लेकीन अचानक होगा, सभी के आँखों के सामने होगा और कोई कुछ कर नहीं पाएगा, ये बड़ी बड़ी डिग्री भी मिट्टी के अंदर धस जाएगा क्यों की समय निकट

कलियुग के अंतिम समय में गौमाता बात करेगी मतलब गाय इंसानों से बात करेगी, यह भविष्यवाणी 2025 के बाद धीरे धीरे सच होते हुए दिखाई देगा और उसके बाद सत्ययुग की शुरुआत हो जाएगा - भविष्य मालिका

<https://youtu.be/LgWSyOyVPt0>

इस विडियो में पंडित काशीनाथ मिश्र-जी पवित्र स्थान मक्का-मदीना में युद्ध और तृतीय विश्व युद्ध की बात कर रहे हैं। महापुरुष अच्युतानंद जी ने 13 मुस्लिम देशों को एक दूसरे की मदद करने और भारत पर हमला करने के लिए हाथ मिलाने के बारे में लिखा था। ऐसे में विश्व युद्ध की स्थिति में समुद्र का पानी जगन्नाथ मंदिर में प्रवेश करेगा और 22वें चरण तक पहुंच जाएगा। मक्का-मदीना में युद्ध के परिणामस्वरूप कई मुस्लिम लोग मारे जाएंगे। कुछ समय बाद पाकिस्तान 13 मुस्लिम देशों और चीन की मदद से भारत पर हमला करने की योजना बनाएगा। समानांतर में, भविष्य मालिका का संदेश सभी भक्तों को एक साथ लाने के लिए दुनिया में फैलता रहेगा। 16 अलग-अलग मंडलों से महाप्रभु कल्किराम के सभी भक्त एक महान यज्ञ करने के लिए सियालदह (पश्चिम बंगाल) में एकत्रित होंगे।

<https://youtu.be/WYEv16AFuCK>

इस वीडियो में पंडित श्री काशीनाथ जी ने बताया है कि भविष्य मालिका के अनुसार सम्पूर्ण विश्व में भगवान कल्कि भक्तों के 16 मण्डल की स्थापना करेंगे, जिनमें भारत में कुल 15 मण्डल और एक मण्डल अफ्रीका में होगा, भगवान के सभी भक्त अपने-अपने स्थान के अनुसार इन मण्डल में रहेंगे, ओडिशा में माता सरला देवी मण्डल में 1 लाख भक्त रहेंगे, तथा गिरीजा क्षेत्र जो कि आदि क्षेत्र है जिसे संभल भी कहते हैं जो भगवान कल्कि का जन्म स्थान है वहां पर 1300 भक्त एकत्रित होंगे और कोलकाता के कालिका मंडल में लाखों भक्त रहेंगे, तथा वाराणसी मण्डल में कालिका मण्डल से दोगुने भक्त होंगे, तथा अयोध्या मंडल एवं वृन्दावन मंडल में कुल 11000 भक्त रहेंगे, और श्री क्षेत्र मण्डल एवं भुवनेश्वर को मिलाकर 1 लाख भक्त रहेंगे, तथा सभी मंडलों के भक्त मिलकर माता सरला देवी के पवित्र स्थान पर एकत्रित होंगे और उनका भगवान कल्कि से मिलन होगा।

<https://youtu.be/h39YvNisQwo>

इस वीडियो में पंडित श्री काशीनाथ जी ने बताया है कि जब धरती पर पाप बढ़ जाता है तो प्रभु अवतार लेते हैं और जो धर्म का अनुसरण करते हैं उनकी रक्षा एवं अधर्मियों का विनाश करते हैं, अपने धर्म संस्थापना के उद्देश्य एवं भक्तों का आनन्द प्रदान करने के लिए भगवान कल्कि सुधर्मा महा महा संघ की स्थापना करेंगे और सुधर्मा महा महा संघ के माध्यम से सम्पूर्ण विश्व में भविष्य मालिका का प्रचार होगा। और जब भक्त मालिका को सुनेंगे तब उनके मन में भगवान के बारे में जानने की उत्कंठा होगी और भगवान से मिलने के लिए बेचैन हो जायेंगे। जब भगवान धरा पर धर्म संस्थापना के लिए आते हैं तो उनके भक्त भी उनकी लीला में सहभागी बनने के लिए धरती पर आते हैं, ऐसे भक्त जहाँ-जहाँ पर जन्म लिए हैं उन-उन जगहों पर भक्त मंडली बनेगी जिसे कल्कि मंडली भी कहा जायेगा। भविष्य मालिका के अनुसार पूरे विश्व में भगवान कल्कि सोलह मंडल का गठन करेंगे जो सुधर्मा महा महा संघ के अधीनस्थ होगा। इन सोलह मण्डल के बारे में महापुरुष अच्युतानंद जी ने भविष्य मालिका में वर्णन किया है, कि प्रथम मण्डल माता सरला का क्षेत्र है जो कि भुवनेश्वर से साठ किलोमीटर दूर है जिसका नाम माता सरला मण्डल होगा एवं द्वितीय मण्डल माँ भगवती का क्षेत्र होगा जो कि भुवनेश्वर से 80 किलोमीटर दूर है, जिसका नाम माँ भगवती मण्डल होगा। तृतीय मण्डल बिरजा क्षेत्र होगा जो की भगवान कल्कि का अवतरण क्षेत्र भी है एवं चतुर्थ मण्डल माँ दक्षिणेश्वर काली का निवास स्थान होगा जो कि पश्चिम बंगाल में है, जिसका नाम माँ कालिका मण्डल होगा। पंचम मण्डल काशी क्षेत्र होगा जो की उत्तर प्रदेश में है, जिसका नाम काशी मण्डल होगा। षष्ठः मण्डल वृन्दावन होगा जो की उत्तर प्रदेश में है।

□ कोटि के गोटिये जाहन्ति सेरस तिरिसे सहस्र गणासही। महिमा प्रकाश निश्चय रामदास आनेमो कोहन्ति नाही॥

एक करोड़ लोगों में केवल एक भक्त ऐसा होगा जिसे श्री भगवान की अनुभूति होगी और उनके हृदय में इस बात का विश्वास होगा कि हमारे तारणहार भगवान श्री हरि ने धरावतरण कर लिया है हमें प्रभु की शरण में हर हाल में जाना है ऐसी दृढ़ता होगी।

भविष्य मालिका से ओड़िआ स्लोक

- 'म' खयर भेदिले पाइबू दर्शन ।
- 'म' खयर अटइटी कलंकी निदान
- भोक लड्डू शोश लड्डू 'म' खयर जाण ।
- 'म' कू ध्याइले से देखिबू दिव्य स्थान
- महिमा अटइ से जे महिमा अपार ।
- 'म' टी से ब्रह्मज्ञान 'म' टी सकल
- 'म' टी से महीधर महिमा बोलाई ।

'म' टी से मनिनाग सुण मुनि कही

बाल्मीकि कल्प, अच्युतानंद

अनुवाद:

'म' अक्षर की गहराई को समझेंगे तो प्रभु के दर्शन होंगे।
भगवान कल्कि की महिमा को समझने के लिए 'म' अक्षर ही है।।
'म' अक्षर में है आध्यात्मिक भूख और प्यास की मिठास।
यदि आप 'म' का ध्यान करते हैं, तो आपको दिव्य स्थान का दर्शन होगा
उनकी महिमा अपार और कीर्ति असीम है।
'म' ब्रह्म का ज्ञान है, 'म' ही सब कुछ है
'म' में 'महिधर' (धरती माता को धारण करने वाले) की महिमा है।
'म' 'मणिनाग' है सुनो, ऐसा ऋषि कहते हैं

ओड़िआ स्लोक

□ 'म' खयर नाम हुदे लय कर महिमंडले रहीब।
बीना आश्रितारे न बरतीब केही जुग भागे पडिजीब

स्तुति चिंतामणि, भीम भोई

अनुवाद:

पृथ्वी पर जीवित रहने के लिए हृदय में लगातार 'म' अक्षर पर ध्यान लगाओ।
यदि आप उनकी शरण नहीं लेते हैं, तो आप युग के विभाजन में पड़ जाओगे

ओड़िआ स्लोक

□ 'म' खयर कू ध्याइ भक्तमाने थिबे अनंत लीला देखीबे।
'म' टी अटइ महा महौषधि: 'म' टी सकल देबे

चंद्रकल्प टीका, शिशु अनंत

अनुवाद:

ऐसे भक्त होंगे जो 'म' अक्षर के प्रति समर्पित रहेंगे वे देखेंगे अनंत की लीला।
'म' अक्षर महा महौषधि है 'म' अक्षर सब कुछ दे देगी।।

अर्थ:

यह पूछे जाने पर कि वह सर्वोच्च अवतार कौन होगा जिसके पास पूरी दुनिया को परिवर्तन करने की शक्ति होगी, गुरु अच्युतानंद अपने शिष्य रामचंद्र को संकेत देते हैं कि वह दिव्य व्यक्ति होंगे जिनका नाम 'म' अक्षर से शुरू होता होगा। इसलिए उनका ध्यान करने की निर्देश देते हैं। सौराष्ट्र संहिता में, अच्युतानंद दास ने लिखा है कि श्री बासुदेव, जो भगवान कल्कि के रूप में प्रकट होंगे और गुप्त रूप से निवास करेंगे, उन्हें 'माधव' कहा जाएगा।

मालिका विचार – : □□□□□□□□□□

नदियों के श्रोत सूख जाएंगे, जंगल बहुत कम हो जाएंगे, खेतों में टिड्डीयों का हमला होगा आंधी, आंधी तूफानों का विस्तार होगा भूकंप प्रतिदिन होगा, पिता पुत्री का हरण करने लगेंगे, पिता पुत्र वधू के साथ अश्लील हरकत करेगा।

मालिका के अंक –

गजपति के दो प्रकार के अंक के अनुसार गजपति का 65 और 52 अंक चल रहा है।

साल अंक 29

सताब्धि अंक 43

युगाब्धि अंक 24

स्वाधीनताब्धि अंक 76

मार्कंडेय का अंक 16 चल रहा है

और कल्कि अवतार का 49 अंक चल रहा है

छतिया वट का अंक 23 चल रहा है

तीन बार दिन में भैरवी गर्जना प्रकृति के माध्यम से हुई जो विश्व युद्ध शुरू होने का संकेत है अब तीन बार अर्धरात्रि में भैरवी गर्जना होगी पहली बार 2023 चैत्र महीना गुरुवार पूर्णिमा में होगी जो दैवी प्रकोप अर्थात प्राकृतिक आपदाओं का संकेत होगा, फिर 2024 चैत्र महीना मंगलवार पूर्णिमा को अर्धरात्रि में गर्जना होगी जो चीन के हमले के कारण कल्कि अवतार का युद्ध में भाग लेने का संकेत होगा और तीसरी बार 2027 को गर्जना होगी जो धुमकेतू के टकराने और कलयुग के अंत का संकेत होगा ।

Source: <https://bit.ly/3ZsBFoy>

- बसु अंके पुणि देखिबु करणी बेनि नेतृ बहि बारी।
चेति रहिथिबु चेतना पथरे अस्त शस्त्र करे धरि।
- उठिब दमन पूर्व दिगे रण मुण्ड माला जिब गडि।
गुपतरे खेल करिबे देखिबु करे धरिथिबे बाडि।
- शुभिब शबद उत्तर दिग रे मेष मास आद्य भागे।
कोपानल होइ ऋषि मार्कण्ड शत्रु कु नाश करिबे।

भावार्थ: आगे वसु (8) अंक में दोनो नेत्र से आंसु निकलने वाला है, तब चेतना में रहकर हाथ में अस्त शस्त्र लिए तैयार रहना होगा। पूर्व दिशा में यमन के आक्रमण से माला जैसे सिर का ढेर लग जाएगा। गुप्त में खेल होगा, सभी के हाथ में कम से कम लाठि होगा। लगभग बैशाख के महिने के पहला चरण में उत्तर दिशा से बहुत बड़ी आवाज सुनाई देगी। कोप से जलते हुए मार्कण्ड ऋषि शत्रुओं का नाश करेंगे।

8 अंक यहाँ 2024 का सूचक है 2+0+2+4 यानी 2024 का अंक 8 आता है। हालांकि यहाँ 8 अंक अन्य भी हो सकता था लेकिन मालिका के अलग अलग सन्दर्भ को देखने पर 8 अंक यहाँ 2024 का ही सूचक जान पड़ता है। जय श्री माधव!

तीन बार दिन में भैरवी गर्जना प्रकृति के माध्यम से हुई। जो विश्व युद्ध शुरू होने का संकेत है।

अब तीन बार अर्धरात्रि में भैरवी गर्जना होगी।

पहली बार 2023 चैत्र महीना गुरुवार पूर्णिमा में होगी। यह 6 अप्रैल 2023 को पड़ेगा जो दैवी प्रकोप अर्थात प्राकृतिक आपदाओं का संकेत होगा।

फिर दूसरी बार 2024 चैत्र महीना मंगलवार पूर्णिमा को अर्धरात्रि में गर्जना होगी। यह 23 अप्रैल 2024 को पड़ेगा। जो चीन के हमले के कारण कल्कि अवतार का युद्ध में भाग लेने का संकेत होगा।

और तीसरी बार 2027 को गर्जना होगी जो धुमकेतू के टकराने और कलयुग के अंत का संकेत होगा ।

माँसाहारी लोगो के भविष्य के बारे में मालिका में क्या कहा गया है □

श्री कृष्ण के सखाओं का पवित्र और कोमल मांस खाने की इच्छा जताने पर माँ भद्रकाली को श्री कृष्ण ने इस प्रकार कहा...

□थोके मूढोजने भक्त जनमे बैष्णव धर्म करिबे महिमा बुझिबे मंत्रजे सिखिबे सर्व विषय जाणीबे।

अर्थात् –

माँ द्वारपर मैं तुम्हारी जो मेरे भक्तों का भक्षण करने की इच्छा थी। मेरे वही भक्तगण कलियुग के अंत समय में जब मैं कल्कि अवतार धारण करूँगा तब उनका भी जन्म होगा। वो धर्म और मंत्र आदि विषयों के जानकार होंगे।

□थूके मद भक्ष्य करिण से मुख्य नागान्तो पथरे थिबे छटको नाटको करिण उच्चाटो अकर्म करी करिबे सुद्ध सोणित माँसोटे ताहांकर कारणों लोभिबे नाही तुम्हे माहामाई आसा रखीथिब तेतिकी बेलू कुचाहिँ।

अर्थात् –

प्रभु जी माँ से कहते हैं जो बैष्णव भक्त धर्म में रहकर नीति धारा का अवलंबन करेंगे। इसके साथ ही माँस का भक्षण भी करेंगे वो सभी भक्त कलियुग के अंत में तुम्हारे लिए शुद्ध और पवित्र माँस होंगे। वो सत्ययुग को भी नहीं जाएंगे। उन्हीं लोगों का तुम संहार करोगी और उन्हें भक्षण कर के अपना उदर तृप्त करोगी इस तरह द्वारपर युग की तुम्हारी इच्छा पूर्ण होगी।

□मंत्र-जंत्र बुझी नवधा भकती है जिसे करुण थिबे माछ माँसो सुखुआ पखाल खाई द्वादस चिता काटिबे।

अर्थात् –

मालिका की यह सभी पंक्तियाँ वैष्णव धर्म के सभी भक्तों के लिए नहीं है। बल्कि केवल उन भक्तों के लिए है जो वैष्णव धर्म में रहते हुए मंत्र-यंत्र, पूजा विधि व नवधा भकती में भी रहेंगे तथा चंदन तिलक लगाएंगे और साथ ही साथ मछली व माँस और अंडे का सेवन करेंगे। हर तरह के अभक्ष्य खाएंगे और भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति भी करेंगे।

खंडगिरि र गुप्त स्थान, जे जाने पादुका आश्रम । रत्न पादुका अच्छी तही, उधव नेब पद ध्याई । (4) पवित्र कुला र जन्म होइबी नाम हेब निराकार, एकाले भक्त नकू कल्प बांटी देवी खंडगिरि रे बिस्तर । पादुका आश्रम सप्त दिन ब्यापी होइब नित्य राहास, प्रतिमा जे बचन भासिबे अच्युत बचन घोष । (7)

- शिव कल्प निर्घट (4, 7), महापुरुष अच्युता नन्द दास

अनुवाद:-

खंडगिरि के गुप्त स्थान पर प्रभु जी के आश्रम होगा । वहां पे प्रभु जी का चरण पादुका होगा, उस लेने उद्धब आयेंगे।

प्रभु निराकार पवित्र कूल में जन्म होंगे,

खंडगिरि में प्रभु कला / शक्ति बांटेंगे। प्रभु जी के खंडगिरि आश्रम में सात दिन नित्य रास होगा,

प्रभु भक्तों को धर्म का मार्ग बताएंगे।

2023 में बहुत जल्द भारत में होने वाली कुछ घटनाएं □

□एको चारी अंको टी चौदह रे लेखा । आठो रे आठो लागीबो बहुतो उल्लेखा ॥
पंजाबो राज्य ठारे लागीबो संग्रामो । अनुकूल होबो निश्चये ए कोथा प्रमाणो ॥

अर्थात एक चार अंक चौदह मे लिखा है जब आठ मे आठ लागेगा अर्थात 8x8 गजपति दिव्य सिंह देव (चतुर्थ) का 64 अंक (2022-23) अथवा 8+8 कल्कि का 16 अंक (2023-24) होगा तब क्या होगा इसका उल्लेख है । तब पंजाब मे युद्ध शुरू होगा युद्ध का वातावरण बनेगा ये बात निश्चित है।

□मंदो खेटो बसी थिबो घट लग्न धरी । मेषो शेषो रे चितिबो भृगु सुतो अरी ॥
मड़ीबो सकलो कथा घटीबो ऐ काड़े । मढा कूड़ो कूड़ो होई पड़ीबो महीरे ॥

मंद अर्थात शनि, खेट अर्थात ग्रह, घट लग्न यानी कुंभ राशि मे जाएगा तब वैशाख महीने के शेष समय मे धरती पर करोड़ो लाशें पड़ी होंगी कोई उठाने वाला भी नहीं होगा। (यह संभवतः अप्रैल-मई 2023 में जो बहुत बड़ा भूकंप होने वाला है भारत में उसका सूचक है अथवा अप्रैल-मई 2024 का)

□अवश्य उत्पातो हेबो सौराष्ट्र देशो रे । मने रखीथा विनोता कुमरो तु बारे ॥

अर्थात तब सौराष्ट्र मे भी बहुत उत्पात होगा याद रखना विनोता कुमारो अर्थात गुरूड जी ।

ब्राह्मण कुलरे थिब भक्त, ब्राह्मण जाति रे से काशीनाथ। से काशी भक्त होइब जेहि, धण्डा बाण्टिब से हुकुम देइ । ।

- अच्युतानंद दास (तत्त्व बोधिनि, पृष्ठ- 16)

महापुरुष अच्युतानंद दासजी ने
'तत्त्व बोधिनी' नामक अपने ग्रंथ में वर्तमान ओडिशा के एक महान भक्त तथा मालिका के अन्यतम व्याख्याकार एवं प्रचारक परमपूज्य : पं. काशीनाथ मिश्र का उल्लेख करते हुए

- लिखते हैं कि

वे भक्तों के बीच भगवान का प्रसाद और तुलसी वितरित करेंगे, अर्थात वे 'भविष्य मालिका' की मृत संजीवनी वाणी के माध्यम से भक्तों को धर्म संस्थापना के बारे में सूचित किया करेंगे।

इसके साथ ही वे भक्तों को आवश्यक आज्ञाएं भी दिया करेंगे।

भारत में अवतारी होगा
जो अति विस्मयकारी होगा
ज्ञानी और विज्ञानी होगा
वो अदभुत सेनानी होगा
जीते जी कई बार मरेगा
छदम वेश में जो विचरेगा
देश बचाने के लिए होगा आह्वान
युग परिवर्तन के लिए चले प्रबल तूफान
तीनों ओर से होगा हमला
देश के अंदर द्रोही घपला
सभी तरफ़ कोहराम मचेगा

कैसे हिंदुस्तान बचेगा
 नेता मंत्री और अधिकारी
 जान बचाना होगा भारी
 छोड़ मैदान सब भागेंगे
 सब अपने अपने घर दुबकेंगे
 जिन जिन भारत मात सताई
 जिसने उसकी करी लुटाई
 ढूँढ-ढूँढ कर बदला लेगा
 सब हिसाब चुकता कर देगा
 चीन अरब की धुरी बनेगी
 विध्वंसक ताकत उभरेगी
 घाटे में होंगे ईसाई
 इटली में कोहराम मचेगा
 लंदन सागर में डूबेगा
 युद्ध तीसरा प्रलयकारी
 जो होगा भारी संहारी
 भारत होगा विश्व का नेता
 दुनिया का कार्यालय होगा
 भारत में न्यायालय होगा
 तब सतयुग दर्शन आएगा
 संत राज सुख बरसाएगा
 सहस्र वर्ष तक सतयुग लागे
 विश्व गुरु भारत बन जागे।'

न रहिबो कांग्रेसो जे पड़ाईबो छाड़ी, निश्चये बीजेपी जिबो भारतो गादी माड़ी । नृपति पद्मो पुष्पो रामो बाणो टाणो, लेखिले अच्युतानंदो ऐ कथा प्रमाणो ।।

अर्थात कांग्रेस नही रहेगी छोड़ कर चली जाएगी, निश्चित ही बीजेपी भारत के सिंहासन पर बैठ जाएगी । कमल का फूल राज करेगा राम नाम का जिद्द करेगा ये प्रमाण अच्युतानंद लिख कर गए हैं ।

शनिश्चरो जाणो कुंभो रे थिबो, नहिले मीनो रे वक्र होईबे ।
 चैत्र मासो जे घोरो सोमोरो, तीनी पद्म सैन्य घोटी तत्व रो ।।

अर्थात शनि कुंभ मे रहेगा अन्यथा मीन मे वक्री होगा चैत्र महीने मे घोर युद्ध तीनों सेना जल थल नभ मे युद्ध होगा ।

पृथ्वी कंपू थिबो पदो घातो रे, प्रवेश होईबे नीलगिरी रे ।
 दक्षिणू कालिका आसीबो बाहि, समुद्र लहड़ी जेन्हे दिसोई ।।
 वटो पुटो कू क्षेदन करीबे, ठाबे ठाबे जो यवनो मिलीबे ।

अर्थात पृथ्वी थर्था उठेगी सैनिकों के चहलकदमी से और प्रवेश करेंगे जगन्नाथ मंदिर मे, दक्षिण से काली जीभ निकाले समुद्र की विशाल लहर के रूप मे आएंगी, कल्प वृक्ष को काट दिया जाएगा जगह जगह मुस्लिम सैनिक खड़े मिलेंगे । शनि कुंभ मे कब रहेंगे और इसी दौरान कब शनि मीन मे वक्री होंगे इस दिन युद्ध शुरू होना निश्चित है क्योंकि सभी देशों मे तनाव बढ़ रहा है

मालिका के अनुसार महातांडव का योग यानी मीन शनि कब आयेगा?

□ ठिकणा अच्युती काले, ठकी जिबे मिन शनि भले सूजने।

महापुरुष ने साफ साफ कहा है कि मीन शनि में वक्रत से पहले आ जायेगा।

astrologically यह 29 मार्च 2025 को हो रहा है, लेकिन महापुरुष के अनुसार यह पहले आ जायेगा।

□ चौबीसी रु महागोड़ उपजिब बाबू, मीन-शनि होईथिब गुप्ते रखिबु।

यहाँ महापुरुष ने साफ-साफ कहा है कि मीन-शनि 24 अंक में ही होगा। और यह 24 अंक 2024 ही है यह नीचे की पंक्तियों से स्पष्ट हो जाता है। महापुरुष ने यह बात गुप्त रखने को कहा था। □

मीन शनि कब आयेगा इस पर और एक मालिका पंक्ति नीचे है यहां हमें दिन, महीना और योग भी महापुरुष ने बता दिया है।

□ मीन शनि गुरुबारो रे पड़िबा एही अंके धुबा धुबा, मिथुन मासो रे 13 दिनों पक्ष, काला धरनी ग्रासीबो

मीन शनि गुरुवार को होगा, इसी अंक में सत्य होगा। 13 दिन का पक्ष: 23 June - 5 July 2024 में 13 दिन का पक्ष होगा, पूरे पृथ्वी में काल ग्रास करेगा।

एक और मालिका की पंक्ति से सब क्लियर हो जाता है कि यह योग 2024 में ही आयेगा, क्योंकि यहाँ साफ-साफ 2024 मशीहा लिखा है।

□ दूई हजार चौबीस मशीहा अंको आठो, ऐ अंको रो शनि ग्रह छाया पुत्रो, ऐ अंको चलन होऊ थिबा समय रे, मीनो शनि भोगो होऊ थिबो पृथ्वी रे, अनेको वित्पातो मानो पृथ्वी रे होईबो, ब्रह्मांडो कंपी उठीबो धारीत्री थरीबो ।

अर्थात् 2024 को जोड़ने पर आठ अंक होगा ये आठ अंक शनि ग्रह छाया पुत्र का होता है इस अंक का चलन जब होगा तब मीन राशि में शनि का भोग होगा, पृथ्वी पर अनेक उत्पात मचेगा ब्रह्माण्ड कांप उठेगा धरती धर्रा उठेगी।

इन सभी मालिका पंक्ति के अनुसार मीन शनि गुरुवार के दिन आयेगा। फिर मिथुन मास में 13 दिन का पक्ष होगा
【23 June - 5 July 2024】 और महा तांडव होगा।

अठाइसो अंके बोछा बोछी होबो जातो हेबो नुआ सृष्टि ।
अणोत्रीसो ठारू आनन्दे रहिबे भारतो रो जोनो गोष्टी ।।

अर्थात् 28 अंक में चुनाव होगा अर्थात् कौन बचेगा कौन नहीं, फिर नयी सृष्टि की शुरुआत होगी और 29 से भारत की जनता आनन्द पूर्वक रह रही होगी ।

दिन और तारीख वाली लाइन नहीं है, मिलेगा तो बता दूंगा।

□ शनिश्चर जाणो कुंभ रे थिबे न हेले मीनो कू वक्री होईबो ।
चैत्र मासो रे घोरो तोरो रोणो पृथ्वी घटिबो तीनी पद्म सैन्यो ।।
- दशम् पटल मालिका

अर्थात् शनि कुंभ में रहेगा या मीन में वक्री होगा चैत्र महीने में भयंकर युद्ध होगा पृथ्वी तीनों सेनाओं की चलह कदमी से कांप उठेगी । शनि कुंभ में रहेगा कुछ दिनों के लिए मीन में जाएगा चैत्र महीना होगा तब विश्वयुद्ध होगा पर अंक कौन सा होगा तिथि कौन सी होगी और वार कौन सा होगा इसके बारे में शिव कल्प निर्घट में उल्लेख करते हैं –

□ तौहं अर्ध स्थापी पंच भूत लेखी मधु मासो दशमी रे ।
वृहस्पति वासे घोरो युद्ध होबो मही रे जाणीबे नोरे ।।

अर्थात् कलियुग के 5125 वर्ष होने पर चैत्र महीने के दशमी तिथि गुरुवार को भयंकर युद्ध शुरू होगा और पृथ्वी पर लोग जानेंगे । अब पक्ष कौन सा होगा इस पर आगत भविष्य मालिका ग्रंथ में उल्लेख करते हैं –

□ विश्व ब्रह्माण्डो जाको कंपी णो उठीबो, महाघोर शब्द जे ब्रह्मांडे घटिबो । मधु मासो शुक्ल पक्षो दशमी गुरुवारो, से दिनो भक्तं कू भेटो हेबे दामोदरो ।।

अर्थात् विश्व कांप उठेगा महाघोर शब्द ब्रह्माण्ड में सुनाई देगा, चैत्र महीने शुक्ल पक्ष दशमी तिथि गुरुवार को कल्कि भगवान (दामोदर) भक्तों के साथ पहली बार मुलाकात करेंगे । इससे पता चलता है पक्ष भी शुक्ल पक्ष रहेगा ।

अगर पुरे अर्थघटन को तिथि पंचांग से जोड़ के देखा जाए तो यह दिन होगा 18 अप्रैल 2024 । यानी की 18 अप्रैल 2024 को ही भारत पे चीन-पाकिस्तान का हमला होने के साथ विश्वयुद्ध की भयंकर शुरुआत हो जाएगी ।

भैरवी गर्जना के बाद ऐसी अलौकिक घटनाओं का सिलसिला शुरू हो जाएगा मंदिर से काली माँ के पदचिह्न दिखाई पड़ रहे हैं ऐसा लग रहा है मंदिर के अंदर से माता स्वयं निकल पड़ी हैं यहाँ प्राचीन काली मूर्ति स्थापित है लोगों में भय का वातावरण फैल गया है अब मंदिरों में सिद्ध पीठों में देवी शक्तियां जाग्रत होने लगेंगी भारत के सभी राज्यों में आकाश से गर्जना सुनाई देगी ये देवी प्रकोप और काकुआ भय का संकेत है प्रकृति में समुद्र पर्वत जंगलों से लेकर जीव जंतु भूत प्रेत चुड़ैल सभी मनुष्यों से बदला लेंगे इसलिए सावधान रहें सतर्क रहें ।

भयंकर युद्ध हेबो अक्समाते शब्दो सुभीबो शून्ये लो जाई फूलो

अर्थात भयंकर युद्ध होगा पर उससे पहले अचानक आकाश से भयंकर शब्द सुनाई देने लगेंगे ।

आज फिर से आकाश से आई प्रचंड ध्वनि से उड़ीसा के चार जिले थरा उठे, बार बार आकाश से प्रचंड ध्वनि सुनाई देने का कारण अभी तक अस्पष्ट है

Agle mahine ke 20 tareek se pehle bahut bada bukamp hoga

2023 में घटने वाली प्रमुख घटनाएँ – : □□□□□

भारत के पश्चिमी देशों में भूकंप, चैत्र महीने में भारत में भूकंप से तबाही, गर्मी के दिनों में ठंड लगेगी, अंधाधुंध कहीं भी टोरनेडो से भारत में तबाही मच सकती है, गर्मी के दिनों में भारत के कई राज्यों में कोहरा छा जाएगा ठंड लगेगा फिर आषाढ महीने में उत्तर पूर्व के राज्यों में तबाही हो सकती है, गर्मी के दिनों में कुछ राज्यों में बाढ़ भी आ सकती है छिट पुट दंगे भी भारत में होंगे, भूत प्रेत चुड़ैल आदि का प्रकोप ग्रामीण इलाकों में देखने को मिलेगा, देवी देवताओं अलौकिक घटनाओं में वृद्धि होगी, बारिश के दिनों में तालाब नदियों में जल नहीं रहेगा कभी कभी इतनी भीषण गर्मी पड़ेगी बोटल में भरा हुआ पानी गायब हो जाएगा, दक्षिण भारत में कहीं जल संकट कहीं बाढ़ से छिट पुट तबाही मचेगी भारत में कृषि हानि होगी फसल चौपट होगी, साल के आखिरी दिनों में छिट पुट भूखमरी भी पैदा होगी, मनुष्य चलते चलते बैठे बैठे मरने लगेंगे क्योंकि मालिका में कहा गया है घुमा रोग आएगा और चीन पूर्वोत्तर में हमला करेगा-biren singh

यदा चन्द्रश्च सूर्यश्च तथा तिष्यबृहस्पती । एकराशौ समेष्यन्ती तदा भवति तत्कृतम् ॥

-- श्रीमद्भागवत महापुराण द्वादश स्कंध

यहां पे "एकराशौ" शब्द आया है इसका अर्थ ये है की चन्द्र सूर्य और बृहस्पती कर्क राशी में होंगे। इनमे बृहस्पती तिष्य (पुष्य) नक्षत्रमे और बाकी दो ग्रह कर्क राशीके किसीभी नक्षत्रमे हो सकते है उस दिन कृतयुग (सत्ययुग) का प्रारंभ होगा ।

ऐसी स्थिति 13 अगस्त 2026 के दिन मिलती है ।

□ मालिका में कहा गया है की दिव्यसिंह देव चतुर्थ के काल में ही कलियुग अंत होगा ।

□ 1970 में उनके सतारूढ़ होते ही लोग राह देखने लगे अब होगा, अब होगा ।

—1990 में जगन्नाथ मंदिर से बड़ा पत्थर गिरा तब लोग थोड़ा सोचने लगे ।

—1999 में फिर ओडिशा में महाभयंकर तूफान आया लाखों बेघर और कई पागल हो गए । फिर मालिका की चर्चा शुरू हो गई फिर कुछ समय में बंध हो गई ।

—फिर 2013 में फेलिन तूफान और केदारनाथ त्रासदी के साथ जगन्नाथ धाम से संकेत मिलने पे फिर से लोग चौकन्ने हो गए और भविष्य मालिका की बातें होने लगी । बाद फिर से चर्चा बंध हो गई ।

—फिर 2019 में कोरोना और साइक्लोन फेनी के साथ भविष्य मालिका की चर्चा शुरू हो गई ।

□मालिका के अनुसार मीन-शनि संयोग से ही भीषण तबाही होनी है जो की दिव्य सिंह देव चतुर्थ के काल में पहले भी हो चुका है । तब उनकी आयु 42 साल थी । 2 साल बाद फिर मीन-शनि संयोग है तब उनकी आयु 72 साल होगी । मालिका में दिए गए समय का जायजा करने पे यह तय है की मालिका में बताई गई कलियुग अंत की सभी घटना इसी मीन-शनि में होगी और सब विनाश अगले 5-7 साल में ही हो जायेगा ।

□ स्वामी अच्युतानंद दास के अनुसार जब अंक 57, 16, 50 होगा तब धरती प्राणी हिन् होना शुरू होगी, अर्थात $57+16+50 = 123$ यानि की कलियुग के 5123 में साल (2022) से धरती मनुष्यहिन् होना शुरू होगी ।

□ इस समय के बाद से भारत में उतर दिशा में महामाया काल रूप से घूम रही होगी । आकाश से घोर शब्द सुने देगे । लोग गुप्त बीमारियों से मरेंगे जिसका कारण नहीं जान पायेगा कोई । शनि के मीन राशी में प्रवेश करते ही प्रधानमंत्री विपदाओं से घिर जायेंगे ।

□चीन पाकिस्तान और 13 मुस्लिम देशों की सेना उत्पात मचाएंगी जिससे प्रधान मंत्री की बुद्धि कम नहीं करेगी और वे सबकुछ छोड़के कहीं गुप्त हो जायेंगे । ओडिशा राज्य की धन दौलत विदेशी सेना लुट लेगी और मठ मंदिरों को तबाह कर देगी ।

□ वही एक तरफ मीन राशी में शनि के जाने के साथ भक्तों की कला का प्रकाश भी होना शुरू होगा । और कल्कि अवतार का प्रकाश होगा । चैत्र माँस के तेरहवें दिन से रोज़ लाखों लोग मरने लगेंगे ।

□ अंक 58, 16, 50, 4 यानी $58+16+50+4 = 128$ यानी 2027 में महाभारत का जो बाकी युद्ध है (कलि-महाभारत) वोह संपन्न होगा ।

□ मालिका के अनुसार 7 रात्री और 7 दिन का अन्धकार कब होगा ? इस वीडियो के अनुसार 2023 से 2028 के बिच धरती पर तिन बार अंधकार होगा । पहली बार धुंध के कारण 3 दिन अँधेरा होगा जब जगन्नाथ जी मंदिर छोड़ के छतिया बट जायेंगे । दुसरी बार परमाणु विस्फोट के कारण 5 दिन अँधेरा होगा जिसके कारण कहीं कहीं एसिड की वर्षा भी होगी । तीसरी बार 28 अंक में एक बड़ा सा धूमकेतु हिन्द महासागर में टकराने से पृथ्वी की धरी बदल जायेगी , ज़मीं 100 मीटर तक खिसक जायेगी और 7 दिन तक सूर्य देव नहीं दिखेगे । एक तरफ पृथ्वी पे आग लग जायेगी दूसरी तरफ बरफ

से धक् जायेगी | 7 दिन के बाद पृथ्वी फिर धीरे धीरे स्थिर होने लगेगी पर सूर्यदेव पश्चिम दिशा से उगने लगेंगे | यह सतयुग का सूर्य होगा और फिर भारत की जनता आनंद से रहेगी |

<https://www.youtube.com/watch?v=4U56I1-8c8I&list=WL&index=6>

भूरिश्रव चीनी देशे जन्म लभिचि भक्त बेसे लो जाइफूल लो पग बंधीबा भरासे लो जाइफूल लो
- जाइफूल मालिका

महापुरुष अच्युतानंद ने लिखा है कि भूरिश्रवा का जन्म | चीन के देश या चीनी साम्राज्य के भीतर एक क्षेत्र में होगा। उन्होंने उस क्षेत्र के बीच जन्म लिया है। और एक भक्त के वेश में होंगे। वह उन लोगों में भी थे जो महाभारत के युद्ध में भाग नहीं ले सके थे। वह भी युद्ध करने आयेगा और भगवान कल्कि के साथ पापियों पर विनाश का युद्ध छेड़ेगा। उन्होंने एक भक्त के वेश में जन्म लिया है। उनकी पहचान यह है कि वे वर्तमान में एक धर्म प्रचारक के रूप में कार्यरत हैं। उचित समय आने पर लोग उन्हें भूरिश्रवा के रूप में पहचानेंगे। भूरिश्रवा भी भगवान कल्कि की शरण में आएंगे और 'धर्म संस्थान' के कार्य में जुटेंगे।

(परम पूजनीय पंडित काशीनाथ मिश्र जी)

<https://youtu.be/yC8fgYOGZ6o>

वीर ब्रह्मेन्द्र स्वामी रचित तेलुगु भविष्य ग्रंथ कालज्ञानम से कुछ भविष्य वाणिया।

- एक हाथी सुवर के बच्चे को जन्म देगी और एक सुवर हाथी के बच्चे को जन्म देगी (हो चुका)
- मुस्लिमों का युद्ध होगा और वो सात साल तक लड़ेंगे (1980- 1987 गल्फ देशों का युद्ध)
- रोद्री नामक संवत में भयंकर युद्ध होगा (1980 इराक और ईरान का युद्ध)
- पिंगली नामक संवत से शुरू होके कालयुक्ति नामक संवत तक उतर में भयानक युद्ध होगा जिसमें करोड़ों लोग मारे जाएंगे (1917-1918 विश्वयुद्ध)
- पराभव नामक संवत में बड़ा भूकंप होगा जिसमें बहुत जा और मालहानी होगी (1906 का सान फ्रांसिस्को का भूकंप)

आगे की घटनाएं जो जल्दी संभवित हो सकती हैं:

- मंगलागिरी गांव में वैष्णवों में मतभेद उत्पन्न होगा जिसके कारण दो भागों में बंटकर आपस में लड़ेंगे और वो मर जाएंगे।
- तिरुपति वेंकटेश्वर स्वामी का दाहिना कंधा कांपेगा और दिन में तारे दिखाई देंगे जिसके कारण कुछ इलाके साफ हो जायेंगे।
- उत्तर दिशा में कार्तिक द्वादशी के दिन चार चहरे वाला तारा दिखेगा जो 25 हफ्तों तक दिखाई देगा।
- तिरुपति जानेवाला सड़क मार्ग बंध हो जायेगा। धरती खून से गीली हो जाएगी, कौवे विचित्र आवाज करेंगे।
- कोंडाविती गांव के उत्तर दिशा में चट्टानों से निमित गरुड़ स्तंभ टूटकर गिर जाएगा।
- कांची की कामाक्षी देवी अपने चारों ओर तीन घंटे तक घूमेगी।
- नवजात शिशु बात करेंगे।
- 6 धर्म मिलकर एक धर्म हो जायेंगे।
- वेंकटेश्वर स्वामी का खजाना चोरी हो जायेगा।
- कृष्णा और गोदावरी नदी के बीच एक स्थान पर गौए जमा होगी और अपना प्राण त्याग देगी।
- लोग जमा होंगे और जंगलों में रहने चले जायेंगे।
- कृष्णा नदी में एक सोने की नींव दिखेगी और जो भी उसे देखेगा वो अंधा हो जाएगा।
- कर्नाटक में मुस्लिम लोग मंदिरों को तोड़ेंगे।
- श्री शैलम में एक दो सिरों वाला मगरमच्छ प्रकट होगा और फिर इस मूर्ति में समा जाएगा।
- पानी में रहने वाले जीव और मछलियां पानी के बहार आकर आत्महत्या करेंगे।
- तिरुपति मंदिर के पास एक धूमकेतु दोपहर में आकाश में दिखेगा जिसे कई लोग देखेंगे और मारे जायेंगे।
- अमावस्या की रात चांद दिखाई देगा जिसके कारण कई लोग मारे जाएंगे।
- श्री शैलम के देव मल्लिकार्जुन लोगों से बातें करेंगे।
- मालिकापुरम गांव के पास लोगों को सोने के बैल मिलेंगे।
- नागैया नाम का पांच साल का एक बालक पांचों वेदों को स्वयं पढ़ेगा।
- कुमार स्वामी नामक एक मंदिर पांच दिन के लिए बंध होगा। श्री शैलम मंदिर के देवता मानव रूप में प्रकट होंगे और वीर भोग वसंत राय (कल्कि) के आने की खबर देंगे उस समय खून की बारिश होगी।
- विश्वासु नामक संवत्सर (2025 से 26) में वीर भोग वसंत राय के नाम से प्रभु जन्म लेंगे और बाद में कल्कि नाम से जाने जायेंगे।
- अश्वत्थामा, दत्तात्रेय, आचार्य नागार्जुन आदि अनेकों संतो और चिरंजीवियों से प्रभु शिक्षाएं ग्रहण करेंगे।
- पराभव नामक संवत्सर (2026 से 27) में प्रभु वीर भोग वसंत राय नाम से भगवान मलिकार्जुन से वरदान प्राप्त करेंगे और विंध्य पे जाके कुछ ऋषि मुनियों से मिलेंगे।
- जरूरी वरदान पाने के बाद आखिरकार में प्रभु कल्कि कहलाएंगे।
- कल्कि के रूप में प्रमादिच नामक संवत्सर (2033 से 34) में कल्कि 8 साल का हो जाएंगे।
- दूर्मति (2041 से 42) नामक संवत्सर में कार्तिक पूर्णिमा को कल्कि 16 साल के हो जाएंगे।
- रक्ताक्षी संवत्सर (2044 से 45) में प्रभु विवाह करेंगे।

- विरोधी नामक संवत्सर (2069 से 70) से प्रभु "दुष्ट शिक्षण, शिष्ट रक्षण" नामक योजना का आरंभ करेंगे और उस साल से ग्रह नक्षत्र आदि प्रभु के आधीन होकर कार्य करेंगे। और ब्रह्मा की लिखी हुई नियति नहीं चलेगी। लोगो को उनके कर्म के हिसाब से फल मिलेगा।
- आकाश से ध्वनि सुनाई देगी जिसके कारण लोग मारे जाएंगे।
- गौए और भेड़े आकाश की ओर मुंह करके रोएंगी।
- मां लक्ष्मी किसी सीमावर्ती क्षेत्र से आयेगी और उनके आते ही लोग धनी धनी हो जायेंगे।
- आकाश में एक तारा दिखाई देगा जो किसी पहाड़ जितना बड़ा होगा वह युग परिवर्तन का तारा होगा। कई लोग इस तारे को जन्म से देखेंगे और मर जाएंगे। वोह प्रभु के कल्कि रूप में आने का भी सूचक होगा।
- प्रभु के आने से पूर्व पूर्व दिशा में पंचानन परिवार में एक छोटी लड़की का गर्भ फट जाएगा उसमे से एक बालक का जन्म होगा तब असमय बिजली चमकेगी और बादल गरजेगे। वह बालक लोगो के सामने जूठा दावा करेगा की वह ईश्वर है और उसकी पूजा से लोगो को मोक्ष मिलेगा।
- उतर दिशा में बरगद के पेड़ से एक व्यक्ति उसे दो भागो में चीरते हुए जन्म लेगा और उसके माथे पे दो सिंग होंगे। वोह लोगो को कहेगा कि वो ईश्वर है लेकिन भक्त ऐसे बहकावे में कभी नहीं आयेंगे।

<https://youtu.be/mpyY42oPW98>

- इमली के पेड़ से एक नग्न व्यक्ति बहार आएगा वह खुद को दक्षिणी राज्यों का मसीहा घोषित करेगा। इस तरह चारो दिशाओं से लोग जूठे दावे करते सामने आएंगे। कई लोग हाथों में कमल, पैरो में स्वस्तिक आदि चिह्न दिखाके लोगो को भ्रमित करेंगे। ऐसे जूठे लोगो पे प्रभु के भक्त कभी विश्वास नहीं करेंगे।
- कुर्नूल के उतर में स्थित शिव मंदिर में एक नीम का पेड़ उगेगा पार्थिव नामक संवत्सर में इस पेड़ की 32 दिन सेवा की जाएगी फिर 33वे दिन उससे दुर्गाध उठेगी जिससे कई लोग बीमार होंगे और उनके शरीर पर घाव हो जायेंगे। इस तरह कई लोग मरेंगे।
- लोग बैठे बैठे, चलते चलते, सोते सोते मर जाएंगे। कई महामरिया आयेगी और अकाल मृत्यु से कई लोग मरेंगे।
- आकाश में चारो दिशाओं में तारे इस प्रकार दिखाई पड़ेंगे की उनकी आकृति हवन वेदिका जैसी दिखाई पड़ेगी जिसे देखते मात्र ही कई लोग प्राण त्याग देंगे।
- प्रभव नामक संवत्सर (2047 से 48) में लोगो में वीर भोग वसंतराय के बारे में जागरूकता बढ़ेगी। जब तक प्रभु वीर भोग वसंतराय के रूप में आयेंगे।
- श्रेष्ठ भक्त काशी में निवास करेंगे। प्रयाग में रहने वाले भक्त बच जाएंगे।
- धीरे धीरे सोना गायब हो जाएगा और उसके स्थान पे पितल सोने के दाम बेचा जाएगा।
- गाय एक इंसान को जन्म देगी और वह इंसान बुद्धिमानी से लोगो के साथ बहज करेगा।
- सूर्य में पीले रंग की आभा दिखेगी और मानव रूप भी यह मेरे आने का एक संकेत होगा।
- भाव नामक संवत्सर (2054 से 55) में सावन में गांव शहर सब भयंकर बाढ़ में बह जायेंगे।
- बहुधान्य संवत्सर (2058 से 59) में 25 शहर रक्तपात में साफ हो जायेंगे। धरती से ओमकार ध्वनि सुनाई देगी, त्रिशूल पकड़े हुए दिव्य जीव दिखाई देंगे। सूरज कांपता हुआ दिखाई देगा, धर्म का देवता आकाश में दिखाई देगा। काशी में बहुत से तारे शानदार तरीके से चमकेंगे।
- विक्रम नामक संवत्सर (2060 से 61) में पूरी दुनिया आतंकित होगी और अमीर लोग गरीब हो जायेंगे।
- रक्ताक्षि संवत्सर (2044 से 45) में फरवरी अमावस्या के सातवे दिन सात साल की बच्ची एक बच्चे को जन्म देगी इस बच्चे के सर में सिंग, चार हाथ और तीन पैर होंगे और वह ये कहकर मार जायेगा की वीर भोग वसन्तराय आ रहे है ऐसी भविष्यवाणी करके मार जायेगा।
- धाता नामक संवत्सर (2056 से 57) में चारो तरफ दुख फैल जाएगा, आपदाओं और समस्याओं से कई लोग विदेशों में मारे जाएंगे।
- 11 भक्त स्वर्णमुखी में जन्म लेंगे
- बांग्लादेश को समुद्र निगल जाएगा
- काशी में गंडकी नदी में से शालिग्राम निकलेगा जो नृत्य करेगा और लोगो से बात करेगा
- कोंकण क्षेत्र से लोग गायों के अनुग्रह से मोक्ष के योग्य होंगे
- काशी में लड़ाई झगड़े और विवाद होंगे, भगवान विनायक जोर जोर से चिल्लाकर रोएंगे
- 5 साल का बच्चा भविष्य बताएगा
- 6 महीने का बच्चा गाना गाएगा
- क्रोधी संवत्सर (2024 से 25) में दिसंबर की अमावस्या के पांचवे दिन जो की सोमवार होगा तब आकाश के दक्षिणी भाग में एक धूमकेतु दिखाई पड़ेगा यह मेरे आने का संकेत होगा।
- हाथी के आकार की लाल चिटिया दिखेगी यह मेरे आने का एक और संकेत होगा
- माया शक्ति लोगो से बात करेगी
- मुर्गा आदमियों की तरह चिल्लाएगा
- बहुत सारे शासक सत्ता खोके विनाश को प्राप्त होंगे यह मेरे आने का एक और संकेत होगा
- सूर्य मीन राशि में प्रवेश करेगा तब प्रभु 4 फुट की तलवार लेके वीर भोग वसन्तराय के रूप में में श्री शैलम आएंगे और भक्तो को धन संपत्ति दान करेंगे
- विक्रम संवत्सर (2060 से 61) चैत्र शुक्ल दशमी बुधवार को प्रभु इंद्र किलाद्री नामक पर्वत जाएंगे वहा कुछ भक्तो से मिलेंगे और भगवान दत्तात्रेय से मिले उसे शिक्षा ग्रहण करेंगे।

Agle mahine ke 20 tareek se pehle bahut bada bukamp hoga

2023 में घटने वाली प्रमुख घटनाएँ – : □□□□□

भारत के पश्चिमी देशों में भूकंप, चैत्र महीने में भारत में भूकंप से तबाही, गर्मी के दिनों में ठंड लगेगी, अंधाधुंध कहीं भी टोरनेडो से भारत में तबाही मच सकती है, गर्मी के दिनों में भारत के कई राज्यों में कोहरा छा जाएगा ठंड लगेगा फिर आषाढ महीने में उत्तर पूर्व के राज्यों में तबाही हो सकती है, गर्मी के दिनों में कुछ राज्यों में बाढ़ भी आ सकती है छिट पुट दंगे भी भारत में होंगे, भूत प्रेत चुड़ैल आदि का प्रकोप ग्रामीण इलाकों में देखने को मिलेगा, देवी देवताओं अलौकिक घटनाओं में वृद्धि होगी, बारिश के दिनों में तालाब नदियों में जल नहीं रहेगा कभी कभी इतनी भीषण गर्मी पड़ेगी बोटल में भरा हुआ

पानी गायब हो जाएगा, दक्षिण भारत में कहीं जल संकट कहीं बाढ़ से छिट पुट तबाही मचेगी भारत में कृषि हानि होगी फसल चौपट होंगे, साल के आखिरी दिनों में छिट पुट भूखमरी भी पैदा होगी, मनुष्य चलते चलते बैठे बैठे मरने लगेंगे क्योंकि मालिका में कहा गया है घुमा रोग आएगा और चीन पूर्वोत्तर में हमला करेगा- biren singh

□दूई हजार चौबीस मशीहा अंको आठो, ऐ अंको रो शनि ग्रह छाया पुत्रो, ऐ अंको चलन हौऊ थिबा समय रे, मीनो शनि भोगो होऊ थिबो पृथ्वी रे, अनेको वित्पातो मानो पृथ्वी रे होईबो, ब्रह्मांडो कंपी उठीबो धारीत्री थरीबो ।

अर्थात 2024 को जोड़ने पर आठ अंक होगा ये आठ अंक शनि ग्रह छाया पुत्र का होता है इस अंक का चलन जब होगा तब मीन राशि में शनि का भोग होगा। पृथ्वी पर अनेक उत्पात मचेंगे। ब्रह्माण्ड कांप उठेगा। धरती थर्रा उठेगी।

मालिका विचार – :

□तेईस अंको रे उडीसा देशो से होईबो जोड़ो गोहोड़ो ।
चौबीस अंको रे गुप्त मारूड़ी सुणो विनोता रो बाड़ो ।।

अर्थात 23 अंक में उडीसा प्रदेश में होगा जल प्रलय, 24 अंक में गुप्त मृत्यु । सुनो विनोता नंदन ।
विनोता नंदन अर्थात गरूड़ जी से जगन्नाथ कह रहे हैं 23 अंक में उडीसा में बाढ़ आएगी और चौबीस में गुप्त रूप से अर्थात चुपके से मौत आएगी ।
अब दूसरा दोहा देखें ।

□तेईस अंको रे उडीसा देशो रे होईबो जोड़ो गोहोड़ो ।
चौबीस अंको भीतोरे । मंगल वारो दिनो रे ।।
से दिनो सैन्यो टी आसीबे । उडीसा मध्य रे पोसीबे ।।

अर्थात चौबीस अंक के बीच में मंगल वार के दिन विदेशी सैनिक आएंगे और उडीसा के बीच में घुस जाएंगे । पहले के दोहे में भी चौबीस अंक है और इस दोहे में भी चौबीस अंक है । अर्थात 2003 में 2 और तीन 23 अंक हो रहा है और दो हजार तीन में उडीसा में भयंकर बाढ़ आई थी । और चौबीस अर्थात 2004 को दक्षिण भारत में सुनामी आई थी । जिसमें गुप्त मृत्यु का तांडव हुआ । किसी को पता नहीं चला । मौत विशाल लहर के रूप में आ रही है अब दूसरे दोहे में भी चौबीस अंक है । दूसरा दोहा आने वाले कल का है । 2024 में भी चौबीस अंक है । अर्थात 2024 में गुप्त मृत्यु का तांडव भी होगा , भूकंप या बड़ी सुनामी । और भारत के अंदर विदेशी सेना की घुसपैठ भी होगी । और इस बार अगले साल भी तेईस अंक हो रहा है अर्थात अगले साल भी 2023 को उडीसा में भयंकर बाढ़ आएगी । और 2024 को भूकंप सुनामी के साथ भारत के अंदर विदेशी सेना की घुसपैठ भी होगी । मालिका में अंक के माध्यम से ही हर घटना बताई गई है । और ये अंक पांच सौ साल के घटनाक्रम के हैं । गौर किजिए तो पता चलेगा 1923 में भी उडीसा में बाढ़ आई थी । क्योंकि तेईस अंक है । ऐसे ही एक दोहा है ।

□बाईसो अंक रे गोड़ो लागी जिबो पृथ्वी होबो गोड़ो गुंडा ।
हाथो धोरी खंडा मदन भुसुंडा माती जिबे गंडा गंडा ।।

अर्थात 22 अंक में युद्ध होगा । पृथ्वी दहलेगी । हाथों में हथियार लेकर पागल लोग दंगे फसाद के नशे में चूर होंगे । इस दोहे से पता चलता है गुजरात में 2002 में दंगे हुए । क्योंकि 2, 2 अंक है । बाईस अंक है । और अफगानिस्तान अमेरिका का युद्ध भी हुआ था । और 2022 में भी रूस यूक्रेन में युद्ध शुरू हुआ । और दंगे फसाद भी हुए और हो रहे हैं । ईरान में हो रहा है और कई जगह हो रहा है । भारत में छिटपुट दंगे हुए । अभी डेढ़ महीने बाकी है । डेढ़ महीने के अंदर भी भारत में दंगे फसाद हो सकते हैं ।

पर आने वाले चौबीस अंक अर्थात 2024 को चीन और तेरह मुस्लिम देशों की सेना भारत के अंदर घुस कर आतंक मचा रही होगी । हालांकि हमारे देश के साथ ऐसा कभी न हो । हमारे देश की सेना के रहते ऐसा संभव ही नहीं । पर महापुरुषों की वाणी है सावधान तो रहना ही चाहिए । और ये आगे आने वाले समय का चौबीस अंक ही है । क्योंकि पहले के चौबीस अंक में तो अर्थात 2004 में तो विदेशी सेना उडीसा में नहीं घुसी है । ये आगे 2024 में होने वाला है । और 2023 में फिर से तेईस अंक आ रहा है । इसलिए अगले साल भी उडीसा में 2003 की बाढ़ से भी भयंकर बाढ़ आएगी ।

23 अंक में क्या होगा?

तेईसी अंक जब चलिब राम रे, आर्थिक अवस्था अचल हेबे देश मानकर रे।
रेल दुर्घटना मान पृथ्वी रे हुवई, वायुयान दुर्घटना मान घटुथई।।
अर्थ- अंक जब चलेगा, विभिन्न देशों की आर्थिक व्यवस्था रुक जाएगी, रेल, वायु दुर्घटना घटेंगी।

सेतिपाई माने अनेक लोके क्षय हुवई, सुर्ज प्रखर रश्मि धरती रे पड़ई, अंशुघात रे प्राणी मरूथांती जे पड़ई।
अर्थ- इसी प्रकार उनके लोग क्षय होंगे, सूर्य का तेज प्रकाश पृथ्वी पे पड़गा, बिजली गिरने से भी हानि होगी।

Channel fish covered the surface of a river in Australia.

चैनल फिश ने ऑस्ट्रेलिया में एक नदी की सतह को पूरा ढक लिया।

"पानी में रहने वाले जीव और मछलिया पानी के बहार आकर आत्महत्या करेंगे । "

ऑस्ट्रेलिया में लाखों की संख्या में मछलियों ने समंदर के किनारे आके प्राण त्यागे । (न्यूज़ लिंक <https://t.co/n9T8sHfvz2>)

महापुरुष स्वामी अच्युतानंद की भविष्य मालिका और दक्षिण के विष्णु अंश अवतार वीर ब्रह्मेन्द्र स्वामी की कालज्ञान में लिखे गए कल्कि के प्रकटीकरण के प्रमुख संकेतों में से एक संकेत जो बार बार सच हो रहा है वो यह की समुद्र के किनारे आ आकर जलचर जीव खासकर मछलियाँ बिना किसी कारण के देखते देखते प्राण त्याग रहे है ।

वैज्ञानिक सर खुजाते रहेंगे भांति भांति के तर्क भी लगायेंगे और इसका कारण भी बताएँगे लेकिन मालिका और कालज्ञान में पहले ही बता दिया गया था की यह जीव आत्महत्या करेंगे किनारे पे आकर ।

ऐसे ही अब तक कई सौ संकेत सत्य हो चुके है और कुछ गिने चुने बाकी है जो 5-6 महीने में ही सत्य हो जायेंगे ।
कुल मिलाकर 2024 के अंत तक कल्कि आ चुके है ये स्पष्ट हो जाएगा ।

उनकी कुछ सार्वजनिक लीला भी हो जाएगी जिनका पता भक्तों को चल जाएगा ।

नहीं समझ पायेंगे तो केवल वही जिनका अंत करने प्रभु आये है ।

केवल वही जिनके पाप का भार पुकार पुकार कर मुक्तिदाता को बुला रहा है वही माया में डूबे रहकर परिस्थिति को नहीं समझ पाएंगे ।

लेकिन आश्चर्य न करे ये भी प्रभु की ही लीला का अंश है ।
माँ महामाया का प्रभाव है जो प्रभु की हर लीला में महत्वपूर्ण कार्य करती है ।

क्या कुछ महीनों से हो रही घटनाओं से आप को पृथ्वी की स्थिति में महत्वपूर्ण बदलाव मालूम हो रहा है ?
अगर हो रहा है तो देर मत कीजिये समय ज्यादा नहीं कुछ महीने है ।
बस उसके बाद मनुष्य की बुद्धि काम नहीं करेगी इतना तेज़ी से विनाश होगा ।

अभी इसी समय भविष्य मालिका और महाप्रभु जगन्नाथ कल्किराम के प्रति समर्पित हो जाइए ।

सम्पूर्ण शाकाहारी बने, व्यसन और मदिरापान छोड़िये, हर रोज़ त्रिसन्ध्या कीजिये और भागवत पुराण का पठन कीजिए ।

सत्य और धर्म के मार्ग पे चलिए और प्रभु का चौबीसों घंटे स्मरण कीजिये ।

8967853267
9911819993
9355207153

<http://linktr.ee/kalkiavatar>

ओड़िया के न्यू ईयर कैलेंडर(पंजी) के!जानकारों के अनुसार साल 2023 में:

ठाकुर अपुजा रहिब 1
प्रभुश्री जगन्नाथ जी की पूजा नहीं होगी अब इसका अर्थ क्या है वो तो आगे ही पता चलेगा।

*इस साल जल की कमी और अधिकता से खेतों में काम करने वालों की रुचि समाप्त होगी, खाद्य अभाव होगा।

बड़ मुंड गड़ीब।

*भारत के मुख्य चार लोग(इसमें से कुछ एक्टर और कुछ नेताओं)की डेथ होगी जो कि बहुत ही बड़े लेवल का होगा।

*एक बहोत बड़ी प्राकृतिक आपदा ओडिशा में देखने को मिलेगी।

*भारत में भीषण सांप्रदायिक(धर्म के नाम पे) हिंसा होगी।

*भारत में जल संकट गहराएगा।

राजनीति टल मल हेब।

राजनीतिक अस्थिरता आएगी।

नोट: इस पोस्ट को मैं एडिट नहीं करूंगा देखते हैं इस साल क्या-क्या सच होता है। मेरी भगवान से यही प्रार्थना है कि इसमें से लिखी एक भी अशुभ घटनाएं घटित न हों।

- 42 अंक में समझना की उत्पात का समय हो गया है। तब विश्व को पहली बार पता चला की कुछ तो अलग हो रहा है विश्व में।
- 44 और 45 में घर घर में मृत्यु प्रवेश करेगी।
- 45 अंक में पानी नीलचक्र के ऊपर से बहेगा। जितने भी बाँध है सब टूट जायेंगे और घर घर में कात्यायनी का प्रवेश होगा।
- 45 अंक से धरती अस्थिर हो उठेगी।।
- 45 अंक में पाकिस्तान समाप्त हो जाएगा।
- 47 से कलियुग अंत की लीला प्रारंभ हो जाएगी।
- 48 में कली-महाभारत भी कहा गया है वो होगा।

अंक रे-अंक रे भेद रहिथिब, मनुष्य देह रे एहा केहि न जानिब।

-मालिका

लेकिन फिर भी चीजें होने के बाद ही पता चलेंगी, ऐसा खुद मालिका में ही लिखा है। कौन सा अंक किससे संबंधित है वो घटना होने के बाद ही पता चलेगा। इसीलिए केवल भक्ति और अच्छे कर्म पर ज्यादा ध्यान दो।

बेल्लुरी मठ रे सियालदह ठारे इंजीनि होइची थुआ।

तंद ते उजानी इंजीनि आसिब, पंडा हेबे कुआ भुआ।।

हावड़ा के बेल्लूर मठ से इंजिन निकलेगी, अभी तक किसी को रियल में वह ट्रेन (जो पीतल की है) किसी को नहीं दिखी है, लेकिन लोग सियालदह में खड़ी है बोलकर सब को भ्रमित कर रहे हैं।

- बलदेउ रे पानी पसिन जे जिब, नीलचक्र परे पानी डेंउ जे पड़िब।
केते केते भक्त माने होइबेटी मेल, वैज्ञानिक यन्त्र सबु होइबे अचल॥

- निकट रे गोड़ चहड़, बैज्ञानिक यंत्र अचल।
अनंत जुग टी होइब, अच्युत कामना पुरिब॥

बलदेव में पानी घुस जाएगा नीलचक्र के ऊपर से पानी चला जाएगा, उसी समय बहुत सारे न जाने कितने भगत एकत्रित होंगे और वैज्ञानिक यंत्र सभी अचल हो जाएंगे

- जार जात सुत पांडवंक नाथ, ताबामे कंकरा रख।
तृतीय समर से दिन आरंभ, रुसिया हेब विमुख।।

अर्थात जीनके जन्मे पुत्र पांडवों के नाथ है उसके आगे कंकरा यानी केंकड़ा रखो। उसी अंक से विश्वयुद्ध शुरू होगा और रशिया विमुख होगा।

श्री कृष्ण वसुदेव के पुत्र थे। मालिका में कई जगह वसु अंक का उल्लेख है। वसु 8 होते है इस लिए पहला अंक है 8। कंकरा मतलब केंकड़ा। केंकड़े के 10 पाँव होते है इस लिए दूसरा अंक है 10।

10 को 8 से मिलाने पे आता है 18। यानी 18 अंक में विश्वयुद्ध होगा और रशिया विमुख होगा। अगर भविष्य मालिका में दी गई विश्वयुद्ध की अन्य भविष्यवाणियों को जोड़ के देखा जाए तो 18 अंक यहाँ कल्कि अंक होता है जो की 2024--25 होना चाहिए। यह एक और संकेत है की विश्वयुद्ध 2024 से 25 के बिच ही होना है। #2024 #2025 #ww3

मालिका के अनुसार महातांडव का योग यानी मीन शनि कब आयेगा?

- ठिकणा अच्युती काले, ठकी जिबे मिन शनि भले सूजने।

महापुरुष ने साफ साफ कहा है कि मीन शनि में वक्रत से पहले आ जायेगा।

astrologically यह 29 मार्च 2025 को हो रहा है, लेकिन महापुरुष के अनुसार यह पहले आ जायेगा।

□ चौबीसी रु महागोड़ उपजिब बाबू, मीन-शनि होईथिब गुप्ते रखिबु।

यहाँ महापुरुष ने साफ-साफ कहा है कि मीन-शनि 24 अंक में ही होगा। और यह 24 अंक 2024 ही है यह नीचे की पंक्तियों से स्पष्ट हो जाता है। महापुरुष ने यह बात गुप्त रखने को कहा था। □

मीन शनि कब आयेगा इस पर और एक मालिका पंक्ति नीचे है यहां हमें दिन, महीना और योग भी महापुरुष ने बता दिया है।

□ मीन शनि गुरुबारो रे पड़िबा एही अंके धुबा धुबा, मिथुन मासो रे 13 दिनों पक्ष, काला धरनी ग्रासीबो

मीन शनि गुरुवार को होगा, इसी अंक में सत्य होगा। 13 din का पक्ष: 23 June - 5 July 2024 में 13 दिन का पक्ष होगा, पूरे पृथ्वी में काल ग्रास करेगा।

एक और मालिका की पंक्ति से सब क्लियर हो जाता है कि यह योग 2024 में ही आयेगा, क्योंकि यहाँ साफ-साफ 2024 मशीहा लिखा है।

□ दूई हजार चौबीस मशीहा अंको आठो, ऐ अंको रो शनि ग्रह छाया पुत्रो, ऐ अंको चलन हौऊ थिबा समय रे, मीनो शनि भोगो हौऊ थिबो पृथ्वी रे, अनेको वित्पातो मानो पृथ्वी रे होईबो, ब्रह्मांडो कंपी उठीबो धारीत्री थरीबो ।

अर्थात् 2024 को जोड़ने पर आठ अंक होगा ये आठ अंक शनि ग्रह छाया पुत्र का होता है इस अंक का चलन जब होगा तब मीन राशि में शनि का भोग होगा, पृथ्वी पर अनेक उत्पात मचेगा ब्रह्माण्ड कांप उठेगा धरती थर्रा उठेगी।

इन सभी मालिका पंक्ति के अनुसार मीन शनि गुरुवार के दिन आयेगा। फिर मिथुन मास में 13 दिन का पक्ष होगा

【23 June - 5 July 2024】 और महा तांडव होगा।

आने वाले दिनों में अनियमित ऋतु चक्र के कारण पृथ्वी पर 80 प्रतिशत लोग चार बीमारियों से ग्रसित होंगे।

1) मधुमेह (Diabetes)

2) उच्च और निम्न रक्तचाप (High or Low BP)

3) वायु रोग (Gastric)

4) चिंता अशांति (Anxiety Disorders)

मालिका का नाम कलिकल्प गीता में महापुरुष अच्युतानंद दास ने लिखें हैं - उड़िया में (तीसरी बीमारी क्या होगा - वायु बीमारी टी घोटिब मरत्य, शुण रामचंद्र कहुछी सत्य = वायु रोग/Gastric)

चौथा रोग है - चिंता ज्वरे प्राणी मरण हेव, टिके टिके राम मने रखिव = चिंता विकार / Anxiety Disorder)

हर घर में Medical Open होगा, 80% लोग इस 4 बीमारी से ग्रसित होंगे और देश में भुक्मरी और अकाल चल रहा होगा जब बाण बसु राजा नरेन्द्र का शासन चल रहा होगा - भविष्य मालिका

दोहा :- जलबंदी पुणी होइव, बहु गाँ रहिव

कटक शहर जल रे, पुणी बुद्धि जिव

बारम्बार पुणी पवन, अती तिब्र बहिव

कोठा वाड़ी सबु राम रे, सर्व भुसूडी जिव

ओड़िशा के कटक शहर पूरी तरह से जल मग्न होने जा रहा है और हवा बहुत तेज चलेगी की बिल्डिंग सब ध्वस्त हो जाएगी (वर्ष 1999 ओड़िशा में जो तूफान हुआ था उस तूफान का रफ़्तार/वेग 300 किलो मीटर प्रति घंटा था पर वर्ष 2023 में जो होने जा रहा वो उससे कई गुना ज्यादा भयानक होगा, इतना भयानक होगा की पक्का मकान कुछ पल भर में मलवे में तब्दील हो जाएगा)

महापुरुष अच्युतानंद दास

मालिका - युगब्धि गीता

महापुरुष अच्युतानन्द दास जी ने "चौषठी पटल" में जिस वात का वर्णन किए थे वही बिषय पर वाद में महापुरुष शिशु अनंत दास जी ने "पटा मड़ाण" में वर्णन किए हैं....

"पांच ग्रहों का एक राशि में जिस दिन संयोग बनेगा"

□□

"स्वान अर्थात् कुत्ते यजुर्वेद श्लोक गाएंगे

ओर बगुला पक्षी भगवत गीता पढ़ेंगे"

जब कुत्ते यजुर्वेद श्लोक गाएंगे ओर बगुला पक्षी भगवत गीता पढ़ेंगे तब समझ जाना की कलियुग का अंतिम क्षण चल रहा होगा...

क्या ये भविष्यवाणी भगवत गीता में लिखा हुआ है ? नहीं ये सिर्फ "मालिका" में लिखा हुआ है ।

महापुरुष अच्युतानन्द दास ने अपने शिष्य रामदास को यह दोहा लिखकर समझा रहे हैं की...

"पांच ग्रहों का एक राशि में जिस दिन संयोग बनेगा तो समझ जाना उस दिन से भयंकर अकाल ओर भुक्मरी पूरे विश्व को अपनी चपेट में ले लेगा" ।

मालिका प्रचारक - प्रमोद कुमार जी बोल रहे हैं "क्या आज श्रीलंका में भुकमरी नहीं आया है ? श्रीलंका के वाद नेपाल, भारत ऐसे सभी देशों को अकाल ओर भुकमरी अपनी चपेट में ले लेगा ।
 इस बात को गर्ग ऋषि अपनी गर्ग संहिता में भी वर्णन किए हैं श्लोक के माध्यम से "जैसे ही विश्व में युद्ध शुरू हो जाएगा तब पूरे विश्व में अकाल ओर भुकमरी से त्राहिमाम होगा ओर युद्ध से इस धरती में करोड़ों की संख्या में इंसानों की कीड़े-मकोड़े तरह मृत्यु होगा, इस धरती में खुन ही खुन बहेगा ।
 मालिका का नाम :-चौषठी पटल, सप्तदश पटल, Page no.73 (किसी को संदेह हो तो ओड़िशा राज्य में आकार पता लगा सकते हैं जिसका प्रमाण दे दिया गया है दिव्य ग्रंथ "मालिका" से निकाल कर)

श्री जगन्नाथ धाम पूरी, ओड़िशा में क्यों 6 वर्ष तक लगातार रथयात्रा बंद रहेगा, महापुरुष श्री शिशु अनंत दास ने क्या वर्णन किए हैं मालिका के ग्रंथ के अंदर ???

आने वाला है एक बीमारी इंसान के शरीर से अपने आप मांस निकल जाएगा...
 मालिका भक्त - श्री प्रह्लाद नायक जी

वर्ष 2027 से 2030 के अंदर धरती पर एक उल्का पिंड गिरने जा रहा है जिसका लम्बाई 2 किलो मीटर ओर चौड़ाई भी 2 किलोमीटर तक होगा जिसकी वजह से धरती पलट जाएगा ओर सिर्फ 5 प्रतिशत इंसान ज़िन्दा बच जाएंगे, 100 से ज़्यादा देश नक्शे से मिट जाएगा - पुलिन पंडा

अन्न संकट से कोई नहीं बच पाएगा, चाहे -योगी, रोगी, भोगी सभी अन्न संकट का सामना करेंगे, ये निश्चय है की भारत में अन्न संकट उतना प्रभावित नहीं करेगा, क्योंकि भारतीय खाने के लिए नहीं जीते, केवल खाते हैं जीवित रहने के लिए।

"अक्षय वर्ण फल" - एक पत्ता खाने से 6 महीने तक शरीर को ऊर्जा मिलेगी (स्वामी कान्हू बाबा एक शोधकर्ता और जगन्नाथ संस्कृति उपदेशक ने खाद्य संकट से छुटकारा पाने के गुप्त रहस्य का खुलासा किए है। पेड़ मुख्य रूप से ओड़िशा में पाया जाएगा। (छत्तीया बट्ट मंदिर जहाँ धनिआ पर्वत हैं उस पर्वत में ये पेड़ मिलेगा) इसे और कहीं खोजना है यह वीडियो में बताया गया है।

<https://www.youtube.com/watch?v=HJQeiUpUUGk>

भविष्य मालिका में बताये गए कलियुग अंत के 125 मुख्य लक्षण । इनमें से कुछ ही लक्षणों के प्रमाण मिलने शेष हैं, अधिकांशतः लक्षण दिख रहे हैं । इन्हें पढ़े और खुद ही सोचे कलियुग का अंत हो चुका है या नहीं !

- निश्चय कलंकी होईब, जेदिन मीन शनि भोग॥
- पंच ग्रह जे जुक्त हेबे, आगामी अढाई र जोगे ॥
- तदंते षड ग्रह आसि, शनि कुम्भरु जिबे खसि॥
- प्रवेश मीन संगतरे, टाकि थाअ हे सूज़ नरे॥
- होइब असंख्य समर, दमन होइबे बाहार॥
- बिष्णु नासिब अबहेले, भगते रखि बाहु बले॥
- मेलेछ दमन नाशिब, दुर्गा खपरे पकाइब॥
- असत कलि जे दमन, सुणहे साधु सुज़ जन॥
- नपड दमन र भागे, चेताई देउअच्छि आगे॥
- सत्य नाब रे बस जाइ, पारहोइब भब नई॥

- संत भीम भोई (पद्मकल्प, अध्याय-37)

ओड़िशा के एक अन्य संत भीम भोई लिखते हैं कि धर्म-संस्थापना के लिए कल्किदेव का आगमन अवश्य होगा। इसके बाद राशिचक्र में परिवर्तन होगा। यों तो मीन-शनि योग लगभग 30 वर्षों में एक बार होता है, पर आगे आनेवाले समय में एक विशेष मीन-शनि योग होगा, जिसमें शनि और अन्य पांच ग्रह भी राशिचक्र की आखिरी राशि, मीन राशि के साथ शामिल होंगे, जिसके फलस्वरूप षडग्रह कूट होगा।

उक्त समय में विभिन्न देशों, जातियों और समुदायों के बीच असंख्य युद्ध लड़े जाएंगे। दुष्टों व अत्याचारियों की संख्या बहुत बढ़ेगी। तब भगवान विष्णु अपनी भुजाओं-तले भक्तों की रक्षा करेंगे। मां दुर्गा म्लेच्छों तथा आक्रांताओं का नाश करेंगी।

जो असत्य में संलिप्त हैं, वे म्लेच्छ हैं। इसलिए भीम भोई भक्तों को चेतावनी देते हैं कि वे असत्य को तजकर सत्य की नाव में जा बैठें, ताकि वे भवसागर पार कर सत्ययुग में प्रवेश पा सकें।

- बेढीबे अबनी मंडल, खेल करिबे भक्त कुल।
- प्रवेश अष्ट जे चण्डिका, देखिबे धर्म र परीक्षा।
- म्लेच्छ अधम दुराचारे, पडिबे केतुन्क खपरे।
- साधु निंदित जेते प्राणी, बिरजा भक्षिबेति पुणि।
- मातृ हरण लोक जेते, कालिका भक्षि अनुमिते।
- रक्त बीर्य रे जेते प्राणी, हिंगुला धरिनेबे टाणि।

- आज्ञा अवज्ञा जेते नरे, बिमला देबी र खपरे।
- दत्त हरण जेते प्राणी, माहेश्वरी भागे पुणि।
- बाल गर्भिणी शिशु बद्ध, सारला करिबे ए बद्ध।
- भेक न मानि मूढ़ पणे, मंगला भक्षीबे जतने।
- गुपते रहिथिबु रहि, मो भक्तगण थिबे जहिं।
- से पुरे प्रवेश होइबु, अनंत राहास देखिबु।

- सन्त भीमभोई (पद्मकल्प, पृ-25)

पंचसखाओं की ही भांति ओडिशा के एक अन्य संत, भीम भोई (इनका जन्म 1850 में हुआ था और ये जन्मांध थे) ने भी प्रभु कल्कि के आगमन एवं उनके द्वारा धर्म-संस्थापना की जानकारीयां दी हैं।

वे कहते हैं कि महाप्रभु के भक्त पूरे विश्व में घूम-घूमकर भगवान के नाम का प्रचार करेंगे। उसी समय अष्टचण्डी मनुष्यों की धर्म-परीक्षा के लिए निकलेंगी। म्लेच्छ तथा नीच लोग मां केतुका के 'खप्पर' में गिरकर मृत्यु को प्राप्त होंगे। संतों-भक्तों की निंदा करनेवालों को मां बिरजा खा जाएंगी।

स्त्री-अपहरण करनेवाले माता काली के मुंह के ग्रास बनेंगे। जो काम वासना और हिंसा में डूबे हैं, उन्हें मां हिंगुला अग्नि के मुख में झोंक देंगी। जो भगवान या शास्त्रों के आदेशों की अवहेलना करते हैं, उन्हें देवी विमला मार देंगी।

जो दान में दी हुई वस्तु या दूसरों का धन छीन लेते हैं, वे मां माहेश्वरी के हाथों मारे जाएंगे। जो बच्चों, गर्भवती महिलाओं और गर्भस्थ शिशु को मारते हैं, उन्हें मां सारला मारेंगी। जिनके व्यवहार धर्म के अनुकूल नहीं हैं, मां मंगला उन्हें खा जाएंगी।

भगवान हमेशा भक्तों के साथ रहेंगे और उनकी रक्षा करेंगे। भक्त प्रभु-नाम के रस में डूबे और रास में लीन रहेंगे। एक ओर प्रलय और संहार चल रहा होगा, तो दूसरी ओर प्रभु अनंत माधव भक्तों के बीच प्रवेश कर रास कर रहे होंगे।

- पृथ्वी दिशिब रंगिमा आकार, समस्ते एकक स्वरे बिहार।।
- धबलगिरी रे रहिबे प्रभु, नास करिबे म्लेच्छ मान सबु।।

- अच्युतानंद दास (चकडा मडाण, पृष्ठ- 24)

कलियुग-अंत में कल्कि अवतार द्वारा धर्म-संस्थापना के समय म्लेच्छों के संहार-काल का एक और संकेत उजागर करते हुए महान पंचसखाओं में अग्रणी महापुरुष अच्युतानंद दासजी ने बताया कि उस दौरान नभमंडल एवं चारों दिशाएं रंगीन (रक्तिम) हो उठेंगी। भगवान म्लेच्छों के विनाश के लिए जन्म लेंगे और कुछ समय के लिए धवलगिरि में रहेंगे।

- धबलगिरी सिद्धकं आश्रम, बिजय प्रभु कल्किदेब राम।
- कलंकि सेनांकु संहारि हरि, बिजय हेबे पुर खंडगिरि।

- महापुरुष अच्युतानंद दास (कली कल्प, अध्याय- 9)

कल्कि अवतार में महाप्रभु के निवास स्थान का उल्लेख करते हुए महापुरुष अच्युतानंद दासजी ने लिखा कि जन्म लेने के बाद प्रभु अपनी जन्मस्थली, संबल नगर को छोड़कर धवलगिरि में निवास करेंगे। महापुरुष के अनुसार धवलगिरि सिद्ध संतों का आश्रयस्थल है। वे युग के अंत में अपनी सेना के साथ पापियों का संहार करेंगे। उसके बाद प्रभु एक बार फिर खंडगिरि पधारकर वहां निवास करेंगे।

- अनंत केशरी नृपती हेब। भल मंद बाछि बुझाई देब।।
- धबलगिरि रे रहिबे प्रभु। नाश करिबे म्लेच्छमान सबु।।

- अच्युतानंद दास (कलि कल्प, अध्याय- 6)

कलियुग-अंत में धर्म की संस्थापना के बाद प्रभु अनंत केशरी राजा होंगे। वे तब सत्य एवं असत्य तथा अच्छे और बुरे का न्याय करेंगे, भक्तों को यथायोग्य स्थान देंगे।

- सुण मनदेइ कथा हेज तुहि कर, धबलगिरि बोलिण जागा लक्ष कर।
- धला घोड़ा कला घोड़ा मूर्तिर प्रमाण, घोड़ा चढ़ि दुई भाई करिबे जे रण।

- अरक्षित दास (पद्म कल्प, अध्याय- 3)

ओडिशा में 18वीं सदी के उत्तरार्ध में जन्मे एक अन्य महान संत, महापुरुष अरक्षित दासजी ने भी कलियुग के अंत तथा कल्कि अवतार के विषय में अनेक अहम भविष्यवाणियां की हैं।

अपने ग्रंथ 'पद्म कल्प' में उन्होंने भक्तों को कहा कि वे अपने मन को धवलगिरि नामक स्थान पर केंद्रित करें। उन्होंने आगे यह बताया कि भगवान कल्कि और बलदेव दोनों भाई सफेद घोड़े और काले घोड़े पर सवार होकर म्लेच्छों के विरुद्ध युद्ध आरंभ करेंगे।

□ अनन्त न्क युग होइब माधब न्क शिरे शोहिब।
अनन्त माधब लीला देखिबाकु सिद्ध गिरि पीठ रहिछि बसि।

– अच्युतानंद दास (अरे बाया संसार बासी भजन)

अपनी इन पंक्तियों में संत अच्युतानंद दासजी ने बताया है कि धर्म-संस्थापना के बाद जब अनंतयुग (जिसे आद्य-सत्ययुग भी कहा जाता है) का आगमन होगा, तो माधव (कल्कि) महाप्रभु के सिर पर सोने का मुकुट सुशोभित होगा। अर्थात्, वे सात महाद्वीपों सहित समस्त पृथ्वी के स्वामी होंगे और सत्य से विश्व का पालन करेंगे।

भगवान कल्कि कलियुग के अंत में (यानी अनंतयुग के पहले) 'अनंत माधव' के नाम से जन्म लेंगे। बाद में प्रभु अपनी जन्मस्थली 'संबल नगर' को छोड़कर 'सिद्धगिरि' (वर्तमान भुवनेश्वर का वह हिस्सा जो अब खंडगिरि, उदयगिरि एवं एकाम्र कानन है) में गुप्तरूप से निवास कर अपने भक्तों के साथ लीलाएं करेंगे।

□ रत्नबट चुड़ा भांगि हेब कुढ़ खण्डगिरि अन्तराले,
अनन्त माधब उदय होइबे एकाम्र बण अन्त रे।
लीलामयन्कर लीला प्रकाशिब सत्य जे एकाम्र बन,
अनन्त माधब लीला करुथिबे सबे आनन्द होइण।

– अच्युतानंद दास (दशम बोलि, तेरह जन्म शरण)

महापुरुष अच्युतानंद दासजी के अनुसार एक समय ओडिशा के पारादीप में स्थित 'रत्नबट' (एक वटवृक्ष) की एक डाल टूटकर सागर की भीषण लहरों में तैरती हुई भुवनेश्वर के 'खंडगिरि' तक पहुंच जाएगी।

उस समय भुवनेश्वर के 'एकाम्र वन' में भगवान 'अनंत माधव' की उपस्थिति उजागर होगी। 'एकाम्र वन' में महाप्रभु की लीलाएं होंगी जिन्हें देखकर प्रभु के भक्तों को अपार खुशी मिलेगी।

□ तेबेजाइ सउल मण्डल भक्त माधब करिबे मेल हे।
कहे अभिराम नित्य स्थल लीला करिबे भक्त बत्सल हे॥

– अभिराम परमहंस ('रक्षा कर आदि मूल हे' – भजन)

कलियुग के अंत में भगवान विष्णु मानव शरीर में जन्म लेंगे। वे पंचभूत (पृथ्वी, जल, अग्नि, आकाश और वायु) की विभिन्न प्रलय-लीलाओं के द्वारा सभी पापियों का संहार कर धर्म की स्थापना करेंगे।

महापुरुष अभिराम परमहंस के अनुसार, भगवान 'माधव' उपर्युक्त प्रलय से मनुष्य द्वारा स्वयं को बचा पाने के ज्ञान का प्रसार करेंगे और अपने सभी भक्तों को 16 मंडलों (समूहों) में एकत्र करेंगे। भक्तवत्सल भगवान 'माधव' अपने भक्तों के समीप रह तथा नित्य गोलोक की लीलाएं कर उन्हें आनंदित भी करेंगे।

□ इंदु परे बिंदु देखिब पुन, आम्भ अभिर्भाव जाजपुरेण॥

जब चंद्रमा के परे बिंदु दिखेगा तब मेरा आविर्भाव(जन्म)जाजपुर में होगा।

अब यहां पर इंदु परे बिंदु बोला गया है तो कई लोग परे का मतलब चंद्रमा के बाहर बिंदु बोलते हैं, कुछ लोगों का कहना है इंदु के अंदर इसमें दो मत है।

इंदु पर जब बिंदु दिखे तो समझ लेना प्रलय का समय आ चुका है। म्लेच्छों का निवारण और यवनों का संहार करने के लिए प्रभु बहुत जल्द कल्कि अवतार धारण करेंगे।

Achyutanand Das, Bhavishya Kalpa

आज मालिका में जिसका उल्लेख है वो होता हुआ प्रतीत हो रहा है आज तो बिंदु के उपर इंदु है शायद कल इंदु के उपर बिंदु होगा।

मालिका में उल्लेख है जिस दिन इंदु अर्थात् चंद्रमा के उपर एक तारा दिखाई देगा उस दिन से खंड प्रलय तेज हो जाएगी। इस घटना से खंड प्रलय और जाति दंगों में वृद्धि होगी।

<https://www.youtube.com/watch?v=3DXpJbm5HxI>

□ बैज्ञानिको यंत्र अचल होईबे हरि चक्र घुरू थिबो ।
कल कारखाना शून्ये भांगी जिबो गुप्ते केही न जाणीबो ।।

अर्थात बैज्ञानिक यंत्र काम नहीं करेंगे हरि चक्र घुम रहा होगा, कल कारखाने नष्ट हो जाएंगे गुप्त रूप से अर्थात कारखानों में आग लगने का कारण पता नहीं चलेगा ।

□□मालिका विचार□□

मालिका में स्वामी श्री अच्युतानंद दास जी अपने प्रिय शिष्य श्री रामचंद्र जी से कह रहे हैं तुम देखोगे आगे लोग फैशन करके अपने सिर के बाल कटवाएंगे, दिन में 10 बार सिर खुजाएंगे लेकिन एक भी बार भी प्रभु का नाम मुख से नहीं भजेंगे।

और स्वामी श्री अच्युतानंद दास जी ने यह भी कहा है कि तुम देखोगे कि आगे कलयुग में सभी के जेब में कंघी और अग्नि होगा और आप समझ सकते हो कि वो किस ओर इशारा कर रहे थे।

ये जो तस्वीर है ये सेकंड टेम्पल है! थर्ड टेम्पल बनते ही इजराइल और मुस्लिम देशों के बीच युद्ध होगा, जिसे इजराइल जीतकर शांति संधि करेगा मुस्लिम देशों के साथ!

उस शांति संधि पर हस्ताक्षर करने वाला ही लूसिफर/कलि/दज्जाल होगा

ये तो रही बात खाड़ी देशों की! तो कलि ऊर्जा का एक काला अध्याय वहां शुरू होगा ऐसे! और थर्ड टेम्पल में रिचुअल पूरा करने के बाद असली खेल शुरू होगा विश्व में! अभी तो सिर्फ ट्रेलर चल रहा है!

अब बात करें अगर कल्कि ऊर्जा की तो, पाकिस्तान और चीन के जॉइंट अटैक के बाद जो मोर्चा शुरू होगा, वो भी सुनामी के बाद जो पुरे विश्व को प्रभावित करेगी, कल्कि ऊर्जा का एक रूप प्रकटीकरण करेगा उस युद्ध को जीतने में! जिसे आप बॉडी में इंकार्नेशन भी कह सकते हैं!

एक रूप मिडिल ईस्ट में, एक रूप भारत में और एक रूप अमेरिका महाद्वीप पर!

ऐसे ही तीन रूप कलि ऊर्जा के! जिनमे से 1 और 1 ही मुख्या भूमिका में होंगे और उनको ही माना जायेगा आगे कलि और कल्कि!

तैयार रहे, अगले 7 साल बेहद भयावह और उत्पाती है!

ध्यान साधना को जीवन में अपनाएं!

Source <https://bit.ly/3Xlw5TV>

This one matches perfectly with my analysis!

भक्तो कृपया बुद्धि पे थोडा बल दो । राम (त्रेतायुग) 7000 साल पहले , कृष्ण (द्वापरयुग) 5000 साल पहले , बुद्ध (कलियुग) 2500 साल पहले तो कल्कि कैसे 4 लाख 27 हजार साल बाद?

यदि आप को लगता है की अभी कलियुग 4 लाख 27 हजार साल बाकी है तो ये पोस्ट पूरी पढ़ लीजिये ।

मुहम्मद ने कहा था 1400 मुस्लिम साल के बाद इमाम मेहदी आयेंगे उनके 1440 साल हो चुके, इसा मसीह ने कहे थे वोह सब संकेत मिल गये, भविष्य मालिका के सारे संकेत मिल गए । सब भविष्यवाणी बाजू में रखे तो भी वर्तमान पर्यावरण, मानव समाज आदि को देख के क्या आप को यह लगता है की पृथ्वी और 100 साल भी बच सकती है?

ये रहे कुछ प्रूप्स:

1. बाइबिल में जीसस के आने के संकेत के रूप में थर्ड टेम्पल की जो बात कही गई है वोह शुरू हो चुका है और बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है । आप न्यूज़ देखोगे तो पता चलेगा उसमे बलिदान दिए जाने वाली लाल गाय भी मिल चुकी है । 2000 साल से भी पुराना इसु ख्रिस्ती के समय का दिव्य वृक्ष जिंदा हो चुका है फिर । Euphrates नदी सुख चुकी है । जो जो बाइबिल में जीसस के सेकंड कमिंग की निशानियाँ कही गई है सब मिल गई है ।

2. मुस्लिम प्रोफेसी के मुताबिक भी 1400 मुस्लिम सालो के बाद इमाम मेहदी (मुस्लिमो का मसीहा जिन्हें हिन्दुओ के कल्कि अवतार से जोड़ के देखा जाता है) आयेंगे । फ़िलहाल 1440 मुस्लिम साल बित चुके है । समय आलरेडी हो चुका है ।

3. निर्णय सिन्धु, सूर्य सिद्धांत, वायु पुराण, मनु स्मृति, गर्ग संहिता, कालज्ञानं सब में स्पष्टतः कलियुग की आयु 5000 साल बताई गई है अभी 5125 के आसपास साल चल रहा है ।

4. भविष्य मालिका में प्रकृति से दिए गए संकेत मिल चुके हैं जैसे बिन मौसम फल आना, पपीते के अन्दर पपीता निकलना, बांस पे चावल उगना, तुलसी पे गुडहल का फूल आना आदि। उसके अलावा जगन्नाथ धाम से पत्थर गिरना, सिंहासन पे आग लगना, मंदिर के परिसर में आत्महत्या आदि संकेत भी मिल चुके हैं। माँ वैष्णोदेवी, केदारनाथ आदि मुख्य मुख्य धाम से भी कलियुग अंत के संकेत मिल चुके हैं।

5. अमेरिका की नेटिव होपी संस्कृति में एक भूरे रंग के धूमकेतु को युग परिवर्तन का संकेत बताया गया था जो 3 हफ्तों तक आसमान में दिखाई देगा। यह घटना भी 2023 में हो चुकी है जब आसमान में ब्लू कॉमेट को 3 हफ्तों तक देखा गया और उसके गायब होते ही तुर्की का विनाशक भूकंप भी आया। इसके अलावा दुनिया में जो जो संकेत दिखने का उन लोगो ने कहा था वो सब हो चुका है।

6. भविष्य मालिका में ग्रह, नक्षत्र आदि जो खगोलीय और ज्योतिषी सूचक बताये गए हैं वो सब हो चुके हैं और बाकी हैं वो आगे एक दो साल में ही पूर्ण होने वाले हैं। भविष्य मालिका में जो षडग्रहकूट कहा गया है वो भी आगे पड़ रहा है। 13 दिन का पक्ष बार बार आ रहा है और अन्य कई खगोलीय संकेत पूर्णतः मेच हो रहे हैं।

7. नोस्ट्रदामस ने 27 साल का जो महाविनाश का समय बताया था वो बताये गए संकेतों के मुताबिक 2001 से शुरू हो गया है और हाल ही मार्च 2023 में चन्द्र के नजदीक में रमजान मास में तारा देखा गया जिसको अंतिम महाविनाश का सूचक बताया गया है वो भी देखा गया है।

इसके अलावा भी सिल्विया ब्राउन, वीर ब्रह्मेन्द्र स्वामी, संत रविदास, संत सूरदास, देवायत पंडित, मामई देव, किरो, एडगर केसी, नवाजो सभ्यता, भविष्य पुराण, कल्कि पुराण, गगनगिरी महाराज, हलसिद्धनाथजी, ब्रह्मकुमारिस, गायत्री परिवार, बाबा जय गुरुदेव, पंडित दादा लक्ष्मीचंद, महंत करसनदास, डॉक्टर श्री नारायण दत्त श्रीमाली, डॉक्टर जुल्बर्न, गोर्डन-माइकल स्कैलियन, स्वामी शिवानन्द इन सब के दिए हुए संकेत सत्य हो चुके हैं। अगर अब भी कोई सोचता है की कलियुग का यह अंत नहीं है तो उसके पीछे उनके रिसर्च और ज्ञान की कमी ही है और शायद सब से अधिक तो प्रभु की कृपा की कमी है।

2006-7 से ही कल्कि के धरावतरण सब संकेत मिल गए हैं। जो समझ रहे हैं वो समझें, जो नहीं समझ रहे वो शायद अंत तक नहीं समझेंगे। जिन्हें भी इस विषय में अधिक जानकारी चाहिए वोह Youtube पे भविष्य मालिका संशोधक पंडित काशीनाथ मिश्र के चैनल पे जाके देख सकते हैं और विडिओ के डिस्क्रिप्शन में दिए गए फोन नंबर पे कॉल कर सकते हैं। आप का निःस्वार्थ और सत्यपूर्ण मार्गदर्शन किया जाएगा।

"पृथिवी रे घोल युद्ध आरंभिबा जेबे भुवनेश्वर कु सैया माडी जे आसिबे"

इसका अर्थ है कि जब सीमा पर युद्ध होगा तब विदेशी सेना की टुकड़ियाँ धीरे-धीरे भुवनेश्वर में प्रवेश करेंगी।

और ओडिशा राज्य में भुवनेश्वर शहर के खुर्दा जिले में, वहाँ होंगी भीषण होगा।

【 - परम् पूजनीय काशीनाथ मिश्र जी】

□पृथ्वी दिशिब रंगिमा आकार, समस्ते एकक स्वरे बिहार।।
धबलगिरी रे रहिबे प्रभु, नास करिबे म्लेच्छ मान सबु।।

- अच्युतानंद दास (चकडा मडाण, पृष्ठ- 24)

कलियुग-अंत में कल्कि अवतार द्वारा धर्म-संस्थापना के समय म्लेच्छों के संहार-काल का एक और संकेत उजागर करते हुए महान पंचसखाओं में अग्रणी महापुरुष अच्युतानंद दासजी ने बताया कि उस दौरान नभमंडल एवं चारों दिशाएं रंगीन (रक्तिम) हो उठेंगी। भगवान म्लेच्छों के विनाश के लिए जन्म लेंगे और कुछ समय के लिए धवलगिरि में रहेंगे।

तेबेजाइ सउल मण्डल भक्त माधव करिबे मेल हे।
कहे अभिराम नित्य स्थल लीला करिबे भक्त बत्सल हे॥

- अभिराम परमहंस ('रक्षा कर आदि मूल हे' - भजन)

कलियुग के अंत में भगवान विष्णु मानव शरीर में जन्म लेंगे। वे पंचभूत (पृथ्वी, जल, अग्नि, आकाश और वायु) की विभिन्न प्रलय-लीलाओं के द्वारा सभी पापियों का संहार कर धर्म की स्थापना करेंगे।

महापुरुष अभिराम परमहंस के अनुसार, भगवान 'माधव' उपर्युक्त प्रलय से मनुष्य द्वारा स्वयं को बचा पाने के ज्ञान का प्रसार करेंगे और अपने सभी भक्तों को 16 मंडलों (समूहों) में एकत्र करेंगे। भक्तवत्सल भगवान 'माधव' अपने भक्तों के समीप रह तथा नित्य गोलोक की लीलाएं कर उन्हें आनंदित भी करेंगे।

देश देश मध्ये विवाद राम जहाँ बढ़िब।
सेई समय रे राम रे, खाली मुंड गड़िब।।

जब विभिन्न देशों के मध्य लड़ाई वाद विवाद बढ़ने लगे तो समझ जाना बड़े स्तर पर मारकाट मचेगी।।

युद्ध में चाइना विश्वासघात करेगा:

विश्वासघात अटई चीना, चुटी काटि देब से बेड़े सीना।।

शनि के मीन राशि मे रहने पर क्या होगा इसका उल्लेख महापुरुष हाडिया लोहार जी मालिका मे करते हैं (सुचना : इन अंको को साल मसीहा का अंक मत समझिए यह प्रभु की गुप्त लीला है जो लोगो की अपेक्षा से भिन्न होगी!)

□पच्चीसो अंको रू उड़ीसा देशो रू बिदेशीय जाति जेते ।
मुहूर्तको मध्ये बाहारो होईबे न रहिबे कदाचिते ।।

अर्थात 25 अंक से उड़ीसा मे जितने भी विदेशी लोग होंगे सब प्रलय का संकेत पाकर भाग जाएंगे कदाचित नही रहेंगे ।

□शेषो रे यवनो जाति निशोधनो यही ठारे हेबो जाणो ।
स्वयं बडोदेवो होई आविर्भावो विनाशीबे मलेच्छो गणो।।

अर्थात अंत मे मुस्लिमो को सनातन धर्म अपनाने के लिए चेतावनी दी जाएगी । स्वयं बलदेव आविर्भाव होकर मलेच्छो का विनाश करेंगे जो नही मानेंगे जिद्द करेंगे।

□ऐही परी दुष्टो गणो कू विनाशी संतो कू करी उद्धारो ।
भारतू विजाति तोड़ी सनातनो धर्म कू करी प्रचारो ।।

अर्थात ऐसे ही कल्कि दुष्टो का विनाश कर संतो का उद्धार करेंगे । भारत से सभी धर्मो को तोड कर सनातन धर्म का प्रचार करेंगे ।

□छब्बीसो अंको रे उड़ीसा बक्षो रे होईबो महा समरो ।
भारत रो शेषो समरो टी यही जाणीथाओ तू ही वीरो।।

अर्थात 26 अंक मे उड़ीसा मे भयंकर युद्ध होगा । भारत मे यही कलयुग का आखरी युद्ध होगा ये जान लो गरूड ।

□यही ठारे वीरो सप्त दिनो जाऐ होईबो घोरो अंधारो ।
चौदिगो चमकाई भैरवी डाकीबो सकलो पूरो ।।

अर्थात इसी समय धरती पर सात दिन अंधेरा छा जाएगा तभी भैरवी चारो दिशाओ मे बिजली की चमक की तरह घोर गर्जना करेगी जिससे तीनो लोक कांप जाएंगे।

□सत्ताईसो अंके दक्षिणो दिगो रू समुद्र आसीबो माड़ि ।
उत्तरो रू गंगा उछली पड़ीबो तोही संगे देबो धाड़ि ।।

अर्थात 27 अंक मे दक्षिण से समुद्र तट का उल्लंघन करते हुए आएगा और उत्तर से गंगा गर्जना करती हुई उछल कर आएगी।

□पश्चिमो दिशा रू जलस्रोतो एको तोही संगे जिबो मिसी ।
खंडो प्रलयो रो सूचना करीबो पापी माने जिबे भांसी ।।

अर्थात जब दक्षिण मे समुद्र तबाही मचाएगा उत्तर मे गंगा मे भयानक बाढ होगी उसी वक्त अरब सागर भी तट का उल्लंघन करते हुए आएगा और तीनो एक जगह मिल जाएंगे और पाप करने वाले पापी उसमे बह जाएंगे और ये जल प्रलय गर्मी के दिनो मे होगा।

□अठाईसो अंके बछा बछी होबो जातो हेबो नूआ सृष्टि ।
अणतीरीसो ठारू आनन्दे रहीबे भारत रो जनो गोष्टि ।।

अर्थात 28 अंक मे जल प्रलय मे जो बच जाएंगे वो भूख प्यास के कारण आपस मे ही लूटपाट करके नष्ट हो जाएंगे फिर 29 अंक से भारत के लोग आनन्द से रहेंगे नयी सृष्टि का सृजन होगा ।

भविष्य मालिका के अनुसार विनाश समय में स्वबचाव और प्रभु प्राप्ति की सरल धारा को जानने के लिए संपर्क कीजिये ।

8967853267
9911819993
9355207153

<http://linktr.ee/kalkiavatar>

1. सूरज से पृथ्वी के 6 गुना कद का सौर तूफान उठा थोड़े ही दिनों पहले । उससे पहले एक बड़ा सा टुकड़ा अलग होकर एक हफ्ते से ज्यादा उसकी सतह पे घुमा फिर गायब हुआ
2. भारत की उत्तर प्लेट भी अभी एक्टिव हो गई है और कभी भी हिमालय में 8 तीव्रता का भूकंप आने की चेतावनी NDMA ने दे दी है
3. तुर्की भूकंप में 50000 लोग मरे जो की एक बहुत बड़ा अंक है । बस एक दो दिन पहले ही अमेरिका में एक पूरा शहर साइकलोन से तबाह हो गया घर ही नहीं बचे
4. उत्तर कोरिया परमाणु परिक्षण कर चूका
5. रशिया चीन के साथ साफ़ रूप से गठबंधन बना चूका है
6. इजराएल पलेस्टाइन कनफिलिक्ट चरम पर है कभी भी मुस्लिम देश इकठ्ठा हो सकते है
7. दिल्ली, लन्दन जितने बड़े ग्लेशियर टूट के समंदर में छुट गए है वोह वैज्ञानिको के हिसाब से 10-11 फिट तक समुद्र का स्तर बढ़ा सकते है 3 ही साल में
8. 80% भारत में हवा प्रदुषण सरक्षित रेन्ज से बहार है
9. फ्रांस और पेरिस में जनता लाखों की संख्या में सड़को पर है सरकार के खिलाफ । ऐसा ही ब्राज़ील और इजराइल में भी है
10. रशिया भी बेलारूस में अपना परमाणु बेज बना रहा है
11. भरी गर्मी के मौसम में भारत में बर्फ वर्षा हो रही है आधी पृथ्वी बादलो से ढकी हुई है
12. कई देश खाद्यान्न संकट के कगार पर है भारत में भी बेतहाशा फसल हानि हुई है
13. अमेरिका की बड़ी बड़ी बैंक डूब चुकी है । लोगो का पैसा खतरे में है आर्थिक मंदी ने दस्तक दे दी है । और अमेरिका में मंदी मतलब तो समझते ही होगे आप
14. अकेले सोमालिया में पिछले साल में भुखमरी से 43000 लोग मरे
15. आसमान में नीले रंग का धूमकेतु तिन हफ्ते दिखा । वो जैसे ही गायब हुआ तुर्की में भूकंप आया जिसमे 48000 से ज्यादा लोगो की मौत हुई और शहरो के शहर उड़्ड गए

और ऐसे 100 कारण बता सकते है जिससे दुनिया आज तक नहीं देखा गया ऐसे हालत में है इन सब के बावजूद अगर किसी को लग रहा है मालिका वाले जुठ बोल रहे है और आगे कुछ नहीं होगा तो या तो आप जानबुज के ये स्वीकारना नहीं चाहते या तो आप के प्रारब्ध में नहीं समय रहते सत्य को समझना और मालिका में बताई गई धारा से खुद को सुरक्षित रख पाना । आप का पैर कौन सी नाव में है ये तो आप ही तय कर सकते है ।

भविष्य मालिका के अनुसार विनाश समय में स्वबचाव और प्रभु प्राप्ति की सरल धारा को जानने के लिए संपर्क कीजिये ।

8967853267
9911819993
9355207153

<http://linktr.ee/kalkiavatar>

चीनी पाकिस्तान पुनी अमेरिका जाना
अर्थात चीन और विश्व शक्ति अमेरिका पाकिस्तान के साथ होगा।
- 'गुप्त खेद मलिका'

और इराक के साथ-साथ 13 मुस्लिम देश पाकिस्तान और चीन का समर्थन करते हुए भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ेंगे।

'रूसिया भारत पुनि जर्मनी जापान'
- गुप्त खेद मलिका

अर्थ, रूस, भारत, जर्मनी और जापान सहयोगी बनेंगे। मलिका के एक अन्य हिस्से में यह भी लिखा है कि फ्रांस भी भारत के साथ रहेगा।

(परम पूजनीय पंडित काशीनाथ मिश्र जी)

मालिका में समुद्र बढ़ने का स्तर एक्जैक्ट लिखा है, की समुद्र " दस हाथ, तीन अंगुल" बढ़ जाएगा।

और इतना पानी आगे आएगा की, श्री जगन्धर मंदिर का नीलचक्र भी पानी में डूब जायेगा। ये नीचचक्र इतना ऊंचा है की पुरी के किसी भी स्थान से दिखाई देता है, तो आप कल्पना कर सकते है की ये विनाश कितना बड़ा होगा

मालिका के अनुसार लास्ट-लास्ट में लाख फूट से ऊपर समुद्र की लहरें उठेंगी और बड़ी-बड़ी इमारत इत्यादि को उजाड़ते हुए नीलचक्र के उस पार तक पानी पहुंच जाएगा और उसी समय सारे वैज्ञानिक यंत्र अचल हो जाएंगे।

Usse pahle scientific devices fail ho jayenge..

बलदेउ रे पानी पसिन जे जिब, नीलचक्र परे पानी डेंउ जे पड़िब।
केते केते भक्त माने होइबेटी मेल, वैज्ञानिक यन्त्र सबु होइबे अचल॥

एक ऐसा समय आएगा, एक ऐसा संकट आएगा सभी लोग महापुरुष अच्युतानंद दास जी के भविष्य मालिका को विश्वास करने के लिए मजबूर होंगे.

सत्य, त्रेता और द्वापर युग में सात (7) दिन अंधेरा हुआ है अतः कलियुग में भी सात (7) दिन अंधेरा होगा, सूर्य का प्रकाश धरती पर दिखाई नहीं देगा
I भविष्य "मालिका" शास्त्र में महापुरुष अच्युतानन्द दास वर्ष, महीना और तारीख भी उल्लेख किए हैं की कब 7 दिन धरती पर अंधेरा छाएगा (सूर्य दिखाई नहीं देंगे)

Timeline (समय) 26-May-2026 से 02-June-2026 अंधेरा हो जाएगा धरती (सूर्य की प्रकाश नहीं दिखेगा, विज्ञान भी हैरान होगा, एक शब्द बोलूँ तो विज्ञान का घमंड टुटेगा)

एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य नरेंद्र मोदी होंगे एक नेता : डब्लू एच ओ

भाजपा सांसद बोले : ये देश का आखरी चुनाव है।

केजरीवाल बोले and we know this already

यही तो एनडब्ल्यूओ है मतलब:

वन वर्ल्ड वन गवर्मेंट
वन वर्ल्ड वन रिलीजन
वन वर्ल्ड सेंट्रल बैंक
वन वर्ल्ड मिलट्री
वन वर्ल्ड कै-श-लै-स करेंसी

इसके आगे भी ये एक बहुत ब्रॉड टर्म है।

सभी स-र-का-रें चाहे वो किसी भी पार्टी की हो, इसी के ऐ-जें-डे इम्प्लीमेंट करने में लगी हुई है।

'कलिकाता जे सहारा पोड़ी जाली हेबा कि नार खारा लो जाईफूल ये हेब भारत समर सारा रे'

जब भारत, चीन और पाकिस्तान के बीच युद्ध होगा महाभारत युद्ध का 'एक बेला' (एक दिन का हिस्सा) युद्ध शेष है।
उस युद्ध के प्रभाव से चीन द्वारा कोलकाता शहर पर एक बड़ा हमला होगा।
उस हमले की वजह से कोलकाता शहर के कई जोन आग की चपेट में आ जाएंगे।
कोलकाता में आग से भयंकर विनाश होगा, और कुछ क्षेत्र जल कर राख हो जाएंगे।

(परम् पूजनीय श्री काशीनाथ मिश्र जी)

□.....कभी तन्हा बैठिए और सोचिए !!!

पहली.....
सोचिए, वर्ष 2030 चल रहा है.....और आप अपने काम मे मस्त लगे हुए हैं.....

जीवन चल रहा है.....बहुत कुछ बदल गया किन्तु आप हैं, सकुशल.....और खुश परिवार सहित !!

और दूसरी.....□
आप निकलते है शहर में, पप्पू हलवाई की दुकान बंद है, शर्मा जी की बेकरी बन्द है.....

समोसे, मोमोज, चाट टिक्की के ठेले खाली खड़े हुए हैं.....

बाजार में सब्जी वाले भी 1-2 दिख रहे हैं, पीपी करती गाड़ियां नहीं है, शोर शराबा नहीं है।।।

मंहगे कपडो को दुकान बंद है, कोई पुलिस वाला किसी चौराहे पर नहीं है.....

बाजार मे सन्नाटा है, हजारों दुकानों में कोई 1-2 खुली है, सड़को पर भीड़ नहीं है.....किलोमीटरों के दरम्यान कोई 1-2 व्यक्ति दिख रहे है.....

सड़को पर जानवर यदा कदा दिख रहे हैं.....सब शांत हो चुका है.कोई फोन करने वाला नहीं है, कोई व्हाट्सआप नहीं.....शायद बिजली, इंटरनेट कुछ नहीं.....

सन्नाटे को चीरती हुई, सिर्फ एक आवाज आपकी.....अखबार वाला नहीं आता, दूध वाला नहीं आता.....आप कमरे से निकलकर बाहर झांकते हैं और वापस अंदर आकर लेट जाते हैं.....

शायद यही सत्य है.....शायद यही अंतिम है

चीनी पाकिस्तान पुनी अमेरिका जाना
अर्थात चीन और विश्व शक्ति अमेरिका पाकिस्तान के साथ होगा।

- 'गुप्त खेद मलिका'

और इराक के साथ-साथ 13 मुस्लिम देश पाकिस्तान और चीन का समर्थन करते हुए भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ेंगे।

'रूसिया भारत पुनि जर्मनी जापान'

- गुप्त खेद मलिका

अर्थ, रूस, भारत, जर्मनी और जापान सहयोगी बनेंगे। मलिका के एक अन्य हिस्से में यह भी लिखा है कि फ्रांस भी भारत के साथ रहेगा।

(परम पूजनीय पंडित काशीनाथ मिश्र जी)

पाकिस्तान नाम का एक देश पूरी तरह बर्बाद हो जाएगा। अच्युतानंद दास जी की वाणी कभी गलत नहीं होगी।

पाकिस्तान नाम का एक देश पूरी तरह बर्बाद हो जाएगा और अंत समय में उसकी बुद्धि खुलेगी। दोष करने के बाद पश्चताप करेगा और भारत के समक्ष आकर क्षमा और भिक्षा मांगेगा।

इसी समय (मतलब जब घोर युद्ध चल रहा होगा) तब भारत मध्यस्थता करेगा। पाकिस्तान भारत से भाई की भांति भाईचारा निभाएगा।

माघ सप्तमीसे दिनरे भूमीकंप हेव दिनरे ।

ठावे ठावेसे भागवत होईव संसारे विख्यात ।।

-- भक्त बलरामदासजी
कलिआगत भविष्यंत मालिका

□□मालिका विचार□□

शून्य रू अग्नि वर्षा हेब,
घर द्वार निया लागी जाउ थिब।।
शून्य से अग्नि वर्षा होगी और घर द्वार सभी में आग लग जाएगी।

जैसा कि हम देख ही रहे हैं कि हाल ही में आए दिन कैसे देश-विदेश में घर, दुकानों, कारखानों में आग लगने की घटना बहुत ज्यादा बढ़ी है, और यह आग कैसे लगती है ये कभी-कभी तो पता भी नहीं चल पाता।
इससे पता चलता है मालिका कितनी सच है।

केही किछि उपाय करी पारू न थिब, बुद्धि ज्ञान हजि जिबे निरूपाय हेबे।।
कोई किसी प्रकार का भी उपाय नहीं कर पाएगा, लोगों की बुद्धि हर ली जाएगी और वह निरूपाय रह जाएंगे।

ओड़िया के न्यू ईयर कैलेंडर(पंजी) के!जानकारों के अनुसार साल 2023 में:

ठाकुर अपुजा रहिब 1
प्रभुश्री जगन्नाथ जी की पूजा नहीं होगी अब इसका अर्थ क्या है वो तो आगे ही पता चलेगा।

*इस साल जल की कमी और अधिकता से खेतों में काम करने वालों की रुचि समाप्त होगी, खाद्य अभाव होगा।

बड़ मुंड गड़ीब।

*भारत के मुख्य चार लोग(इसमें से कुछ एक्टर और कुछ नेताओं)की डेथ होगी जो कि बहुत ही बड़े लेवल का होगा।

*एक बहुत बड़ी प्राकृतिक आपदा ओडिशा में देखने को मिलेगी।

*भारत में भीषण सांप्रदायिक(धर्म के नाम पे) हिंसा होगी।

*भारत में जल संकट गहराएगा।

राजनीति टल मल हेब।

राजनीतिक अस्थिरता आएगी।

नोट:इस पोस्ट को मैं एडिट नहीं करूंगा देखते हैं इस साल क्या-क्या सच होता है। मेरी भगवान से यही प्रार्थना है कि इसमें से लिखी एक भी अशुभ घटनाएं घटित न हों।

मालिका विचार – : □□□□□□□□□□

2027 को पूर्ण रूप से कलयुग खत्म हो जाएगा

– ब्रह्माण्ड भूगोल ग्रंथ □

सत्य भांजा

From Bhavishya Malika:-

महापुरुष अच्युतानंद दास जी के द्वारा लिखी एक पंक्ति-

“घोर कलीकाल थोयो ना रहिबो ज्ञानी हेबे जान बाट बडां,
मंगो मंगुवालो बोलो ना मनिबे ज्ञान कही अकलणा।”

अर्थात् –

ज्ञानी लोग ही सबसे अधिक भ्रमित होंगे, वो ज्ञान को ही सर्वोच्च समझेंगे व ज्ञान को ही श्रीभगवान की प्राप्ति का मुख्य मार्ग समझेंगे, परंतु वो ये नहीं समझ पायेंगे कि प्रभु की प्राप्ति का केवल एक ही सरल मार्ग है, वो है श्रद्धा, भक्ति प्रेम एवं ईश्वर पर अटूट विश्वास।

“जय जगन्नाथ”

Source: <https://www.kalkiavatara.com/hi/the-wisest-people-will-be-most-confused/>

“पाकिस्तान दशा जा हेब सोहसा मन कर्ण देइ थरे सुण जे भासा।”

अर्थात् – पाकिस्तान की स्थिति बड़ी ही विभत्स (भयानक) होगी। पाकिस्तान में भारत के सभी विरोधियों की सत्ता समाप्त हो जाएगी।

कही जल रूपे मोहि जगत नाशिबे,
कही पवन रूपे सकल ग्रासीबे।
कलियुग लोग हेबे तीन भाग नाश,
चतुर्थ भाग रू जे रहिबा अवशेष

अर्थ: कही मैं जल, तो कही पवन के रूप में विनाश करूंगा, पृथ्वी के तीन भाग जन नष्ट हो जाएंगे और चौथा भाग अवशेष होगा

भविष्य मालिका

महापुरुष अभिराम परमहंस ने महाप्रभु की वाणी लिखते हुए कहा कि:

"सत्य अनन्त नाम मोर,
सत्य रे करे कारबार।।
सत्य कु धरि थिबे जेहि
तां कु तारिबि निश्च मुहिं।।"

अर्थात्, मेरा नाम सत्य अनंत है और मैं सत्य को ही प्रकाशित करता हूं। जो लोग सत्य की शरण लेंगे, मैं उन्हें निश्चित रूप से भवसागर पार कराऊंगा।

23 अंक में क्या होगा?

✓ तेइसी अंक जेब चलिब राम रे, आर्थिक अवस्था अचल हेबे देश मानकर रे।
रेल दुर्घटना मान पृथ्वी रे हुवई, वायुयान दुर्घटना मान घटुथई।।

अर्थ- 23 अंक जब चलेगा, विभिन्न देशों की आर्थिक व्यवस्था रुक जाएगी, रेल, वायु दुर्घटना घटेंगी।

✓ सेतिपाई माने अनेक लोके क्षय हुवई, सुर्ज प्रखर रश्मि धरती रे पड़ई, अंशुघात रे प्राणी मरूथांती जे पड़ई।

अर्थ- इसी प्रकार उनके लोग क्षय होंगे, सूर्य का तेज प्रकाश पृथ्वी पे पड़गा, बिजली गिरने से भी हानि होगी।

□ तेईस अंको रे उडीसा देशो से होईबो जोड़ो गोहोड़ो ।
चौबीस अंको रे गुप्त मारूड़ी सुणो विनोता रो बाड़ो ।।

अर्थात 23 अंक मे उडीसा प्रदेश मे होगा जल प्रलय, 24 अंक मे गुप्त मृत्यु । सुनो विनोता नंदन ।

□ बाण बसु घन रुतु मिसाई एही अंक रे जे खेल हेबई

अर्थात वाण , वसु, घन, ऋतु मिलाना । इसी अंक से तो खेल होना ।।

बाण – 5 , पंचबाण होते हैं ।

8 वसु होते हैं , अष्ट वसु,

4 घन होते हैं , घन मतलब मेघ ।

आवर्तक, संवर्तक, पुष्कर, आदि ।

और 6 ऋतु होते हैं ।

बाण + वसु + घन + ऋतु , इनका जोड़ ।

सबका जोड़ $5 + 8 + 4 + 6 = 23$

अर्थात 2023 से खेल शुरू ।

क्योंकि 23 अंक जोड़ने पर हो रहा है।

सावधान शनि कुंभ की ओर बढ़ रहा है अब कल्कि अवतार की संहार लीला तेज होगी ।

बाण, वसु, घन, ऋतु इनको डिकोड किजिए जो अंक आएगा उसी साल से तबही तेज गति से आगे बढ़ेगी

मालिका के अनुसार साल मसीहा सब गुप्त होगा केवल अंक भोग होगा अर्थात 2020 होता है तो 2000 को नहीं गिना जाएगा सिर्फ 20 को गिना जाएगा यदि बीस अंक आता है तो वो 2020 ही होगा ऐसे ही साल (वर्ष) भी नहीं गिना जाएगा यदि कलयुग के 5122 वर्ष हो रहे हैं तो सिर्फ 22 को अंक माना जाएगा

अब 2023 मे प्राकृतिक आपदा का भी संकेत दे रहे हैं महापुरुष अचुतानंद,,

पूर्वो रू दक्षिणो समुद्र बढीबो, दक्षिणे करीबो गादी ।

होईबो लहड़ी पड़ थिबो माड़ि, बड़ो देऊडो कू कांदी ।।

अर्थात पूर्व और दक्षिण दिशा मे समुद्र का जल बढ़ेगा लहरें विकराल रूप धारण करेंगी जिससे जगन्नाथ मंदिर पर संकट गहराएगा ।

बड़ो देऊडो कू धोक्का मारू थिबो, देखीबू तू नयनो रे ।

उतरांचल कू युद्ध रो प्रस्तावना, हेतू रोखी बूतू मोनो रे ।।

अर्थात जगन्नाथ मंदिर मे समुद्र की लहरे टकरा रहीं होंगी अपनी आंखों से देखना और उसी समय देश के उत्तरी सीमावर्ती राज्यों मे युद्ध चल रहा होगा ।

नीलोचक्रो ठारू पताका छिड़िणो पड़ीबो समुद्र कूड़े ।

कल्कि रूपो कू चिंता पुणी हेबो नहिबे खीराब्धो मूड़े ।।

अर्थात नीलचक्र से धर्म ध्वजा टूट कर समुद्र के किनारे गिरेगा और फिर से कल्कि अवतार की आशा लोग करेंगे, यहाँ महापुरुष ने फिर से कल्कि, ऐसा क्यों कहा क्योंकि पहले भी धर्म ध्वजा टूट कर गिरा है और कल्कि रूप की चिंता अर्थात आशा लोगों को हुई थी जब फैलीन, फनी तूफान में धर्म ध्वजा टूट कर गिरा था पर माया बलवती है हालात सामान्य होने पर फिर से भूल गए, इसलिए महापुरुष ने लिखा है ध्वजा फिर से गिरेगा और फिर से कल्कि रूप की चिंता लोग करेंगे और इस बार समस्या इतनी गंभीर हो चुकी होगी जिससे फिर से नहीं भूलेंगे क्योंकि तब कहीं ओर से कोई आश ही नहीं बचेगी आंखों के आगे अंधेरा छाया रहेगा ।

दूई सून्य दूई तीन जे ठाबो, एमंते समये बाबू भोगो जे होईबो ।

इस दोहे से पक्का संकेत मिल रहा है ऐसा 2023 से ही शुरू होगा क्योंकि इस दोहे मे कह रहे हैं दो शून्य दो तीन अर्थात 2023 को याद रखना और इसी साल से मनुष्य अपने पाप का फल भोगेंगे ।

जय जगन्नाथ जय पंच सखा □□□□□□

पच्चीसो अंको रू उडीसा देशो रू बिदेशीय जाति जेते ।
मुहूर्तको मध्ये बाहारो होईबे न रहिबे कदाचिते ॥

अर्थात: से उडीसा मे जितने भी विदेशी लोग होंगे सब प्रलय का संकेत पाकर भाग जाएंगे कदाचित नहीं रहेंगे ।

लेखा जंत्र माणो उलटि पड़िब पढ़ा ज्ञानी हेबे बणा, मंगमंगुवाल बोलो ना मानिबे ज्ञान कही अकलणा ।
अउ बेसी दिन नाही लोबऊल निकट होइब देखा, पंचसखा माने कही जाइछन्ति पुराणे होइछि लेखा ।

अर्थात - एक समय जब समस्त वैज्ञानिक यंत्र अचल हो जाएंगे उस वक्त संसार के बड़े से बड़े वैज्ञानिकों की बुद्धि काम नहीं करेगी, वो बेतुके बात करने लगेंगे, वो बातें तो बहुत करेंगे पर कर कुछ नहीं पाएंगे।
जिन देशों को खुद पर तकनीकी उन्नति के कारण गर्ब या अहंकार है, वो अमेरिका हो या इंग्लैंड या फिर चीन या कोई भी बड़े देश उन सभी का अहंकार चकनाचूर हो जाएगा वो समझ नहीं पाएंगे क्या करें, उन्हें किसी भी प्रकार से सुरक्षा नहीं मिल पाएगी।

एको चारी अंको टी चौदह रे लेखा ।
आठो रे आठो लागीबो बहुतो उल्लेखा ॥ 1

पंजाबो राज्य ठारे लागीबो संग्रामो ।
अनुकूल होबो निश्चये ए कोथा प्रमाणो ॥ 2

मंदो खेटो बसी थिबो घट लग्न धरी ।
मेषो शेषो रे चितिबो भृगु सुतो अरी ॥ 3

मड़ीबो सकलो कथा घटीबो ऐ काड़े ।
मढा कूड़ो कूड़ो होई पड़ीबो महीरे ॥ 4

अवश्य उत्पातो हेबो सौराष्ट्र देशो रे ।
मने रखीथा विनोता कुमरो तु बारे ॥ 5

- 1 अर्थात एक चार अंक चौदह मे लिखा है जब आठ मे आठ लगेगा अर्थात कल्कि के 16 अंक यानी 2023 में क्या होगा इसका उल्लेख है
- 2 पंजाब राज्य में युद्ध और संग्राम का माहौल बनेगा
- 3 मंदों खेटो बसी थिबो घट लग्न धरी अर्थात शनि कुम्भ राशि में, भृगु सूत आरी अर्थात गुरु मेष राशि की अंतिम डिग्री में जब होंगे तब यानी वैशाख (april) 2024 में
- 4 धरती पे करोडो लाशें पड़ी होगी और उठानेवाला भी कोई नहीं होगा ।
- 5 तब सौराष्ट्र में भी बहुत उत्पात होगा यह बात मन में रखना बिनीता नंदन यानी गरुड़

जब 13 दिन का पक्ष आएगा समझ लेना कलियुग का अंतिम घड़ी का कांटा तेज़ दौड़ना शुरू कर दिया । 13 दिन का पक्ष आएगा, 13 देश मिलकर भारत के ऊपर आक्रमण करेंगे, 13 लाख सैनिक एक साथ शहीद होंगे, 13 महीना ओड़िशा में युद्ध चलेगा, संहार लीला कार्य में तेज़ी देखने को मिलेगा । भारत का बाग डोर एक ब्राम्हण के हाथ लगेगा जो राजा बनेगा, उस ब्राह्मण के राजा बनते ही विश्व सनातन धर्म को स्वीकार करेगा और भारत पुरे विश्व को दिग्दर्शन देगा, भारत बनेगा विश्व गुरु और सभी देश भारत से ज्ञान प्राप्त करेंगे, ज्योतिष में माना गया है कि तेरह दिन का पक्ष संहारक होता है। यह राजा एवं प्रजा दोनों के लिए ही कष्टदायक होता है। - मालिका

13 दिन का पक्ष 23 जून से 5 जुलाई के बिच पड रहा है ।

भारत की युवा पीढ़ी को मालिका भक्ति और नागा संत बभ्रूत दास बाबा की चेतावनी:- हे युवा पीढ़ी, तुम घरों में सो रहे होंगे, भारत सरकार तुम्हें घरों से उठाकर युद्ध क्षेत्र में लड़ने के लिए ले जाएगी। आधार कार्ड के जरिए सरकार को आपका पता मिल जाएगी ।

पांच सौ वर्ष पहले से मालिका ग्रंथ में इस बच्चे का नाम लिखा है ये जातस्मरण भक्त है अर्थात जन्म से ही इसे भक्ति प्राप्त है ये पानी से दीपक जलाता है इसका नाम निमाय है □

<https://youtu.be/AsUfYkDVaSY>

वसु सालों रेवो वीसो अंको जे प्रमाणो । सप्तो दिनों अंधकारो मर्त्य मंडलेणो ।।

अर्थात वसु 8, साल 12, रेव (नक्षत्र) 27, और बीस 20 अर्थात गजपति के 67 अंक में पूरी धरती कोहरे से सात दिनों के लिए ढक जाएगी, अब वो दिन कौन सा होगा

मीनो कृष्ण चतुर्दशी शुक्र जे वासो रो I अंधकार घोटी जिबो मही मंडलो रो II

अर्थात मीन कृष्ण चतुर्दशी शुक्रवार को ये घटना घटेगी और इसी दिन गया सूर जाग उठेगा और कल्कि अवतार से युद्ध करते हुए वीरगति को प्राप्त होगा और सदा के लिए धरती छोड़ कर बैकुंठ में चला जाएगा, अब ये होगा कैसे तो पुराणों के अनुसार जिस दिन गया में एक भी पिंड दान नहीं किया जाएगा उस दिन गया सूर जाग उठेगा और मालिका के अनुसार ऐसा इसी दिन होगा जब पृथ्वी पर कोहरा छा जाने के कारण अंधेरा छाया रहेगा I

2025 या 2026 का कैलेंडर देखें मीन महीने में कृष्ण पक्ष में चतुर्दशी को शुक्रवार पड़ रहा है या नहीं ।

मालिका वर्णित 256 भक्तों में से एक प्रह्लाद नायक बता रहे हैं भक्तों के मन भी अहंकार है भगवान उनका अहंकार नष्ट कर देंगे, भक्त तो बच जाएंगे पर बाकी लोग अहंकार को जान नहीं सकेंगे और मारे जाएंगे I सतयुग में तीन पग धरती दान में देने से युग का अंत हो गया, त्रेतायुग में तीन रेखा को लांघने से युग का अंत हो गया, द्वापर में तीन पासों ने युग का अंत कर दिया और कलयुग में क्रिकेट के तीन डंडों के कारण युद्ध होगा I

मालिका में लिखा है -

युगो तो होईबो उदभितो, पागलो करीबो क्रिकेटो I दुर्नीति रो छक्का चौका रे बोलो पोड़िबो धा तिड़ किटो II

अर्थात युग बेढंगा होगा, क्रिकेट लोगों को पागल करेगा और दुर्नीति के छक्के चौके से बॉल गिरेगा धा तिनक धिन धा।

#cricket #indiapakistan #ww3

पुलिन पंडा बता रहे हैं कि उड़ीसा में दक्षिण से तेलंगा दल अतिक्रमण करेंगे उत्तर से मुस्लिम सेना आक्रमण करेगी और पूर्व अर्थात समुद्री तटीय क्षेत्रों में चीन रूस की सेना आक्रमण करेगी, हीराकुद डैम के कारण तीन बार भयंकर बाढ़ आयेगी, एक बार हीराकुद डैम के उपर से पानी उछल कर 6 जिलों को बाढ़ से डुबो देगा, दूसरी बार डैम में दरार पैदा होने के कारण बाढ़ आयेगी और तीसरी बार बिदेशी सेना के द्वारा डैम को तोड़ दिया जाएगा

<https://youtu.be/Goie8g0LCck> □

अब सवाल पैदा होता है तेलगु लोग उड़ीसा पर हमला क्यों करेंगे तो उसका कारण ये है

<https://youtu.be/8RLoZRKqHYk> □

हीराकुद डैम से पानी उछल कर क्यों बहेगा क्या डैम के फाटक पानी अधिक होने पर भी नहीं खोला जाएगा तो इसका कारण ये है

<https://youtu.be/gCV7WaLF-7c> □

और चीन के हमले तो समझ में आते हैं पर मित्र देश रूस धोखेबाजी क्यों करेगा तो इसका कारण ये है

<https://youtu.be/5sgyHwdW-cc> □

अर्थात छत्तीसगढ़ के साथ उड़ीसा का महानदी के कारण झगड़ा बढ़ रहा है जिससे गुस्से में आकार अचानक छत्तीसगढ़ पानी छोड़ देगा क्योंकि उसने भी डैम बना कर महानदी के बहाव को रोक दिया है और जब वो अचानक पानी छोड़ेगा तो बताकर नहीं छोड़ेगा ईर्ष्या के कारण अचानक छोड़ेगा जिससे हीराकुद डैम के गेट नहीं खुले होंगे जिसके कारण पानी डैम से उछल कर नीचले इलाकों को डुबो देगा और आंध्र प्रदेश के साथ उड़ीसा का सीमा विवाद चल रहा है उड़ीसा के कुछ इलाकों को वो अपना इलाका बता रहा है कई बार इस मामले में आंध्रप्रदेश पुलिस और उड़ीसा पुलिस में झड़प भी हो चुकी है आगे वो उड़ीसा के कुछ जिलों के लिए दंगे फसाद करते हुए उड़ीसा में अतिक्रमण करेंगे शायद ये मिलिट्री शासन के वक्त हो और रही बात मुस्लिम देशों की सेना और चीन की सेना का हमला ये तो सभी समझ सकते हैं I

अब लोग कहेंगे बिदेशी सेना के कारण समस्या तो समझ में आती है पर राज्य राज्य के साथ तनाव समझ में नहीं आता तो अचुतानंद बता चुके हैं राज्य राज्य के बीच और जाति जाति के बीच भी मारकाट होगी और अंडभक्तों का अखंड भारत का ढकोसला सपना पब्लिक को उल्लू बनाने का चक्कर चकनाचूर हो जाएगा

मालिका में लिखा था ओलाकोना में मालिका में वर्णित भक्त इकट्ठे होंगे और आज सत्य हुआ ये इधर उधर से आए हुए भक्त हैं ये एक दूसरे के साथ पहचान कर रहे हैं इनमें से कई अनपढ़ भी हैं कुछ ऐसे गाँव के हैं जहाँ दस साल पहले तक सड़क भी नहीं था इनका नाम पांच सौ साल पहले से लिखा था ।

<https://www.youtube.com/watch?v=WrxYiXTJdtA>

<https://www.youtube.com/watch?v=qRezxbRYSTc>

सबर जनजातियों की देवी सोलह पुत्र माँ जो पाहाड़ के उपर रहती है इस पर्वत पर एक गुफा है उस गुफा में सबर जनजाति के लोग जब माता को पुकारते हैं तो माता गुफा के अंदर से आवाज देती है हां मैं हूँ गुफा के पथरों से चूड़ियों की खनक सुनाई देती है चूड़ियों के खनकने की आवाज आती रहती है आज भी माता के शब्द गुफा के अंदर से स्पष्ट सुनाई देती है हां मैं हूँ I मालिका के अनुसार जब चीन की सेना हीराकुद डैम को बम से उड़ा देगी तभी बंगाल की

खाड़ी में भी एक बम गिराया जाएगा और सुनामी आ जाएगी चारों तरफ जलमग्न हो जाएगा तभी इस पार्वत के आस पास के गाँव वाले इस पाहाड़ पर शरण लेंगे और माता गुफा का बंद दरवाजा खोल देंगी जहाँ हजारों लोगों के लिए रहने की खाने पीने की व्यवस्था है फिर देवी प्रकट होगी और कल्कि अवतार के साथ वो भी लीला करने के लिए गुफा से निकल पड़ेंगी युद्ध में भाग लेंगी ।

एडगर केसी ने 1932 में भविष्यवाणी की थी 2015 तक ऐसे बच्चे पैदा होंगे जिनके पास अतिइंद्रिय क्षमता होगी जो अद्भुत काम कर सकेंगे जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते और ये बात सच हो रही है। 1982 में चीन की सरकार ने एक रिसर्च की जिसमें एक लाख ऐसे बच्चे मिले जिनके पास अद्भुत शक्ति थी जिसे रिसर्चर एक्सट्रा ह्यूमन फंशन EHF कहते हैं। इस बात से पता चलता है चीन की सरकार बहुत कुछ छिपा रही है जो साधारण जनता को नहीं पता। कम्यूनिस्ट पार्टी का गठन करने वाले माओ को ही साठ साल पहले दलाई लामा ने चीन के विनाश की धमकी दे दी थी तब से चीन भारत पर जमीन हड़पने के लिए युद्ध नहीं चाहता है उसे उस गुप्त बालक का भय सता रहा है जो भारत में पैदा हुआ है। चीन जानता है पदमसंभव ने आठ सौ वर्ष पहले अपने ग्रंथ मौत के बाद में संस्कृत में जो उल्लेख किया है वो कभी गलत नहीं हो सकता। कुछ बाते इतिहासकारों को पता नहीं है कि चंगेज खान अपने आप भारत छोड़कर नहीं गया। चंगेज खान तिब्बत पर कब्जा करके भारत की ओर बढ़ रहा था तभी गुजरात से पद्मसंभव को छठवें दलाई लामा ने कहा चंगेज खान से रक्षा करो तब पद्मसंभव ने छठवें दलाई लामा की बात मानकर अपनी दिव्य शक्ति से चंगेज खान की एक करोड़ सेना का अकेले मुकाबला किया था और चंगेज खान को हिमालय के उस पार खदेड़ा था। फिर पद्मसंभव ने तिब्बत में रहकर एक संस्कृत में एक ग्रंथ की रचना की जिसका नाम था मौत के बाद और इस ग्रंथ में उसने वर्तमान समय की घटनाओं के साथ यमलोक स्वर्ग लोक जाने का तरीका और रास्ता भी बताया था पर उस जमाने में बलि प्रथा और तांत्रिक क्रियाएँ अधिक होती थी जिससे इस ग्रंथ का दुरुपयोग हो सकता था इसलिए पद्मसंभव ने इस ग्रंथ को एक पर्वत में छिपा दिया और भविष्यवाणी की कि आठ सौ वर्ष बाद जब तांत्रिक क्रियाएँ करना लोग छोड़ देंगे तब ये ग्रंथ मिलेगा। जब भारत में ब्रिटिश राज था तब एक ब्रिटिश अफसर तिब्बत की ओर गया तभी उसे स्वर्ण पत्र पर एक पत्थर के नीचे ये ग्रंथ मिला उसने तिब्बत में रहकर संस्कृत से अंग्रेजी में इस ग्रंथ का अनुवाद किया और इसका नाम रखा तिब्बतियन बुक आफ डेथ। फिर जैसे ही उस ग्रंथ को वो ले जाने की कोशिश की बौद्ध सन्यासीयो ने उस ग्रंथ को उस अफसर से छीन लिया और उसका अनुवाद किया हुआ किताब को भी छीन लिया कुछ पन्ने उसने अपनी जेब में छिपा लिया जो अभी ब्रिटेन में है। पद्मसंभव की उस ग्रंथ के कारण ही बौद्ध सन्यासीयो ने चीन के हमले के बाद बौद्ध देशों में शरण न लेकर भारत में शरण लिया है।

लोग कहेंगे मालिका जूठ है, ऐसा कुछ नहीं होगा लेकिन जब होगा किसी को पता नहीं चलेगा। तुर्की में 50 हजार लोगो की रातोंरात मृत्यु हो गई, किसी को पता चला? इसी तरह आने वाले महाभूकंप के बारे में महापुरुष ने कहा है।

□ नब नब तिनी कम्पिव मेदिनी, बार बेनी मिसाइब। एकाल रे पृथ्वी संहार होइब, दश ग्रामे जणे थिब।।

इसका एक संभावित अर्थघटन यह है की 999 अर्थात् 1999 में $12 \times 2 = 24$ मिलाने से लोग काँप उठेंगे। तब पृथ्वी पे संहार हॉगा जिसमें दस गाँव को मिलाके एक व्यक्ति ही बचा होगा।

मालिका की वाणी लोगो को डराने के लिए नहीं लेकिन सतर्क करने के लिए है।

उत्तरा कटक ढेऊ, उठीबा ऊ झाणी,
नीलचक्र बुडि हेब, पांच हाथ पानी।

अर्थ: उत्तर कटक की तरफ से बाढ़ उठेगी, उसके बाद नीलचक्र के पांच हाथ ऊपर तक पानी होगा

पुरी का मंदिर इतना ऊंचा है की उसका नीलचक्र पूरी में बहुत दूर से ही दिखाए देता है, मालिका के अनुसार समुद्र का पानी इतना कितना बढ़ेगा इसके बारे में एक्जैक्ट लिखा है की मंदिर के नीलचक्रा के "ऊपर पांच हाथ" तक पानी होगा।

अब कितना पानी बढ़ेगा, कितना विनाश होगा, अंदाजा लगा सकते हैं की पूरा पूरा धाम इसमें डूब जाएगा

बलदेउ रे पानी पसिन जे जिब, नीलचक्र परे पानी नीलचक्र परे ढेऊ जे उठीबे।
केते भक्त माने होइबेटी मेड़, वैज्ञानिक यन्त्र सबु होइबे अचड़॥

जिस समय पूरी श्री मंदिर के अन्दर समुद्र का पानी घुस जाएगा उस समय नीलचक्र से भी ऊँची लहरे उठेगी। इस समय सारे भक्त एक जगह पर एकत्र होंगे, उसी समय सभी वैज्ञानिक यंत्र अचल (बंद) हो जाएंगे।

<https://youtu.be/HvrSWRTCi6U>

- 30 तक कलियुग खत्म हो जायेगा
- 21 से 29 के बिच में विनाश लीला होगी
- इस विनाशलीला के सुचन के रूप में पहले रथयात्रा बंध होगी फिर शुरू होगी मगर लोग नहीं होंगे जो कोरोना के समय हो चूका है।
- जिस दिन पहली बार रथयात्रा बंध रहेगी समझ लेना तब से 9 साल और 9 महीने में कलियुग का अंत हो जाएगा।
- आगे छ वर्ष और छ महीने भी रथयात्रा बंध रहेगी। इसका कारण युद्ध होगा। पूरी श्री मन्दिर को यवन कब्जा कर चुके होंगे।
- रशिया भारत का पुराना सम्बन्ध है अध्यात्मिक स्तर पर और उसी के चलते रशिया आनेवाले समय में भारत से अनुकम्पा रखके सहाय भी करेगा।
- 2024 में ही चीनी सैन्य पूरी श्रीक्षेत्र से लेके भारत में घुस जायेगा तब बहुत लोगो की मृत्यु होगी। और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कंप्यूटर आदि सब बंध पड़ जायेंगे।

- 24 अंक में युद्ध होगा यह प्रमाण दिया गया है की 24 अंक में चैत्र माँस के मध्य में मंगलवार के दिन (14 अप्रैल) चीनी सैन्य ओडिशा में घुस जायेगा और बहुत संख्या में मारा जायेगा ।
- क्यूँ की मालिका में 24 अंक दिया गया है और बाकी सब प्रकार से 24 अंक निकल चूका है इस लिए यह 24 अंक मसीहा ही होना चाहिए ये बता रहे है विडिओ में ।
- ?? वर्तमान ओडिशा साल 1429 लो या शक संवत 1943 या युगाब्ध 5122 वर्ष या कोई भी प्रकार का मालिका अंक लेलो वोह सब ये विडिओ बन रहा है मार्च 2022 में तब तक जा चूका है इस लिए 24 अंक मसीहा ही है यहाँ ।
- ऐसा क्यों होगा की इतने बड़े बड़े शहर और बाकि के धाम को छोड़ के चीनी सैन्य ओडिशा ही आएगी और उसमे भी पूरी के जगन्नाथ धाम पे ही हमला करेगी ? इसके जवाब में बाबा कहते है की जगन्नाथ धाम पे विश्व की हजारो सालो से नज़र है । उनको पता है की ब्रह्म शक्ति यही है और अनुभव से जानते है की कल्कि का जन्म यही होगा इसी लिए वोह यही आयेंगे ।
- आनेवाले समय में 111 देश भविष्य मालिका को मानेंगे क्यूँ की उसके अलावा कही स्पष्टतः नहीं लिखा गया की ब्रह्माण्ड के अधिनायक का जन्म यहाँ होगा । सभी जगह संभल नगर कहा गया है लेकिन संभल कौन सा और कहा वोह कही नहीं कहा गया !
- दिल्ली आदि बड़े शहरो पे विदेशी सैन्य हमला नहीं करेंगे क्यूँ की वह शस्त्र और सैन्य लदा होगा लेकिन ओडिशा जैसे सामान्य शहर में क्या सुरक्षा होगी ये सोच के वोह पहला आक्रमण ओडिशा पे करेंगे ।
- पाराद्वीप से प्रवेश करके पूरी को घेर लेंगे विदेशी सैन्य ।
- अब तक ऐसा हो रहा है की युद्ध का माहौल बनता है फिर शांति वार्ता होती है फिर युद्ध होता है ऐसा चलता रहता है लेकिन 2024 में सीधा भयानक युद्ध हो जाएगा । कोई शान्ति वार्ता नहीं होगी ।
- वो लोग आते ही परमाणु बम्ब फोड़ने की कोशिश करेंगे । पूरी में भी बम्ब गिरेगा लेकिन फटेगा नहीं ।

#rathyatra #puri #srikshetra

□ वैज्ञानिक यंत्र के बंद होने के बारे में मालिका क्या कहती है।□

□ आठों आठों आठों त्रिगुणा रे भेटो चीन चतुर्बेदी तोड़े। अच्युत पुरन च्युत होई जीबो, सोरो मारिबे सकाले ।
लेखा जंत्र माणो उलटि पड़िब पढ़ा ज्ञानी हेबे बणा, मंगमंगुवाल बोलो ना मानिबे ज्ञान कही अकलणा ।
अउ बेसी दिन नाही लोबऊल निकट होइब देखा, पंचसखा माने कही जाइछन्ति पुराणे होइछि लेखा ।

अर्थात - अर्थात 8 को 3 से गुना करेंगे तो 24 आता है। उस अंक में चीन के सैनिक भारत पर हमला करेंगे। अच्युतानंद दास का वाणी पूर्ण रूप से सत्य हो जाएगा और सभी सैनिक आपस में युद्ध करेंगे। उस समय जब समस्त वैज्ञानिक यंत्र अचल हो जाएंगे उस वक्त संसार के बड़े से बड़े वैज्ञानिकों की बुद्धि काम नहीं करेगी, वो बेतुके बात करने लगेंगे, वो बातें तो बहुत करेंगे पर कर कुछ नहीं पाएंगे। जिन देशों को खुद पर तकनीकी उन्नति के कारण गर्ब या अहंकार है, वो अमेरिका हो या इंग्लैंड या फिर चीन या कोई भी बड़े देश उन सभी का अहंकार चकनाचूर हो जाएगा वो समझ नहीं पाएंगे क्या करें, उन्हें किसी भी प्रकार से सुरक्षा नहीं मिल पाएगी।

□ बलदेउ रे पानी पसिन जे जिब, नीलचक्र परे पानी नीलचक्र परे ढेऊं जे उठीबे।
केते भक्त माने होइबेटी मेड़, वैज्ञानिक यन्त्र सबु होइबे अचड़॥

जिस समय पूरी श्री मंदिर के अन्दर समुद्र का पानी घुस जाएगा उस समय नीलचक्र से भी ऊँची लहरे उठेंगी । इस समय सारे भक्त एक जगह पर एकत्र होंगे, उसी समय सभी वैज्ञानिक यंत्र अचल (बंद) हो जाएंगे ।

□ बैज्ञानिको यंत्र अचल होईबे हरि चक्र घूरू थिबो ।
कल कारखाना शून्ये भांगी जिबो गुप्ते केही न जाणीबो ।।

अर्थात बैज्ञानिक यंत्र काम नहीं करेंगे हरि चक्र घुम रहा होगा, कल कारखाने नष्ट हो जाएंगे गुप्त रूप से अर्थात कारखानों में आग लगने का कारण पता नहीं चलेगा ।

□ निकट रे गोड़ चहड़, बैज्ञानिक यंत्र अचल।
अनंत जुग टी होइब, अच्युत कामना पुरिब॥

जल्द ही युद्ध लगेगा, वैज्ञानिक यंत्र आंचल हो जाएंगे और अनंत युग का स्वामी अच्युतानंद दास जी का सपना पूरा होगा

□ "चौबीस रू लेखा यंत्र उलटी पड़ीबो,
कम्प्यूटरो मोबाइलो कामो न जे देबो,

कोलो कारोखाना सबू भांगी ण जे जीबो,
स्कूलो कोलेजो कोषागारो बंदो होई जीबो."

अर्थात:-

24 अंक से कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सब बंध पड़ जायेंगे। मोबाइल कुछ काम नहीं आएगा। 600 साल पूर्व पंचसखाओ ने कंप्यूटर और मोबाइल, स्कूल और कॉलेज के बारे में भी बता दिया था।

वाहन, कारखाने सब टूट पड़ेंगे यानी काम नहीं कर पाएंगे। स्कूल, कॉलेज, बैंक सब बंध हो जायेंगे।

यह 24 अंक या तो 2024-25 हो सकता है या फिर 2031, या फिर कुछ और। आप खुद सोचिये।

24 रे महागोड़ उपजिबु बाबु, मीन-शनि होइथिबे गुप्ते रखिबु।

24 अंक में महायुद्ध का प्रादुर्भाव होगा और मीन शनि लग गुप्त में ही लग जाएंगे।

□ मृतिका पाषाण धातु निरिमाण प्रतिमाकु देखि थोके,
न करन्ति पूजा बोलन्ति मनुजा गदुछन्ति कउतुके।

□ ए जेते देबता न कहन्ति कथा न करन्ति किछि ग्रास,
जे पूजे से भुंजे जन मन रन्जे प्रतिमा करि सुबेश।

□ गीता भागवत पढिण आसक्त देख उपजिब मने,
कामशास्त्र जने पढिबे अज्ञाने रहिबे बेश्या भवने।

□ खचुआ मिछुआ होइबे प्रबल गोलकुंडा हेब पृथ्वी,
अकाल कुहुडि माडि आसुथिब धुम्रबर्ण छायापति।

□ भक्त माने गुप्त भावरे रहिण अनेक कष्ट पाइबे,
तुम्भर जनम होइले हे प्रभु दर्शने मुक्ति पाइबे।

□ दम्भ अहंकार छाडिण तु शुण श्री हरि कथा बखाण,
शुणिथाअ राम हेतु करि मन श्री कृष्ण पश शरण।

□ श्रीहरि चरणे पशिले शरण काल घुंचि पलाइब,
पामर अच्युत प्रभु पदे चित्त काले काले रहिथिब।

भावार्थ:

अच्युतानंद जी शिष्य रामचंद्र को अपनी ग्रन्थ 'शुन्य संहिता' में बोल रहे हैं कि- मिट्टी और पाषाण की मूर्ति को इस कलियुग के मानव पूजा नहीं करेंगे, बोलेंगे लोग अपनी मन पसन्द से इसको बनाया है, रूप दिया है। मूर्तियां कभी बात नहीं करेंगे खाएंगे भी नहीं। जो लोग भोग लगाते हैं वे खुद ही खाते हैं और आकर्षण केलिए मूर्ति को सुवेश करके सजाते हैं। गीता भागवत के प्रति लोगों का प्रेम नहीं रहेगा, कामशास्त्र पढके बहुत लोग वेश्यालयों में समय अतिवाहित करेंगे। झुट्टे लोगों कि संख्या जगत में बढ़ने से पृथ्वी पर अशांति बातावरण होगा। इसी वजह से अकाल कोहरा होगा होगा और सुरज भी धुम्र वर्ण दिखाई देंगे। उसी समय जो भक्त लोग जन्म लिए होंगे वे बहुत कष्ट से समय गुजारेंगे, जब आपका जन्म होगा तो आपके दर्शन से उनको मुक्ति मिलेगी। अब समय आ गया है कि गर्व अहंकार छोड़ कर तुम हरि नाम भजन करो, श्री कृष्ण के चरण में शरण ले लो, ताकि तुम को काल भी स्पर्श न कर सके।
जय श्री माधव □

नवो नवो तीनी कपीबो मेदिनी वारो बेनी मिसाईबो ।

ऐ काड़ो रे पृथ्वी संहारो होईबो दसो ग्रामे जोणे थिबो ।।

अर्थात तीन नौ अंक जब आएगा धरती कांपेगी, और दो बारह मिला देना तब फिर से धरती कांपेगी और इसी समय से संहार शुरू होगा दस गाँवों में सिर्फ एक दो व्यक्ति बचेंगे । 1999 मे भूकंप हुआ उड़ीसा जगतसिंहपुर मे पाहाड़ हिल गए और महातूफान आया और इसी 1999 मे दो बारह अर्थात 24 मिला देना तब फिर से ऐसा होगा अर्थात 2023 और इस बार हिमालय मे भूकंप होगा और इसी साल से संहार लीला शुरू होगा ।

हनुमान जयंती की सभी को शुभकामनाएं

□ मालिका में रामभक्त हनुमान जी के बारे में क्या लिखा है □

□ संकटो मोचनो भक्तों जे पुणी हेबे अमरो, जिणीबे मृत्यु कू सेही जे सत्य वचनो मोहोरो ।

अर्थात संकट मोचन (हनुमान) के भक्त फिर से अमर हो जाएंगे, वही मृत्यु को जीतेंगे यही सत्य वचन है मेरा । अच्युतानंद दास कह रहे हैं जो हनुमान जी की भक्ति करेंगे वो अमर हो जाएंगे और मृत्यु को जीत लेंगे ये मेरा सत्य वचन है ।

□ दुखो कष्टों दूरो करूँ थिबो जोऊं भक्तो, चारी युगों सेही कपि अमरो कहे ध्याने अचुतो ।

अर्थात दुख कष्ट जो भक्त दूर करता है वही चारों युगो मे अमर हनुमान जी (कपि) हैं अच्युतानंद ध्यान लगा कर कह रहे हैं । अच्युतानंद दास ध्यान में कह रहे हैं जो भक्त दुख कष्ट दूर करता है वो वही चारों युगो मे अमर राम भक्त हनुमान जी हैं ।

□ विरोजा शासने महावीरो हनुमानो, डेगी उठीबे से देई गोर्जनो, हनु जन्मी थिबे काशीपुरो रे, मुणा तांती को गृह मध्य रे ।

अर्थात विरोजा मंडल मे महावीर हनुमान घोर गर्जना करते हुए कूदेगा, हनुमान जी के अंशावतार सालेईपुर के काशीपुर मे मुना तांती के घर जन्म ले चुका है ।

□ वीरो हनुमानो देखी अमानवीय रूपो बाहारी करीबे दुष्टों संहारो ॥

अर्थात दंगे युद्ध होंगे हिन्दू मुसलमान मे दिल्ली का चांदनी चौक प्रमाण है । उसी समय वीर हनुमान बाहर निकल पड़ेंगे मनुष्य के अमानवीय रूप को देखकर और करेंगे दुष्टों का संहार । अब कोई समझेगा क्या हनुमान जी हनुमान रूप मे बाहर निकल कर संहार करेंगे तो नही ऐसा नही है हनुमान जी भगवान ही हैं वो अवतार लेंगे मनुष्य रूप मे कहाँ लेंगे इसके बारे मे अचुतानंद लिखते हैं..

□ बाईसी मौजा प्राण कृष्ण लेंका सुतो थिबो हनुमानो । गुप्तो रूपो रे जन्मो होई थिबो लोके डाकू थिबे हनुमानो ॥

अर्थात बाईस मौजा उडीसा मे प्राण कृष्ण लेंका का पुत्र हनुमान जी होंगे और गुप्त रूप मे जन्म होगा लोग उसे बुलाएंगे हनुमान लोग विनोद वश बच्चों को बंदर हनुमान आदि बच्चों के द्वारा बदमाशी करने पर कहते हैं बच्चा चुप नही बैठता है तो कहते हैं चुपचाप बैठ न रे बंदर ऐसे ही विनोद वश उसे लोग हनुमान ही कहेंगे पर किसी को पता नही चलेगा ये सचमुच का हनुमान है पूरे भारत मे दंगे शुरू होने पर वो अपना प्रभाव दिखाएगा ।

□ गरुड़ आदि बिराजेते चाहिँना थिबे आज्ञामात्रे, दक्षिण द्वारे हनुवीर मोडुमथिब भुजतार, बोधिबे तार चक्रधर मर्त्यबैकुंठ हुए सार ।

भक्त गरुड़ व सभी वीर गण बैठकर प्रभु की आज्ञा की प्रतीक्षा करेंगे और सोच रहे होंगे कि प्रभु की आज्ञा पाते ही वो कैसे एक पल में समस्त यवन सेना का किस प्रकार से विनाश करेंगे। उनमें सामर्थ्य तो होगा पर बिना प्रभु की आज्ञा के वो यह नही कर पा रहे होंगे और तभी हनुमानजी (बेड़ी हनुमान) जो मंदिर के दक्षिण द्वार पर विद्यमान है। दक्षिण द्वार से प्रकट होकर कराल रूप धारणकर भीषण गर्जना करेंगे।

भविष्य मालिका के अनुसार विनाश समय में स्वबचाव और प्रभु प्राप्ति की सरल धारा को जानने के लिए संपर्क कीजिये ।

8967853267

9911819993

9355207153

<http://linktr.ee/kalkiavatar>

□ आषाढ पूर्णिमा क्षत्रिय वंशो रे, जन्मो माता हरि हर पूरे ।
द्वादश वर्षे कन्या रूपो धोरी, अदभुत चमत्कारी से शाकम्भरी ॥

□ पिता जे तांकरो न थिबो मातो, रणो जे एक मात्र विख्यातो ।
गुलाप देवी नामो रे आदिशक्ति विचारो, लोके माहा पूज्य हेबे कीर्ति हेबो विस्तारो ॥

अर्थात आषाढ पूर्णिमा में क्षत्रिय कुल में हरि हर पुर गाँव में एक कन्या जन्म लेगी जो बारह वर्ष में एक अदभुत चमत्कारी कन्या का रूप धारण करेगी, माता पिता का देहांत हो चुका होगा उनके पिता आर्मी में थे जिनका देहांत हो चुका है । वही गुलाप देवी आदिशक्ति होंगी लोग उनकी पूजा करेंगे उनकी किर्ति का विस्तार होगा ।

इनके बारे में मालिका में बहुत सारे दोहो को अचुतानंद ने लिखा है पर मैं सिर्फ दो चार दोहो का ही उल्लेख करते हुए लिख रहा हूँ कि ये आदिशक्ति दुर्गा का अवतार हैं लोग इनकी निंदा करेंगे और मारे जाएंगे, ये कल्कि अवतार से मिलेंगी इनके साथ देवी विरोजा, देवी विमला के अवतार भी चारों समय आने पर एक साथ मिल जाएंगे और दुष्टों का भयंकर रूप से संहार करेंगे

विडियो की लिंक भी दे रहा हूँ विस्तार से देखें ।

<https://youtu.be/GgtQR7jyUKY>

<https://youtu.be/bA4Q1AwShcw>

□ नीलो गिरी छाड़ी संभलनगरे जन्मो हेवे, महेंद्र गिरी पर्वते रही से योगो साथीबे । माता पद्मावती पिता अनंतो, शंख चक्र घेनी प्रभु हेबे उदितो ॥

अर्थात नीलगिरी (पुरी) छोड़ कर संभल नगर में जन्म लेंगे महेंद्र पर्वत पर योग साधना करेंगे, माता पद्मावती होंगी पिता अनंत, शंख चक्र चिन्ह के साथ भगवान प्रकाशित होंगे ।

□ शिखर दासो जे खंड गिरी थिबे, कल्कि दर्शन समये हेबे । गुलाप देवी जे सेठी मिड़ीबे, दुहींकरो लीला तोहीं होईबो भाबे ॥

अर्थात शिखर दास नामक भक्त खंडगिरि मे होगा, कल्कि दर्शन समय पर होगा । गुलाप देवी जा कर वहाँ मिलेंगी दोनों की लीला भाव में होगा ।

□ मने रखी थाओ, अठारह अंके फाल्गुन मासोरो । निर्घट फाटो पड़ीबो उत्तरे बड़ो आसीबो, दक्षिणो मांडि आसीबो समुद्र प्रवलोल ।

अर्थात् याद रखना अठारह अंक फाल्गुन महीने से उत्तर में हिमालय में दरार की शुरुआत होगी और दक्षिण में समुद्र तट की बढ़ने लगेगा ।

ये गुलाप देवी हैं जो दुर्गा की अवतार हैं और मालिका के अनुसार ये कल्कि अवतार के साथ कलियुग के 5118 वर्ष होने पर ही मिल चुकी है और उसी दिन से संहार लीला शुरू हो चुका है और इसी दिन से हिमालय में बार बार भूकंप और दक्षिण में समुद्र का बार बार तट का उलंघन करना शुरू हो चुका है । ये माता कभी कभी अदृश्य हो जाती हैं कभी प्रकट रहती हैं पर इनका कहना है इन्हें कुछ पता नहीं चलता एक शब्द सुनाई देता है और उसी शब्द के अनुसार ये कार्य करती हैं जो इनके पास आता है उन्हें माया करके लौटा देते हैं कुछ भी आशीर्वाद नहीं देती क्योंकि इनका कहना है किसी के कर्म फल में हस्तक्षेप ये नहीं कर सकती । अब मैंने कहा था दुर्गा के अवतार को दिखाऊंगा सो दिखा दिया अगले साल कल्कि अवतार के भी दर्शन कराऊंगा पर याद रखना भगवान के गोद में भी बैठे रहो कोई लाभ नहीं होगा ।

मालिका के अनुसार ये दुर्गा जी के अवतार हैं पर मालिका को मानने वालों के अंदर इन्हें देख कर कोई सिरहन पैदा हुआ कोई रोमांच कोई उत्साह पैदा हुआ जैसे हनुमान जी राम जी के दर्शन मात्र से गदगद हो उठते थे आंखों से अश्रु बहने लगते थे अपने आप को भूल कर मदहोश हो जाते थे ऐसा कुछ हुआ ऐसा कुछ भी नहीं हुआ इसलिए कहता हूँ कल्कि अवतार को देख कर भी लोगों के मन में शंका बनी रहेगी क्या ये भगवान के अवतार हैं क्योंकि वो साधारण मनुष्य से भी गए गुजरे हीन नजर आएंगे, इसलिए कहता हूँ साधना से ही भगवत कृपा मिलती है और अंतःकरण शुद्ध होता है उसके बाद भगवान की ओर जीव ऐसे ही अपने आप आकर्षित होता है जैसे शुद्ध लोहा अपने आप चुंबक की ओर आकर्षित होता है बिना तत्व ज्ञान के कुछ नहीं मिलने वाला और तत्व ज्ञान के लिए किसी के पास फुर्सत नहीं है एक किताब पढ़ कर एक बात सुन कर आप लोगो को भ्रम हो गया है मुझे ब्रह्म ज्ञान हो गया है और आप सनातन धर्म के ग्रंथों के विरोधाभास को किसी महापुरुष से न समझकर ही सनातन धर्म की बातें पोस्ट कर रहे हैं और उटपटांग अर्थ लगाकर धर्म विरोधी कार्य कर रहे हैं इसका दंड अवश्य मिलेगा और धर्म को राजनीति के लिए इस्तेमाल करने वालों को भी दंड मिलेगा भले ही ऐसे लोगों के आका बाद में मरेंगे पर इनके चमचे चेला 2024 का छट्ठा महीना देख नहीं पाएंगे दंड बराबर मिलेगा, भगवान ने मोबाइल टीवी आदि आविष्कार हमें प्रदान करके सबकुछ जानने देखने और समझने का मौका दिया था जानकारी बढ़ाने साझा करने का अवसर दिया था पर लोगों ने इसका दुरुपयोग किया इसकी सजा बराबर मिलेगी जो 2029 तक बचा रहेगा वही कल्कि अवतार को शंका रहित नजरों से देख सकेगा बाकी सभी पाखंडीयो के जाल में फंस कर उलझ कर भ्रमित हो भयंकर पीड़ा से कष्ट से मरेंगे अब भगवान भी इन्हें नहीं बचा सकते क्योंकि भगवान किसी के कर्म में या कर्म फल में हस्तक्षेप करते ही नहीं ये तो महापुरुषों की दया है जिनके कारण गिने चुने जीव ही भगवान का निरंतर चिंतन करते हुए भगवत कृपा प्राप्त करते हैं और रत्नाकर जैसे महापापी से बाल्मीकि जैसे महापुरुष बन जाते हैं सनातन धर्म में भगवान के दर्शन कर चुके मनुष्यों को महापुरुष कहते हैं इसलिए जो भी भगवान के दर्शन साक्षात् कर लेता है वही महापुरुष बन जाता है भगवान के द्वारा सिद्धा भक्ति प्राप्त कर चुके भक्त महापुरुष होते हैं और साधन भक्ति प्राप्त भक्त साधक कहलाते हैं।

☐देऊं देवता कू पाणी रे फोफाड़ीबे बूदावती फींगी देबे ।
मणीषो तोयारी कोरी छंती परा कोथा कहीबे की केबे ।।

अर्थात् देवी देवताओं को जल में फेंक देंगे तुलसी पींडी को फेंक देंगे और कहेंगे मनुष्य ने इन्हें बनाया है भला ये मूर्तियां कभी बातें करेंगे ।

एक हिन्दू ब्राह्मण ने ही हिन्दू मंदिर से जगन्नाथ जी के विग्रह को लात मारते हुए तालाब में फेंकने की कोशिश की और मंदिर में ही पाखाना (मानव मल) फेंक दिया इसके बाद प्रशासन हरकत में आया ।

महाभारत का शेष युद्ध भारत में अंतिम 13 महीने में होगा, जिसके बाद कलियुग पूरी तरह नष्ट हो जायेगा। इस युद्ध में तुर्की बड़ा आक्रमण करेगा। पर इस युद्ध में बड़ी मात्रा में मलेक्षो का विनाश होगा

विष्णुजशा घरे प्रभु जेहू जन्मिबे,
सुधर्मा सभा, जजपुरे आरंभिबे।

अर्थ: जब भगवान, विष्णु जश गान करके वाले ब्राह्मण के यहां जन्म लेंगे, तब जाजपुर से सुधर्मा सभा आरंभ करेंगे। स्वयं भगवान कल्कि इस सभा का आरंभ करेंगे।

भगवान की लीला उड़ीसा में शुरू हो चुका है मालिका वर्णित भक्त चौंसठ गोपालो में एक हरि हर दास अपने गुरु से दाहिने कंधे पर जनेऊ धारण करते हुए । चौंसठ गोपाल जो चौंसठ कल्कि अवतार के रूप में भ्रमण करेंगे उनमें से एक हरि हर दास त्रिपाठी भी हैं जैसे चौंसठ गोपालो में एक गोबर खा कर जिंदा रहने वाले गोबर बाबा भी हैं इन लोगों के हथेली पर शंख चक्र चिन्ह जन्म से ही मौजूद है ।

<https://www.youtube.com/watch?v=o2OEubNc0dY>

चौंसठ कल्कि अवतार विश्व में भ्रमण करेंगे वो सभी कल्कि अवतार ही होंगे इसी को पुराण मे कहा गया है कल्कि चौंसठ कला के होंगे वर्ना सोलह कलाओं से अधिक की कला नहीं होती है

□साधुंकू दिए जे कोषोणो, तांकू संहारे नारायणो ।

अर्थात साधु को जो तकलीफ देता है उसका नाश करते हैं नारायण

स्कूल , कॉलेज रहेंगे ही नहीं

"चौबीस रू लेखा यंत्र उलटी पड़ीबो,
कम्प्यूटरो मोबाइलो कामो न जे देबो,

कोलो कारोखाना सबू भांगी ण जे जीबो,
स्कूलो कोलेजो कोषागारो बंदो होई जीबो."

अर्थात:-

24 अंक से कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सब बंध पड़ जायेंगे। मोबाइल कुछ काम नहीं आएगा। 600 साल पूर्व पंचसखाओ ने कंप्यूटर और मोबाइल, स्कूल और कॉलेज के बारे में भी बता दिया था।

वाहन, कारखाने सब टूट पड़ेंगे यानी काम नहीं कर पाएंगे। स्कूल, कॉलेज, बैंक सब बंध हो जायेंगे।

यह 24 अंक या तो 2024-25 हो सकता है

□दूई हजार चौबीस मशीहा अंको आठो, ऐ अंको रो शनि ग्रह छाया पुत्रो, ऐ अंको चलन हौऊ थिबा समय रे, मीनो शनि भोगो होऊ थिबो पृथ्वी रे, अनेको वित्पातो मानो पृथ्वी रे होईबो, ब्रह्मांडो कंपी उठीबो धारीत्री थरीबो ।

अर्थात 2024 को जोड़ने पर आठ अंक होगा ये आठ अंक शनि ग्रह छाया पुत्र का होता है इस अंक का चलन जब होगा तब मीन राशि में शनि का भोग होगा। पृथ्वी पर अनेक उत्पात मचेंगे। ब्रह्माण्ड कांप उठेगा। धरती थर्रा उठेगी।

□मधु पूर्णिमा गुरूवारो रे , शून्य शब्दो सुभीबो कर्णो रे ।

अर्थात मधु (चैत्र) महीने पूर्णिमा गुरूवार को आकाश से शब्द कान में सुनाई देगा । इस पद में चैत्र महीना गुरूवार पूर्णिमा को गर्जना होने की बात बताई गई पर तारीख और समय नहीं बताया गया, समय और तारीख बताने के लिए अच्युतानंद आगे लिखते हैं

□भैरवी डाकीबो भुवनेश्वरो रे, चैत्र मासो जे गुरूवारो रे ।

अर्थात भैरवी भुवनेश्वर में चैत्र महीने गुरूवार को गर्जना करेगी पर इस पद में भी चैत्र महीने के साथ गुरूवार कहा और समय तारीख का उल्लेख नहीं किया

अब शिव कल्प निर्घट में इस घटना का साल और समय का उल्लेख करते हैं –

□चौबीस अंको मध्य रे हो जाणो, भैरवी डाकीबो निशा अर्धेणो ।

देवी विरोजा ध्यानो भांगीबो, एका डाको रे ब्रह्माण्डो पूरीबो ।।

अर्थात चौबीस अंक में अर्ध रात्रि में भैरवी गर्जना करेगी, देवी विरोजा की योगनिद्रा टूटेगी और एक गर्जना से ब्रह्माण्ड थर्रा उठेगा ।

भविष्य मालिका और भगवान कल्कि के बारे में अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें □

8967853267

9911819993

9355207153

<http://linktr.ee/kalkiavatar>

□भइरबी देब डाक चमकि पडिब सारा मुलक लो जाइफुल
तहिं नष्ट हेब थोकाएक ।

□भोबोनिस्वर रे भैरवी डाकिब बहुत लोक मरीबे, कहीबा गरुड़ आगकु शुनीबू जेमंते से नाश जिबे ।

हे गरुड़ भुवनेश्वर में भैरवी गर्जन करेगी और उसको सुनकर बहुत लोगों का मौत होगा। आगे कैसे लोग मरेंगे में तुम्हें बताऊंगा।

□भैरवी देब डाक ला बाउड, जान रे अल्प दिन। मालिका बचन ना होईब आन, देखिबे दुई नयने।।

अल्प दिन में ही भैरवी की डाक सुनाई देगी । मालिका का यह वचन मिथ्या नहीं होगा ये अपनी आँखों से देखोगे !

□मने रखी थाओ, अठारह अंके फाल्गुन मासोरो 1 निर्घट फाटो पड़ीबो उत्तरे बड़ो आसीबो, दक्षिणो मांडि आसीबो समुद्र प्रवलो1
अर्थात याद रखना अठारह अंक फाल्गुन महीने से उत्तर में हिमालय में दरार की शुरुआत होगी और दक्षिण में समुद्र तट की बढ़ने लगेगा 1

□ 24 रे महागोड़ उपजिबु बाबु, मीन-शनि होइथिबे गुप्ते रखिबु।

24 अंक में महायुद्ध का प्रादुर्भाव होगा और मीन शनि लग गुप्त में ही लग जाएंगे।

मालिका के अनुसार महातांडव का योग यानी मीन शनि कब आयेगा?

□ ठिकणा अच्युती काले, ठकी जिबे मिन शनि भले सूजने।

महापुरुष ने साफ साफ कहा है कि मीन शनि में वक्रत से पहले आ जायेगा।

astrologically यह 29 मार्च 2025 को हो रहा है, लेकिन महापुरुष के अनुसार यह पहले आ जायेगा।

□चौबीसी रु महागोड़ उपजिब बाबू, मीन-शनि होइथिब गुप्ते रखिबु।

यहाँ महापुरुष ने साफ-साफ कहा है कि मीन-शनि 24 अंक में ही होगा। और यह 24 अंक 2024 ही है यह नीचे की पंक्तियों से स्पष्ट हो जाता है।
महापुरुष ने यह बात गुप्त रखने को कहा था। □

मीन शनि कब आयेगा इस पर और एक मालिका पंक्ति नीचे है यहाँ हमें दिन, महीना और योग भी महापुरुष ने बता दिया है।

□ मीन शनि गुरुबारो रे पड़िबा एही अंके धुबा धुबा, मिथुन मासो रे 13 दिनों पक्ष, काला धरनी ग्रासीबो

मीन शनि गुरुवार को होगा, इसी अंक में सत्य होगा। 13 din का पक्ष: 23 June - 5 July 2024 में 13 दिन का पक्ष होगा, पूरे पृथ्वी में काल ग्रास करेगा।

एक और मालिका की पंक्ति से सब क्लियर हो जाता है कि यह योग 2024 में ही आयेगा, क्योंकि यहाँ साफ-साफ 2024 मशीहा लिखा है।

□ दूई हजार चौबीस मशीहा अंको आठो, ऐ अंको रो शनि ग्रह छाया पुत्रो, ऐ अंको चलन होऊ थिबा समय रे, मीनो शनि भोगो होऊ थिबो पृथ्वी रे, अनेको वित्पातो मानो पृथ्वी रे होईबो, ब्रह्मांडो कंपी उठीबो धारीत्री थरीबो 1

अर्थात 2024 को जोड़ने पर आठ अंक होगा ये आठ अंक शनि ग्रह छाया पुत्र का होता है इस अंक का चलन जब होगा तब मीन राशि में शनि का भोग होगा, पृथ्वी पर अनेक उत्पात मचेगा ब्रह्माण्ड कांप उठेगा धरती थर्रा उठेगी।

इन सभी मालिका पंक्ति के अनुसार मीन शनि गुरुवार के दिन आयेगा। फिर मिथुन मास में 13 दिन का पक्ष होगा [23 June - 5 July 2024] और महा तांडव होगा।

मीन शनि 2024 में ही लगेगा। 2 नवंबर 2024 को लग जायेगा और रहेगा 2027 मई तक। आगे के विडीयो में प्रमोद पुष्टि जी ने बताया है कि यही 2.5 साल में (2 नवम्बर 2024 - मई 2027) में पृथ्वी के 4 भाग में से 3 भाग के लोग खतम हो जायेंगे। बस 1 भाग के लोग बचेंगे।

- प्रमोद पुष्टि जी

<https://youtu.be/QGMhzCbdKH0>

"पड़िब चहरसर देशमुलकरे, जुद्धघोर लागिजिब देशबिदेशरे, बिदेशरे जेहूँजन स्त्रीपिला मेले, धाईबे ग्रामकु सेजे जीवन बिकले।"

जब सम्पूर्ण विश्व में विश्वयुद्ध छिड़ जाएगा, युद्ध की शुरुआत हो जाएगी तब विदेशों में रहने वाले भारतीय लोग अपने देश को लौटेंगे उन्हें लौटने का एक अवसर अवस्य मिलेगा। दरअसल यह विश्वयुद्ध कलियुग का अंतिम और महा विनाशकारी युद्ध होगा, ऐसी परिस्थिति में सभी भारतीय अपने देश को लौटेंगे कोई भी विदेशों में रहना नहीं चाहेगा। जो आज कहते हैं की भारत में या गांव में रहना उन्हें पसंद नहीं है वो सभी अपने गांव को लौट आएंगे क्योंकि उन्हें दूसरा कोई विकल्प रास नहीं आएगा।

तोके कहतुबे जनम हेलेणी दर्शन करीचीमुई। तो कहतुबे जन्म हेबे प्रभु ठार गार बूझो तुहि ।।

अर्थ - भगवान के भक्तों के द्वारा संसार को बार-बार विभिन्न तौर तरीकों से अवगत कराया जाएगा कि उन्होंने जगतपति भगवान का अपने चर्मचक्षुओं के द्वारा दिव्य दर्शन प्राप्त किये हैं एवं भक्तों के द्वारा श्रीभगवान के अवतरण (जन्म) की बात भी कही जाएगी पर कलियुग के प्रभाव व मायापति की माया के कारण लोग भक्तों की बातों को नजरअंदाज करेंगे व उन्हें मूर्ख जान उनका उपहास करेंगे।

मालिका सत्य हुई - 600 वर्ष पहले लिखी गई भविष्य मालिका ग्रंथ में 6 दिन पहले अनाउंस हुए कटक - भुवनेश्वर मेट्रो प्रोजेक्ट और उससे संबंधित वाणी कुछ इस प्रकार मिलती है -

"नुआ रेल रास्ता जेबे होइब कटके
सेही बेले हाणगोल छटकेनाटके
दिबसरे उलुका पात हेउथिब जाण
24 अंक रे एहा घटीबा जे पुण।
रानीहाट रु तुलसीपुर जे पर्यंत
बहुथिब नितिदिन मानव रकत
गृहयुद्ध हेब पुणि हिन्दु मुसलमान"

अर्थात: - जब ये कटक-भुवनेश्वर मेट्रो प्रोजेक्ट का काम आरंभ होगा उस समय एक भयानक युद्ध कटक (ओड़िशा) में होगा और उसी समय कटक के राणीहाट, तुलसी पुर आदि स्थानों में गृह युद्ध भी चलेगा।
अपने- अपने के बीच लड़ाई में बहुत लोग मृत्यु को जाएंगे, रक्तचाप होंगे। तब दिन के समय में भी उल्का पिंड गिरने लगेंगे। लगभग जो 24 अंक होगा उस समय में ये घटना होगी।

"चांदिनी चौक ठारे होइब समर
कटक रे बहुथिब रकत र धार,
हाण काट हेउथिब मंगला बाग र
पश्चिम दिग रू सन्य आसिबे तत्काल"

अर्थात: - ओड़िशा के कटक जिले के चांदिनी चौक पर हिन्दू मुस्लिम के बीच युद्ध होगा, बहुत बड़ी हिंसा होगी। कटक मंगला बाग में भी युद्ध होगी। उसी समय पश्चात् देशों में से सैनिक युद्ध करने के लिए आएंगे।

समाचार सौजन्य:-

<https://www.google.com/amp/s/www.jagran.com/lite/odisha/bhubaneshwar-odisha-metro-cm-naveen-patnaik-announced-metro-train-run-in-cuttack-bhubaneswar-puri-23373860.html>

जय श्री माधव ☐

मीनो शनि भोगो ठारूं महाभयो हेबो दिल्ली सम्राट के आसी विपदो पडीबो ।।

अर्थात शनि जब मीन राशि मे प्रवेश करेगा दिल्ली में प्रधानमंत्री भी विपदाओ से घिर जाएगा कैसे होगा ये और तब प्रधानमंत्री क्या करेगा

आगे बताते हैं।

गांधारो सेना जे बहू द्वंद्वी आरंभिबो ।।
छाड़ी पड़ाईबो केड़े बुद्धि न दिसीबो ।।

अर्थात गांधार सेना पाकिस्तान चीन और तेरह मुस्लिम देशो की सेना बहुत उत्पात मचाएगी जिससे प्रधानमंत्री की बुद्धि काम नहीं करेगी और सबकुछ छोड़कर प्रधानमंत्री चले जायेंगे।

अग्नि की देवी माता हिंगुला अचानक गाँव के बीच के नीम के पेड़ में प्रकट हो गई और पूरा इलाका चंदन कपूर तुलसी के सुगंध से महक उठा, देवता जाग्रत हो रहे हैं ।

मालिका भक्त बाबूल नाना ने चमत्कारी ग्रंथ ब्रह्माण्ड भूगोल मे देख कर बताया भगवान की आज्ञा से महादेव ने सभी देवी देवताओं को आदेश दे दिया है सभी अपनी हलचल तेज कर दें अपनी अपनी लीला को प्रकट करें और जगन्नाथ जी के भक्तों को संकेत दें जो कल्कि अवतार को ताके बैठे हैं ।

भविष्य मालिका में मोबाइल के बारे में क्या संकेत मिलता है...

☐ चारण चरण बारण होइब बरण न करी जन।
प्रेरण जंत्र रे मन रखी थिबे दुष्ट भाव निरेखीन।

उनके अनुसार कलियुग के लोग अच्छी बात करने वाले लोगों को पसंद नहीं करेंगे व अपने से बड़ों का सम्मान नहीं करेंगे। हमेशा उनका मन एक यंत्र में ही लगा रहेगा और प्रायः लोग उस यंत्र का दुरुपयोग ही करेंगे। संत अच्युतानंद दास जी उसे प्रेरण जंत्र (आज का मोबाईल) लिख रहे हैं।

ऐसे स्वामी जी ने सिनेमा के बारे में भी लिखा है कि ऐसा कोई चलचित्र चालू होगा जिसका शुरू में तो सदुपयोग होगा लेकिन बाद में अश्लील चीजें चलाए जाएंगे और उसका बड़े स्तर पर दुरुपयोग होगा। जैसा कि हम सब जानते हैं कि पहले की पिक्चरें कितनी अच्छी हरिश्चंद्र और कितनी धार्मिक पिक्चर निकलती थीं।

लेकिन आजकल सिनेमा का हाल कैसा है किसी से छुपा नहीं है, मालिका कभी झूठ नहीं हुई थी ना होगी। मालिका में क्रिकेट के बारे में लिखा हुआ है।

□अउ केते ग्रन्थ अछई गुप्त, ग्रन्थ अछि प्रभु पास ।
पद्मकल्प टिका समस्त भक्त महिमा कीर्ति प्रकास ।।

अर्थात् पद्म कल्प टिका नाम का ग्रन्थ जो अभी गुप्त है और भगवान् कल्कि के पास सुरक्षित है वोह ग्रन्थ प्रकाशित होगा तब उसमे सभी भक्तों के नाम उनके माता पिता के नाम, पूर्व जन्म के संस्कार, सत्य त्रेता और द्वापर में वोह क्या थे आदि माहिती भक्तों तक पहुंचेगी लेकिन वोह ग्रन्थ धर्म संस्थापना तक गुप्त ही रहेगा उसके बाद जब सुधर्मा सभा बैठेगी तब प्रभु इस ग्रन्थ का प्रकाश करेंगे ।

<https://youtu.be/Nu9SyBfL9Bs>

मालिका की भविष्यवाणियां

□दंभे भणिले अच्युति,
दधि धार तीरे गिरी लुचिछि, सुजने हो
(दृश्य) लीला होइब उत्पति, सुजने हो
□धिर बाणी अच्युतिर
धबल केतन गिरी ऊपर, सूजने हो
धराजिबे सेहिठारे चोर सुजने हो।

अच्युतानंद दास
(सुमरणा चौतीशा, अच्युतानंद रचनाबली
(कविता खंड), पृष्ठ- 207)

महापुरुष अच्युतानंद दासजी दृढ़ विश्वास के साथ कहते हैं कि क्षीर नदी के किनारे एक गुप्त पर्वत है, जहां से कल्कि भगवान की लीलाएं आरंभ होंगी। भगवान कल्कि धवलकेतन गिरि या धवलगिरि नामक स्थान पर भक्तों से छिप कर रह रहे होंगे, पर बाद में वहीं पर भक्तों से उनकी भेंट होगी। (पौराणिक कथा के अनुसार महर्षि अगस्त्य के शाप के कारण विंध्य पर्वतमाला का 'अष्टगिरि' (अर्थात्, आठ पर्वत) ओडिशा के जाजपुर में धंसकर जमीन के नीचे अदृश्य है। महापुरुष उन्हीं में से एक गिरि को इंगित कर रहे हैं।)

बारह हाथ खंडा धरि बेनि भाई, बहार होइब पुन।
महागोड़ युद्ध होइब सुचारे, पोके हेबे रणभन।
– पद्मकल्प टीका।
संत भीम भोई जी।

12 हाथ का खंडा(तलवार) लेकर दोनों भाई दोबारा सामने आएंगे और दुश्मनों से युद्ध करेंगे(दारू ब्रह्म वापस लेने के लिए शायद) ये घटना नेमाल वट के पास किसी वट के निकट घटित होगी।

2023 में ओडिशा में होने वाले जल प्रलय के बारे में मालिका वाणी

अब 2023 में प्राकृतिक आपदा का भी संकेत दे रहे हैं महापुरुष अच्युतानंद,,

पूर्वो रू दक्षिणो समुद्र बढीबो, दक्षिणे करीबो गादी ।
होईबो लहड़ी पड़ थिबो माड़ि, बड़ी देऊडो कू कांदी ॥
अर्थात् पूर्व और दक्षिण दिशा में समुद्र का जल बढ़ेगा लहरें विकराल रूप धारण करेंगी जिससे जगन्नाथ मंदिर पर संकट गहराएगा ।

बड़ी देऊडो कू धोक्का मारू थिबो, देखीबू तू नयनो रे ।
उतरांचल कू युद्ध रो प्रस्तावना, हेतू रोखी बू तू मोनो रे ॥
अर्थात् जगन्नाथ मंदिर में समुद्र की लहरें टकरा रहीं होंगी अपनी आंखों से देखना और उसी समय देश के उत्तरी सीमावर्ती राज्यों में युद्ध चल रहा होगा ।

नीलोचक्रो ठारू पताका छिड़िणो पड़ीबो समुद्र कूड़े ।
कल्कि रूपो कू चिंता पुणी हेबो नहिबे खीराब्बो मूड़े ॥

अर्थात् नीलचक्र से धर्म ध्वजा टूट कर समुद्र के किनारे गिरेगा और फिर से कल्कि अवतार की आशा लोग करेंगे, यहाँ महापुरुष ने फिर से कल्कि, ऐसा क्यों कहा क्योंकि पहले भी धर्म ध्वजा टूट कर गिरा है और कल्कि रूप की चिंता अर्थात् आशा लोगों को हुई थी जब फैलीन, फनी तूफान में धर्म ध्वजा टूट कर गिरा था पर माया बलवती है हालात सामान्य होने पर फिर से भूल गए, इसलिए महापुरुष ने लिखा है ध्वजा फिर से गिरेगा और फिर से कल्कि रूप की चिंता लोग करेंगे और इस बार समस्या इतनी गंभीर हो चुकी होगी जिससे फिर से नहीं भूलेंगे क्योंकि तब कहीं ओर से कोई आश ही नहीं बचेगी आंखों के आगे अंधेरा छाया रहेगा ।

दूई सून्य दूई तीन जे ठाबो, एमंते समये बाबू भोगो जे होईबो ।

इस दोहे से पक्का संकेत मिल रहा है ऐसा 2023 से ही शुरू होगा क्योंकि इस दोहे में कह रहे हैं दो शून्य दो तीन अर्थात् 2023 को याद रखना और इसी साल से मनुष्य अपने पाप का फल भोगेंगे ।

जय जगन्नाथ जय पंच सखा □□□□□□

शुण हे बारंग कहिबा से रंग प्रभु अबतार स्थान । श्री बिरजा क्षेत्रे जनम लभिबे अनन्त मिश्र गृहेण । जनम लभिबे गृह कु तेजिबे तपस्या करिबे जाइ । खण्डगिरि स्थान सिद्ध न्क सदन रहिबे से भाबग्राही ।

भावार्थ- अनन्त दास जी अपने शिष्य बारंग को कल्कि अवतार का स्थान बताते हुए कहते हैं कि महाप्रभु बिरजा क्षेत्र जाजपुर में अनंत मिश्र जी के घर में जन्म लेंगे। बाद में गृह को छोड़कर, खण्डगिरि, जो कि एक सिद्ध स्थान है, वहां पर जाकर तपस्या करेंगे।

कई जगह अलग नामों से प्रभु के माता पिता को कहा गया है मालिका में। लेकिन इस नाम से भी कहा गया है यह भी एक तथ्य है।

भविष्य मालिका में दिल्ली शहर के बारे में क्या लिखा है आइये जानते हैं।

□दिल्ली, बोम्बई, कलकत्ता, मद्रास जे जान

प्रथमें घहिला हेबा बोम्ब मदे पुन

□दिल्ली सहारा ति जान धन्स स्तूप हेबा प्रथम ।

रॉकेट माड सहिठारे टी हेबा ।

भारत के दुश्मनों का पहला हमला दिल्ली, मुंबई, कलकत्ता, मद्रास इन 4 जगहों पर होगा। साथ ही इन 4 जगहों पर युद्ध की तीव्रता सबसे ज्यादा होगी।

पहला हमला दिल्ली पर रॉकेट से होगा, और दिल्ली शहर में बहुत विनाश होगा। दिल्ली शहर ध्वंस का स्तूप बन के रह जायेगा।

□परमाणु जे बोमा जारा लागी बिदेसिब गारिमा,

देखाई भुवन्ति आज पाश्चात्य सेना,

ताहाँ फुटिबे नाही केणे जेबे मिलाई,

एहा देखी बिदेसीए जिबे पलाई।

अर्थात् – तृतीय विश्व युद्ध (2024-28) के समय भारत के शत्रु देशों द्वारा भारत पर परमाणु हथियारों का प्रयोग होगा। तब चक्रधर भगवान कल्कि द्वारा केवल इच्छा कर लेने मात्र से शत्रु देशों द्वारा प्रयोग किये गए सभी परमाणु बम व हथियार निष्क्रिय हो जाएंगे। तब सभी शत्रु देशों, यूरोपियन देश और चीन तथा पाकिस्तान के सैनिक भयभीत होकर अपने देश लौट जाएंगे तथा अपने छुपने के लिये स्थान तलाशेंगे और अपनी सुरक्षा करने के लिये विचलित हो जाएंगे।

□संवत्सर पांच सहस्त्र कली शेष होइबा,

सत्य जुग आद्य प्रकाश शुभ जोग होईबा।

हरी हरी शब्द मातीबे, हरी भक्त माने

कलयुग का अंत हो गया है।

अर्थ: 5000 वर्ष बाद कलियुग खत्म होकर आद्य सतयुग का प्रकाश होगा। सब ओर भक्त लोग हरी हरी शब्द करेंगे हाड़ीदास मालिका

□कलिकाता जे सहारा पोड़ी जाली हेबा कि नार खारा लो जाईफूल ये हेब भारत समर सारा रे

जब भारत, चीन और पाकिस्तान के बीच युद्ध होगा महाभारत युद्ध का 'एक बेला' (एक दिन का हिस्सा) युद्ध शेष है।

उस युद्ध के प्रभाव से चीन द्वारा कोलकाता शहर पर एक बड़ा हमला होगा।

उस हमले की वजह से कोलकाता शहर के कई जोन आग की चपेट में आ जाएंगे।

कोलकाता में आग से भयंकर विनाश होगा, और कुछ क्षेत्र जल कर राख हो जाएंगे।

अमेरिका यूरोप महादेश जाण, स्थिति हराइब तार बिसाक्तह पबन, सबोरी ध्वंसर कारोन अमेरिका जाण, निश्चिन होइब जुद्धे गरबिय टेपुनः

अर्थात्- अमेरिका और यूरोप के देशों की स्थिति बहुत बुरी होगी विशाक्त हवा फैल जायेगा। इसका कारण परमाणु बम हो सकता है जिसके कारण हवा जहरीला हो जायेगा।

इन सब ध्वंस का कारण अमेरिका होगा।

कौवे मर रहे हैं अब इनके मरने का कारण कुछ भी हो पर मालिका के अनुसार अब 2029 से धरती पर सिर्फ सफेद कौवे ही नजर आएंगे और ऐसे ही पशु रूपी मानव भी नहीं रहेंगे सिर्फ वही मानव दिखाई देंगे जो मानवता से परिपूर्ण होंगे।

पुलीन पांडा जी के हिंदी मालिका विडिओ मे बोला हे की भक्त के शरीर 14 निशानियो मे से कोई एक निशाणी होगी।।

ताके देवी देवता उन्हे बचा सके और योगिनी वगैरे उन्हे ना संहार कर सके।।

विडिओ- सत्य भांजा हिंदी

□तस्तुमुल संघाते वर्तमाने युग क्षये।

यदा चन्द्रश्च सूर्यश्च तथा तिष्य बृहस्पति॥

□एक राशौ समेष्यन्ति प्रयत्स्यति तदा कृतम्।

कालवर्षी च पर्जन्यो नक्षत्राणि शुभानि च॥

□क्षेमं सुभिक्षमारोग्यं भविष्यति निरामयम्॥

(महाभारत, वन पर्व 1।90)

इसमें कहा गया है कि- "जब चन्द्रमा, पुष्य, नक्षत्र और बृहस्पति एक राशि पर समान अंश में हो जायेंगे, तब पुनः कलि की अंतर्दशा समाप्त होकर सतयुग की अंतर्दशा आरम्भ होने का समय आ जायगा। उस अवसर पर सर्वत्र बड़ी संघर्ष और हलचल की स्थिति होगी। इसके पश्चात् फिर यथासमय वर्षा होकर सब पदार्थों की बहुतायत और सुभिक्ष होगा और सब लोग स्वस्थ तथा सुखी होंगे।" ज्योतिर्विज्ञान के ज्ञाताओं के मतानुसार ऐसा योग सन् 1943 में आ चुका है उक्त ग्रह-योग के आने पर एक दिन में पुराना युग समाप्त होकर नया युग पूरे लक्षणों सहित आरम्भ हो जायगा। शास्त्रों में युगों का हिसाब बतलाते हुये कह दिया है कि जिस युग की अंतर्दशा जितने हजार वर्ष की होती है उतने ही सौ वर्ष की उसकी संध्या और संध्याँश भी होती है। अर्थात् जिस प्रकार सतयुग की अंतर्दशा 4000 वर्ष की है तो उसके आगे-पीछे 400-400 वर्ष का समय ऐसा व्यतीत होगा जिसमें उस युग की क्रमशः उन्नति अथवा अवनति होगी। इसी प्रकार सन् 1943 में जो कलि की अंतर्दशा समाप्त हुई है उसका संध्याँश 100 वर्ष तक चलेगा अर्थात् उसके समाप्त होने का संघर्ष और हलचल सौ वर्ष तक चलते रहेंगे और उनमें होकर क्रमशः नये युग का आविर्भाव होगा। उसके पश्चात् भी सतयुग की अंतर्दशा एकदम न आ जायगी, वरन् उसकी 400 वर्ष तक की संध्या आरम्भ होगी जिसमें क्रमशः होते हुये सन् 2500 में सतयुग की वास्तविक अवस्था दिखाई पड़ने लगेगी।

रे मन धीरज क्यों न धरे,
सम्बत दो हजार के ऊपर ऐसा जोग परे।
पूरब पश्चिम उत्तर दक्षिण,
चहु दिशा काल फिरे।
अकाल मृत्यु जग माही व्यापै,
प्रजा बहुत मरे।

सवर्ण फूल वन पृथ्वी फुले,
धर्म की बैल बढ़े।
सहस्र वर्ष लग सतयुग व्यापै,
सुख की दया फिरे।

काल जाल से वही बचे,
जो गुरु ध्यान धरे,
सूरदास यह हरि की लीला,
टारे नाहि टरे।।

रे मन धीरज क्यों न धरे
एक सहस्र, नौ सौ के ऊपर
ऐसो योग परे।
शुक्ल पक्ष जय नाम संवत्सर
छट सोमवार परे।

हलधर पूत पवार घर उपजे, देहरी क्षेत्र धरे।
मलेच्छ राज्य की सगरी सेना, आप ही आप मरे।
सूर सबहि अनहौनी होई है, जग में अकाल परे।
हिन्दू, मुगल तुरक सब नाशै, कीट पतंग जरे।
मेघनाद रावण का बेटा, सो पुनि जन्म धरे।
पूरब पश्चिम उत्तर दक्खिन, चहु दिशि राज करे।
संवत 2 हजार के उपर छप्पन वर्ष चढ़े।
पूरब पश्चिम उत्तर दक्खिन, चहु दिशि काल फिरे।
अकाल मृत्यु जग माहीं ब्यापै, परजा बहुत मरे।
दुष्ट दुष्ट को ऐसा काटे, जैसे कीट जरे।

माघ मास संवत्सर व्यापे, सावन ग्रहण परे।
उड़ि विमान अंबर में जावे, गृह गृह युद्ध करे।
मारुत विष में फैके जग, माहि परजा बहुत मरे।
द्वादश कोस शिखा को जाकी, कंठ सू तेज धरे।

सौ पे शुन्न शुन्न भीतर, आगे योग परे।
सहस्र वर्ष लों सतयुग बीते, धर्म की बेल चढ़े।
स्वर्ण फूल पृथ्वी पर फूले पुनि जग दशा फिरे।
सूरदास होनी सो होई, काहे को सोच करे।

विक्रम संवत 1900 के बाद ऐसा समय आएगा कि चारों ओर मारकाट मचेगी। उस वक्त जय नामक संवत्सर होगा। हिन्दू, तुर्क, मुगल सभी कीट-पतंगों की तरह मरेगे। अकाल और सूखा होगा। मलेच्छ राज्य की सभी सेना अपने आप ही मारी जाएगी। रावण का बेटा मेघनाद पुनः जन्म लेगा और तब भयंकर समय होगा।

सूरदासजी कह रहे हैं कि हे मन तू धैर्य क्यों नहीं रख रहा, संवत 2000 में ऐसा भयंकर समय आएगा जिसमें जिसमें चारों दिशाओं में काल का तांडव होगा, हर जगह अकाल मृत्यु यानी बेमौत मारे जाएंगे। इस भयंकर समय में प्रजा बहुत मरेगी। पृथ्वी पर युद्ध जैसी तबाही होगी जिसमें बड़ी संख्या में लोग मरेगे। उसके बाद एक किसान के घर एक महात्मा पैदा होगा जो शांति और भाई चारा स्थापित करेगा। एक धर्मात्मा इस विनाशकारी समय को वश में करेगा और लोगों को धर्मज्ञान की शिक्षा देगा।

इस भविष्यवाणी में जिस महान आध्यात्मिक नेता की बात की जा रही है कुछ लोग उसे अपने अपने गुरु से जोड़कर देखते हैं। कुछ लोग मानते हैं कि यह भविष्यवाणी संत रामपाल और कुछ लोग इसे बाबा जयगुरुदेव से जोड़कर देखते हैं।

उल्लेखनीय है कि उपरोक्त छंदों में जिन संवतों का उल्लेख किया गया है वह काल व्यतीत हो चुका है। जैसे संवत् 2000 के ऊपर ऐसा जोग परे जिसका अर्थ है कि अंग्रेजी सन के अनुसार 1942 के बाद ऐसा होगा। दूसरे छंद में एक सहस्र, नौ सौ के ऊपर ऐसी योग परे।

शुक्ल पक्ष जय नाम संवत्सर छठ सोमवार परे। अर्थात् संवत 1900 अर्थात् अंग्रेजी सन् 1842 में यह स्थिति थी। तीसरा छंद में कहा गया है कि संवत 2 हजार के ऊपर छप्पन वर्ष चढ़े अर्थात् अंग्रेजी सन् 1998 में यह घटना घट चुकी है।

1842 के बाद भारत में अंग्रेजों के खिलाफ असंतोष पनपना और 1857 में क्रांति हुई जो असफल हो गई। फिर 1942 में स्वतंत्रता आंदोलन चला और दुनियाभर में मारकाट मची थी। महात्मा गांधी और सुभाषचंद्र बोस के नेतृत्व में भारत को आजादी मिली लेकिन विभाजन और दंगे का दर्द भी रहा। 1998 के बाद भारत में पविर्तन की लहर तेजी से फैल रही है। इस बीच कौन है वो मसीहा जो भारत को 21 वीं सदी में विश्व गुरु बनाएगा?

विजयाभिनन्दन बुद्धजी, और निष्कलंक इत आय।
मुक्ति देसी सबन को, मेट सबै असुराय॥
एक सृष्टि धनी भजन एकै, एक ज्ञान, एक आहार।
छोड बैर मिलै सब प्यार सों, भया जगत में जैजैकार॥
कहा जमाना आबसी झूठा और नुकसान।
यार असहाब होसी कतल, तलवार उठसी सब जहान॥
अक्षर के दो चश्मे, नहासी नूसर नजर।

बीस सौ बरसों कायम होसी बैराट सचराचर॥

प्राणनाथ जी का यह भी कहा है कि बीसवीं शताब्दी में जब यह युग-परिवर्तन का कार्य पूर्ण हो जायगा और एक विराट (विश्वव्यापी) दैवी विधान समस्त देशों में व्याप्त हो जायगा। तब विभिन्न मतमतान्तरों की द्विविधा मिट कर सब लोग एक ही पर-ब्रह्म को स्वीकार करेंगे, एक ही उपासना पद्धति पर चलेंगे, एक ही मान्यतायें होंगी और रहन-सहन, खान-पान में ही एकता पैदा हो जायगी। उस समय आपस की फूट, बैर का अन्त हो जायगा, सब सद्भावपूर्वक रहते हुये दैवी-जीवन व्यतीत करने लगेंगे। यही आदर्श आजकल संसार के समस्त अध्यात्मवादी विद्वान स्वीकार कर रहे हैं और इसी का प्रचार किया जा रहा है।

पंजाब में एक प्राचीन कहावत गुरु नानक के नाम से प्रसिद्ध है कि- “जब आवे संवत बीसा, तो मुस्लिम रहे न ईसा।” इसका आशय यही है कि बीसवीं सदी में मुसलमान और ईसाइयों में ऐसा भयंकर युद्ध होगा कि दोनों की अत्यन्त बर्बादी हो जायगी।

श्री एन.के. बोस का कथन है कि- “मैंने रावण के ज्योतिष सूत्रों का विशेष रूप से अध्ययन करके यह निष्कर्ष निकाला है कि 1962 के आरम्भ में ही अष्टग्रही योग भावी विपत्ति के बीज बो देगा जिसके फल से अवस्था लगातार गम्भीर होती चली जायगी। सन् 1964 में जब शनि और गुरु वृश्चिक राशि में आयेंगे तो इसका प्रत्यक्ष फल दृष्टिगोचर होने लगेगा

कुछ वर्ष पहले तिब्बत के एक लामा ने योरोप के जगत प्रसिद्ध विद्वान और चित्रकार रोरीश को बताया था कि-दुनिया की पार्थिव शक्ति के ऊपर धर्म की शक्ति की विजय चंबाला युग (सतयुग) में होगी जो जल्दी ही शुरू होने वाला है। यहूदी लोगों का भी ख्याल है कि उनके धर्मग्रन्थों में बतलाया ‘मुएर गजर’ नामक युग जल्दी ही शुरू होगा। ईरान में अली के अनुयायियों (शिया सम्प्रदाय) वालों का भी ऐसा ही विश्वास है कि उनके ‘मेंहदी’ जल्दी ही प्रकट होकर न्याय का राज्य स्थापित करेंगे। जापानी लोगों का विश्वास है कि उनका ‘अवातेरी’ युग (सतयुग) कुछ समय बाद प्रारम्भ हो जायगा।

<http://literature.awgp.org/akhandjyoti/1967/July/v2.5>

□अणोचासो खंडो पवनो बहिबो पर्वतो दोहली जिबो ।
पर्वत गुहारे भक्तो रखीबो नेई करी बोड़ो देवो ॥

अर्थात् भयंकर आंधी तूफान होगा पर्वत दहल उठेंगे तब पर्वत के गुफाओं में शेषनाग के अवतार बलदेव भक्तों को बचा कर रखेंगे ।

□बल बुद्धि विद्या न थिबो काहारो सर्वे हेबे एकाकारे ।
एकई पत्रो रे अन्न भूजूं थिबे देखीबो बेनी नेत्रो रे ।

अर्थात् बल बुद्धि विद्या अहंकार सब छू मंतर हो जाएगा सब एक हो जाएंगे एक ही पत्ते पर भोजन कर रहे होंगे कौन ब्राह्मण कौन हरिजन कौन क्षत्रिय कौन सूद्र सभी एक ही थाली में भोजन कर रहे होंगे क्योंकि भयंकर आफत भुखमरी आदि फैल चुका होगा ये घटना अपनी आंखों से देखोगे ।

□एही कथा मानो निश्चय घटिबो रेवती दूई गुणे एको ।
भक्तों मानकों शक्ति फेरिबो सुणो तू ब्रजो नायको ॥

अर्थात् ऐसा कब होगा रेवती अर्थात् नक्षत्र 27 तो 27 को 2 से गुणा करने पर 54 होता है और 54 में एक जोड़ देने पर 55 होता है अर्थात् गजपति दिव्य सिंह देव के सिंहासन पर बैठने के 55 साल जब हो जाएंगे (2025) तब ये घटना घटेगी । और उसी दिन भक्तों को दिव्य शक्तियाँ प्राप्त होंगी ।

□ सुनो रामदास हेब मोरा बास गृहस्थ पराय मुहि सन्यास । रा छिन्न किचिह न रहिब । तोरा आगरे देलू कही ।

अर्थात् सुनो रामदास मैं एक गृहस्थ की तरह रहूँगा । संन्यास का कोई चिह्न नहीं होगा ये तुम्हारे आगे प्रकाश कर दिया ।

□ बुली ग्राम देश बोलिबे सर्वे अनंत घोषा ।

अर्थात् गाँव गाँव जाकर प्रभु भक्तों के माध्यम से सब को अनंत घोष (अनंत माधव) नाम जपना सिखायेंगे ।

□ छंद कपटी जेतक छद्मे आसन्ति । छंदकथा कही प्रभु ।
ता मन तोशांति । छलाइन हे । छामु रु से जांति पलाइण हे ।

अर्थात् भगवान् छद्म वेश में एक आम आदमी की तरह रहेंगे । जब दुष्ट और कुटिल लोग भक्तों का भेष बनाके उनके पास आयेंगे प्रभु उनसे मजाकिया ढंग से बातचीत करके भ्रमित करेंगे । फल स्वरूप उस तरह के लोग उनपे संदेह करके वहां से भाग जायेंगे ।

□ निर्माल्य भूजाई लीला करुथिबे भक्त घरे भगवान् ।

अर्थात् भगवान् अपने भक्तों को निर्माल्य (प्रसाद) का सेवन कराके खेल और कौतुक में दिन बिताएंगे ।

□ जन्म होइबू जाजनगरे । गर्भ बहार हेबू निशा अर्ध रे ।

अर्थात् प्रभु का जन्म जाजपुर में होगा और आधी रात में प्रभु गर्भ से बहार आयेंगे ।

□ डाहण अंगरे बलदेब टी रहीबे ।

बामभागे चक्रधर संबुत होइबे

- बाल्मीकि कल्प, अच्युतानंद दास

अनुवाद:

दाहिने अंग में होंगे श्री बलभद्र ।

चक्रधर बाईं ओर होंगे

अर्थ:

दो भाइयों (श्री जगन्नाथ और श्री बलभद्र) की संयुक्त शक्ति भगवान कल्किराम के अवतार में प्रकट होगी । #kalki

मालिका के अनुसार तेरह दिन वाला पक्ष कलयुग के अंत में तेरह बार होगा । महाभारत युद्ध के समय भी ऐसा हुआ था 1999 के तूफान फैलीन तूफान हुदहुद तूफान और फिर फनी तूफान के वक्त भी तेरह दिन वाला पक्ष हुआ था शायद अफान के वक्त भी आया था केदारनाथ प्रलय के वक्त भी तेरह दिन वाला पक्ष हुआ था । अब ज्योतिषों को कैसे मालूम नहीं चला इस पर अच्युतानंद ने कहा हैं खडिका रो खड़ी बणा हेई जीबो तिथि लग्न न मिडिबो अर्थात् ज्योतिषों की गणना सटीक नहीं होगी तिथि लग्न नहीं मिलेगा । इस बार फिर से तेरह दिन वाला पक्ष सितंबर महीने में हो रहा है ।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष यानि सितम्बर में दो तिथियां गायब होंगी । सितंबर में भाद्रपद शुक्ल पक्ष तेरह दिनों का होगा 8 सितंबर से 20 सितंबर 2021 तक तेरह दिन का पक्ष होगा । इस संबंध में ज्योतिषों में भी मतभेद है कुछ कह रहे हैं ऐसा होगा कुछ कह रहे हैं नहीं ऐसा नहीं होगा । पर अच्युतानंद ने तो कहा है ज्योतिष गणना काम नहीं करेगी । हालांकि कुछ ज्योतिषों ने कोरोना खत्म होने की भविष्यवाणी की थी पर उनकी गणना सटीक सिद्ध नहीं हुई । खैर ये देखना है तेरह दिन वाला पक्ष 1999 से कितनी बार हुआ क्योंकि जितनी बार तेरह दिन वाले पक्षों की संख्या बढ़ती जाएगी खतरा भी बढ़ता जाएगा और जब तेरह बार पूरे हो जाएंगे अच्युतानंद के अनुसार कलयुग सम्पूर्ण रूप से खत्म हो जाएगा ।

जय श्री माधव□□

#13dinapaksh #kaliyugaend

शिशु अनंत अपने शिष्य बारंग से कह रहे हैं ।

□ आपणो मुखो रू प्रभु आज्ञा कोरो पुणो ।

निर्धनी होईबे भक्तो उत्कलो भुवनो ॥

अर्थात् अपनी मुख से भगवान् की आज्ञा से कह रहा हूं उत्कल प्रदेश में भक्त निर्धन हो जाएंगे ।

□ भक्तों कू नाना कोषोणो पड़ीबो न मिड़ी बो अन्नो जोड़ो ।

माता सुतो लीड़ा भक्तो रूड़ी सूणी इंद्र पृथ्वी न पाड़िबो ॥

अर्थात् भक्त को नाना प्रकार के दुख मिलेंगे अन्न जल नहीं मिलेगा । माता पुत्र भक्तों के चीत्कार सुनकर इंद्र पृथ्वी का पालन पोषण नहीं करेगा ।

□ अब शिष्य बारंग अपने गुरु से पूछ रहे हैं

भक्तों स्थाने स्थाने लीला केमंते करीबे ।

प्रभुको सेवा रे भक्तो केमंते खोटीबे ॥

अर्थात् हे गुरु देव ऐसे में भक्त जगह जगह लीला कैसे करेंगे भगवान् की सेवा के लिए कैसे काम करेंगे ।

अब शिशु अनंत कह रहे हैं ।

□ सुणो हे बारंगो एहा गोपनीय कथा ।

सुणीले तुम्होरो मोनोरू जीबो सबू व्यथा ॥

अर्थात् हे बारंग तुम्हारा प्रश्न उचित है पर मैं तुमसे एक गोपनीय बात बता रहा हूं जिसे सुनकर तुम्हारे मन की व्यथा चली जाएगी ।

□ द्वापर युगो रे प्रभु विचार करीणो ।

ठाबे ठाबे रखीछंती गुप्ते सुवर्णो ॥

अर्थात् द्वापर युग से भगवान् ने विचार करके पहले ही गुप्त रूप से जगह जगह अपार सोना रखा है ।

□ विरोजा दक्षिणो भागे अच्छी चारी खादो ।

हीरा मोती माणिको सुवर्णो अछी साद्यो ।।

अर्थात विरोजा मंदिर के दक्षिण भाग मे चार भंडार हैं जहां हीरे मोती स्वर्ण रखे हैं।

□ मणी भद्रे नामे एको जाजनग्रे अछी ।
अमापा सूनीया कूपे गुप्तो रखी अछी।।

अर्थात जाजपुर मे मणिभद्र नामक एक जगह है जहां अकूत धन संपदा एक कूप मे रखा हुआ है ।

□ अखंडेश्वरो ठारे दक्षिणो भागो रे ।
सुवर्ण पाषाणो कूपे रत्न भंडारे ।।

अर्थात अखंडेश्वर महादेव मंदिर के दक्षिण भाग मे एक सोने का और एक पत्थर का बड़ा सा घड़ा है जिसमे रत्नो का भंडार है ।

□ साठिऐ लखो रत्न जे वावनो सहस्रो ।
गुप्तो रे रखी छंती प्रभु पीतोवासो ।।

अर्थात इन घड़ो मे 6052000 रत्न और सुवर्ण मुद्राएँ रखे हैं गुप्त रूप से भगवान ने।

□ धनिया गिरी रे धनो रही अछी से दिनो दुर्दिनो पाई ।
मानधाता धर्मराजो रखी गोले कलीयुगो लीला पाई।।

अर्थात कटक छतिया वट के नजदीक धनिया गिरी पर्वत पर भी राजा मानधाता ने त्रेतायुग और युधिष्ठिर ने द्वापर युग से धन रखकर गए हैं कलयुग मे होने वाली लीलाओ के लिए ।

□ वैतरणी नदी तीरे सुडम पुरो ग्रामो।
सोमोवंशी राजा तोही रखी थिबे धनो।।

अर्थात सोम वंशी राजाओ ने भी वैतरणी नदी के किनारे सुडम पुर नामक गांव मे बहुत धन रखा है जहां पत्थर पर देव नागरी लिपी मे कुछ लिखा हुआ है।

□ जाजो पुरो नूपो वरो सूर्य वंशे जातो ।
अनेक कीर्ति करी जाई छंती जगते विदितो।।

अर्थात जाजपुर मे एक सूर्य वंशी राजा हुआ था जिसने अनेक कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

□ मुगूनी पत्थरे बांधी कूपो गोटी ।
उपरे लूहा किणीनी देई बांधीबोटी।।

अर्थात इस सूर्यवंशी ने भी कलयुग के अंत समय के लिए एक कूप मे धन रख दिया है और उस कूप के उपर लोहे के जंजीर से बांधकर ताला लगा दिया है।

□ आऊ किछी धोनो अछी राजगीरी ठारे।
शंख लिपी रे लेखा अछी सेठारे ।

अर्थात और कुछ धन राजगीर पर्वत पर है वहां शंख लिपी मे लिखा हुआ है।

□ बहुतो धनो अछी पद्म नाभो ठारे ।
गरूडो मंत्रे बांधी अछी से ठारे।।

अर्थात बहुत धन गरूड मंत्र से बंधा हुआ पद्मनाभ के पास है।

□ आहूरी बहुतो धनो अछी भारतो रे ।
केते मूं सूणाईबी बाबू तोते बारंगो रे।।

अर्थात हे शिष्य बारंग भारत वर्ष मे और भी बहुत धन गुप्त रूप से है पर मै तुम्हे और कितना सुनाऊंगा।

#treasures #malikaplace
जय श्री माधव □□

प्रभुजी का जन्म स्थान के महिमा के बारे में महापुरुष अच्युतानंद जी की " गरुड़ गीता" में बर्णना

- दस्वाशनी घाट बैतरणी तट बराहनाथ र नाथ, गुपते सकले रही छंती तहिं सुन बिनता र सुत।
[बिनता नंदन गरुड़ के पूछने पर महाप्रभु अपनी कल्कि अवतार के जन्म स्थान के बारे में बोलते हैं कि बैतरणी नदी के तट पर जहां दस्वाशनी घाट और बराहनाथ का मंदिर है वहीं मेरा जन्म होगा।]
- कोटि कोटि साधु जहिं बसिछंती बैकुंठ र ठाब जहिं, स्वर्ग रु जे ब्रह्मा आसिण गरुड़ जग्र्य कले सेई थाई।
[वहां कोटि कोटि साधु हैं, वह मर्त्य बैकुंठ है जहां पर ब्रह्मा आकर यज्ञ कियेथे।]
- सुन हो गरुड़ बिनता कुमार तू जेनू भक्त मोर, तेनु तोहठारे फिटार्ई कहूची माया नाहीं तोह ठार।
[हे बिनता सुत गरुड़ तू मेरा प्रिय भक्त है, इसीलिए मैं बिना माया किए तुमको सब साफ़ साफ़ बता रहा हूं।]
- देवी बिरजाई बीजे करिछंती जगत जननी सेही, जोग्री संगे घेनी बाट जगिछंती केही पसी ना पारई
[देवी बिरजा जो की जगत की जननी हैं अपनी जोगनियों को साथ लेकर वहां का रास्ता की पहरे दारी कर रहीं हैं , कोई भी प्रवेश नहीं कर सकता है।]
- जाऊंली बंध जाहाकू बोली कही जाऊंली कबाट कही, से जे छड़ चक्र पंचास अक्षर आदीमाता बीजे तहिं।
[वहां पर जाऊंली कपाट है जहां आदिमाता बीजे किए हुए हैं।]
- शुभ स्तंभ ब्रह्मा पोतिले से ठारे पृथ्वी धारण टी सेही, जोग लय करी ओंकार कू स्मरी बसीछंती महामाई।
[वहां ब्रह्मा जी ने शुभ स्तंभ का स्थापना की है जो की पृथ्वी को धारण किया हुआ है और उधर महामाया ॐ कार का जाप कर के बैठी हैं।]
- से स्थान महिमा नहीं ना उपमा सुन बिनता नंदन, पितृ गण जम दंड रु तरंती जहिं कले पिंड दान।
[उस स्थान का महिमा इतना है कि इसकी उपमा नहीं दिया जा सकता है। उधर पिंड दान देने से पितृलोक का उद्धार होता है।]
- भोबोनिस्वर रे भैरवी डाकिब बहुत लोक मरीबे, कहीबा गरुड़ आगकु शुनीबू जेमंते से नाश जिबे
[हे गरुड़ भुवनेश्वर मैं भैरवी गर्जन करेगी और उसको सुनकर बहुत लोगों का मौत होगा। आगे कैसे लोग मरेंगे मैं तुम्हें बताऊंगा।]
- एमंत सुणीण बिनता नंदन पद्म चरणें पड़िला, निस्तरिली बोली कर पत्र जोड़ी शोक भरेण कहिला।
[इसको सुन कर गरुड़ प्रभुजी की चरणों में गिर गया और शोक में अधीर होकर बोला प्रभु ये सब बता कर आपने मेरा उद्धार कर दिया।]
- गरुड़ बिनती देखी जदुपती गरुड़ कू उठाईले, कहई अच्युत कर पत्र जोड़ी गरुड़ आनंद हे ले।
[गरुड़ की बिनती देख कर जदूपती बने उनको उठाया। महापुरुष अच्युत बोलते हैं कि गरुड़ गहरे आनंद में समागया।]

#kalkiplace #jajpur #bhubaneswar

कलकत्ता सियालदह मे अच्युतानंद कल्कि के साथ यज्ञ करेंगे जैसे ही यज्ञ शुरू होगा दक्षिणेश्वर काली घोर गर्जना करेगी पूरे भारत मे गर्जना सुनकर भगवान के भक्त कलकत्ता सियालदह की और दौड़ेंगे भक्तों का जमावड़ा होते ही पागल इंजन जंजीर तोड़ कर पटरी पर दौड़ने लगेगा फिर भक्त इंजन के पीछे पीछे जगन्नाथ पुरी की ओर रवाना होंगे जब पुरी स्टेशन पर इंजन रूकेगी पंडो के बीच हाहाकार मच जाएगा तभी कलकत्ता दक्षिणेश्वर काली मंदिर पर परमाणु बम गिरेगा जैसे ही परमाणु बम गिरेगा ग्लेशियर फट जाएगा भयंकर बाढ़ गंगा मे आएगी हरिद्वार काशी मे भयंकर तबाही मच जाएगी ।

#atombomb #bhairavidaak #yagya #kolkata

भारत के अंतिम राजा कौन होंगे इस बारे में भविष्य मालिका से कुछ तथ्य

- अंतिम शासक सेही थिब, नरेन्द्र नाम बोलाई थिब ।
- अंतिम राजा थिब सेही जोगी रुपे थिब सेही ।
- अंतिम शासक आसिब जे गुजराष्ट्र रु थाई ।
भारत कु शासन करीब आनंद थाई ।

#pm #politics #modi

कटक जिले का बीरभद्र महादेव मंदिर जिसे विक्रमादित्य ने पुनरुद्धार कराया था इस मंदिर मे विक्रमादित्य के काल से भी हजारों वर्ष के पहले से ये पत्थर का नंदी है और मालिका के अनुसार वक्त आने पर इस मंदिर के नीचे स्थित गुफा का रास्ता खुल जाएगा और पाताल लोक से पाताल लोक के जीव बाहर आएंगे इस मंदिर मे स्थित ये नंदी बल की मूर्ति भी रहस्यमय है इस नंदी के शरीर और गले मे जो माला जंजीर जैसा है उनमें जो एक एक कड़ी है वो एक बार गिनने पर 108 कड़ीयां होती है पर दूसरी बार गिनने पर 115 हो जाती है ऐसे ही तीसरी चौथी बार गिनने से और बढ़ जाती है जितनी बार गिनो संख्या बढ़ती ही जाती है ।

#malikaplace #odisha

□ सातो दिनो अंधोकारो हेबो जे मही रे ।
स्वामी कंरो गला काटी देबे से रात्रि रे ।।

स्त्री सबू योग्री रूपो धारणो करीबे ।
पुरुषो मानोकंरो रक्तो शोषी नेबे ।।

अर्थात जब सात दिन अंधकार होगा पृथ्वी में तब पुरुषों का गला काट के उनकी ही पत्नियां खून पीएंगी क्योंकि तब सभी स्त्रियां प्रकृति योगमाया के प्रभाव से डायन जैसा चुड़ैल जैसा रूप में तबदील हो जाएंगी ।

□ बसु सालो रेवो बीसो अंको जे प्रमाणो ।
सप्तो दिनो अंधकारो होई बो जे जाणो ।

अर्थात बसु 8 रेवो (नक्षत्र) 27 और बीसों 20 अंक है प्रमाण मतलब 55 अंक प्रमाण है जब सात दिन अंधेरा छा जाएगा धरती पर ।

हांलाकि भक्ति भाव में रहने वाली स्त्रियों के साथ योगमाया ऐसा नहीं करेगी जिन स्त्रियों का चरित्र खराब है जो परपुरुष का चिंतन करती है ऐसी नारीयां उस रात डायन में तबदील हो जाएंगी और अपने ही पति का खून पीएंगी । अब आगे भविष्य ही बताएगा मालिका की ये बात कितना सत्यासत्य है ।

#timeline #bhairavidaak #2025 #2026 #2027

□रमणीक दीपो रे लीला चहटीबो देखीबू बारंगो तूही ।
चेतुआ भक्त चेता रे रहिबे जगन्नाथ नामो बोही ।।

अर्थात रमणीक दीप (स्वीटजरलैंड) में लीला होगा देखोगे बारंग तुम, जागे हुए भक्त जाग के रहेंगे लेते हुए जगन्नाथ नाम ।

स्वीटजरलैंड दीप को रमणीक दीप कहा जाता है जहाँ गरूड़ जी रहते हैं और साल में एक बार जगन्नाथ जी के दर्शन करने पुरी आते हैं स्वीटजरलैंड में शायद काला धन है इसलिए वहाँ पर गरूड़ के द्वारा कल्कि उत्पात मचाएंगे ।

अगले साल से पूरा विश्व कल्कि की खोज में लग जाएगा इस गहमागहमी में रूस जगन्नाथ जी को ले भागने की कोशिश करेगा चीन हमला कर देगा ऐन वक्त पर चीन का साथ देने के लिए एलियन चीन की मदद करने के लिए पहुँच जाएंगे । तीस देशों में जहाँ जगन्नाथ संस्कृति पहुँच गई है जहाँ जगन्नाथ मंदिर भी बन गए हैं और प्रभुपाद जी ने हरि नाम संकीर्तन भी शुरू करवा दिया है और गजपति दिव्य सिंह देव के कारण उन हरि नाम जपने वालों के बीच जगन्नाथ मंदिरों की स्थापना भी हो गया है खाली रूस में मंदिर नहीं बना है रूस सोचता है जगन्नाथ जी को ही उठा लाऊंगा फिर उनको रखकर मंदिर बनवाऊंगा पर जगन्नाथ जी रूस नहीं जाएंगे, उन सभी देशों के भक्तों की रक्षा करेंगे भगवान जो जगन्नाथ जी को मानते हैं जिन देशों में जगन्नाथ मंदिर नहीं है उनका खेल खत्म । युद्ध भी चल रहा होगा प्राकृतिक आपदा भी चरम पर होगा नरसंहार चल रहा होगा और इसी बीच ये लीलाएं भी हो रही होंगी अंत में बलदेव को सात दीपो का राजा मान लिया जाएगा अच्युतानंद फिर से गिरधारी कोर्ट में 52 चाबियों को निकालेंगे और उन गुप्त जगहों को खोलेंगे नई अदभुत टेक्नोलॉजी दिखाई पड़ेगी और हमें एक नये युग में ले जाएंगे हमें लगेगा हम पुराण काल में पहुँच गए हैं

□भरता रु दीप लिपिभा 22 अंक रे बाबू,
राजा होई केही नाथीबे, अनाथ होई सबू

अर्थात 22 अंक में भारत का दीप बुझ जाएगा
कोई राजा नहीं रहेगा सब अनाथ हो जायेंगे ।

#timeline #2022

श्री जसवंत दास जी कोइली मालिका में कहते हैं की जब 13 जिला 33 हो जाएंगे तब ओडिशा के 6 जिला जलमग्न हो जायेंगे । #odisha

महापुरुष अच्युतानन्द दास ने अपने शिष्य रामदास को यह दोहा लिखकर समझा रहे हैं की...

"पांच ग्रहों का एक राशि में जिस दिन संयोग बनेगा तो समझ जाना उस दिन से भयंकर अकाल ओर भुकमरी पूरे विश्व को अपनी चपेट में ले लेगा" ।

श्रीलंका के वाद नेपाल, भारत ऐसे सभी देशों को अकाल ओर भुकमरी अपनी चपेट में ले लेगा ।

इस बात को गर्ग ऋषि अपनी गर्ग संहिता में भी वर्णन किए हैं श्लोक के माध्यम से "जैसे ही विश्व में युद्ध शुरू हो जाएगा तब पूरे विश्व में अकाल ओर भुकमरी से त्राहिमाम होगा और युद्ध से इस धरती में करोड़ों की संख्या में इंसानों की कीड़े-मकोड़े तरह मृत्यु होगा, इस धरती में खून ही खून बहेगा ।

□ देश-देश मध्ये लागिब, महाघोर समर। देखुथिब बाबू राम रे, तुहि बेनि नेत्र॥
दस हाथ तीनि आंगुल सिंधु उछड़ी जिब, सेते बेड़े अंभु चेनाई पारादीप बुड़िब॥

भविष्य मालिका में दिल्ली शहर के बारे में क्या लिखा है

□ दिल्ली, बॉम्बई, कलकत्ता, मद्रास जे जान | प्रथमें घहिला हेबा बॉम्ब मदे पुन
दिल्ली सहारा ति जान ध्वंस स्तूप हेबा प्रथम | रॉकेट माड सहिठारे टी हेबा

अर्थात् भारत के दुश्मनों का पहला हमला इन 4 जगहों पर होगा। साथ ही इन 4 जगहों पर युद्ध की तीव्रता सबसे ज्यादा होगी। पहला हमला दिल्ली पर रॉकेट से होगा, और दिल्ली शहर में बहुत विनाश होगा। दिल्ली शहर ध्वंस का स्तूप बन के रह जायेगा।

लेकिन भक्तों को कुछ नहीं होगा। #atombomb #delhi #ww3 #mumbai #kolkata #madras

महाप्रभु कल्किराम के बारे में मालिका से कुछ स्पष्ट प्रमाण

1. अनन्त न्क युग होइब माधव न्क शिरे शोहिब।
अनन्त माधव लीला देखिबाकु सिद्ध गिरि पीठ रहिछि बसि।

- अच्युतानंद दास (अरे बाया संसार बासी भजन)

अपनी इन पंक्तियों में संत अच्युतानंद दासजी ने बताया है कि धर्म-संस्थापना के बाद जब अनंतयुग (जिसे आद्य-सत्ययुग भी कहा जाता है) का आगमन होगा, तो माधव (कल्कि) महाप्रभु के सिर पर सोने का मुकुट सुशोभित होगा। अर्थात्, वे सात महाद्वीपों सहित समस्त पृथ्वी के स्वामी होंगे और सत्य से विश्व का पालन करेंगे।

भगवान कल्कि कलियुग के अंत में (यानी अनंतयुग के पहले) 'अनंत माधव' के नाम से जन्म लेंगे। बाद में प्रभु अपनी जन्मस्थली 'संबल नगर' को छोड़कर 'सिद्धगिरि' (वर्तमान भुवनेश्वर का वह हिस्सा जो अब खंडगिरि, उदयगिरि एवं एकाम्र कानन है) में गुप्तरूप से निवास कर अपने भक्तों के साथ लीलाएं करेंगे।

2. रत्नबट चुड़ा भांगि हेब कुढ़ खण्डगिरि अन्तराले,
अनन्त माधव उदय होइबे एकाम्र बण अन्त रे।
लीलामयन्कर लीला प्रकाशिब सत्य जे एकाम्र बन,
अनन्त माधव लीला करुथिबे सर्वे आनन्द होइण।

- अच्युतानंद दास (दशम बोलि, तेरह जन्म शरण)

महापुरुष अच्युतानंद दासजी के अनुसार एक समय ओडिशा के पारादीप में स्थित 'रत्नबट' (एक वटवृक्ष) की एक डाल टूटकर सागर की भीषण लहरों में तैरती हुई भुवनेश्वर के 'खंडगिरि' तक पहुंच जाएगी।

उस समय भुवनेश्वर के 'एकाम्र वन' में भगवान 'अनंत माधव' की उपस्थिति उजागर होगी। 'एकाम्र वन' में महाप्रभु की लीलाएं होंगी जिन्हें देखकर प्रभु के भक्तों को अपार खुशी मिलेगी।

3. तेबेजाइ सउल मण्डल भक्त माधव करिबे मेल हे।
कहे अभिराम नित्य स्थल लीला करिबे भक्त बत्सल हे॥

- अभिराम परमहंस ('रक्षा कर आदि मूल हे' - भजन)

कलियुग के अंत में भगवान विष्णु मानव शरीर में जन्म लेंगे। वे पंचभूत (पृथ्वी, जल, अग्नि, आकाश और वायु) की विभिन्न प्रलय-लीलाओं के द्वारा सभी पापियों का संहार कर धर्म की स्थापना करेंगे।

महापुरुष अभिराम परमहंस के अनुसार, भगवान 'माधव' उपर्युक्त प्रलय से मनुष्य द्वारा स्वयं को बचा पाने के ज्ञान का प्रसार करेंगे और अपने सभी भक्तों को 16 मंडलों (समूहों) में एकत्र करेंगे। भक्तवत्सल भगवान 'माधव' अपने भक्तों के समीप रह तथा नित्य गोलोक की लीलाएं कर उन्हें आनंदित भी करेंगे।

4. नीलाचल ठाणि एमन्त होइब कुलाकुल चक्रे जहिं, खेल खेलुथिबे श्री बाल मुकुन्द

तांकू न चिन्हिबे केहि। | दिन बान्धब कु खोजुथिबे दीन माधब आसबे नाहिं,
मन्त काल कु आसिबे माधोई तांकू न चिन्हि केहि

-शिशु अनन्त दास (पटामडाण)

पंचसखाओं में एक, महापुरुष शिशु अनंत दासजी के अनुसार नीलाचल (श्री जगन्नाथ मंदिर, पुरी) से जब बार-बार कलियुग -अंत के संकेत आ रहे होंगे (यानी बार-बार श्री मंदिर के पत्थर गिर रहे होंगे, नीलचक्र पर अशुभ सूचक पक्षी बैठ रहे होंगे, मंदिर की ध्वजा अपने स्थान से उड़ जाती होगी), तभी श्री बाल मुकुंद (महाप्रभु कल्कि) गुप्त रूप से अपनी लीलाएं कर रहे होंगे, पर कोई उन्हें पहचान नहीं पायेगा। कलियुग - अंत के संकेत देख बहुत से भक्त महाप्रभु - की खोज कर रहे होंगे, लेकिन वे प्रभु माधब का पता नहीं लगा पाएंगे।

5. "सत्य अनन्त नाम मोर,
सत्य रे करे कारबार।।
सत्य कु धरि थिबे जेहि
तांकु तारिबि निश्चि मुहिं।।"

महापुरुष अभिराम परमहंस ने महाप्रभु की वाणी लिखते हुए कहा कि:

अर्थात्, मेरा नाम सत्य अनंत है और मैं सत्य को ही प्रकाशित करता हूं। जो लोग सत्य की शरण लेंगे, मैं उन्हें निश्चित रूप से भवसागर पार कराऊंगा।

6. 'माधबा माधब नित्य चहल पडिबा, देखा बेलकु तांकु चिन्ही न पारिबा सारी
गला लीला राम हरि हरि घोष पद्वार बिंधा रे जय शरण तु पासा।'

भविष्य मलिका में महापुरुष अच्युतानन्द ने कहा है (इस श्लोक के माध्यम से)
'माधबा माधब नित्य चहल पडिबा, जिसका अर्थ है कि गोलक धाम (भगवान का निवास) में प्रदर्शित होने वाली लीलाएँ इस नश्वर भूमि में दैनिक, नित्य, और भक्तों के लिए दीप्तिमान होंगी। ब्रह्मांड 'माधबा माधबा' का भजन करेगा।
महापुरुष अच्युतानंद ने यह भी कहा है कि कलियुग के अंत में, भक्त भगवान के नाम का प्रचार करेंगे, लेकिन सभी भगवान को पहचान नहीं पाएंगे।

7. "अनंत माधव खेल करुथिबे, खंडगिरी ठारु पुन"

अनन्त माधब अपना खेल अर्थात् लीला करेंगे खंडगिरि में फिर से। #kalki #satyaanantmadhav

□ सिद्ध साधना से स्थान रे हेब, बड़ डाल मोर सिरे लागिब।।

मेरे साधना स्थान(नेमावट) के बरगद की डाल, जिस समय मेरे समाधि को छूने लगे तो समझ जाना कलयुग अंत है।

-महापुरुष स्वामी अच्युतानंद

□ प्रभु कल्की, भक्त और निंदा करने वाले□

□ संसार मध्यरे केमन्त जानिबी नरअंगे देहबही।
गता गत जे जुगरे मिलन समस्तंक जणको नाही।।

देखो मानव तन के माध्यम से त्रिभुवन पति की पहचान आसान नहीं है। केवल अनुभव मार्ग के द्वारा प्रभु की पहचान संभव है। इस विषय पर दोबारा महापुरुष अच्युतानंदजी अपनी मालिका में लिखते हैं जो इस प्रकार से है...

□ अनुभवे ज्ञान प्रकाश होइबो अनुभव करमह।
भविष्य विचार तेणकी कहिबी ज्ञाने नही तरपर।।

अर्थात् -

केवल भक्ति के द्वारा ही भक्तों को अनुभव होगा। अनुभव से ही ज्ञान का प्रकाश होगा। आगे महापुरुष अच्युतानंद जी भविष्य मालिका में लिखते हैं कि सभी लोगों को भगवान की प्राप्ति नहीं होगी।

□ "चोर प्राय आम्हे अबनि भ्रमिबु चेता कराईबा पाई, चाहीं जक-जक निंदुथिबे लोक एहि परा प्रभु सेहि।।"

अर्थात् –

इस मालिका पंक्ति के अनुसार प्रभु जी की निंदा भी होगी।

मैं संसार में आकर चोर के तरह ही सारे पृथ्वी पर भ्रमण करूंगा जैसे मैंने द्वापर में किया था। लेकिन कलियुग के पापी मनुष्य मुझे देखकर भी शक करेंगे और पहचान नहीं पाएंगे, निंदा भी करेंगे, और कहेंगे क्या यह वही प्रभु है ?

□“टाण पण करि रहिथीबे जेउण जन, टलमल सेहु होइबे कलंकी निकटेण।”

अर्थात् –

जो लोग गर्व, अहंकार या कोई व्यक्तिगत रंजिश के कारण प्रभुजी के अस्तित्व पर सवाल उठा रहे हैं और भक्तों की निंदा कर रहे हैं। उन्हें प्रभुजी के सामने आगे इसके लिए उत्तरदाई रहना पड़ेगा। प्रभुजी के सामने उपस्थित किये जाएंगे। उन लोगों का कोई भी जोर नहीं रहेगा। उनका विचार प्रभुजी करेंगे। प्रभु को जाने या अनुभव किए बिना निंदा करने वाले कुछ लोगों को सतर्क हो जाने की आवश्यकता है। वरना उनका बहुत अगम्य परिणाम होगा इसमें कोई शंका नहीं।

#kalki #satyaanantmadhav

जिनको लगता है सरकारी नौकरी नहीं मिली अब क्या होगा? उनके लिए मालिका में एक स्पेशल लाइन लिखी है:□

भद्रागिरी ठारे पीढ़ बाँधी थिबे, अनेक आकट करि।
सरकारी लोक ग्रामे ग्रामे नाश, भांगिब कोर्ट कचेरी।

आने वाले समय में सरकारी कर्मचारी गांव गांव में भी नष्ट हो जाएंगे और कोर्ट कचहरी कुछ नहीं रहेगी पुलिस स्टेशनव्यवस्था सब खत्म हो जाएगी।

#kaliyugaend #politics

वाले समय में चाकरी (मैं मालिक, तू नौकर) और रोजगार सब नष्ट हो जाएंगे इसीलिए प्रभु के नाम धन का ही अर्जन अभी के समय में श्रेष्ठ है:

हुकुम जाहिरि दिनु दिन हेब, प्राणी हेबे छट पट।
ग्रामे ग्रामे हाड़ गोड़ लागि जिब, चाकिरिया हेब नष्ट।।
–शिवकल्प नीरघट

आने वाले समय में लोगों के अंदर सहनशक्ति इतनी कम हो जाएगी कि एक दूसरे की बात मानना बंद कर देंगे और गांव-गांव में मारकाट मचेगी और चाकरी यानी सेवा परंपरा सब नष्ट हो जाएगी। #kaliyugaend

2024 में युद्ध लगने का एक और प्रमाण

बीसो त्रीसे प्रभु खेल आरम्भिबे, तोहीं चौवनो भावो ।
दिव्य सिंह नृप राजूती करीबे आऊ शासनो न थिवो ।

यानी कि जब 50 अंक होगा तब प्रभु जी विनाश का खेल आरम्भ करेंगे। और फिर जब 54 अंक होगा तब दिव्य सिंह राजा राज्य करेंगे क्योंकि उस समय शासन नहीं रहेगा।

ऊपर की मालिका पंक्ति से ये साफ है की जब 50 अंक होगा तब प्रभु जी विनाश का खेल शुरू करेंगे और लगभग इसी समय में कोरोना से विनाश लीला शुरू हुआ, एक और मालिका पंक्ति तरकी रहित 13 कू है जिसके अनुसार जब 13 अंक लगेगा तब महाविनाश शुरू होगी। यानी कि गजपति के 50 अंक और कल्कि जी के 13 अंक से विनाश चालू होगा और कोरोना का कहर भी लगभग यही समय शुरू हुआ।

पूरी के राजा दिव्य सिंह जी 7 जुलाई 1970 को राजा बने थे। उस हिसाब से 7 जुलाई #2024 को उनका 54 अंक चालू होगा जो कि 7 जुलाई #2025 तक रहेगा। और इसी 54 अंक में अभी का जो शासन चल रहा है वह नहीं रहेगा और इसलिये पूरी का राजा होने के कारण वे वहा का शासन भार संभालेंगे। अब आप सब को तो पता ही होगा न कि शासन क्यों नहीं रहेगा। #timeline #ww3

भविष्य मालिका में 23 अंक के बारे में क्या लिखा है ?□

□ स्वर्ग र नक्षत्र मंच कु आसी । ए तेईस अंक रे पडिब खसी । एते एते कथा होइले जाण । ए कलि शेष बोली निश्चय प्रमाण ।।

अर्थात् 23 अंक में आकाश से नक्षत्र यानी तारे समुद्र में गिरेंगे तो समझ जाना की कलियुग का अंत हो गया और सत्य का उदय हो गया ।

□ बाण बसु घन रतु मिसाई एही अंक रे जे खेल हेबई ।

अर्थात वाण , वसु, घन, ऋतु मिलाना I इसी अंक से तो खेल होना II

□ तेइसी अंक जेब चलिब राम रे, आर्थिक अवस्था अचल हेबे देश मानकर रे। रेल दुर्घटना मान पृथ्वी रे हुवई, वायुयान दुर्घटना मान घटुथई।।

अर्थात 23 अंक जब चलेगा, विभिन्न देशों की आर्थिक व्यवस्था रुक जाएगी, रेल, वायु दुर्घटना घटेंगी।

□ एको चारी अंको टी चौदह रे लेखा। आठो रे आठो लागीबो बहुतो उल्लेखा।।

पंजाबो राज्य ठारे लागीबो संग्रामो। अनुकूल होबो निश्चये ए कोथा प्रमाणो।।

अर्थात एक चार अंक चौदह मे लिखा है जब आठ मे आठ लागेगा अर्थात 8x8 गजपति दिव्य सिंह देव (चतुर्थ) का 64 अंक (2022-23) अथवा 8+8 कल्कि का 16 अंक (2023-24) होगा तब क्या होगा इसका उल्लेख है। तब पंजाब मे युद्ध शुरू होगा युद्ध का वातावरण बनेगा ये बात निश्चित है।

□ सेतिपाई माने अनेक लोके क्षय हुवई, सुर्ज प्रखर रश्मि धरती रे पड़ई, अंशुघात रे प्राणी मरूथांती जे पड़ई।

अर्थात इसी प्रकार उनके लोग क्षय होंगे, सूर्य का तेज प्रकश पृथ्वी पे पड़गा, बिजली गिरने से भी हानि होगी।

□ तेईस अंको रे उडीसा देशो से होईबो जोड़ो गोहोड़ो I चौबीस अंको रे गुप्त मारूड़ी सुणो विनोता रो बाड़ो II

अर्थात 23 अंक मे उडीसा प्रदेश मे होगा जल प्रलय, 24 अंक मे गुप्त मृत्यु। सुनो विनोता नंदन I

□ मंदो खेटो बसी थिबो घट लग्न धरी। मेषो शेषो रे चितिबो भृगु सुतो अरी।।

मड़ीबो सकलो कथा घटीबो ऐ काड़े। मढा कूड़ो कूड़ो होई पड़ीबो महीरे।।

मंद अर्थात शनि, खेट अर्थात ग्रह, घट लग्न यानी कुंभ राशि मे जाएगा तब वैशाख महीने के शेष समय मे धरती पर करोड़ो लाशें पड़ी होंगी कोई उठाने वाला भी नहीं होगा। (यह संभवतः अप्रैल-मई 2023 में जो बहुत बड़ा भूकंप होने वाला है भारत में उसका सूचक है अथवा अप्रैल-मई 2024 का)

□ अवश्य उत्पातो हेबो सौराष्ट्र देशो रे। मने रखीथा विनोता कुमरो तु बारे।।

अर्थात तब सौराष्ट्र मे भी बहुत उत्पात होगा याद रखना विनोता कुमारो अर्थात गुरूड जी।

□ बाणो वसु घन ऋतु रे बाबु त्रिदेव कू खोंजीबू I एही अंको रे जान्हवी गंगा सूखी जीबो जाणीबू II

अर्थात बाण, वसु, घन, ऋतु मे त्रिदेव को जोड़ना और इसी अंक मे गंगा सूख जाएगी ये स्मरण रखना I

#timeline #2023 #23ank

23 अप्रैल 2024, चैत्र पूर्णिमा मंगलवार को भैरवी डाक होगा। —अभिराम देवदास

□ मधु पूर्णमि मंगलवारे, शून्य शब्द सुभिब कर्णे - कलिकल्प गीता, अच्युतानंद स्वामी

□ भैरवी डाकिब भुबनेश्वर चैत्र मास जे मंगलवार। - चकडा मडाण

चौबीसी अंक भीतरे जाण, भैरवी डाकिब निशा अर्धेण।।

से डाक सुभिब जाजपुर कु, बिरजा आई जिबे ब्रह्मस्थान कु।

तेबी बिरजाई ध्यान भांगिब, एका डाक रे ब्रह्माण्ड पुरिब।।

<https://www.youtube.com/watch?v=mUD0ZGh9EfE> #2024 #timeline #bhairavidaak

ये सब 23 अंक में होगा:-

□ नक्षत्र लंजा भूमिकंप हेब, पुर्ब देश रे सागर बढीब।

पृथ्वी दिसिब रंगीमा आकर।

जानिबु किछि होइब संघार।।

बेल गोड़ हेब उत्तरांचल, दक्षिण दिग रे होइब गोड़।

खंडप्रलय मान हेउथिब

केते-केते देश नाश कु जिब।।

- - 2 - -

□ बड़ो देऊडो कू धोक्का मारू थिबो, देखीबू तू नयनो रे I

उतरांचल कू युद्ध रो प्रस्तावना, हेतू रोखी बू तू मोनो रे ॥

अर्थात जगन्नाथ मंदिर मे समुद्र की लहरे टकरा रहीं होंगी अपनी आंखों से देखना और उसी समय देश के उत्तरी सीमावर्ती राज्यों मे युद्ध चल रहा होगा ॥

लक्ष्मी छाड़ी जाई थिबे धरित्री रू, अलक्ष्मी बाबू थिबे होई महागुरू, पांच हजार एक सौ चौबीस अंको अटई, एई अंको रे भैरवी डाको होईबो टी, अष्ट चंडी अष्टो दिगू बाहारो होईबे, महानदी तटे सबू हुलोहूली देबे ,

अर्थात लक्ष्मी छोड़ के जा चुकी होगी और चरित्र हीन औरतों को लोग महागुरू मान कर चलेंगे अर्थात कामीनी नारी के वशीभूत होंगे, कलयुग के 5124 वर्ष होने पर भैरवी की गर्जना लिंग राज मंदिर पर सुनाई देगी अष्ट चंडी अष्ट दिशाओं से बाहर निकलेगी और हूलहूली देंगी ॥ #bhairavidaak #2024 #timeline

भैरवी डाक (भैरवी गर्जना)

□मधु पूर्णिमा मंगलवारो रे , शून्य शब्दो सुभीबो कर्णों रे ॥

अर्थात मधु (चैत्र) महीने पूर्णिमा मंगलवार को आकाश से शब्द कान मे सुनाई देगा ॥ अब पद मे चैत्र महीना गुरूवार पूर्णिमा को गर्जना होने की बात बताई गई पर तारीख और समय नही बताया गया, समय और तारीख बताने के लिए अचुतानंद आगे लिखते हैं

□भैरवी डाकीबो भुवनेश्वरो रे, चैत्र मासो जे मंगलवारो रे ॥

अर्थात भैरवी भुवनेश्वर में चैत्र महीने गुरूवार को गर्जना करेगी पर इस पद में भी चैत्र महीने के साथ मंगलवार कहा और समय तारीख का उल्लेख नहीं किया

अब शिव कल्प निर्घट मे इस घटना का साल और समय का उल्लेख करते हैं –

□चौबीस अंको मध्य रे हो जाणो, भैरवी डाकीबो निशा अर्धेणो ॥
देवी विरोजा ध्यानो भांगीबो, एका डाको रे ब्रह्माण्डो पूरीबो ॥

अर्थात चौबीस अंक (2023) कलयुग के 5124 वर्ष के बीच मे अर्ध रात्रि में भैरवी गर्जना करेगी, देवी विरोजा की योगनिद्रा टूटेगी और एक गर्जना से ब्रह्माण्ड थर्रा उठेगा ॥

इन पदो से पता चला कलयुग के 5124 वर्ष होने पर अर्थात 2023 को चैत्र महीने में गुरूवार को पूर्णिमा के दिन भैरवी गर्जना लिंगराज मंदिर भुवनेश्वर मे अर्ध रात्रि के वक्त आकाश से सुनाई देगी ॥ कैलेंडर से पता चलता है 6 अप्रैल 2023 को ये घटना घटेगी ॥

भारत में युद्ध –

□तोहू अर्धस्थापी पंचो भूतो लेखी मधु मासो दशमी रे,
बृहस्पति वारे युद्ध हेबो महीरे गड़ीबो मूंडो माला रे।

अर्थात जीरो को बीच में काट देने पर दो होगा इसलिए दो के बाद पंच भूत अर्थात पांच लिखो अर्थात पच्चीस अंक गुरूवार दशमी तिथि को भारत में भयंकर युद्ध होगा लाखों सर कटेंगे ॥

इस पद में कहा गया कलयुग के 5125 वर्ष होने पर गुरूवार दशमी तिथि को युद्ध होगा ॥ इसमें साल बताया गया गुरूवार दशमी तिथि भी बताया गया ॥

□चौबीस अंको रो भीतोरे मंगल वारो से दिनों रे चैत्र मासो रो मध्य रे ,
से दिनों सैन्यो टी आसीबे बड़ो देऊडे पोसीबे।

अर्थात चौबीस अंक मंगल वार को चीन की सेना उडीसा मे प्रवेश करेगी और जगन्नाथ मंदिर मे हमला करेगी ॥

समन्वय करने पर पता चला 2024 चैत्र (अप्रैल) महीने में मंगलवार 16 तारीख को उडीसा मे हमला होगा और गुरूवार 18 तारीख को नरसंहार होगा ॥

धुमकेतू टकराने का समय –

□वैशाख शुक्ल अष्टमी तिथि जे गुरूवारो पोड़ थिबो ॥
तेरह दिनो रो पक्ष होईबो काड़ो धोरोणी ग्रासीबो ॥

अर्थात वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष अष्टमी गुरूवार को तेरह दिनों का पक्ष भी होगा और इसी दिन काल धरती को ग्रास लेगी और सतयुग का आगाज हो जाएगा ॥

ऐसा 13 मई गुरुवार को 2027 में होगा

भइरबी देब डाक,
चमकि पडिब सारा मुलक लो जाइफुल
तहिं नष्ट हेब थोकाएक।7।

भोबोनिस्वर रे भैरवी डाकिब बहुत लोक मरीबे, कहीबा गरुड़ आगकु शुनीबू जेमंते से नाश जिबे[हे गरुड़ भुवनेश्वर में भैरवी गर्जन करेगी और उसको सुनकर बहुत लोगों का मौत होगा।आगे कैसे लोग मरेंगे में तुम्हे बताऊंगा।]

भैरवी देब डाक ला बाउड, जान रे अल्प दिन। मालिका बचन ना होईब आन, देखिबे दुई नयने।।

और भी होंगे। #bhairavidaak #2024

□ वष्णवी धनुर लीला खेला मान, नभ मंडल रे प्रकाशित । ध्वजा उड़ाईबे कालिया सामंत, सनातन धर्म एक मात्र सनातन धर्म ध्वजा उड़ाईण, कल्कि रुपरे थीबे गुप्ते । पंचसखा भक्त जानिबू अनन्त से काले होइब परिपक्व
- भविष्य कल्प, स्वामी अच्युतानंद दास

अर्थात आनेवाले समय में आसमान में एक बड़ा सा वैष्णवी धनुष दिखाई देगा । उस समय प्रभु का ध्वज उड़ेगा और सनातन धर्म की विश्व में स्थापना का संकेत मिलेगा । पुरे विश्व में जिस समय सनातन का प्रचार प्रसार हो रहा होगा तब भगवान् श्री कल्किराम अपने भक्तों के साथ गुप्त में लीला कर रहे होंगे । उस समय पंच सखा और भक्त ये चिह्न देख के समझेंगे की अब कलियुग के अंत का समय आ गया है और प्रभु अपनी लीला के लिए तैयार है ।`

□बी नागान्ति, वेदान्ती, जोगान्ती, सिद्धान्ती, केही न पाइबे अंत ।

अर्थात बड़े बड़े नागा साधू, वेदों के जानकार, सिद्ध महामुनि, योगी गण भी प्रभु और उन की लीला को नहीं जान पाएंगे ।

□ वैष्णव धनुर चक्र तू देखिबु । अनंत ध्वजा प्रमाण बेले अनंत जुग र लीला प्रकाशिबे भक्त लुचिथिबे ग्रंथालरे । - महापुरुष बलराम दास

आने वाले समय में आसमान में एक वैष्णव धनुष देखने को मिलेगा और अनंत ध्वजा भी दिखेगा । यह संकेत होगा प्रभु का अपने भक्तों के लिए की अब अनंत युग का समय आ चूका है ।

(यह घटना कदाचित संक्रांति के दिन होगी क्यूँ की एक और जगह भी मालिका में लिखा गया है की:

<https://youtu.be/KGW-v5mr56o>

<https://youtu.be/8pbamK1Bi7I>

"शोभा न थिब से देशे जे, चरण चुतिआ भूरीश्रबा सेत जनम असुर देशे जे"

अर्थात जिस देश में चरण चुतिआ भूरीश्रबा जन्म ग्रहण किया होगा वो देश का शोभा नहीं होगा क्यों की वो असुर देश होगा। #kalimahabharat

सबू मियां देशो मिसी एको ठन हेबे।
कहीबे से भारतो कू उड़ाई ण देबे ।।
भारतो जे भगवानो कंरो स्थानो ।
अनिष्ट घटीले प्रभु नुआ हेबे जन्मो ।।

अर्थात सभी मुस्लिम देश चीन की अगुवाई मे एक हो जाएंगे कहेंगे भारत को उड़ा देंगे । पर भारत भगवान का स्थान है अनिष्ट होने पर भगवान फिर से अवतार लेंगे #kalimahabharat

सबे होइबे एक मुख, डाकिबे नारायण रख।

विश्व में विनाश होता देख सभी आकाश की ओर देखकर, एक तरफ से अवतार के होने की आशा करेंगे और प्रार्थना करेंगे.. हे भगवान रक्षा करो।
#kaliyugaend

साल 2023 के विषय में महापुरुष अच्युतानंद दास जी की महीनो के अनुसार भविष्य वाणी ।

□ दुई शून्य दुई तिनी अंक जे ठाब, एमंत समये बाबू गॉड जे होइब ।

अर्थात 2023 अंक जब आएगा समाज में अस्थिरता फैल जायेगी और कई देशों में अन्दर अन्दर युद्ध शुरू हो जाएगा ।

□ नव वर्ष नव मास अटे जे प्रमाण, एही समय रे बाबु घोर कलि जाण । (January)

अर्थात 2023 की शुरुआत से ही घोर कलियुग का प्रभाव दिखेगा ।

□ मिथुन मास रु मिन मास पर्यन्त, झाडावान्ति होइ लोके मरिबे जे केते । (22 Mar - 03 Jul)

अर्थात मिथुन (अषाढ़) मास से मीन (चैत्र) मास पर्यंत दस्त और उलटी होने जैसी बीमारी से कई लोग मरेंगे ।

□ वैशाख मास रे बहु खरा जे होइब, अन्धुघाते बहु राम जीवन त्यजिब । (21 Apr - 21 May)

अर्थात वैशाख मास में सूरज का रौद्र ताप बरसेगा इसलिए सन स्ट्रोक की वजह से कई लोग की मृत्यु होगी ।

□ ज्येष्ठ मासे अचीन्हा जे ज्वर जे होइब, एही रोग कु जे राम निदान नथिब । (22 May - 21 Jun)

अर्थात ज्येष्ठ मास में ज्वर जैसी एक अनजान बीमारी आएगी । इस रोग का कोई निदान नहीं मिलेगा ।

□ भाद्रव मासे मरिबे जे अप्रमित, हिंस जंतु माने खाई होई जिबे तृप्त । (23 Aug - 22 Sep)

अर्थात भाद्र मास में अनेक लोग बीमारी से मरेंगे और जंगल वाले इलाकों में रहने वाले कई लोगों को हिंसक जंतु खा जायेंगे और तृप्त महसूस करेंगे ।

□ आसीन मासे रक्त धार जे छुटिबे, डाकिनी रक्त पि तृप्त जे होइबे । (23 Sep - 22 Oct)

अर्थात अश्विन मास में लोग अंदर अन्दर लड़के खून की नदिया बहायेंगे, बड़े बड़े नेता आदि मरेंगे उस रक्त को पीके डाकिनी तृप्त होंगे ।

□ कार्तिक मास रे रोग व्याधि जे घटिब, अचीन्हा रोग कु औषधि पुनि हे नथिब । (29 Oct - 27 Nov)

अर्थात कार्तिक महीने में अनजान महामारी आएगी जिसका निदान और इलाज किसी के पास नहीं होगा ।

□ मार्गशीर पौष केते मरिबे जे लोके, माघे घर छाडी चाली जिबे जे अनेके । (28 Nov 2023 - 25 Jan 2024)

अर्थात मार्गशीर्ष और पौष महीने में महामारी से बहुत संख्या में लोग मरेंगे और, माघ मास में कई लोग घर छोड़ के अन्यत्र चले जायेंगे ।

□ कुम्भ मासे जर्ममाने माडी जे आसिबे, मिन मासे टारे होणा कटारे मरिबे । (06 Feb - 20 Apr 2024)

अर्थात कुम्भ(फाल्गुन) मास में विदेशी देश में घुस जायेंगे और मीन (चैत्र) मास में बहुत दंगे होंगे ।

- प्रलयकारी भविष्य मालिका , महापुरुष स्वामी अच्युतानंद

□ इसके अलावा भारत के कई बड़े और सर्वोच्च माने जाने वाले व्यक्तित्व 2023 में दुनिया से विदा लेंगे जिसमें अभिनेता, राजनेता, खिलाड़ी, लेखक आदि को भी मान सकते हैं ।

□ इसके अलावा अच्छे संकेत देखे जाए तो लोगों के बिच में प्रभु का नाम फैलेगा । होम यज्ञ आदि कई जगह होंगे । और एक चमत्कारी घटना 2023 में घटेगी वो ये होगी की अनेक मालिका वर्णित भक्त लोगों के सामने आयेंगे ।

<https://youtu.be/gcVNR6Fi2tM> (part 1)

<https://youtu.be/gWMSFdPzVhw> (part 2)

#2023 #timeline #pandemic #civilwar

कल्कि को ढूंढने का एकमात्र सटीक तरीका है महापुरुष अच्युतानंद के शिष्य रामचंद्र को ढूंढा जाए । इस विषय में कुछ तथ्य □

पांच सौ वर्ष पहले सालवेग अहमद खान ने कलि भारत मालिका मे कल्कि अवतार के बारे मे लिखा की :

□ सेठारे विरोजा कूमनो, जन्मी छंती भगवानो। सेठारे वैतरणी नदी भेदी, बहे आकाशो नदी भेदी।।

जाजनग्रो बोली जाणो, वैतरणी नदी तीरे पुणो। विप्रो मिश्र ब्राह्मणो घरे, ता घरे जन्मो श्रीधरे।।

- कलि भारत मालिका

अर्थात जहां विरोजा देवी हैं वही जन्म लिए हैं भगवान् वहां वैतरणी नदी आकाश को भेदते हुए बह रही है। जाजनग्र एक स्थान है वैतरणी नदी के किनारे वही मिश्र ब्राह्मण घर में श्रीधर ने अवतार लिया है।

अब संभल नामक गांव जाजपुर जिले में ढूंढने से भी नहीं मिलेगा इसलिए महापुरुषों ने थोड़ा समझने के लिए सरल रूप से लिखा :

□ खीरो नदी दक्षिणो ते विरोजा मंडलो, डाको जे कमलपुरो गुप्त जे संभलो।

जन्मो होईबू आमे जाजपुरो ठारे, जन्मो होईबे चंडी दक्षिणो दिगो रे।।

देवी गणो जन्मो होईबे दक्षिणो रे।।।

अर्थात वैतरणी नदी के दक्षिण में विरोजा मंदिर उसके निकट कमलपुर नामक गांव ही गुप्त संभल है। भगवान् जन्म लेंगे जाजपुर जिले में और दक्षिण में चंडी अवतरित होंगी और तमाम देवी दक्षिण भारत में जन्म लेंगी।

अब ढूंढना बेकार है क्योंकि महापुरुष अच्युतानंद दास लिखते हैं :

□ भक्तो माने न पाईबे बूली बूली देशो। ख्यातो करीबू रे बाबू रामचन्द्रो दासो।।

अर्थात भक्त लोग देश राज्य में भ्रमण करते हुए भी कल्कि को ढूंढ नहीं पाएंगे तब हे रामचंद्र तुम ही कल्कि अवतार को पहचान पाओगे और ख्याति करोगे भक्तों को कल्कि का दर्शन कराओगे।

यहां भक्त लोग कल्कि को पहचान नहीं पाएंगे अब साधारण इन्सान की कौन कहे इसलिए अच्युतानंद के शिष्य रामचंद्र कहां पर जन्म लिए हैं कौन हैं ये जानना पड़ेगा और पहले रामचंद्र को ही ढूंढना पड़ेगा और रामचंद्र के बारे में अगले किसी पोस्ट पर विचार करेंगे।

#kalkiplace #kalki #ramchandra #ramdas

□ सेठारे विरोजा कूमनो, जन्मी छंती भगवानो। सेठारे वैतरणी नदी भेदी, बहे आकाशो नदी भेदी।।

जाजनग्रो बोली जाणो, वैतरणी नदी तीरे पुणो। विप्रो मिश्र ब्राह्मणो घरे, ता घरे जन्मो श्रीधरे।।

- कलि भारत मालिका

अर्थात जहां विरोजा देवी हैं वही जन्म लिए हैं भगवान् वहां वैतरणी नदी आकाश को भेदते हुए बह रही है। जाजनग्र एक स्थान है वैतरणी नदी के किनारे वही मिश्र ब्राह्मण घर में श्रीधर ने अवतार लिया है।

अब संभल नामक गांव जाजपुर जिले में ढूंढने से भी नहीं मिलेगा इसलिए महापुरुषों ने थोड़ा समझने के लिए सरल रूप से लिखा :

□ खीरो नदी दक्षिणो ते विरोजा मंडलो, डाको जे कमलपुरो गुप्त जे संभलो।

जन्मो होईबू आमे जाजपुरो ठारे, जन्मो होईबे चंडी दक्षिणो दिगो रे।।

देवी गणो जन्मो होईबे दक्षिणो रे।।।

अर्थात वैतरणी नदी के दक्षिण में विरोजा मंदिर उसके निकट कमलपुर नामक गांव ही गुप्त संभल है। भगवान् जन्म लेंगे जाजपुर जिले में और दक्षिण में चंडी अवतरित होंगी और तमाम देवी दक्षिण भारत में जन्म लेंगी।

#kalkiplace #kalki

□ जापानो रो रणो मध्य जर्मनी मिसीबो I

ब्रिटेनो अमेरिका संगे थाड़ी न जे देबो I

जापान के कारण जर्मनी भी USA से अलग हो जायेगा। और अफ्रीका में बम्बारी करेगा।

□ चीनी पाकिस्तान पुनी अमेरिका जाना

अर्थात चीन और विश्व शक्ति अमेरिका पाकिस्तान के साथ होगा।

और इराक के साथ-साथ 13 मुस्लिम देश पाकिस्तान और चीन का समर्थन करते हुए भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ेंगे।

□ 'रूसिया भारत पुनि जर्मनी जापान'

अर्थ, रूस, भारत, जर्मनी और जापान सहयोगी बनेंगे। मलिका के एक अन्य हिस्से में यह भी लिखा है कि फ्रांस भी भारत के साथ रहेगा।

□ 'जापान रा अनुरोधे जरमानी मिशिब भारत पतुआ होई अफ्रीका ध्वनसिबा '

जापान के अनुरोध पे जर्मनी भारत से मिल जाएगा और आफ्रिका ध्वंस होगा ।

- गुप्त खेदा मालिका

(परम पूजनीय पंडित काशीनाथ मिश्र जी)

#ww3 #russia #germany #japan #USA

□ भगवान बोली मोही पूरी जीबो, भक्ति न थिबो का पाखे ।
योगमाया गणो ताहांकू भोक्षी बे, अनन्त कहीणो हंसो ॥

अर्थात् स्वघोषित कल्कि भगवानों से पृथ्वी भर जाएगी भक्ति नहीं होगा किसी के पास, योगमाया उन्हें भक्षण करेगी ये कहते हुए महापुरुष शिशु अनन्त हंस पड़े ।

□ चौबीस अंको ठारूं अणोत्रीसो जाए प्रमाद अछी अपारो ।
अणोत्रीसो अंको रे हो गरूड़ो महा कल्कि अवतारो ॥

अर्थात् कलियुग के 5124 वर्ष से 5129 वर्ष तक महा भयंकर विनाश के कारण भक्तों में प्रमाद रहेगा और कलियुग के 5129 वर्ष होने पर महा कल्कि अवतार प्रकाशित हो जाएंगे ।

अब वो कौन सा दिन होगा ?

□ शुक्ल पक्ष गुरुवार जे वैशाख मासो तृतीया तिथि जे रोहणी बृषो ।
धवल गिरी रूं बाहारो हेबे, कोड़ा धोड़ा घोड़ा आहोरिणो से थिबे ॥

अर्थात् शुक्ल पक्ष गुरुवार वैशाख महीना तृतीया तिथि को धवल गिरी पर्वत से सफेद काले घोड़े पर सवार हो कर कृष्ण बलराम सभी को दर्शन देंगे ।

□ न्यूयॉर्क सहारा ध्वनस पदा होई जिबा, हहाकारा पड़ी जिबा अथर्ब निर्बेड़ा ।
- महागुप्त पद्मकल्प

अर्थात्:- न्यूयॉर्क शहर पूरी तरह से तबाह और वीरान हो जाएगा जहां कोई इंसान या जीवित प्राणी नहीं होगा। एक मरुस्थल बन जायेगा न्यूयॉर्क शहर।

(आदरणीय पंडित काशीनाथ मिश्र जी)

#newyork #usa #ww3

<https://youtu.be/GIU0tBMhEeE>

□ मुकुंद 13 अंक जाण जिव मारुटी हेब पुण, कृषि उपजिब नाही जल वर्षा घोर होई ।
एणु जे दूत सा पडिब अराज कर्कस होइब, तेणु जे 15 अंक रे कुरूसी होइब संसारे ।

अर्थात् मुकुंद के 13 अंक में बहुत सारे जिव मरेगे और कृषि उपज में घोर वर्षा के कारण बहुत हानि होगी ।
कृषि हानि से पीड़ित लोग भूख प्यास में अपने दिन गुजारेंगे और फिर 15 अंक में थोड़ा बदलाव आएगा ।

□ तेणु से शुभ जोग हेब, 17 अंक टी होइब । 17 ए चहल पडिब केनु ते जानी न पाडिब ।
घोर कलीकाल थोयो ना रहिबो ज्ञानी हेबे जान बाट बडां, मंगो मंगुवालो बोलो ना मनिबे ज्ञान कही अकलणा ।

अर्थात् उसके बाद शुभ योग आएगा जब मुकुंद देव का 17 अंक होगा तब चहल पड़ेगा यानी सत्य का प्रकाश होगा । केवल भक्त लोग ही समझ पायेंगे, अधर्मी लोग कुछ नहीं समझ पायेंगे । जानी लोग ही सबसे अधिक भ्रमित होंगे, वो ज्ञान को ही सर्वोच्च समझेंगे व ज्ञान को ही श्रीभगवान की प्राप्ति का मुख्य मार्ग समझेंगे, परंतु वो ये नहीं समझ पायेंगे कि प्रभु की प्राप्ति का केवल एक ही सरल मार्ग है, वो है श्रद्धा, भक्ति प्रेम एवं ईश्वर पर अटूट विश्वास ।

□ चोर प्राय आम्हे अबनि भ्रमिबु चेता कराईबा पाई, चाहीं जक-जक निंदुथिबे लोक एहि परा प्रभु सेहि ।

प्रभु संसार में आकर चोर के तरह ही सारे पृथ्वी पर भ्रमण करेंगे जैसे द्वापर में किया था। लेकिन कलियुग के पापी मनुष्य उन्हें देखकर भी शक करेंगे और पहचान नहीं पाएंगे, निंदा भी करेंगे, और कहेंगे क्या यह वही प्रभु है ?

□ माघ सप्तमी से दिन रे भूमिकंप हेब दिन रे, ठाबे ठाबे से भागवत होइब संसारे विख्यात ।
काहीबा भूमिकंप हेब से कथा जाणी न पारिब, ए रूप होइब टी जान 17 अंक रे प्रमाण ।

माघ सप्तमी के दिन भूकंप होगा और जगह जगह पे भागवत महापुराण विख्यात होने लगेगा । अर्थात 17 अंक में यह लीला होगी और भूकंप कहा हुआ ये कोई नहीं जान पायेगा ।

□ दक्षिणे सुभुथिब गोड, पुर्बे पडीब चहल, इ रुपे सुनु थीबे जन, राजा प्रजा सर्व जन ।
18 अंक भोग जाई, 19 अंक रे कही पश्चिमे संग्राम लागिब, उत्तरे कमान पडिब ।

अर्थात 18 अंक के बाद जब 19 अंक आएगा तब पश्चिम में संग्राम होगा । उतर दिशा में युद्ध की भयंकर परिस्थिति होगी । दक्षिण दिशा में लोग युद्ध के बारे में सुन रहे होंगे और पूर्व दिशा में लोग युद्ध के बारे में सुन के डर रहे होंगे और इस परिस्थिति से राजा या प्रजा कोई नहीं बचेगा ।

<https://youtu.be/h7DfkgDVJlc>

□ कलि रे भारत भूमि जोबरा होइब, बहु लीला सेही ठारू प्रकाश होइब ।
कलि र जे कलघर हेब सेही ठारे, कलियुग क्षय एका हेब सेही बेले ।

अर्थात कलियुग का आखरी महायुद्ध जोबरा भूमि में होगा, कलि महाभारत की अंतिम लीला वही प्रकाश होगी ।
कलि की महत्वपूर्ण घटना का वो केंद्र बनेगा, उसी समय कलियुग का अंत आएगा ।

??धर्म युधिष्ठिर गादी तार पश्चिम रे हस्तिना कटक बोली हेब से कलि रे ।
त्रिजटार वंश ताहि गादी जे करीब, पञ्च कटक जे बोली युगे युगे थिब ।

अर्थात धर्मराज युधिष्ठिर का शासन वही पश्चिम में था जिसे कलियुग में हस्तिना कटक कहा जाता है ।
उसी जगह त्रिजटा वंश ने शासन स्थापना किया था जो युगों युगों में पञ्च कटक नाम से जानी जाती है ।

□ 16 मण्डल भक्त जे ठोल से ही ठारे, पञ्च सखा थीबे पुनि ताहर भीतरे ।
वैशाख शुक्ल अष्टमी गुरुवार दिन (13 May 2027) , सेही दिन कलियुग होइब सम्पूर्ण ।

अर्थात वहां पे 16 मंडल के भक्त उस समय होंगे और उनके साथ पंचसखा भी होंगे ।
वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि का वोह दिन गुरुवार होगा जब कलियुग सम्पूर्ण हो जायेगा ।

□ सेही दिन लन्जा जे पडिब चमत्कार, सहे साठीए होइबे चन्द्रभागा ठार ।
सेही दिन बासवजे हेब चमत्कार अनचास पवन जे बहिव सधीर ।

अर्थात उसी दिन आकाश से लन्जा नक्षत्र गिरेगा और ओडिशा के चंद्रभागा के लोगो की स्थिति बहुत असम्भाल और दयनीय हो जायेगी ।
उसी दिन इंद्र देव कोपित हो जायेंगे और उनचास पवन को आदेश देंगे की इस धरा को नष्ट भ्रष्ट कर दो और बचे हुए अधर्मी लोगो को नष्ट भ्रष्ट कर दो ।

□ वात घात पाई मेरु अटल टलीब, जन चारी भागरू जे भागे नास जिब ।
वैज्ञानिक जंत्र माने होइब अचल, हरिन्कर सुदर्शन घुरुण जेथिब ।

अर्थात पवन के असह्य वेग की वजह से बड़े बड़े परबत भी ध्वस्त हो जायेंगे और विश्व के चार भाग से केवल एक भाग की ही संख्या बच जायेगी ।
सारे वैज्ञानिक यंत्र खत्म हो जायेंगे सिर्फ, हरी का सुदर्शन चक्र चल रहा होगा ।

□ सत्य आचरणे पूणी थिबे जेओ माने, सेही माने पाइबे टी अम दर्शन ।
कलियुग शेष नाथ एमंत होइब, पुरातन अंक से ना सलिया बहेब ।

अर्थात वही लोग जो सत्य के मार्ग पे चल रहे होंगे उन्हें ही हमारा दर्शन हो पायेगा ऐसा भगवन जगन्नाथ कहते हैं ।
इसी तरह पुरातन अंक का अंत होके एक नुतन अंक का प्रारम्भ होगा ।

#2024 #asteroid #wind #lanjanakshatra

लांझा नक्षत्र से ही बहुत बड़ी सुनामी आयेगी। जो कि नीलचक्र के ऊपर से जायेगी। और खंडगिरि में प्रभु के आश्रम तक जायेगी।

"पुरबो समुद्र रे लोबों सबो, उठिबो परानीको हिया। सागर राजा खंडगिरि देखी जीबो" ।

22 पाबछ वाला पहले होगा। श्री जगन्नाथ जी जबतक नीलांचल में है तबतक सुनामी भी नहीं आयेगा। वे जब नीलांचल छोड़ेंगे तब 22 पाबछ वाली घटना घटेगी।

गाड़ी छाडिबो तत्खणो सिंधु जे छाडिबो गर्जनो ।

अर्थात जगन्नाथ जी को लेकर रेल इंजन जब पुरी स्टेशन से रवाना होगी तब समुद्र घोर गर्जना करेगा । यही समय 22 पाबछ वाली घटना घटेगी।

बाईसी पाबछे मीन खेलथुब सिंघासने वरुणो, मक्का मदीनारे घोर जुद्धो हेबो मरिबे बिधर्मिगण।

भारत पाकिस्तान के बीच युद्ध की सुरुआत होगी तब श्रीजगन्नाथ मंदिर में 22 पाबछ अर्थात बाइस सीढ़ियों को चढ़ कर भक्तजन भगवान जगन्नाथजी और उनके रत्न सिंघासन का दर्शन करते हैं, उसी रत्न सिंघासन तक समंदर अपनी सीमा को लांघकर आ जायेगा। रत्न सिंघासन पर मछलियां खेलेंगी उस वक्त जगन्नाथजी अपने स्थान पर नहीं होंगे, जगन्नाथजी के रत्न सिंघासन पर वरुण देवता विराजमान होंगे ।

लांझा नक्षत्र सबसे अंत में क्यों होगा?

5 3 13 एकत्र हुयिले लन्जा नाखत्र पडिबे , से दिन देश रु कलि छाडिब धर्म उदय हेबे - तेर जन्म शरण

5 3 13 अंक में आसमान से लन्जा नक्षत्र धरती पे गिरेगा उस दिन से कलि पृथ्वी को छोड़ जायेगा और धर्म का उदय होगा !

5 + 3 + 13 = 21 कल्कि जी के अंक के हिसाब से 2027-28 हो सकता है ।

सत्ताईसो अंके दक्षिणो दिगो रू समुद्र आसीबो माड़ि ।
उत्तरो रू गंगा उछली पड़ीबो तोही संगे देबो धाड़ि ॥
पश्चिमो दिशा रू जलस्रोतो एको तोही संगे जिबो मिसी ।
खंडो प्रलयो रो सूचना करीबो पापी माने जिबे भांसी ।

अर्थात 27 अंक में दक्षिण से समुद्र तट का उल्लंघन करते हुए आएगा और उत्तर से गंगा गर्जना करती हुई उछल कर आएगी। जब दक्षिण में समुद्र तबाही मचाएगा उत्तर में गंगा में भयानक बाढ़ होगी उसी वक्त अरब सागर भी तट का उल्लंघन करते हुए आएगा और तीनों एक जगह मिल जाएंगे और पाप करने वाले पापी उसमें बह जाएंगे

इतना बड़ा जल प्रलय बंगाल की खाड़ी , और अरब सागर से एक साथ आयेगा, और दोनों का जल एक जगह जा के मिल जायेगा। ये लांझा नक्षत्र के दो टुकड़ों के कारण हो सकता है।

गाड़ी छाडिबो तत्खणो सिंधु जे छाडिबो गर्जनो ।

अर्थात जगन्नाथ जी को लेकर रेल इंजन जब पुरी स्टेशन से रवाना होगी तब समुद्र घोर गर्जना करेगा ।

यही समय 22 पाबछ वाली घटना घटेगी। और वरुण देव रत्न सिंघासन पर बैठेंगे।

#lanjanakshatra #asteroid #2025 #2027 #2028 #timeline

संत भीमा भोई 27 अंक में कलियुग खत्म होने के अपने आत्मविश्वास के बारे में कहते हैं ।

□कहुछी संसारे सत्ताईस अंको रे साधोनो न हेले पृथ्वी ।
निष्ठुरो वचनो सुणो साधु जनो सुणो सुणो मोरो रीति ।।

अर्थात कलियुग के 27 अंक में यदि पृथ्वी का शोधन नहीं हुआ तो मेरे निष्ठुर वचन को और मेरे रीति को सभी साधु जन सुनो ।

□मुं भीमो भोई प्रतिज्ञा करी निष्ठुर वचन कहूछी ।
बसी थाई कुड़ो महानदी जलो छुई अछी सत्य करी ।

अर्थात मैं भीम भाई महानदी के किनारे बैठे नदी के जल को हाथ में लेकर प्रतिज्ञा करता हूँ ।

□धर्मो कू लंघीबी सुरा पानो करीबी हरिबी ब्रह्मणी नारी ।

अर्थात 27 अंक में यदि पापीयो का नाश और पृथ्वी का शोधन नहीं हुआ तो धर्म को त्याग कर शराब पीयूंगा और ब्राह्मणी नारी का हरण करूंगा ।

-Biren Singh

#kaliyugaend #2027 #timeline #asteroid

कली शेष हेब, मोहि नर रूपे जात।
"ह" अक्षर नाम मोर होइबटी ख्यात।
निज वास आहे, कहीदिल गुप्त गिरी पास आहे।।

#kaliyugaend #mystery #ekakashar

✓ मीनो शनि मेडो गो हो हेबो जेते बेडे I
समरो लागीबो बाबू भारोतो मंडले II

अर्थात मीन शनि का जब संयोग होगा भारत के अंदर भयंकर युद्ध होगा I

☒ कहे अभिराम कालक अधम छपने सरीब खेल।

पूरी के राजा दिव्य सिंह जी 7 जुलाई 1970 को राजा बने थे। उस हिसाब से 7 जुलाई 2026 को उनका 56 अंक चालू होगा जो कि 7 जुलाई 2027 तक रहेगा।

56 अंक तक खेला हो जायेगा। #timeline #kaliyugaend #2027

□ तेबेजाइ सऊल मण्डल भक्त माधव करिबे मेल हे ।
कहे अभिराम नित्य स्थल लीला करिबे भक्त वत्सल हे ।।

- अभिराम परमहंस
('रक्षा कर आदि मूल हे' - भजन)

अर्थात महापुरुष अभिराम परमहंस के अनुसार, भगवान "माधव" उपयुक्त प्रलय से मनुष्य द्वारा स्वयं को बचा पाने के ज्ञान का प्रसार करेंगे और अपने सभी भक्तों को 16 मंडलों (समूहों) में एकत्र करेंगे । भक्तवत्सल भगवान "माधव" अपने भक्तों के समीप रह तथा नित्य गोलोक की लीलाएं कर उन्हें आनंदित भी करेंगे । #ekatrikaran #kalki

संवत्सर पांच सहस्र कली शेष होइब।
सत्य युग आद्य प्रकाश, शुभ योग होइब।।
हरी हरी शब्द मातीबे, हरी भक्त माने ।
हर्ष होइबे हृदय, दुखी दरिद्र माने।।

अर्थ: पांच हजार वर्ष बाद कलियुग खत्म होकर, आद्य सतयुग शुरू होगा, दुखी लोग सब सुखी होंगे, हरी भक्त लोग हरी, हरी शब्द का उच्चारण करेंगे।

- भविष्य मालिका #kaliyugaend

मालिका में वर्णित रंगेश्वरी ठकुरानी पीठ में कदम्ब के वृक्ष पर असमय फूल खिले और इसी के साथ कलियुग अंत को सच साबित करता हुआ और एक मालिका वचन सत्य हुआ । आम तौर पे अषाढ़ मास में कदम्ब पे फुल खिलते है लेकिन इस साल वैशाख मास में ही खिल गए और वो भी मालिका में जिस स्थान की महिमा कही गई है वहां पे ! #kaliyugaendproofs #malikaplace

महापुरुष अचुतानंद जी के जन्म दिवस के अवसर पर अचुतानंद जी की समाधि पीठ नेमाड़ ग्राम से वहाँ के महंत गगनानंद जी महाराज ने मालिका के एक रहस्य को खोल दिया I गगनानंद जी ने बताया ये जो एकाक्षर मंत्र को लेकर नाना प्रकार के भ्रम फैलाया जा रहा ये उचित नहीं है दरअसल मालिका में बताया गया है अकार अ मे पांच मात्राओं के मिलने पर ॐ बना और एकाक्षर मंत्र कहलाया इसलिए एकाक्षर मंत्र ॐ ही है और उन्होंने मालिका से इस बात का भी प्रमाण दिया वे ही अचुतानंद समाधि पीठ के आखिरी महंत हैं क्योंकि जल्द ही नेमाड़ ग्राम मे गडबडी शुरू होगी और लोग अचुतानंद जी की समाधि पीठ मे दंगे फसाद करके उन्हें वहाँ से भगा देंगे ठीक उसी वक्त अचुतानंद जी का नेमाड़ वट वृक्ष की शाखा को काट दिया जाएगा I #malikaplace #ekashar

बुध ग्रहो रूँ जे लोको पसिन जे जिबे, मेघ आज्ञा पाई घोर वर्षा करीबे।
जेते बंध होई माने सबु भांगी जिबे, हीराकुद बंध गोटी उछूड़ी पड़िबे।।

बुध ग्रह से लोग धरती पर आ जाएंगे और बादल उनकी आज्ञा पाकर घोर वर्षा करेंगे भारत के सभी बड़े बांध टूट जाएंगे और हीराकुद नामक बांध ओवरफ्लो हो जाएगा।

ऐसे ही कई अन्य श्लोक हैं मालिका में जो बुध ग्रह से लोगों के आने का इशारा करते हैं। उदाहरण के लिए जब बलदेव जी छतिया बट में जाकर दर्पण में अपना चेहरा देखेंगे उस समय एलियंस की घटनाएं धरती पर हो रही होंगी। #hirakud #budhgrah #odisha

□ सत्ताईसो अंके दक्षिणो दिगो रू समुद्र आसीबो माड़ि ।
उत्तरो रू गंगा उछली पड़ीबो तोही संगे देबो धाड़ि ॥
पश्चिमो दिशा रू जलस्रोतो एको तोही संगे जिबो मिसी ।
खंडो प्रलयो रो सूचना करीबो पापी माने जिबे भांसी ॥

अर्थात् 27 अंक मे दक्षिण से समुद्र तट का उल्लंघन करते हुए आएगा और उत्तर से गंगा गर्जना करती हुई उछल कर आएगी।
जब दक्षिण मे समुद्र तबाही मचाएगा उत्तर मे गंगा मे भयानक बाढ़ होगी उसी वक्त अरब सागर भी तट का उल्लंघन करते हुए आएगा और तीनों एक जगह मिल जाएंगे और पाप करने वाले पापी उसमे बह जाएंगे और ये जल प्रलय गर्मी के दिनो मे होगा।

□ मा सरला षोल मंडल परीक्षा होइब, सरस्वती कण्ठे बसि खल भिआईब ॥ जेते चिंता कले मनु पाशोरिण जिब, कर्म र परीक्षा गोति उणा जे पडिब ॥
- महापुरुष अच्युतानंद (चकडा मडाण, पृष्ठ- 88)

महापुरुष अच्युतानंद दासजी ने अपने मालिका ग्रंथ 'चकडा मडाण' में लिखा कि सोलह मंडलों (समूहों) में भक्तों के एकत्रीकरण के बाद मां सरला भक्तों की परीक्षा करेंगी।

मां सरला, जो सरस्वती स्वरूपिणी हैं, भक्तों के कंठ पर बैठकर माया करेंगी।

जिन भक्तों के कर्म ठीक नहीं होंगे, वे चाहे जितना भी याद कर लें, उन्हें मां के प्रश्नों के उत्तर मौके पर याद नहीं आएंगे। इस तरह, वे कर्म की परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो सकेंगे। अतः भक्तों के लिए अपने कर्म सही रखना अनिवार्य है।

□ लीला ब्रह्मा शिवन्कू अगोचर काही जानिबे एइ चर नर ।

महाप्रभु कहते है मेरी लीला ब्रह्मा और शिव की भी समझ से बहार है फिर मर्त्य जगत के ये मनुष्य तो जान ही कैसे पायेंगे ?! #kalki

कल्कि अवतार का साथ सबसे पहले राजस्थान के राजपूत देंगे राजस्थान के राजपूत ही जगन्नाथ मंदिर मे कल्कि के द्वारा फिर से रत्न सिंहासन पर जगन्नाथ जी को स्थापित करवाएंगे – आगम पुराण, भविष्य मालिका

राजपूत आर्मी मे होगा जब उत्तर से दुश्मन देश की सेना दक्षिण तक पहुँच चुके होंगे तब फिर से बचे खुचे हथियारों के साथ ये राजपूत उत्तर से दुश्मन देश की सेना पर हमला करेगा और दक्षिण से कल्कि अवतार आदिवासियों का फौज बना कर हमला करेंगे इस प्रकार दुश्मन देश की सेना का सफाया किया जाएगा प्राकृतिक आपदा भी साथ देगी दुश्मन को हराने मे फिर वो राजपूत कल्कि अवतार से कहेंगे जगन्नाथ मंदिर की सफाई करके फिर से जगन्नाथ जी को मंदिर मे रखा जाए | #kalki #rajasthan #ww3

उनसे पूछिएगा कि इसका मतलब और इसका effect वो समझ रहे हैं कि किस level का विनाश होगा ये? □ बाकी बातें छोड़ दोजिये, सिर्फ यह एक चीज को ही समझ लेंगे तो confusion दूर हो जाएगा उनका. □

□ पच्चीसो अंको रू उडीसा देशो रू बिदेशीय जाति जेते ।
मुहूर्तको मध्ये बाहारो होईबे न रहिबे कदाचिते ॥

अर्थात् पच्चीस अंक में ओडिशा में रह रहे विदेशी लोग भाग जायेंगे, शायद नहीं रहेंगे ।

□ छब्बीसो अंको रे उडीसा बक्षो रे होईबो महा समरो ।
भारत रो शेषो समरो टी यही जाणीथाओ तू ही वीरो॥

अर्थात् छब्बीस अंक में ओडिशा की धरती पे महायुद्ध होगा । महाभारत का अंतिम वेला का युद्ध इसी समय संपन्न होगा जिसमे सब महाभारत समय के सब वीर योद्धा भी होंगे !

#2025 #2026 #25 #26

शून्य रू अग्नि उठीबो, जाड़ी पूड़ी सबू भस्मो करीबो लो जाई फूलो, एही कथा टी अटोई ध्रुवो ।

अर्थात् 2022 से आग लगने की घटना बढ़ जाएगी शून्य से अपने आप आग लगेगी और धीरे सब जल कर भस्म हो जाएगा ।

झारखंड के रांची शहर में दूर घने जंगलों में स्थित "टांगीनाथ धाम" में भगवान परशुराम जी का फरसा आज भी गड़ा है। हजारों वर्षों से खुले आसमान के नीचे गड़े इस फरसे पर आज तक जंग नहीं लगा, यह नक्सल प्रभावित क्षेत्र है यहां साल में केवल एक बार महाशिवरात्रि पर ही मेला लगता है!

✓ तरकी थीबू तेरा कु

भविष्य मलिका में महापुरुष अच्युतानंद ने लिखा है कि जब भगवान कल्कि 13 (2020) वर्ष के होंगे, उस समय, इस संसार में लोग अलग रहेंगे और भय में रहेंगे। मतलब, लोगों से मिलने पर, वे एक दूसरे से दूर रहेंगे यानि शारीरिक दूरी बनाए रखेंगे।

✓ मुकुंद तेरा अंक जान

जिबा मारु हेबा टिपुना

अर्थात जब भगवान कल्कि 13 (2020) वर्ष के होंगे तब मनुष्यों और पशुओं की भारी संख्या में मृत्यु होगी। 5 जनवरी 2020 में ही ऑस्ट्रेलिया में आग लगी थी जहाँ लगभग अरबों जानवर जिंदा जल गये थे। और लगभग यही समय पे कोरोना के आतंक से लाखों मनुष्य मर रहे थे।

इन दोनों से साफ है कि 2020 में प्रभु जी का 13 अंक चल रहा था।

#kalki #2020 #timeline

□ ठीकणा अच्युत बोले ठ तिनी बामे पांच रखिले रामचंद्र रे थकी जिबे मिन शनि वले ।

अर्थात 3 ठ के आगे 5 रखें (5ठठठ) अर्थात कलयुग के 5000 वर्ष बीतने के बाद जब मीन-शनि योग आयेगा तब महाविनाश होगा। भक्त लोग भी थके रह जायेंगे।

ज्योतिष गणना के अनुसार मीन-शनि 29 मार्च 2025 को आयेगा। और भविष्य मालिका के अनुसार वक्रत से पहले ही आ जायेगा।

कुछ देर के लिये मान भी ले कि मीन शनि वक्रत से पहले नहीं बल्कि ज्योतिष गणना के अनुसार 29 मार्च 2025 को आयेगा। हम सब जानते हैं कि भविष्य मालिका के अनुसार मीन शनि भोग 2.5 वर्ष का होगा।

29 मार्च 2025 में 2.5 वर्ष जोड़े तो September का आखरी सत्र ही आता है।

यानी की ज्यादा से ज्यादा 2028 तक खेल खत्म हो जायेगा। लेकिन कुछ लोगों के अनुसार तब महाविनाश शुरू होगा। □

इसीलिये मालिका का अनुसरण करें कौन क्या कहता है उसका अनुसरण न करें।

#timeline #meenshani #2025 #2026 #2027

सात दिन सात रात अंधकार:

ये देखिए, ये है निर्मली लता या निर्मली बेल (आकाश बेल, Cuscuta) . इसका जड़ नहीं होता।

मालिका के अनुसार इसका अंजन (काजल) बनाकर आंखों में लगाने से अंधेरे में भी दिखाई देगा। 7 दिन 7 रात अंधकार में इसी का प्रयोग होने वाला है। अब अंजन भी कई विधि से बनता है, इसका कैसे बनाना है वो शोध का विषय है।

<https://youtu.be/Gelh6TyIAqM>

#bhairavidaak #meenshani

" 13 माह जाई समर, कली ये संसार जीबा "

अर्थ: 13 महीने के युद्ध के बाद कली संसार से पूरी तरह चला जाएगा

ये एक और कोट से मैच होता है, जब तारा गिरेगा तो भी कली संसार से चला जाएगा।

मतलब ये दोनो घटना, युद्ध का खत्म होना और तारा गिराना एक समान समय पर होगा । मतलब ये अंतिम समय पर होगा

जबकि युद्ध कुल 6 वर्ष और 6 माह तक चलेगा ।

#ww3 #kaliyugaend

इंदु डहा बिंदु

कल ऐसा चंद्रमा और एक शुक्र ग्रह लोग अगल-बगल देखे होंगे, मालिका के जानकर इसका अर्थ बताते हुए कहते हैं कि देशों को आने वाले समय में भयंकर अकाल का सामना करना पड़ेगा इसके पहले यह घटना लगभग 1961 के आसपास हुई थी और दुर्भिक्ष पड़ा था।

प्राप्त मालिका में इससे संबंधित कोई विशेष लाइन नहीं मिलती।

□ सुभाष नामो रे वीरो सैन्य, अमर अतायी सेही ती जानो। सुभाष रहीची रूसियारे असुरो माया रे साथी ।

अर्थात् सुभाष नाम से वीर सैनिक, जान लो वो अमर हैं। वो असुरी माया साध के रशिया में रह रहे है ।

□ सुभाष रहीची रशिया मुलाके, दिने आनिबा गोरा सैन्य, मुगल हाथोरू भारत छड़ाई करीबा राज्य शासन। - शिवकल्प निर्घट मालिका

अर्थात् सुभाष रशिया देश में रह रहे हैं। एक दिन वो लाएंगे गोरे सैनिकों को। और मुगलों से भारत को आजाद करके राज्य शासन करेंगे।

जब चीन और रूस के साथ तेरह मुस्लिम देश भारत पर हमला करके गंगा से गोदावरी तक कब्जा कर लेंगे तभी सुभाष चंद्र बोस जो रूस में गुप्त रूप से रह रहे है वो ब्रिटेन की सेना को भारत लेकर आएंगे और भारत के कुछ इलाकों को मुस्लिम देशों की सेना से छुड़ाएंगे और कुछ दिनों के लिए उन इलाकों पर शासन व्यवस्था संभालेंगे । मालिका के अनुसार सुभाषचंद्र बोस हिटलर के साथ तांत्रिक साधना अंटार्कटिका में किसी गुप्त स्थान पर किया करते थे पर हिटलर उस साधना के दौरान मारे गए और सुभाषचंद्र बोस को लंबी उम्र की शक्ति मिली ।

<https://youtu.be/4aH7x1Lpkog>

#subhashchandrabose #ww3 #kalimahabharat

□कली शेष होईव जे षडजे चालीस ।

सत्य कलीजे प्रवेश अठजे चालीस ॥

□निसारे जे जनमने शयन रे थिबे ।

रात्र जे पाहीले सत्य बचन कहीबे ॥

अर्थ

कलीयुग समाप्त होगा 46 अंकमे , सत्य कली का आरंभ होगा 48 अंकमे । लोग रातमे सोकर सुबह उठेंगे तब उनके मुखसे केवल सत्य वचन निकलेगा ।

#kaliyugaend #2026 #2027 #2025 #timeline

भविष्य मालिका | Bhavishya Malika Research | कल्कि अवतार | Kalki Avatar | युग परिवर्तन | Yug Parivartan | संशोधन | Research:

□साधुकू दिए जे कोषोणो, तांकू संहारे नारायणो ।

अर्थात् साधु को जो तकलीफ देता है उसका नाश करते हैं नारायण

स्कूल , कॉलेज रहेंगे ही नहीं

"चौबीस रू लेखा यंत्र उलटी पड़ीबो,
कम्प्यूटरो मोबाइलो कामो न जे देबो,

कोलो कारोखाना सबू भांगी ण जे जीबो,
स्कूलो कोलेजो कोषागारो बंदो होई जीबो."

अर्थात्:-

24 अंक से कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सब बंध पड़ जायेंगे। मोबाइल कुछ काम नहीं आएगा। 600 साल पूर्व पंचसखाओ ने कंप्यूटर और मोबाइल, स्कूल और कॉलेज के बारे में भी बता दिया था।

वाहन, कारखाने सब टूट पड़ेंगे यानी काम नहीं कर पाएंगे। स्कूल, कॉलेज, बैंक सब बंध हो जायेंगे।

यह 24 अंक या तो 2024-25 हो सकता है

□दूई हजार चौबीस मशीहा अंको आठो, ऐ अंको रो शनि ग्रह छाया पुत्रो, ऐ अंको चलन होऊ थिबा समय रे, मीनो शनि भोगो होऊ थिबो पृथ्वी रे, अनेको वित्पातो मानो पृथ्वी रे होईबो, ब्रह्मांडो कपी उठीबो धारीत्री थरीबो ।

अर्थात् 2024 को जोड़ने पर आठ अंक होगा ये आठ अंक शनि ग्रह छाया पुत्र का होता है इस अंक का चलन जब होगा तब मीन राशि में शनि का भोग होगा। पृथ्वी पर अनेक उत्पात मचेंगे। ब्रह्माण्ड कांप उठेगा। धरती थर्रा उठेगी।

□ मधु पूर्णिमा गुरुवारो रे , शून्य शब्दो सुभीबो कर्णो रे ।

अर्थात् मधु (चैत्र) महीने पूर्णिमा गुरुवार को आकाश से शब्द कान में सुनाई देगा । इस पद में चैत्र महीना गुरुवार पूर्णिमा को गर्जना होने की बात बताई गई पर तारीख और समय नहीं बताया गया, समय और तारीख बताने के लिए अचुतानंद आगे लिखते हैं

□ भैरवी डाकीबो भुवनेश्वरो रे, चैत्र मासो जे गुरुवारो रे ।

अर्थात् भैरवी भुवनेश्वर में चैत्र महीने गुरुवार को गर्जना करेगी पर इस पद में भी चैत्र महीने के साथ गुरुवार कहा और समय तारीख का उल्लेख नहीं किया

अब शिव कल्प निर्घट में इस घटना का साल और समय का उल्लेख करते हैं –

□ चौबीस अंको मध्य रे हो जाणो, भैरवी डाकीबो निशा अर्धेणो ।

देवी विरोजा ध्यानो भांगीबो, एका डाको रे ब्रह्माण्डो पूरीबो ।।

अर्थात् चौबीस अंक में अर्ध रात्रि में भैरवी गर्जना करेगी, देवी विरोजा की योगनिद्रा टूटेगी और एक गर्जना से ब्रह्माण्ड थर्रा उठेगा ।

भविष्य मालिका और भगवान कल्कि के बारे में अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें □

8967853267

9911819993

9355207153

<http://linktr.ee/kalkiavatar>

□ भइरबी देब डाक चमकि पडिब सारा मुलक लो जाइफुल
तहिं नष्ट हेब थोकाएक ।

□ भोबोनिस्वर रे भैरवी डाकिब बहुत लोक मरीबे, कहीबा गरुड़ आगकु शुनीबू जेमंते से नाश जिबे ।

हे गरुड़ भुवनेश्वर में भैरवी गर्जन करेगी और उसको सुनकर बहुत लोगों का मौत होगा। आगे कैसे लोग मरेंगे में तुम्हें बताऊंगा।

□ भैरवी देब डाक ला बाउड, जान रे अल्प दिन। मालिका बचन ना होईब आन, देखिबे दुई नयने।।

अल्प दिन में ही भैरवी की डाक सुनाई देगी । मालिका का यह वचन मिथ्या नहीं होगा ये अपनी आँखों से देखोगे !

□ मने रखी थाओ, अठारह अंके फाल्गुन मासोरो । निर्घट फाटो पड़ीबो उत्तरे बड़ो आसीबो, दक्षिणो मांडि आसीबो समुद्र प्रवलो ।

अर्थात् याद रखना अठारह अंक फाल्गुन महीने से उत्तर में हिमालय में दरार की शुरुआत होगी और दक्षिण में समुद्र तट की बढने लगेगा ।

□ 24 रे महागोड़ उपजिबु बाबु, मीन-शनि होइथिबे गुप्ते रखिबु।

24 अंक में महायुद्ध का प्रादुर्भाव होगा और मीन शनि लग गुप्त में ही लग जाएंगे।

मालिका के अनुसार महातांडव का योग यानी मीन शनि कब आयेगा?

□ ठिकणा अच्युती काले, ठकी जिबे मिन शनि भले सूजने।

महापुरुष ने साफ साफ कहा है कि मीन शनि में वक्रत से पहले आ जायेगा।

astrologically यह 29 मार्च 2025 को हो रहा है, लेकिन महापुरुष के अनुसार यह पहले आ जायेगा।

□ चौबीसी रु महागोड़ उपजिब बाबू, मीन-शनि होईथिब गुप्ते रखिबु।

यहाँ महापुरुष ने साफ-साफ कहा है कि मीन-शनि 24 अंक में ही होगा। और यह 24 अंक 2024 ही है यह नीचे की पंक्तियों से स्पष्ट हो जाता है।

महापुरुष ने यह बात गुप्त रखने को कहा था। □

मीन शनि कब आयेगा इस पर और एक मालिका पंक्ति नीचे है यहां हमें दिन, महीना और योग भी महापुरुष ने बता दिया है।

□ मीन शनि गुरुवारो रे पड़िबा एही अंके धुबा धुबा, मिथुन मासो रे 13 दिनों पक्ष, काला धरनी ग्रासीबो

मीन शनि गुरुवार को होगा, इसी अंक में सत्य होगा। 13 din का पक्ष: 23 June - 5 July 2024 में 13 दिन का पक्ष होगा, पूरे पृथ्वी में काल ग्रास करेगा।

एक और मालिका की पंक्ति से सब क्लियर हो जाता है कि यह योग 2024 में ही आयेगा, क्योंकि यहाँ साफ-साफ 2024 मशीहा लिखा है।

□ दूई हजार चौबीस मशीहा अंको आठो, ऐ अंको रो शनि ग्रह छाया पुत्रो, ऐ अंको चलन होऊ थिबा समय रे, मीनो शनि भोगो होऊ थिबो पृथ्वी रे, अनेको वित्पातो मानो पृथ्वी रे होईबो, ब्रह्मांडो कंपी उठीबो धारीत्री थरीबो ।

अर्थात् 2024 को जोड़ने पर आठ अंक होगा ये आठ अंक शनि ग्रह छाया पुत्र का होता है इस अंक का चलन जब होगा तब मीन राशि में शनि का भोग होगा, पृथ्वी पर अनेक उत्पात मचेगा ब्रह्माण्ड कांप उठेगा धरती थर्रा उठेगी।

इन सभी मालिका पंक्ति के अनुसार मीन शनि गुरुवार के दिन आयेगा। फिर मिथुन मास में 13 दिन का पक्ष होगा [23 June - 5 July 2024] और महा तांडव होगा।

मीन शनि 2024 में ही लगेगा। 2 नवंबर 2024 को लग जायेगा और रहेगा 2027 मई तक। आगे के विडीयो में प्रमोद पुष्टि जी ने बताया है कि यही 2.5 साल में (2 नवम्बर 2024 - मई 2027) में पृथ्वी के 4 भाग में से 3 भाग के लोग खतम हो जायेंगे। बस 1 भाग के लोग बचेंगे।

- प्रमोद पुष्टि जी

<https://youtu.be/QGMhzCbdK0>

"पड़िब चहरसर देशमुलकरे, जुद्धघोर लागिजिब देशबिदेशरे, बिदेशरे जेहूँजन स्त्रीपिला मेले, धाईबे ग्रामकु सेजे जीवन बिकले।"

जब सम्पूर्ण विश्व में विश्वयुद्ध छिड़ जाएगा, युद्ध की सुरुआत हो जाएगी तब विदेशों में रहने वाले भारतीय लोग अपने देश को लौटेंगे उन्हें लौटने का एक अवसर अवस्य मिलेगा। दरअसल यह विश्वयुद्ध कलियुग का अंतिम और महा विनाशकारी युद्ध होगा, ऐसी परिस्थिति में सभी भारतीय अपने देश को लौटेंगे कोई भी विदेशों में रहना नहीं चाहेगा। जो आज कहते हैं की भारत में या गांव में रहना उन्हें पसंद नहीं है वो सभी अपने गांव को लौट आएंगे क्योंकि उन्हें दूसरा कोई विकल्प रास नहीं आएगा।

तोके कहतुबे जनम हेलेणी दर्शन करीचीमुई। तो कहतुबे जन्म हेबे प्रभु ठार गार बूझो तुहि ।।

अर्थ - भगवान के भक्तों के द्वारा संसार को बार-बार विभिन्न तौर तरीकों से अवगत कराया जाएगा कि उन्होंने जगतपति भगवान का अपने चर्मचक्षुओं के द्वारा दिव्य दर्शन प्राप्त किये हैं एवं भक्तों के द्वारा श्रीभगवान के अवतरण (जन्म) की बात भी कही जाएगी पर कलियुग के प्रभाव व मायापति की माया के कारण लोग भक्तों की बातों को नजरअंदाज करेंगे व उन्हें मूर्ख जान उनका उपहास करेंगे।

मालिका सत्य हुई - 600 वर्ष पहले लिखी गई भविष्य मालिका ग्रंथ में 6 दिन पहले अनाउंस हुए कटक - भुवनेश्वर मेट्रो प्रोजेक्ट और उससे संबंधित वाणी कुछ इस प्रकार मिलती है -

"नुआ रेल रास्ता जेबे होइब कटके
सेही बेले हाणगोल छटकेनाटके
दिबसरे उलुका पात हेउथिब जाण
24 अंक रे एहा घटीबा जे पुण।
रानीहाट रु तुलसीपुर जे पर्यत
बहुथिब नितिदिन मानव रकत
गृहयुद्ध हेब पुणि हिन्दु मुसलमान"

अर्थात्: - जब ये कटक-भुवनेश्वर मेट्रो प्रोजेक्ट का काम आरंभ होगा उस समय एक भयानक युद्ध कटक (ओड़िशा) में होगा और उसी समय कटक के राणीहाट, तुलसी पुर आदि स्थानों में गृह युद्ध भी चलेगा।

अपने- अपने के बीच लड़ाई में बहुत लोग मृत्यु को जाएंगे, रक्तचाप होंगे। तब दिन के समय में भी उल्का पिंड गिरने लगेंगे। लगभग जो 24 अंक होगा उस समय में ये घटना होगी।

"चांदिनी चौक ठारे होइब समर
कटक रे बहुथिब रकत र धार,
हाण काट हेउथिब मंगला बाग र
पश्चिम दिग रू सन्य आसिबे तत्काल"

अर्थात: - ओडिशा के कटक जिले के चांदिनी चौक पर हिन्दू मुस्लिम के बीच युद्ध होगा, बहुत बड़ी हिंसा होगी। कटक मंगला बाग में भी युद्ध होगी। उसी समय पश्चात् देशों में से सैनिक युद्ध करने के लिए आएंगे।

समाचार सौजन्य:-

[_https://www.google.com/amp/s/www.jagran.com/lite/odisha/bhubaneshwar-odisha-metro-cm-naveen-patnaik-announced-metro-train-run-in-cuttack-bhubaneswar-puri-23373860.html](https://www.google.com/amp/s/www.jagran.com/lite/odisha/bhubaneshwar-odisha-metro-cm-naveen-patnaik-announced-metro-train-run-in-cuttack-bhubaneswar-puri-23373860.html)

जय श्री माधव ☐

मीनो शनि भोगो ठारूं महाभयो हेबो दिल्ली सम्राट के आसी विपदो पडीबो ।।

अर्थात शनि जब मीन राशि मे प्रवेश करेगा दिल्ली में प्रधानमंत्री भी विपदाओ से घिर जाएगा कैसे होगा ये और तब प्रधानमंत्री क्या करेगा

आगे बताते हैं।

गांधारो सेना जे बहु द्वंद्वी आरंभिबो ।।
छाड़ी पड़ाईबो केड़े बुद्धि न दिसीबो ।।

अर्थात गांधार सेना पाकिस्तान चीन और तेरह मुस्लिम देशो की सेना बहुत उत्पात मचाएगी जिससे प्रधानमंत्री की बुद्धि काम नहीं करेगी और सबकुछ छोड़कर प्रधानमंत्री चले जायेंगे।

अग्नि की देवी माता हिंगुला अचानक गाँव के बीच के नीम के पेड़ में प्रकट हो गई और पूरा इलाका चंदन कपूर तुलसी के सुगंध से महक उठा , देवता जाग्रत हो रहे हैं ।

मालिका भक्त बाबूल नाना ने चमत्कारी ग्रंथ ब्रह्माण्ड भूगोल मे देख कर बताया भगवान की आज्ञा से महादेव ने सभी देवी देवताओं को आदेश दे दिया है सभी अपनी हलचल तेज कर दें अपनी अपनी लीला को प्रकट करें और जगन्नाथ जी के भक्तों को संकेत दें जो कल्कि अवतार को ताके बैठे हैं ।

भविष्य मालिका में मोबाइल के बारे में क्या संकेत मिलता है...

☐ चारण चरण बारण होइब बरण न करी जन।
प्रेरण जंत्र रे मन रखी थिबे दुष्ट भाव निरेखीन।

उनके अनुसार कलियुग के लोग अच्छी बात करने वाले लोगों को पसंद नहीं करेंगे व अपने से बड़ों का सम्मान नहीं करेंगे। हमेशा उनका मन एक यंत्र में ही लगा रहेगा और प्रायः लोग उस यंत्र का दुरुपयोग ही करेंगे। संत अच्युतानंद दास जी उसे प्रेरण जंत्र (आज का मोबाईल)लिख रहे हैं।

ऐसे स्वामी जी ने सिनेमा के बारे में भी लिखा है कि ऐसा कोई चलचित्र चालू होगा जिसका शुरू में तो सदुपयोग होगा लेकिन बाद में अश्लील चीजें चलाए जाएंगे और उसका बड़े स्तर पर दुरुपयोग होगा। जैसा कि हम सब जानते हैं कि पहले की पिक्चरें कितनी अच्छी हरिश्चंद्र और कितनी धार्मिक पिक्चर निकलती थी।

लेकिन आजकल सिनेमा का हाल कैसा है किसी से छुपा नहीं है, मालिका कभी झूठ नहीं हुई थी ना होगी। मालिका में क्रिकेट के बारे में लिखा हुआ है।

☐अउ केते ग्रन्थ अछई गुप्त, ग्रन्थ अछि प्रभु पास ।
पद्मकल्प टिका समस्त भक्त महिमा कीर्ति प्रकास ।।

अर्थात पद्म कल्प टिका नाम का ग्रन्थ जो अभी गुप्त है और भगवान् कल्कि के पास सुरक्षित है वोह ग्रन्थ प्रकाशित होगा तब उसमे सभी भक्तो क नाम उनके माता पिता के नाम, पूर्व जन्म के संस्कार, सत्य त्रेता और द्वापर में वोह क्या थे आदि माहिती भक्तो तक पहुचेगी लेकिन वोह ग्रन्थ धर्म संस्थापना तक गुप्त ही रहेगा उसके बाद जब सुधर्मा सभा बैठेगी तब प्रभु इस ग्रन्थ का प्रकाश करेंगे ।

<https://youtu.be/Nu9SyBfL9Bs>

मालिका की भविष्यवाणियां

☐दंभे भणिले अच्युति,
दधि धार तीरे गिरी लुचिछि, सुजने हो

(दृश्य) लीला होइब उत्पति, सुजने हो
धिर बाणी अच्युतिर
धबल केतन गिरी ऊपर, सूजने हो
धराजिबे सेहिठारे चोर सुजने हो।

अच्युतानंद दास
(सुमरणा चौतीशा, अच्युतानंद रचनाबली
(कविता खंड), पृष्ठ- 207)

महापुरुष अच्युतानंद दासजी दृढ़ विश्वास के साथ कहते हैं कि क्षीर नदी के किनारे एक गुप्त पर्वत है, जहां से कल्कि भगवान की लीलाएं आरंभ होंगी। भगवान कल्कि धवलकेतन गिरि या धवलगिरि नामक स्थान पर भक्तों से छिप कर रह रहे होंगे, पर बाद में वहीं पर भक्तों से उनकी भेंट होगी। (पौराणिक कथा के अनुसार महर्षि अगस्त्य के शाप के कारण विंध्य पर्वतमाला का 'अष्टगिरि' (अर्थात्, आठ पर्वत) ओडिशा के जाजपुर में धंसकर जमीन के नीचे अदृश्य है। महापुरुष उन्हीं में से एक गिरि को इंगित कर रहे हैं।)

बारह हाथ खंडा धरि बेनि भाई, बहार होइब पुन।
महागोड़ युद्ध होइब सुचारे, पोके हेबे रणभन।
- पद्मकल्प टीका।
संत भीम भोई जी।

12 हाथ का खंडा(तलवार) लेकर दोनों भाई दोबारा सामने आएंगे और दुश्मनों से युद्ध करेंगे(दारू ब्रह्म वापस लेने के लिए शायद) ये घटना नेमाल वट के पास किसी वट के निकट घटित होगी।

2023 में ओडिशा में होने वाले जल प्रलय के बारे में मालिका वाणी

अब 2023 में प्राकृतिक आपदा का भी संकेत दे रहे हैं महापुरुष अच्युतानंद,,

पूर्वो रू दक्षिणो समुद्र बढीबो, दक्षिणे करीबो गादी ।
होईबो लहड़ी पड़ थिबो माड़ि, बड़ो देऊडो कू कांदी ।।
अर्थात् पूर्व और दक्षिण दिशा में समुद्र का जल बढ़ेगा लहरें विकराल रूप धारण करेंगी जिससे जगन्नाथ मंदिर पर संकट गहराएगा ।

बड़ो देऊडो कू धोक्का मारू थिबो, देखीबू तू नयनो रे ।
उतरांचल कू युद्ध रो प्रस्तावना, हेतू रोखी बू तू मोनो रे ।।
अर्थात् जगन्नाथ मंदिर में समुद्र की लहरे टकरा रहीं होंगी अपनी आंखों से देखना और उसी समय देश के उत्तरी सीमावर्ती राज्यों में युद्ध चल रहा होगा ।

नीलोचक्रो ठारू पताका छिड़िणो पड़ीबो समुद्र कूड़े ।
कल्कि रूपो कू चिंता पुणी हेबो नहिबे खीराब्धो मूड़े ।।
अर्थात् नीलचक्र से धर्म ध्वजा टूट कर समुद्र के किनारे गिरेगा और फिर से कल्कि अवतार की आशा लोग करेंगे, यहाँ महापुरुष ने फिर से कल्कि, ऐसा क्यों कहा क्योंकि पहले भी धर्म ध्वजा टूट कर गिरा है और कल्कि रूप की चिंता अर्थात् आशा लोगों को हुई थी जब फैलीन, फनी तूफान में धर्म ध्वजा टूट कर गिरा था पर माया बलवती है हालात सामान्य होने पर फिर से भूल गए, इसलिए महापुरुष ने लिखा है ध्वजा फिर से गिरेगा और फिर से कल्कि रूप की चिंता लोग करेंगे और इस बार समस्या इतनी गंभीर हो चुकी होगी जिससे फिर से नहीं भूलेंगे क्योंकि तब कहीं ओर से कोई आश ही नहीं बचेगी आंखों के आगे अंधेरा छाया रहेगा ।

दूई सून्य दूई तीन जे ठाबो, एमंते समये बाबू भोगो जे होईबो ।
इस दोहे से पक्का संकेत मिल रहा है ऐसा 2023 से ही शुरू होगा क्योंकि इस दोहे में कह रहे हैं दो शून्य दो तीन अर्थात् 2023 को याद रखना और इसी साल से मनुष्य अपने पाप का फल भोगेंगे ।
जय जगन्नाथ जय पंच सखा □□□□□□

शुण हे बारंग कहिबा से रंग प्रभु अबतार स्थान । श्री बिरजा क्षेत्रे जनम लभिबे अनन्त मिश्र गृहेण । जनम लभिबे गृह कु तेजिबे तपस्या करिबे जाइ । खण्डगिरि स्थान सिद्ध न्क सदन रहिबे से भाबग्राही ।

भावार्थ- अनन्त दास जी अपने शिष्य बारंग को कल्कि अवतार का स्थान बताते हुए कहते हैं कि महाप्रभु बिरजा क्षेत्र जाजपुर में अनंत मिश्र जी के घर में जन्म लेंगे। बाद में गृह को छोड़कर, खण्डगिरि, जो कि एक सिद्ध स्थान है, वहां पर जाकर तपस्या करेंगे।

कई जगह अलग नामों से प्रभु के माता पिता को कहा गया है मालिका में। लेकिन इस नाम से भी कहा गया है यह भी एक तथ्य है।

भविष्य मालिका में दिल्ली शहर के बारे में क्या लिखा है आइये जानते हैं।

□दिल्ली, बॉम्बई, कलकत्ता, मद्रास जे जान
प्रथमें घहिला हेबा बॉम्ब मदे पुन
□दिल्ली सहारा ति जान धन्स स्तूप हेबा प्रथम ।
रॉकेट माड सहिठारे टी हेबा ।

भारत के दुश्मनों का पहला हमला दिल्ली, मुंबई, कलकत्ता, मद्रास इन 4 जगहों पर होगा। साथ ही इन 4 जगहों पर युद्ध की तीव्रता सबसे ज्यादा होगी।

पहला हमला दिल्ली पर रॉकेट से होगा, और दिल्ली शहर में बहुत विनाश होगा। दिल्ली शहर ध्वंस का स्तूप बन के रह जायेगा।

□परमाणु जे बोमा जारा लागी बिदेसिब गारिमा,
देखाई भुवन्ति आज पाश्चात्य सेना,
ताहाँ फुटिबे नाही केणे जेबे मिलाई,
एहा देखी बिदेसीए जिबे पलाई।

अर्थात् – तृतीय विश्व युद्ध (2024-28) के समय भारत के शत्रु देशों द्वारा भारत पर परमाणु हथियारों का प्रयोग होगा। तब चक्रधर भगवान कल्कि द्वारा केवल इच्छा कर लेने मात्र से शत्रु देशों द्वारा प्रयोग किये गए सभी परमाणु बम व हथियार निष्क्रिय हो जाएंगे। तब सभी शत्रु देशों, यूरोपियन देश और चीन तथा पाकिस्तान के सैनिक भयभीत होकर अपने देश लौट जाएंगे तथा अपने छुपने के लिये स्थान तलाशेंगे और अपनी सुरक्षा करने के लिये विचलित हो जाएंगे।

□संवत्सर पांच सहस्त्र कली शेष होइबा,
सत्य जुग आद्य प्रकाश शुभ जोग होईबा।
हरी हरी शब्द मातीबे, हरी भक्त माने

कलयुग का अंत हो गया है।

अर्थ: 5000 वर्ष बाद कलियुग खत्म होकर आद्य सतयुग का प्रकाश होगा। सब ओर भक्त लोग हरी हरी शब्द करेंगे
हाड़ीदास मालिका

□कलिकाता जे सहारा पोड़ी जाली हेबा कि नार खारा लो जाईफूल ये हेब भारत समर सारा रे

जब भारत, चीन और पाकिस्तान के बीच युद्ध होगा महाभारत युद्ध का 'एक बेला' (एक दिन का हिस्सा) युद्ध शेष है।

उस युद्ध के प्रभाव से चीन द्वारा कोलकाता शहर पर एक बड़ा हमला होगा।
उस हमले की वजह से कोलकाता शहर के कई जोन आग की चपेट में आ जाएंगे।
कोलकाता में आग से भयंकर विनाश होगा, और कुछ क्षेत्र जल कर राख हो जाएंगे।

अमेरिका यूरोप महादेश जाण, स्थिति हराइब तार बिसाक्तह पबन, सबोरी ध्वंसर कारोन अमेरिका जाण, निश्चिन होइब जुद्धे गरबिय टेपुन:

अर्थात्- अमेरिका और यूरोप के देशों की स्थिति बहुत बुरी होगी विशाक्त हवा फैल जायेगा। इसका कारण परमाणु बम हो सकता है जिसके कारण हवा जहरीला हो जायेगा।
इन सब ध्वंस का कारण अमेरिका होगा।

कौवे मर रहे हैं अब इनके मरने का कारण कुछ भी हो पर मालिका के अनुसार अब 2029 से धरती पर सिर्फ सफेद कौवे ही नजर आएंगे और ऐसे ही पशु रूपी मानव भी नहीं रहेंगे सिर्फ वही मानव दिखाई देंगे जो मानवता से परिपूर्ण होंगे ।

पुलीन पांडा जी के हिंदी मालिका विडिओ मे बोला हे की भक्त के शरीर 14 निशानियो मे से कोई एक निशाणी होगी।।

ताके देवी देवता उन्हे बचा सके और योगिनी वगैरे उन्हे ना संहार कर सके।।

विडिओ- सत्य भांजा हिंदी

□तस्तुमुल संघाते वर्तमाने युग क्षये।
यदा चन्द्रश्च सूर्यश्च तथा तिष्य बृहस्पति॥
□एक राशौ समेष्यन्ति प्रयत्स्यति तदा कृतम्।
कालवर्षी च पर्जन्यो नक्षत्राणि शुभानि च॥
□क्षेमं सुभिक्षमारोग्यं भविष्यति निरामयम्॥

इसमें कहा गया है कि- "जब चन्द्रमा, पुष्य, नक्षत्र और बृहस्पति एक राशि पर समान अंश में हो जायेंगे, तब पुनः कलि की अंतर्दशा समाप्त होकर सतयुग की अंतर्दशा आरम्भ होने का समय आ जायगा। उस अवसर पर सर्वत्र बड़ी संघर्ष और हलचल की स्थिति होगी। इसके पश्चात् फिर यथासमय वर्षा होकर सब पदार्थों की बहुतायत और सुभिक्ष होगा और सब लोग स्वस्थ तथा सुखी होंगे।" ज्योतिर्विज्ञान के ज्ञाताओं के मतानुसार ऐसा योग सन् 1943 में आ चुका है उक्त ग्रह-योग के आने पर एक दिन में पुराना युग समाप्त होकर नया युग पूरे लक्षणों सहित आरम्भ हो जायगा। शास्त्रों में युगों का हिसाब बतलाते हुये कह दिया है कि जिस युग की अंतर्दशा जितने हजार वर्ष की होती है उतने ही सौ वर्ष की उसकी संध्या और संध्याँश भी होती है। अर्थात् जिस प्रकार सतयुग की अंतर्दशा 4000 वर्ष की है तो उसके आगे-पीछे 400-400 वर्ष का समय ऐसा व्यतीत होगा जिसमें उस युग की क्रमशः उन्नति अथवा अवनति होगी। इसी प्रकार सन् 1943 में जो कलि की अंतर्दशा समाप्त हुई है उसका संध्याँश 100 वर्ष तक चलेगा अर्थात् उसके समाप्त होने का संघर्ष और हलचल सौ वर्ष तक चलते रहेंगे और उनमें होकर क्रमशः नये युग का आविर्भाव होगा। उसके पश्चात् भी सतयुग की अंतर्दशा एकदम न आ जायगी, वरन् उसकी 400 वर्ष तक की संध्या आरम्भ होगी जिसमें क्रमशः होते हुये सन् 2500 में सतयुग की वास्तविक अवस्था दिखाई पड़ने लगेगी।

रे मन धीरज क्यों न धरे,
संवत् दो हजार के ऊपर ऐसा जोग परे।
पूरब पश्चिम उत्तर दक्षिण,
चहु दिशा काल फिरे।
अकाल मृत्यु जग माही व्यापै,
प्रजा बहुत मरे।

सवर्ण फूल वन पृथ्वी फुले,
धर्म की बैल बढ़े।
सहस्र वर्ष लग सतयुग व्यापै,
सुख की दया फिरे।

काल जाल से वही बचे,
जो गुरु ध्यान धरे,
सूरदास यह हरि की लीला,
टारे नाहि टरे॥

रे मन धीरज क्यों न धरे
एक सहस्र, नौ सौ के ऊपर
ऐसो योग परे।
शुक्ल पक्ष जय नाम संवत्सर
छट सोमवार परे।

हलधर पूत पवार घर उपजे, देहरी क्षेत्र धरे।
मलेच्छ राज्य की सगरी सेना, आप ही आप मरे।
सूर सबहि अनहौनी होई है, जग में अकाल परे।
हिन्दू, मुगल तुरक सब नाशै, कीट पतंग जरे।
मेघनाद रावण का बेटा, सो पुनि जन्म धरे।
पूरब पश्चिम उत्तर दक्खिन, चहु दिशि राज करे।
संवत् 2 हजार के उपर छप्पन वर्ष चढ़े।
पूरब पश्चिम उत्तर दक्खिन, चहु दिशि काल फिरे।
अकाल मृत्यु जग माही व्यापै, परजा बहुत मरे।
दुष्ट दुष्ट को ऐसा काटे, जैसे कीट जरे।

माघ मास संवत्सर व्यापे, सावन ग्रहण परे।
उड़ि विमान अंबर में जावे, गृह गृह युद्ध करे
मारुत विष में फैंके जग, माहि परजा बहुत मरे।
द्वादश कोस शिखा को जाकी, कंठ सू तेज धरे।

सौ पे शुन्न शुन्न भीतर, आगे योग परे।
सहस्र वर्ष लों सतयुग बीते, धर्म की बैल चढ़े।
स्वर्ण फूल पृथ्वी पर फूले पुनि जग दशा फिरे।
सूरदास होनी सो होई, काहे को सोच करे।

विक्रम संवत् 1900 के बाद ऐसा समय आया कि चारों ओर मारकाट मचेगी। उस वक्त जय नामक संवत्सर होगा। हिन्दू, तुर्क, मुगल सभी कीट-पतंगों की तरह मरेंगे। अकाल और सूखा होगा। मलेच्छ राज्य की सभी सेना अपने आप ही मारी जाएगी। रावण का बेटा मेघनाद पुनः जन्म लेगा और तब भयंकर समय होगा।

सूरदासजी कह रहे हैं कि हे मन तू धैर्य क्यों नहीं रख रहा, संवत् 2000 में ऐसा भयंकर समय आया जिसमें जिसमें चारों दिशाओं में काल का तांडव होगा, हर जगह अकाल मृत्यु यानी बेमौत मारे जाएंगे। इस भयंकर समय में प्रजा बहुत मरेगी। पृथ्वी पर युद्ध जैसी तबाही होगी जिसमें बड़ी संख्या में लोग मरेंगे। उसके बाद एक किसान के घर एक महात्मा पैदा होगा जो शांति और भाई चारा स्थापित करेगा। एक धर्मात्मा इस विनाशकारी समय को वश में करेगा और लोगों को धर्मज्ञान की शिक्षा देगा।

इस भविष्यवाणी में जिस महान आध्यात्मिक नेता की बात की जा रही है कुछ लोग उसे अपने अपने गुरु से जोड़कर देखते हैं। कुछ लोग मानते हैं कि यह भविष्यवाणी संत रामपाल और कुछ लोग इसे बाबा जयगुरुदेव से जोड़कर देखते हैं।

उल्लेखनीय है कि उपरोक्त छंदों में जिन संवत्तों का उल्लेख किया गया है वह काल व्यतीत हो चुका है। जैसे संवत् 2000 के ऊपर ऐसा जोग परे जिसका अर्थ है कि अंग्रेजी सन के अनुसार 1942 के बाद ऐसा होगा। दूसरे छंद में एक सहस्र, नौ सौ के ऊपर ऐसी योग परे।

शुक्ल पक्ष जय नाम संवत्सर छठ सोमवार परे। अर्थात् संवत् 1900 अर्थात् अंग्रेजी सन् 1842 में यह स्थिति थी। तीसरा छंद में कहा गया है कि संवत् 2 हजार के ऊपर छप्पन वर्ष चढ़े अर्थात् अंग्रेजी सन् 1998 में यह घटना घट चुकी है।

1842 के बाद भारत में अंग्रेजों के खिलाफ असंतोष पनपना और 1857 में क्रांति हुई जो असफल हो गई। फिर 1942 में स्वतंत्रता आंदोलन चला और दुनियाभर में मारकाट मची थी। महात्मा गांधी और सुभाषचंद्र बोस के नेतृत्व में भारत को आजादी मिली लेकिन विभाजन और दंगे का दर्द भी रहा। 1998 के बाद भारत में परिवर्तन की लहर तेजी से फैल रही है। इस बीच कौन है वो मसीहा जो भारत को 21 वीं सदी में विश्व गुरु बनाएगा?

विजयाभिनन्दन बुद्धजी, और निष्कलंक. इत आय।
मुक्ति देसी सबन को, मेट सबै असुराय॥
एक सृष्टि धनी भजन एकै, एक ज्ञान, एक आहार।
छोड बैर मिलै सब प्यार सों, भया जगत में जैजैकार॥
कहा जमाना आबसी झूठा और नुकसान।
यार असहाब होसी कतल, तलवार उठसी सब जहान॥
अक्षर के दो चश्मे, नहासी नूसर नजर।
बीस सौ बरसें कायम होसी बैराट सचराचर॥

प्राणनाथ जी का यह भी कहा है कि बीसवीं शताब्दी में जब यह युग-परिवर्तन का कार्य पूर्ण हो जायगा और एक विराट (विश्वव्यापी) दैवी विधान समस्त देशों में व्याप्त हो जायगा। तब विभिन्न मतमतान्तरों की द्विविधा मिट कर सब लोग एक ही पर-ब्रह्म को स्वीकार करेंगे, एक ही उपासना पद्धति पर चलेंगे, एक सी मान्यतायें होंगी और रहन-सहन, खान-पान में ही एकता पैदा हो जायगी। उस समय आपस की फूट, बैर का अन्त हो जायगा, सब सद्भावपूर्वक रहते हुये दैवी-जीवन व्यतीत करने लगेंगे। यही आदर्श आजकल संसार के समस्त अध्यात्मवादी विद्वान स्वीकार कर रहे हैं और इसी का प्रचार किया जा रहा है।

पंजाब में एक प्राचीन कहावत गुरु नानक के नाम से प्रसिद्ध है कि- “जब आवे संवत् बीसा, तो मुस्लिम रहे न ईसा।” इसका आशय यही है कि बीसवीं सदी में मुसलमान और ईसाइयों में ऐसा भयंकर युद्ध होगा कि दोनों की अत्यन्त बर्बादी हो जायगी।

श्री एन.के. बोस का कथन है कि- “मैंने रावण के ज्योतिष सूत्रों का विशेष रूप से अध्ययन करके यह निष्कर्ष निकाला है कि 1962 के आरम्भ में ही अष्टग्रही योग भावी विपत्ति के बीज बो देगा जिसके फल से अवस्था लगातार गम्भीर होती चली जायगी। सन् 1964 में जब शनि और गुरु वृश्चिक राशि में आयेंगे तो इसका प्रत्यक्ष फल दृष्टिगोचर होने लगेगा।

कुछ वर्ष पहले तिब्बत के एक लामा ने योरोप के जगत प्रसिद्ध विद्वान और चित्रकार रोरीश को बताया था कि-दुनिया की पार्थिव शक्ति के ऊपर धर्म की शक्ति की विजय चंबाला युग (सतयुग) में होगी जो जल्दी ही शुरू होने वाला है। यहूदी लोगों का भी ख्याल है कि उनके धर्मग्रन्थों में बतलाया ‘मुएर गजर’ नामक युग जल्दी ही शुरू होगा। ईरान में अली के अनुयायियों (शिया सम्प्रदाय) वालों का भी ऐसा ही विश्वास है कि उनके ‘मेहदी’ जल्दी ही प्रकट होकर न्याय का राज्य स्थापित करेंगे। जापानी लोगों का विश्वास है कि उनका ‘अवातेरी’ युग (सतयुग) कुछ समय बाद प्रारम्भ हो जायगा।

<http://literature.awgp.org/akhandjyoti/1967/July/v2.5>

□अणोचासो खंडो पवनो बहिबो पर्वतो दोहली जिबो ।

पर्वत गुहारे भक्तो रखीबो नेई करी बोड़ो देवो ॥

अर्थात् भयंकर आंधी तूफान होगा पर्वत दहल उठेंगे तब पर्वत के गुफाओं में शेषनाग के अवतार बलदेव भक्तों को बचा कर रखेंगे ।

□ बल बुद्धि विद्या न थिबो काहारो सर्वे हेबे एकाकारे ।
एकई पत्रो रे अन्न भूजूं थिबे देखीबो बेनी नेत्रो रे ।

अर्थात् बल बुद्धि विद्या अहंकार सब छू मंतर हो जाएगा सब एक हो जाएंगे एक ही पते पर भोजन कर रहे होंगे कौन ब्राह्मण कौन हरिजन कौन क्षत्रिय कौन सूद्र सभी एक ही थाली में भोजन कर रहे होंगे क्योंकि भयंकर आफत भुखमरी आदि फैल चुका होगा ये घटना अपनी आंखों से देखेंगे ।

□ एही कथा मानो निश्चय घटिबो रेवती दूई गुणे एको ।
भक्तों मानकों शक्ति फेरिबो सुणो तू ब्रजो नायको ॥

अर्थात् ऐसा कब होगा रैवती अर्थात् नक्षत्र 27 तो 27 को 2 से गुणा करने पर 54 होता है और 54 में एक जोड़ देने पर 55 होता है अर्थात् गजपति दिव्य सिंह देव के सिंहासन पर बैठने के 55 साल जब हो जाएंगे (2025) तब ये घटना घटेगी । और उसी दिन भक्तों को दिव्य शक्तियाँ प्राप्त होंगी ।

□ सुनो रामदास हेब मोरा बास गृहस्थ पराय मुहि सन्यास । रा छिन्न किचिह न रहिब । तोरा आगरे देलू कही ।

अर्थात् सुनो रामदास मैं एक गृहस्थ की तरह रहूँगा । संन्यास का कोई चिह्न नहीं होगा ये तुम्हारे आगे प्रकाश कर दिया ।

□ बुली ग्राम देश बोलिबे सर्वे अनंत घोषा ।

अर्थात् गाँव गाँव जाकर प्रभु भक्तों के माध्यम से सब को अनंत घोष (अनंत माधव) नाम जपना सिखायेंगे ।

□ छंद कपटी जेतक छंदे आसन्ति । छंदकथा कही प्रभु ।
ता मन तोशाति । छलाइन हे । छामु रु से जाति पलाइण हे ।

अर्थात् भगवान् छद्म वेश में एक आम आदमी की तरह रहेंगे । जब दुष्ट और कुटिल लोग भक्तों का भेष बनाके उनके पास आयेंगे प्रभु उनसे मजाकिया ढंग से बातचीत करके भ्रमित करेंगे । फल स्वरूप उस तरह के लोग उनपे संदेह करके वहां से भाग जायेंगे ।

□ निर्माल्य भूजाई लीला करुथिबे भक्त घरे भगवान् ।

अर्थात् भगवान् अपने भक्तों को निर्माल्य (प्रसाद) का सेवन कराके खेल और कौतुक में दिन बिताएंगे ।

□ जन्म होइबू जाजनगरे । गर्भ बहार हेबू निशा अर्धरे ।

अर्थात् प्रभु का जन्म जाजपुर में होगा और आधी रात में प्रभु गर्भ से बहार आयेंगे ।

□ डाहण अंगरे बलदेव टी रहीबे ।
बामभागे चक्रधर संबुत होइबे
- बाल्मीकि कल्प, अच्युतानंद दास

अनुवाद:
दाहिने अंग में होंगे श्री बलभद्र ।
चक्रधर बाई ओर होंगे

अर्थ:
दो भाइयों (श्री जगन्नाथ और श्री बलभद्र) की संयुक्त शक्ति भगवान् कल्किराम के अवतार में प्रकट होगी । #kalki

मालिका के अनुसार तेरह दिन वाला पक्ष कलयुग के अंत में तेरह बार होगा । महाभारत युद्ध के समय भी ऐसा हुआ था 1999 के तूफान फैलीन तूफान हुदहुद तूफान और फिर फनी तूफान के वक्त भी तेरह दिन वाला पक्ष हुआ था शायद अफान के वक्त भी आया था केदारनाथ प्रलय के वक्त भी तेरह दिन वाला पक्ष हुआ था । अब ज्योतिषों को कैसे मालूम नहीं चला इस पर अच्युतानंद ने कहा हैं खडिका रो खड़ी बना हेई जीबो तिथि लग्न न मिडिबो अर्थात् ज्योतिषियों की गणना सटीक नहीं होगी तिथि लग्न नहीं मिलेगा । इस बार फिर से तेरह दिन वाला पक्ष सितंबर महीने में हो रहा है ।
भाद्रपद शुक्ल पक्ष यानि सितम्बर में दो तिथियां गायब होंगी । सितंबर में भाद्रपद शुक्ल पक्ष तेरह दिनों का होगा 8 सितंबर से 20 सितंबर 2021 तक तेरह दिन का पक्ष होगा । इस संबंध में ज्योतिषियों में भी मतभेद है कुछ कह रहे हैं ऐसा होगा कुछ कह रहे हैं नहीं ऐसा नहीं होगा । पर अच्युतानंद ने तो कहा है ज्योतिष गणना काम नहीं करेगी । हालांकि कुछ ज्योतिषों ने कोरोना खत्म होने की भविष्यवाणी की थी पर उनकी गणना सटीक सिद्ध नहीं हुई । खैर ये देखना

है तेरह दिन वाला पक्ष 1999 से कितनी बार हुआ क्योंकि जितनी बार तेरह दिन वाले पक्षों की संख्या बढ़ती जाएगी खतरा भी बढ़ता जाएगा और जब तेरह बार पूरे हो जाएंगे अचुतानंद के अनुसार कलयुग सम्पूर्ण रूप से खत्म हो जाएगा।

जय श्री माधव□□

#13dinapaksh #kaliyugaend

शिशु अनंत अपने शिष्य बारंग से कह रहे हैं।

□ आपणो मुखो रूँ प्रभु आज्ञा कोरो पुणो ।
निर्धनी होईबे भक्तो उत्कलो भुवनो ॥

अर्थात् अपनी मुख से भगवान् की आज्ञा से कह रहा हूँ उत्कल प्रदेश मे भक्त निर्धन हो जाएंगे ।

□ भक्तों कू नाना कोषोणो पड़ीबो न मिड़ी बो अन्नो जोड़ो ।
माता सुतो लीड़ा भक्तो रूँडी सूणी इंद्र पृथ्वी न पाड़िबो ॥

अर्थात् भक्त को नाना प्रकार के दुख मिलेंगे अन्न जल नहीं मिलेगा । माता पुत्र भक्तों के चीत्कार सुनकर इंद्र पृथ्वी का पालन पोषण नहीं करेगा ।

□ अब शिष्य बारंग अपने गुरु से पूछ रहे हैं
भक्ते स्थाने स्थाने लीला केमंते करीबे ।
प्रभुको सेवा रे भक्तो केमंते खोटीबे ॥

अर्थात् हे गुरु देव ऐसे मे भक्त जगह जगह लीला कैसे करेंगे भगवान् की सेवा के लिए कैसे काम करेंगे ।

अब शिशु अनंत कह रहे हैं ।

□ सुणो हे बारंगो एहा गोपनीय कथा ।
सुणीले तुम्होरो मोनोरू जीबो सबू व्यथा ॥

अर्थात् हे बारंग तुम्हारा प्रश्न उचित है पर मै तुमसे एक गोपनीय बात बता रहा हूँ जिसे सुनकर तुम्हारे मन की व्यथा चली जाएगी ।

□ द्वापर युगो रे प्रभु विचार करीणो ।
ठाबे ठाबे रखीछंती गुप्ते सुवर्णो ॥

अर्थात् द्वापर युग से भगवान् ने विचार करके पहले ही गुप्त रूप से जगह जगह अपार सोना रखा है।

□ विरोजा दक्षिणो भागे अछी चारी खादो ।
हीरा मोती माणिको सुवर्णो अछी साद्यो ॥

अर्थात् विरोजा मंदिर के दक्षिण भाग मे चार भंडार हैं जहां हीरे मोती स्वर्ण रखे हैं।

□ मणी भद्रे नामे एको जाजनग्रे अछी ।
अमापा सूनीया कूपे गुप्तो रखी अछी ॥

अर्थात् जाजपुर मे मणिभद्र नामक एक जगह है जहां अकूत धन संपदा एक कूप मे रखा हुआ है ।

□ अखंडेश्वरो ठारे दक्षिणो भागो रे ।
सुवर्ण पाषाणो कूपे रत्न भंडारे ॥

अर्थात् अखंडेश्वर महादेव मंदिर के दक्षिण भाग मे एक सोने का और एक पत्थर का बड़ा सा घड़ा है जिसमे रत्नों का भंडार है ।

□ साठिऐ लखो रत्न जे वावनो सहस्रो ।
गुप्तो रे रखी छंती प्रभु पीतोवासो ॥

अर्थात् इन घड़ो मे 6052000 रत्न और सुवर्ण मुद्राएँ रखे हैं गुप्त रूप से भगवान ने।

□ धनिया गिरी रे धनो रही अछी से दिनो दुर्दिनो पाई ।
मानधाता धर्मराजो रखी गोले कलीयुगो लीला पाई ॥

अर्थात् कटक छतिया वट के नजदीक धनिया गिरी पर्वत पर भी राजा मानधाता ने त्रेतायुग और युधिष्ठिर ने द्वापर युग से धन रखकर गए हैं कलयुग में होने वाली लीलाओं के लिए ।

□ वैतरणी नदी तीरे सुडम पुरो ग्रामो।
सोमोवंशी राजा तोही रखी थिबे धनो॥

अर्थात् सोम वंशी राजाओं ने भी वैतरणी नदी के किनारे सुडम पुर नामक गांव में बहुत धन रखा है जहां पत्थर पर देव नागरी लिपी में कुछ लिखा हुआ है।

□ जाजो पुरो नृपो वरो सूर्य वंशे जातो ।
अनेक कीर्ति करी जाई छंती जगते विदितो॥

अर्थात् जाजपुर में एक सूर्य वंशी राजा हुआ था जिसने अनेक कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

□ मुगूनी पत्थरे बांधी कूपो गोटी ।
उपरें लूहा किणीनी देई बांधीबोटी॥

अर्थात् इस सूर्यवंशी ने भी कलयुग के अंत समय के लिए एक कूप में धन रख दिया है और उस कूप के उपर लोहे के जंजीर से बांधकर ताला लगा दिया है।

□ आऊ किछी धोनो अछी राजगीरी ठारे।
शंख लिपी रे लेखा अछी सेठारे ।

अर्थात् और कुछ धन राजगीर पर्वत पर है वहां शंख लिपी में लिखा हुआ है।

□ बहुतो धनो अछी पद्म नाभो ठारे ।
गरूडो मंत्रे बांधी अछी से ठारे॥

अर्थात् बहुत धन गरूड मंत्र से बंधा हुआ पद्मनाभ के पास है।

□ आहूरी बहुतो धनो अछी भारतो रे ।
केते मूं सूणाईबी बाबू तोते बारंगो रे॥

अर्थात् हे शिष्य बारंग भारत वर्ष में और भी बहुत धन गुप्त रूप से है पर मैं तुम्हें और कितना सुनाऊंगा।

#treasures #malikaplace

जय श्री माधव □□

प्रभुजी का जन्म स्थान के महिमा के बारे में महापुरुष अच्युतानंद जी की " गरुड़ गीता" में बर्णना

□ दस्वाशनी घाट बैतरणी तट बराहनाथ र नाथ, गुपते सकले रही छंती तहिं सुन बिनता र सुत।
[बिनता नंदन गरुड़ के पूछने पर महाप्रभु अपनी कल्कि अवतार के जन्म स्थान के बारे में बोलते हैं कि बैतरणी नदी के तट पर जहां दस्वाशनी घाट और बरहनाथ का मंदिर है वहीं मेरा जन्म होगा।]

□ कोटि कोटि साधु जहिं बसिछंती बैकुंठ र ठाब जहिं, स्वर्ग रु जे ब्रह्मा आसिण गरुड़ जग्र्य कले सेई थाइं।
[वहां कोटि कोटि साधु हैं, वह मर्त्य बैकुंठ है जहां पर ब्रह्मा आकर यज्ञ किये थे।]

□ सुन हो गरुड़ बिनता कुमार तू जेनू भक्त मोर, तेनु तोहठारे फिटार्ई कहूची माया नाहीं तोह ठार।
[हे बिनता सुत गरुड़ तू मेरा प्रिय भक्त है, इसीलिए मैं बिना माया किए तुमको सब साफ़ साफ़ बता रहा हूं]

□ देवी बिरजाई बीजे करिछंती जगत जननी सेही, जोग्री संगे घेनी बाट जगिछंती केही पसी ना पारई
[देवी बिरजा जो की जगत की जननी हैं अपनी जोगनियों को साथ लेकर वहां का रास्ता की पहरे दारी कर रहीं हैं , कोई भी प्रवेश नहीं कर सकता है]

□ जाऊली बंध जाहाकू बोली कही जाऊली कबाट कही, से जे छड़ चक्र पंचास अक्षर आदीमाता बीजे तहिं।
[वहां पर जाऊली कपाट है जहां आदिमाता बीजे किए हुए हैं]

□ शुभ स्तंभ ब्रह्मा पोतिले से ठारे पृथ्वी धारण टी सेही, जोग लय करी ओंकार कू स्मरी बसीछंती महामाई।
[वहां ब्रह्मा जी ने शुभ स्तंभ का स्थापना की है जो की पृथ्वी को धारण किया हुआ है और उधर महामायी ॐ कार का जाप कर के बैठी हैं।]

□ से स्थान महिमा नहीं ना उपमा सुन बिनता नंदन, पितृ गण जम दंड रु तरंती जहिं कले पिंड दान।
[उस स्थान का महिमा इतना है कि इसकी उपमा नहीं दिया जा सकता है।उधर पिंड दान देने से पितृलोक का उद्धार होता है।]

?? भोबोनिस्वर रे भैरवी डाकिब बहुत लोक मरीबे, कहीबा गरुड़ आगकु शुनीबू जेमंते से नाश जिबे
[हे गरुड़ भुवनेश्वर में भैरवी गर्जन करेगी और उसको सुनकर बहुत लोगों का मौत होगा।आगे कैसे लोग मरेंगे में तुम्हे बताऊंगा।]

□ एमंत सुणीण बिनता नंदन पद्म चरणें पड़िला, निस्तरिली बोली कर पत्र जोड़ी शोक भरेण कहिला।
[इसको सुन कर गरुड़ प्रभुजी की चरणों में गिर गया और शोक में अधीर होकर बोला प्रभु ये सब बता कर आपने मेरा उद्धार कर दिया।]

□ गरुड़ बिनती देखी जदुपती गरुड़ कू उठाईले, कहई अच्युत कर पत्र जोड़ी गरुड़ आनंद हे ले।
[गरुड़ की बिनती देख कर जदूपती बने उनको उठाया।महापुरुष अच्युत बोलते हैं कि गरुड़ गहरे आनंद में समागया]

#kalkiplace #jajpur #bhubaneswar

कलकत्ता सियालदह मे अचुतानंद कल्कि के साथ यज्ञ करेंगे जैसे ही यज्ञ शुरू होगा दक्षिणेश्वर काली घोर गर्जना करेगी पूरे भारत मे गर्जना सुनकर भगवान के भक्त कलकत्ता सियालदह की ओर दौड़ेंगे भक्तों का जमावड़ा होते ही पागल इंजन जंजीर तोड़ कर पटरी पर दौड़ने लगेगा फिर भक्त इंजन के पीछे पीछे जगन्नाथ पुरी की ओर रवाना होंगे जब पुरी स्टेशन पर इंजन रूकेगी पंडो के बीच हाहाकार मच जाएगा तभी कलकत्ता दक्षिणेश्वर काली मंदिर पर परमाणु बम गिरेगा जैसे ही परमाणु बम गिरेगा ग्लेशियर फट जाएगा भयंकर बाढ़ गंगा मे आएगी हरिद्वार काशी मे भयंकर तबाही मच जाएगी ।

#atombomb #bhairavidaak #yagya #kolkata

भारत के अंतिम राजा कौन होंगे इस बारे में भविष्य मालिका से कुछ तथ्य

□अंतिम शासक सेही थिब, नरेन्द्र नाम बोलाई थिब ।

□अंतिम राजा थिब सेही जोगी रुपे थिब सेही ।

□अंतिम शासक आसिब जे गुजराष्ट्र रु थाई ।
भारत कु शासन करीब आनंद थाई ।

#pm #politics #modi

कटक जिले का बीरभद्र महादेव मंदिर जिसे विक्रमादित्य ने पुनरुद्धार कराया था इस मंदिर मे विक्रमादित्य के काल से भी हजारों वर्ष के पहले से ये पत्थर का नंदी है और मालिका के अनुसार वक्त आने पर इस मंदिर के नीचे स्थित गुफा का रास्ता खुल जाएगा और पाताल लोक से पाताल लोक के जीव बाहर आएंगे इस मंदिर मे स्थित ये नंदी बैल की मूर्ति भी रहस्यमय है इस नंदी के शरीर और गले मे जो माला जंजीर जैसा है उनमें जो एक एक कड़ी है वो एक बार गिनने पर 108 कड़ीयां होती है पर दूसरी बार गिनने पर 115 हो जाती है ऐसे ही तीसरी चौथी बार गिनने से और बढ़ जाती है जितनी बार गिनो संख्या बढ़ती ही जाती है ।

#malikaplace #odisha

□ सातो दिनो अंधोकारो हेबो जे मही रे ।
स्वामी करो गला काटी देबे से रात्रि रे ।।

स्त्री सबू योग्री रूपो धारणो करीबे ।
पुरुषो मानोकरो रक्तो शोषी नेबे ।।

अर्थात जब सात दिन अंधकार होगा पृथ्वी मे तब पुरुषो का गला काट के उनकी ही पत्नीयां खून पीएंगी क्योंकि तब सभी स्त्रीयां प्रकृति योगमाया के प्रभाव से डायन जैसा चुड़ैल जैसा रूप मे तबदील हो जाएंगी ।

□ बसु सालो रेवो बीसो अंको जे प्रमाणो ।
सप्तो दिनो अंधकारो होई बो जे जाणो ।

अर्थात बसु 8 रेवो (नक्षत्र) 27 और बीसों 20 अंक है प्रमाण मतलब 55 अंक प्रमाण है जब सात दिन अंधेरा छा जाएगा धरती पर ।

हांलाकि भक्ति भाव मे रहने वाली स्त्रियों के साथ योगमाया ऐसा नहीं करेगी जिन स्त्रियों का चरित्र खराब है जो परपुरुष का चिंतन करती है ऐसी नारीयां उस रात डायन मे तबदील हो जाएंगी और अपने ही पति का खून पीएंगी । अब आगे भविष्य ही बताएगा मालिका की ये बात कितना सत्यासत्य है ।

#timeline #bhairavidaak #2025 #2026 #2027

□रमणीक दीपो रे लीला चहटीबो देखीबू बारंगो तूही ।
चेतुआ भक्त चेता रे रहिबे जगन्नाथ नामो बोही ।।

अर्थात् रमणीक दीप (स्वीटजरलैंड) मे लीला होगा देखोगे बारंग तुम, जागे हुए भक्त जाग के रहेंगे लेते हुए जगन्नाथ नाम ।

स्वीटजरलैंड दीप को रमणीक दीप कहा जाता है जहाँ गरूड़ जी रहते हैं और साल मे एक बार जगन्नाथ जी के दर्शन करने पुरी आते हैं स्वीटजरलैंड मे शायद काला धन है इसलिए वहाँ पर गरूड़ के द्वारा कल्कि उत्पात मचाएंगे ।

अगले साल से पूरा विश्व कल्कि की खोज मे लग जाएगा इस गहमागहमी मे रूस जगन्नाथ जी को ले भागने की कोशिश करेगा चीन हमला कर देगा ऐन वक्त पर चीन का साथ देने के लिए एलियन चीन की मदद करने के लिए पहुँच जाएंगे । तीस देशों मे जहाँ जगन्नाथ संस्कृति पहुँच गई है जहाँ जगन्नाथ मंदिर भी बन गए हैं और प्रभुपाद जी ने हरि नाम संकीर्तन भी शुरू करवा दिया है और गजपति दिव्य सिंह देव के कारण उन हरि नाम जपने वालों के बीच जगन्नाथ मंदिरों की स्थापना भी हो गया है खाली रूस मे मंदिर नहीं बना है रूस सोचता है जगन्नाथ जी को ही उठा लाऊंगा फिर उनको रखकर मंदिर बनवाऊंगा पर जगन्नाथ जी रूस नहीं जाएंगे, उन सभी देशों के भक्तों की रक्षा करेंगे भगवान जो जगन्नाथ जी को मानते हैं जिन देशों में जगन्नाथ मंदिर नहीं है उनका खेल खत्म । युद्ध भी चल रहा होगा प्राकृतिक आपदा भी चरम पर होगा नरसंहार चल रहा होगा और इसी बीच ये लीलाएं भी हो रही होंगी अंत मे बलदेव को सात दीपो का राजा मान लिया जाएगा अचुतानंद फिर से गिरधारी कोर्ट मे 52 चाबियों को निकालेंगे और उन गुप्त जगहों को खोलेंगे नई अदभुत टेक्नोलॉजी दिखाई पड़ेगी और हमे एक नये युग मे ले जाएंगे हमे लगेगा हम पुराण काल मे पहुँच गए हैं

□भरता रु दीप लिपिभा 22 अंक रे बाबू,
राजा होई केही नाथीबे, अनाथ होई सबू

अर्थात् 22 अंक में भारत का दीप बुझ जाएगा
कोई राजा नहीं रहेगा सब अनाथ हो जायेगे ।

#timeline #2022

श्री जसवंत दास जी कोइली मालिका में कहते है की जब 13 जिला 33 हो जाएंगे तब ओडिशा के 6 जिला जलमग्न हो जायेंगे । #odisha

महापुरुष अच्युतानन्द दास ने अपने शिष्य रामदास को यह दोहा लिखकर समझा रहे हैं की...

"पांच ग्रहों का एक राशि में जिस दिन संयोग बनेगा तो समझ जाना उस दिन से भयंकर अकाल ओर भुकमरी पूरे विश्व को अपनी चपेट में ले लेगा" ।

श्रीलंका के वाद नेपाल, भारत ऐसे सभी देशों को अकाल ओर भुकमरी अपनी चपेट में ले लेगा ।

इस बात को गर्ग ऋषि अपनी गर्ग संहिता में भी वर्णन किए हैं श्लोक के माध्यम से "जैसे ही विश्व में युद्ध शुरू हो जाएगा तब पूरे विश्व में अकाल ओर भुकमरी से त्राहिमाम होगा ओर युद्ध से इस धरती में करोड़ों की संख्या में इंसानों की कीड़े-मकोड़े तरह मृत्यु होगा, इस धरती में खून ही खून बहेगा ।

मालिका का नाम :-चौषठी पटल, सप्तदश पटल, Page no.73 #timeline #foodcrisis #earthquake #ww3

□देश-देश मध्ये लागिब, महाघोर समर। देखुथिब बाबू राम रे, तुहि बेनि नेत्र र॥
दस हाथ तीनि आंगुल सिंधु उछड़ी जिब, सेते बेड़े अंभु चेनाई पारादीप बुड़िब॥

भविष्य मालिका में दिल्ली शहर के बारे में क्या लिखा है

□दिल्ली, बोम्बई, कलकत्ता, मद्रास जे जान । प्रथमें घहिला हेबा बोम्ब मदे पुन
दिल्ली सहारा ति जान ध्वंस स्तूप हेबा प्रथम । रॉकेट माड सहिठारे टी हेबा

अर्थात् भारत के दुश्मनों का पहला हमला इन 4 जगहों पर होगा। साथ ही इन 4 जगहों पर युद्ध की तीव्रता सबसे ज्यादा होगी। पहला हमला दिल्ली पर रॉकेट से होगा, और दिल्ली शहर में बहुत विनाश होगा। दिल्ली शहर ध्वंस का स्तूप बन के रह जायेगा।

लेकिन भक्तों को कुछ नहीं होगा। #atombomb #delhi #ww3 #mumbai #kolkata #madras

महाप्रभु कल्किराम के बारे में मालिका से कुछ स्पष्ट प्रमाण

1. अनन्त न्क युग होइब माधब न्क शिरे शोहिब।
अनन्त माधब लीला देखिबाकु सिद्ध गिरि पीठ रहिछि बसि।

- अच्युतानंद दास (अरे बाया संसार बासी भजन)

अपनी इन पंक्तियों में संत अच्युतानंद दासजी ने बताया है कि धर्म-संस्थापना के बाद जब अनंतयुग (जिसे आद्य-सत्ययुग भी कहा जाता है) का आगमन होगा, तो माधव (कल्कि) महाप्रभु के सिर पर सोने का मुकुट सुशोभित होगा। अर्थात्, वे सात महाद्वीपों सहित समस्त पृथ्वी के स्वामी होंगे और सत्य से विश्व का पालन करेंगे।

भगवान कल्कि कलियुग के अंत में (यानी अनंतयुग के पहले) 'अनंत माधव' के नाम से जन्म लेंगे। बाद में प्रभु अपनी जन्मस्थली 'संबल नगर' को छोड़कर 'सिद्धगिरि' (वर्तमान भुवनेश्वर का वह हिस्सा जो अब खंडगिरि, उदयगिरि एवं एकाम्र कानन है) में गुप्तरूप से निवास कर अपने भक्तों के साथ लीलाएं करेंगे।

2. रत्नबट चुड़ा भांगि हेब कुढ़ खण्डगिरि अन्तराले,
अनन्त माधव उदय होइबे एकाम्र बण अन्त रे।
लीलामयन्कर लीला प्रकाशिव सत्य जे एकाम्र बन,
अनन्त माधव लीला करुथिबे सबे आनन्द होइण।

– अच्युतानंद दास (दशम बोलि, तेरह जन्म शरण)

महापुरुष अच्युतानंद दासजी के अनुसार एक समय ओडिशा के पारादीप में स्थित 'रत्नबट' (एक वटवृक्ष) की एक डाल टूटकर सागर की भीषण लहरों में तैरती हुई भुवनेश्वर के 'खंडगिरि' तक पहुंच जाएगी।

उस समय भुवनेश्वर के 'एकाम्र वन' में भगवान 'अनंत माधव' की उपस्थिति उजागर होगी। 'एकाम्र वन' में महाप्रभु की लीलाएं होंगी जिन्हें देखकर प्रभु के भक्तों को अपार खुशी मिलेगी।

3. तेबेजाइ सउल मण्डल भक्त माधव करिबे मेल हे।
कहे अभिराम नित्य स्थल लीला करिबे भक्त बत्सल हे॥

– अभिराम परमहंस ('रक्षा कर आदि मूल हे' – भजन)

कलियुग के अंत में भगवान विष्णु मानव शरीर में जन्म लेंगे। वे पंचभूत (पृथ्वी, जल, अग्नि, आकाश और वायु) की विभिन्न प्रलय-लीलाओं के द्वारा सभी पापियों का संहार कर धर्म की स्थापना करेंगे।

महापुरुष अभिराम परमहंस के अनुसार, भगवान 'माधव' उपर्युक्त प्रलय से मनुष्य द्वारा स्वयं को बचा पाने के ज्ञान का प्रसार करेंगे और अपने सभी भक्तों को 16 मंडलों (समूहों) में एकत्र करेंगे। भक्तवत्सल भगवान 'माधव' अपने भक्तों के समीप रह तथा नित्य गोलोक की लीलाएं कर उन्हें आनंदित भी करेंगे।

4. नीलाचल ठाणि एमन्त होइब कुलाकुल चक्रे जहिं, खेल खेलुथिबे श्री बाल मुकुन्द
तांकू न चिन्हिबे केहि।। दिन बान्धब कु खोजुथिबे दीन माधव आसबे नाहिं,
मन्त काल कु आसिबे माधोई तांकू न चिन्हि केहि

– शिशु अनन्त दास (पटामडाण)

पंचसखाओं में एक, महापुरुष शिशु अनंत दासजी के अनुसार नीलाचल (श्री जगन्नाथ मंदिर, पुरी) से जब बार-बार कलियुग -अंत के संकेत आ रहे होंगे (यानी बार-बार श्री मंदिर के पत्थर गिर रहे होंगे, नीलचक्र पर अशुभ सूचक पक्षी बैठ रहे होंगे, मंदिर की ध्वजा अपने स्थान से उड़ जाती होगी), तभी श्री बाल मुकुंद (महाप्रभु कल्कि) गुप्त रूप से अपनी लीलाएं कर रहे होंगे, पर कोई उन्हें पहचान नहीं पायेगा। कलियुग - अंत के संकेत देख बहुत से भक्त महाप्रभु - की खोज कर रहे होंगे, लेकिन वे प्रभु माधव का पता नहीं लगा पाएंगे।

5. "सत्य अनन्त नाम मोर,
सत्य रे करे कारबार।।
सत्य कु धरि थिबे जेहि
तांकु तारिबि निश्चे मुहिं।।"

महापुरुष अभिराम परमहंस ने महाप्रभु की वाणी लिखते हुए कहा कि:

अर्थात्, मेरा नाम सत्य अनंत है और मैं सत्य को ही प्रकाशित करता हूं। जो लोग सत्य की शरण लेंगे, मैं उन्हें निश्चित रूप से भवसागर पार कराऊंगा।

6. 'माधवा माधव नित्य चहल पडिबा, देखा बेलाकु तांकु चिन्ही न पारिबा सारी

गला लीला राम हरि हरि घोष पद्मारे बिंधारे जय शरण तु पासा।'

भविष्य मालिका में महापुरुष अच्युतानन्द ने कहा है (इस श्लोक के माध्यम से)

'माधबा माधव नित्य चहल पडिबा, जिसका अर्थ है कि गोलक धाम (भगवान का निवास) में प्रदर्शित होने वाली लीलाएँ इस नश्वर भूमि में दैनिक, नित्य, और भक्तों के लिए दीप्तिमान होंगी। ब्रह्मांड 'माधबा माधवा' का भजन करेगा।

महापुरुष अच्युतानंद ने यह भी कहा है कि कलियुग के अंत में, भक्त भगवान के नाम का प्रचार करेंगे, लेकिन सभी भगवान को पहचान नहीं पाएंगे।

7. "अनंत माधव खेल करुथिबे, खंडगिरी ठारु पुन"

अनन्त माधव अपना खेल अर्थात् लीला करेंगे खंडगिरि में फिर से। #kalki #satyaanantmadhav

□ सिद्ध साधना से स्थान रे हेब, बड़ डाल मोर सिरे लागिब।।

मेरे साधना स्थान(नेमावट) के बरगद की डाल, जिस समय मेरे समाधि को छूने लगे तो समझ जाना कलियुग अंत है।

—महापुरुष स्वामी अच्युतानंद

□ प्रभु कल्की, भक्त और निंदा करने वाले□

□ संसार मध्यरे केमन्त जानिबी नरअगे देहबही।

गता गत जे जुगरे मिलन समस्तक जणको नाही।।

देखो मानव तन के माध्यम से त्रिभुवन पति की पहचान आसान नहीं है। केवल अनुभव मार्ग के द्वारा प्रभु की पहचान संभव है। इस विषय पर दोबारा महापुरुष अच्युतानंदजी अपनी मालिका में लिखते हैं जो इस प्रकार से है...

□ अनुभवे ज्ञान प्रकाश होइबो अनुभव करमह।

भविष्य विचार तेणकी कहिबी ज्ञाने नहीं तरपर।।

अर्थात् –

केवल भक्ति के द्वारा ही भक्तों को अनुभव होगा। अनुभव से ही ज्ञान का प्रकाश होगा। आगे महापुरुष अच्युतानंद जी भविष्य मालिका में लिखते हैं कि सभी लोगों को भगवान की प्राप्ति नहीं होगी।

□ "चोर प्राय आम्हे अबनि भ्रमिबु चेता कराईबा पाइं, चार्हीं जक-जक निंदुथिबे लोक एहि परा प्रभु सेहि।"

अर्थात् –

इस मालिका पंक्ति के अनुसार प्रभु जी की निंदा भी होगी।

मैं संसार में आकर चोर के तरह ही सारे पृथ्वी पर भ्रमण करूंगा जैसे मैंने द्वापर में किया था। लेकिन कलियुग के पापी मनुष्य मुझे देखकर भी शक करेंगे और पहचान नहीं पाएंगे, निंदा भी करेंगे, और कहेंगे क्या यह वही प्रभु है ?

□ "टाण पण करि रहिथीबे जेउण जन, टलमल सेहु होइबे कलंकी निकटेण।"

अर्थात् –

जो लोग गर्व, अहंकार या कोई व्यक्तिगत रंजिश के कारण प्रभुजी के अस्तित्व पर सवाल उठा रहे हैं और भक्तों की निंदा कर रहे हैं। उन्हें प्रभुजी के सामने आगे इसके लिए उत्तरदाई रहना पड़ेगा। प्रभुजी के सामने उपस्थित किये जाएंगे। उन लोगों का कोई भी जोर नहीं रहेगा। उनका विचार प्रभुजी करेंगे। प्रभु को जाने या अनुभव किए बिना निंदा करने वाले कुछ लोगों को सतर्क हो जाने की आवश्यकता है। वरना उनका बहुत अगम्य परिणाम होगा इसमें कोई शंका नहीं।

#kalki #satyaanantmadhav

जिनको लगता है सरकारी नौकरी नहीं मिली अब क्या होगा? उनके लिए मालिका में एक स्पेशल लाइन लिखी है:□

भद्रागिरी ठारे पीढ़ बाँधी थिबे, अनेक आकट करि।

सरकारी लोक ग्रामे ग्रामे नाश, भांगिब कोर्ट कचेरी।

आने वाले समय में सरकारी कर्मचारी गांव गांव में भी नष्ट हो जाएंगे और कोर्ट कचहरी कुछ नहीं रहेगी पुलिस स्टेशनव्यवस्था सब खत्म हो जाएगी।
#kaliyugaend #politics

वाले समय में चाकरी (मैं मालिक, तू नौकर) और रोजगार सब नष्ट हो जाएंगे इसीलिए प्रभु के नाम धन का ही अर्जन अभी के समय में श्रेष्ठ है:

हुकुम जाहिरि दिनु दिन हेब, प्राणी हेबे छट पट।
ग्रामे ग्रामे हाड़ गोड़ लागि जिब, चाकिरिया हेब नष्ट॥
-शिवकल्प नीरघंट

आने वाले समय में लोगों के अंदर सहनशक्ति इतनी कम हो जाएगी कि एक दूसरे की बात मानना बंद कर देंगे और गांव-गांव में मारकाट मचेगी और चाकरी यानी सेवा परंपरा सब नष्ट हो जाएगी। #kaliyugaend

2024 में युद्ध लगने का एक और प्रमाण

बीसो त्रीसे प्रभु खेल आरम्भिबे, तोहीं चौवनो भावो ।
दिव्य सिंह नृप राजूती करीबे आऊ शासनो न थिवो ।

यानी कि जब 50 अंक होगा तब प्रभु जी विनाश का खेल आरम्भ करेंगे। और फिर जब 54 अंक होगा तब दिव्य सिंह राजा राज्य करेंगे क्योंकि उस समय शासन नहीं रहेगा।

ऊपर की मालिका पंक्ति से ये साफ है की जब 50 अंक होगा तब प्रभु जी विनाश का खेल शुरू करेंगे और लगभग इसी समय में कोरोना से विनाश लीला शुरू हुआ, एक और मालिका पंक्ति तरकी रहित 13 कू है जिसके अनुसार जब 13 अंक लगेगा तब महाविनाश शुरू होगी। यानी कि गजपति के 50 अंक और कल्कि जी के 13 अंक से विनाश चालू होगा और कोरोना का कहर भी लगभग यही समय शुरू हुआ।

पूरी के राजा दिव्य सिंह जी 7 जुलाई 1970 को राजा बने थे। उस हिसाब से 7 जुलाई #2024 को उनका 54 अंक चालू होगा जो कि 7 जुलाई #2025 तक रहेगा। और इसी 54 अंक में अभी का जो शासन चल रहा है वह नहीं रहेगा और इसलिये पूरी का राजा होने के कारण वे वहा का शासन भार संभालेंगे। अब आप सब को तो पता ही होगा न कि शासन क्यों नहीं रहेगा। #timeline #ww3

भविष्य मालिका में 23 अंक के बारे में क्या लिखा है ?□

□ स्वर्ग र नक्षत्र मंच कु आसी । ए तेईस अंक रे पडिब खसी । एते एते कथा होइले जाण । ए कलि शेष बोली निश्चय प्रमाण ।।

अर्थात् 23 अंक में आकाश से नक्षत्र यानी तारे समुद्र में गिरेगें तो समझ जाना की कलियुग का अंत हो गया और सत्य का उदय हो गया ।

□ बाण बसु घन रुतु मिसाई एही अंक रे जे खेल हेबई ।

अर्थात् वाण, वसु, घन, ऋतु मिलाना । इसी अंक से तो खेल होना ।।

□ तेईसी अंक जेब चलिब राम रे, आर्थिक अवस्था अचल हेबे देश मानकर रे। रेल दुर्घटना मान पृथ्वी रे हुवई, वायुयान दुर्घटना मान घटुथई।।

अर्थात् 23 अंक जब चलेगा, विभिन्न देशों की आर्थिक व्यवस्था रुक जाएगी, रेल, वायु दुर्घटना घटेंगी।

□ एको चारी अंको टी चौदह रे लेखा । आठो रे आठो लागीबो बहुतो उल्लेखा ।।
पंजाबो राज्य ठारे लागीबो संग्रामो । अनुकूल होबो निश्चये ए कोथा प्रमाणो ।।

अर्थात् एक चार अंक चौदह मे लिखा है जब आठ मे आठ लगेगा अर्थात् 8×8 गजपति दिव्य सिंह देव (चतुर्थ) का 64 अंक (2022-23) अथवा 8+8 कल्कि का 16 अंक (2023-24) होगा तब क्या होगा इसका उल्लेख है । तब पंजाब मे युद्ध शुरू होगा युद्ध का वातावरण बनेगा ये बात निश्चित है।

□ सेतिपाई माने अनेक लोके क्षय हुवई, सुर्ज प्रखर रश्मि धरती रे पड़ई, अंशुघात रे प्राणी मरूथांती जे पड़ई।

अर्थात् इसी प्रकार उनके लोग क्षय होंगे, सूर्य का तेज प्रकाश पृथ्वी पे पड़गा, बिजली गिरने से भी हानि होगी।

□ तेईस अंको रे उडीसा देशो से होईबो जोड़ो गोहोड़ो । चौबीस अंको रे गुप्त मारूड़ी सुणो विनोता रो बाड़ो ।।

अर्थात् 23 अंक मे उडीसा प्रदेश मे होगा जल प्रलय, 24 अंक मे गुप्त मृत्यु । सुनो विनोता नंदन ।

□ मंदो खेटो बसी थिबो घट लग्न धरी । मेषो शेषो रे चितिबो भृगु सुतो अरी ।।

मड़ीबो सकलो कथा घटीबो ऐ काड़े । मढा कूड़ो कूड़ो होई पड़ीबो महीरे ।।

मंद अर्थात शनि, खेट अर्थात ग्रह, घट लग्न यानी कुंभ राशि मे जाएगा तब वैशाख महीने के शेष समय मे धरती पर करोड़ो लाशें पड़ी होंगी कोई उठाने वाला भी नहीं होगा। (यह संभवतः अप्रैल-मई 2023 में जो बहुत बड़ा भूकंप होने वाला है भारत में उसका सूचक है अथवा अप्रैल-मई 2024 का)

□ अवश्य उत्पातो हेबो सौराष्ट्र देशो रे । मने रखीथा विनोता कुमरो तु बारे ।।

अर्थात तब सौराष्ट्र मे भी बहुत उत्पात होगा याद रखना विनोता कुमारो अर्थात गुरूड जी ।

□ बाणो वसु घन ऋतु रे बाबु त्रिदेव कू खोजीबू । एही अंको रे जान्हवी गंगा सूखी जीबो जाणीबू ।।

अर्थात बाण, वसु, घन, ऋतु मे त्रिदेव को जोड़ना और इसी अंक मे गंगा सूख जाएगी ये स्मरण रखना ।

#timeline #2023 #23ank

23 अप्रैल 2024, चैत्र पूर्णिमा मंगलवार को भैरवी डाक होगा । —अभिराम देवदास

□ मधु पूर्णिमा मंगलवारे, शून्य शब्द सुभिव कर्णे - कलिकल्प गीता , अच्युतानंद स्वामी

□भैरवी डाकिब भुवनेश्वर चैत्र मास जे मंगलवार । - चकडा मडाण

चौबीसी अंक भीतरे जाण, भैरवी डाकिब निशा अर्धेण ।।

से डाक सुभिव जाजपुर कु, बिरजा आई जिबे ब्रह्मस्थान कु ।

तेबी बिरजाई ध्यान भांगिब, एका डाक रे ब्रह्माण्ड पुरिब ।।

<https://www.youtube.com/watch?v=mUD0ZGh9EfE> #2024 #timeline #bhairavidaak

ये सब 23 अंक में होगा:-

□नक्षत्र लंजा भूमिकंप हेब, पुर्ब देश रे सागर बढीब ।

पृथ्वी दिसिब रंगीमा आकर ।

जानिबु किछि होइब संघार ।।

बेल गोड़ हेब उत्तरांचल, दक्षिण दिग रे होइब गोड़ ।

खंडप्रलय मान हेउथिब

केते-केते देश नाश कु जिब ।।

- - 2--

□बड़ो देऊडो कू धोक्का मारू थिबो, देखीबू तू नयनो रे ।

उतरांचल कू युद्ध रो प्रस्तावना, हेतू रोखी बू तू मोनो रे ।।

अर्थात जगन्नाथ मंदिर मे समुद्र की लहरे टकरा रहीं होंगी अपनी आंखों से देखना और उसी समय देश के उत्तरी सीमावर्ती राज्यों मे युद्ध चल रहा होगा ।

लक्ष्मी छाड़ी जाई थिबे धरित्री रू, अलक्ष्मी बाबू थिबे होई महागुरू, पांच हजार एक सौ चौबीस अंको अटई, एई अंको रे भैरवी डाको होईबो टी, अष्ट चंडी अष्टो दिगू बाहारो होईबे, महानदी तटे सबू हुलोहली देबे ,

अर्थात लक्ष्मी छोड़ के जा चुकी होगी और चरित्र हीन औरतों को लोग महागुरू मान कर चलेंगे अर्थात कामीनी नारी के वशीभूत होंगे, कलयुग के 5124 वर्ष होने पर भैरवी की गर्जना लिंग राज मंदिर पर सुनाई देगी अष्ट चंडी अष्ट दिशाओं से बाहर निकलेगी और हूलहूली देंगी । #bhairavidaak

#2024 #timeline

भैरवी डाक (भैरवी गर्जना)

□मधु पूर्णिमा मंगलवारो रे , शून्य शब्दो सुभीबो कर्णो रे ।

अर्थात मधु (चैत्र) महीने पूर्णिमा मंगलवार को आकाश से शब्द कान मे सुनाई देगा । अब पद मे चैत्र महीना गुरूवार पूर्णिमा को गर्जना होने की बात बताई गई पर तारीख और समय नहीं बताया गया, समय और तारीख बताने के लिए अच्युतानंद आगे लिखते हैं

□भैरवी डाकीबो भुवनेश्वरो रे, चैत्र मासो जे मंगलवारो रे ।

अर्थात भैरवी भुवनेश्वर में चैत्र महीने गुरूवार को गर्जना करेगी पर इस पद में भी चैत्र महीने के साथ मंगलवार कहा और समय तारीख का उल्लेख नहीं किया

अब शिव कल्प निर्घट मे इस घटना का साल और समय का उल्लेख करते हैं –

□चौबीस अंको मध्य रे हो जाणो, भैरवी डाकीबो निशा अर्धेणो ।
देवी विरोजा ध्यानो भांगीबो, एका डाको रे ब्रह्माण्डो पूरीबो ॥

अर्थात चौबीस अंक (2023) कलयुग के 5124 वर्ष के बीच मे अर्ध रात्रि में भैरवी गर्जना करेगी, देवी विरोजा की योगनिद्रा टूटेगी और एक गर्जना से ब्रह्माण्ड थर्रा उठेगा ।

इन पदो से पता चला कलयुग के 5124 वर्ष होने पर अर्थात 2023 को चैत्र महीने में गुरुवार को पूर्णिमा के दिन भैरवी गर्जना लिंगराज मंदिर भुवनेश्वर मे अर्ध रात्रि के वक्त आकाश से सुनाई देगी । कैलेंडर से पता चलता है 6 अप्रैल 2023 को ये घटना घटेगी ।

भारत में युद्ध –

□तोहूँ अर्धस्थापी पंचो भूतो लेखी मधु मासो दशमी रे,
बृहस्पति वारे युद्ध हेबो महीरे गड़ीबो मूंडो माला रे ।

अर्थात जीरो को बीच में काट देने पर दो होगा इसलिए दो के बाद पंच भूत अर्थात पांच लिखो अर्थात पच्चीस अंक गुरुवार दशमी तिथि को भारत में भयंकर युद्ध होगा लाखों सर कटेगे ।

इस पद में कहा गया कलयुग के 5125 वर्ष होने पर गुरुवार दशमी तिथि को युद्ध होगा । इसमें साल बताया गया गुरुवार दशमी तिथि भी बताया गया ।

□चौबीस अंको रो भीतोरे मंगल वारो से दिनों रे चैत्र मासो रो मध्य रे ,
से दिनों सैन्यो टी आसीबे बड़ो देऊडे पोसीबे ।

अर्थात चौबीस अंक मंगल वार को चीन की सेना उडीसा मे प्रवेश करेगी और जगन्नाथ मंदिर मे हमला करेगी ।

समन्वय करने पर पता चला 2024 चैत्र (अप्रैल) महीने में मंगलवार 16 तारीख को उडीसा मे हमला होगा और गुरुवार 18 तारीख को नरसंहार होगा ।

धुमकेतू टकराने का समय –

□वैशाख शुक्ल अष्टमी तिथि जे गुरुवारो पोडु थिबो ।
तेरह दिनो रो पक्ष होईबो काड़ो धोरोणी ग्रासीबो ॥

अर्थात वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष अष्टमी गुरुवार को तेरह दिनों का पक्ष भी होगा और इसी दिन काल धरती को ग्रास लेगी और सतयुग का आगाज हो जाएगा ।
ऐसा 13 मई गुरुवार को 2027 मे होगा

भइरबी देब डाक,
चमकि पडिब सारा मुलक लो जाइफुल
तहिं नष्ट हेब थोकाएक । 7 ।

भोबोनिस्वर रे भैरवी डाकिब बहुत लोक मरीबे, कहीबा गरुड़ आगकु शुनीबू जेमंते से नाश जिबे[हे गरुड़ भुवनेश्वर में भैरवी गर्जन करेगी और उसको सुनकर बहुत लोगों का मौत होगा।आगे कैसे लोग मरेंगे मैं तुम्हे बताऊंगा।]

भैरवी देब डाक ला बाउड, जान रे अल्प दिन। मालिका बचन ना होईब आन, देखिबे दुई नयने॥

और भी होंगे। #bhairavidaak #2024

□ वष्णवी धनुर लीला खेला मान, नभ मंडल रे प्रकाशित । ध्वजा उड़ाईबे कालिया सामंत, सनातन धर्म एक मात्र
सनातन धर्म ध्वजा उड़ाईण, कल्कि रुपरे थीबे गुप्ते । पंचसखा भक्त जानिबू अनन्त से काले होइब परिपक्व
– भविष्य कल्प , स्वामी अच्युतानंद दास

अर्थात आनेवाले समय में आसमान में एक बड़ा सा वैष्णवी धनुष दिखाई देगा । उस समय प्रभु का ध्वज उड़ेगा और सनातन धर्म की विश्व में स्थापना का संकेत मिलेगा । पुरे विश्व में जिस समय सनातन का प्रचार प्रसार हो रहा होगा तब भगवान् श्री कल्किराम अपने भक्तो के साथ गुप्त में लीला कर रहे होंगे । उस समय पंच सखा और भक्त ये चिह्न देख के समझेंगे की अब कलियुग के अंत का समय आ गया है और प्रभु अपनी लीला के लिए तैयार है ।

□ बी नागान्ति, वेदान्ती, जोगान्ती, सिद्धान्ती, केही न पाइबे अंत ।

अर्थात बड़े बड़े नागा साधू, वेदों के जानकार, सिद्ध महामुनि, योगी गण भी प्रभु और उन की लीला को नहीं जान पाएंगे ।

□ वैष्णव धनुर चक्र तू देखिबु । अनंत ध्वजा प्रमाण बेले अनंत जुग र लीला प्रकाशिबे भक्त लुचिथिबे ग्रंथालरे । - महापुरुष बलराम दास

आने वाले समय में आसमान में एक वैष्णव धनुष देखने को मिलेगा और अनंत ध्वजा भी दिखेगा । यह संकेत होगा प्रभु का अपने भक्तों के लिए की अब अनंत युग का समय आ चूका है ।

(यह घटना कदाचित संक्रांति के दिन होगी क्यूँ की एक और जगह भी मालिका में लिखा गया है की:

<https://youtu.be/KGW-v5mr56o>

<https://youtu.be/8pbamK1Bi7I>

"शोभा न थिब से देशे जे, चरण चुतिआ भूरीश्रबा सेत जनम असुर देशे जे"

अर्थात जिस देश में चरण चुतिआ भूरीश्रबा जन्म ग्रहण किया होगा वो देश का शोभा नहीं होगा क्यों की वो असुर देश होगा। #kalimahabharat

सबू मियां देशो मिसी एको ठन हेबे ।

कहीबे से भारतो कू उड़ाई ण देबे ।।

भारतो जे भगवानो कंरो स्थानो ।

अनिष्ट घटीले प्रभु नुआ हेबे जन्मो ।।

अर्थात सभी मुस्लिम देश चीन की अगुवाई में एक हो जाएंगे कहेंगे भारत को उड़ा देंगे । पर भारत भगवान का स्थान है अनिष्ट होने पर भगवान फिर से अवतार लेंगे #kalimahabharat

सबे होइबे एक मुख, डाकिबे नारायण रख ।

विश्व में विनाश होता देख सभी आकाश की ओर देखकर, एक तरफ से अवतार के होने की आशा करेंगे और प्रार्थना करेंगे.. हे भगवान रक्षा करो।

#kaliyugaend

साल 2023 के विषय में महापुरुष अच्युतानंद दास जी की महीनो के अनुसार भविष्य वाणी ।

□ दुई शून्य दुई तिनी अंक जे ठाब, एमंत समये बाबू गॉड जे होइब ।

अर्थात 2023 अंक जब आएगा समाज में अस्थिरता फैल जायेगी और कई देशों में अन्दर अन्दर युद्ध शुरू हो जाएगा ।

□ नव वर्ष नव मास अटे जे प्रमाण, एही समय रे बाबु घोर कलि जाण । (January)

अर्थात 2023 की शुरुआत से ही घोर कलियुग का प्रभाव दिखेगा ।

□ मिथुन मास रु मिन मास पर्यन्त, झाडावान्ति होइ लोके मरिबे जे केते । (22 Mar - 03 Jul)

अर्थात मिथुन (अषाढ़) मास से मीन (चैत्र) मास पर्यंत दस्त और उलटी होने जैसी बीमारी से कई लोग मरेंगे ।

□ वैशाख मास रे बहु खरा जे होइब, अन्धुघाते बहु राम जीवन त्यजिब । (21 Apr - 21 May)

अर्थात वैशाख मास में सूरज का रौद्र ताप बरसेगा इसलिए सन स्ट्रोक की वजह से कई लोग की मृत्यु होगी ।

□ ज्येष्ठ मासे अचीन्हा जे ज्वर जे होइब, एही रोग कु जे राम निदान नथिब । (22 May - 21 Jun)

अर्थात ज्येष्ठ मास में ज्वर जैसी एक अनजान बीमारी आएगी । इस रोग का कोई निदान नहीं मिलेगा ।

□ भाद्रव मासे मरिबे जे अप्रमित, हिंस जंतु माने खाई होई जिबे तृप्त । (23 Aug - 22 Sep)

अर्थात भाद्र मास में अनेक लोग बीमारी से मरेंगे और जंगल वाले इलाकों में रहने वाले कई लोगों को हिंसक जंतु खा जायेंगे और तृप्त महसूस करेंगे ।

□ आसीन मासे रक्त धार जे छुटिबे, डाकिनी रक्त पि तृप्त जे होइबे । (23 Sep - 22 Oct)

अर्थात अश्विन मास में लोग अंदर अन्दर लड़के खून की नदिया बहायेंगे, बड़े बड़े नेता आदि मरेंगे उस रक्त को पीके डाकिनी तृप्त होंगे ।

□ कार्तिक मास रे रोग व्याधि जे घटिब, अचीन्हा रोग कु औषधि पुनि हे नथिब । (29 Oct- 27 Nov)

अर्थात कार्तिक महीने में अनजान महामारी आएगी जिसका निदान और इलाज किसी के पास नहीं होगा ।

□ मार्गशीर पौष केते मरिबे जे लोके, माघे घर छाडी चाली जिबे जे अनेके । (28 Nov 2023 - 25 Jan 2024)

अर्थात मार्गशीर्ष और पौष महीने में महामारी से बहुत संख्या में लोग मरेंगे और, माघ मास में कई लोग घर छोड़ के अन्यत्र चले जायेंगे ।

□ कुम्भ मासे जर्ममाने माडी जे आसिबे, मिन मासे टारे होणा कटारे मरिबे । (06 Feb - 20 Apr 2024)

अर्थात कुम्भ(फाल्गुन) मास में विदेशी देश में घुस जायेंगे और मीन (चैत्र) मास में बहुत दंगे होंगे ।

- प्रलयकारी भविष्य मालिका , महापुरुष स्वामी अच्युतानंद

□ इसके अलावा भारत के कई बड़े और सर्वोच्च माने जाने वाले व्यक्तित्व 2023 में दुनिया से विदा लेंगे जिसमे अभिनेता, राजनेता, खिलाड़ी, लेखक आदि को भी मान सकते है ।

□ इसके अलावा अच्छे संकेत देखे जाए तो लोगो के बिच में प्रभु का नाम फैलेगा । होम यज्ञ आदि कई जगह होंगे । और एक चमत्कारी घटना 2023 में घटेगी वो ये होगी की अनेक मालिका वर्णित भक्त लोगो के सामने आयेंगे ।

<https://youtu.be/gcVNR6Fi2tM> (part 1)

<https://youtu.be/gWMSFdPzVhw> (part 2)

#2023 #timeline #pandemic #civilwar

कल्कि को ढूँढने का एकमात्र सटीक तरीका है महापुरुष अच्युतानंद के शिष्य रामचंद्र को ढूँढा जाए । इस विषय में कुछ तथ्य □

पांच सौ वर्ष पहले सालवेग अहमद खान ने कलि भारत मालिका मे कल्कि अवतार के बारे मे लिखा की :

□ सेठारे विरोजा कूमनो, जन्मी छंती भगवानो। सेठारे वैतरणी नदी भेदी, बहे आकाशो नदी भेदी।।

जाजनग्री बोली जाणो, वैतरणी नदी तीरे पुणो। विप्रो मिश्र ब्राह्मणो घरे, ता घरे जन्मो श्रीधरे।।

- कलि भारत मालिका

अर्थात जहां विरोजा देवी हैं वही जन्म लिए हैं भगवान् वहां वैतरणी नदी आकाश को भेदते हुए बह रही है । जाजनग्र एक स्थान है वैतरणी नदी के किनारे वही मिश्र ब्राह्मण घर मे श्रीधर ने अवतार लिया है ।

अब संभल नामक गांव जाजपुर जिले मे ढूँढने से भी नहीं मिलेगा इसलिए महापुरुषो ने थोड़ा समझने के लिए सरल रूप से लिखा :

□ खीरो नदी दक्षिणो ते विरोजा मंडलो, डाको जे कमलपुरो गुप्त जे संभलो।

जन्मो होईबू आमे जाजोपुरो ठारे, जन्मो होईबे चंडी दक्षिणो दिगो रे।।

देवी गणो जन्मो होईबे दक्षिणो रे।।।

अर्थात वैतरणी नदी के दक्षिण मे विरोजा मंदिर उसके निकट कमलपुर नामक गांव ही गुप्त संभल है। भगवान् जन्म लेंगे जाजपुर जिले मे और दक्षिण मे चंडी अवतरित होंगी और तमाम देवी दक्षिण भारत मे जन्म लेंगी ।

अब ढूँढना बेकार है क्योंकि महापुरुष अच्युतानंद दास लिखते हैं :

□ भक्तो माने न पाईबे बूली बूली देशो । ख्यातो करीबू रे बाबू रामचन्द्रो दासो।।

अर्थात भक्त लोग देश राज्य मे भ्रमण करते हुए भी कल्कि को ढूँढ नहीं पाएंगे तब हे रामचंद्र तुम ही कल्कि अवतार को पहचान पाओगे और ख्याति करोगे भक्तो को कल्कि का दर्शन कराओगे।

यहां भक्त लोग कल्कि को पहचान नहीं पाएंगे अब साधारण इन्सान की कौन कहे इसलिए अच्युतानंद के शिष्य रामचंद्र कहां पर जन्म लिए हैं कौन हैं ये जानना पड़ेगा और पहले रामचंद्र को ही ढूंढना पड़ेगा और रामचंद्र के बारे में अगले किसी पोस्ट पर विचार करेंगे ।

#kalkiplace #kalki #ramchandra #ramdas

□ सेठारे विरोजा कूमनो, जन्मी छंती भगवानो। सेठारे वैतरणी नदी भेदी, बहे आकाशो नदी भेदी॥
जाजनग्रो बोली जाणो, वैतरणी नदी तीरे पुणो। विप्रो मिश्र ब्राह्मणो घरे, ता घरे जन्मो श्रीधरे॥
- कलि भारत मालिका

अर्थात जहां विरोजा देवी हैं वही जन्म लिए हैं भगवान् वहां वैतरणी नदी आकाश को भेदते हुए बह रही है । जाजनग्र एक स्थान है वैतरणी नदी के किनारे वही मिश्र ब्राह्मण घर में श्रीधर ने अवतार लिया है ।

अब संभल नामक गांव जाजपुर जिले में ढूंढने से भी नहीं मिलेगा इसलिए महापुरुषों ने थोड़ा समझने के लिए सरल रूप से लिखा :

□ खीरो नदी दक्षिणो ते विरोजा मंडलो, डाको जे कमलपुरो गुप्त जे संभलो।
जन्मो होईबू आमे जाजपुरो ठारे, जन्मो होईबे चंडी दक्षिणो दिगो रे॥
देवी गणो जन्मो होईबे दक्षिणो रे॥॥

अर्थात वैतरणी नदी के दक्षिण में विरोजा मंदिर उसके निकट कमलपुर नामक गांव ही गुप्त संभल है। भगवान् जन्म लेंगे जाजपुर जिले में और दक्षिण में चंडी अवतरित होंगी और तमाम देवी दक्षिण भारत में जन्म लेंगी ।

#kalkiplace #kalki

□ जापानो रो रणो मध्य जर्मनी मिसीबो ।
ब्रिटेनो अमेरिका संगे धाड़ी न जे देबो ।

जापान के कारण जर्मनी भी USA से अलग हो जायेगा। और अफ्रीका में बम्बारी करेगा।

□ चीनी पाकिस्तान पुनी अमेरिका जाना
अर्थात चीन और विश्व शक्ति अमेरिका पाकिस्तान के साथ होगा।

और इराक के साथ-साथ 13 मुस्लिम देश पाकिस्तान और चीन का समर्थन करते हुए भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ेंगे।

□ 'रूसिया भारत पुनी जर्मनी जापान'

अर्थ, रूस, भारत, जर्मनी और जापान सहयोगी बनेंगे। मलिका के एक अन्य हिस्से में यह भी लिखा है कि फ्रांस भी भारत के साथ रहेगा।

□ 'जापान रा अनुरोधे जर्मानी मिशिब भारत पतुआ होई अफ्रीका ध्वंससिबा '

जापान के अनुरोध पे जर्मनी भारत से मिल जाएगा और अफ्रीका ध्वंस होगा ।

- गुप्त खेदा मालिका

(परम पूजनीय पंडित काशीनाथ मिश्र जी)

#ww3 #russia #germany #japan #USA

□ भगवान बोली मोही पूरी जीबो, भक्ति न थिबो का पाखे ।
योगमाया गणो ताहांकू भोक्षी बे, अनन्त कहीणो हंसे ॥

अर्थात स्वघोषित कल्कि भगवानों से पृथ्वी भर जाएगी भक्ति नहीं होगा किसी के पास, योगमाया उन्हें भक्षण करेगी ये कहते हुए महापुरुष शिशु अनन्त हंस पड़े ।

□ चौबीस अंको ठारू अणोत्रीसो जाए प्रमाद अछी अपारो ।
अणोत्रीसो अंको रे हो गरूडो महा कल्कि अवतारो ॥

अर्थात कलियुग के 5124 वर्ष से 5129 वर्ष तक महा भयंकर विनाश के कारण भक्तों में प्रमाद रहेगा और कलियुग के 5129 वर्ष होने पर महा कल्कि अवतार प्रकाशित हो जाएंगे ।

अब वो कौन सा दिन होगा ?

□ शुक्ल पक्ष गुरुवार जे वैशाख मासो तृतीया तिथि जे रोहणी बृषो ।
धवल गिरी रू बाहरो हेबे, कोड़ा धोड़ा घोड़ा आहोरिणो से थिबे ।।

अर्थात शुक्ल पक्ष गुरुवार वैशाख महीना तृतीया तिथि को धवल गिरी पर्वत से सफेद काले घोड़े पर सवार हो कर कृष्ण बलराम सभी को दर्शन देंगे ।

□ न्यूयॉर्क सहारा धवनस पदा होई जिबा, हहाकारा पड़ी जिबा अथर्ब निर्बेड़ा ।
- महागुप्त पद्मकल्प

अर्थात:- न्यूयॉर्क शहर पूरी तरह से तबाह और वीरान हो जाएगा जहां कोई इंसान या जीवित प्राणी नहीं होगा। एक मरुस्थल बन जायेगा न्यूयॉर्क शहर।

(आदरणीय पंडित काशीनाथ मिश्र जी)

#newyork #usa #ww3

<https://youtu.be/GIU0tBMhEeE>

□ मुकुंद 13 अंक जाण जिव मारुटी हेब पुण, कृषि उपजिब नाही जल वर्षा घोर होई ।
एणु जे दूत सा पडिब अराज कर्कस होइब, तेणु जे 15 अंक रे कुरूसी होइब संसारे ।

अर्थात मुकुंद के 13 अंक में बहुत सारे जिव मरेंगे और कृषि उपज में घोर वर्षा के कारण बहुत हानि होगी ।
कृषि हानि से पीड़ित लोग भूख प्यास में अपने दिन गुजारेंगे और फिर 15 अंक में थोड़ा बदलाव आएगा ।

□ तेणु से शुभ जोग हेब, 17 अंक टी होइब । 17 ए चहल पडिब केनु ते जानी न पाडिब ।
घोर कलीकाल थोयो ना रहिबो ज्ञानी हेबे जान बाट बडां, मंगो मंगुवालो बोलो ना मनिबे ज्ञान कही अकलणा।

अर्थात उसके बाद शुभ योग आएगा जब मुकुंद देव का 17 अंक होगा तब चहल पड़ेगा यानी सत्य का प्रकाश होगा । केवल भक्त लोग ही समझ पायेंगे, अधर्मी लोग कुछ नहीं समझ पायेंगे । जानी लोग ही सबसे अधिक भ्रमित होंगे, वो ज्ञान को ही सर्वोच्च समझेंगे व ज्ञान को ही श्रीभगवान की प्राप्ति का मुख्य मार्ग समझेंगे, परंतु वो ये नहीं समझ पायेंगे कि प्रभु की प्राप्ति का केवल एक ही सरल मार्ग है, वो है श्रद्धा, भक्ति प्रेम एवं ईश्वर पर अटूट विश्वास।

□ चोर प्राय आम्हे अबनि भ्रमिबु चेता कराईबा पाई, चाहीं जक-जक निंदुथिबे लोक एहि परा प्रभु सेहि।

प्रभु संसार में आकर चोर के तरह ही सारे पृथ्वी पर भ्रमण करेंगे जैसे द्वापर में किया था। लेकिन कलियुग के पापी मनुष्य उन्हें देखकर भी शक करेंगे और पहचान नहीं पाएंगे, निंदा भी करेंगे, और कहेंगे क्या यह वही प्रभु है ?

□ माघ सप्तमी से दिन रे भूमिकंप हेब दिन रे, ठाबे ठाबे से भागवत होइब संसारे विख्यात ।
काहीबा भूमिकंप हेब से कथा जाणी न पारिब, ए रूप होइब टी जान 17 अंक रे प्रमाण ।

माघ सप्तमी के दिन भूकंप होगा और जगह जगह पे भागवत महापुराण विख्यात होने लगेगा । अर्थात 17 अंक में यह लीला होगी और भूकंप कहा हुआ ये कोई नहीं जान पायेगा ।

□ दक्षिणे सुभुथिब गोड, पुर्बे पडीब चहल, इ रुपे सुनु थीबे जन, राजा प्रजा सर्व जन ।
18 अंक भोग जाई, 19 अंक रे कही पश्चिमे संग्राम लागिब, उत्तरे कमान पडिब ।

अर्थात 18 अंक के बाद जब 19 अंक आएगा तब पश्चिम में संग्राम होगा । उत्तर दिशा में युद्ध की भयंकर परिस्थिति होगी । दक्षिण दिशा में लोग युद्ध के बारे में सुन रहे होंगे और पूर्व दिशा में लोग युद्ध के बारे में सुन के डर रहे होंगे और इस परिस्थिति से राजा या प्रजा कोई नहीं बचेगा ।

<https://youtu.be/h7DfkgDVJ1c>

□ कलि रे भारत भूमि जोबरा होइब, बहु लीला सेही ठारू प्रकाश होइब ।
कलि र जे कलघर हेब सेही ठारे, कलियुग क्षय एका हेब सेही बेले ।

अर्थात कलियुग का आखरी महायुद्ध जोबरा भूमि में होगा, कलि महाभारत की अंतिम लीला वही प्रकाश होगी ।

कलि की महत्वपूर्ण घटना का वो केंद्र बनेगा, उसी समय कलियुग का अंत आएगा ।

□ धर्म युधिष्ठिर कादी तार पश्चिम रे हस्तिना कटक बोली हेब से कलि रे ।
त्रिजटा वंश ताहि गादी जे करीब, पञ्च कटक जे बोली युगे युगे थिब ।

अर्थात् धर्मराज युधिष्ठिर का शासन वही पश्चिम में था जिसे कलियुग में हस्तिना कटक कहा जाता है ।
उसी जगह त्रिजटा वंश ने शासन स्थापना किया था जो युगों युगों में पञ्च कटक नाम से जानी जाती है ।

□ 16 मण्डल भक्त जे ठोल से ही ठारे, पञ्च सखा थीबे पुनि ताहर भीतरे ।
वैशाख शुक्ल अष्टमी गुरुवार दिन (13 May 2027) , सेही दिन कलियुग होइब सम्पूर्ण ।

अर्थात् वहां पे 16 मंडल के भक्त उस समय होंगे और उनके साथ पंचसखा भी होंगे ।
वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि का वोह दिन गुरुवार होगा जब कलियुग सम्पूर्ण हो जायेगा ।

□ सेही दिन लन्जा जे पड़िब चमत्कार, सहे साठीए होइबे चन्द्रभागा ठार ।
सेही दिन बासवजे हेब चमत्कार अनचास पवन जे बहिव सधीर ।

अर्थात् उसी दिन आकाश से लन्जा नक्षत्र गिरेगा और ओडिशा के चंद्रभागा के लोगो की स्थिति बहुत असम्भाल और दयनीय हो जायेगी ।
उसी दिन इंद्र देव कोपित हो जायेंगे और उनचास पवन को आदेश देंगे की इस धरा को नष्ट भ्रष्ट कर दो और बचे हुए अधर्मी लोगो को नष्ट भ्रष्ट कर दो ।

□ वात घात पाई मेरु अटल टलीब, जन चारी भागरू जे भागे नास जिब ।
वैज्ञानिक जंत्र माने होइब अचल, हरिन्कर सुदर्शन घुरुण जेथिब ।

अर्थात् पवन के असह्य वेग की वजह से बड़े बड़े परबत भी ध्वस्त हो जायेंगे और विश्व के चार भाग से केवल एक भाग की ही संख्या बच जायेगी ।
सारे वैज्ञानिक यंत्र खत्म हो जायेंगे सिर्फ, हरी का सुदर्शन चक्र चल रहा होगा ।

□ सत्य आचरणे पूणी थिबे जेओ माने, सेही माने पाइबे टी अम दर्शन ।
कलियुग शेष नाथ एमंत होइब, पुरातन अंक से ना सलिया बहेब ।

अर्थात् वही लोग जो सत्य के मार्ग पे चल रहे होंगे उन्हें ही हमारा दर्शन हो पायेगा ऐसा भगवन जगन्नाथ कहते हैं ।
इसी तरह पुरातन अंक का अंत होके एक नुतन अंक का प्रारम्भ होगा ।

#2024 #asteroid #wind #lanjanakshatra

लांझा नक्षत्र से ही बहुत बड़ी सुनामी आयेगी। जो कि नीलचक्र के ऊपर से जायेगी। और खंडगिरि में प्रभु के आश्रम तक जायेगी।

"पुरबो समुद्र रे लोबों सबो, उठिबो परानीको हिया। सागर राजा खंडगिरि देखी जीबो" ।

22 पाबछ वाला पहले होगा। श्री जगन्नाथ जी जबतक नीलांचल में है तबतक सुनामी भी नहीं आयेगा। वे जब नीलांचल छोड़ेंगे तब 22 पाबछ वाली घटना घटेगी।

गाड़ी छाडिबो तत्खणो सिंधु जे छाडिबो गर्जनो ।

अर्थात् जगन्नाथ जी को लेकर रेल इंजन जब पुरी स्टेशन से रवाना होगी तब समुद्र घोर गर्जना करेगा । यही समय 22 पाबछ वाली घटना घटेगी।

बाईसी पाबछे मीन खेलथुब सिंघासने वरुणो, मक्का मदीनारे घोर जुद्धो हेबो मरिबे बिधर्मिंगण।

भारत पाकिस्तान के बीच युद्ध की सुरुआत होगी तब श्रीजगन्नाथ मंदिर में 22 पाबछ अर्थात् बाइस सीढ़ियों को चढ़ कर भक्तजन भगवान जगन्नाथजी और उनके रत्न सिंघासन का दर्शन करते हैं, उसी रत्न सिंघासन तक समंदर अपनी सीमा को लांघकर आ जायेगा। रत्न सिंघासन पर मछलियां खेलेंगी उस वक्त जगन्नाथजी अपने स्थान पर नहीं होंगे, जगन्नाथजी के रत्न सिंघासन पर वरुण देवता विराजमान होंगे ।

लांझा नक्षत्र सबसे अंत मे क्यों होगा?

5 3 13 एकत्र हुयिले लन्जा नाखत्र पडिबे , से दिन देश रु कलि छाडिब धर्म उदय हेबे - तेर जन्म शरण

5 3 13 अंक में आसमान से लन्जा नक्षत्र धरती पे गिरेगा उस दिन से कलि पृथ्वी को छोड़ जायेगा और धर्म का उदय होगा !

5 + 3 + 13 = 21 कल्कि जी के अंक के हिसाब से 2027-28 हो सकता है ।

सत्ताईसो अंके दक्षिणो दिगो रू समुद्र आसीबो माड़ि ।
उत्तरो रू गंगा उछली पड़ीबो तोही संगे देबो धाड़ि ॥
पश्चिमो दिशा रू जलस्रोतो एको तोही संगे जिबो मिसी ।
खंडो प्रलयो रो सूचना करीबो पापी माने जिबे भांसी ॥

अर्थात् 27 अंक मे दक्षिण से समुद्र तट का उल्लंघन करते हुए आएगा और उत्तर से गंगा गर्जना करती हुई उछल कर आएगी।
जब दक्षिण मे समुद्र तबाही मचाएगा उत्तर मे गंगा मे भयानक बाढ़ होगी उसी वक्त अरब सागर भी तट का उल्लंघन करते हुए आएगा और तीनों एक जगह मिल जाएंगे और पाप करने वाले पापी उसमे बह जाएंगे

इतना बड़ा जल प्रलय बंगाल की खाड़ी , और अरब सागर से एक साथ आयेगा, और दोनों का जल एक जगह जा के मिल जायेगा। ये लांझा नक्षत्र के दो टुकड़ों के कारण हो सकता है।

गाड़ी छाडिबो तत्खणो सिंधु जे छाडिबो गर्जनो ।

अर्थात् जगन्नाथ जी को लेकर रेल इंजन जब पुरी स्टेशन से खाना होगी तब समुद्र घोर गर्जना करेगा ।

यही समय 22 पाबछ वाली घटना घटेगी। और वरुण देव रत्न सिंघाशन पर बैठेंगे।

#lanjanakshatra #asteroid #2025 #2027 #2028 #timeline

संत भीमा भोई 27 अंक में कलियुग खत्म होने के अपने आत्मविश्वास के बारे में कहते है ।

□कहुछी संसारे सत्ताईस अंको रे साधोनो न हेले पृथ्वी ।
निष्ठुरो वचनो सुणो साधु जनो सुणो सुणो मोरो रीति ॥

अर्थात् कलियुग के 27 अंक में यदि पृथ्वी का शोधन नहीं हुआ तो मेरे निष्ठुर वचन को और मेरे रीति को सभी साधु जन सुनो ।

□मुं भीमो भोई प्रतिज्ञा करी निष्ठुर वचन कहूछी ।
बसी थाई कुड़ो महानदी जलो छुई अछी सत्य करी ।

अर्थात् मै भीम भाई महानदी के किनारे बैठे नदी के जल को हाथ में लेकर प्रतिज्ञा करता हूँ ।

□धर्मो कू लंघीबी सुरा पानो करीबी हरिबी ब्रह्मणी नारी ।

अर्थात् 27 अंक में यदि पापीयो का नाश और पृथ्वी का शोधन नहीं हुआ तो धर्म को त्याग कर शराब पीयूंगा और ब्राह्मणी नारी का हरण करूंगा ।

-Biren Singh

#kaliyugaend #2027 #timeline #asteroid

कली शेष हेब, मोहि नर रूपे जात।
"ह" अक्षर नाम मोर होइबटी ख्यात।
निज वास आहे, कहीदिल गुप्त गिरी पास आहे॥

#kaliyugaend #mystery #ekakashar

✓ मीनो शनि मेड़ो गो हो हेबो जेते बेड़े ।
समरो लागीबो बाबू भारोतो मंडले ॥

अर्थात् मीन शनि का जब संयोग होगा भारत के अंदर भयंकर युद्ध होगा ।

☒ कहे अभिराम कालक अधम छपने सरीब खेल।

पूरी के राजा दिव्य सिंह जी 7 जुलाई 1970 को राजा बने थे। उस हिसाब से 7 जुलाई 2026 को उनका 56 अंक चालू होगा जो कि 7 जुलाई 2027 तक रहेगा।

56 अंक तक खेला हो जायेगा। #timeline #kaliyugaend #2027

□ तेबेजाइ सऊल मण्डल भक्त माधव करिबे मेल हे ।
कहे अभिराम नित्य स्थल लीला करिबे भक्त वत्सल हे ।।

- अभिराम परमहंस
('रक्षा कर आदि मूल हे' - भजन)

अर्थात महापुरुष अभिराम परमहंस के अनुसार, भगवान "माधव" उपयुक्त प्रलय से मनुष्य द्वारा स्वयं को बचा पाने के ज्ञान का प्रसार करेंगे और अपने सभी भक्तों को 16 मंडलों (समूहों) में एकत्र करेंगे । भक्तवत्सल भगवान "माधव" अपने भक्तों के समीप रह तथा नित्य गोलोक की लीलाए कर उन्हें आनंदित भी करेंगे । #ekatrikaran #kalki

संवत्सर पांच सहस्र कली शेष होइब।
सत्य युग आद्य प्रकाश, शुभ योग होइब।।
हरी हरी शब्द मातीबे, हरी भक्त माने ।
हर्ष होइबे हृदय, दुखी दरिद्र माने।।

अर्थ: पाच हजार वर्ष बाद कलियुग खत्म होकर, आद्य सतयुग शुरू होगा, दुखी लोग सब सुखी होंगे, हरी भक्त लोग हरी, हरी शब्द का उच्चारण करेंगे।

- भविष्य मालिका #kaliyugaend

मालिका में वर्णित रंगेश्वरी ठकुरानी पीठ में कदम्ब के वृक्ष पर असमय फूल खिले और इसी के साथ कलियुग अंत को सच साबित करता हुआ और एक मालिका वचन सत्य हुआ । आम तौर पे अषाढ़ मास में कदम्ब पे फूल खिलते है लेकिन इस साल वैशाख मास में ही खिल गए और वो भी मालिका में जिस स्थान की महिमा कही गई है वहां पे ! #kaliyugaendproofs #malikaplace

महापुरुष अचुतानंद जी के जन्म दिवस के अवसर पर अचुतानंद जी की समाधि पीठ नेमाड़ ग्राम से वहाँ के महंत गगनानंद जी महाराज ने मालिका के एक रहस्य को खोल दिया । गगनानंद जी ने बताया ये जो एकाक्षर मंत्र को लेकर नाना प्रकार के भ्रम फैलाया जा रहा ये उचित नहीं है दरअसल मालिका में बताया गया हैं अकार अ मे पांच मात्राओं के मिलने पर ॐ बना और एकाक्षर मंत्र कहलाया इसलिए एकाक्षर मंत्र ॐ ही है और उन्होंने मालिका से इस बात का भी प्रमाण दिया वे ही अचुतानंद समाधि पीठ के आखिरी महंत हैं क्योंकि जल्द ही नेमाड़ ग्राम मे गडबडी शुरू होगी और लोग अचुतानंद जी की समाधि पीठ मे दंगे फसाद करके उन्हें वहाँ से भगा देंगे ठीक उसी वक्त अचुतानंद जी का नेमाड़ वट वृक्ष की शाखा को काट दिया जाएगा । #malikaplace #ekakshar

बुध ग्रहो रू जे लोको पसिन जे जिबे, मेघ आज्ञा पाई घोर वर्षा करीबे।
जेते बंध होई माने सबु भांगी जिबे, हीराकुद बंध गोटी उछड़ी पड़िबे।।
बुध ग्रह से लोग धरती पर आ जाएंगे और बादल उनकी आज्ञा पाकर घोर वर्षा करेंगे भारत के सभी बड़े बांध टूट जाएंगे और हीराकुद नामक बांध ओवरफ्लो हो जाएगा।

ऐसे ही कई अन्य श्लोक हैं मालिका में जो बुध ग्रह से लोगों के आने का इशारा करते हैं। उदाहरण के लिए जब बलदेव जी छतिया बट में जाकर दर्पण में अपना चेहरा देखेंगे उस समय एलियंस की घटनाएं धरती पर हो रही होंगी। #hirakud #budhgrah #odisha

□ सत्ताईसो अंके दक्षिणो दिगो रू समुद्र आसीबो माड़ि ।
उत्तरो रू गंगा उछली पड़ीबो तोही संगे देबो धाड़ि ।।
पश्चिमो दिशा रू जलस्रोतो एको तोही संगे जिबो मिसी ।
खंडो प्रलयो रो सूचना करीबो पापी माने जिबे भांसी ।।

अर्थात 27 अंक मे दक्षिण से समुद्र तट का उल्लंघन करते हुए आएगा और उत्तर से गंगा गर्जना करती हुई उछल कर आएगी।
जब दक्षिण मे समुद्र तबाही मचाएगा उत्तर मे गंगा मे भयानक बाढ़ होगी उसी वक्त अरब सागर भी तट का उल्लंघन करते हुए आएगा और तीनों एक जगह मिल जाएंगे और पाप करने वाले पापी उसमे बह जाएंगे और ये जल प्रलय गर्मी के दिनों मे होगा।

□ मा सरला षोल मंडल परीक्षा होइब, सरस्वती कण्ठे बसि खल भिआईब ।। जेते चिंता कले मनु पाशोरिण जिब, कर्म र परीक्षा गोति उणा जे पडिब ।।
- महापुरुष अच्युतानंद (चकडा मडाण, पृष्ठ- 88)

महापुरुष अच्युतानंद दासजी ने अपने मालिका ग्रंथ 'चकडा मडाण' में लिखा कि सोलह मंडलों (समूहों) में भक्तों के एकत्रीकरण के बाद मां सरला भक्तों की परीक्षा करेंगी।

मां सरला, जो सरस्वती स्वरूपिणी हैं, भक्तों के कंठ पर बैठकर माया करेंगी।

जिन भक्तों के कर्म ठीक नहीं होंगे, वे चाहे जितना भी याद कर लें, उन्हें मां के प्रश्नों के उत्तर मौके पर याद नहीं आएंगे। इस तरह, वे कर्म की परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो सकेंगे। अतः भक्तों के लिए अपने कर्म सही रखना अनिवार्य है।

□ लीला ब्रह्मा शिवनू अगोचर काही जानिबे एइ चर नर ।

महाप्रभु कहते हैं मेरी लीला ब्रह्मा और शिव की भी समझ से बहार है फिर मर्त्य जगत के ये मनुष्य तो जान ही कैसे पायेंगे ?! #kalki

कल्कि अवतार का साथ सबसे पहले राजस्थान के राजपूत देंगे राजस्थान के राजपूत ही जगन्नाथ मंदिर में कल्कि के द्वारा फिर से रत्न सिंहासन पर जगन्नाथ जी को स्थापित करवाएंगे – आगम पुराण, भविष्य मालिका

राजपूत आर्मी में होगा जब उत्तर से दुश्मन देश की सेना दक्षिण तक पहुँच चुके होंगे तब फिर से बचे खुचे हथियारों के साथ ये राजपूत उत्तर से दुश्मन देश की सेना पर हमला करेगा और दक्षिण से कल्कि अवतार आदिवासियों का फौज बना कर हमला करेंगे इस प्रकार दुश्मन देश की सेना का सफाया किया जाएगा प्राकृतिक आपदा भी साथ देगी दुश्मन को हराने में फिर वो राजपूत कल्कि अवतार से कहेंगे जगन्नाथ मंदिर की सफाई करके फिर से जगन्नाथ जी को मंदिर में रखा जाए | #kalki #rajasthan #ww3

उनसे पूछिएगा कि इसका मतलब और इसका effect वो समझ रहे हैं कि किस level का विनाश होगा ये? □ बाकी बातें छोड़ दोजिये, सिर्फ यह एक चीज को ही समझ लेंगे तो confusion दूर हो जाएगा उनका. □

□ पच्चीसो अंको रू उडीसा देशो रू बिदेशीय जाति जेते ।

मुहूर्तको मध्ये बाहारो होईबे न रहिबे कदाचिते ।।

अर्थात् पच्चीस अंक में ओडिशा में रह रहे विदेशी लोग भाग जायेंगे, शायद नहीं रहेंगे ।

□ छब्बीसो अंको रे उडीसा बक्षो रे होईबो महा समरो ।

भारत रो शेषो समरो टी यही जाणीथाओ तू ही वीरो।।

अर्थात् छब्बीस अंक में ओडिशा की धरती पे महायुद्ध होगा । महाभारत का अंतिम वेला का युद्ध इसी समय संपन्न होगा जिसमें सब महाभारत समय के सब वीर योद्धा भी होंगे !

#2025 #2026 #25 #26

शून्य रू अग्नि उठीबो, जाड़ी पूड़ी सबू भस्मो करीबो लो जाई फूलो, एही कथा टी अटोई ध्रुवो ।

अर्थात् 2022 से आग लगने की घटना बढ़ जाएगी शून्य से अपने आप आग लगेगी और धीरे सब जल कर भस्म हो जाएगा ।

झारखंड के रांची शहर में दूर घने जंगलों में स्थित 'टांगीनाथ धाम' में भगवान परशुराम जी का फरसा आज भी गड़ा है। हजारों वर्षों से खुले आसमान के नीचे गड़े इस फरसे पर आज तक जंग नहीं लगा, यह नक्सल प्रभावित क्षेत्र है यहां साल में केवल एक बार महाशिवरात्रि पर ही मेला लगता है!

✓ तरकी थीबू तेरा कु

भविष्य मालिका में महापुरुष अच्युतानंद ने लिखा है कि जब भगवान कल्कि 13 (2020) वर्ष के होंगे,

उस समय, इस संसार में लोग अलग रहेंगे और भय में रहेंगे।

मतलब, लोगों से मिलने पर, वे एक दूसरे से दूर रहेंगे यानि

शारीरिक दूरी बनाए रखेंगे।

✓ मुकुंद तेरा अंक जान

जिबा मारु हेबा टिपुना

अर्थात् जब भगवान कल्कि 13 (2020) वर्ष के होंगे तब मनुष्यों और पशुओं की भारी संख्या में मृत्यु होगी। 5 जनवरी 2020 में ही ऑस्ट्रेलिया में आग लगी थी जहाँ लगभग अरबों जानवर जिंदा जल गये थे। और लगभग यही समय पे कोरोना के आतंक से लाखों मनुष्य मर रहे थे।

इन दोनों से साफ है कि 2020 में प्रभु जी का 13 अंक चल रहा था।

#kalki #2020 #timeline

□ ठीकणा अच्युत बोले ठ तिनी बामे पांच रखिले रामचंद्र रे थकी जिबे मिन शनि वले ।

अर्थात् 3 ठ के आगे 5 रखें (5ठठठ) अर्थात् कलयुग के 5000 वर्ष बीतने के बाद जब मीन-शनि योग आयेगा तब महाविनाश होगा। भक्त लोग भी थके रह जायेंगे।

ज्योतिष गणना के अनुसार मीन-शनि 29 मार्च 2025 को आयेगा। और भविष्य मालिका के अनुसार वक्रत से पहले ही आ जायेगा।

कुछ देर के लिये मान भी ले कि मीन शनि वक्रत से पहले नहीं बल्कि ज्योतिष गणना के अनुसार 29 मार्च 2025 को आयेगा। हम सब जानते हैं कि भविष्य मालिका के अनुसार मीन शनि भोग 2.5 वर्ष का होगा।

29 मार्च 2025 में 2.5 वर्ष जोड़े तो September का आखरी सत्र ही आता है।

यानी की ज्यादा से ज्यादा 2028 तक खेल खत्म हो जायेगा। लेकिन कुछ लोगों के अनुसार तब महाविनाश शुरू होगा। □

इसीलिये मालिका का अनुसरण करें कौन क्या कहता है उसका अनुसरण न करें।

#timeline #meenshani #2025 #2026 #2027

सात दिन सात रात अंधकार:

ये देखिए, ये है निर्मूली लता या निर्मूली बेल (आकाश बेल, Cuscuta) . इसका जड़ नहीं होता।

मालिका के अनुसार इसका अंजन (काजल) बनाकर आंखों में लगाने से अंधेरे में भी दिखाई देगा। 7 दिन 7 रात अंधकार में इसी का प्रयोग होने वाला है। अब अंजन भी कई विधि से बनता है, इसका कैसे बनाना है वो शोध का विषय है।

<https://youtu.be/Gelh6TyIAqM>

#bhairavidaak #meenshani

" 13 माह जाई समर, कली ये संसार जीबा "

अर्थ: 13 महीने के युद्ध के बाद कली संसार से पूरी तरह चला जाएगा

ये एक और कोट से मैच होता है, जब तारा गिरेगा तो भी कली संसार से चला जाएगा।

मतलब ये दोनो घटना, युद्ध का खत्म होना और तारा गिराना एक समान समय पर होगा। मतलब ये अंतिम समय पर होगा

जबकि युद्ध कुल 6 वर्ष और 6 माह तक चलेगा।

#ww3 #kaliyugaend

इंदु डहा बिंदु

कल ऐसा चंद्रमा और एक शुक्र ग्रह लोग अगल-बगल देखे होंगे, मालिका के जानकर इसका अर्थ बताते हुए कहते हैं कि देशों को आने वाले समय में भयंकर अकाल का सामना करना पड़ेगा इसके पहले यह घटना लगभग 1961 के आसपास हुई थी और दुर्भिक्ष पड़ा था।

प्राप्त मालिका में इससे संबंधित कोई विशेष लाइन नहीं मिलती।

□ सुभाष नामो रे वीरो सैन्य, अमर अतायी सेही ती जानो। सुभाष रहीची रूसियारे असुरो माया रे साथी।

अर्थात् सुभाष नाम से वीर सैनिक, जान लो वो अमर हैं। वो असुरी माया साध के रशिया में रह रहे हैं।

□ सुभाष रहीची रशिया मुलाके, दिने आनिबा गोरा सैन्य, मुगल हाथौरू भारत छड़ाई करीबा राज्य शासन। - शिवकल्प निर्घट मालिका

अर्थात् सुभाष रशिया देश में रह रहे हैं। एक दिन वो लाएंगे गोरे सैनिकों को। और मुगलों से भारत को आजाद करके राज्य शासन करेंगे।

जब चीन और रूस के साथ तेरह मुस्लिम देश भारत पर हमला करके गंगा से गोदावरी तक कब्जा कर लेंगे तभी सुभाष चंद्र बोस जो रूस में गुप्त रूप से रह रहे हैं वो ब्रिटेन की सेना को भारत लेकर आएंगे और भारत के कुछ इलाकों को मुस्लिम देशों की सेना से छुड़ाएंगे और कुछ दिनों के लिए उन इलाकों पर शासन व्यवस्था संभालेंगे। मालिका के अनुसार सुभाषचंद्र बोस हिटलर के साथ तांत्रिक साधना अंटार्कटिका में किसी गुप्त स्थान पर किया करते थे पर हिटलर उस साधना के दौरान मारे गए और सुभाषचंद्र बोस को लंबी उम्र की शक्ति मिली।

<https://youtu.be/4aH7x1Lpkog>

#subhashchandraboise #ww3 #kalimahabharat

□ कली शेष होईव जे षडजे चालीस ।
सत्य कलीजे प्रवेश अठजे चालीस ॥
□ निसारे जे जनमने शयन रे थिबे ।
रात्र जे पाहीले सत्य बचन कहीबे ॥

अर्थ

कलियुग समाप्त होगा 46 अंकमे , सत्य कली का आरंभ होगा 48 अंकमे । लोग रातमे सोकर सुबह उठेंगे तब उनके मुखसे केवल सत्य वचन निकलेगा ।

#kaliyugaend #2026 #2027 #2025 #time

सूर्य सिद्धांत के अनुसार, कलियुग 18 फरवरी 3102 ईसा पूर्व को 00:00 बजे शुरू हुआ था, जिस दिन भगवान कृष्ण ने पृथ्वी छोड़ी थी। यह जानकारी इस घटना के स्थान भालका के मंदिर में रखी गई है।

आर्यभट्ट के अनुसार कलियुग की शुरुआत 3102 ईसा पूर्व में हुई थी। उन्होंने अपनी पुस्तक "आर्यभटीय" को 499 ईस्वी में समाप्त किया, जिसमें उन्होंने कलियुग की शुरुआत का सटीक वर्ष दिया।

वह लिखते हैं कि उन्होंने 23 वर्ष की आयु में "कलि युग के 3600 वर्ष" में पुस्तक लिखी थी। चूंकि यह कलि युग का 3600वां वर्ष था जब वह 23 वर्ष के थे, और यह देखते हुए कि आर्यभट्ट का जन्म 476 सीई में हुआ था, कलियुग की शुरुआत होगी $(3600 - (476 + 23) + 1)$ (क्योंकि 1 BCE और 1 CE के बीच केवल एक वर्ष बीतता है) = 3102 BCE

समयरेखा यह भी इंगित करती है कि आरोही कलियुग, जो वर्तमान युग है जिसमें हम रह रहे हैं, 2025 CE में समाप्त हो जाएगा। अगले युग की पूर्ण अभिव्यक्ति - आरोही द्वापर - 2325 CE में एक संक्रमणकालीन अवधि के बाद होगी। 300 वर्षों का आरोही द्वापर युग के बाद दो और युग होंगे: आरोही त्रेता युग और आरोही सत्य युग, जो 12,000 वर्ष के आरोही चक्र को पूरा करेगा।

ब्रह्म-वैवर्त पुराण में भगवान कृष्ण और देवी गंगा के बीच एक संवाद का वर्णन है। यहाँ, कृष्ण कहते हैं कि कलियुग के 5,000 वर्षों के बाद एक नए स्वर्ण युग की शुरुआत होगी जो 10,000 वर्षों तक चलेगा। अब हम कलियुग को समाप्त कर रहे हैं, 3676 ईसा पूर्व में इसकी शुरुआत के लगभग 5,700 साल। और कलियुग के अंत के बाद 9,000 वर्षों में फैले तीन और युग होंगे, इससे पहले कि आरोही चक्र समाप्त हो जाए।

यह स्पष्ट है कि मूल युग चक्र सप्तर्षि कैलेंडर पर आधारित था। यह 12,000 वर्षों की अवधि का था, जिसमें 2,700 वर्षों की समान अवधि के चार युग शामिल थे, जो 300 वर्षों की संक्रमणकालीन अवधि से अलग थे। 24,000 वर्षों का पूरा युग चक्र था एक आरोही और अवरोही युग चक्र शामिल है, जो दिन और रात के चक्रों की तरह अनंत काल तक एक-दूसरे का अनुसरण करता है।

पिछले 2,700 वर्षों से हम आरोही कलियुग के माध्यम से विकसित हो रहे हैं, और यह युग 2025 में समाप्त हो रहा है। युग का अंत अनिवार्य रूप से प्रलयकारी पृथ्वी परिवर्तन और सभ्यता के पतन के बाद होगा, जैसा कि संक्रमण काल की विशेषता है द्वापर युग अपने आध्यात्मिक और भौतिक आयामों में मूल रूप से कलि से भिन्न है, जैसा कि प्राचीन ग्रंथों से प्राप्त किया जा सकता है। इसलिए, हम अपने पर्यावरण में और संभवतः हमारे लौकिक पड़ोस में दूरगामी परिवर्तनों की आशा कर सकते हैं।

<https://www.speakingtree.in/allslides/when-will-kali-yuga-end/222244>

<https://konekrusoskronos.wordpress.com/2018/09/24/the-end-of-the-kali-yuga-in-2025-and-the-beginning-of-satya-yuga-a-golden-age-> एक और सहस्राब्दी-मिथक/

#कलियुगएंडप्रूफ

भविष्य मालिका | Bhavishya Malika Research | कल्कि अवतार | Kalki Avatar | युग परिवर्तन | Yug Parivartan | संशोधन | Research:

□ 23 जाई 24 रे पूण भक्त केछि होइबे प्रमाण

23 अंक चल रहा होगा और पूरे 24 अंक में कई भक्तों का प्रमाण मिलेगा।

□ 23 जाई 24 आगत महाभयंकर उल्कापात पड़ीब जाइन पुर्बो भाग रे पसिब सागर गर्भगृह रे

यानी कि जब 23 अंक जा रहा होगा और 24 अंक आ रहा होगा तब भयंकर उल्कापात होगा। यह उल्का पूरब भाग में होगा अर्थात् बंगाल की खाड़ी में होगा। और इसी कारण सागर का पानी श्री जगन्नाथ मंदिर के गर्भ गृह तक आ जायेगा।

□ 23 जाई 24 आगत पृथ्वी होइब उल्कापात

23 अंक जायेगा और 24 अंक आएगा तभी पृथ्वी पे उल्कापात होगा ।

#2023 #2024 #2030 #2031 #asteroid

वायु पुराण, ब्रह्म वैवर्त पुराण, मनु स्मृति, गर्ग संहिता, निर्णय सिन्धु, सूर्य सिद्धांत, कालज्ञान और भविष्य मालिका जैसे प्राचीन ग्रंथों से कलियुग की सही आयु (5000 वर्ष) के सम्बन्ध में प्रमाण ।

□ मनु स्मृति

✓ चत्वार्यहुः सहस्राणि वर्षाणां तु कृतम् युगम्। तस्य तावच्छती संध्या संध्यांशश्च तथाविधः॥

◆ अर्थात् चार हजार वर्ष के पश्चात सतयुग आता है। उस चार हजार वर्ष के परमायु तथा उसके संध्या और संध्या काल की कुल परमायु का एक दशमांश वर्ष होता है।

□ सूर्य सिद्धांत एवं वायु पुराण

✓ एतत् द्वादश सहस्राणि चतुर्युगमुदाहृतम् । सत्यम् त्रेता द्वापर कलिश्चैव चतुष्टयम्॥

◆ अर्थात् सतयुग, द्वापरयुग, त्रेतायुग और कलियुग सहित चारों युगों की कुल आयु 4,32,000 वर्ष है लेकिन इन चारों युगों का भोग केवल 12,000 वर्ष है ।

□ निर्णय सिन्धु

✓ चत्वार्यब्दसहस्राणि चत्वार्यब्दशतानि च। कलेर्यदा गमिष्यन्ति तदा पूर्वं युगाश्रितम्॥

◆ अर्थात् 4,000 सालों के बाद संध्या समय 400 वर्ष , फिर उसके बाद के युग प्रारंभ का संध्या समय के 400 वर्ष को मिला कर, कलियुग को कुल 4800 वर्ष भोग होगा।

□ गर्ग संहिता

✓ अब्दाश्चतुः सहस्राणि कलौ चतुः शतानि च। गते गिरिवरे हि श्रीनाथः प्रादुर्भविष्यति ॥

◆ अर्थात् कलियुग के 4000 वर्ष भोग होने के बाद, इसके संध्या समय के 400 वर्ष बाद, भगवान महाविष्णु (श्रीनाथ) धरती पर अवतार लेंगे और पाप के भार का अंत करेंगे।

□ ब्रह्म वैवर्त पुराण

✓ श्री भगवान् उवाच कलेह पञ्चसहस्राणि वर्षानी तिष्ठा भूतले पापानि पापिनो यानी तुभ्यं दस्यन्ति स्नानातः । मद्भाक्ताशुन्य पृथ्वी कलिग्रस्त भविष्यति एतस्मिन्नन्तरे तत्र क्रिश्रादेहद्विनिर्गतः ।।

◆ अर्थात् श्री भगवान् माता गंगा को कहते हैं की 5,000 वर्ष तक कलियुग पापमय रहेगा और पापी तुम्हारे अन्दर स्नान करके अपने पाप धोयेंगे । मेरे भक्तों से रहित पृथ्वी कलि के प्रभाव से पृथ्वी कांपेगी । ऐसा कहके श्री कृष्ण ने देहत्याग कर दिया।

#kaliyugaendproof #scriptures

□ भविष्य मालिका

✓ "चारि लक्ष जे बतिश सहस्र, कलियुग र अटइ आयुष। पाप भारा रे कलि तुटिजिब, पांच सस्र कलि भोग होइब॥" -भक्त चेतावनी - अच्युतानंद दास

◆ अर्थात् कलियुग का संपूर्ण भोगा समय 4,32,000 वर्ष है। परंतु पाप के भार से युग का क्षय हो कर मात्र 5,000 वर्ष भोग होगा।

✓ "ठिकणा अमर पुर, ठाकुर तहीं रु हेबे बाहार, रामचन्द्र रे, ठारि पांच सहस्र कु धर, रामचन्द्र रे।" - भविष्यत् चौतिसा - अच्युतानंद दास

♦ अर्थात नीलांचल धाम आदि वैकुण्ठ धाम श्रीजगन्नाथ धाम पुरी से ही भगवान श्री जगन्नाथ जी मनुष्य रूप में कल्कि अवतार धारण करेंगे और उसी समय कलियुग को 5,000 वर्ष भोग हुआ होगा।

✓ "ठिकणा अच्युत कले, 'ठ' तिनी बामे पांच रखिले रामचन्द्र हे। ठकि जिब मिन शनी भले रामचन्द्र हे।।" - भविष्य मालिका - अच्युतानंद दास
♦ अर्थात 'ठ' (उड़िया भाषा में '०') तीन बार लिख कर उसके बाएं तरफ पांच (5) लिखने से जितना होगा अर्थ कलियुग के 5,000 वर्ष भोग होने के बाद जब मीन राशि में शनि प्रवेश करेंगे (सन् 2025 को समझाया गया है) उस समय मनुष्य समाज को भयानक विपदाओं का सामना करना पड़ेगा और उसी समय ही भक्त वृंद मालिका ग्रंथ का अनुशरण करेंगे और उसको समझ पायेंगे।

✓ "एबे पांच ठिक कहिबा शुण, बारंग बिचारे चित्त रे घेन। पांच सहस्र जेतेबेले हेब, संपूर्ण लीला प्रकाश होइब" - महागुप्त पद्मकल्प -शिशु अनंत दास
♦ अर्थात महापुरुष शिशु अनंत दास अपने शिष्य बारंग से कह रहे हैं कलियुग 5,000 वर्ष में संपूर्ण होगा और तब भक्त और भगवान के लीला का प्रकाश होगा।

✓ "ए जे सुबाहु जुग कलि, क्षिण आयुष महाबली। पापे सकल क्षय जिब, पांच सहस्र भोग हेब।" - आदि संहिता - अच्युतानंद दास
♦ अर्थात कलियुग की आयु 4,32,000 वर्ष है। लेकिन मनुष्य कृत पाप कर्मों की कारण से कलियुग की संपूर्ण आयु क्षीण हो जाएगी, एवं पांच हजार वर्ष ही भोग होगा।

✓ "कलियुग पांच सहस्र गले, बिष्णु जे जनम होइबे भले। पांच सहस्र रे नर शरीरे, बिष्णु जे राजुति करिबे भले" -पट्टा मडाण -शिशु अनंत दास
♦ अर्थात पांच हजार वर्ष में कलियुग समाप्त होने पर भगवान विष्णु चौंसठ कलाओं से युक्त होकर धरती पर मानव रूप धारण करके कल्कि अवतार में आएंगे और विश्व में राज करेंगे।

✓ "चहटिब लीला तु चारि रे मिशा एक, चढा तिनि शुन तहिं जेते हेला ठीक। चलिजिब घोर कलि दलिदेबे मिलि, चेताइण गीते कहे अच्युत जे भालि।" - भविष्य मालिका - अच्युतानंद दास
♦ अर्थात चार में एक मिलाने से जो आता है उसमें तीन शून्य चढाओ अर्थात पांच हजार वर्ष भोग होने पर घोर कलिकाल चल रहा होगा ये चेतावनी अच्युतानंद स्वामी दे रहे हैं।

✓ "निश्व अवतार अबनी ऊपर निलांबर पुर बास, निश्वे पांच सस्र भोग र अंतेण होइथिबु जे नरेश" -उद्धव भक्ति प्रदायिनी - अच्युतानंद दास
♦ अर्थात कृष्ण और उद्धव के बीच कथोपकथन होता है उसमें उद्धव जी के प्रश्न का उत्तर देते हुए, भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि, कलियुग के पांच हजार वर्ष भोग होने के बाद महाप्रभु अपना नीलांचल धाम त्याग करके कल्कि अवतार के रूप में मानव शरीर धारण करेंगे।

✓ "संबश्चर पांच सहस्र कलि होइब शेष, सत्य युग आद्य होइब शुभ जोगे प्रकाश।" - कलि चौतिसा - हाड़ीदास
♦ अर्थात 5,000 वर्ष में कलियुग समाप्त होगा और उसके बाद संध्या युग यानी कि आदि सतयुग का प्रकाश होगा।

✓ "शिशु बोलंति हे शुणिमा बारंग कलंकी स्वरूप होइ, युग संधि पांच सहस्र बरष जेबे जिब भोग होइ। जेसनेक निशि पाहिले प्रभात युग संधि एहा जांच, सेमंत समये कलंकी स्वरूप हेबे प्रभु नारायण। समक्षरा बता शुणि आदिकरि प्रमाण एहाकु कर, सबु एक ठाबे मिशाइ कहिण करिबु पांच हजार।" - आगत भविष्यत् - शिशु अनंत दास
♦ अर्थात कलियुग के संध्या समय में अर्थात संगम युग में, भगवान नारायण कल्कि अवतार धारण करेंगे, और उसी समय कलियुग को 5,000 वर्ष बीत चुके होंगे

□ इन साहित्यों के अलावा कालज्ञान जैसे अन्य भाषाओं के प्राचीन शास्त्रों में भी कलियुग की आयु 5000 साल ही काटने का स्पष्ट प्रमाण मिलता है।

#kaliyugaendproof #scriptures

https://www.facebook.com/permalink.php?story_fbid=pfbid0nDPGnud6ft828awqtpF6U3FiiLQH35QHwXp982Nt6xLYb6L3xpyQ7LsPzp2Be2Xfl&id=100091004543971

□ मीन-शनि, युद्ध और भारत □□

□ बत्तीसो तैंतीसो चौतीसो मीनो शनि भोगो हेबो अढ़ोई बरसो । (भीम भोई)

32, 33, 34 के ढाई साल में मीन शनि भोग हो जाएगा।

□ 32, 33 पुनि 34 मीन शनि भोग हेबे अढ़ाई वर्ष पृथ्वी हेबे कंदल गाड़िब मुंडमाला जानीबू रे राम केछि होइब ढंडल

32, 33, 34 यह ओड़िया का Utkaliya San है जिसके अनुसार 14 अप्रैल 2023 से 31 अंक चल रहा है। अर्थात 32, 33 फिर 34 में मीन शनि भोग होगा अढ़ाई वर्ष पृथ्वी में कलह होगा और कटे हुए मुंड (सिर) जमीन पर गिरेंगे। जानोगे रे रामा कुछ अद्भुत होगा।

□ अढ़ाई वर्ष घोर उत्पात ये 24 अंक को आना शमशान पराय ऐसा धर्मयी कुछ न होई सीना

अर्थात अढ़ाई वर्ष का घोर उत्पात होगा। यह 24 अंक से देखना। शमशान की तरह यह सागर, भूमि उच्चाण होगा।

□ मीनो शनि मेड़ो गो हो हेबो जेते बेड़े
समरो लागीबो बाबू भारोतो मंडले II

अर्थात मीन शनि का जब संयोग होगा भारत के अंदर भयंकर युद्ध होगा I

□ मीनो शनि भोगो ठारूं महाभयो हेबो दिल्ली सम्राट के आसी विपदो पड़ीबो ।।
गांधारो सेना जे बहू द्वंद्वी आरंभिबो ।।
छाड़ी पड़ाईबो केड़े बुद्धि न दिसीबो ।।

अर्थात शनि जब मीन राशि मे प्रवेश करेगा दिल्ली में प्रधानमंत्री भी विपदाओ से घिर जाएगा कैसे होगा ये और तब प्रधानमंत्री क्या करेगा आगे बताते हैं।
अर्थात गांधार सेना पाकिस्तान चीन और तेरह मुस्लिम देशो की सेना बहुत उत्पात मचाएगी जिससे प्रधानमंत्री की बुद्धि काम नहीं करेगी और सबकुछ छोड़कर प्रधानमंत्री चले जायेंगे।

□ मीन शनि गुरुबारो रे पड़िबा एही अंके धुबा धुबा, मिथुन मासो रे 13 दिनों पक्ष, काला धरनी ग्रासीबो

अर्थात मीन शनि गुरुवार को होगा, इसी अंक में सत्य होगा। फिर मिथुन मास में 13 din का पक्ष होगा, और पूरे पृथ्वी में काल ग्रास करेगा।

मीन शनि में ज्योतिष गणना के अनुसार 29 मार्च 2025 को जायेगा। लेकिन भविष्य मालिका के अनुसार गुप्त में 2024 के ही किसी महीने में लग जायेगा।

#meenshani #ww3 #pakistan #china

□ आपद पडिब बहुत किछी, आवर भंगिब बेलु कहूछि
अमावस्या संक्रांति एकत्र पडिब, बहु वार कर लख्य जे

अर्थात जब अमावस्या और संक्रांति बार बार एक साथ पड़ेंगे तब पृथ्वी पे आफतो का पहाड़ टूट पड़ेगा ।

Mark the dates:

✓ 17 Jul 23
✓ 15 Jun 26
✓ 17 Oct 28
✓ 16 Nov 2028 &
✓ 16 Dec 2028

#2023 #2026 #2028 #timeline

□ सिंहे मंगोलो ग्रह दृष्टि, किछी मेदीनी जिबो फाटी

अर्थात जब मंगल सिंह राशि में प्रवेश करेंगे तब पृथ्वी फट पड़ेगी ।

ऐसे संयोग आने वाले कुछ वर्षों में इन तारीखों को पड़ रहे है □

✓ 1 July - 17 Aug 2023
✓ 7 June - 27 Jul 2025
✓ 12 Nov 2026 - 8 Mar 2027
✓ 14 Oct - 07 Dec 2028
✓ 23 Sep - 10 Nov 2030

#earthquake #timeline #2023 #2025 #2027 #2026 #2028 #2030

□ प्रबल खरा हेबे श्रावण मास रे।

अर्थात श्रावण महीने में सूरज का भयंकर ताप गिरेगा ।

2024 में 23 जून से 5 जुलाई के बीच 13 दिन का पक्ष है, इस समय मे बहुत जन हानि होगी | इसी साल में 22 जुलाई से श्रावण मास भी शुरू होता है |

#2024 #timeline #sunstroke #heat

साल 2025 का स्वामी ग्रह मंगल है | मीन राशि में शनि होगा तब मंगल ग्रह पे शनि की दृष्टि रहने पे पृथ्वी फट पड़ेगी | विश्व में जगह जगह पे भूकंप होंगे और ओडिशा में भी | घर मकान सब धंस जायेंगे आयर अनेक जीवों की मृत्यु होगी | #2025 #meenshani #earthquake

<https://in-the-sky.org/skymap.php>

<https://www.universetoday.com/10812/whats-up-this-week-august-8-august-14-2005>

□बिस रेब अंक जे बन दिन,
इंदु परे बिंदु उदय गमन,
एमन्त लक्षण देखिबु जेबे,
कल्कि जन्म होइबे तेबे।

अर्थात्, जब बिस रेब अंक (मतलब $20+27=47$ अंक) होगा तब आसमान में चांद के ऊपर एक तारा देखा जाएगा. जिस वक्त ऐसा लक्षण दिखेगा, उसी समय कल्कि का जन्म होगा.

यह पोस्ट अगस्त 2005 का है जो कि भविष्य मालिका की बात को प्रमाणित करती है। ठीक नारायण के दसवें अवतार के धरावतरण के पूर्व यह घटना घटी थी। और परम पूज्य पण्डित काशीनाथ मिश्र जी ने इस खगोलीय घटना को हम सबके समक्ष रखा। #kalkibirth #2005 #kalki #astro

□सिर लागिब बर डार, जगत पड़ीब चहड़

अर्थात् जब महापुरुष अच्युतानन्द जी की नेमाल स्थित समाधि को वट वृक्ष की डाल छू जाएगी तब विश्व में अराजकता फैलने लगेगी ।

ये संकेत निमाल वट में हो चुका है

#kaliyugaendproof #malikaproof

☞भविष्य मालिका में मुगल और ब्रिटिश शासन

भविष्य मालिका ग्रंथ को लगभग 600 साल पहले लिखा गया था इसमें जो भी लिखा है 100% सत्य है। इसके गलत होने की कोई गुंजाइश नहीं है क्योंकि यह स्वयं भगवान जगन्नाथ जी की वाणी ही। लोग नास्तेदमस , बाबा वेंगा जैसे विदेशी भविष्यवक्ता के पीछे पागल जैसा पड़े रहते हैं। लेकिन उन्हें भविष्य मालिका जो कि 100% सटीक है के बारे में कुछ पता नहीं है।

अब नीचे के पंक्ति से देखिये कैसे 600 साल पहले ही अच्युतानन्द दास जी ने अपने ग्रंथ भविष्य मालिका में मुगल और ब्रिटिश शासन के बारे में लिख दिया था। भविष्य मालिका में भारत को स्वतंत्रता कैसे मिलेगी, किसका योगदान रहेगा यह भी लिखा है।

☑ मुगलो यवनों राजुती हेबो, प्रजापीड़ा महोरोगो होइबो I
भिखारी मानो कू दंडिबो दंडो, देवो भूमि हरि नेबो प्रचंडो II

अर्थात् मुगलो यवनों का राज होगा प्रजा पीड़ा और मंहगाई होगी भिखारियों को दंड दिया जाएगा देव भूमि भारत को प्रचंड रूप से हर लेगा I

☑ प्रथमे मुगलो राजूती होइबो तदंके ब्रिटिश बडो I
मुहूर्तो मध्ये देशों छाडी जीबे रखी जाई थिबे कोरो II

अर्थात् प्रथम मुगलो के शासन काल के बाद ब्रिटिश शासन होगा मुहूर्त के मध्य मे देश छोड़ देंगे और लगान (कर) रख कर जाएंगे

#malikaproofs #proof #malikapastprophecies #fulfilled

भारत में सबसे पहला युद्ध कटक के चौद्वार में होगा | मंडापाड़ा गांव, पट्टामुंडई तहसील, केंद्रपाड़ा जिला ओडिशा में भारत और चीन के सैनिकों में मध्य पहली लड़ाई(झड़प) शुरू होगी जो आगे चलकर कटक के चौद्वार में युद्ध का रूप ले लेगा। #ww3 #odisha

☪ संपूर्ण जे नेत्र दिगो अंको टी प्रमाणो।
शासनो न रही लोके हेबे रणो भोणो ॥
सरीबो राजनो भोगो जाणो से समयो रे।
सतर्क जे पूणी बाहारी राज्य रे ॥
सानबड सम्मत सरी, सप्त दीपे राजा अनंत केसरी

अर्थात् नेत्र 2 और दिशा 4 यानी 24 अंक। इनके अनुसार 24 अंक 2024 है।
मतलब 2024 में शासन नहीं रहेगा। सभी राज्यों के हालत खराब हो जायेंगे। जिससे कर्फ्यू लग जायेंगे। राष्ट्रपति शासन लग जायेगा। फिर 2029 मशीहा में अनन्त केशरी सातों द्विपबके राजा बनेंगे।

एक और मालिका पंक्ति वह भी दूसरे अंक गणना के मुताबिक इसी ओर संकेत करती है।

☪ बीसो त्रीसे प्रभु खेल आरम्भिबे, तोहीं चौवनो भावो ।
दिव्य सिंह नृप राजूती करीबे आऊ शासनो न थिवो ।

यानी कि जब 50 अंक होगा तब प्रभु जी विनाश का खेल आरम्भ करेंगे। और फिर जब 54 अंक होगा तब दिव्य सिंह राजा राज्य करेंगे क्योंकि उस समय शासन नहीं रहेगा।

7 जुलाई 2024 को उनका 54 अंक चालू होगा जो कि 7 जुलाई 2025 तक रहेगा। #timeline #2024 #2025 #2029

https://youtu.be/KTnwJb_vtos

मई 2024 से मई 2026 तक युद्ध की बात सामने आ जाएगी। फिर अक्टूबर 2026 से दिसम्बर 2027 तक युद्ध होगा जिसमें भारत जित हांसिल करेगा उसके बाद मोदी जी अपनी सत्ता योगी जी को सौंपेंगे। 11 सितम्बर से 2032 के बिच भारत में ग्रह युद्ध होगा उससे मोदी और योगी साथ मिलकर बखूबी संभालेंगे। 2032 तक सब ठीक होकर भारत की नयी शुरुआत होगी और शासन प्रभु के हाथ में होगा। आगे आने वाले समय में कोरोना जैसे कई रोग आयेंगे जिसमें फेफड़े और सांस की तकलीफ होगी लोगो को। #propheciesindia #timeline #2025 #2026 #2027 #2028 #2029 #2030 #2031 #2032

कलियुग का अंत, संहार एवं महामारी का अंतिम समय कब आएगा? और उसके पहले ज्योतिष शास्त्र के अनुसार खगोलीय स्थिति में क्या क्या परिवर्तन आएगा ?

☐ आपद पडिब बहुत किछी, आवर भंगिब बेलु कहूछि, भारते लोडिबे धर्म नाहा। अमावस्या संक्रांति एकत्र पडिब, बहु वार कर लख्य जे ।।

अर्थात् बहुत कुछ आपद आएगा और समुद्र अपने किनारे लांघ कर मनुष्य बसाहतो को बहुत क्षति पहुंचायेगा। सभी भक्त उस समय धर्म को ढूंढेंगे, अपने धर्म की शक्ति को बढ़ाएं और भगवान् की शरण में जायेंगे। ऐसा समय तब आएगा जब अमावस्या और संक्रान्ति बार बार एक साथ पड़ेगा तब संहार का काम बहुत आगे बढ़ेगा।

ऐसा 16 जुलाई 1919 में हुआ था। फिर 2018 को एक ही दिन में अमावस्या और संक्रान्ति पड़ा था। आनेवाले समय में 17 जुलाई 2023 को, 15 जून 2026 को और सब से बड़ा समय जब महापुरुष अच्युतानंद ने लिखा है की "अमावस्या संक्रांति एकत्र पडिब, बहु वार कर लख्य जे" यानी अमावस्या और संक्रान्ति बार बार एक साथ पड़ेगा तब संहार का काम बहुत आगे बढ़ेगा, वोह साल 2028 होगा जब 17 अक्टूबर 2028, 16 नवम्बर 2028 और 16 दिसम्बर 2028 यह तीनों दिन में अमावस्या और संक्रांति एक साथ पड़ेगा। यह परिस्थिति जो महापुरुष ने लिखी है वो पिछले कई शतको में नहीं हुआ। यह जब होगा तो धर्म संस्थापना तेज़ी से आगे बढ़ेगा, संहार होगा, पापियों का विनाश होगा, खंड प्रलय तीव्र होगा, पंचभूत का तांडव समग्र सृष्टि को घेर लेगा और महाभारत का शेष युद्ध आगे बढ़ेगा।

ऐसा समय आएगा जब न दवाई काम करेगा न कोई आधुनिक सुख सुविधा के साधन। पंचभूत की ऐसी अवस्था आएगी जिससे मनुष्य समाज त्राहिमाम पुकार उठेगा। रक्षा करने का माध्यम धर्म और भगवान् के आशीर्वाद के सिवा कुछ नहीं रह पायेगा। सभी को भगवान् की शरण में जाना पड़ेगा।

पिछले समय में यह 1919, 2018 में यह हो चुका है और आगे के समय में यह 2023, 2026 और 2028 में होने वाला है। ऐसे समय में भक्तों की रक्षा यह वेदिय धारा ही करेगी। भागवत पठन और त्रिसंध्या जिसमें सोलह नाम, दशावतार, दुर्गा माधव स्तुति शामिल है उसका नियमित पालन ही रक्षा करेगा और जो ऐसा नहीं करेगा उसको समस्या आएगी। संसार की जितनी समस्या और आपत्ति है सब के निदान के लिए माधव नाम ही काफी है। माधव नाम के शरण में आइये त्रिसंध्या और भागवत की धारा का पालन कीजिये यही आप की रक्षा करेगा।

Excerpt from Panditji's Google Meet Talk from 26 Dec, 2021 (
<https://youtu.be/hUwvp3eYiLk&t=227>) #timeline #2023 #2024 #2025 #2026 #2027 #2028

एतस्मिन्नेव काले तु कलिना संस्मृतो हरिः।
काश्यपादुद्भवो देवो गौतमो नाम विश्रुतः।

बौद्धधर्म समाश्रित्य पट्टणे प्राप्तवान्हरिः

कलियुग की प्रार्थना पर कश्यप गोत्र में भगवान विष्णु ने गौतम के नाम से अवतार लेकर बौद्धधर्म का विस्तार करते हुए पटना चले गये।

- भविष्य पुराण #buddha

महापुरुष श्री अच्युतानंद दास जी के द्वारा लिखी मालिका की कुछ दुर्लभ पंक्ति व तथ्य□

मानव तन में श्रीभगवान के आगमन की सूचना हर किसी को प्राप्त नहीं होगी अर्थात कलियुग अंत के समय में मालिका की वाणी पर जिनका विश्वास होगा जो मालिका का अनुसरण करेंगे वही भगवदभक्त होंगे।

आगे अच्युतानंद जी अपनी मालिका में पुनः लिखते हैं...

कृष्ण भाबरस नोहे बेदाभ्यास पूर्व जार भाग्य थिबा।

अर्थात - भगवान को पाना या भगवान से मिलना या भगवान के साथ धर्मसंस्थापना के कार्य में सम्मिलित होना एवं श्रीभगवान का चर्मचक्षुओं के द्वारा दर्शन प्राप्त करना भगवान के मानव अवतार में धरावतरण के पश्चात उनके पादपद्म के शरण में जाना यह किसी शास्त्रों के ज्ञानी या पीठाधीश और मठाधीश या किसी बड़े साधुओं के लिये भी संभव या आसान नहीं है।

आगे अच्युतानंद जी अपनी मालिका में लिखते हैं...

समस्त सास्त्र या अष्टदश पुराणों में जो महाविद्वान हो, या जो स्वयं को महाज्ञानी के रूप में प्रस्तुत करता हो, भले ही उन्होंने लाखों लाख की संख्या में अपने शिष्य बनाये हों, पर उन्हें भी भगवान की प्राप्ति सम्भव नहीं हो पायेगी। इसकी पुष्टि महापुरुष अच्युतानंद दास जी ने स्पष्ट शब्दों में अपने द्वारा लिखे भविष्य मालिका में किया है। जिनके पूर्व जन्मों के संस्कार होंगे जिनकी प्रभु की भक्ति में पूर्व जन्मों से वासना होगी केवल वही भक्तजन श्रीभगवान से मिल पायेंगे या सान्निध्य पायेंगे। सतयुग में ऋषिवंसी, त्रेतायुग में कपिवंसी, द्वापरयुग में यदुवंसी या गोपीवंसी और वर्तमान कलियुग में भक्त इन चारों युग के ये भक्त दरअसल एक ही है ऐसे इन चार युगों के भक्तों में वर्तमान में सात्रों का ज्ञान हो या ना भी हो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि वही गोपी, कपि, तपी भक्त ही भगवान के शरण में आयेंगे।

तारो तको माया झकी दिस माया, तारो तको काया झकी दिस माया, निश्चय वासना वासिब।

अर्थात - जो पूर्व में गोपी, कपि, तपी थे उन्हें ही मालिका की महक मिलेगी अर्थात भगवान की भक्ति और समर्पण का संदेश प्राप्त होगा वही लोग भगवान कल्किदेव के शरण में आयेंगे।

भारत में बड़े - बड़े साधु संत होंगे पर वो लोग भगवान कल्कि से मिल नहीं पायेंगे वो अपने घमंड, गर्ब, अपने लाखों लाख भक्तों के अहंकार के कारण उन्हें भगवान की प्राप्ति नहीं हो पायेगी। लेकिन जो गरीब ही क्यों ना हो जिनका मन निर्मल है, जिनमें निश्छल भक्ति है जिनमें अहंकार नहीं है, जो कपट नहीं जानते हैं वही भगवान के भक्त होंगे उन्हें ही श्रीभगवान की प्राप्ति होगी। जिन लोगों तक मालिका की वाणी पहुंचेगी वो सभी भाग्यवान होंगे फिर चाहे वो किसी भी माध्यम से ही क्यों ना पहुंचे। #devotees

युग परिवर्तन में कुछ वैष्णवों और भक्तों का भी नाश कैसे होगा इस बारे में महापुरुष अच्युतानंद ने मालिका में वर्णन किया हुआ एक प्रसंग □ अपने माँसाहारी भाइयों और भक्तों से ये अवश्य सांझा कीजिये □

□दिवस अवस हुअन्ते प्रबेस उत्तरा बाहूड़ा बेले गोपी गोपाल गोबच्छा सहिते सद्ने आसिबा बेले। ताहदेखिक आदिपूर्ण शशी सकती प्रकासी लह-लह जीवा कले, गोपाल पुअंकु देखी जोग माया भखीवा मोने कल्पिले।

अर्थात - सूर्यास्त का समय था हम पंचसखा और भगवान श्रीकृष्ण व गोप, गोपाल, गौमाता सभी घर को लौट रहे थे। उसी दौरान माँ काली (योगमाया) ने वहां जब गोप-गोपालों को देखा, उनके सुंदर व पवित्र शरीर को देखकर माँ के मुह में पानी आ गया माँ ने उनका भक्षण करने को आग्रह प्रकाश कर अपनी जिह्वा का विस्तार किया व उन्हें खाने के लिए अपनी इच्छा प्रकट की। तब 'भगवान श्रीकृष्ण ने माँ काली से कहा तुम्हें क्या चाहिए मुझे बताओ माँ ?

□बिसुद्धो सोरीर ओटे हंकर मोमन लोभ होईला, रक्त मांस सुद्धअटे अहंकु भखीबा मोने कल्पिबा।

अर्थात - प्रभु यह जो आपके गोप-गोपाल सखा है ये सभी बिल्कुल सुध व पवित्र है, इस वजह से इन्हें खाने के लिए मेरे मन में लोभ उत्पन्न हुआ, मैं क्या करूँ? मुझे इन्हें खाने की तीव्र इच्छा हुई।

□भवानी रगिर सुणि चक्रधर श्रीमुखरु आज्ञा देले सुध सोणित रक्तमाँस भखीबा कहिदेवा वाभोले मोर भक्त मोहर सेचित मोरअंग अटन्ति ताकू तुम्हेवा जदिचभकिब अम्मे काहेमु वसंती।

अर्थात् - भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं देखो माता ये सभी मेरे संगी साथी मेरे सखा है मेरे अभिन्न अंग है। केवल इन्ही के लिए तो मैंने धरा पर अवतरण किया है, यही सोलह सहस्र गोप-गोपाल, गोपियों के साथ ही मुझे वृंदावन की भूमि पर बोहोत सी लीलाएं करनी है। इसलिए तुम्हारी यह इच्छा तो मैं इस जन्म में पूर्ण नहीं करूंगा।

❑ कपट ना करी प्रभु नरहरि पेड़ीक इवच्छामूरे केहुँसे जुगरे केहुँसमयरे आगहो कुहोपथरे।

अर्थात् - माँ काली प्रभु से कहती है कि प्रभु किस युग के किस समय मेरी इच्छा पूर्ण होगी कब मुझे पवित्र माँस खाने मिलेगा कृपया कर मुझे बतायें।

❑ धन्य कलीजुगे अबतारो लेबी नदिया नवद्वीपरे सखा संगी तुम्हे समस्ते जन्मिबे भक्ति हेबजे प्रकासो।

अर्थात् - प्रभु कहते हैं, देखो माँ कलियुग के अंत अर्थात् घोर कलियुग के समय में मैं जब नदिया नवद्वीप पर अवतार लूंगा उस समय मुझे चैतन्य के नाम से जाना जाएगा उसी समय मेरे वो भक्त जिन्हें तुम खाना चाहती हो वो भी मेरे साथ वहाँ जन्म लेंगे और फिर मेरे सभी देश विदेश के भक्त धर्मप्रचार के द्वारा वैष्णव धर्म से जुड़ जाएंगे।

प्रभु फिर इस प्रकार से कहते हैं...

❑ आम्हे वेनिभाई भक्तंकु घेयनी देश-विदेश घमिबु
भक्तंकु भेंट करी जेउचाट पासंड जनमोड़ीबू।

अर्थात् - प्रभु कहते हैं, हम दोनों भाई नदिया नवद्वीप में प्रेम व धर्म का प्रचार करूंगा और विश्व के सभी भक्त मुझसे जुड़ते जाएंगे। कुछ समय के पश्चात मेरे देहत्याग के बाद कलियुग के अंत में मैं पुनः कल्कि अवतार धारण कर देश विदेश सम्पूर्ण विश्व का भ्रमण करूंगा। उसी दौरान मेरे जो भक्त होंगे वो मेरे साथ होंगे, एवं जो पापी होंगे, असुर होंगे, भ्रष्टाचारी होंगे, उन लोगों का मैं सत्य व धर्म की प्रतिस्था के लिए सत्ययुग के आगमन के लिए उनका संधार करूंगा।

❑ थूके मद भक्ष्य करिण से मुख्य नागान्तो पथरे थिबे छटको नाटको करिण उच्चाटो अकर्म करी करिबे सुद्ध सोणित माँसोटे ताहांकर कारणों लोभिबे नाही तुम्हे माहामाई आसा रखीथिब तेतिकी बेलू कुचाहिँ।

अर्थात् - प्रभु माँ से कहते हैं जो वैष्णव धर्म में रहकर नीति धारा का अवलंबन करेंगे, और साथ ही साथ अभक्षण करेंगे वो भक्त कलियुग के अंत में तुम्हारे लिए सुद्ध व पवित्र माँस होंगे। वो सत्ययुग को भी नहीं जाएंगे, उन्ही लोगों का तुम संधार करोगी और इस तरह द्वापर की तुम्हारी इच्छा पूर्ण होगी।

❑ मंत्र-जंत्र बुझी नवधा भकती हैजिसे करुण थिबे माछ माँसो सुखुआ पखाल खाई द्वादस चिता काटिबे।

अर्थात् - मालिका की यह सभी पंक्तियां वैष्णव धर्म के सभी भक्तों के लिए नहीं है। बल्कि केवल उन भक्तों के लिए है जो वैष्णव धर्म में रहते हुए मंत्रयंत्र, पूजाविधि व नवधा भकती में भी रहेंगे चंदन तिलक लगाएंगे और साथ ही साथ मछली व माँस और अंडे का सेवन करेंगे, एवं हर तरह के अभक्ष्य खाएंगे और भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति भी करेंगे।

❑ जोगी मानहे जोगा अंतना पाइबे आहू केमु समरहथा।
जार लागी खेल तार लागी काहल से बेल कुकाल कथा।।

अर्थात् - जोगिंद्र, मुनीन्द्र, ऋषिन्द्र, देवता, ब्रह्मा व महादेव भी स्वयं कलियुग के अंत समय में मायापति श्रीभगवान ! कल्कि देव के धरावतरण के पश्चात उनकी अलौकिक माया के कारण उन्हें पहचान नहीं पायेंगे।

तो फिर कलियुग में जो साधारण मनुष्य माया और विषयवासना के चक्रव्यूह में फंसे हैं, जिन्हें पूर्ण सत्य का भान नहीं है, जिन्हें श्रीभगवान की सात्विक भक्ति का ज्ञान नहीं है ऐसे अधम मनुष्य श्रीभगवान को कैसे पहचान पायेंगे ? तब गरुड़ व भगवान की वार्ता में गरुड़ भवभयहारी, श्रीमधुसूदन, चक्रधर, भगवान से कहते हैं प्रभो कलियुग के अंत समय में आपके धरावतरण के पश्चात मैं आप को कैसे पहचान पाऊँगा कृपाकर आपके श्रीचरणों के रस का रसपान करने वाले इस अपने अधम सेवक पर दया कर यह बतलाइये की मैं आपको कैसे पहचान पाऊँगा ? इसपे महापुरुष संत श्रीअच्युतानंद दास जो कि द्वापरयुग में भगवान श्रीकृष्ण के परम सखा व स्वयं भगवान विष्णु की चेतावनी के स्वरूप में अपने दिव्य ग्रंथ भविष्य मालिका में लिखते हैं की कलियुग अंत के समय, जो मनुष्य मालिका पर हसेंगे, विश्वास नहीं करेंगे, व मालिका का दुष्प्रचार करेंगे उन्ही लोगों को देवी महामाया और काल का ग्रास बनना पड़ेगा। तत्पश्चात उन्हें मालिका की दिव्य अनमोल वाणी की महत्वपूर्णता का ज्ञात होगा, परंतु तब तक देर हो चुकी होगी। एवं सही समय पर समय की गंभीरता की पहचान केवल ज्ञानीजनों के द्वारा ही संभव होता है। इस प्रकार आगे श्रीभगवान ने गरुड़ को सभी प्रश्नों का उत्तर दिया व उनकी संका का निवारण किया जो की गरुड़ संवाद भविष्य मालिका में लिखा है। #devotees

भविष्य मालिका के "श्रीकृष्ण गरुड़ संवाद" में श्रीभगवान की वाणी - पूरी की पावन भूमि (श्रीखेत्र) से भक्तों के लिये ऐसे संकेत आयेंगे जिससे पवित्र भक्तों को यह विश्वास हो जायेगा की कलियुग में मैंने मानव तन में अवतार ले लिया है।

गरुड़ फिर प्रभो से पूछते हैं कि हे जगतपति कृपा कर यह बताइये की और क्या संकेत मैं देख पाऊँगा जिससे मुझे यह विश्वास हो जायेगा कि आप श्रीभगवान ने मनुष्य शरीर धारण कर लिया है ?

भगवान कहते हैं

□समुद्र रूबातासोजे उठिन आसीब।
कल्पवट डाल मोर भांगीब पोकाइब।।

ब्रह्म प्रलय के समय जिस कल्पवट की साखा में प्रभु शिशु रूप में विश्राम करते है उसकी साखा समुद्री तूफान के कारण टूट जायेगी।

□अउ बतासरे चक्र वक्र हेबो निलचक्र मोरो।

समुद्र से एक तूफान उठेगा व उस भयंकर तूफान के कारण पूरी मंदिर के ऊपर का निल चक्र वक्र(टेढ़ा) हो जायेगा(यह संकेत बंगाल की खाड़ी से सन - 2019 में भयंकर चक्रवात के द्वारा सम्पन्न हो चुका है एवं इसकी पुष्टि ओडिशा सरकार ने चक्रवात के दूसरे दिन कर दी थी यह खबर वहाँ के स्थानीय न्यूज़ चैनल और अखबारों में आई थी)

फिर भगवान भक्त गरुड़ से कहते हैं, देखो गरुड़ जगन्नाथ पुरी (श्रीखेत्र) से और भी संकेत लगातार एक के बाद एक आते जायेंगे_

□देउल रचुन छाड़ीब चक्र वक्र होइब।
मालिहा होइब भारत अंक काटाउथिब।।

अर्थात - मेरे श्रीमंदिर से (जगन्नाथ मंदिर) कलियुग के शासन तंत्र के पुरातात्विक विभाग के द्वारा मंदिर में आदिकाल से समुद्री नमक वाली हवा से मंदिर की सुरक्षा हेतु चुने से मंदिर की लिपाई की गई थी, उस चुने से दिये गये लेप को हटाया जायेगा (यह कार्य पुरातात्विक विभाग के द्वारा सन -1985 के बाद ही कर दिया गया था) #malikaproofs #fulfilled

अगर भविष्य मालिका सच है तो क्यों इतने बड़े बड़े साधू और संत उसके बारे में नहीं बता रहे? अगर कलियुग 5000 साल के बाद खत्म होना है तो क्यों सब 4,32,000 साल कह रहे है?

इस विषय में मालिका से कुछ पंक्तियाँ □

□जोगी मानहे जोगा अंतना पाइबे आहू केमु समरहथा।
जार लागी खेल तार लागी काहल से बेल कुकाल कथा।।

अर्थात - जोगिंद्र, मुनीन्द्र, ऋषिन्द्र, देवता, ब्रह्मा व महादेव भी स्वयं कलियुग के अंत समय में मायापति श्रीभगवान ! कल्कि देव के धरावतरण के पश्चात उनकी अलौकिक माया के कारण सत्य पहचान नहीं पायेंगे। प्रभु जब जिसको यह बात ज्ञान कराना चाहेंगे वो तब ही समझ पायेंगे ।

इसके उपरान्त

□कृष्ण भाबरस नोहे बेदाभ्यास पूर्व जार भाग्य थिबा।

अर्थात - भगवान को पाना या भगवान से मिलना या भगवान के साथ धर्मसंस्थापना के कार्य में सम्मिलित होना एवं श्रीभगवान का चर्मचक्षुओं के द्वारा दर्शन प्राप्त करना भगवान के मानव अवतार में धरावतरण के पश्चात उनके पादपद्म के शरण में जाना यह किसी शास्त्रों के ज्ञानी या पीठाधीश और मठाधीश या किसी बड़े साधुओं के लिये भी संभव या आसान नहीं है।

□तारो तको माया झकी दिस माया, तारो तको काया झकी दिस माया, निश्चय वासना वासिब।

अर्थात - जो पूर्व में गोपी, कपि, तपी थे उन्हें ही मालिका की महक मिलेगी अर्थात भगवान की भक्ति और समर्पण का संदेश प्राप्त होगा जिनके मन में पूर्व जन्म से प्रभु से मिलने की वासना बसी है वही लोग भगवान कल्किदेव के शरण में आयेंगे।

भविष्य मालिका और भगवान कल्कि के बारे में अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे □

8967853267
9911819993
9355207153

<http://linktr.ee/kalkiavatar>

गांधी जी के बारे में मालिका का कुछ लाइन्स

☑ मोहना गांधी आसीले फिरंगी लूचीबो । मोनो त्याजाई अचुतो लगाई छी भावो ।।

अर्थात मोहन गांधी आएंगे फिरंगी जाएंगे मन त्याग कर अचुतानंद में लगाया है भाव।

☒ मदोनो मालवीयो थिबो एको भक्तो बड़ी I
गांधी सहीतो अहिंसा धर्मो रे निरंतरो थिबो बुड़ी I

अर्थात मदन मालवीय रहेगा एक भक्त वो गांधी के साथ अहिंसा धर्म मे निरंतर डुबा हुआ होगा।

और भी कई लाइन्स है एक में ये भी बताया गया है कि उनको नाथूराम गोडसे मारेगा। #gandhibapu #malikapastproofs
#fulfilled

☐ बीसो त्रीसे प्रभु खेलो आरम्भिबे जौह चौवनो भावो I
दिव्य सिंह देव राजुती करीबे आऊ शासनो न थिबो II

अर्थात भगवान कल्कि अवतार का जब पचास वर्ष होंगे तब गजपति दिव्य सिंह देव का चौवन अंक होगा अभी 53 अंक हो रहा है अर्थात गजपति का 1970 में राजतिलक हुआ था इसलिए 2023 में 53 अंक चल रहा है जब गजपति का 54 अंक होगा तब भगवान कल्कि अवतार का पचास वर्ष होगा और तभी कुछ न कुछ कारण से शासन नहीं रहेगा तब एक साल के लिए गजपति उडीसा का शासन भार संभालेंगे I

स्तोत - बिरेन सिंह | Facebook

सुचना: ज़रूरी नहीं की इस चैनल पे शेर की जाने वाली सभी जानकारी सटीक हो | यह रिसर्च ग्रुप है इस लिए जो जानकारी मिलती है उसे यथावत बताया जाता है | सच क्या है और जुठ क्या ये पाठक को अपनी विवेक बुद्धि से तय करना है | ☐ #kalki #divyasinghdev #timeline
#2023

☐ ओडिशा राज्य र बहु ख्य ख्यति हेब | दुई जिल्ला विशेषतः ख्यतिग्रस्त हेब | |

ओडिशा राज्य में बहुत क्षति होगी और उसमे भी दो जिल्ले बहुत ज्यादा क्षतिग्रस्त होंगे | खुर्दा और बालासोर जिल्ले सब से ज्यादा क्षतिग्रस्त होंगे |

#odisha #ww3

☐ बालेश्वर खुर्दा जिला ध्वंस पड़ी हेब , कटक शहर उपरे बम जे पडिब |

अर्थात बालेश्वर और खुर्दा जिल्ले में बहुत क्षति होगी और कटक शहर पे बम गिराए जायेंगे |

☐ आहुरी कथाए कहीबी तोते, कलिजुग जे नथिबे रे मन्ते |
ए झिटिका नामे ण पोक आसिब, शंख चक्र चिन्ह ता देहे थिब |

अर्थात जब चंद्रभागा (पद्मक्षेत्र) कोणार्क सूर्य मंदिर ओडिशा की उतर दिशा से टिड्डिया आएगी तब उनके शरीर पर शंख और चक्र के चिह्न होंगे और जितनी संख्या में टिड्डिया आएगी उतनी संख्या में विदेशी सैनिक ओडिशा पर आक्रमण करेंगे |

☐ जुद्ध उठिब भगवती ठारु, बहार हेबे दक्षिण दिग रु |
उतर दिग रु जिबे टी सेही, जबन गण आसिबे टी धाई | |

अर्थात बाणपुर में अष्टचंडी माँ भगवती का निवास है वहा से युद्ध शुरू होगा जब टिड्डियो का प्रवेश शुरू होगा | टिड्डियो जितनी ही संख्या में विदेशी सैनिक आयेंगे और पापियों को माँ भगवती मोत के मुह में सुला देगी | अष्टचंडीओ को तृप्त करने का जो वचन कृष्ण द्वापर युग में दिए थे वो अब पूरा होने जा रहा है | उतर दिशा से भी यवन प्रवेश करेंगे | अष्टचंडियो द्वारा जब विदेशी सैनिको को मारा जाएगा तब खून की नदिया बहेगी | माँ द्रौपदी की अभिलाषा पूर्ण होगी |

यह सब घटना तब घटेगी जब झिटिका नाम का जंतु यानी टिड्डिया ओडिशा में बहु संख्या में प्रवेश करेगी |

- तत्वबोधिनी, अध्याय 8, पृष्ठ क्रमांक 31 #odisha #ww3 #locust

<https://youtube.com/shorts/bT3ZeNHYUzE>

एक और सबूत की पहले के समय में प्राणी किस कद के हुआ करते थे। ये विडियो तो बस कुछेक दशक पहले का है, सोचिए जब हजारों साल पहले भागवत लिखा गया तब इंसान और पशुओं को ऊंचाई और कद काठी क्या होगी। उस समय के लोगो के हिसाब से अभी के लोग शायद 25% ही रह गए हो

तो भी आश्चर्य नहीं। इस लिए जो लोग कुतर्क कर रहे हैं की भागवत में लिखा है अंगूठे के आकार के मनुष्य हो जायेंगे तब कलियुग का अंत होगा उनकी बातों में ना आए। कलियुग का अंत हो चुका है, अभी संध्या समय है और जल्द ही कलियुग का पूर्ण अंत भी हो जाएगा। इसमें शंका का कोई स्थान नहीं।

#malikaproof #kaliyugaendproof

मालिका में जो कहा गया है की संहार के समय प्रभु मायशक्ति से अपने भक्तों को ऊपर उठा लेंगे जिससे भक्तों को कुछ नहीं होगा उसका बाइबल वर्जन #bible #propheciesworld

□ गुप्त थारू गुप्त कथा टी एही ब्रह्मा शंकरांकु गोचर न होईबा, न जानिबे इंद्र चंद्र।

महाप्रभु की लीला गुप्त अति गुप्त होगी जिसे ब्रह्मा और शंकर भी नहीं जान पाएंगे फिर इंद्र चन्द्र जैसे देवताओं की तो बात ही क्या करनी।

□ हेला हेला बोली माही उछूलिबा हेला रे कटिबे दीना हरी भाव रस केही ना जानीबे कर्म काण्ड हेब लीन।

अब होगा अब होगा कर के लोग दावे करते रहेंगे, लोग कर्म कांड में लीन होंगे, हरी की लीला कोई नहीं समझ पायेगा।

□ अच्युत ठार जे कहीबा राम भक्त सेही। चंदी बंधी करी जे जाहा कहिबा ता पेटा पोसीबा पाई ॥

अर्थात् प्रभु के भक्त ही उनके संकेत और अंक गणना को अच्छे तरीके से विश्लेषण कर पायेंगे और जो भी कुछ उल्टा पुल्टा बोलेंगे वो सिर्फ अपने पेट का पोषण करने अर्थात् मालिका को बेचने के लिए ऐसा करेंगे।

#kalki #shiv #mahadev #brahma #gupt #devotees

<https://youtu.be/5RxUyGYCHUI>

Timestamp 09:54

□ जहा भेदी नाही ब्रह्मा सबूसे कल्पर ताहा केही भेदी ना जे न पारंती जन।

□ महिमा र घर केही जानी न जानंती, उपहासे नष्ट हेबे दुष्ट गण चींती॥

अर्थात् जिसका भेद जानने में स्वयं ब्रह्मा भी असमर्थ रहेंगे, उस महाप्रभु को सामान्य मनुष्य तो क्या ही पहचानेंगे। प्रभु के आसपास के मनुष्य उनकी महिमा और लीला देखेंगे लेकिन फिर भी नहीं समझ पाएंगे। और कुछ दुष्ट तो उनका उपहास भी करेंगे जो की अपने इस कर्म के कारण नष्ट होंगे।

लेकिन अगर प्रभु की लीला इतनी गुप्त होगी तो क्या कोई उन्हें नहीं पहचानेंगे? वो ऐसे ही आके चले जायेंगे? इस विषय पे आगे अच्युतानंद दास जी लिखते हैं।

□ जहा र आज्ञा रे पूर्ण सचराचर मही, आपे उदय निरते होई थाई तहि। से जे अटंती मानव सत्य अवतार, गुप्त महिमा से जे अटई तांकर। उदय स्वरूप से ही देखा से देहंती, युगल स्वरूप सेही प्रकाश होवंती॥

अर्थात् जिनकी आज्ञा से पूरा सचराचर जगत चलता है वो स्वयं अपनी इच्छा से उदय होंगे। वो जो "सत्य" है वो मानव रूप में अवतरित होंगे और गुप्त में लीला और अपनी महिमा प्रकाश करेंगे। महाप्रभु अपने भक्तों के सामने उदय होंगे और दर्शन देंगे जब युगल स्वरूप में एकाकार होंगे (युगल स्वरूप अर्थात् महापुरुष अच्युतानन्द जी और प्रभु का एकलय हो जाना। यह घटना गुप्त में 2007 में हो चुकी है और तभी से भगवान कल्कि की लीला भी भक्तों के सामने प्रकाश हो रही है और कुछ विशेष भक्त प्रभु के दर्शन प्राप्त कर रहे हैं।)

महापुरुष अच्युतानन्दजी की वाल्मिकी कल्प से

#kalkimystery #kalkihatere #warning #kalki

<https://youtu.be/dK9qcTfOXYU>

Timestamp 03:55

जब महापुरुष अच्युतानन्द कल्कि भगवान के साथ एकाकार होंगे तभी अष्ट गुजरी नाम की उनकी रचना प्रख्यात होगी।

यह तथ्य की महापुरुष अच्युतानन्द कल्कि से एकाकार हो गए होंगे अपने आप में एक प्रमाण है की अच्युतानन्द जी तब धरती पर नहीं होंगे जब कल्कि अवतार होगा। यह घटना यानी की कल्कि और अच्युतानन्द का एकाकार होना 2007 में हो चुका है। जो चैनल बता रहे हैं की स्वामी अच्युतानन्द जी धरती पर हैं वो निश्चित ही जूठ या अर्धसत्य बोल रहे हैं लेकिन मूलतः वो मालिका का पूरा ज्ञान नहीं रखते इस लिए ऐसे चैनलों से सावधान रहे।

—
पण्डित काशीनाथ मिश्र जी की भगवतवाणी और महाप्रभु जगन्नाथ के सान्निध्य में सुरत, गुजरात की पावन भूमि पे आयोजित भागवत महापुराण और भविष्य मालिका की महाकथा में प्रभु के सभी भावी भक्तों का हार्दिक स्वागत है □

□सभा के सभी आगंतुकों के लिए रहने और भोजन की सुविधा सुधर्मा महा महा संघ की ओर से उपलब्ध करायी जायेगी । जितनी संख्या में हो सके उतने हरी भक्त सतयुग की इस महासभा का लाभ ले और अपने सगे, सम्बन्धी और प्रियजनों को भी इस अमृत सुधा का पान कराये ! आइए हम सब मिलके महाप्रभु कल्कि की धर्म संस्थापना में बढ़ चढ़ के भाग ले और आनेवाले सत्ययुग के इतिहास का अभिन्न हिस्सा बने □

□ सभा समय:

22 से 28 मई, शाम 5 बजे से 8 बजे तक ।

□सभा स्थल:

महर्षि आस्तिक सार्वजनिक हाई स्कूल ग्राउंड, आसपास गोडादरा तिन रास्ता, लींबायत, सूरत

जय श्री माधव ☒☒

□सभा के विषय में अन्य कोई भी जानकारी के लिए संपर्क करें□

☎ 9909714110

☎ 9265763435

☎ 9825020385

—
<https://youtu.be/lwdc0jt1b5s>

Timestamp 4:13

कोनसे वर्ष, महीना और तिथि पर भक्तों को दर्शन देंगे कल्की अवतार?

जब कल्कि भगवान् के प्रकट होने का समय होगा तब कुछ लक्षण दिखाई पड़ेंगे जैसे की:

- संध्या समय के बाद आकाश में एक धूमकेतु दृश्यमान होगा ।
- संक्रांति के दिन आकाश में इन्द्रधनु दिखाई देगा ।
- सारे जगत में उत्पात चल रहा होगा । सब जगह शान्ति की कमी होगी ।

इस विषय में आगे लिखा गया है की

□ सत करी जाणी थाओ चैत्र मास रे, शुक्ल पक्ष रे पुष्या बृहस्पति वारे । शुभ बेले वसु कल्प तप परिमाणि, सत ए ही मास कु जे चारी भाग गणी ।

अर्थात चैत्र मास के शुक्ल पक्ष के पुष्या बृहस्पति वार को यह अलौकिक घटना घटित होगी पृथ्वी पर । इसी महीने के चार भाग करके प्रभु के निर्धारित किये हुए एक शुभ समय पर ही उनकी तप शक्ति से यह घटना संभव होगी ।

□ हर्ष विषाद छाडी शिव गोत्री माने, होइब की एडे कथा देखिबा नयने । हरिबा जन्म दुरित दर्शन करीबा आज्ञा देबा, जे जाहा रस जेहू सेवा । हल मुषल आयुध 'ह' अक्षरे सबू भाब होइब टी सिद्ध ।।

अपने मन से हर्ष और विषाद भाव त्याग कर के शिव के गण ये अलौकिक घटना अपनी आँखों से देखेंगे । हरी को इस चरम चक्षु से दर्शन करके मनुष्य अपने जन्म जन्मान्तर के दुःख और पाप को नष्ट करके भगवान् के शरण में जायेंगे । स्वयं भगवान् इस समय अपने भक्तों के मनोभाव परख कर जिसको जो सेवा करने की इच्छा होगी वो करने की आज्ञा देंगे । गुरु के स्वरूप में आये हुए 'ह' यानी की हरी हल और मुषल के आयुध धरेंगे ।

यहाँ साल मसीहा लिखा गया है लेकिन अन्य ग्रंथों का सन्दर्भ लेके अगर देखा जाए तो यह घटना 2024 को होगी ।

— महापुरुष अच्युतानंद दास की डीबी डीबी मालिका से !

□ बुध ग्रह लोके आसी एठारे मिलीबो I
काहारी आयतो बाबू सेठारे न थिबो I I

अर्थात् बुध ग्रह के प्राणी आएंगे और तब वहाँ किसी की खैर नहीं होगी I

महापुरुष हाड़िया लोहार की समाधि छतिया वट में एक दर्पण है जिसमें बलभद्र की मूर्ति का लोग दर्शन करते हैं, वहाँ बलभद्र की मूर्ति का लोग सीधे दर्शन नहीं करते उस दर्पण के जरिये दर्शन करते हैं अब अच्युतानंद कह रहे हैं जिस दिन बलभद्र उस आईने में अपनी शक्ल खुद ही देखेंगे उसी दिन बुध ग्रह के जीव धरती पर हमला कर देंगे I अब छतिया वट में उस दर्पण का क्या रहस्य है ये तो कोई नहीं जानता क्योंकि वहाँ जगन्नाथ मंदिर की तरह कैमरा ले जाने की अनुमति नहीं है और वहाँ जो बलभद्र की मूर्ति है कहा जाता है वो अपने आप आकार ले रहा है अब लगभग पूरी तरह आकार ले चुका है अब वो मूर्ति अपनी शक्ल उस दर्पण में देखेगा या बलभद्र का अवतार मानव रूप में जो हुआ है वो अपनी शक्ल दर्पण में देखेगा ये तो वक्त पर ही पता चल सकता है और इस घटना के बाद परग्रहियों का अंत करके बलभद्र भारत का सम्राट बनेंगे ऐसा मालिका में उल्लेख है।

<https://youtu.be/GOPUFyt7mhk>

सबके कंठ में प्रभु रक्षा करो नारायण,
ये कैसी दशा हुई, लुट रहा जीवन।

मंदिर को भागेगी झुण्ड झुण्ड में भक्तों की भीड़
चिल्लायेँगे रक्षा करो देवी देवता उनके पैरों में गिर।

देवी देवता की शक्ति को निर्बल ही मानों,
दिव्यशक्ति चेतन में प्रवेश होगी जानो।

जड़ की जो देवशक्ति आत्मा में जगाकर
देवात्मा होंगे वो सतयुग आने पर।

जगन्नाथ की आत्मा मानव में निहित है,
विकारग्रस्त होकर भ्रम में स्वयं से विस्मृत है।

योगविद्या साध रहा जो गुप्त में रहकर
उसी ब्राह्मण को अपनी संतान कहते हैं ईश्वर।

जड़शक्ति की साधना से मिलेगी उसकी सत्ता
यही तो रचना चलती है गुप्त में गुप्त ये कथा।

गुप्त गुप्त महागुप्त में चलता कार्य संकुल
महायुद्ध शुरू होने से संसार व्याकुल।

राजयोग के ऊपर बैठे उड़ेंगे यथार्थ में,
भगवान की शक्ति होगी उनके हाथ में।

सत्य है बहुत कमी है ऐसी आत्माओं की,
कुल की रक्षा करेंगे रूप धर देवी देवताओं की।

स्वयं परमात्मा खुद पृथ्वी पर आकर
ज्ञान गुण राजयोग सिखा रहे बैठाकर।

जिनके हित की चिंता करते स्वयं भगवान,
क्या बिगाड़ लेगा महायुद्ध उनका तू जान।

विश्वयुद्ध के आह्वान पर बड़े बड़े राष्ट्र उपस्थित,
स्वयं ही स्वयं को कर देंगे बुराई में समर्पित।

भुलाकर विवेक ज्ञान भविष्य की स्थिति,
विवेकशून्य होकर खो देंगे अपनी मति।

गर्व दर्प ईर्ष्या हिंसा भेदभाव दंभ
सभी दिखाएँगे अपना बड़बोलापन और प्रपंच ।

अमेरिका राष्ट्र ध्वंस होगा जड़ से अंत,
विश्व मुखिया होने का राजा को है घमंड ।

नहीं सहेगा विधाता अहंकार किसी की अकड़ से,
जला कर भस्म कर देगा सिर होगा अलग धड़ से ।

न्यूयॉर्क शहर विध्वंस होगा होगी बहुत हानि
हाहाकार मचेगा रह जायेगा पश्चाताप और ग्लानि ।

जापान का क्रोध है हिरोशिमा की व्यथा,
जान लो गिराया था बम युद्ध में अमेरिका ।

मिटा नहीं है वो क्रोध जापान का,
युद्ध में साथ देगा हिंदुस्तान का ।

फिर जर्मनी भी जुड़ेगा जापान के अनुरोध से,
अफ्रीका को ध्वंस करेगा लड़ते हुये भारत की ओर से ।

चीन अमेरिका और फिर पाकिस्तान
रूस भारत जर्मनी और जापान ।

भारत के पक्ष में होंगे महाशक्ति
पाकिस्तान को मिलेगी इराक की सहमति ।

सब मुस्लिम देश होंगे एकत्रित
भारत को करने युद्ध में पराजित ।

जो भूमि दिव्यभूमि जन्में हैं भगवान
अध्यात्म ज्ञान में लिप्त देव ऋषि महान ।

धर्म कर्म साधना की देवपीठ समान
तपस्याभूमि है ये पवित्र धाम ।

महान भारतभूमि महाशक्तिशाली चमत्कारी
गुप्त में हैं विराजमान प्रभु चक्रधारी ।

स्वयं लड़ेंगे प्रभु गुप्त रूप में आकर
शक्ति देंगे भारत को वही अगोचर ।

युद्ध की विभीषिका बहुत भयंकर विनाश
अनदेखे दृश्य पर नहीं हो रहा विश्वास ।

जलेगी पृथ्वी बारूद की अनल में
हाहाकार मच जायेगा इस भूतल में ।

पहाड़ भी चकनाचूर होंगे बम की मार से
सागर जहरीले होंगे अणुबम के व्यवहार से ।

जल आकाश भूमि वृक्ष लता घर द्वार
विष अग्नि गोला बारूद से जल जायेगा संसार ।

मानवता होगी भस्म भाई निरीह दुर्बल
रो रहे होंगे जीवन भय से विकल ।

भारत में मरेंगे लोग आधे से अधिक तादाद
सभी राज्य शून्य होंगे युद्ध हिंसा के बाद ।

बड़े बड़े शहर तो होंगे ध्वंस दरण
कहीं नहीं बचेंगे विद्युत उपकरण ।

बंद होगा समाचार और यातायात
सड़क रास्ता जो टूटकर होंगे बरबाद।

विद्युत नहीं जलेगा सब ओर अकाल
युद्ध के बाद दृश्य भयंकर विकराल।

मुख से ना कहकर लिखता हूँ अक्षर लिपि में
सत्य सत्य बातें सभी ईश्वर की स्मृति में।

भागवत ग्रंथ शास्त्र श्लोक इत्यादि
अब और ना चलेंगे सबकी हो समाप्ति।

होगा ईश्वरीय ज्ञानतत्व का प्रचार
ब्राह्मण मुख से वेदों का उद्गार ।

ब्रह्म के पुत्र हैं सर्वज्ञानी सर्वज्ञाता
उनके मुखकमल से निसृत विद्या।

उस ज्ञान को भावसहित कर धारण
सतयुग देखोगे होकर तुम उदार मन ।

ईश्वरीय ज्ञानयोग की राह के सहारे चल
सतयुग दुनिया में घूमोगे कुशल मंगल।

यदि इस ज्ञान को नहीं किया आत्मसात
देख नहीं पाओगे स्वर्ग का राज।

स्वर्ग है यहीं नरक की भी यहीं दृष्टि
जिस पवित्र मिट्टी पर स्वर्ग बनती सृष्टि।

ईश्वरीय ज्ञानधारक होकर प्राप्त जगन्नाथ
वैकुण्ठ में देखोगे तुम नये नये पदार्थ।

इस युग की पहचान अध्यात्मज्ञान के बूते
प्रसिद्ध होगी पृथ्वी वेदों को कौन पूछे।

स्वयं भगवान करते हैं प्रदान
पतित शरीर में आकर गीता ज्ञान।

हो चुका है पहले ही कलियुग समाप्त
संगम युग है ये सत्य जान लो आज।

कलियुग वेदशास्त्र पुराण तमाम
नहीं चलेगा अब सब तो है अस्पष्ट राम।

भुलाकर इन सबको अब सत्य तत्व को थाम
जिसको धारण करने पर जीवन धन्य धाम।

योगी होने पर तू होगा ब्राह्मण देवता
निर्विकार साधना में होगी सिद्धता।

मानव कल्याण हेतु समयपूर्व इशारा
जो मानेगा उसका होगा स्वर्ग में बसेरा ।

न मानकर मुझपर व्यंग्य करने वालों
पाओगे दंड फिर यमराज के हाथों।

मीन राशि को शनि चाली जीबा, ओडिसा नष्ट भ्रष्ट होई जीबा।
चैत्र मास रे बढ़ीबा ताती, आज्ञा थाऊ थाऊ मरीबा नाती।।

अर्थ : जब मीन राशि में शनि का चलन होगा इस समय ओडिसा में भारी उपद्रव होगा और ओडिसा प्रायः नष्ट हो जायेगा।

वृद्ध लोगो के आगे काम उम्र के लोगो की मृत्यु होगी।

----- भविष्य मालिका

उडीसा और बंगाल में एक जैसा ही कैलेंडर चलता है बिरोज कैलेंडर 1934, उडिया कैलेंडर 1430, युगाब्ध 5124, इन कैलेंडरो से मालिका के अंको का हिसाब लगाया जाता है और वैसे भी 2024 को 2 नम्बर से शनि मीन राशि में जा ही रहा है और प्राकृतिक आपदा युद्ध कई प्रकार के बिमारियों को देख कर पता चल रहा है मीन शनि मे ये सब अधिक मात्रा में बढ़ जाएगा और ढाई साल में खेला खत्म हो जाएगा ये निश्चित है- biren singh

□ मिन राशि कु शनिश्चर गमन पृथ्वी हेबे गोलकुंडा हाथे धरी खंडा मदन भुसुंडा माती जिबे गंडा गंडा ।

मिन राशि में शनिश्चर का गमन होते ही पृथ्वी अराजकता का मैदान बन जायेगी। हाथ में तलवार लेके युवा रास्तो पे मारकाट करेंगे | #meenshani

□ जब महाप्रभु कल्कि के 3000 मुख्य भक्त (कोठदल) का एकत्रीकरण समाप्त हो जाएगा तब भारत में युद्ध लग जाएगा । विश्वयुद्ध की शुरुआत भारत और चीन के बिच युद्ध से होगी । और इन सब का अंत 2029 तक हो जाएगा और भारत में 2030 तक सतयुग पूर्णतः प्रकाशित हो जायेगा ।

-परम पूज्य पंडित काशिनाथजी

24 मई 2020

<https://youtu.be/ZoWAH4t1p9E?list=PLNvL0KEVZk4VT6DyobjvbXfrxI988nSs8-&t=186>

#ww3 #2024 #2025 #timeline

□ मोदीजी ही आखरी प्रधान मंत्री होंगे । उनके अलावा कोई और नहीं आ पायेगा ।

□ मोदी जी के शासन के कुछ समय उपरान्त देश में इमरजेंसी मिलिटरी शासन होगा ।

□ इसी दौरान भारत के साथ चीन और पाकिस्तान का युद्ध भी होगा । इस दौरान महाप्रभु युगों से तपस्यारत चंद्रवंशी राजा देवापी और सूर्यवंशी राजा मरू को भी बुलाएँगे । वो भारत के लिए लड़ेंगे और भारत में सनातन धर्म की स्थापना करके भगवान् राजयोगी देवापी को दिल्ली के और मरू को अयोध्या के शासन पर बैठाएँगे ।

□ यही युद्ध विश्वयुद्ध में तब्दील होके निर्णायक स्थिति पर होगा तब भारत उसमे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा । भारत में सनातन कि स्थापना के बाद देवापी और मरू कल्कि के साथ मिलके भारत के विरोधी चीन, मुस्लिम देश, अरब, इंग्लैंड आदि के अन्दर जाकर लड़ेंगे और वहा भी सनातन स्थापित होगा । विदेशो में जाकर प्रभु कुल 1 लाख लोगो को राजा बनायेंगे और विश्व को सुशासित करके स्वयं ओडिशा को राजधानी बनके वही से विश्व का शासन करेंगे ।

- परम पूज्य पंडित काशीनाथ जी

13 अप्रैल 2020

<https://youtu.be/fbXkpgFXK5g?t=149>

25 अप्रैल 2020

https://youtu.be/-U_MJYnNuD0?t=106

#ww3 #devapi #maru

□ तीनी नव अंक समीर संजोग बृहस्पति संध्या काले।

शुक्रवार राति पंचमी जे तिथि, संदेह न कर हेले।।

इस पद को डिकोड करो और गूगल में जाकर डेट और टाइम मैच करो आश्चर्यचकित हो जाओगे कि इतना एक्सकेट कोई कैसे कोई बता सकता है।

तीन नौ अंक(999) और उसके सामने समीर अर्थात(1) को संयोग करो मतलब(1999) और बाकी जो शुक्रवार पंचमी तिथि बोली गई है उसी दिन उड़ीसा से यह साइक्लोन टकराया और भारी क्षति हुई। आप गूगल में किसी भी न्यूज़ साइट में जाकर कंफर्म कर सकते हैं कि यह साइक्लोन गुरुवार को उठा और अगले दिन 29 Oct 1999 को उड़ीसा से शुक्रवार रात पंचमी तिथि को ही टकराया।

मालिका के अनुसार बलदेव से पहली बार पत्थर कब गिरेगा उसके बारे में ठार गार में लिखा है:

□ एक भाव रस शून बेलें, दधिन उत्तर रू पत्थर खसिबे हेले लो कलावती जान से दिन ओडिशा कु पड़ीब दुर्गति।

1+नवधा भाव(9) रस (6) , शून(0) =1960

आप पता कर सकते हैं वर्ष 1960 में दधिन उत्तर रू(बलदेव, पुरी जगन्नाथ श्रीमंदिर) की उत्तर भाग से पत्थर पहली बार पत्थर गिरा था।

□ युगो तो होईबो उदभितो, पागलो करीबो क्रिकेटो । दुर्नीति रो छक्का चौका रे बोलो पोड़िबो धा तिड़ किटो ।।

अर्थात युग बेढंगा होगा, क्रिकेट लोगों को पागल करेगा और दुर्नीति के छक्के चौके से बॉल गिरेगा धा तिनक धिन धा।

#malikaproofs #fulfilled #odishacyclone

□ सेंटल रुशिया कु धरी, नेता मानकू हाथ करी । अमेरिका इटाली ठारे जे जहा स्वार्थ थिबे धरी ।
इ उसको भी आदेश करी, आत्मा कु केही न विचारी, बुल्गेरिया संगे धरी बडपनकू थिबे घरी
□ फ्रांस ओस्ट्रेलिया करी देश कु विभाजन करी, उज्बेकिस्तान यूक्रेन ठारी बुलिबे देश देश धरी ।
भक्त रक्तपात हेब भारी, अवसान लब नरहरी, धड बतास संगे धरी, वायु कोण रु वायु धरी
□ हिंसा तांडव हेब धारी, नैरुत्ये युद्ध हेब भारी, भूमिकंप कु संगे धरी, अग्नि कोण कु अग्नि धरी ।
कम्पिब अर्ध उर्ध्व धरी, कलीबा कलीबा की परे ठाब न मिलिब कारी शिएत शयन मायाधारी
□ आखी रे नीद जिब मरी, कलि कु भीत त्रस्त करी, चिंतास करे डरी मरी, माया रे बोलुछंती हरी ।
विज्ञान कौशल कु धरी, जाणी न पारी दुराचारी, प्रकृति संगे राद करी, हिंसति आत्मा कु पासरी
□ मातिबे दले अहंकारी, सम्प्रदा जाती बड करी, बेड हु देहु छिरे ठारी अज्ञान मुकाल जे करी ।
मति बिभ्रम हेब भारी, असुर प्रभाव कु धरी, विज्ञाने कौशल कु धरी, भानांती संसार रसीरी
□ प्रागल प्राय होई करी, आध्य वराह रूप धरी नाचिबे उदंड कु धरी, विजय होइबे हलधारी ।
मष्टिष्क सहीब नि भार, ब्रह्म वराह रूप धरी, क्षीर रु सार जिब सरि, लीला करिबे चक्रधारी
□ बोहिब बिश्व जोलापरे, प्रेम कु मुलाधारा करी, नाचिबे पागलंक परी, सत्य अहिंसा दृढ करी ।
निज नियंत्रण हारी, कल्कि रूपे विजय करी, ठकाए जिबे सेधू मरी, प्रभु होइबे अबतारी ।।
□ पृथ्वी तिनी भाग नाश, कहिलू बाबू तुही पास ।

रूस यूक्रेन के बाद मिडिल ईस्ट में युद्ध शुरू हो जाएगा इजराइल के खिलाफ सभी मुस्लिम देश एकजुट हो जाएंगे ।

इजराइल और मुस्लिम देशों के बीच भयंकर युद्ध शुरू हो जाएगा परंतु इजराइल कमजोर पड़ जाएगा ।

ठीक इसी वक्त उत्तर कोरिया अमेरिका पर परमाणु हमला कर देगा और रूस स्वीडन, फिनलैंड, और अपने पड़ोसी देशों पर हमला कर देगा ।

उसी साल चीन भारत पर हमला कर देगा, नौ महीने तक सीमा पर युद्ध होता रहेगा ।

उधर इजराइल को नष्ट करने के बाद मुस्लिम देश चीन का साथ देने के लिए भारत पर हमला कर देंगे इसी बीच रूस भारत की मदद नहीं करेगा, चुप रहेगा और आने वाले बहुत नजदीकी समय (1-2 साल) में चीनी सेना और मुस्लिम देशों की सेना भारत के अंदर घुस चुकी होगी और जगन्नाथ मंदिर में हमला करेगी । इन युद्धों के समय प्रकृति भी आपना रौद्र रूप दिखाएगी और धूमकेतु गिरने से सुनामी उठना, करोड़ों की जान लेने वाला भूकंप आना, 7 रात्री और 7 दिन का अन्धकार यह सब होगा ।

इन सब के पीछे का कारण मालिका के अनुसार पांखड, अपनी जाति का अहंकार, भेदभाव और नेताओं का जुल्म है ।

#ww3 #russia #ukraine

बाइबिल रिविलेशन के अनुसार महाविनाश के 7 सिल □

1) पेहला सफेद घोडा :- सफेद घोडे पे सवार ताज पेहणे हुवा।।

याने सफेद रंग कफन का होता है, सफेद रंग जनरली मृत्यु के वक्त use होता है।।
जो की 2020 मे हमे देखने को मिला, की कितने लोगो की मृत्यु हुय थी।।

2) दुसरा घोडा लाल, लाल रंग खून या खतरे को दर्शता है।।
सफेद घोडा 20 मे आने के बाद ही 22 मे लाल घोडा देखणे को मिला रुस युकेन के युद्ध से।।।

3) फिर काला घोडा है, जो दर्शता है अन्न की कमी को, सफेद और लाल घोडा अणे के बाद काला घोडा आयेगा जो भूकमरी, मेहंगाई साथ लेके आयेगा।।

4) chowtha घोडा जो pale yellow रंग का है दर्शता है लाश का रंग।। याने ये indicate है एक ऐसे महामारी का जीससे करोडो लोग मृत्यु को प्राप्त होंगे।।

5) 5 वे मे लोग ईश्वर को याद कर रहे है।। ये indicate करता है की पिला घोडा अणे के बाद परिस्थिती इतनी भयावह होगी।। क्योकी सफेद, लाल, काला और पिला घोडा एक साथ होंगे।। लोग भयभीत होकार ईश्वर को याद करेंगे।।

6) छटा है तारे चंद्र सूर्य ये indicate करता है और उसमे बताया गया है की, पहाड हवा मे फेक दिये जयेंगे, याने बडे बडे भूकम्प यहा बताये गये है, लोग जान बचने की लिये गुफा मे छुप जयेंगे।। ये पूर्ण indicate कर रहा है pole शिफ्ट का जीससे बडे भूकम्प आयेगे, (फिल्म 2012 को देख ले कितने बडे स्तर पे आयेगे), उससे सुनामी भी आयेगी।।

7) ये प्रलय खतम होणे के बाद सभी तरफ शांत हो जायेगा।।

भविष्य मालिका के वो सबुत जो सच साबित हो चुके है (part 1)

✓ महात्मा गांधी के विषय पे

□ मोहना गांधी आसीले फिरंगी लूचीबो I
मोनो त्याजाई अचुतो लगाई छी भावो I I

अर्थात मोहन गांधी आएंगे फिरंगी जाएंगे | मन पे नियंत्रण प्राप्त कर वो अच्युत यानी की हरी में लगाये रखेंगे ।

□ मदोनो मालवीयो थिबो एको भक्तो बड़ी I
गांधी सहीतो अहिंसा धर्मो रे निरंतरो थिबो बुड़ी I

अर्थात मदन मालवीय रहेगा एक भक्त वो गांधी के साथ अहिंसा धर्म मे निरंतर डुबा हुआ होगा। और भी कई लाइन्स है एक में ये भी बताया गया है कि उनको नाथूराम गोडसे मारेगा।

✓ पूरी श्रीमंदिर से मिले हुए संकेत

□ अउ बतासरे चक्र वक्र हेबो निलचक्र मोरो।

अर्थात समुद्र से एक तूफान उठेगा व उस भयंकर तूफान के कारण पूरी मंदिर के ऊपर का निल चक्र वक्र(टेढ़ा) हो जायेगा(यह संकेत बंगाल की खाड़ी से सन - 2019 में भयंकर चक्रवात के द्वारा सम्पन्न हो चुका है एवं इसकी पुष्टि ओडिशा सरकार ने चक्रवात के दूसरे दिन कर दी थी यह खबर वहाँ के स्थानीय न्यूज़ चैनल और अखबारों में आई थी)

□ देउल रचुन छाड़ीब चक्र वक्र होइब।
मालिहा होइब भारत अंक काटाउथिब।।

अर्थात मेरे श्रीमंदिर से (जगन्नाथ मंदिर) कलियुग के शासन तंत्र के पुरातात्विक विभाग के द्वारा मंदिर में आदिकाल से समुद्री नमक वाली हवा से मंदिर की सुरक्षा हेतु चुने से मंदिर की लिपाई की गई थी, उस चुने से दिये गये लेप को हटाया जायेगा (यह कार्य पुरातात्विक विभाग के द्वारा सन -1985 के बाद ही कर दिया गया था)

□ अरुण स्तम्भ रे एको पत्थोरो खोसिबो , तेईसो बोरोसो जाई कलि सरी जिबो | उत्तर धाम नस्टो भ्रस्टो होई जिबो |

15 जून 1995 में अरुण स्तम्भ से पत्थर गिरा था उसके ठीक 23 साल बाद 15 जून 2013 में उत्तराखंड में भारी तबाही हुई !

✓ भविष्य मालिका में मुगल और ब्रिटिश शासन

भविष्य मालिका ग्रंथ को लगभग 600 साल पहले लिखा गया था इसमें जो भी लिखा है 100% सत्य है। इसके गलत होने की कोई गुंजाइश नहीं है क्योंकि यह स्वयं भगवान जगन्नाथ जी की वाणी ही।

लोग नास्तेदमस , बाबा वेंगा जैसे विदेशी भविष्यवक्ता के पीछे पागल जैसा पड़े रहते हैं। लेकिन उन्हें भविष्य मालिका जो कि 100% सटीक है के बारे में कुछ पता नहीं है।

अब नीचे के पंक्ति से देखिये कैसे 600 साल पहले ही अच्युतानन्द दास जी ने अपने ग्रंथ भविष्य मालिका में मुगल और ब्रिटिश शासन के बारे में लिख दिया था। भविष्य मालिका में भारत को स्वतंत्रता कैसे मिलेगी, किसका योगदान रहेगा यह भी लिखा है।

□मुगलो यवनों राजुती हेबो, प्रजापीड़ा महोरोगो होइबो।
भिखारी मानो कू दंडिबो दंडो, देवो भूमि हरि नेबो प्रचंडो ।।

अर्थात मुगलो यवनों का राज होगा प्रजा पीड़ा और मंहगाई होगी भिखारियों को दंड दिया जाएगा देव भूमि भारत को प्रचंड रूप से हर लेगा ।

□प्रथमे मुगलो राजूती होईबो तदंके ब्रिटिश बडो ।
मूहूर्तो मध्ये देशों छाडी जीबे रखी जाई थिबे कोरो ।।

अर्थात प्रथम मुगलो के शासन काल के बाद ब्रिटिश शासन होगा मूहूर्त के मध्य मे देश छोड़ देंगे और लगान (कर) रख कर जाएंगे ।

#malikaproofs #fulfilled

भविष्य मालिका के वो सबुत जो सच साबित हो चुके हैं (part 2)

✓ अन्य संकेत

□सिर लागिब बर डार, जगत पड़ीब चहड़

अर्थात जब महापुरुष अच्युतानन्द जी की नेमाल स्थित समाधि को वट वृक्ष की डाल छू जाएगी तब विश्व में अराजकता फैलने लगेगी ।

ये संकेत निमाल वट में हो चुका है

□ फल रु फल हेब जत । तोसिब प्राणीन्कर चित ।

अर्थात फल के अन्दर फल लगेगा । तब प्राणी मनुष्य जान पायेंगे की कलियुग का अंत समय चल रहा है ।
(<https://t.me/bhavishyamalikaresearch/1815>)

□मने रखी थाओ, अठारह अंके फाल्गुन मासोरो । निर्घट फाटो पड़ीबो उत्तरे बड़ो आसीबो, दक्षिणो मांडि आसीबो समुद्र प्रवलो।

अर्थात याद रखना अठारह अंक फाल्गुन महीने से उत्तर में हिमालय में दरार की शुरुआत होगी और दक्षिण में समुद्र तट की बढ़ने लगेगा ।

□कर जोड़ी बोले बारंग भगत शेखर मुकुट मणि, बेलकला जाणी कलपतरु रे गरल फलिबे पुनि, एण पराएक होइबो बारंग रस मधुरो लागिबे, आदोरे भकईबे कलीजुगे नरे भकी भस्म होइजिबे।

अर्थात - कलियुग अंत और प्रभु के धरावतरण के समय में एक संकेत इस प्रकार से पूर्ण होगा, की नीम के पेड़ से दूध के जैसा तरल प्रदार्थ बहेगा, उसका स्वाद मधु के समान मीठा होगा, और लोग चमत्कार समझ कर उसका पान करेंगे, एवं उस पेड़ की पूजा भी करेंगे, ऐसे लोगों को मृत्यु ग्रास करेगी, यह संकेत भी कई स्थानों पर देखी गई है।

<https://www.jagran.com/news/state-suddenly-a-substance-like-milk-started-falling-from-the-neem-tree-people-reached-kaimur-with-a-bowl-22459597.html>

□चारण चरण बारण होइब बरण न करी जन।
प्रेरण जंत्र रे मन रखी थिबे दुष्ट भाव निरेखीन।

अर्थात कलियुग के लोग अच्छी बात करने वाले लोगों को पसंद नहीं करेंगे व अपने से बड़ों का सम्मान नहीं करेंगे। हमेशा उनका मन एक यंत्र में ही लगा रहेगा और प्रायः लोग उस यंत्र का दुरूपयोग ही करेंगे। संत अच्युतानंद दास जी उसे प्रेरण जंत्र (आज का मोबाईल)लिख रहे हैं।

□ चंद्र मंडलो रे लोके पोसी जीबे बढ़ीबो विज्ञानो भाऊ I
येहा देखि प्रकृति तांडव रचिबो लोके हेबे हाऊ हाऊ II

अर्थात अचुतानंद जी ने 1510 ई में ही मालिका में उल्लेख कर दिया था मनुष्य एक दिन चांद पर कदम रखेगा और विज्ञान के कारण मनुष्य का अहंकार बढ़ेगा फिर चंद्रमा पर घर बना कर मनुष्य वहाँ रहने के लिए सपना देखेगा और तभी प्रकृति रौद्र रूप धारण करेगी जिसके कारण मनुष्य समाज में त्राहिमाम मच जाएगा चारों ओर हाहाकार मचेगा I

#malikaproofs #fulfilled

□ बत्तीसो तैंतीसो चौतीसो मीनो शनि भोगो हेबो अढ़ाई बरसो I (भीम भोई)

32, 33, 34 के ही ढाई साल में मीन शनि भोग हो जाएगा I

□ 32, 33 पुनि 34 मीन शनि भोग हेबे अढ़ाई वर्ष पृथ्वी हेबे कंदल गाड़िब मुंडमाला जानीबू रे राम केछि होइब ढंडल

32, 33, 34 यह ओड़िया का उत्कलीय सन है जिसके अनुसार 14 अप्रैल 2023 से 31 अंक चल रहा है। अर्थात 32, 33 फिर 34 में मीन शनि भोग होगा अढ़ाई वर्ष पृथ्वी में कलह होगा और कटे हुए मुंड (सिर) जमीन पर गिरेंगे। जानोगे रे रामा कुछ अद्भुत होगा।

ओडिशा कैलेंडर के हिसाब से वैशाख 2023 यानी की 21 अप्रैल 2023 से ओडिया सन 1431 यानी 31 अंक चल रहा है। 32 33 aur 34 अंक में मीन शनि भोग हो जाएगा, इस हिसाब से 21 अप्रैल 2024 से लेके अक्टूबर 2024 तक मिन शनि सम्पूर्ण प्रभाव में आ जाना चाहिए और 2027 अप्रैल तक पूर्ण हो जाना चाहिए।

#meenshani #2024 #2025 #2026 #2027 #timeline

□ सातो दिनो अंधोकारो हेबो जे मही रे I
स्वामी कंरो गला काटी देबे से रात्रि रे II
स्त्री सबू योग्री रूपो धारणो करीबे I
पुरुषो मानोकंरो रक्तो शोषी नेबे II

अर्थात जब सात दिन अंधकार होगा पृथ्वी में तब पुरुषों का गला काट के उनकी ही पत्नीयां खून पीएंगी क्योंकि तब सभी स्त्रीयां प्रकृति योगमाया के प्रभाव से डायन जैसा चुड़ैल जैसा रूप में तबदील हो जाएंगी I

□ बसु सालो रेवो बीसो अंको जे प्रमाणो I
सप्तो दिनो अंधकारो होई बो जे जाणो I

अर्थात वसु 8 साल में बारह महीने मतलब 12 रेवो अर्थात नक्षत्र 27 बीसो अर्थात 20 अर्थात गजपति दिव्य सिंह देव (चतुर्थ) का 67 अंक प्रमाण है जब सात दिन अंधेरा छा जाएगा धरती पर I

हांलाकि भक्ति भाव में रहने वाली स्त्रियों के साथ योगमाया ऐसा नहीं करेगी जिन स्त्रियों का चरित्र खराब है जो परपुरुष का चिंतन करती है ऐसी नारीयां उस रात डायन में तबदील हो जाएंगी और अपने ही पति का खून पीएंगी I

स्त्रोत - बिरेन सिंह

भगवान् कल्कि का रूप कैसा होगा ?

□ श्वेतमूर्ति श्वेतवास, श्वेताश्व वाहनम् । आजानु लम्बित भुज अस्ति चर्म सुशोभनम् ।।
शंखचक्रधरम् देवम्, हल मूषल धारिणम् । पूर्णयवयेव भद्रा सुदर्शन सुदर्शनम् ।।
भविष्यत पूराण भवेत, भावनाशन कारणं । वन्दे श्री कल्कि रूपाय, देहि पादे शरणम् ।।

अर्थात प्रभु कल्कि श्वेत वर्ण के होके, श्वेत अश्व पे विराजमान होके आयेंगे । उनकी लम्बी लम्बी भुजाएँ और सुन्दर चर्म होगा । प्रभु शंख, चक्र, हल और मूषल धारण करे होंगे । सुन्दर सुदर्शन हाथ में होगा । ऐसे रूप में जो भविष्यवाणी को पूर्ण करेंगे ऐसे कल्कि भगवान को सदेह मेरा नमन □

□ प्रभु का रंग दूध में रक्त मिलाने से जैसा रंग होता है वैसा होगा ।

- प्रभु जिस अश्व पर बैठेंगे वो सफ़ेद और काले रंग का होगा ।
- प्रभु अपने हाथ में बलभद्र जी के हल और मुशल धारण किये होंगे और साथ ही साथ सुदर्शन चक्र भी ग्रहण किया होगा ।
- कल्किदेव के शरीर से कोटि सूर्य के बराबर तेज निकलेगा और परमाणु शक्ति भी उसके सामने छोटा लगेगा ।

– पंडित काशीनाथ मिश्र जी

22 जनवरी 2020

<https://youtu.be/9Pj6zP4N3CI?t=104>

#kalki

संभल ग्राम के मुख्य ब्राह्मण के घर में कल्कि का जन्म होगा । जो पाखंडी लोग खुद को कल्कि बता रहे हैं वो सावधान रहे किसी को छोड़ा नहीं जाएगा । एक दो साल में ही सभी सच्चे भक्तों को प्रभु कल्कि का पता चल जाएगा जब प्रभु अपना रूप प्रकाश करेंगे ।

#kalki

इसमें पंडित जी बता रहे हैं की :

जब समुद्र लहर आगे बढ़ कर जगन्नाथ मंदिर तक आएगा तब मंदिर के बड़ पंडा के आरती करने से "फेरी जीबा" मतलब वापस चला जाएगा।

बाइबिल में काफी कुछ लिखा हुआ है जो मालिका से मिलता जुलता है ।

- 7 साल का अन्धाधुन समय जिस दौरान धर्म का पुनः उत्थापन होगा ।
- नदिया सुख जायेगी ।
- धरती फट पड़ेगी ।
- दुनिया अच्छाई और बुरे दो भागों में बाँट जायेगी ।
- सुशुप्त आत्माएँ जाग उठेंगी ।
- आसमान, ज़मीन सभी जगह संकेत दिखेंगे ।
- जोरों की पवन बहेगी ।
- जैसे हमारे धर्म स्थानों में संकेत दिखेंगे वैसे एनी धर्मों के पवित्र स्थानों में भी सूचक घटनाएँ होगी ।
- जैसे मालिका में कहा गया है की सात साल में 3 चरण में धर्म संस्थापना होगी वैसे बाइबिल में 7 चरण बताये गए हैं ।
- जैसे मालिका में भैरवी डाक कई बार होगी कहा है वैसे बाइबिल में भी विनाश के डरावने ट्रम्पेट बजेंगे ऐसा कहा गया है ।
- जैसे मालिका में कहा है की दुष्ट कहीं भी हो नहीं बचेंगे और सज्जन कहीं भी हो बचेंगे वैसे ही बाइबिल में कहा है की दुष्टों को पाताल और आकाश से भी निकाल के धरती पे लाया जायेगा और प्रभु के प्यारों को कुछ नहीं होगा ।
- जैसे मालिका में कहा गया है की स्वयं महाविष्णु धरती पे आयेंगे वैसे बाइबिल में कहा है की इस बार स्वयं परमात्मा धरती पे आयेंगे ।
- जैसे कल्कि को सफ़ेद घोड़ा, लम्बी तलवार के साथ दर्शाया गया है वैसे ही बाइबिल में परमात्मा को सफ़ेद रंग से सजा और सफ़ेद घोड़े पे दर्शाया गया है ।

ऐसा नहीं है की प्रभु ने अंत समय में धर्म को ग्रहण करने का ज्ञान केवल भारत के लोगों को ही दिया था क्योंकि प्रभु की संतान पुरे विश्व में है सिर्फ भारत में नहीं । लेकिन स्वामी अच्युतानंद जितना सटीक कोई नहीं बताया क्योंकि वो प्रभु के अंग ही थे । जब की अन्य जिन्होंने भविष्यवाणी लिखी सब प्रभु के सन्देशवाहक थे । ऐसी ही भविष्यवाणीयाँ सिख, मुस्लिम, यहूदी और अन्य धर्मों में भी कही गई हैं ।

ओडिशा देसरे जलबिंब हेब आद्य प्रांत मध्य काले , नाना जाती मिसी चौला बांटेबे ए कथा होइबा हेले।

– शिवकल्प नवखंड निर्घट

अर्थात ओडिशा देश शुरू में, अंत में और मध्य में भी जल से प्लावित होगा । और उस समय सभी जाति के लोग मिले खाद्यान्न (चावल) बांटेंगे।

□

ओडिशा में जल प्रलय तिन बार देखने को मिलेगा

1. जब समुद्र से सुनामी आएगा और जगन्नाथ धाम की 22 सीढ़ियों तक पानी छू जाएगा ।
2. समुद्री तूफ़ान से बड़ी बड़ी लहरे आएगी जिससे जगन्नाथ पूरी का रत्नसिंहासन डूब जाएगा ।
3. समुद्र में 300 फिट की लहर आएगी और नीलचक्र को पानी छू लेगा । इस सुनामी में सब बचे हुए दुष्ट मिट जायेंगे ।

<https://youtu.be/hHi46cF3k1k?list=UULFgM6l0VnHiZfi0yoFXiJmmA&t=108>

#jalpralay #odisha #2023 #2025 #2028

में गलत भी हो सकता हू लेकिन हिसाब से शुरू 2023, मध्य 2025 और अंत 2028 या 2029 होना चाहिए।

जो लोग बोल रहे हैं की अगर मालिका सच है तो क्यों पहले से लोगों को आगाह नहीं किया गया वो ये ज़रूर देखिए। मालिका के माध्यम से प्रभु ने धर्मी और अधर्मी दोनों को काफी पहले से ही सूचित कर दिया था बस धर्मी लोगों को क्या होगा वो बोलने की मंजूरी नहीं थी और पाखंडियों को पता नहीं था इतना ही फर्क था।

#kalki #kalkileela #kalkimystery

जब पचास रोबोट देश में सरकारी पदों पर बैठ जाएंगे तब कल्कि अवतार होगा। इसकी शुरुआत हो चुकी है आंध्र प्रदेश के हैदराबाद में एक रोबोट को पुलिस इंस्पेक्टर बना दिया गया है जल्द ही कई जगह पर रोबोट सरकारी पद पर तैनात कर दिए जाएंगे। इसके बाद महामहिम कल्कि अपना कारनामा दिखाना शुरू कर देंगे। माडिका ग्रंथ के अनुसार बता रहा हूँ। -बीरन सिंह #robots

13 दिन वाला पक्ष, वैसाख महीना अष्टमी तिथि गुरुवार ऐसा समय जब आएगा, इसी दिन सतयुग की शुरुआत होगी

Source <https://bit.ly/3nLyWtu> #timeline #2024

□ समुद्र लहड़ी माडि आसी जियो बाईसी पाऊचे मीनो। रत्न सिंहासने वरूणो देवता न थिबे चका नयनो।। आकाशो रे बज्र वृष्टि हेबो कड़ी हेबो जेबे नाशो। बारह हाथो खंडा धरीबो कल्कि मेछो संहारो जे हेबो।

अर्थात् समुद्र (वरूण) तट का उल्लंघन करते हुए मंदिर के सीढ़ियों तक पहुंच जाएगा। मछलीयां सीढ़ियों पर खेलेंगी। रत्न सिंहासन पर जगन्नाथ जी नहीं रहेंगे। आकाश में बिजली जोर से कड़कने के कारण बज्रपात होगा कलयुग समाप्त हो जाएगा कल्कि बारह हाथ का तलवार पकड़कर मलेच्छो का संहार करेंगे।
#kalki #puri #srikshetra

□ धुंआ फाटी जियो सारा आकाशो रे महि आच्छादितो होबो। दिबोसे कूहड़ी घेरी रही थिबो दिगो भागो न दिसिबो।।

अर्थात् धुंए से धरती भर जाएगी आसमान ढंक जाएगा। चारों ओर घना कोहरा होगा दिशा का पता नहीं चलेगा।

#fog #kohra

माडिका ग्रंथ में बताया गया है एलियंस कौन हैं? क्यों उनकी आंखें बड़ी बड़ी हो गई हैं? क्यों उनका मांस हड्डियों में चिपक गया है? क्यों उनका कद छोटा हो गया है? उनके विमान सूर्य के प्रकाश से चलता है?

माडिका के अनुसार वो धरती के ही मानव हैं जो हजारों साल पहले उन्नत टेक्नोलॉजी से अंतरिक्ष में चले गए थे। पर अंतरिक्ष में समय की गति अलग अलग चलने के कारण वो धोखा खा गये फिर वर्तमान में जब धरती पर लौटे तो हजारों वर्ष गुजर चुके थे। ग्रंथ के अनुसार जो भी हो रहा है अच्छा ही हो रहा है भूतकाल की सच्चाई एलियंस ही बताएंगे। इतिहास अपने आप को दोराएगा।

भगवान् श्रीकृष्ण ने कहा रुक्मणी से कि देवी कल अंतरिक्ष से सोहणित पुर नामक जगह से बाणासुर नामक राजा मुझसे युद्ध करने के लिए द्वारिका पर आक्रमण करने वाला है इसलिए धरती वासी चौंकेगे क्योंकि उन्हें पता नहीं ये बाणासुर कौन है तभी मैं तुम्हें पहले ही बता दे रहा हूँ कि प्राचीन काल में बाणासुर ने शिव जी को पिता बना लिया और शिवपुत्र कहलाया। शिव की शक्ति के कारण धरती पर उससे कोई युद्ध में जीत नहीं सका तब वो अपनी प्रजा के साथ अंतरिक्ष में चला गया और वहां बस गया जब नारद से उसे पता चला कि दूआपर युग चल रहा है धरती पर और कृष्ण नामक योद्धा वर्तमान समय में धरती पर मौजूद है तो उस युद्ध प्रेमी को युद्ध करने की इच्छा मुझ तक खिंच रही है।

ऐसी ही घटना कलयुग के अंत में भी घटने जा रही है ऐसा रामायण काल में भी हुआ था। रावण ने मंदोदरी के गर्भ में भ्रूण स्थापित कर दिया था जब उसे लगा कि मंदोदरी इससे तकलीफ झेल सकती है तब रावण ने मंदोदरी के गर्भ में स्थापित अर्ध विकसित भ्रूण को गर्भ से निकाल कर समुद्र में फेंक दिया तब वो भ्रूण तैरते हुए समुद्र के किनारे एक बटबूक्ष पर चिपक गए और बटबूक्ष के दूध पीकर बड़े हुए फिर शिव से वरदान प्राप्त कर अंतरिक्ष में बस गए उनकी संख्या एक लाख थी फिर जब राम जी ने लंका पर चढ़ाई की तो रावण ने उन्हें बुलावा भेजा जो अति सुंदर था। जब वो राम जी से युद्ध करने के लिए विमानों के साथ आए तो आकाश ऐसे ही ढंक गया उनके विमानों से जैसे लाखों चमगादड़ के आकाश में उड़ने पर आकाश ढंक जाता है। राम जी ने कहा ये कौन हैं जो बादलों की भांति आकाश में मंडरा रहे हैं तब विभीषण जी ने सच्चाई बताई। राम जी ने कहा उनका काल युद्धभूमि पर उन्हें खींच लाया है।

तो मित्रों ऐसा ही कुछ भगवान् कल्कि के साथ रोमांचक घटना घटने वाली है प्रकृति के कोप से यदि हम बच सके तो हम भी रोमांचक घटना के साक्षी बन सकते हैं।

Source <https://bit.ly/42PfsTy> #aliens

माडिका ग्रंथ के अनुसार जब जगन्नाथपुरी के कल्प बृक्ष की शाखाएँ टूट जाएगी तब भगवान् कल्कि के ग्यारह वर्ष हो चुके होंगे। इस कल्प बृक्ष की शाखाएँ फनी तूफान में टूट चुकी है इस हिसाब से कल्कि के ग्यारह वर्ष हो चुके हैं। जगन्नाथ मंदिर की ध्वजा जल जाएगी तब बारह वर्ष के होंगे फिर अनजान बिमारी फैलने के बाद दंगे भडक उठेंगे तब तेरह वर्ष के होंगे। फिर चीन पूर्वोत्तर को कब्जा करेगा फिर जगन्नाथ मंदिर पर जब हमला करेगा चीन तब कल्कि सोलह वर्ष के होंगे।

#timeline #corona #ww3 #malikaproof

<https://bit.ly/3O4UxI2>

□ अकाड़ो रे नीमो कड़ीको ओड़िवो अदिनो रे हेबो आमो।
अकाड़े कोकिड़ो राविबो करीबे पुरूषो पुत्र प्रसवो।।

अर्थात् बिना सीजन के नीम के फूल खिलेंगे बिना सीजन के आम फलेंगे। बेमौसम कोयल की कूक सुनाई देगी और पुरुष लोग बच्चे को जन्म देंगे।

#malikaproofs #kaliyugaendproof #fulfilled

कल्कि नाभी गया क्षेत्र, बिरजा मंडल, जाजपुर जिले में अनंत मिश्र नामक ब्राह्मण के वंश में अवतरित हुए हैं। पुराणों के अनुसार संभल जाजपुर ही है जहां प्राचीन काल में गजपति जजाती केशरी ने दस हजार ब्राह्मणों को उत्तर प्रदेश से लाकर एक विशाल यज्ञ करवाया था। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के संभल से भी ब्राह्मण आये थे। पुराणों में ये भी बताया गया है कि संभल गुप्त गंगा के किनारे होगा ये गुप्त गंगा उड़ीसा का वैतरणी नदी ही है जो गंगा से भी सौ वर्ष पहले अवतरित हुई थी। जो ब्राह्मण उत्तर प्रदेश से आए थे वो यहीं बस गए। इन्हीं ब्राह्मणों का जो प्रमुख होगा उसी ब्राह्मण के घर कल्कि का अवतार हुआ है। जिस ब्राह्मण के घर कल्कि का अवतार हुआ है उस ब्राह्मण के घर गोप लोगों का आना-जाना रहेगा गोप जिन्हें उडिया में गौड़ कहते हैं गोपाल भी कहते हैं। जाजपुर जिले को नाभि गया क्षेत्र इसलिए कहते हैं क्योंकि यहां सती का नाभि गिरा था जिसके कारण यहां देवी विरोजा का सिद्ध पीठ है देवी विरोजा की मूर्ति के मस्तक पर एक मणि है जिसे पुजारी चंदन से ढंक कर रखते हैं ताकि किसी को उसके प्रकाश का पता न चले।

- चुम्बक मालिका, शिशु अनंत दास एवं
- शिवकल्प नवखंड निर्घट, स्वामी अच्युतानंद दास

#kalkibirth #kalkiplace #kalki

आज संसार में जिस प्रकार की घटनाएँ घट रही हैं इसे मालिका में पहले ही उल्लेख कर दिया गया है। संत किसी एक जगह या एक एक व्यक्ति के साथ घटने वाली घटना की भविष्यवाणी नहीं करते संत मानव समाज की समस्या को लेकर पूरे मानव समाज की कल्याण की कामना के साथ पूरे विश्व की घटनाओं को लिखते हैं। आज जिस प्रकार से संसार में दिखाई दे रहा है वो मालिका में स्पष्ट रूप से बता दिया गया है।

□ अजणा रोगो जे जगते घटिबो वैद्य बणा होईबे।
गोदो महोषौधि कार्य न करीबो अकाड़े प्रणि मरीबे।।

अर्थात् अनजान बिमारी संसार में आएगी डाक्टर वैद्य समझ नहीं पाएंगे। कोई दवा काम नहीं करेगा अकाल मृत्यु होगी।

□ औषधो गटी जे कामो करीबो नी दंशीबो अजणा रोगो।
जाणिबो सेकाड़े अल्पो दिनो रे पृथ्वी कू प्रलयो योगो।।

अर्थात् दवा दारू काम नहीं करेगा ग्रास लेगा अनजान बिमारी। जान लेना तब अल्प दिनो में पृथ्वी पर प्रलय का योग है।

क्या आज वर्तमान समय की परिस्थितियों को देखकर ऐसा नहीं लगता कि ये भविष्यवाणी स्टीक साबित होती है।

□ दिबोसे उदितो होईबो तारा प्रचंडो हेबो रवि रो खोरा।
ऐ मिति होईबो खरा रो ताती अजा थाऊं थाऊं मरीबो नाती।।

अर्थात् दिन में तारे दिखाई देंगे प्रचंड होगा सूर्य का ताप।
ऐसी गर्मी पड़ेगी कि दादा जी रहते पोता मरेगा।

□ अनेको पड़ीबे असुरो नरो ऐहाकू करीबो गिरिजा आहारो।
आहे सुजने हरि आसोरा कोरो अल्पो दिनो जे हेबो अंधारो।

अर्थात् अनेक लोग काल के गाल में समा जाएंगे जिन्हें माँ गिरजा खाजाएंगे। इसलिए हे साधु जनो हरि कामना करो क्योंकि अल्प दिनो में अंधकार छा जाएगा।

□ थोड़ो कूड़ो आऊ दिसीबो नाही। विरोजा खप्परे पड़ी जाई।।
जगन्नाथो हेबे कल्कि रूपो। ठाबे ठाबे हेबो लीला प्रकटो।।

अर्थात् स्थल कहीं दिखाई नहीं देगा जमीन का आधा हिस्सा जल में समा जाएगा देवी विरोजा के खप्पर में सभी गिरेंगे। जगन्नाथ लेंगे कल्कि रूप जगह जगह लीला प्रकट होगा।

❑ ठिकणा अच्युतो कोले। ठ तीनी बामे पांचो रखिले ठीकी जीबो मीनो शनि भोले।।

अर्थात् अच्युतानंद ने गणना की है पांच में तीन शून्य रखने पर मतलब कलियुग के पांच हजार वर्ष बीतने के बाद जब शनि मीन राशि पर प्रवेश करेगा तब कलियुग अंत की ओर बढ़ेगा। गजपति दिव्य सिंह देव के आखिरी वृद्धा अवस्था में जब शनि मीन राशि में प्रवेश करेगा तब कलियुग चला जाएगा और सतयुग का वातावरण बनना शुरू हो जाएगा।

❑ सर्प माने टेकी फणा लो बोऊड़ो घरे डांडे कले खेला। ऋषि-मुनि वाक्य अन्यथा न होईबो सरी बाकू कड़ी काड़ो।।

अर्थात् जगह जगह बाढ़ आने से सांप बिच्छू घर सड़को पर दिखाई देंगे ऋषि मुनि की बात कभी असत्य नहीं होगी कलियुग का अंत होगा।

❑ आगो कृषि कारी विनाशो होईबे तदंको धनीको लोको। राजो सेवायको तापरे मरीबे पड़ीबो अति मोड़ोको।।

अर्थात् किसान पहले मरेंगे उसके बाद व्यापारी फिर नौकरी पेशा नेता मरेंगे अकाल मृत्यु होगी।

❑ टंकारे चाऊलो पोसे दिने होईबो ऐ भारतो वर्षे। लोके मरीबे भको उपासे बोऊलो लो।

अर्थात् एक रूपये किलो होगा चावल एक दिन भारत वर्ष में इसके बाद लोग भूखे मरेंगे। (ऐसा कोरोना के समय हुआ था जब लोग कमाने नहीं जा सकते थे तो सरकार की ओर से गरीब लोगों को एक रुपये में चावल दिलाया जा रहे थे।)

इस प्रकार से अच्युतानंद दास ने भविष्यवाणियों के साथ अनेकानेक ग्रंथों की रचना की है जिसमें उड़िया भाषा में वेद उपनिषद् गीता आदि का भी भाष्य किया है जैसे अबार ब्रह्म संहिता, कलि कल्प गीता, अच्युतानंद मालिका, दश वट गीता, ओंकार ब्रह्म संहिता वगैरह-वगैरह।

#malikaproof #kaliyugaendproof #fulfilled

मालिका क्या है इस विषय में थोड़ा जानकारी देता हूँ।

मालिका का अर्थ है सिलसिलेवार घटनाओं की माला।

ये भविष्य पुराण को आधार बनाकर उड़ीसा के महान संत अच्युतानंद दास ने छे सौ वर्ष पहले लिखा है। मालिका में वर्तमान समय की घटनाओं को भी विस्तार से लिखा गया है पर घटनाओं को थोड़ा आगे पीछे किया गया है ऐसा इसलिए किया गया ताकि लोग अनुभव भी कर सकें। कुछ घटनाओं को ब्रिटिश काल में जोड़ दिया गया है जो ब्रिटिश काल में घटित नहीं हुई कुछ वर्तमान की घटनाओं को ब्रिटिश काल में जोड़ दिया गया है। इसे समझने के लिए नजर बनाए रखना पड़ता है कौन सी घटना घटी कौन सी बाकि है। अच्युतानंद दास ने भी कई बार जन्म लेकर मालिका का और अधिक विस्तार किया है इसलिए लोग कहते हैं कि मालिका कई लोगों ने लिखा है पर ये अच्युतानंद ने ही कई बार जन्म लेकर भिन्न-भिन्न नामों से मालिका लिखी है अच्युतानंद का तेरह जन्म हो चुका है चौदहवें जन्म में कल्कि अवतार के साथ साथ होंगे और लीला करेंगे।

1990 से साधारण जनता के लिए मालिका को पेश किया गया क्योंकि तब जगन्नाथ मंदिर से एक पत्थर गिरा जो मालिका में लिखा था इस घटना के पहले यदि मालिका का प्रचार-प्रसार किया जाता तो लोग इसे गंभीरता से लेने के बजाय मजाक उड़ाते और संत और उनकी वाणी का मजाक उड़ाने के कारण लोगों का पुण्य नष्ट होता इसलिए संतों के पास ही ये गुप्त रूप से था।

मालिका एक रहस्यमय ग्रंथ है इसमें कलियुग का अंत जितना नजदीक होता चला जाएगा उतना ही घटने वाली घटनाओं का समय भी पता लगने लगेगा। और एक दिन ऐसा आएगा जब मनुष्य को किसी भी घटना का पता एक दिन पहले चलेगा।

इसका कारण यही है कि दुष्ट लोग इसका फायदा न उठा सकें अन्यथा कृष मूवी तो सब ने देखा है एक दुष्ट को भविष्य पता चलने पर वो क्या कर सकता है।

मालिका वर्तमान समय के लोगों के लिए मृत संजीवनी है। पर विडंबना ये है कि मालिका ग्रंथ उड़िया भाषा में ही है हिंदी में नहीं है क्योंकि अच्युतानंद बहुत चतुर थे वो जानते थे दिल्ली के नेता मालिका का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे जैसे नास्तेदमस की भविष्यवाणियों का सहारा लेकर एक नेता को महापुरुष बनाने की कोशिश की जाती है ताकि ईश्वर भक्ति करने वाले भी भावनाओं में बह कर उसे वोट दे दें। ये बात अच्युतानंद को पता थी इसलिए उन्होंने इसे उड़िया भाषा में ही लिखा और छिपाकर रखने के लिए कहा और समय पर प्रकट करने लिए निर्देश दिया था।

#malikaintroduction #bhavishyamalikaintro

Source <https://bit.ly/3O6YRq2>

❑ मकर गृहो रे बृहस्पति शनि थिबो। तेबे टी देशो रे कृषि नाशो हेबो -- मालिका विचार

जब बृहस्पति और शनि मकर राशि में प्रवेश करेंगे तब देश में कृषि नाश होगी ।

यह योग 2021 में पड चुका है और सब को पता है उस साल क्या हुआ था ।

#malikaproofs #fulfilled #kaliyugaendproof

□ छाया सुतो कुंभो मीनो कू जेते बेड़े आगमो। शून्य रू निर्घातो उठीबो पूर्व पश्चिमे ध्यानो॥

अर्थात छाया पुत्र शनि जब कुंभ राशि में जाएंगे तब आकाश में हलचल तेज हो जाएगा तब पूर्व और पश्चिम में ध्यान देना पड़ेगा।

□ नक्षत्रो वृष्टि रात्रो दिनो हेबो। महत्व पूर्णी जे केही न थिबो॥

उल्का पातो हेबो हूडोहूडी। स्वानो सृगाडो छाडीबे मो बाडी॥

अर्थात कुंभ में शनि के आगमन होते ही रात दिन उल्का पात होगा और जब शनि मीन में प्रवेश करेगा तब एक विशाल धूमकेतु पृथ्वी की ओर बढ़ेगा और तीन टुकड़ों में बंटकर पूर्व और पश्चिम में गिरेगा। पूर्व में बंगाल की खाड़ी में गिरेगा तब विशाल सूनामी उठेगा। सूनामी आने के पहले ही गांव मुहल्ले के कुत्ते बिल्ली गांव छोड़कर भाग जाएंगे। अचानक उनके भागने को देखकर पता चलेगा कि सूनामी आने वाली है।

□ स्वानो सृगाडो होईबे एकत्रो। इन्द्रो बोरसा करीबो रक्तो॥

ऐते ऐते कोथा होईले जाणो। कलि शेषो बोली निश्चे प्रमाणो।

अर्थात कुत्ते बिल्ली इकट्ठे होंगे तब इन्द्र खून की बारिश करेगा। कुत्ते बिल्ली कभी एक साथ इक्कठे नहीं होते पर जब होंगे तब खून की बारिश होगी और जब ऐसा होगा तब जान लेना चाहिए कि कलयुग खत्म हो गया। #timeline #2024 #2025 #2026 #2027 #2028 #meenshani #asteroid #bloodrain

□ महेंद्र पर्वते तपो साधीबे। द्वादशो बरसो तपो करीबे॥ अग्नि प्रदप्तो जे अश्वो पाईबे॥

अर्थात महेंद्र पर्वत पर कल्कि बारह वर्ष तपस्या करेंगे और अग्नि के समान तेज वाला अश्व पाएंगे।

□ कल्कि रूपो धरी लो बोऊडो कड़ा धोड़ा घोड़ा चढी।

कृष्ण बलरामो मलेच्छ संहारीबे बारह हाथो खंडा धरी॥

अर्थात कल्कि रूप धर कर काले सफेद घोड़े पर बैठकर कृष्ण-बलराम रूप में 12 हाथों की तलवार लेके मलेच्छ संहार करेंगे।

□ डरो भयो लागी थिबो संसारो कू पूर्णी।

डरीबे नाही जे भक्तो नामो कू थिबे जाणी॥

अर्थात डर भय संसार में फैला होगा पर भक्त नहीं डरेंगे क्योंकि वो नाम की महिमा जानते हैं।

□ धाऊ रंगो वेषो पींधी भक्तो बूलीबे। ढेऊ परी देवीकरो खडगे पड़ीबे॥

अर्थात पाखंडी भक्त नाना प्रकार के वेशभूषा में तिलक लगाकर घूम रहे होंगे जो देवी की तलवार में कटने के लिए ऐसे गिरते जाएंगे जैसे लहर एक बाद एक तट से टकराता है।

□ बारूआ रोहणो करीबे टी प्रभु। तेतीकी बेड़े रामो सरीजीबो सबू।

अर्थात जब कल्कि अश्वारोहण करेंगे तब पाप का अंत होगा।

□ बरसा ऋतुरे तीनी बिंदु मेड़ो। कूतू कूतू होई गड़ीबो मूंडो माड़ो।

अर्थात बरसा ऋतु में जब तीन बिंदु का मिलन होगा तब मुंड माला गुंथे जाएंगे।

□ होईबो पूर्णी कल्कि रो लीड़ा। पंचो सखा मिड़ी करीबू खेड़ा॥

अर्थात कल्कि लीला आरंभ हो जाएगा पंच सखा मिलकर कल्कि के साथ लीला करेंगे।

□ सेही बेड़ोरे होईबो टी गोड़ो। सोमरो होईबो अति प्रबोड़ो॥

विश्वासो घातको अटोई चीना। चूटी काटी देबो से बेड़े सिना॥

अर्थात उसी वक्त युद्ध होगा। युद्ध भयंकर होता जाएगा। विश्वासघात करके चीन हमला करेगा।

□ उत्तरूं सैन्यो आसिबे माड़ी । दमनो बड़ो पुणी देबे धाड़ी।।

उत्तर से चीन मुस्लिम देशो के सैनिको के साथ हमले तेज कर देगा ।

□ खडगो घेनी देवो विश्वम्भोरो। कल्कि रूपो महाभयंकरो।।
भारतो देशो करीबे साधनो। दिल्ली गादी रे बसीबो ब्राह्मणो।।

नंद खडग पकड़े देव विश्वम्भर। महा भयंकर कल्कि रूप मे होंगे भारत को विश्व विजेता बनाकर दिल्ली की गद्दी पर एक ब्राह्मण को बिठा देंगे।

#kalkileela #kalkibalramproof #kalki #balram #ww3 #mahanedragiri

□ सारोड़ा करीबे कूटो लो बोऊड़ो कोटोके लागीबो गड़ो। काड़ीया बोदा रे बारह हाथो खंडा बाहारी बो सेही बेड़ो।।

अर्थात सारला देवी मां तांडव करेगी कटक शहर मे मारकाट मचेगा। तभी काड़ीया बोदा नामक स्थान जो महानदी के किनारे है उस जगह बारह फीट का तलवार निकलेगा।

□ कटको जोबरा आनीकटो तोड़ो महानदी बाली कूदो।
सिद्धो पुरूषो तहीं प्रवेशीनो आरंभिबे मुक्ति युद्धो।।
मुक्ति युद्धो हेबो काडिया बोदा। बाहारो होईबो द्वादशो खंडा।।

अर्थात कटक महानदी के जोबरा घाट मे सिद्ध पुरूष युद्ध शुरू करेंगे तभी काडिया बोदा नामक स्थान पर बारह फीट तलवार निकलेगा जो तलवार कल्कि धारण करेंगे।

□ मारू घाटी स्थानो अटोई। सेही मेछो अज्ञानी जे धोरा टी होई।।

अर्थात जो ये वही स्थान है जहां मलेच्छ अज्ञानी स्वघोषित कल्कि पाखंडी भक्त पाखंडी साधु सन्यासी वगैरह पकड़े जाएंगे।

□ गरीष्टो टाणूआ भक्तो से ठारे केहि नो पाईबे रक्षा ।

अर्थात कुतर्क करने वाले अपने आप को भक्त सिद्ध करने वाले कोई उस समय बच नहीं सकेंगे।

□ अंको कटी जीबो सालो ही केवलो मसीहा गटी रहीबो।
तोरोको तेरूआ जेते भक्तो जोबोरा घाटो रे सेबेडे नाशो।।

अर्थात कुतर्क करने वाले सभी पाखंडी भक्त उस वक्त जोबरा घाट पर विनाश को प्राप्त होंगे ।

कुतर्क नहीं करना चाहिए पर तर्क कर सकते हैं सनातन धर्म मे तर्क पूर्ण बाते ही मान्य है अंधविश्वास पर सनातन धर्म नहीं चलता । अब ईश्वर पर आंख बंद कर विश्वास कर लेना चाहिए पर इसमे भी वेद उपनिषद से किसी महापुरुष द्वारा समझकर विश्वास करना चाहिए इसलिए महापुरुष के द्वारा वेद उपनिषद भागवत के द्वारा ये समझकर माने कि यदि ईश्वर मानव रूप मे भी सामने खड़े हों तो किस प्रकार से पहचान मे आ सकें अन्यथा ऐसा भी हो सकता है बिना साधना के ईश्वर को देख लिया जाए तो बची-खुची भक्ति भी समाप्त हो जाए और आप नास्तिक बन जाएं। #odisha #ww3

□ दक्षिणू आसीबे तैलंगा दोड़ो। पश्चिमू आसीबे सैन्य बहुड़ो। पूर्वो रू आऊ केही न रहिबे। झारखंड देशे लुची रहीबे।।

अर्थात दक्षिण मे समुद्र का जलस्तर बढ़ने से तेलगु तमिल लोग मध्य भारत की ओर आएंगे। पश्चिम से चीन और मुस्लिम देशो की सेना आएगी । पूर्वी भारत मे कोई नहीं बचेगा । झारखंड के जंगलो मे लोग छुपने के लिए मजबूर हो जाएंगे। #ww3 #kolkata #jharkhand

□ जगतो सोरोसे भारोतो कमले ता मध्य केशर नीलांचल-- गोपबंधु।

अर्थात जगत एक सरोवर है उस सरोवर मे भारत एक कमल है और उस कमल का केशर नीलांचल है।

□ कड़ी जुगे नीलांचले दारू रूपे पूजीबे मो भोकोते।
ब्रह्म निरूपणो करी स्वयं विष्णु ब्रह्म प्रकाशिबे युक्ते।।

अर्थात कलियुग मे नीलांचल मे दारू रूप से मेरे भक्त मेरी पूजा करेंगे। ब्रह्म का निरूपण करके स्वयं विष्णु ब्रह्म को प्रकाशित करेंगे युक्ति से।

□ ऐहा मने रखी थिबू रे उधवो तो आगे कहूछी सत्य।
दारू मूर्ति नीलांचले रहि थिबो मानव स्वरूप कृत्य ।

अर्थात् भगवान् श्रीकृष्ण उधव से कह रहे हैं हे उधव याद रखना इस बात को जो सत्य मैं तुम्हें कह रहा हूँ। दारू मूर्ति जगन्नाथ पुरी में रहेगी पर मानव रूप से मैं लीला करूँगा कल्कि अवतार लेकर ।

□ निपुत्रे गोपालो घरे जन्मीं बू माता पिता होतो हेबे।
गोप्य गंगा तीरे ब्राह्मण नेई जे आम्हो कू पाई रखिबे।।

अर्थात् बहुत कोशिश करने पर भी जिसके घर में बच्चा पैदा नहीं होगा ऐसे व्यक्ति के घर जन्म लूँगा इसके बाद मेरे माता-पिता मारे जाएंगे । फिर गुप्त गंगा(वैतरणी) नदी के किनारे एक ब्राह्मण मुझे पाएगा और मुझे रखेगा ।

□ विप्रो नारी विप्र होतो जे होईबे आम्हरो दसो बरसो।
तहूँ चली जाई तपस्या करीबूँ गुप्तो भुवन देशो।।

अर्थात् जो ब्राह्मण मुझे पाएगा वो भी उस वक्त उसकी पत्नी के साथ मर जाएगा जब मेरी आयु दस वर्ष की होगी इसके बाद मैं गुप्त भुवन देश (भुवनेश्वर) में तपस्या करूँगा।

#kalki

Source <https://bit.ly/3BjGqXB>

□ हातो रे बेको रे सूता जे बांधीबे बराबरो भंडू थिबे।
सावित्री व्रतो जे घरे घरे हेबो जणे को सति नो थिबे।

अर्थात् हाथों में व्रत का धागा गले में मंगलसूत्र आदि होगा पर बराबर झूठ बोल रही होंगी। तुलसी सावित्री व्रत घर घर होगा पर एक भी सती नारी नहीं होगी।

□ नारी रो मनो पुरूषो रो दशा। बूझी नो पारोई केहि मेघो बोरोसा।।

अर्थात् नारी का मन पुरुष की दशा और बादलों की वर्षा को कोई नहीं समझ सकता ।#malikaproof #fulfilled

भविष्य मालिका से कोरोना बिमारी के बारे में कुछ सबूत और उसके बाद आने वाले समय पे कुछ तथ्य

□ अजणा रोगो जे माडि आसी जियो मुंह लागाईबे तुंगी। सुगाडो कूकूरो मारी खाई जिबे चातको पोखी कू भंडी।।
- पद्म कल्प टीका

अर्थात् अनजान रोग आ जाएगा मुंह में लगाएंगे तुंगी(मास्क) । सियार कुत्तों को मार कर खाएंगे मुर्गा को दाना डालकर खाएंगे ।

लोक डाऊन पर मालिका विचार -

□ एकुईसो दिनो जे घरू न बाहारीबे न जिबे काहा घरोकू।
भक्तो न देखीबे देऊं देवोता माहाप्रसादो न मिडिबो काहाकू।।

अर्थात् 21 दिन घर से नहीं निकलेंगे किसी के घर भी नहीं जाएंगे। भक्त भी अपने इष्ट देवता को नहीं देख सकेंगे और जगन्नाथ मंदिर में महाप्रसाद भी नहीं मिलेगा किसीको।

□ ऐहा कू विचारो शासनो करो केतू माला ठारे आशा न करो।
विश्वासो घातोको अटोई चीना चूटी काटी देबो से बेड़े सिना।।- पद्मकल्प टीका।

अर्थात् ये विचार करके शासन करो हिमालय (केतु माला पर्वत) पर आशा मत करो । विश्वास घातक चीन ऐसे ही धोखा देगा हिमालय को छीन लेगा जैसे सोये हुए व्यक्ति का कोई चुपके से बाल काट दे।

□ चारो दिगे मध्यो चहल पड़ीबो। चीना संगे आद्यो समरो होईबो।।

अर्थात् चारों ओर हलचल होगा चीन के साथ युद्ध होगा ।

□ चोरो माने मात्रा अधिको हेबे। चाकरीया सबू फेरोस्तो जिबे।

अर्थात् चोर अधिक बढ़ेंगे चोरी की घटनाएँ बढ़ेंगी। नौकरी करने वालों की नौकरी जाएगी।

□ चौहानो थिबो से देशे जे।चरणो चूटिया भुरिश्रवा जे। जन्मो लभीछी असुरो अंशो जे।

अर्थात् चीन मे ही चौहान होगा और भुरिश्रवा भी होगा जो असुर कुल मे जन्म लाभ किया होगा ।

□ सबू मिया देशो एकत्रितो हेबे। कहीबे भारतो कू उडाईनो देबे।

अर्थात् सभी मुस्लिम(मिया) देश एकत्रित होंगे और कहेंगे भारत को उड़ा देगे। ये महागुप्त पद्म कल्प टीका मालिका मे है।

□ ऐथीरे बाबू लीला मानो सबू बूझीबू धनो भले। ये भारतो उपरे चीना देबो धाई निश्चितो यवनो तुले।

अर्थात् बाबू अब तू सभी लीलाओ को समझ सकेगा और ये जान सकेगा कि निश्चित ही चीन आक्रमण करेगा यवनो के साथ मिलकर ।

#ww3 #china #corona

भगवान् बुद्ध भगवान विष्णु के अवतार होने का भविष्य मालिका से एक और प्रमाण □

□ अवतारो दसो ऐही जगन्नाथो अंगो खीरो निसोंती। निड़ा निमंते निड़ाद्रीनाथो निर्विकारे बसीछंती।।

– शून्य संहिता मालिका

अर्थात् दस अवतार यही जगन्नाथ जी के श्री विग्रह से प्रकट होते हैं। लीला करने के लिए लीलानाथ निर्विकार रूप मे बैठे है।

□ श्री नीड़ोकंदो रे बीजेकरी अछो बौद्ध रूपो बहिछो। भक्तो निमंते तुम्हारो ऐ सोबू भियाणो प्रभु श्रीबोछो।।

– गरूड़ गीता मालिका।

अर्थात् श्री मंदिर मे बैठे हो प्रभु बुद्ध रूप धरकर। भक्तो के लिए आप प्रभु नाना रूप से दर्शन देते हो।

#lordbuddha #buddha

□ मीनो शनि गुरुवारो रे पडिबो यही अंको धुबो धुबो। मिथुन मासो रे तेरह दिनो पक्षो काड़ो धरणी ग्रासीबो।।

अर्थात् जब मीन राशि मे शनि गुरुवार को प्रवेश करेगा ये ध्रुव सत्य है और जब शनि मीन राशि पर होगा तब मिथुन (अषाढ़/जून-जुलाई) मास मे तेरह दिन वाला पक्ष (मेरे अंदाज़ के अनुसार यह 23 जून से 5 जुलाई 2024) के बिच होगा तब धरती को काल ग्रास करेगा।

□ मीनो शनि बेलो होईबो जेते बेड़े। सेबेड़े समरो हेबो भारत मंडलो रे।।

अर्थात् जब मीन राशि पर शनि होगा तब भयंकर युद्ध होगा भारत वर्ष मे।

□ मीनो शनि आसी देऊ थिबो घांटी भारत लोड़ाई हेबो। दसो अणा जिबो छ अणा रहिबो मो वचन अटे धुबो ।।

अर्थात् मीन राशि पर शनि आकर उथल-पुथल मचाएगा भारत मे युद्ध होगा। 75% नष्ट होगा 25% रहेगा।

□ मिनो शनि आसी करीबो राजत्वो मानव मारू मारूड़ी होबो। पराधीन हेबो ये भारतो बर्षो शासन कड़ा लागीबो।।

अर्थात् मीन राशि पर शनि आकर राज करेगा मानवो की मृत्यु बहुत अधिक होगी। पराधीन (गुलाम) होगा भारत वर्ष बिदेशी कड़ा शासन लगेगा ।

□ अराजको हेबो ऐ जम्बू दीपो रे भक्तो हेबे छानिया। अनाहतो अग्नि प्रज्वलितो हेबो उछोन सारा दुनिया।।

अर्थात् अराजकता होगा जम्बू दीप पर भक्तो का हृदय कांपेगा। अनाहत अग्नि प्रज्वलित होगी उथल-पुथल मचेगी सारा दुनिया मे।

□ निजो प्राणो घेनी सर्वे पड़ाईबे चिन्हा अचिन्हा नो बारी। माता पिता सुता नो लोड़ाईबे पड़ाईबे देशो छाड़ी।।

अर्थात् अपनी अपनी जान बचाने के लिए कोई किसी को नहीं पहचानेगा। माता पिता अपने पुत्र पुत्रीयो को छोड़कर अपने अपने स्थान से भाग जाएंगे।

□ मीनो शनि कू जे चढी जिबो। उड़ीसा नष्टो भ्रष्टो होईबो।

अर्थात् मीन राशि पर शनि चढेगा उड़ीसा नष्ट भ्रष्ट हो जाएगा ।

□ चैत्र मासो रे बढीबो ताती। अजा थाऊं थाऊं मरीबो नाती।।

अर्थात चैत्र मास मे सूर्य किरण का ताप बढ़ जाएगा दादा जी के रहते नाति मरेगा।

- सूर्य किरणो जे होईबो टांणो। चन्द्र किरणो जे दिसिबो मलिनो।।

अर्थात सूर्य किरण का तापमान बढ़ जाएगा चन्द्र किरण धूमिल दिखाई देगा।

- जेऊ जनो जे ऐहाकू पढिबो। कृष्ण जे ताकू प्राप्तो होईबो।।

अर्थात जो इस मालिक ग्रंथ को पढ़ेगा उसे श्रीकृष्ण की प्राप्ति होगी।

- जे जनो ऐहाकू सुनिबो शौच हेबो मनो। आदि शक्ति ताठारे होईबो प्रसन्न ।।

अर्थात जो इस ग्रंथ को सुनेगा आदि शक्ति उससे प्रसन्न होंगी।

- ऐते ऐते कथा होईले जाणो। कडी शेषो बलि निश्चे प्रमाणो।।

अर्थात ये बातें जब प्रमाणित होंगी निश्चित जान लेना कि कलयुग शेष हुआ ।

- तेरह दिनों पक्षो होईबो जेबे। कड़ींकी रो लीला लागीबो तेबे।। क्षेत्रो रे हेबो ब्राह्मण राजा । अनेक दिनों पलीबो प्रोजा।।

अर्थात तेरह दिनों वाला पक्ष जब पड़ेगा शनि के मीन राशि में रहने पर तब कल्कि अवतार लीला शुरू करेंगे युद्ध करेंगे । भारत में ब्राह्मण राजा होगा अनेक दिनों तक प्रजा का पालन पोषण करेगा।

#meenshani #ww3 #timeline #odisha

- अठाईसो ठारू उणोत्रीसो जाऐ प्रमादो ओछी अपारो।
उणोत्रीसो अंको रेतू हे गरूडो महाकल्कि अवतारो।।

अर्थात 2028 से लेकर 29 तक बहुत प्रमाद है 2029 में हे गरूड महाकल्कि अवतार आत्म प्रकाशित होंगे।

- महाभयंकरो उत्तपातो हेबो ऐ जम्बू दीपो रे जाणो।
कल्कि रूपो रे मेछो संहारेणो भारा उस्वासीबे पूणो।।

अर्थात महाभयंकर उत्पात होगा इस जम्बू दीप में। कल्कि रूप धर कर प्रभु मलेच्छ संहार करेंगे और धरती का भार घटाएंगे।

- अल्पो दिनों रे ऐ कथा होईबो नाही बेसी आऊ बेड़ो।
धुमकेतु दृश्यो गगनो मंडोले पृथ्वी हेबो टोड़ो मोड़ो।।

अर्थात अल्प दिन में ये बात होगी नहीं है बाकी अधिक दिन। धुमकेतु आकाश मंडल में दिखेगा पृथ्वी डगमगाने लगेगा।

#asteroid #ww3 #timeline #2028 #2029

मालिका ग्रंथ के अनुसार जगन्नाथ दारू ब्रह्म जी का नव कलेवर अब नहीं होगा क्योंकि जगन्नाथ अब मानव शरीर धारण कर लिए हैं। 1996 के बाद 2015 को नव कलेवर हुआ था ।

नवकलेवर का अर्थ है दारू ब्रह्म जगन्नाथ जी के विग्रह के अंदर जो ब्रह्म पदार्थ है उसको नये विग्रह में बदलना। ये बदलने की परंपरा भी बहुत रहस्यमय ढंग से चलती है ।

ब्रह्म पदार्थ को नये विग्रह में रखते वक्त पंडे लोग आंखों पर पट्टी बांधे रहते हैं और हाथों में कपड़े लपेटकर ब्रह्म पदार्थ को पकड़ते हैं और नये विग्रह में रख देते हैं ये रात के बारह बजे किया जाता है जगन्नाथ पूरी शहर में लाईट बुझा दी जाती है दस पंद्रह मिनट के बाद मंदिर का द्वार खोल दिया जाता है और लोग जगन्नाथ जी को नये शरीर (विग्रह) में दर्शन करते हैं।

पर 2015 के नवकलेवर में एक घटना घटी थी जो काम पंद्रह मिनट में हो जाना चाहिए उसे करने में पंद्रह घंटे का वक्त लगा । लोग मंदिर के बाहर खड़े थे न्यूज चैनल वाले ताक रहे थे पर मंदिर का दरवाज़ा खुल ही नहीं रहा था अगले दिन दोपहर के बाद जब तीन बजे मंदिर का द्वार खुला तो न्यूज चैनल वाले ने सवाल की बरसात कर दी जो कभी इतनी देर नहीं हुआ इस बार ऐसा क्यों हुआ । पंडे घबराए हुए थे जनता गुस्से में थी पंडों को सजा की मांग कर रहे थे घबराहट में पंडों को जबाब सूझ नहीं रहा था आनन-फानन में पंडों ने कहा कोई ब्रह्म पदार्थ को छीन लेना चाहता था इसलिए इतनी देर हुई पर इस जबाब से सैकड़ों सवाल खड़े हो गए आखिर कौन छीन लेना चाहता था क्योंकि ब्रह्म परिवर्तन के समय तो पंडों के अतिरिक्त कोई नहीं मंदिर में घुस सकता तो क्या पंडे ही छीनना चाहते थे कौन से पंडे छीनना चाहते थे इस सवाल पर भी पंडों के पास जबाब नहीं था सच्चाई यही है कि ब्रह्म पदार्थ पुराने विग्रह में था ही नहीं अदृश्य हो गया था क्योंकि ब्रह्म ने मनुष्य शरीर धारण कर लिया था।

अब पंडे यदि कहते ब्रह्म पदार्थ नहीं है तो उनपर चोरी का इल्जाम लगता और जगन्नाथ जी के दर्शन करने कोई नहीं जाता इसलिए उन्होंने किसी एक को मोहरा बनाकर उसे जेल जाने के लिए राजी कर लिया और बात को खत्म करने की कोशिश की। वर्तमान समय तक इस रहस्य से पर्दा नहीं उठा है कि देरी क्यों हुई थी। तब से जगन्नाथ मंदिर में बहुत कुछ ऐसी घटनाएँ घटी जो पहले कभी नहीं हुईं। जगन्नाथ जी के अंदर से जो अद्भुत सुगंध आती थी जो सुगंध भुवनेश्वर तक महकती थी वो बंद हो गई।

नील चक्र पर गिद्ध बैठने लगा। जगन्नाथ जी को महाप्रसाद खिलाने के वक्त जो चमत्कार होता था वो नहीं हुआ पुरी में मांस मदिरा बिकने लगा। मंदिर से पत्थर गिरने लगे रत्न छावनी में आग लगने लगा धर्म ध्वजा में भी आग लगने लगा वगैरह वगैरह अशुभ घटनाएँ घटने लगी इससे सिद्ध होता है कि फैलीन तूफान के वक्त अच्युतानंद दास जी जो माधवानंद के रूप में फिर से अवतरित हुए थे उन्होंने ब्रह्म पदार्थ को अपने योगबल से गायब करके उसे मानव शरीर का रूप धारण करने के लिए विवश कर दिया होगा। क्योंकि अच्युतानंद की भविष्यवाणी में बताए गए समय तिथि पर ही 1999 में उड़ीसा में भयानक तूफान आया था जब लोग नहीं सुधरे तब अच्युतानंद दास ने जो वर्तमान समय में मानव शरीर में थे उन्होंने ये कदम उठाया होगा।

#kalkileela

□ ताड़ो पोड़ूछि काड़ो रोड़ूछि बड़ो डांडो रे मीनो खेड़ूछि। जोगी भोगी रोगी बाबू अबराधो बेड़ो थाऊं हूवो साधु सावधानो कोड़ी जुगो सोरी आसूछी बाबू चोका आंखी सबू देखूछी। रे बाबू कोड़ी जुगो सोरी आसूछी।

ताल पड रहा है काल गर्जना कर रहा है बोड़ो डांडो (रथ यात्रा वाला सड़क) में मछलीयां खेल रही हैं योगी भोगी रोगी बाबू थोड़ा ठहरो समय रहते थोड़ा सावधान हो जाओ कलयुग शेष हो रहा है चोका आंखी (जगन्नाथ की गोल आंखें) सब देख रहा हैं।

□ दोईबो दोऊड़ी ऐमिति टाणूछी टांगीया रे बापा पूओ कू हाणूछी। रक्त रो होली मोणीषो खेड़ूछी पोरो सुखो देखी इर्ष्या रे जोड़ूछी।

माया की डोरी ऐसा खींच रही है कि बाप बेटे का बेटा बाप का फरसे से गला काट रहा है। रक्त की होली मनुष्य खेल रहे हैं। दूसरे का सुख देखकर ईर्ष्या में जल रहे हैं।

□ धनी महाजोनो ऐबे साहूकारो छाडी दियो गर्वो ईष्पा अहंकारो कर्मो फोड़ो जोणे लेखूछी रे बाबू चोका आंखी सबू देखूछी।

धनी महाजन साहूकार छोड दो ईर्ष्या अहंकार क्योंकि कर्म फल कोई लिख रहा है रे बाबू जगन्नाथ की आंखें सब देख रहा है।

□ सूरजो कू राहू देखो रे ग्रासूछी सबू आडूं माडी अंधारो आसूछी, दिनो बेडे पेचा बादूड़ी उड़ूछी आंखी खोली देले डरो तो माड़ूछी।

सूरज को देखो राहू ग्रास रहा है चारों ओर से अंधेरा छाता चला जा रहा है। दिन के उजाले में उल्लू चमगादड़ उड़ रहे हैं जागने पर भय छा रहा है।

□ राजा महाराजा मूर्खो पंडीतो शेषो बेडे पोढ़ो गीता भागोवतो हाथो ठारी जोणे डाकूछी रे बाबू कोड़ी जुगो सोरी आसूछी, रे बाबू चोका आंखी सबू देखूछी।

राजा महाराजा मूर्ख पंडित शेष वक्त में गीता भागवत पढ़ो क्योंकि हाथ बढ़ा के कोई बुला रहा है रे बाबू जगन्नाथ की गोल आंखें सब देख रहा है।

#malikaproof #kaliyugaendproof

उड़ीसा के जाजपुर जिले में ही विश्व की राजधानी बनेगी भगवान् कपिल ने भी जाजपुर उड़ीसा में होने की बात कही है। यहां बिरोजा देवी का मंदिर है जो दो भुजा वाली दुर्गा का रूप हैं पुराणों के अनुसार यहां सती का नाभि गिरा था इसलिए इसे नाभिया क्षेत्र भी कहते हैं इस स्थान पर हिमालय से साधु संन्यासी आएंगे। कटक में चौद्वार के कटक चंडी मंदिर के गर्भ गृह में एक गुफा है जहां एक पीतल का बहुत मोटा दरवाजा है उस दरवाजे में सात ताले लगे हैं चाभी किसके पास है किसी को नहीं पता। उस दरवाजे के पार बहुत सारे दिव्यास्त तथा हीरे मोती माणिक्य सोना आदि खजाना भी है जो 2024 के नम्बर महीने में बाहर निकाला जाएगा कल्कि के सिवा कौन निकाल सकता है। नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर में रखा जो नील मणि एक बड़ा सा ताला के अंदर बंद है वो भी बाहर निकाला जाएगा।

<https://www.youtube.com/watch?v=wb-7ZIDjVyA> #jaipur #odisha #2024 #treasure

भद्रक संबलपुर जिले के बीच गूहिरा टीकरा जो हीराकूद बांध के नीचे है जहां 26 साल से एक ब्राह्मण तपस्या कर रहे हैं उस स्थान पर 2026 में महामहिम कल्कि एक लाख यवनों का संहार करेंगे इस स्थान से महाभारत युद्ध के आधाबेला युद्ध जो बाकि था महामहिम कल्कि अनन्त केशरी के साथ युद्ध शुरू कर देंगे सोलह दल के भक्त गूहिरा टीकरा में जमा होकर कल्कि के साथ दिल्ली की ओर कूच करेंगे। उसी समय त्रिजटा जो कलयुग में फिर से जन्मी थी उसके वंशज भगवान् जगन्नाथ जी के विग्रह को छतिया वट (कटक) ट्रेन से लाद कर लाएंगे 12 वर्ष तक छतिया वट पर जगन्नाथ जी रहेंगे। राजस्थान और उत्तर प्रदेश के दो दलो पद्म दल तथा कठ दल के भक्त जय जय कार करते हुए अनन्त केशरी को दिल्ली के सिंहासन पर राज्याभिषेक करेंगे और नयी राजधानी बनाने का सुझाव देंगे जिससे विश्व कर्मा जी स्वर्ण महल नयी राजधानी में बनाने के लिए देवी भगवती का आह्वान करेंगे।

Source <https://bit.ly/3BliNhq> #gohiratikiri #trijata #16mandal #ekatrikaran

□ भोजू कि ना रामो नामो रे कुमरो भोजू कि ना रामो नामो। भोजी नो पारीले कूड़ो चन्द्रमा कू बांधी नेबो काड़ो जमो।
सेही काड़ो जमो बड़ो दारूणो रे न जाणई दुखो सुखो बाछी नेबो कंचा रखीबो पाचोला देबो टी दारूणो दुखो ।।

अर्थात भज लो राम नाम रे मन भज लो राम नाम। भज नहीं पाने से कुल चन्द्रमा को बांध लेगा काल यम। वो काल यम बहुत भयंकर है नहीं जानता दुख सुख । रखेगा बुजुर्गों को चुन लेगा बच्चों नौजवानों को देगा दारुण दुख। #naammahima

आनेवाले समय में भारत में युद्ध खत्म करके अनन्त केशरी मक्केश्वर महादेव (मक्का) जाएंगे और सफेद तुलसी पत्तों के साथ गंगा जल काबा में डाल देंगे। अचानक महादेव हुंकारते हुए उठ खड़े होंगे। इतने में मुस्लिम अनन्त केशरी पर धाव बोल देंगे तीन हजार सेना जो मक्का के बाहर गुप्त रूप से रहेंगे अनन्त केशरी के संकेत से मक्का के करीब पहुंच जाएंगे। अनन्त केशरी अपने तीन हजार सेना के साथ मुस्लिमों से घनघोर युद्ध करेंगे एक लाख मुस्लिम जैसे ही मारे जाएंगे घबरा कर सारे मुस्लिम अनन्त केशरी के आगे सरेंडर कर देंगे फिर अनन्त केशरी उन्हें क्षमा करके अपनी सेना में शामिल कर लेंगे फिर अनन्त केशरी यूरोप की ओर प्रस्थान करेंगे।

<https://bit.ly/44So4dT>

#mecca #ww3 #balram

□ मधु मास प्रान्त शुक्ल एकादशी, बृहस्पति मिन शनि, देवी नदी ठारु कुशभद्रा जाए भान्निव त्रिकोण भूमि। भुजंग अंचल जले बुड़ी जिब, नृप सिंहासन जिब, पाराद्वीप ठारे आम्भ र समाधि से दिन पूजा पाईब।।

अर्थात चैत्र मास के शेष समय में शुक्ल पक्ष की एकादशी के दिन, गुरुवार को जब शनि मिन राशि में होंगे तब बंगाल की खाड़ी में एक तूफान उठेगा। उस दिन पूरी श्रीक्षेत्र को जल अधिग्रहण कर लेगा और महाप्रभु का रत्नसिंहासन जलमग्न होगा। पानी इतना ज्यादा आगे बढ़ेगा की पाराद्वीप में महापुरुष अच्युतानंद की समाधी को छू लेगा। इसी समय बाईस पाबच्छ यानी सीढ़ियों पे मछलियां खेलेंगी और नीलचक्र वक्र होगा।

□ अगाध सागर हेब बलियार खंडगिरी देखि जिब, पहाड़ पराए से सागर राजा उजाणी घेनी आसिब। दुई रे दुई सुन देई, बइठी ता परे बसाई, तेबे होइब तिनी गुण इ कथा रामदास।

इस जल प्रलय के कारण समुद्र बलवान होकर खंडगिरी (60+ किमी) तक बढ़ जाएगा। पहाड़ों को लांघ के समुद्र राजा घुस जायेंगे। यह घटना होगी तब फनी तूफान से तिन गुना पवन चलेगी। इससे पहले 2019 में ओडिशा में फनी नाम का भयावह तूफान आया था जो 250 किमी की रफ्तार का था इस लिए हम समझ सकते हैं की इस बार तूफान कितना तेज़ होगा।

- शिवकल्प नवखण्ड निर्घट, महापुरुष स्वामी अच्युतानंद

(यह पंक्तियों में दीये गए समय के सूचकों के हिसाब से यह घटना 18 अप्रैल 2024 को होनी चाहिए, आगे हरी इच्छा!)

<https://www.youtube.com/watch?v=AWtVOnIZPtY>

#puri #srikshetra #cyclone #odisha #2024 #timeline

□ झिन्कारी बोलिण एकवर्ण पोक आसिबे शून्य उड़ीण, एही सूचक रे जानिबू गरुड़, तेतिके आसिबे सैन्य।

टिड्डियो जैसे छोटे से जिव अज्ञात स्थान से भारत में आयेंगे और उपद्रव मचाएंगे। जितनी संख्या में यह जिव होंगे उसी संख्या में सैन्य उसके बाद आयेंगे।

□ सुण कुमर निष्ठा बचन, उतरु आसिबे गण, पूर्व पश्चिम दक्षिण डिगे, घोटी रहिबे बहुत संसारे।

महापुरुष अपने शिष्य से आनेवाले समय के विषय में कह रहे हैं की मेरा वचन निष्ठा से सुनो। उतर से झिन्टीका यानी टिड्डियो जैसे जिव के झुण्ड आयेंगे और पूर्व, पश्चिम, दक्षिण सब दिशाओं में फैल जायेंगे।

□ जेतिकी आसिबे झिन्टीका पोक तेतिकी म्लेच्छ भी होइबे अतः तेतिकी सैन्य हेबे ओडिशा पुर, घोडा तापुरे महि हेब झुर।

यह झुण्ड जिन जिन देशों में जितनी जितनी संख्या में जायेंगे उन उन देशों में उतनी उतनी संख्याओं में ही म्लेच्छों का विनाश होगा। जितनी संख्या में ओडिशा में झिन्टीका आयेंगे उतनी ही संख्या में ओडिशा पे सैन्य आयेंगे और घोड़ों की आवाज़ से पृथ्वी काँप उठेगी।

<https://youtu.be/snx3Uv8gQe4?list=PLNvL0KEVZk4VT6DyobjvbXfrxI988nSs8->

#ww3 #locustattack #locust

धर्म संस्थापना में भगवान् कल्कि के सच्चे भक्तों की क्या पहचान होगी?

- भक्त युग के अंत को समझ जायेंगे और उनको मिल रहे संकेतों और स्वप्नों को समझ के भाव विभोर हो जायेंगे । प्रभु के बारे में जानके उनकी आँखों में आंसू आ जायेंगे ।
- भक्त नीरव और शांत रहते हैं । आवश्यक हो उतना ही बोलते हैं और उदासीन रहते हैं ।
- भक्त बाह्य संसार में तो कर्म में रहते हैं लेकिन अन्दर से निरंतर प्रभु के संपर्क में रहते हैं । भक्त के मन में निरंतर नाम भजन चलता रहता है ।
- भक्त किसी वास्तु से आसक्त नहीं होते । किसी पार्थिव, भौतिक या सामाजिक वस्तुओं में उनको आसक्ति नहीं रहती ।
- भक्त किसी से तर्क नहीं करते और दिखावा भी नहीं करते ।
- भक्त कम भोजन करते हैं और ज्यादा सोते भी नहीं ।
- जो मंदिर में 10 घंटे बैठा रहे वो भक्त नहीं जो निरंतर कर्म करते भी प्रभु में रमा रहे वो भक्त हैं ।
- सरलता और उदासीनता ही भक्त का सबसे बड़ा लक्षण है ।
- कहीं अगर भागवत कथा, भगवान् की चर्चा और भागवत चिंतन होता है तो भक्त वहाँ सब से पहले पहुँच जाते हैं ।

पूरा विडिओ: https://youtu.be/LecjPVQB_v0?t=1508

#devotees

महान पंचसखाओं में एक, महापुरुष शिशु अनंत दास ने अपने मालिका ग्रंथ में आज से सदियों पहले ही लिख दिया कि कलियुग के अंत में कई असामान्य घटनाएं देखी जाएंगी। इसी प्रसंग में महापुरुष ने नीम के पेड़ों पर बेमौसम कलियों का आना, आम के पेड़ों पर असमय फूल आना, असामान्य समय पर कोयल का गाना और पुरुषों द्वारा भी अपने गर्भ से बच्चे जनने जैसी अभूतपूर्व घटनाओं का उल्लेख अपने उक्त दोहे में किया है।

□ आदिनरे निम्ब कट्टी आचारीब अदिने आम्ब बउल।
अदिने कोकिल राब करूथिब पुरुष पीला प्रसब॥

– शिशु अनंत मालिका

अभी के काल-खंड में ऐसी विसंगतियों के समाचार लगातार आ रहे हैं जो महापुरुष की वाणी को चरितार्थ तो करती ही हैं, कलियुग के अंत की पुष्टि भी करती हैं।

इस भीषण गर्मी में आम के पेड़ पर बौर दिखने की एक घटना। #kaliyugaendproof #malikaproofs

Page | 243